

tio 52]

नई बिस्ली, शनिवार, विसम्बर 29, 1984 (पौष 8, 1906)

No. 52] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 29, 1984 (PAUSA 8, 1906)

ह्म भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था दी जाती है जिससे कि यह अलग संस्थान के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## वाय 🎹--वन्य 1

# [PART III—SECTION 1]

उच्य न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखावरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विमान और भारत हुसरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारी जारी की गई अधिसूचनाएं [Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union.

Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा ग्रायोग

न्हें दिल्ली-110011, दिनांक 20 नवम्बर 1984

सं० ए० 32014/1/84-प्रशा०-III-राष्ट्रपति संघ लोक सेवा भाषोग के कार्यालय के निग्निलिखत सहायकों को प्रत्येक के सामने निदिष्ट श्रवधि के त्रिए श्रथवा ग्रागामी भावेगों तक जो भी पहले हो, तदर्थ भाधार पर अनुभाग श्रधिकारी के पर पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष निधुकत करते हैं:---

ऋम नाम पदोन्नति की श्रवधि सं०

- ा. श्रीके०एस सूद 15-10-84 से 28-11-84 तक
- श्री मंजीत कुमार 11-11-84 से 15-12-84 तक

एस बनर्जी प्रवरसचिव (प्रशा०) संघ लोक सेवा ग्रायोग केन्द्रीय सतर्कता प्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 5 दिसम्बर 1984

> ्रक्र°ण लाल मन्होत्रा, ग्रवर सचित्र **कृते** केन्द्रीय सतकती ग्रायुक्त

केन्द्रीय न्याय वैदयक विज्ञान प्रयोगशाला केन्द्रीय ग्रन्वेशण ब्यूरो

नई विल्ली, दिनांक 6 दिसम्बर् 1984

सं 1-15/84-सी ०एफ ० एस ० एस ० / 9997--राष्ट्रवित, केन्द्रीय न्याय वैदयक विज्ञान प्रयोगशाला के वरिष्ट वैज्ञानिक म्राधिकारी ग्रेड-II, श्री एम० के० जैन (शक्तुमेंट) को 25-10-84 (प्रकृति) से केग्द्रीय न्याय बैद्यक विकास प्रयोगशासा में वरिष्ट वैक्रासिक ग्राधिकारी तदर्थ ग्राधार ग्रेड-I (डाक्ट्रमेंट) के पव पर 6 साह्या पद के स्थायी रूप से भरने तक जो भी हो पुने रोजगार के लिए नियुक्त करते हैं।

संव 1-15/84-सी विष्फृ विम्म विष्क एक विश्व शिष्ठ विश्व विद्या वि

भ्राप्य एस० सागपाल प्रशासकीय श्रधिकारी (%)

### गृह मंत्रालय

### नई दिल्ली, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

सं० ए-19014/14/84-प्रशासन 5---राष्ट्रपति ने श्री बी० एन० सिन्हा, पुलिस उपाधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण उपरो, विकेष पुलिस स्थापना को, कोल इंडिया लिसिटेड, कलकत्ता से प्रत्यावर्तन होने पर, विनांक एक दिसम्बर, 1984 के पूर्विक्त से अगले आदेश मिलने तक केन्द्रीय प्रन्वेषण क्यूरो, विकेष पुलिस स्थापना में, अस्थायी रूप् में, स्थानापन्न पुंलिस ग्रधीक्षक नियुक्त किया है।

### विनांक 7 दिसम्बर 1984

सं० ग्रार०-78/65-प्रशासन-5—निवर्णन होने गर. श्री रोहित कुमार ने दिनांक 30 नवस्वरं, 1984 के अपराह को कार्यालय ग्रधीक्षक/विशेष एकत, केन्द्रोय ग्रावेषण व्यरों के पद का कार्यभार त्यान दिया ।

रं० ए-19012/1-81-प्रणासन-5-- राष्ट्रपति ने श्री ए० के० बनर्जी, भा० पु० सेवा (उ० प्र०: 1955) को दिनांक 3 विसम्बर, 1984 के प्रपराह्म में प्रगले प्रादेश मिलने तक संयुक्त निदेशक, केन्द्रीय श्रन्वेष्ण ब्यूरो एवं विशेष पुलिस महानिरोक्षक, विशेष पुलिस स्थापना के रूप में नियुक्त किया है।

सं० ए-19017/6/84-प्रशासन-5—श्री एन० बो० रामदास. भपराध सहायक. केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 5 दिसम्बर, 1984 के पूर्वात्र मे श्रगले श्रादेश तक के लिए, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरी में स्थानापन्न कार्यालय श्रधीक्षक के रूप में नियुक्त किया जाता है।

> म्रार० एस० नागपाल प्रशासनिक म्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय भ्रन्वेषण ब्यूरी

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1984

सं ० ए/35016/17/84-प्रशासन-5---उत्तर प्रदेश/महाराष्ट्र पुलिस से केन्द्रीय प्रन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्त पुलिस उपाधीक्षकः सर्वश्री डी० पी० सिंह और एस० ग्रार० गृप्ता की नेवाएं कमणे दिनांक 15-11-1984 (पूर्वाह्म) ग्रीर दिनांक 21-11-8.4 (ग्रपराह्म) से दिल्ली प्रणासन की सौंप दी गई।

सं० ए-35016/17/84 प्रणासन-5—सर्वश्रो श्रो० एम० पंडित और के०पी० सिंह, पुलिस उपाधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण क्यूरों की सेवाएं क्षमण: दिनांक 20 नवस्वर, 1984 के अपराह्म और दिनांक 21 नवस्वर, 1984 के अपराह्म से, प्रतिनियुक्ति पर, विल्लो प्रणासन को मौंपी जाती हैं।

के० वक्तवर्ती, उम निदेशक (प्रशासन) केन्द्रोय प्रत्येयण ब्यूरो नई दिल्लो

समस्वय निवंशालय (पुलिस बेनार) नई दिल्लो, दिनांक 3 दिसम्बर 1984

सं० ए-12012/1/84-प्रशासन-II---इस निवेशालय के दिनांक 3 दिसम्बर 1984 के कार्यालय आवेश भाग-II (स० 387/84) के द्वारा अतिरिक्त सहायक निवेशक के पद पर नियुक्त होने के फलस्वरूप श्री राज पाल केसरपाल ने नई दिल्ली में 650-30-740-35-810-द० रो० -35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- रुपए के वेतनमान में 3 दिसम्बर 1984 (पूर्वाह्म) से अगले आदेशों तक अतिरिक्त सहायक निवेशक (ग्रुप 'ख' राजपांबत) के पद का कार्यभार सभाल निया है।

बों ० के ० दुबे, निदेशक पुलिस दूरमंचार

महानिदेशालय के० रि०पु० बल नई दिलो, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

सं० पी० सात-10/84-प्रणा०-3--इस महानिदेशालय के श्री बी० पी० मनीचा अनुभाग-अधिकारी को दिनांक 28 नवभ्बर 1984 (पूर्वाह्म) में वेतन व लेखा कार्यालय में संयुक्त सहायक निदेशक (लेखा) के पद पर नदर्थ रूप में पदोन्नन किया जाता है।

किशन लालः उप निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्लो-110003, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

म० औ० दो-249/69-स्था० (के० रि० पु० बल):— श्रो सत्यपाल सिंह सहायक कमाडेन्ट ग्रुप केन्द्र-2 के० रि० पु० बल अजमेर ने सरकारी सेवा से निवृक्त होने के फलस्वरूप दिनांव .31-8-84 (अपराक्ष) में अपने पद का कार्यभार त्याग दिय है।

> एम० पो० जखमोला सहायक निदेशक (स्था०)

### महानिवेशालय

### केन्द्रीय घौधोगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 19 नवम्बर 1984

स० ई-32015(3)/9/84-क्रामिक-I--राष्ट्रपति श्री जैंड़० एस० सागर को प्रोक्षति पर 13 अक्टूबर 1984 के पूर्वाह्म में के० श्री० मु० व० यूनिट आयल इण्डिया लि० असम और अस्णाचन प्रदेश जिमका मुख्यालय दुनियाजन (असम्) ; है में कमांडस्ट के रूप में पूर्णतया तदर्थ आधार पर श्रीर अस्याई तौर पर 26-3-85 तक को अवधि या ऐसे समय में नियमिन नियुक्तियां किए जाने नक जो भी पहने हो नियुक्त करते हैं।

### दिनांक 10 दिसम्बर 1984

सं० ई-32015(4)/180/84-कार्मिक:--राष्ट्रपति श्रंभ एस० एन० दुगान को प्रोक्षति पर 15 अक्तुबर 1984 के पूर्वाह्म से 24 मार्च 1985 तक के लिए या इस अवधि में नियमित तियुक्तियां किए जाने तक जो भी पहले हो पूर्णतथा तदर्थ व अस्पाई आधार पर के० औ० मु० अ० यूनिट एस० ए० आई० एल० एम० वाई० पहारपूर कलकत्ता का महायक कमाइन्ट नियुक्त करते हैं।

सं० है०-32015(4)/184/84-फार्मिक-1--राष्ट्रपति श्रो आर० सो० प्रसाद को प्रोक्षिति पर 1 नवस्थर 1984 के पूर्वाह्म से 24 मार्च 1985 तक या इस अवधि में नियमिन नियुक्तियां किए जाने तक जो भो पहले हो पूर्णतया तदर्थ व अस्थाई आधार पर के० श्रो० मु० ब० यूनिट बा० सी० सी० एल० झरिया का सहायक कमांडट नियुक्त करते हैं। सं० ई०-32015(4)/177/84-कामिक-1--राष्ट्रपति
श्री मनोहर छेतरी को प्रोक्षनि पर 22 अक्तूबर 1984 के पूर्वाह्र से 24 मार्च 1985 तक या इस अवधि में नियमित नियुक्तियां होने तक जो भा पहले हो तदर्थ व अस्थाई आधार पर के० श्री० सु० ब० यूनिट सी० सी० डब्ल्यू० श्री० धनवाद का सहायक कमोडट नियुक्त करते हैं।

मं० ई०-32015(4)/13/84-कार्मिक-रि--राष्ट्रपति
श्री डी० एस० बड़बाल उप कमोडन्ट (तदयं) के० ग्री० सु० ब०
पूनिट सा०पी०टा० कीचीन की 26 सितम्बर 1984 के अपराह्म
से सहायक कमांडैंट के उनके मूल रैंक में प्रत्यावर्तित करते हैं।
सहायक कमांडैंट के रूप में प्रत्यावर्तन होने पर उन्हें के० ग्री० सु०
ब० यूनिट ई० मा० एल० संक्टोरिया में तैनात कर दिया गया है।

ह० अपठनीय महानिदेशक के० भ्रौ० सू० बल

वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग भारत प्रतिभूति मुद्रणालय नासिकरोड़, दिनांक 1 दिसम्बर 1984

मं० 476/क--- निम्न हस्ताक्षरी शोबो० सी० लोध लेखापाल को स्थानापन्न रूप में लेखाअधिकारों। भारत प्रतिभूति मुद्रणालय नास्किरोड़ के पद पर दिनांक 1-12-1984 से 6 माह का अविध के लिए/तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

> ह० अवठनीय महाप्रबन्धक भारत प्रतिभृति मुद्रणालय नासिकरोड

# कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) ग्वालियर, दिनांक 4 दिसम्बर 1984

सं० प्रणा० II/समूह 2 क/मे० ले० प०-ग्र० ग्र०/1984-85/प्रकोर्मा/1/303/558--महालेखाकार (लेखा परीक्षा)-1--म० प्र० ग्यालियर ने निम्नलिखिन ग्रनुभाग ग्रधिकारियों को नेक्स्ट जिलो रूप (Next below Rule) के ग्रन्तर्गत स्थानापन्न सहायक लेखा परीक्षा ग्रिकारी के पद पर बननमान ६० 650-30-740-35-880-दं० रो० -40-1040 में उनके नाम के श्रागे दर्शाये दिनांक से प्रोफार्मा पदोश्रति प्रदान की है।

क्रमांक	नाम			स्थाई क <b>०</b> 02		पदोन्नत करने का दिनांक	
1.	सर्वश्री के०सी०गुप्ता . ग्रार०श्रार०शिन्दे			•	419 428	1−3−84 राज्य सेतु निर्माण निगम लि० 1−3−84 में प्रतिनियृक्ति पर बाह्य सेवा शतौ	
3.	बी० डी० प्रग्रवाल मोहम्मव सिद्दीकी		•		595 2096	1–3–84 के फ्रेनुसार 3–9–84 भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक कार्या० में प्रतिनियुक्ति पर ।	

ह० ग्रपठनीय उप महालेखाकार (प्रणा०)

#### रक्षा मंत्रालय

# बी॰ जी॰ मो॰ एफ॰ मुख्यालय, सिविल सेवा मार्जनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकसा-69, दिनांक 13 नवम्बर 1984

सं० 23/84/ए/ई-1/(एन० जो०):--वार्द्धस्य निवृत्ति श्रायु प्राप्त कर श्री तुनसी दास दत्ता अस्थायी सहायक स्टाफ अधिकारी एनौलिक एवं स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक) दिनांक 30-10-84 (अपराह्म) से सेवा निवृत्त हुए।

### विनांक 26 नवम्बर, 1984 .

सं० 24/84/ए/ई-1 (एन० जी०):—महानिदेशक आ० नि० महोदय निम्नलिखित व्यक्तियों की वर्तमान रिक्तियों में वरिष्ठता पर बिना प्रभाव के, प्रत्येक के नाम के सम्मुख दर्शाए गए पदों पर, तारीख से पदोन्नत करते हैं।

1	. श्री कार्तिक चन्द्रं विश्वास स्थानापन्न सहायक	सहायक स्टाफ ग्रधिकारी (तदर्थ) स्थानापन्न सहा० स्टाफ ग्रधिकारी	दिनांक 31-8-84 (पूर्वाह्म) संश्रागामा श्रादश होने तक।
		·	दिनांक 13-9-84 (पूर्वाह्म) से श्रागामी श्रादेण होने तक।
2.	श्री ग्ररविन्द विष्वास सहायक स्टाफ श्रधिकारी (तदर्थ)	स्थानापश्च सहायक स्टाफ मधिकारी (तदर्थ)	विनांक 13-9-84 (पूर्वाह्न) से म्रागामी मावेश होने तक।
3.	श्री सैवल चन्द्र दास, सहायक स्टाफ ग्रधिकारी (तदर्य)	—व <b>ही</b> -—	दिनांक 17-11-84 (पूर्वाह्न) से ग्रागामी ग्रादेश होने तक।
4.	श्री मृणाल कान्ति घोष, सहायक स्टाफ अधिकारी (तदर्य)	-वही⊸∸	वही
5.	श्रो ननी गोपाल दास स्थानापन्न सहायक	सहायक स्टाफ ग्रधिकारी (तदर्य)	दिनांक 24~10-84 (पूर्वाह्न) से म्रागामी म्रादेश होने तक ।
		स्था० सहा० स्टाफ ग्रधिकारी	दिमांक 17-11-84 (पूर्वाह्न) से घ्रागामी ग्रादेश होने तक ।
6.	श्री गोसाइलाल घोषदस्तिदार स्थानापन्न सहायक	सहायक स्टाफ प्रधिकारी (तदर्थ)	दिनोक 17-11-84 (पूर्वाह्न) से धागामी धावेश होने तक।
7.	श्री भ्रमिय भूषण मण्डल स्थानापन्न सहायक	<u>—वही</u> —	<del>वही</del> -
8.	श्री श्रमलेन्दु सरकार स्थानापन्न सहायक	वही	वही

- , 2. उपरोक्त पदोश्रति में माननीय कलकता उच्च न्यायालय में द्धाविल की गई याचिका के परिणामानुसार पालन किया जाएगा ।
- 3. ऋम० संख्या 1 के अधिकारी ने दिनांक 31-8-84 से, कम संख्या 5 के अधिकारी ने दिनांक 24-10-84 से, कम संख्या 5 से 7 के अधिकारियों ने दिनांक 17-11-84 से सहायक स्टाफ अधिकारी के रूप में उच्च पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। कम संख्या 6 से 8 तक के अधिकारियों ने दिनांक 17-11-84 से सहायक स्टाफ अधिकारी के रूप में उच्च-पद का कार्यभार संभाल लिया है।
  - 4. कम संख्या 1 से 5 तक के अधिकारीगण अपनी-अपनी पदोन्नति की तारीख से दो वर्षों पर्यन्त परिवीक्षाधीन रहेंगे।

# ही जी ओ एफ मुख्यासय आशुलिपिक सेवा विनांक 27 नवम्बर, 1984

सं० 25/84/ए/ई~1 (एन० जी०):—महानिदेशक भ्रा० नि० महोदय, निम्नलिखित व्यक्तियों को विद्यमान रिक्तियों में वरिष्ठता पर बिना प्रभाव के, प्रत्येक के नाम के सामने दर्शाए गए पदों पर, तारीख से तदर्थ रूप में पदोन्नत करते हैं। सर्वश्री

 ग्रजय कुमार दत्ता व्यक्तिक सहायक (चयन श्रेणी) स्थानापन्न वरिष्ठ व्यैक्तिक सहायक दिनांक 9-11-84 (पूर्वाह्म) से म्रागामी म्रादेश होने तक।

 नन्द कुमार ग्रवस्थी व्यैक्तिक सहायक ---वही---

---वही----

2. उपर्युक्त ग्रधिकारियों की पदोभित के सम्बन्ध में माननीय कलकत्ता उच्च न्यायालय में दाखिल याचिका के परिणामा-नुसार पालन किया जाएगा श्रौर उक्त पदोभित के मामले में उन्हें भगली पदोभित/उक्त पद पर बने रहने का किसी प्रकार का भिकार प्राप्त नहीं होगा। उक्त सम्बन्धित श्रिधिकारीगण बिना कोई कारण बताये प्रत्यावर्तित किए जा सकते हैं, उक्त श्रधिकारियों में दिनांक 9-11-84 (पूर्वाञ्च) से उच्च पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

र्सं० 26/84/ए/ई-1 (एन० जी०)---महानिदेशक ग्रा० नि० महोदय निम्नलिखित व्यक्तियों को विश्वमान रिक्तियों में वरिष्ठता पर बिना प्रभाव के प्रत्येक के नाम के सामने दर्शाए गए पदों पर, तारीख से तदर्थ रूप में पदोन्नत करते हैं। सर्वश्री

 जगवीश चन्द्र बसाक व्यैक्तिक सहायक (चयन श्रेणी) स्थानापश्च वरिष्ठ व्यैक्ति सहायक

दिनांक 9-11-84 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश होने तक ।

२. रिधन्त्र नाथ राय या विकास नाथ राय विकास नाम विकास नाम विकास नाम विकास वित

—-वही-—

----वही----

2. उपर्युक्त ग्रधिकारियों की पदोन्नति के सम्बन्ध में माननीय कलकत्ता उच्च न्यायालय में दाखिल याचिका के परिणामानुसार पालन किया जाएगा और उक्त पदोन्नति के मामले में उन्हें भ्रगली पदोन्नति/उक्त पद पर बने रहने का किसी प्रकार का श्रधिकार प्राप्त नहीं होगा। उक्त सम्बन्धित ग्रधिकारीगण बिना कोई कारण बताये प्रत्यावित किए जा सकते हैं। उक्त ग्रधिकारियों ने दिनांक 9-11-84 (पूर्वाह्न) से उच्च पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

सं० 27/84/ए/ई-1 (एन० जो०) — महानिदेशक आ० नि० महोवय, श्री रणजीत कुमार सरकार व्यैक्तिक सहायक को वर्तमान रिक्ति के विरुठता पर विना प्रभाव के विनाक 9-11-1984 (पूर्वाह्म) से तदर्थ रूप में वरिष्ठ व्यैक्तिक सहायक के पद पर श्रांगामी आदेश होने तक पदोक्षत करते हैं।

उपर्युक्त म्रधिकारी की प्रवोभित के सम्बन्ध में माननीय कलकता उच्च व्यायलय में दाखिल याचिका के परिणामा-तुसार पालन किया जाएगा और उक्त प्रदोन्नित के मामले में उन्हें ग्रंगली प्रदोग्नित/उक्त पद पर बने रहने का किसी प्रकार का म्रधिकार नहीं होगा । सम्बन्धित प्रधिकारी बिना कोई कारण बताए प्रत्याविति किए जा उकते हैं। श्री सरकार ने दिनांक 9—11—84 (पूर्वाह्न) ने उच्च पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

डी॰ ग्रार॰ ग्रम्मर, उप महानिवेशक/कार्मिक ग्रहानिवेशक ग्रायुध, निर्माणी

### वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, ग्रायात एवं नियति का कार्यालय नई दिल्लीं, दिनांक 30 नवस्वर 1984

> आयात तथा निर्यात अ्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 1/16/83-प्रशासन (राज०)—90544—राष्ट्रपति
श्री एल० प्रसाद (केन्द्रीय सेना, चयन ग्रेड एस०एल०-1983)
को मुख्य नियंत्रक, श्रायात निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली
में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के खयन ग्रेड में स्थानापक्ष के
लिए संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के रूप में 1 श्रक्तूबर,
1984 (पूर्वाह्म) से 3 मास की श्रीर श्रवधि के लिए तदर्थ
श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

प्रकाश चन्द जैन, य नियंत्रक मायात एवं नियति

# पूर्ति तथा निटपान महानिदेशालय (प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बंर 1984

सं श्र-1/1 (658)---पूर्ति तथा तिनदान महानिदेणालय, नई दिल्ली में स्थाई कनिष्ठ प्रगति प्रक्षिकारो तथा स्थानापन्न सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रंड-II) श्री पूरत चन्द्र वार्बका वय प्राप्त होने पर, दिनांक 30 नवस्वर, 1984 के श्रपराह्न से सरकारी सेवा में निवृत हो गये।

राजबीर सिंह उप निदेशक, प्रशासन

# इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 4 दिसम्बर, 1984 सं० 8131B ए०-19012 (जे० एस० ए०)/82-19ए--- भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेणक आ जे० एम० ग्रह्जा को प्रशासनिक ग्रधिकारों के में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में नियमानुसार 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०40-1200 ६० के वेतनमान के वेचन पर, प्रस्थायो क्षमता में, प्राणामो ग्रादेश होने तक 15-10-1984 के पूर्वाह्म से नियुक्त करते हैं।

भ्रमित कुशारी, निदेशक (कामिक)

### राष्ट्रीय अभिनेखागार

नई दिल्ली-110001, दिनांक 3 दिसम्बर 1984

सं० फा० 8-9/83-स्थापना-श्री ए० के० शर्मा तदर्थ प्रशासन अधिकारो, की दिनांक 20 नवस्बर, 1984 (पूर्वाह्र) से अगले आदेश होने तक, राष्ट्रोय अभिलेखागार नई दिल्ली में नियमित अस्थाई आधार पर प्रशासन अधिकारी के पद पर नियुक्ति की जाती है।

डा० राजेम परती अभिलेख निदेशक,

#### भ्राकाणवाणी निदेणालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

सं० 4 (76)/75—एम एक संगोत प्रध्यापक (गायन) के पद पर भारतोय सांस्कृतिक केन्द्र, जार्जटाऊन, गुयाना में विदेश सेवा शर्तों पर प्रतिनियुक्ति प्राधार पर काम करने के लिए नियुक्त किए जाने के परिणाम स्वरूप श्री एच० सी० वर्मा, कार्यक्रम निष्पादक प्रत्यंकन व कार्यक्रम विनियम मेवा, श्राकाशवाणी नई दिल्ली ने 18 ग्रगस्त, 1984 को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

्हरीश चन्द्र जयाल प्रशासन उप निदेशक, चुते महानिदेशक

### सूचना और प्रसारण मंत्रालय फिल्म प्रभाग

बम्बई-400026, दिनांक 4 दिसम्बर, 1984-

सं० ए०-24013/4/83ई-1--श्री ए० सोमयुन्दरम स्थायो महायक अनुरक्षण श्राभयन्ता को विनांक 21-9-83 से 30-12-1983 तक श्रो एच० नागभूपण राव, स्थानापृष्ठ अनुरक्षण अभियन्ता को छुटो की मंजूरी दो जाने कि स्थिति में, ६० 650-30-740-35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 के वेतनमान में ६० 650 मासिक वेतन पर, स्थानापन्न अनुरक्षण अभियन्ता के पद पर तद्र्थ का में नियुक्त किया गया था।

> न० ना० शर्मा, प्रशासकीय ग्रधिकारी कृते प्रशासन निर्देशक

# स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई विल्लो, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

सं०ए० 19019/7/77-ए० म्राई० म्राई० एच० एन्ड पो० एच०-प्रशासन-1पी० एच० (सी० डी० एल०) -सेवा निवृति की आयु हो जाने के फलस्वरूप इस निवेशालय के प्रधीन प्रखिल । भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान और जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकता में स्वास्थ्य क्रिका (गैर चिकित्सा) के सहायक प्रोफेसर डा० जे० एस० चौहान 31 भ्रक्तूबर, 1984 के भ्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत हो गये हैं।

्नारायण सिंह उप निदेशक प्रशासन (पो० एच०)

# ग्रामीण विकास मंत्रालय विपणन एवं निरोक्षण निदेशालय फरोदाबाद, दिनोक 4 दिसम्बर 1984

सं० ए०-19023/10/81-प्र०-III---सर्व श्री ई० एस० पालूज, व एन० जे० विल्ले तदर्य विषणन ग्राधिकारियों (वर्ग I) का दिनाँक 30-11-84 (अपपान्ह) से सहायक विषणन ग्राधिकारी (वर्ग-1) के पद पर प्रत्यावर्तन किया गया है।

जे० कृष्णा, ,निदेशक, प्रशासन कृते कृषि विपणन सलाहकार

# भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई-40 00 85, दिनांक 4 दिसंम्बर, 1984

सं० डी०/918/एच० पी०/स्था० 1/3762---श्री त्रमन्त रामचन्द्र देव वैज्ञीनिक ग्रधिकारी/इंजीनियर ग्रेड-एस० बी० पद का पदभार 7-11-1984 श्रपराह्म के त्यागपत्र देने पर छोड़ दिया ।

> के० वैंकटकुष्णन उप स्थापना प्रविकारी

### परमाणु ऊर्जा विभाग

# नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना

म्लन्दणहर उ० प्र०, दिनांकः 10 दिसम्बर 1984

सं० न० प० थि० प० प्रशा० 26(1) 84 एस० 16449—परियोजना निदेशक नरीरा परमाणु विद्युत परि योजना, नरीरा, तारापुर परमाणु विद्युत केन्द्र के स्था वैज्ञानिक सहायक 'बं' तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकार। अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी'. श्री एम० एस० सक्सेना को नरीरा परमाणु विद्युत परियोजना में, २० 650—30—740—35—810—द० रो०—25—880—40—1000—द० रो०— 40 1200 के वेतनमान में स्थानापन्न वैज्ञानिक श्रीधकारी अभियन्ता ग्रेड एस० बी० के रूप में 10 मई, 1984 के पूर्वाह्न से ग्राग्रम ग्रादेशों तक के लिए नियुक्त करते हैं। ग्रार० के० बाली, मुख्य प्रशासन ग्रीधकारी

#### त्रय श्रीप भण्डार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 4 (दिसम्बर 1984

सं० डी० पी० एस० /2/1(26)/83/प्रशा०/1973—परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और भण्डार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी क्रय सहायक श्र्यी कांचन विट्टला की इसी किंदेशालय में तारीख 6 नवम्बर, 1984 (पूर्वाह्म) से प्रागामी प्रादेश जारी होने तक रू० 650-30-740-35-810-द०, रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में सहायक क्रय प्रधिकारी के पद पर नियमित प्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

### दिनांक 5 दिसम्बर, 1984

सं० टी० पी० एस० /2/1(11)/83-प्रभा०/1981इस निदेशालय की तारीख 25 झगस्त, 1984 की इसी सं० की झिंधमूचना के कम में, परमाणु उर्जा विभाग, कय और भण्डार निदेशालय के निदेशक ने स्थाई भण्डारी श्री के० एल० नागौरी को तारीख 26 झक्तूबर, 1984 (प्रवाह्म) तक तदर्थ झाझार पर तथा तारीख 26 झक्तूबर, 1984 (प्रपराह्म) से नियमित झाझार पर क० 650-30-740-35-810इ० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में इसी निदेशालय में झगले झादेश होने तक स्थाना- पक्ष रूप से सहायक भण्डार झिंधकारी नियक्त किया है ।

पो० गोपालन, प्रशासन ग्रधिकारी

### अंतरिक्ष विभाग

### इसरो उपग्रह केन्द्र

बेंगल्र-560017, दिनांक 3 दिसम्बर 1984

सं 20/1(3)/84—स्थापना—इसरो उपग्रह केन्द्र के निटेशक, श्रन्तरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बगलूर के निम्निलिखित व्यक्तियों से प्राप्त त्याग-पन्न उपके नाम के सामने दश्राई तिथि में सहर्ष स्वीकार करने हैं।

——— ऋम सं०	नाम	पदनाम	तिधि
1	सर्वश्री यु <b>०</b> टी० भ्रनन्तराम	वैज्ञानिक/ श्रिभयन्ता— एस० बी०	12-11-1984 (श्रपराह्न)
2	एस० मसिग्रलगन	वैज्ञानिक/ स्रभियन्ता/ एस० बी०	14-11-1984 (ग्रपराह्नु)

सं ० 20/1/(3)/84-स्थापना—इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेश निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके नाम के सामने दिए गए पदों पर तथा दर्णाई तिथियों के पूर्वाहण से श्रगले आदेश प्राप्त होने तक अस्थाई आधार पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

<b>त्रम</b> सं ०	नाम	पदनाम	तिथि
	सर्वश्री	· ·	
1.	पी <b>ः कोदं</b> डराम	वैद्यानिक/ र्म्याभयन्ता— एस० बी०	20-7-1984
2.	डी० वेंकटरमणमूर्ति	वैज्ञानिक/ श्रिभयन्ता— एस० बी०	20-8-1984
3.	बी० मरलीधरन	वैज्ञानिक/ श्राभ्यन्ता— एस० बी०	, 21-9-1984

एच० एस० रामदास, श्रशासन श्रधिकारी-।

# महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिमांक 24 नमम्बर 1984

सं० ए०-32013/6/82-ई० सी०-इस विभाग को दिनांक 5 जनवरी, 1984 को प्रधिसूचना सं० ए०-32013/6/82-ई० सी० 11 जनवरी, 1984 की सं० ए०-32013/6/82-ई० सी० 11 जनवरी, 1984 की सं० ए०-32013/6/84-ई० सी० ग्राँर विनोक 4 जून, 1984 की प्रधिसूचना सं० ए०-32013/6/84-ई० सी० के कम में राष्ट्रपति ने निम्नलिखित श्रधिकारियों को नागर विमानन में संचार प्रधिकारी ग्रेड में की गई नियुक्ति प्रध्येक के नाम के सामने दी गई प्रविध तक के लिए प्रथवा पदों के नियमति श्राधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने को मंजूरी दी है:--

क्रम सं०	नाम	प्रवधि		
40	•	से	तंक	
1	2	3	4	
	सर्वेश्री			
1.	टी० ए०			
	प्रकाशम	1-7-1984	30-9-1984	
2.	एस <b>ः कृष्णाम्</b> ति ।	यथोपरि	31-12-1984	
3.	के० गोपालकृष्णन्	यथोपरि	यथोपरि	
4.	डी ०पी० चौहान	यथोपरि	यथोपरि	
5.	के० वी० वासुदेवन	यथोपरि	यथोपरि	
6.	बी० भ्रार०			
	श्रीनिवासन	यथोपरि	ययोपरि	
7.	के॰ डी॰ तुली	यथोपरि	31-8-1984	
8.	सी०एल <b>० छेरा</b>	यथीपरि	31-12-1984	
9.	एस० एस० चौधरी	ययोपरि	यथोपरि	
10.	जी० एस० वेदी 👸	यथोपरि ।	यथोपरि 🏻	
11.	के० सी० विश्वास 🏻	यथोपरि	यथोपरि <sup>†</sup>	
12.	<b>पी० म्रार०</b> नायर	ययोपरि	यथोपरि	
13.	षी० के० दत्ता	यथोपरि	यथोपरि	
14.	जे० भट्टाचार्जी	यथोपरि	ययोपरि	
15.	एन० एस० पाल	यथोपरि	यथोपरि	
16.	पी० रामदास	यथोपरि	यथोपरि	
<b>i</b> 7.	एम० एस० सचदेव	यथोपरि	ययोपरि	
18.	वी० रंगानाथन	ययोपरि	यथोपरि	
19.	एस० के० सेन	यथोपरि	ययोपरि	
20.	के० सी० सेनगुप्ता	यथोपरि	ययोपरि	
	<del> </del>			

1	2	3	4
21.	एस० बसु	1-7-1984	31-12-84
22.	भ्रार० वी० खरे	यथोपरि	यथोपरि
23.	पी० एन० मलिक	यथोपरि	यथोपरि
24.	एस० एन० सेन	यथोपरि	31-7-1984
<b>25</b> .	सी० ग्रार०		
	नारायण	यथोपरि	31-12-1984
26.	सईबल गुप्ता	यथोपरि	यथोपरि
2 <b>7</b> .	ए०के० मुखर्जी 🦫	यथोपरि	यथोपरि
28.	के० एस०		
	गोपालन	यथोपरि	यथोपरि
29.	बी० एन० करजय	यथोपरि	यथोपरि
30,	के० राजा		
	गोपासन	यथोपरि	यथोपरि
31.	जी० के० राव	यथोपरि	ययोपरि
32.	एम० सुकहायम्	यथोपरि	यथोपरि
33.	एस॰ एन॰ दला	यथोपरि	ययोपरि
34.	एम० पी० कुलकर्णी	यथोपरि	31-8-1984
35.	ग्रार० एन० मुखर्जी	यथोपरि	31-12-1984

जी० बी० लाल, सहायक निदेशक प्रशासन

# केन्द्रोय उत्पादन श्रीर सोमा शुल्क समाहर्तालय बडौदरा, दिनांक 1 दिसम्बर 1,984

सं० 17/1984—श्री बी० ग्री० देसाई, सहायक यमाहर्त केन्द्रीय उत्पादन ग्रीर सोम। शुरुक (वर्ग 'क' ) बलसाड मण्डल, दिनांक 1 दिसम्बर, 1984 से स्वैक्छिक रूप से सेवानिवृत्त हो गए हैं।

सं० 18/1984—श्री श्रार० वी० पाठक, ब्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन श्रीर सीमा शुल्क (वर्क 'ख)' मण्डल -2, वडीदरा वृद्धावस्था में पंशन की ब्रायु प्राप्त होने पर विनाक 31-11-1984 के ब्रपराक्ष से निवृत्त हो गए हैं।

> ्न० बो०ःसोनावणे, समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन श्रीर सीमा शुस्क, **यदीदश**

भ्रस्य बाह<sup>\*</sup>.टो.एव.एस. -------

नायकर अधिनियम् 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकार आयुक्त (निहाँक्षण) ग्रर्जन रेज, एर्नाकुलम एर्नाकुलम, दिनाक 7 नवस्वर 1984

निर्वेश सं० एल० सी० 699/84-85---श्रतः मुझे; बी० रविवासन,

गायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिक परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० धनुमूची के धनुसार है तथा जो एर्नाकुलम में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से भणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, एर्नाकुलम में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन, तारीख 24 मार्च, 1984

हो पूर्वों कर सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के स्रथमान तिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे बह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्परित का उचित बाजार मृल्य, सके स्रथमान प्रतिफल से एसे स्रथमान प्रतिफल का पन्मह तिसत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितिगों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया तिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में उस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, अक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक में इसिरल में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी जाव या किसी भन या अन्य जास्तियों, को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर जिथानियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, जियाने में सुविधा के निए;

जतः जम, उक्त विधितियम की भारा 269-य के अनुसरण तें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) है अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः——

366GI|84

′(1) श्रीएम० ग्रब्दुल खादर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एन० के० चाक्को ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उत्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रींच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पृष् सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबकुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास िपात्र में किए जा सकींगे।

स्यष्टीकर्णः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा वया है।

#### जगस्त्री

तारीख 24-3-1984 उप रजिस्ट्री कार्यालय एनीकुलम के दस्तावेज सं० 952 में संलग्न धनुसूची के धनुसार एनीकुलम विलेज में सर्वे नं० 883/8 में एक सेन्ट भूमि के साथ एक भाग भकान नं० 35/2088।

> बी० रविद्यालन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, एनक्रिलम

सारी**ख**ः 7-11-1984

प्रकार कार्य : की व प्रकार क्षा विकास कार्य

आयकर विशिवस, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के वर्षीय सूचना

#### ज़ारक परकार

हार्बन्य, सहायक नायकर नायकर (रिन्द्रकार) धर्जन रेंज, एमिकुलम एमिकुलम, दिनांक 7 नवम्बर 1984

निर्वेश सं० एल० सी० 698/84-85--- प्रतः मुझे, बी० रविवालन,

कायकर जीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे धसमें इसके प्रश्वात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की गांध 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को मह विस्थाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित वाचार मुख्य 25,000/- रु. से जीधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० जैसा भ्रनुसूची के भ्रनुसार है तथा जो एलंकुलम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कर्यिलिय, एनिकुलम में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5 मार्च 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कन के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उनके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल क्ष पन्द्रह प्रतिकृत सिक्षक है और अंतरक (अन्तरकार) और अन्तरिति (अन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरका के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्वेच्य से उक्त बंदरक जिल्हा में वास्तविक स्थ से कांचत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबतः अक्त वीधिनियम के जभीन कड़ दोने में अन्तरक के बाबिश्व में क्यी कर्ष वा उससे बलने में सुनिधा के शिष्कु औड़/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य ज़ास्तियी को जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा भन-कर विधिनियम, बा भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः जब, उक्त विधिनियम की भारा 269-प के सन्धरम में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, वर्षात् ध--- (1) श्री एम० ए० जोजं।

(मन्तरक)

(2) श्रीवी० ई० बवीर।

(भन्तिरिती)

को यह स्वना चारी करके प्रॉक्त मन्परित के नर्बन के सिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन में संबंध में कोई भी नाक्षेप ह---

- (क) इस स्वता के राजपंत्र में प्रकाशयं की तारीं के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पन्न स्वता की तामील से 30 दिन की अविधि, वी भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकतु व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्तिय इवारा;
- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाबन की तारीं का सैं 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकरी के पात लिखित में किए जा सकेंचे।

स्थव्यक्तिरण ः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त जिथितियम, के अध्याद 20-क में पीरभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस बध्याय में दिया गया है।

#### भ्रनुसूची

तारीख 5-3-1984 उप रिजस्ट्री कार्यालय, एनीकुलम के दस्तावेज सं० 707 में संलग्न अनुसूची के अनुसार एलंकुलम विलेज में सर्वे सं० 56/1 में 7 सेंट भूमि के साथ एक मकान नं० सोक्षी 47/654।

> बी० रविद्यालन सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, एनक्रिसम

तारीख: 7-11-1984

मोहर 🛮

प्रकृष कार्य टी. एन्. एस.------

ज्ञायक्त विभिनित्ताः, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-व ((1) वे स्थीत क्षताः ्

#### शारत वरकाड

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

मर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निर्देश सं० छाई०-4/37-ईई०/824/83-84---श्रत मुझे; ए० प्रसाद,

शायकर अर्थिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आह्म है कि स्थावद सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मुख्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 9, जो तीसरी मंजिल, सिल्वेरिन विलेज, एक्सार, एस० नं० 110 (पार्ट), सी०टी० एस० नं० 1128, फ्लार नं० 14, श्राफ श्राई० सी० कालोनी, बोरीवली (पिण्चम), बम्बई-103 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम, 1961 का धारा 269 क, ख के श्रीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 23 मार्च, 1984

कारे पूर्वोक्त संपृत्ति के उपित वाजार मृत्य से कम के स्वयान मृतिएस के लिए अन्तरित की गई है और मुख्ये यह विववास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पृतित का उपित वाजार मृत्य उसके रायमान प्रतिकल से, एसे दायमान प्रतिकल का पंचा प्रतिकल से मृत्य असके रायमान प्रतिकल का पंचा प्रतिकल से मृत्य अस्तरित से मृत्य से मृत्य से स्वत्य से अन्तरित से स्वत्य से अन्तरित से सिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तर अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तर्ण से हुई किसी आय की बाबत उसत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कुमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
- (क) एंटी किसी नाम वा किसी धैन या अन्य वास्तियों को, जिन्ही भारतीय जायकर वाधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उच्च वाधिनयम, या धनकर जुमिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यास प्रकट नृहीं किया गया था था किया क्रमा आदिए वा क्रियां से सुविधा के सिए;

मृतः जब उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के जनुसर्व में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1), को अधीन्, निम्निजिसित व्यक्तियों, वर्धात ध—क (1) मै० बो० मार० इन्टरप्राईज।

(प्रन्तरक)

(2) श्री जान फर्नान्डीस।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत् सुन्तरित औ अर्थन् के सम्बन्ध् में कोई मी नाक्षेप् हु--

- (क) इस स्वान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीक के
  45 वित्र की जबिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  स्वान की तामीन से 30 दिन की नविध, को भी
  कर्मभू बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रिक्त
  व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति द्वारा;
- (ण) इक् इच्चा के हाबपन में प्रकाशन की तारींच सें 45 दिन के भीतर अबद स्थावर सम्पत्ति में हित्-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, वधोहस्ताक्षरी कें पास जिल्ला में किए वा सकेंगे:

स्वाक हुन: --- इसमें प्रयुक्त कको और पहों का, आं उर्वेद विभिनियम, के कथ्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा जो उस कथ्याय में. दिया वाही।

### भ्रनुसूची

फ्लैंट नं॰ 9, जो; तीसरी मंजिल, सिल्वेरिन विलेज एक्सार, एस॰ नं॰ 110 (पार्ट), सी॰ टी॰ एस॰ नं॰ 1128, प्लाट नं॰ 14, भ्राई॰ सी॰ कालोनी, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-103 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई०-4/37 ईई०/824/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, के बम्बई द्वारा दिनांक 23 मार्च; 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

सारीख: 12-11-1984

### EGG GIE! El . CH . CH . -----

# भाग्कर अर्टीभृतियम, 1961 (1961 का 43) की बाडा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### बारत परकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-2, अम्बई
बम्बई, दिनांक 22 नवस्वर 1984

निर्देश सं० ग्रंई०-4/37 ईई०/4921/83-84---- प्रतः मुझे, लक्ष्मण वास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'सकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 कु के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारक है कि स्थानर संपरित जिसका उचित नाजार मृज्य 25,000/- रू. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 205, नादिया भ्रपार्टमेंट्स, प्लाट नं० 3/30, टो० पी० एस० नं० 3, एस० नं० 383 (पार्ट), सांतात्रुम (पू) बम्बई-400054 में स्थित है (श्रीर इससे उपायक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), और जिमका करारनामा आयकर श्रीधिनियम, 1961 को धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 26 मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित् वाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दर्यमान प्रतिफल का प्रनेह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के मिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशय से उक्त अंतर्ण निखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत , उक्त अधि -नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी अपूरने या उससे अचने में सुनिधा के लिए ह और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियी द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधित् क्ष्मि (1) लिबर्टी इन्वेग्टमेंट प्रश्हवेट लिभिटेंड ।

(ग्रन्तरक)

(2) डॉ॰ सालेह फिदाम्रलो म्रार० फक्स्होन एस० फिदाम्रली।

(अभ्यरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 विन की बन्धि, को भी वन्धि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हुन,
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों है।

स्पर्काकरण हु—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो सकत विधिनियम के बध्याय 29-क में परिभाषिक हैं, वहीं वर्ष होगा औं उस बध्याय में दिसा वया है।

### नमुख्यी

फ्लैटनं० 205, नादिया श्रनार्टमेंट, जो ग्लाटनं० 3/30, टी० पी० एस० 3, एस० नं० 383 (पार्ट), सांताकूस (पूर्व), बम्बई-400054 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्रई० 2/37 ईई०/4921/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 26 मार्च, 1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रैंज-2, बम्बई

तारीख: 22-11-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3. बम्बर्फ बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984 निर्वेश सं अ आई०-3/37ईई०/6614/83-84-अत:म्से,

ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रु. से अभिक हैं

औरजिसकी सं० आफिस प्रिमायसेस नं०ए-5 और 6, जो पहली मंजिल, अमूल भाषिंग और कमिशियल सेंटर, फर्स्ट रोड, चेंब्र, बम्बर्ध-71 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 मार्च, 1984

को पुर्वाक्ति सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास कर्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित शाजार मुल्य, उसके रूपमान प्रतिकल से, एसे रूपमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंत"रितियाें) के बीच एेसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिभाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिर में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, <del>खबत</del> अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- "(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियौँ को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुरिवधा के लिए;

अत: अब, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, अक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1), के अभीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

(1) श्रीमती प्रेमारंगन।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स अलाईड फर्नासेस।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के ट्रिलए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप उ---

- '(क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधियातत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दौं और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

### बन्स्की

ऑफिस त्रिमायसेस नं० ए-5 और 6, जो पहली मंजिल, अमूल शापिंग एण्ड कमिश्रियल सेंटर, फर्स्ट रोड, चेंब्र, बम्बई-71 है स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-3/37 ईई०/6614/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मार्च, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 13--11--1984

# प्रथम माहील होति प्रमात हुएल । व व १०००

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत बहुकाउ

### कार्यांचन, बहायक नायकर नाय्कत (निर्मेशक)

अर्जन रेंज-3, धम्बई सम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निर्वेण सं० आई०~3/37 ईई०/9 741/8 3~84—अत: मुझे ए० प्रसाव

नायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त निभिन्यम' कहा गया है), की भार 269-स के नभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रहे. से निभक्त है

और जिसकी संव दुकान नंव 1, जो ग्राउन्ड पलोअर, मेसर्स एक्सप्रेस थयू कोव-आपरेटिव्ह हाउ सिंग सोसाइटी लिमिटेड, प्लाट नंव 7, एसव नंव 14-ए (पीव), स्वास्तिक पार्क, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्योक्य में रिशस्ड्री हैं दिनाँक 1 मार्च, 1984

को पूर्वोक्त संप्रित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार ब्रूप, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह भितिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तिरती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तथ पामा नमा क्रीतफल, निम्नीतिबत उद्बेश्य से उक्त मन्तरण निर्मित व्रूप बास्तिबक कप से किथत नहीं निया गया है ः—

- (क) अक्सर- से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अस्तरक के बायित्व में कमी कड़ने वा बत्तसे बचने में सुविभा के तिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आवु-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अन्तिस्ती ब्वाच प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना जाहिए वा किया में चूनिभा के किया

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बें जर्म, उक्त बीधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) बें हभीन् निम्नसिविक व्यक्तिरोगें वर्षाय मान्स् (1) मैसर्स राजश्री विरुदर्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्री हिरजी प्रेमजी शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कुड़कें पूर्वोक्त संपत्ति की अर्थेन की सिए कार्यवाहियां करता हुई १।

**उक्त सम्परित के वर्णन के संबंध में कोई भी शक्क्ष 🚌**ः

- (क) इस सूच्या के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीश ते 45 दिन की अविधि या तत्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य किसी अन्य स्थावत ब्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए जा सकेंगे।

स्यन्दीकरणः - इसमें प्रयुक्त बन्दों जीत पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गुरा है।

#### अनुसूची

बुकान नं 1, जो प्राउन्ड फ्लोर, मैसर्स एक्सज प्रेस व्ह्यू को -आपरेटिव हार्जींस सोसाईटी लिमिटेड, प्लाट नं 7, एस नं 14-ए (पी०), स्थास्तिक पार्क, चूबेंर,बम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० आई-3/37 ईई०/6141/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मार्च, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 13-11-1984

# श्रुक्य आहें हों। एकः प्रस्तान्यका

नायकर निभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धादा 269-म् (1) के मुपीन सुन्नमा

#### भारत तरकार

कार्बाब्य, सहायक जायकाड आयुक्त (निर्देशिक) अर्जन रेंज-3, वस्बई

बम्बई, विनांस 13 नवस्बर 1984

्निवरेंग सं० अई०-3/37 ईई०/6142/83-84--अत:

मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर लिभिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिले इसकें इसकें परकास 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं ० दुकान मं ० २, ग्राउन्ड पलोक्षर, मैससे एक्सप्रेस क्ष्यू को०-क्षापरेटिय हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड, प्लाट न० ७, एस० नं० 14-ए (पी०) स्थारितक पार्क, जेंबूर, बस्बई-71 में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूणे रूप से घणित है), और जसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269 क ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 मार्च, 1984 को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के जिसते बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेंक्स सम्पत्ति का राचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का नम्बई प्रतिक्रम का नम्बई प्रतिक्रम का नम्बई प्रतिक्रम के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नवा प्रतिक्रम कम विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वें क्रम (अंतरका) बार वंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नवा प्रतिक्रम कम वे क्यित नहीं किया ग्या इं ६—

- (क) जीवरण से हुई किसी जाय की बाबल, उक्क सिंपीन्यम के अधीन कार दोने के अंतरक के दावित्य में कभी करने या उस्ते बच्चे में सुविधा के लिए; और/मा
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिको की, धिनहीं भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गवा वा किया जाना वाहिए था, छिपाने में शृतिधा के लिए;

क्षतः शव, उक्त विधिनियमं की भारा 269-ए के जन्तरण के, में, उक्त विभिनयमं की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्मसिवित स्थिनतयों, वर्धत कु--- (1) मैसर्स० राजश्वीवित्स्सं प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

2) श्री सुरेन्द्र कुमार उपाध्याय।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप् अन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर एक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पक्तीक रण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

दुकान नं० 2, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, मेससं एक्सप्रेस कृयू को०-आपरेटिव हार्ऊसिंग सोसाईटी लिमिटेड, प्लाट नं० 7, एस० नं० 14~ए (पी०), स्वास्तिक पार्क, चेंबूर, बम्बई-71 मैं स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्रम सं० अई०-3/37 ईई०/6142/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, विम्बई द्वारा दिनांक 1 मार्च, 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैज-3, बस्बर्ड

ता**रीख:** 13-11-1984

जन्स वार्<u>षं, दी. एन. एस., ------</u>

नाथकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयक्त (निरक्षिण)

क्षजेन रेंज-3, सम्बद्ध सम्बद्ध, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निर्वेशसं० अर्थ०-3/37ईई०/6421/83-84--अतः मुझ; ए० प्रसाद,

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थायर समंत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

मीर जिसकी स० पर्लंट नं० 6, जो प्लॉट नं० 20, सर्वोदय हास्पीटल इस्टेट, घाटकोपर माहूल, रोड, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है (और इससे उपाबस अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकरअधिनियम, 1961 के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 1 मार्च 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्दिश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत । उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

कतः नवं, उन्त निधिनियम काँ भाष 269-ग के अनुस्रक कों, में, उन्त निधिनियम की भाष 269-व की उपभाष (1)ं कों निधीन, निध्नितिस्त व्यक्तियों, अर्थात् डु—— (1) श्री व्हि० वैद्यनाथन ।

(अन्तरक)

(2) श्रीप्रभा मंकर के० जोगी और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बाड़ी करके प्वतित सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मत्ति के वर्षन के संबंध में कीई भी वाक्षेप 🏗---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति से
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 पिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पर्लंट नं० 6, जो, प्लाट नं० 20, सर्वोदय हास्पीटल इस्टेट, घाटकीपर, माहूल, रोड, मेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-3/37-ईई०/6421/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा विनोक 1 मार्च, 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज →3, बम्बई

तारीख 13-11-1984 मोहर प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. ----

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यांनय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 13 नवम्बर 1984

निर्देश सं० आई०-3/37-ईई०/6473/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद

जायकर किंधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क जधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार बृल्य 25,000/- से अधिक हैं

भीर जिसके सं० प्लॉट नं० 108-ए, जो, कलेक्टर्स कालोने चेंबर, बम्बई-74 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूच में भार पूण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधिन बम्बई विषेत्र सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रें है तारोख 1 क्यार्च. 1984

हो पूर्वोच्यत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान बित्यल के निए बन्तरित की गई है, और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोच्त संपत्ति का उचित् बाजार अल्ल. दश्यों समान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह अन्तरित सं बीचक है बार बन्तरिक (अन्तरक) और अन्तरित (अन्तरित में कीचे एसे अन्तरण के लिए तर्य पाया गया बाँसिफल, निम्नीसित उद्देश्य से उद्देश अन्तरण विकित में काइदियक रूप से किंवत मन्तरण विकित

- (क) अन्तरण से हुई फिली बाय की नावत एकत अधिक नुनम्भ के स्थीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में केमी करने या उससे यक्तने में वृद्धिया के विकास बीर/मा
- (व) एसी किसी आयु या किन्य न या अन्य अगम्पत्यों को, जिन्हों भारतीय कार्य-कर, अधिनियम, 1922 (1922 का 1-19 का उक्त किनियम या धनकर अधिनियम, 1957» 1952 कि किन्य के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाक प्रकट नहा किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सक्ता के लिए

अतः अंब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग क अनुसरण में, मैं, उक्त आधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
3—386GI|84

(1) श्री गोपाल किशितचन्द भाटिया।

(अन्तरक)

(2) श्री अर्जन देव गंगा राम अरोरा।

(अन्तरितो)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मंबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. को भीतर प्वीकृत क्युक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अत्रोहस् करी के शास लिखित में किए जा सर्कां।

न्यच्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में किया मसा हैं।

### वन्स्ची

प्लॉट नं 108-ए, जो, कलेक्टर्स कालोनी, चेंबूर बम्बई-74 में स्थित है ।

अनुसूचे: जैसा कि कम सं० आई०-3/37 ईई०/6473/ 83-84 भ्रीर जो सक्षम अधिकार:, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मार्च, 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिजारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारी<del>क । 13-11-</del>1984 मोहर:

### यहर्ष इत्तर दी एवं एसं , .....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्वर 1984

निर्देश सं० अई०-3/37-ईई०/6482/83-84--अत: मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 64-डी, जो, गंगा विहार अपार्टमेंटस, बी० एन०, पूर्व मार्ग, चुनाभट्टी, सायन बम्बई-22 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करायनामा आयहार अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है तार ख 1 मार्च, 1984

को पूर्वोधत संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रितिफल से, ऐसे दश्यमान प्रितिफल का पंद्रह प्रतिशव से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्विक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण में हुई किसी आय को बाबत, उक्य अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकार अधिनियम, विद्यार एकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्षिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जै॰ एम॰ ठाकुर पार्टनर: मैसर्स अक्षय बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री दत्तावय सखाराम ढोले।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा अकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>र्च</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिख्य ग्या है।

#### अन्स्ची

64-डो, जो गंगा विहार अपार्टभैंट्स, पूरव वी० एन० पूर्व मार्ग चुनाभट्टो, सायन, बम्बई-22 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम हो० अई०-3/37 ईई०/6482/83-84 और जो सक्षम आधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मार्च, 1984 को रजिस्टर्झ क्रिया गया है।

ए० प्रसाद सञ्जन प्राधि हारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 13-11-1984

### प्रकृप बार्च, टी. एन्, एस.,------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### गारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निर्देश सं० अई०-3/37 ईई०/6483/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्यास करने क. कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. सं अधिक है

खौर जिसकी सं० 64-डी, जो गंगा विहार अनार्टमेंट्स, बो० एन० पूर्व मागं, चूनाभट्टं, बम्बई-22 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिन्नका भरारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारोख 1 मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल का पंस्त प्रतिकाल से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अद्भिष्
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जियाने में सुविधा के निए;

(1) श्रं जे० एम० ठाकुर पार्टनर : मैसर्स अक्षय बिल्डर्स !

(अतरक)

(2) श्री दत्तात्रय सखाराम छोले।

(अतरितो)

को यह सूचना आरी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त कम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सू 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कि.सी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस्त अध्याद में दिया गया है।

### अनुसूची

64-जो, जो, गंगा विहार अवार्टमैंट्य, बीठ एन० पूर्व मार्ग, सीठ टीठ एस० नंज 443 (1), 442(2), चूनाभट्टी सायन, सम्बद्ध-22 में स्थित है।

अनुसूच। जैसा कि क्रम सं० अई०-3/37 ईई०/6483/83-84 और जो सक्षम प्राधिकार। बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1984 रिजिस्ट्रा किया गया है।

ए० प्रसाद सैक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-3, **बम्ब**ई

वतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण, में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1)

में वधीन, निम्नसिवित म्युवित्याँ 🖟 मूर्याब 🚌 🖚

तारीख: 13--11--1984

मोहरः

प्रकप् नाइ. टी. एन्. एस.------

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिमांक 13 नवम्बर 1984

निर्वेश सं० आई ० 3/37 ईई०/6612/83—84—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० फ्लंट नं० 4, जो, पहलो मंजिल, सी०टी० एस० नं० 642, बी० एन० पूर्व मार्ग, घाटला व्हिन्न जंक्शन, चेंबूर, बम्बई—71 में स्थित है (ग्रीर इत्तसे उगाबद्ध अनुसूवों में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिन्न करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कक्ष के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रों है तारोख 1 मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से ब्रिक है और बंतरक (अन्तर्कों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम बाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण कि खित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है;—

- (क) नृष्तरण संहुई किसी नायू की बायत, उन्तर निधिनियम क नधीन कर दने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के (तप; आर्/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित्री द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की वन्सरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा-269-व की उपधारा (1) को अधीन: निस्मलिखित व्यक्तियों, अधीव ३००० (1) मैसर्स पोरक काँस ।

(अस्तरक)

(2) श्री एस० वेंकटाचलम्।

(अन्तरित))

का यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में काई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सुभान के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की समीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध नेकसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त क्षस्यों आरि पदों का, जो उक्त विधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया प्या है।

### अनसूचे 🗀

फ्लॅंट नं० 4, जो, पहली मंजिल, सी० टी० एस० नं० 642, बो० एन० पूर्व मार्ग, ए, गाटला व्हिलेज जंबशन, चेंबुर, बम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूचा जैसा कि कम सं आई०-3/37 ईई०/6612/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मार्च, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सझम प्राधिकः। री सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-3, बम्बई

तारोग : 13-11-1984

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस. - - -

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म(1) के सभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई अम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निर्देश सं० आई०-3/37 ईई०/6679/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उश्वित बाजार मूल्य 25 000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी संव फ्लॅट नंव 10-ए, जो, चौथी मंजिल, चेंबूर, फेअर लॉन सीसाईट, सायन ट्रांबे रोड, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कवा के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रों है तारोख 1 मार्च 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हम से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबस उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अस्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान से सविधा के लिए।

कतः सम उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को क्षीम, निम्निजिसित व्यक्तियों, सर्धातः— (1) श्रीहरी ताराचन्द नर विधानी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमतो लाखम ताराचन्द नरसिंघानी । (अन्तरिको)

कांयह सूचना जारी करको पूर्वोक्तः सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं-।

उक्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की बर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर गूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकींगे।

स्पब्दीकरण :---इसमं प्रगुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### मन्स्ची

फ्लॅटनं ० 10-ए, जो, चौथो मंजिल, चेंबूर फेवर लॉन सोसाईटो, सायन ट्रांबे रोड, चेंबूर, बम्बई--71 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/6679/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मार्च, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सञ्जन प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

तारी**च** : 13-11-1984

मोहर 🖫

### प्ररूप नाईं, टी. एंन. एस. ००० ----

# बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन स्वान

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निर्देश सं० आई०-3/37 ईई०/6516/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चाम् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव प्लाट नंव 9, जो, बिल्डिंग नंव 6, बोर्ला कोव-आपरेटिव्ह हाऊसिंग सोसाईटी लिमिटेड, डॉव चोइथराम गिडबानी रोड़, बसंत सिनेमा के सामने चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है ताराख 1 मार्च, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान गह अन्तरित प्रतिफल के लिए की ₹, मुक्ते यह विष्वास करने का कि यदाप्यां कित संपरित का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित **उद्दोर**य से उक्तः अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुर्ष किसी आय की अवत, उक्ष अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थिपने में स्थिभा के सिराह

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धरर 269-व की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्:--- (1) श्रामता एका एम० वासवाना।

(अन्तरक)

(2) श्री आनन्द कें ० अडवाना।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाें पर सूचना की तामील से 30 दिन की अमिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूवां क्त व्यक्तियाें में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की पारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्थारा त्रधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### **घ**नुसूत्रो

फ्लेट नं० 9, जो. बिहिंडन नं० 6, बोर्ना को-आपरेटिंड्स हार्किसम सोताईटा लिनिटेड, डॉ॰ चोइएएम गिडवानी रोड, बसन्त सिनेमा के सामने, चेंब्र, बम्बई-74 में स्थित है। अनुसूच: जैसा कि कम सं० आई०-3/37 ईई०/6516/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1 मार्च, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रताद सञ्जय प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज∼3, सम्बर्द

तारीख : 13-11-1984 मोहर : प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं० अई०-3/37 ईई०/6648/83-84--अतः मुझे, ए • प्रसाद

बायवर अधिनियम, 1961 (1961 ना 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिनका उचित वाजार मूल्य 25.060/- रह. में अधिक है श्रीर जिसकी सं० फलट नं० 415 जो चीयो मंजिल, 'पूर्णिमा', बिल्डिंग, प्लाट 'सी' अमृत नगर, एल० बे० एस० मार्ग, घाटकीपर, बम्बई-86 में स्थित है (श्रीर इससे उपाद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण इ० से विणित है), श्रीर जिन्नजा उरारनामा आयहर अधिनियम, 1961 की धारा 269 एख के अवान बम्बई

स्थित सक्षम प्राधिकारः के कार्यालय में रजिस्ट्रः है तारःख

1 मार्च, 1984

की प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं एसं दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिथाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण निश्विद्य में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण म हाई जिसी आय की बाबत, उक्त॰ विधिनयम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायिल्य में जानी कारा या उससे बाचन मा सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी अंथ या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियमं, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जरना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए;

अतः जब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जं, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (2) मै० शेठ इन्टरप्राइसेत।

(अन्तरक)

(2) श्री टी० मायकेल फर्नाडीस।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्राहेशों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो श्री अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति दवारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

पलट नं० 415, जो चौथो मंजिल, 'पूर्णिजमा' बिल्डिंग, प्लाट 'सो' अमृत नगर, एल० बो० एस० मार्ग, घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जसा कि कम सं० अई०-3/37 ईई०/6648/ 83-84 स्रोर जी तक्षम प्राधिकारा, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मार्च, 1984 को रजिस्टडं किया गया है।

> ्र ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहाक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तार*ी*ख : 13-11-1984

गोहर:

त्ररूप बाई. टी. एन्. एस.------

भावकर मिश्रीनगम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन स्थाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दितांक 13 नवम्बर 1984

निवेश सं० अई०-3/37 ईई०/6688/83-84---अतः मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से विधिक है

भौर जिसके सं० फ्लटनं० 16 जो चौथो मंजित, कोम काटेज, काजू टेकडो पारसीवाडी, घाटकोपर, (पश्चिम) बम्बई-84 में स्थित है (और इससे उनाबात अनुसूचा में भौर पूर्ण रूप से विजित है), और जिता का करारतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कहा के अधोत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के कार्यास्थ में रजिस्ट्रा है ताराखा 1 मार्च, 1984

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मृस्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और जंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए त्य पाम बबा बितिफल निम्निनिचित उद्वेदिय से उचित अन्तर्ण सिचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:---

- (क) जलारण के हुई किसी बाद की बादत, उपल बिधिनियम के बधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे उपने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी भन या किसी आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण भं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) अं अधीरा, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :— (1) मै॰ काम कारपीरेशन।

(अन्सरक)

(2) अरेदवाराम वरे खन्नर ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के वर्जन् के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### वन्स्यी

पलैट नं 16 जो चौयो मंजित, कोम काटेज, काजू टेहडी, पारसीयाडी, घाटकोपर (पिष्चम), बम्बई-84 में स्थित है। अनुसूची जैसाकि कम सं अदिग्र3/37 ईई०-6688/83-84 मीर जो सक्षम प्राधिहारो बम्बई द्वारा दिनांक 1 मार्च, 1984 को रजिस्टर्ज किया गया है।

> ए० प्रसाव सञ्जय प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज्-3, सम्बद्ध

तारीख : 13-11-1984

प्रकथ आहे.टी.एन इन. -----

शासकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के वधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निर्देश सं० अर्ड-3/37/ईई/6637/83-84 अतः मझे ए॰ प्रसाव

बायक र अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा .26 अ-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० ब्लाक नं० 1, जो ग्राउण्ड फ्लोअर, फैक्टरी बिल्डिंग, विद्या नगरो मार्ग, कालिना, सांताकुज (पूर्व), बम्बई 98 में स्थित है (ग्रोर इसपे उपाबद अनुपूत्रों में ग्रौर रूप से बिण्त है (ग्रोर जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम 1961 का धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम गाधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रों है, तारोख 1-3-1984 को पर्वीवत संपर्तित के उपात बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान तिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुभै यह विद्यास उसने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उपात बाजार कृत्य, उसके सम्बम्भान प्रतिफल के ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल के सम्बद्ध प्रतिकत से बिधक है और संतरक (अंतरकों) बीर अंतरिती (जंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का से मिन्निसित उद्विध्य से उसत संतरण विस्तित में बास्तिवक का से कीयत नहीं किया गया है किया विस्त से किया नहीं किया गया है किया विस्त नहीं किया गया है किया विस्तित नहीं किया गया है किया विस्तित नहीं किया गया है किया गया है किया नहीं किया गया है किया विस्तित नहीं किया गया है किया विस्तित नहीं किया गया है किया विस्तित नहीं किया गया है किया गया गया प्रतिक किया गया है किया गया गया है किया गया गया है किया गया है किया गया गया गया गया गया गया गया गया

- (क) अस्तरण संहूपं किसी नाय की शक्स, अवस जीधीनशक के जधीन कर कोने के अस्तरक के दाबित्य में कमी करने मा तससे बचने में सुविधा के के सिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ते भारतीय प्रापकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्या था या किया जाना काहिए था, कियाने से सविधा के लिए:

भतः सब, उस्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनसरम मों, सों, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) अधीन, नियनसिमित व्यक्तियों, अधीत:—— 4—386GI[84

- 1. (1) श्रो बी० जै० कीठारी
  - (2) श्रो एच० मी० कौठारी, भीर
  - (3) श्री बार बोर कोठारी

(अन्तरक)

2. दास बास इंजीनियरिंग कम्पनी।

(अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिर्ध कार्यवाहियां शास्त्र करता हू ।

उक्त संवृत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप अ---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो मी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अयक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकरें।

स्युष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त सम्बं और पर्योका, को उन्हें विभिन्नियं के बभ्याय 20-के में परिभाषित हैं, यही नर्थ होता को उन् सभ्याद में दिया गवा है।

### मन्त्र्या

ब्लाक नं० 1, जो प्राउण्ड पल अर, फैक्टरो बिल्डिंग, विद्या नगरों, मार्ग, कालिना, सांतात्रुस (पूर्व), बम्बई–98 में स्थिरस है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-3/37-ईई/6637/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 1-3-84 को रजिस्ट के किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारो, सहायक आयकर आयुक्त निरःक्षण), अर्जन रेंज-3, बस्बई

विनांक: 13-11-1984

प्ररूप बाई. टी. एन. एसं.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बंस्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निर्देश सं० अई-3/37ईई/6697/83-84-अतः मुझे ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या दुकान न० 6, जो ग्राउण्ड एले अर, विंग ए बिल्डिंग नं० 6, "दामोदर पार्क, एल० दि एए एस० मार्ग, घाटकोपर (प०), बम्ब्ई-86 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुपूच में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अश्रीन बम्बई थित सक्षम प्राधिकारो कार्यालय में रजिस्ट्रो है, तारीख 1-3-1984।

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक और (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बाल्तिक कुण से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करते या उपमें दनने में स्विधा के लिए; और/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में जुनिया के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) इ. अधीन, निम्मालिकित व्यक्तियों, अधीक 1. मैसर्स पारुल इण्टरप्राइज।

(अन्तरक)

2. श्री: खातिब लियाकत मोहम्मद।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितें हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

दुकान मं० 6 जो ग्राउण्ड फ्लोअर विंग ए० बिल्डिंग मं० 6 'दामोदर पार्क'' एस० बी:० एस० मार्ग घाटकोपर (पश्चिम). बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूचे जैसा कि क सं० अई-3/37ईई/6697/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर:क्षण), अर्जन रेंज-3, बम्बर्ड

दिनांक 13-11-1984 मोहरः प्ररूप आई. टी, एन. एस.-----

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (।) के बर्जीन त्थना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

श्वम्बई, दिनांक 13 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० अई-3/37ईई/6519/93-84--अतः मुझे ए० प्रसाह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुचात 'उक्त अधिनियभ' कहा गया है), की धार्य 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समारित, जिसका उपित गामर मृज्य 25.000/- का में अधिक हुँ

भीर जिसकी मं० पलैट नं० 104, जी, 1 ली मंजिल, "नरेन" बिल्डिंग, प्लाट "स.ल', अमृत नगर, एस० बिल्डिंग, प्लाट "स.ल', अमृत नगर, एस० बि० एस मार्ग, घाटकीपर, बम्बई-86 में स्थित है (ग्रीर इससे उपा-बद्ध अनुसूच: में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका प्रारासनामा आयहार अधिनियम, 1961 के धारा 269, के, ख के अधान, बन्बई स्थित तक्षम प्राधिकार: के कार्यालय में रजिस्टु: है, तार ख 1-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य संकम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल सं, एस रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रक प्रतिश्वास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण दें लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योग्य से अवत अंतरण कि जित में अस्तिक रूप से कथित गहीं किया गया है:—

- (क्क) अन्तरण से हुई फिसी माय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सचने में सुविधा के लिए; बॉर/वा
- (ण) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

कतः वय उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्यरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधात् क्ष्म 1. मैसर्स शेठ इण्टरपाइजेस।

(अन्तरक)

2. श्रा: पाँ० विश्वनाथ शेट्टी।

(अन्तिरितः)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के ितय कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विक्त स्पिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त मधायर संपरित में हिंत-धद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, तां उक्त अधि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जन संची

फ्लैट नं० 104, जो, "नरेन" विलिंडग, 1 लं≟मंजिल, प्लाट "सः" अमृत नगर, घाटकोगर, एल० बः एस० मार्ग, बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई 3/37/ईई/6519/83-84 और जो सक्षम प्राधिकार। बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारा, सहातक आयकर आयुक्त (निराक्षण), अर्थन रेप-3, अम्बई

विनोक : 13-11-1984

मोहर ा

प्रक्ष. बाई. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर सायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का जारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रु. से बिधक है

भौर जिसका सं पूनिट नं 215-ए०, जो, 2 रो मंजिल, डी० ब्लाक, घाटकोपर इण्डस्ट्रियल, इस्टेट, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित है। (भौर इससे उपाधन्न अनुसूचा में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रा है, ताराख 1-3-1984

को प्योक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यवाप्योंकत संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और वन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया शवा प्रतिफल, जिन्निकिच छुड़ देग से उच्छ मन्तरण के लिए तथ सम्तरण में नास्तिक क्य से कामित नहीं किया नया है :---

- [क] नन्तरण सं हुई किसी नाम को अभित उक्स अभिनियम के अभीन कर दोन के अन्तरक को दायित्व में कभी कर्रुने या उससे क्चने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-वाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः अवं, इन्त विभिनियमं की भारा 269-यं के अनुसरण में, में, धवत विभिनियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) के वभीता, निम्निनिवित व्यक्तियों, अभीत् :--- ा. श्रा वाव वाव मेट्रा।

(अन्तरक)

2. श्री सुधीर कुमार अगरवाल।

(अन्सरितो)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वे क्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पथ्यीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-कं में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### <del>ana d</del>i

् यूनिट त० 216 ए० जो, 2री मंजिल, डी० ब्ला भाटकोपर इण्डस्ट्रियल इस्टेट, एल० बी० एस० मार्ग, १ कोपर, (पश्चिम), बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूच। जैसा कि ऋ सं० अई-3/37-ईई-6553/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 1-3-84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ्र वाहर गान वाह्य हारा, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनां*यः* : 13-11-1984

भोहर:

प्ररूप बाइं.टी.एम.एस, \*\*\*\*\*\*\*

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालया, सष्टायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, **बम्बई** 

बम्बई दिनांक 13 नवम्बर 1984

निर्देश मं० ग्रई-3/3.7ईई/6417/83-84-- यत मुझे, ए०

प्रशाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सस्परित, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 102 जो 1ली मंजिल "भानूबिला" बिल्डिंग प्लाट एफ. 2 अमृत नगर एल० बी एस० मार्ग घाटकोपर (प) बस्बई—86 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण चप से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-3-1984

को पूर्वेक्षि सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तियक हम से काथिल नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण संहुइ किसी नाय की शबरा, अवस मधिनियम के अधीन कर दोरे के असरक के दायित्व में कमी कारने या उत्तर वजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, मुधील् ्र-- मैसर्स शेढ इण्टरप्राइजेस।

(प्रस्तरक)

2. भी सी० जे० गेठ।

(ग्रन्तरिती)

की बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं। से 45 दिन की अवधि या तस्सवधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास्

स्थव्यक्तिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

पलैट नं० 102 जो 1ली मंजिल "मानूबिला" बिल्डिंग प्लाट एफ० 2 श्रमृत नगर एल० बी एस० मार्ग धाट-कोषर (पश्चिम) बम्बई-86 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि क सं० अई-3/37/ईई/6417 /83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 1-3-84 को रजिस्टर्ड दिया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त ∙(निर∷क्षण) फ्रार्जन रेंज्र—3, कस्कई

विनांक: 13-11-1984

### त्रसम् नार्षः दी. एन. एस.-----

बायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-स (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
 प्रर्जन रेंज-3, बम्बई
 बम्बई 2 दिनांक 13 नवम्बर 1984

सं० ग्रई-3/37/ईई/6461/83-84:--- ग्रतः मुझे ए०

प्रसाद

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उन्कर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन तक्षम प्रतिकार का, जिसका जीवत बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं।

धीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं 104 जो 1 ली मंजिल प्लाट ''जी'' ''छोटालाल विला'' बिल्डिंग ग्रमृत नगर घाटकोपर बम्बई-86 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्राम कर ग्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-3-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिश्चत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तिश्ति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक रूप से किथा नहीं किया गया है :-

- (वं) बन्तरण संहुई किसी वायं की बावस, संबद्ध बाधनियम के बधीन कर दने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसल व्यन में सर्विधा के लिए, बार/या
- (थ) एसी किसी बाय या किसी धन या धन्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तिरिती द्वारा प्रकृट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए

कतः अव, उक्त विधिनियम की भार 269-म के बनुसरक में, में उक्त विधिनियम की भारा 269-म उपभारा (1) के अभीन, निम्नुलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ६1. मैसर्स शेठ इण्टरप्राइसेज।

(अन्तरक)

2. श्री ए एडविन डिमेली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के वर्षन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासेंप ३---

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन का अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंदन बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी हैं
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्द अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित् है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुमा है।

#### **मन्स्पर्**

फ्लैट नं० 104 जो 1ली मंजिल प्लाट "जी" छोटा लाल विला" बिल्डिंग ग्रम्त नगर घाटकोपर बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि० सं० अई-3/37-ईई/6461/83-84 श्रीर जो सञ्जम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
स्वायक प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रजैन रेंज-3, बम्बई

दिमांक: 13-11-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नंबम्बर 1984

निर्देश सं० ग्रई-3/37/ईई/6463/84-84—ग्रतः मुझे, एं० प्रसाद

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० पलैंट नं० 304 जो 3री मंजिल छोटा लाल विला" विल्डिंग प्लाट "जी" ग्रमृत नगर एल० बी० एच. मार्ग घाटकोपर बम्बई – 86 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालयों में रिजस्ट्री है तारीख 1-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, में, उक्त-अधिन्यम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिट व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैसर्स क्षेत्र प्रचट्याइपोत्ता।

लरक)

2. श्रीमती शारदा कब्गा हानाल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूजीवत संपिर के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में संमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### य्रनुसू वी

फ्लैंट नं॰ 304, जो 3री मंजिल "छोटालाल बिला" बिलिंडग प्लाट "जी" अमृत नगर एल॰ बी॰ एस॰ मार्ग घाटकोपर बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कः सं० अई-3/37ईई/6463/83-84 और जो सजन गाजिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 1-3-84 को रजिस्टर्ड मिना गया है।

> ए० प्र**साद** सक्षम प्रा<mark>धिकारी</mark> सहायक स्रत्यकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3 ब्र**म्बर्ड**

दिनांक: 13-11-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

**मिर्देश सं० भ्रई-3/37/ईई/6463/83-84--श्रतः मुझे,** ए०

प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिचत बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

यौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 21 ए० जो कांता अपार्टमेंट फ्लाट नं० 308 पन्त नगर घाटकोपर (पूर्व) बम्बई-75 में स्थित है (और इससे उपाब अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर आधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सअम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 1-3-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, आयकर अधिनियम के अधीन कर घेने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्रीगरी छाया गजानन चन्हाण ।

(4-77-77)

2. श्रीयती जांनि रमेश श्रगरवाल।

(ऋग्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमं प्रयुक्त राज्यों और पदों का, जो जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### बन्स्ची

फ्लैट नं० 21 ए०, जो कांता घ्रपार्टमेंट प्लाट न० 308 पन्तनगर घाटकोपर (पूर्व) बम्बई-75 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० भई-3/37/ईई/6437/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ख्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 13-11-1984

मोहरः

प्ररूप आई .टो. एन. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवस्वर 1984

निदेश सं० अई-3/37-ईई/6756/83-84--- प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, रह दिल्यान करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मृन्य 25,000/- रहे से अधिक है

ग्रौर जिसकी में० फ्लैंट नं० 4, जो ग्राउण्ड फ्लोर. मिलाप को-ग्रापरेटिव मोसाईटी. 90 फिट रोड़, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबड श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित संक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, तारीख 1-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निय्नितिबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निमित में वास्तिवक क्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दाने के अंतरक क दायित्व में कर्म, अपने या एसरों नवने भी सिविशा के लिए, शौग/शा
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर विधिनियम, वा धन-कर विधिनियम, वा वा वा वा वा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना न्याहिए था, छिपान में स्विधा के लिए:

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:——
5.—386GH84

1. शीमनी कमलाबेन जे० दवे।

(अन्तरक)

श्री रोहित कुमार वी० मोदी,
 श्रीर अन्य।

(अलस्ति।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लि. कार्यवाहियां करता हूं।

### जक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई जी बाक्षेप ह.---

- (क) इस सुबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बनी अविधायों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस स्कृता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी पान निकित में निक्ष का रकति।

स्वक्कीकरणः ----ध्समे प्रयास्त कव्यो और पर्या का, आं उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही शाहिगा को उस अध्याय में विद्या भवा ही।

### अनुसूची

फ़्लैट नं० 4, जो पाउण्ड फ्लोर, मिलाप को-प्रापरेटिव मोसाईटो, 90 फिट रोड, गरोडिया नगर, घाटकीपर (पूर्व) बम्बई में स्थित है

अनुसुची जैसा कि कि 0 स्व अई-3/37-ईई/6756/8384 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बश्बई ैंद्वारा दिनांक 1-3-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसादः सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-3, बम्बई

दिनांक: 13-11-1984

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस . -----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-म (1) के जभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं० भ्रई-3/37-ईई/6179ए०/83-84---भ्रत:

...जर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ...जे पश्चात् 'उप्तत अधिनियम' कहा गणा है), की भारा :69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विख्वास करने ...ण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार प्रस्थ :5,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 5, जो 2री मंजिल, शामियाना 'बी' निर्माणाधीन इमारने, विलेज कुर्ला, वम्बई-70 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर इसमे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर इसमे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, वम्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1−3−1984

े पूर्वोंक्त सम्परित के उपित बाजार मूलय से कम के रूपमान तिफल के लिए अन्तितित की गई है और मूक्के यह विश्वास ्दि का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार मून्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-

ं निभ्नसिक्ति उद्वेषय से उक्त बन्तरण सिक्ति में वास्तविक से कथित नहीं किया गया है है----

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय कर्त वाषत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वयने में सुविधा के लिए; बॉर/था
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

जतः जब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) ो अधीन, निम्निजिसत व्यक्तियों, अर्थात् ह— 1. मेसर्स मंत्री इन्टरप्रायसेस

(স্ব

2. श्री श्रोमवाल्ड बार्पाटस्ट

परेरा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### भगसूची

श्रनुसूची जैसा कर सं० श्रई-3/37-ईई/6179-ए/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),

तारीख: 13-11-1984

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस. -----

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/6727/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृख्य 25,000/-रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० दूकान नं० 3-ए, जो घाटकोपर, वैमाखी, को-स्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, कामा लेन, घाट-कापर (प०). बम्बई-86 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुस्ची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है) स्रौर जिसका करार-नामा स्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के स्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप सं कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मैं पविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. डा० हिमत श्रार० राठोड

(ग्रन्तरक)

2. श्री नरोत्तम मोहनलाल सनूरा श्रीर श्री अतुल नरोत्तम सनूरा।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से.4: दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिय में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4. दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किये जा सकरें।

स्पद्धीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिर है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गया है।

#### अनसर्ची

दुकान नं० 3-ए घाटकोपर वैशाखी को-धापरेटिय हार्जिसग सोसायटी लिमिटेड कामा लेन घाटकोपर (प०) बम्बई-86 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकि कि में ग्रई-3/37-ईई/6727/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रनः **सक्षम प्राधिका**र सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण श्रर्जन रेंज-3, **बम** 

दिनांक: 13-11-1984

प्ररूप माइं.टी.एन.एस. -------

1. मेसर्स शेठ इंटरप्राइसेस

(ग्रन्तरक)

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

2. श्री एन० पधनाभन

(भ्रन्तरिती)

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/6732/83-84---श्रतः मुझे ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एउटे पदवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- राम सं अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 331 जो 3री मंजिल प्लाट "सी" "णालिनी" बिल्डिंग अमृत नगर एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर बम्बई-86 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सूक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है तारीख 1-3-1984

नो पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रसिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रशिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच के एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नितिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से किथन नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण मंह्युं किसी अध्यक्ती बाधता, उंजल अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक वें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एमी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तिथों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 192: (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया .गया धा या किया जाना चाहिए था, खिनाने में मूर्विधा के लिए।

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के, अनुसरक अते, मी उक्त अधिनियम की भाग २६९-न की लपधारा (1) के अधीन, निम्तिनिधन व्यक्तियों अधीतः —— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोपः—

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिकों दर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों, में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरी।

स्पद्धीकरण:--इसमो प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जां अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्ज्ञी

प्लैट नं० 331 जो 3री मंजिल "शालिनी" विल्डिंग लाट-सी अमृत नगर एल० बी० एस० मार्ग घाटकोपर बम्बई-86 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-3/37–ईई/6732/83–84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  $1\sim3-1984$  को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3. बम्बर्ष

दिनांक : 13-11-1984

मोद्दर :

प्रकष बाह्ये, की त एवं : एस : - - ----

भागकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-म (1) के अभीन सुचना

# 1 मेसर्स गोल्डन कन्स्ट्रम्थन कंपनी

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती यर्जेटीना फुटडिंग

(ग्रन्तरिती)

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निर्देश मं० ग्रई-3/37-ईई/6582/83-84---भ्रतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दूसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० जी०/13 जो 4थी मंजिल विलेज कोलेकल्याण, कालिना, वस्बई में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबड़ श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है) श्रीर जिसका क्रारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269क ख के श्रधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिवारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीख 1-3-1984

को पृथेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के श्वयमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफ यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्वयमान प्रतिफल से एसे श्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्चत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्चत उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक हम में कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के सधीन कर वाने के अन्तरक के दायित्व मं क्यी करने का जनसे वचने में मृविधा के मिन् अपराधा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतिय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था. स्थिपाने में स्विधा के लिए;

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पर्नोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुधारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

श्यक्तीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# नगसची

फ्लैंट नं जी/13 गोल्डन पैंबल जो 4थी मंजिल सी० टी० एस० नं 5657 5753 5789 (पी०) 5782 में 5785 (सब पार्ट) 5789 5790 ग्रीर 5793 विनेज कोलेकल्याण कालिना बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि क० मं० श्रई-3/37-ईई/6585/ 83-84 श्रीर जो सञ्जन प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 13-11-1984

मोहर 🖫

अतः अवः अवतः अभिनियमं की धारी 269 म के अनुसरण मीं, मीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269 च की उपधारा (1) कृके अधीन निम्नोतिष्ठित व्यक्तियों, अथात् ः— प्रकम नाही, दी, एन. एस.------

कायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रजंत रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निवेश सं० म्रई-3/37-ईई/6693/83-84---म्रत: मुझे ए० प्रसाद

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 303 जो 3री मंजिल, प्रभू श्रपार्टमेंट विलेज किरोल, रजावाडी, बाटकीपर, बम्बई-77 में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकरी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-3-1984 को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए: आर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

नतः जनः, उक्त मधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं उक्त अधिनियमं की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नर्धात् ध—— 1. मेसर्स विवेक इंटरप्राइसेस

(ग्रन्सरक)

 श्री भनसुखलाल एफ० महता ग्रीर ग्रन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्टित के अर्थन के लिं कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस .
  45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों प
  स्थान की तामील से 30 विन की अविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोतुर्
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपर्तित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतां का जो जिल्हें अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषय गया है।

# अनुसूची

फ्लैट नं० 303 जी 3री मंजिल "प्रमू श्रपार्टेमेंट" सी० टी० एस० नं० 4556 से 4580 विलेज किरोल घाटकीपर (पूर्व) बम्बई में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-3/37-ईई/6693/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 1-3-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3; बस्बई

दिनांक: 13~11-1984

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. -------

**भाषकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की** भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्रर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3 सम्बई

बम्बई; दिनांक 13 नवम्बर 1984 **ानदश** सं० ग्रई-3/37-ईई/6694/83-84--ग्रतः मुझे,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 69-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विख्यास करने का ... 🖫 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक ह

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 203, जो, बी-विंग, 2री मंजिल, "प्रमू प्रपार्टमेंट" सी॰ टी॰ एस॰ नं॰ 4556 में 4580, विलेज किरोल घाटकोपर (पूर्व) बस्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबब श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269कख, के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी में कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-3-1984

्री पूर्वेक्त सम्पत्ति के उभित गाजार मृत्य से कम के दश्यमाण ातिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास **करने का कारण है कि यथापुर्वीक्त** सम्पत्ति का उचित बाजार वन्त्रह प्रतिशत से व्याधिक ही बार अंतरक (अंतरकों) बार अंतरिती (जंबरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के जिए तय पाया गया प्रति-

निम्नीनिधत उद्देश्य से उक्त जंतरण लिखित में वास्तीयक

प से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम् के अभीन कार दोने के अंतरक क दाबिल्य में कामी करने या असम अखन में मिथिओ के सिए; और/या
- (क) इंसी किसी बाद या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा बे बिए;

बतः अव, खक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) ो अभीत, निज्ञिसिसिस व्यक्तियों, अर्थातुः —

मेसमं विवेक इंटरप्रायजेस

(धन्तरक)

2. श्री शामजीभाई एम० छेडूा धौर ग्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए। कार्यवाहयां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्र 🆫—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की म्बिभ, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सुक्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जो सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त खब्दों और पद्यों का, जो , जब्त े विभिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया त्रया है ।

### नगुस्ची

पलैट नं० 203, जो, बि-विंग 2री मंजिल, प्रभू अपार्ट-मेंट सीं० टी० एस० नं० 4556 से 4580 विद्वेल किरोल घाटकोपर बम्बई में स्थित है।

ग्रनुमूची जैसा कि क० सं० ग्रई-3/37-ईई/6694/ 83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बर्ध

दिनांक : 13-11-1984

प्ररूप जाई. टी. एत. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

# कार्यासय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्रण)

श्रजन रेज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं० अर्ड-3/37-ईई/6695/83-84--श्रतः मृझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निवनस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25.000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1 जो पाउंड फ्लोर बी-विंग, "प्रभू श्रपार्टमेंट" सी० टी० एस० नं० 4556 से 4580 विलेज किरोल, धाटकोएर (पूर्व) बस्वई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क ख के श्रधीन बस्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-3~1984

को प्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मूक्ते यह विश्वास कि इने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच अन्तर्ण के लिए तय पाया गम्म प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से शुद्द किसी नाय की बावत अक्त लीच-निवस के अधीत कर बंजे को अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें एकने में माविका के लिये, बीद/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवीवनार्थ अन्तरिती व्यारा अंकट नहीं किया ज्या का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिया सी किया

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, किम्मिनिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

भगमं विश्वेक इंटन्प्राइसेम

(भ्रन्तरक)

2. श्री श्रीकांत मावजी कोठारी

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोज्य सम्पत्यि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

**उक्त सम्प**त्ति के अर्जन के सम्बन्ध में को**एं भी बाकोप** ;----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हूं 45 दिन की सबधि या तत्सम्बन्धी स्पव्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह्म्ताक्षरी के पास निर्माटन मों किए आ सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हरू अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

# जनसंची

फ्लैट नं० 1 जो ग्राउण्ड फ्लोर बी० विंग "प्रभू ग्रपार्ट मेंट" मी० टी० एस० नं० 4556 से 4580 विलेज किरोल घाटकोपर (पूर्व) बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-3/37-ईई/6695/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्त्रई द्वारा दिनाँक 1-3-84 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-३, वस्वई

दिनांक: 13-11-1984

# प्रकृष बाइ .टी.एन.एस ,------

बायकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### बारत बरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निर्वेण सं० अई-3/37ई०/6696/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेंट नं० 403, जो, बी० विंग, 4थी मंजिल, प्रभू अपार्टमेंट, सो० टो एस० नं० 4556, से 4560, व्हिलेज कोरोल, घाटकोपर, (पूर्व), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिक के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1~3-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाजार मृस्य से कम के ध्रयमान प्राप्तिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण संहुर्द किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिवधा के लिए; और/या.
- (ख) ऐसी किसी आय या िकसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या िकया जाना चािहण था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धाग 269-ग क अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिसित ध्यक्तियों, अर्थातः ---

5-386GI|84

(1) मेसर्स विवेक इंटरप्रायजेस ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री घोरजलाल डी० णहा ग्रौर अन्य। (ग्रन्तरिती)

के यह सूचना कारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

डफ्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (म) इत मूचता क राजरत मं प्रकाशन की तारीख में 45 विन की भवधि या तत्सम्बन्धी म्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भवधि; जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत ग्यक्तियों में से किसी ग्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमुसूची

फ्लैट नं० 403, जो, बो० विंग, 4थो मंजिल, प्रभु अपार्टमेंट,सी० टो० एस०नं० 4556से 4560 विहलेज कोरोल, घाटकोपर, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूर्च। जैसा कि फ्रम मं० अई-3/37ईई/6696/ 83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारो, सम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) भ्रर्जन रेंज−3, बम्बई

दिनांक : 13-11-1984

प्ररूप. आर्ड. टी. एन. एस. ----

वायकर ऑभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत स्थाना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक मायकर भायकः (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, धम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नक्म्बर 1984

निदेण सं० अई-3/37ईई/6697/8.3-84—अतः मुझे ए० प्रसाद

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २69-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० पलट नं० 302, जो, बी० विंग, 3री मंजिल, "प्रभु अपार्टमेंट" मो० टो० एस० नं० 4556 से 4580, विलेज किरोल, घाटकोपर, (पूर्व) बम्बई में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबक अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रा है तारीख 1-3-1984

का पूर्वोक्त सम्परित के उणित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मक्के, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उजित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरिको) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित वाम्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुक् किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्याजनाथ अभारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सृविभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मेसर्स विवेक इटरप्रायमेस ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रा सोमनाथ जीव दवे।

(ग्रन्तरिती)

भो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

न्थव्होकरणः—⊷इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मम्स् को

फ्लट नं० 302, जो बो० विंग, 3रो मंजिल, "प्रभु अपार्टमेंट", सा० टा० एस० नं०4556 से 4580, विलेज किरोल घाटकोपर (पूर्व), वस्वई-77 में स्थित है।

अनुसूचा जैसा कि कम सं० अई-3/37ईई/6697/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारा बस्बई द्वारा दिनांका 1-3-1984 को रजिस्टई किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम अधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 13-11-198**4** 

प्रकृप बार्ड . टी . एन . एस . -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं० अई-3/37ईई/6702/83-84--अत: मुझे, ए० प्रसाद;

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० फ्लट नं० 202, जो, 2री मजिल, बी० विंग, "प्रभु अपार्टमेंट", महेन्द्र विला, सी० टी० एस० नं० 4556 में 4580, बिलेज किरोल, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-3-1984

करे पूर्वोक्त सपित्त के उचित नाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिक्षल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से एसे दश्यमान प्रतिकाल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म नास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की नाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उच्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भैं, कैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के बभीन, निम्नसिवित व्यक्तियों जर्थात् हु—-- (1) मेसर्स विवेक इंटरप्रायसेस ।

(अन्तरक)

(2) श्री भवानजीं लाल जी छेडडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# सक्त स्वारित में अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेत्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीच सं-45 दिन की अविभिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षणी के पास निवित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### बन्स्ची

फ्लट नं० 202, जो, 2री मंजिल, बी० विंग "प्रभु अपार्टमेंट", महेंन्द्र विला, सो० टो० एस० नं० 4556 से 4580, विलेज किरोल. रजावडो घाटकोपर, (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है ।

अनुसूचो जैसा कि क्रम सं० अई-3/37ईई/6702/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1984 को रजिस्टर्ट किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज−3, बम्बई

दिनांक : 13-11-1984

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेण सं० अई-3/37ईई/6703/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसादः

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 402, जो, 4थी मंजिल, बी॰ वग,, "प्रभु अपार्टमेंट", महेंन्द्र विला, घाटकोपर, बम्बई-77 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-3-84 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्घेष से उकत अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधाके लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) मेसर्स विवेक इंटरप्रायसेस ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उर्मिला एम० मांघी श्रीर अन्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20 का में परिभाष्टि है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्सूची

प्लैंट नं० 402, जो, 4थी मंजिल, बी० विंग, "प्रभु अपार्टमेंट", महेंग्द्र विला, सी० टो० एस० नं० 4556 से 4580, विलेज किरोल, रजावडो, घाटकोपर, बम्बई-77 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-3/37ईई/6703/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रणाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--2, बम्बई

दिनांक : 13-11-1984

# प्ररूप बाइ . टी . एन . एस . ------

नायकार निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्चना

#### भारत तरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निर्देक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांकः 13 नवम्बर 1984

निदेश सं० अई--3/37ईई/6709/83-84--अत: मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सक्ते पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका जिल्हा बाजार म्ल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

25,0007- र. से का विक हैं
और जिसको सं० पलैट नं० 603, जो, 6वीं मंजिल, बां० विंग, प्रमु अवार्टमेंट, महेन्द्र विला, सी० टो० एस० नं० 4556 से 4580, विलेज किरोल, रजाबाडी, घाटकोपर, बम्बई -77 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विंगत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालाय में रिजस्ट्री है तारीख 1-3-1984 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुमे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी माय की शबत, उभ्त जिम्मीनयम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जॉर/बा
- (क) एसी किसी बाध या किसी धन या बन्य जास्तियों की किसी आपतीय जासकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्दरिती ब्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, वर्षात्ः— (1) मेसर्स विवेक इंटरप्रायसेस।

(अन्तःरक)

(2) श्री शांतीलाल भीमजी देसाई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मुंगे से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितश्रव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पर्वक्रीकरणः → इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

## वन्त्यी

पलैट नं० 603, जो, बी० विंग, "प्रमु अपार्टमेंट, महेंन्द्र विला, सी० टी० एस० नं० 4556 से 4580, विलेज किरोल, रजावडी, घाटकोपर, बम्बई-77 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋम सं० अई-3/37ईई/6704/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1984 को रजिस्टडं किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्रर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−3, बम्बई

दिनांक : 13-11-1984

प्रकार बाइ" टी. एन. एस. - - -

ें जावकर बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बधीन सुचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) भूजीन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश मं० आई-3/37ईई/6705/83-84--अन: मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), को धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं०, 102, जो, 1ली मंजिल, बी० विंग, प्रभु अपार्टमेंट, महेंद्र विला, रजावाडी, घाटकोपर, (पूर्व), बम्बई -77 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विंगत है) और जिमका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-3-1984

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्वों क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनयम में अधीन कर रोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बॉर/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी घन या बन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या वन-कर बिचिन्यम, या वन-कर बिचिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ बन्दिरती ब्नाइ प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

जतः अब., उक्त जिथिनियमें की धारा 269-ग के अनुसरण कों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च को उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधारत । —— (1) मेसमं विषेक इंटरप्रायमेस ।

(अन्तलक)

(2) श्री शणिकांत डी० बाविशी और अन्य । (अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पृवानित सम्पृत्ति के वर्षन के तिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त राम्पृतित के जर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्येप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जन्धि या सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी जन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाराः
- (च) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हिसबद्ध किसी बन्य व्यक्ति इनारा अधोहस्ताक्षरी के शस सिसित में किए जा सकेंगे।

स्यक्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में विशा प्या हैं।

### नगुसुधी

पर्लंट नं० 102, जो, 1लो मंजिल, बी० विंग, "प्रंमु अपार्टमेंट', महेंद्र विला, सी० टी० एस० नं० 4556 से 4580, विलेज किरोल, रजावडी, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-3/37ईई/6705/83-84 और जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 1-3-1984 की रजिस्टडं किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज~3, **सम्बर्ध**

दिनोक : 13-11-1984

# प्रकृष कार्<u>य हो ए</u>त . एत . एस . -----

कायकर आंधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्पना

#### भारत तरकार

कार्यात्तय, सहायक जायकार जायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन, रेंज-3, जम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवस्बर 1984

निदेश सं ० आई-3/37ईई/6628/83-84-अतः मुझे, ए० प्रमाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारीं को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संबद्धकान नंव 2. जो ग्राउंड फ्लोर, मरीओनेले 81, वाकोला, सांतांकुंज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269न, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है नारीख 1-3-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उन्तित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उभित अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिल्य में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के निए; बॉर/बा
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्ह भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान चाहिए था, क्षिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री गैराल्ड थामस सम्पे एःड अन्य । (अन्तरक)
- (2) श्री जोमेफ फान्सिस डिसा । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

# उनत सन्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप उनन

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, ओं भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेषित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वार;
- (क) इस स्पूजन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्धभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# बन्स्ची

दुकान नं० 2, जो, ग्राउन्ड फ्लोर मरीनोले, 81, वाकोला सांतांकुज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अर्ह-3/37र्ह्ह/6628/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 11-3-1984 को रजिस्ट हं किया गया है।

ग्र प्रासाद
सक्षम प्राधिकारी
महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-3. वस्बर्ध

दिनांका: 13-11-1984

# प्रकार बाद् ु की ु एन ु ऐस् ु वननन

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जुपीन सुचुना

#### भारत बहुकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-3, अम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं० आई-3/33्ई/6619/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसादः

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 215, जो, 2री मंजिल, पूर्णिमा बिल्डिंग, अमृत नगर, घाटकोप र, (प), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से., एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जंतरिती (अन्तरितों) के नीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति- फल निम्नसिक्त उद्वर्य से उक्त अन्तरण सिविष में कारणीक्स रूप से किथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, उक्छ अभिनियस के अभीत कर दोने के अन्तरक के श्रीयत्व में कमी करत या उससे अवने में सुविधन के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा वा का किया नाना वाहिए ना, कियाने में स्विधा के लिए;

जतः वब उक्त अभिनियम की भाष 269-ग के जनुसरण ज, मैं, उक्त अभिनियम की भाष 269-म की उपभाष (1) के अभीन, निम्नीलेखित व्यक्तियों, अभीत :--- (1) श्रीमती वीना वियानी ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० एम० विदा

(अन्तरितीः)

न्त्र यह सूचना चारी करके पूर्वोच्या सभ्यत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 सिन की स्वीध या स्त्रुम्बन्धी व्यक्तिकों पूर सूचना की तानील से 30 दिन की जनधि, जो भी नवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्वीवतयों में से किसी स्वीवत द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़ सिसित में किए का सकोंगे।

स्पन्नीकरणः -- इसमें प्रवृक्ष सन्दों जीह स्वी का है स्वक्ष विधिनयम्, के अध्याम् 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वगतयी

फ्लैट नं० 215, जो, 2रो मंजिल, पूर्णिमा बिल्डिंग, अमृत नगर, घाटकोपर, (पश्चिम), वस्बई में स्थित है।

अनुसूत्रो जैसा कि कम सं० अई-3/37ईई/6619/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, अध्यई द्वारा दिनांक 1-3-1984 को रजिस्डें किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायकं द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज--3, वस्वई

दिनांक: 13-11-1984

प्ररूप आर्ड.टी.एग.एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/6745/83-84:--अत मुझे, ए० प्रसाद,

नायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000 / - रत. से अधिक ह<sup>र</sup>ी

श्रीर जिसकी सं० युनिट नं० 20-ए, जो, सं≀-ब्लाक, ग्राऊंड फ्लोअर, षाटकोपर इंडस्ट्रियल इस्टेट, बम्बई-86 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) शीर जिसका कंरार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 1 - 3 - 1984

को पूर्वेक्ति संपरित को उच्ति बाजार मूल्य से कम को ४ इयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथामुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: गरि/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन यां अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उपल अधिनियम, या धन-कर भूभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा केसिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की भाग 269-च की उपधारा (1)

🖻 प्रधीन : निम्नलिसित व्यक्तियों , अर्थात :---

7-386GI|84

(1) मसर्स निलो इलैक्टीकल इंडस्टिज ।

(प्रन्तरक)

(2) में ससं अनील बाम।

(अस्मरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यभाहिमा करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोर्ड भी बाक्षेप :----

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अर्थि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंकत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इ.स. संपना के राजपत में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उचत स्थावर संपरित में हित्यदध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पद्धाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

युनिट नं० 20-ए, जो,ासी-ब्लाक, ग्राउंड फ्लौर, बाटकोपर इंडस्ट्रियस इस्टेट, बम्बई-86 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/6745/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा विनांक 1-3-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी. महायक आयकर आयुक्त (निर्काका), अर्जन रेंज-3, सम्बद्ध

विनाक: 13-11-1984

प्ररूप आई. ही. एन. एस. -----

भायकर अभिनियमं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आगुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984 निर्देण सं० अई-3/37-ईई/6510/83-84:--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं क फ्लैट नं का, प्रांचंड फ्लोअर, विंग-ए, बिल्डिंग नं का. "दामोदर पार्क", एल की क एस क मार्ग घाटकोपर (पि का), बम्बई—86 में स्थित है। श्रीर इससे उपाबद अनुसूर्वा में भीर पूर्ण रूप से विंगत है/श्रीर जिसका करारनामा आयकर विविचम, 1961 की घारा 269 के, ख के अर्धान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्रा है, तारीख 1—3—1984 को प्रांचेत सम्पत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकल के जिए अस्तिरत की गर्ड हैं और मुक्ते यह विश्वाम प्रतिकल के जिए अस्तिरत की गर्ड हैं और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मृज्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्तह प्रतिकत से जियक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के जीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तिकक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुइं किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अस्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

नतः जवं, उक्त अभिनियमं की भारा 269-गं के जनुसारण में, में उक्त अभिनियम की भारा 269-वं की उपधारा (1) के जबीच, निम्नितिखत व्यक्तियों, बर्धातः :-- (1) मेसर्स पारल इंटरप्राईज।

(अन्तरक)

(2) श्री उदय नागेश असनोडकर ।

(अन्तरिती)

की सह स्वता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हो 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्तीकरण: --- इसमें प्रयुक्त सब्यों और पर्यों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया है।

#### मन्स्यो

फ्लेट नं 1, जो, ग्राउंड फ्लोअर, बिल्डिंग, मं 3, ए-विंग, "वामोदर पार्क", एल बो एस मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम), सम्बद्द-86 में स्थित है।

अनुसूची जसा कि ऋ० मं० अई-3/37-ईई/5610/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई ब्रारा दिनांक 1-3-1984 को रजिस्टंड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारोः सहायक आयकर आयुक्त (निरंक्षण,) अर्जन रेंज-3, बम्बई

विनोक: 13-11-1984.

प्रकप बाहाँ . टी . एन . एस . -----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सुजना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/6389/83-84:--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'ज़क्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसके, सं० पलैट नं० 28, जो, हैमल अपार्ट मेंट्स, प्लाट नं० 19, 41, एस० नं० 85/591/1, मौजे मालवणा, तालुका बोरिवला, मालाड, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचा में भीर पूर्ण रूप से विणत है। और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्रों है, ताराख 1-3-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मुम्हे यह विष्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके खरमान प्रतिफल से, एसे खरमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पागा गया प्रतिफल निम्नलिखत उच्चेष्य से उक्त अन्तरण कि जिस माना प्रतिफल निम्नलिखत उच्चेष्य से उक्त अन्तरण कि जिस माना प्रतिफल निम्नलिखत उच्चेष्य से उक्त अन्तरण कि जिस में बास्विक क्या से कारण के लिए तम पागा गया प्रतिफल निम्नलिखत उच्चेष्य से उक्त अन्तरण कि जिस में बास्विक क्या से कारण की किए।

- (व) बन्तरण स हुइं किसी बाब की बाबत, उक्त बीधिनयम के बधीन कर देने के अन्तरक बै दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; ऑर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-नाथ अन्तिवती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) अं अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अधित् ं— (1) मैसर्स हेमल इंटरप्रायजेस।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ज्यूलो फर्नान्डीस ।

(अन्तरिती)

का ग्रह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति विवक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति विवक्ति व्यक्ति विवक्ति विवक
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्तीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# बन्स्ची

फ्लेट नं ० 28, जो, हमल अपार्टमेंट्स, प्लाट नं ० 19, 41, एस० नं ० 85/5, 91/1, मौजे मालवणी, बोरियली तालूका, मालाड, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-3/37-ईई/6389/83-84 धीर जो सक्षम प्राधिकारोध्यम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ंए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारो, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज−3, बम्बा€

दिनांक : 13-11-1984.

मोहर ः

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत्रसरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 13 नवम्बर 1984

निर्वेश सं० अई-3/37-ईई/6184/83-84:--अतः मुझे ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 9, जो, ग्राउंड फ्लोअर, श्रीराम भवन, मालवर्णा, म्युनिसिपल कालनी के सामने, मार्वे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है। श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यान्य में रजिस्ट्रा है, तारीख 1-3-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्परित का उजित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नलिकित उद्वेष्य से उन्त अंतरण निश्वित में बास्तिनक स्पून करितन करा किया गया हो....

- (क) बम्बरण वें हुई किसी बाब की बाबस उक्स विधिनयम के संबीद कर देने के मन्तरक वें वासित्व में कमी करने या उमसे बचने में सुविधा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्ध जास्तिकों सा निर्मा निर्मा निर्मा श्रीत निर्मा किसी था निर्मा किसी था निर्मा (1922 की 11) या जबत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिविकृत व्यक्तियों, अर्धात् :--- (1) श्रो राम बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड ।

(अस्तरक)

(2) श्रो विरेम्द्र दाउजी मेहेरीका ।

(अन्तरिता)

को यह स्थाना जारी करके पर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 💝

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिल्बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

#### मगरा जी

हुकाम नं ० 9. जो. ग्राउंड प्लोअर, श्रोराम भवत, गात्रवर्णा, म्युनिसिपल कालनी के सामने, मार्वे रोड़, मालाड (प). वम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/6184/-83 84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा विनांक 1-3-1984 को रिजस्टकं किया गया है।

> ए० प्रसाद, संक्षम प्राधिकारोः, सहायक आयकर आयुक्त (निरंक्षण), अर्जन रेंज-3, बम्बई

विनांक: 13-11-1984.

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कर्री भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-- 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निर्देण म० अई-3/37-ईई/6187/83-84:---अत: मुझे, ए० प्रसाद.

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 - रहा से अधिक है

ग्रीर जिसका सं दुकान नं 6 6, जो, ग्राउंड फ्लोअर, श्रांराम भवन, मालवणा, स्युनिसिपल कालना के सामने, मार्वे रोड़, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है। ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269 का, ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजररों है, ताराख 1-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिश्वा से वृधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिशियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्पिसिस उद्वयेय से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) बंदरण संबुद्ध किसी बाय की बाबत, उक्स धीधनियम के बंधीन कर दोने के बंदरक के बायित्व में कामी कारने मा उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क्.) एसी किसी शाय या किसी भून या जन्य शास्तियों की, चिन्हें भारतीय आयकर वृधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त किथिनियम, या भन-कर क्षिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वै शिए;

अतः, अव, अक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मा, ग्री अक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधी ्र निम्निसिस्त व्यक्तियों, वर्षात्:—

- (1) श्री राम बिल्डर्स प्रायवेद-लिमिटेड ।
- (अन्तरक)
- (2) श्रां विरेन्द्र देवजी मेहरोसा ।

(अन्तरिसंत)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में की हैं भी काक्षप ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इंतारा अधोहस्ताशरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमा प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जा उन्ह अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया है।

# अनुसूची

दुकान नं० 6, जो ग्राउंड फ्लोअर, श्रीराम भवन मालवणी म्युनिसिफ्ल कालनी के सामने, मार्वे रोड़, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जसा कि कि० सं० अई-3/37-हैई/6187/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारों धम्बई द्वारा विनोक 1-3-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुत (निराक्षण), अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 13-11-1984.

मोहरः

प्रकप आई.टी.एन.एस. -----

भायकर जभितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवस्वर 1984

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/6292/83-84:--अत: मुझे, ए॰ प्रसाद,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्टास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० दुकान नं० 3, जो, ग्राउंड फ्लोअर, सी०, टी० एस०नं० 397/397/1 से 6 व्हिलेज बालनाय, जे० बा० कालोनी, भ्रोलेंम, मालाड (प), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इसके उपाबस अनुसूचें में और पूर्ण रूप से वर्णित है ग्रीर जिपका कराएनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क. ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री है,तारीख 1-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के श्रवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाम्बोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिळधा के लिए।

आतः अवः, उच्त मधिनियमं की धारा 269-ए के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिविद्द व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स लुबिन इंटरप्रायजेस।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मार्गारेट पिटो।

(अन्तरितो)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश को 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्थित में किए जा सकरें।

स्पच्छीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# जग्मू औ

दुकान नं 3, जो ग्राउंड फ्लोअर, पार्ट आफ सी० टी० एस० नं 397, 397/1 से 6, व्हिलें ज वालनाय, जे बी० कालनी, ग्रोलेंग, मालाङ (प), सम्बर्ध-64 में स्थिस है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/6292/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा विनांक 1-3-1984 को रजिस्टडं किया गया है।

> ए० प्रसाद. सक्षम प्राधिकारो, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3. बम्बर्ध

विनांक : 13-11-1984.

प्ररूप . बार्ड टी . एन . एस .

बायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) का वारा 269-म (1) के अधीन सुमना

### भारत सरकार

कार्याचय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नम्बवर, 1984

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/6185/83-84:--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

- (क) बन्तरण संहुर्द किसी बाब की बाबत; उनके अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दासित्व के कभी कारने या शससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (क) एसी किसी जास या किसी धन वा बन्ध आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय अय-कर अधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधितियम, या धन-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में द्विश से विद्या

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)-के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री राम बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड।

(अन्तरंक)

(2) श्री वि० डी० मेहेरीता।

(अन्तरिती)

न्ती यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्तिः के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवाहा,
- (क) इस मूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य स्थावत द्वारा, वशोहस्ताकरी के पास जिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनसची

दुकान नं ० 10, जो ग्राउंड, फ्लोअर, श्रीराम भवन, मालवणी, म्युनसिपल कालनी के सामने, मार्वे रोड़, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि से अई-3/37-ईई 6185/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1984 को रिज़स्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, समम प्राधिकारो, सहायक आयकर मायुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 13-11-1984.

ए० प्रसाद,

प्ररूप आर्थै.टी.एन.एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहाधक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बर्स, दिनांक 13 नवम्बर 1984 निर्वेश सं० अर्ध-3/37-र्ध्द/6849/83-84:—अतः मृसे,

कायकर जोधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विज्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. में विधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट मालाड मां भगवती की-आप० हाउसिंग सोसाईट में, जो, 4/3, भगवती अपार्टमट्स, चिचोली, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है। (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका क्रारनामा आपणर अधिनियम 1961 की घारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्टी है, ताराख 1-3-1984

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई िकसी आय की अवत उकत विभिनियम के अभीन कर को के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तस्ते अवने में सुविभा के लिए; जौर/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन भा अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या वा विया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः वस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) है अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अधीत :—

(1) श्री सी० मुथूप इंटा

(अन्तरक)

(2) श्री ए० ए० निलकंठन् ।

(अन्तरितः)

को यह स्वना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यजीहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ;---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अत्रिध बाद में समान्त होती हों, के भीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पव्यक्तिरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा औं उस अध्याय में विकास नया है।

# अनुस्ची

फ्लेट मालाड मां भगवता का-आपरेटिव्ह हाउसिंग सोसाईटा लिमिटेड में, जो, 4/3, भगवता अपार्टमेंट, विचोली, मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जसा कि क॰ सं॰ अई-3/37-ईई/6849/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारः, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-84 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० अनार, सक्षम प्राविकार: सहायक जायकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज-3, सम्बद्ध

दिनांक: 13-11-1984.

प्ररूप आर्डः <u>टी. एन. एस.</u> १२०० वर्गा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सुचना

#### भारत नरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, 3 वस्त्रई

बम्बर्ह, विभाव 13 नवम्बर 1984 निदेश सं० आई-3/37ईई/6341/83-84--अतः मुझे ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संव दुकान नंव 3, जो, प्राइंड फ्लोग्नर, मनाली बिल्डिंग नंव 1, प्लाट नंबर्स 48, 49 और 50, बिह्लेज गांव मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूणं रुप से वर्णित हैं और जिसका परारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, दिनांक 1 मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशास अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाम गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की आवत, अकत जीभीनयम के अभीन कर दोने के जन्तरक जो दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भूजिशा को निए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ही भाएतिय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

णतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसित व्यक्तियों, अधीत ः— 8—386GI84 (1) मैसर्स मनाली कापॉरिशन ।

(अन्तरक)

(2) नरेंदर सिंह बनगी

(अन्सरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त संपत्ति के कर्जन के निध कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपित्त में हितबक्भ किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में लिया गया हैं।

# **मन्**स्ची

दुकान नं 3 जो, ग्राउंड फ्लोर, मनाली बिस्डिंग नं 1, प्लाट नं 48-49 और 50, वालनाय गांव, मालाड (४) बम्बई-74 में स्थित हैं।

धनुसूची जैसाकी ऋ० सं० आई-3/37ईई/6341/ 83-84और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1984 को रजिस्टर किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंक, 3 बम्बई

दिनांक :- 13-11-1984

(अन्तरक)

(अन्मरिती

# प्रकृष नार्च. हर्जे. एन. एव.-----

1) मैसर्स ननाली कापरिवान ।

बायकरु अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, उबम्बई वम्बई, दिमांक 13 नवम्बर 1984

आई-3/37ईई/6861/83-84--अतः निदेश मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह<sup>6</sup> कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० दुकाम नं० 7, ग्राउंड फ्लोर बिल्डिंग नं० 1, प्लाट नंबर्स 38,49 और 50, बालनाय गांव मालाड (४), बम्बई 64 में स्थित है और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनाम आयक्तर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अवीन बम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1 भाज 1984

को पूर्वेक्ति सम्पर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के बश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्र्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिवात अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिसी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण मिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के काबित्व में कभी करने या उससे बचने में हिमिधा के सिष्: नीर/या
- (**ख**) ए<sup>3</sup>सी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अध्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियभ या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधाके लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण , मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन , निम्नलिश्वित व्यक्तियाँ, वर्धात् ध---

को यह सुचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए

(2) सिद्धार्थमहेगोका ।

कार्यवाहियां करता हु।

उन्स सम्पत्ति के अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी दा से 45 दिस की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त **क्यक्तियों** में से किसी क्यक्ति खुवारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्शि में हित--बब्ध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ध होगा, जो उस बच्याय कें विया गया 🗗 ।

# धनुसूची

दुसान नं० 7, जो ग्राउंड फ्लोर, बिल्डिंग नं० 1, प्लाट नम्बर 48-49 और 50वालनाय गांव, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० आई-3/37ईई/6861/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1 भाचं 1984 को रजिस्टडं किया गया है।

> ए प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुषत (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3 बम्बई

दिन**ंक** :- 13-11-1984 मोहर:-

प्रक्य जार्गः जीत्यम् वर्षात्म स्वत्न स्वत्यकार्यः स्वत्यकारः स्वत्यकारः स्वत्यकार्यः स्वत्यकारकार्यः स्वत्यकारः स्वत्यकार्यः स्वत्यकारः स्वत्यकार्यः स्वत्यकारः स्वत्यकारकार्यः स्वत्यकारः स्वत्यकारः

मारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवगबर 1984

िषवेश सं० आई--3/37ईई/6405/84--84--अतः मुझे, ए० प्रजसाव

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें इसमें परचात् 'उसत अभिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य 25,000/- रा से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 16, जा दूसरी मंझील, सी० टी० एस० नं० 569, 569/1 और 2, एस वी रोड़ वृज्ञावन मालाड (प), बम्बई में स्थित हैं (और इसस उपाबद्ध अनुसूची में और पूण रुप से बीजित हैं)और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कर्य के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राि आरी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 1 मार्च 1984

को पूर्वों कर सम्पत्ति के अचित बाबार मूल्य से कम के व्यवसान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्कों कर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके देवयमान प्रतिफल से, एसे देवयमान प्रतिफल का पन्त्रहं प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देवयों से उक्त अन्तरण के बास्तिक के बास्तिक के स्था के किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुइं किसीं अंत्र की बाबत, उपत वृधिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दाबित्य में कसी करने या उससे वचने में अविशा के निए; बार्-पा
- (क), एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिया की लिए?

जत । जब , उक्त जिंधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्त मिभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1), को नभीन , निम्मतिकित व्यक्तियों, मर्भात् ह—

(1) मैसर्स पारेख बास ।

(अस्तरक)

(2) श्रीमती चंद्रिका एच० भाखाडा

(अन्तरिती)

को यह सृषना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित को अर्जन के प्रिंसए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कुद्दि भी आक्षेप ा--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ण) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीण शे. 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त कन्यों और प्रयों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिशाबित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया नवा हैं।

अनुसूर्चा

पलैट नं० 16, जो दूसरी मंजिल सी० टी० एस० नं० 569,579/1 और 2, एस वी० रोड़ वृदावन, मालाड (प) बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकी कर संव आई-3/37 ईई/6405/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मार्च 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रजसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुत (निरीक्षण) अर्जन रेज-2 बम्बई

दिनांक :→ 13-11-1984 मोहाइ ॥ प्ररूप वार्ड, टी. एन. एसे न ------

जायकर अप्रिनियम, 1961 (1961 का 43) करीं 269-च (1) के म्पीन स्प्ना

# भारत ब्रह्माड

# कार्यालय, सहायक नायक इ नायुक्त ((निड्रीशण))

अर्जन रेंज, अवम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निवेश सं० आई-3/37ईई/6199/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

अगयकर अधिनियंम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,090/- रहः से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 19 (पार्ट), जो, एन-30 ह्वा हिरा पार्क, कुरार गांव मालाष्ट (पूर्व) बम्बई-97 में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप में विषित्त हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-माचं 1984

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वितत संपत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तर्ण लिखित में नास्त्रिक रूप से करिष्तु नहीं किया गया है धन्न

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-निवस के बधीन कर दने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उन्हों क्चने में सुन्धा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भून या जन्म आस्तिन्य का, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती ब्लाएा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, कियाने में सुनिधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में,, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) सधीन निम्नसिन्धित स्थितस्थी, श्वात् श्र- (1)श्रीभती जयलक्ष्मी कांतीलाल शुकला

(अन्तरमा)

(2) मैससं सेलेको इंटरप्रायजेस ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के
  पास सिधित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण ह—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हरू विश्वित्यम के अध्याय 20-क में परिभाविष्ट हैं, वहीं वर्ष श्लेषा जो उस अध्याय में दिया न्या हैं है

#### naud)

प्लाट नं 18 (पार्ट) एन-30 हवा हिरा पाकं, कुरार गांव मालाड (पूर्व) वस्बई-87 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ०सं० अई-3/37-ईई/6199/83- 84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 मार्च 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जैनरेंज, 3 बम्बई ।

दिनांकः :- 13-11-1984

प्ररूप आहें. टी. एम. एस : =========

# बास्कड वर्षिभीन्दन : 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वनः

भारत चर्चाप

कार्यालय, सहायक सायकर सायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं० आई--3/37--ईई/6167/83--84---अत मुझे, ए० प्रसाद

कार्यकर किभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रु. से अभिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 3 जो पहली मंझील दिए सदन को आपरेटिय हाउसिंग सोसायटी प्लाट नं० 19/20 एस० बी० रोड़ मालाड (प) बम्बई -54 में स्थित है (और इसमे उपाबद अनुसूनी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के स्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है दिनांव 1 मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरिकों) आर् अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के मिए तय पाया गया प्रतिकृत का निम्मिनिवित् उद्वारेष है अच्छ अच्चरण विश्वेक के बास्त्रीं कर से काश्यत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुइं किसी भाग की वावतः, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सुविधा के लिए: और/या
- (श) एनी किसी आय या किसी भन वा बन्य आस्तियों को फिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त, अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धूवारा पृकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

नतः नन, उक्त मधिनियम् की भारा 269-ग के जनुसरण में, में. उक्त मधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के नभीन, निम्नजिकित व्यक्तियों, सभीत् ह—  श्रीमती मायावंती बाता और प्रितम सिंह ।

(अन्त'रकः)

(2) श्री विनोद सी कामरा।

(अन्तरिती)

को सृद्ध बृह्मना बारी करके पूर्वोक्छ बृह्मींत्त के वर्षन के बिह्य कार्यनाहियां करता हूं।

उन्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई" भी बाक्सेष्2--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकेत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सूनार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकना।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त धन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनुसूची

फ्लेंट नं० 3 जो पहली मंझील दिप सदन को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड प्लाट नं० 9/20 एस० बी० रोड़ मालाड (पिचम) बम्बई-54 में स्थित है। अनुसूची जैसाकी ऋ० मं० आई-3/37-ईई/6167/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 मार्च 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए प्रसाद मक्षम अधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, बम्बई

पिनांक :-- 13-11-1984 मोहर :- प्रस्प भार्यं, टी. एन . एसा. २५४-४२५---

भायकर अधिनियम : 1961 (1961 का 43) की भारा 269-श (1) के अधीन स्खना

### भारत् तदुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1994

निदेश सं० आई--3/37-ईई/6305/83--84--अत मुझे ए० प्रसाद

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है), की धाडा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संव दुकान नंव 14 जो, ग्राउंड फ्लोर ण्लाट नंव 1 बेअरींग एसव नंव 84 एचव नंव 1 5 एस नंव 85 एम नंव 1 से 4 भीर 6 गांव मालवणी मालाड (प) बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है) और जिन्नका करारनामा आयकर अधि-नियम 1961 की धारा 269 काख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायलिय में रिजस्ट्री है दिनांक 1 मार्च 1984

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के हृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गृह है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य न उसके श्रयमान प्रतिफल से एसे श्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से मिक है औड जन्तरक (जन्तरकों) औड जन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तो पाया यथा मृतिफन, निम्मृतिबित उद्विष्य से उक्त बन्तरण लिखित के जारविक रूप से क्रिया की पारतिक रूप से क्रिया गया है है जन्तरण लिखित

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-निवस से व्योग कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने वा चवते बुझने में बुद्धिया के तिए। बौड/वा
- (ख), एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कुछ अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के म्बोजनार्थ बन्दिरी इवास मुक्ट नहीं किया ग्या था वा किया जाना डाहिए था छिपाने में सुविधा के जिए?

अतः जबा, उपत अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसर्ण भी, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीलिखित अधिकारीं। अर्थात् ४--- (1) मेसर्स ओस्वाल विल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री वर्मा विनेशकुमार कन्हैयालाल

(अन्तरिती)

को यह स्वना आर् करके पूर्वोक्त सम्पर्दित के अर्थन के रिनए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत् सुम्पृतित् के शूर्णन् के सुम्बन्ध् में क्रोड् भी आक्षेप् हः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्स्म्बन्धी म्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, जो भीतुर पूर्वाक्य स्थानता में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपद्धित मों हिन्द वस्था कि किसा अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य मों किए जा सकति।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

# नन्त्र्या

दुकान नं 0 14, जो, प्राउड फ्लोर, प्लाट नं 0 1, एस०नं 0 84, एम० नं 1 से 5, एस० नं 0 85, एच० नं 0 1 से 4 और 6, गांव व्हिलेज मालावणी मालाड (पिष्चम) बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसाकी ऋ०सं० आई-3/37-ईई/6305/83 84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मार्च 1984 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आग्रकर आगुक्त (निरीक्षण) अजीन रेज-3, बम्बई

विनांक :- 13-11-1984 मोहर :-

# प्ररूप बार्ड .टी.एन.एस. ------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, ब्र∓बर्ष

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं० आई-3/3*7-*ईई/6204/83-84--अत मुझे,

ए० प्रसाद

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुट. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 309 की जो, तीमरी मंजिल अजित पार्क, सोमवार बाजार रोड़ मालाड (पिष्चम), वस्वई-64 में स्थित है (और इसस उपावढ अनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणित हैं) और जिसका करारनामा आधकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क.ख के अधीन वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1 मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रति- फल निम्नलिखित उद्वेदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अस्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) वेशमुख बिहर्स प्रायवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रीकात जे० घाटगे और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सृष्ना जारी करके पूर्वक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध तिसित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, मही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### जनवर्षी

पलैट नं० 308 बी, जो, तीसरी मंझील अजित पार्क, सोमबार बजार रोड़, मालाड (पिचन), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ०, सं० आई-3/37-ईई/6204 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मार्च 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० त्रसाय स**क्षम प्राधिकाज्**री सहायक आयकर आयुक्त (नि**रोक्षण**) अर्जन **रेंज-3, अस्बई**

शत: सब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के जधीन, निम्मणिकित व्यक्तियों अधीत् ह—

दिनक: - 13-11-1984

मोहर:--

अरूप् बाइ⁴.टी.एन.एस.------

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यांसय, सहायक वायकर वायकर (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

वम्बई, विनांक 13 नवम्बर 1984

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/6407/83-84--अत: मुझे ए० प्रसाद

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अभिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 10, जो ग्राउंड पलीर, अजित पार्क-बी, सीमवार बजार रोड़ मालाड (प्) बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूण रुप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 बाख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1 मार्च 1984 को

को पूर्विक्त सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का अनरण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिकल से, ऐसे क्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिकल निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्यविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (भा) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्ः— (1) देशमुख बिरुडर्स शायवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्री नलावक्षे दिपक नारायण

(अन्तरिती)

# कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पष्टिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगत्नी

पलैट नं० 10 जो, ग्राउंड फ्लोर, अजित पार्क-बी, सोमवार बजार रोड़, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूत्री जैसाकी ऋ०सं० आई-3/37-ईई/6407/83/84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मार्च 1984 को रजिस्टाई किया गया है।

> ए० प्रसाद. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

विनांक :- 13-11-1984

प्रकृष जाहं. टी. एत. एव. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कायां लय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बंम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० अई-3/37ईई/6210/83-84--अत: मुझे ए०, प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत्त, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/ रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 'ई/403, जो, 4थीं मंजिल, ई० विंग, विंना नगर, चिंचोली, मालाड (प०), ब्रम्बई में स्थित है। और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), और जिसला लरारनामा आपरूर अधिनियम, 1961 की धारा 269 ं, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1984

को प्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बारर्ज ह सुद्ध विक्री आध को आसत, सक्छ हरिएयम जै अभी। कर्य जीत जे जानुरक के उपित्य में कमी करने या उससे दखने में सुविधा देशिया और / गा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धून या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ज्ञिमियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भगजनार्थ जन्मिरी दवारा प्रकट नहीं किया अध्या के क्षा के किया के किया के किया के जिल्हा के
- मं, उपत अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सर्थ मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन जिम्मिनियिन व्यक्तिश्वि, अर्थात् -----9—3860184

1. श्रीमती मिनाक्षी श्रीकृष्ण पिपले।

(अन्तरक)

2. श्री क्षूर फॉमली ट्रस्ट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की गरीब से
  45 दिन की बनिश्वा तत्सम्बन्धी ब्यानतया पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की बनिष, वो भी
  अनुधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए या सकेंगे।

स्पष्टनेकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उन्तर बिपनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा वो उस अध्याय में दिखा ववा हैं।

## अनुसूची

फ्लैंट नं० \$/403, जो, 4थीं मंजिल,\$-विंग, बिना नगर, चिंचोली मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है

अनुसूची जैसा ि क गं० अई-3/37/ईई/6210/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-84 को रजिस्टई जिया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 13-11-1984

त्ररूप बाही, टी. एव. एत. ------

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जनज रेंज-3, बम्बर्ध
धम्बर्ध, दिनांक 13 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० अई-2/37ईई/6365/83-84 -- अत मुझे ए०, प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ( जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 /- रह. से अधिक है

और जिसकी संव दुकान नंव 12, जो, ग्रांजण्ड फ्लोअर, फ्लाट नंव 1, सर्वेव नंव 84, एनव नंव 1 से 5 एसव नंव 85, एचव नंव 1 से 4 और 6, विलेज मालवणी, मालाड (पव), में स्थित है। और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सम्बद्ध स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्ति, रत की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकृत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योध्यों से उस्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं

- (क) अन्तरण संहुई किसी जाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या अपकर अधिनियम या अपकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ बन्तरिती व्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

जतः, अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, बी, स्वक्त विधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (१) को अधीर निम्मलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :--- मेसर्ग औसबाल बिल्डर्स ।

(अन्तर्भः)

2. श्रीमती सोनी ओ० भवरलालजी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करकारा ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 4/5 दिन की नवीं या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि स्वित्यों में से किसी स्वन्ति इवारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकरें।

स्पर्काकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम को सध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय को विका गया है।

#### जगस्य

दुकान नं 12, जो श्राउण्ड फलोअर, प्लाट नं 1, सर्बें मं 84, एच ० नं 1 में 4 और 6 आफ विलेज मालबीणा मालाड (पश्चिम), बम्बर्ड में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-3/37/ईई/6365/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, बस्बर्ष

विनांक 13-11-1984 मोहर प्ररूप बाह् , दील एन व एस ल बननवरणवनक

बायकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-- म (1) के अभीन स्पना

#### भारत संडकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निर्काश)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बस्क्ष्ट

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० अई-3/37ईई/6295/83-84 ---अत मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० दुकान नं० 5. जो ग्राउण्ड फ्लोअर, प्लाट नं० 1, सर्वे० नं० 84, एच० नं० 1 से 5, एस० नं० 85, विलेज मालवणी, मालाड (प०), बम्बई में स्थित है। और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 269, क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1984

को पूर्विक्स संपरित के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्ति तिर की गई है जौर मुझे वह विद्यास करने का कारण है कि सथापूर्विक्स सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का ग्लूड प्रतिशत से अधिक ही और जन्तरक (जन्तरका) और अन्तरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्बेदिय से उक्त अन्तरण कि बिद में बास्तिबक्त क्य से काबत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्दरूप चे हुन किसी बाव की बावस क्यार बहिय-दिवस के बनीन कर बोर्च के बन्दरक के समित्य के कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बहिर/बा
- (क) एंसी किसी नाय वा किसी धन वा कन्य नास्तियों को, विक्षे भारतीय नायकर विभिन्तियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मुधिनियम वा चन कड विभिन्तियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोच-नार्थ नृत्यद्विती ब्वास प्रकट नहीं किया नवा था वा किया जाना जाहिए था क्रियाने में स्विधा के विका

सतः शव, उन्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के बनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधाराः(1), है अधीन, निस्नितिश्वत अधिनवर्षी, अर्थाद् डिस्स 1. मेसर्स ओसवाल बिल्डर्स।

(अन्सरक)

2. श्रीमती **वर्ड** अलका सुरेश।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप हुन्न

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित मों हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गमा हैं।

### अन्तृची

बुकान नं० 6, जो, ग्राउण्ड फ्लोअर, क्लाट नं० 1,सर्बे० नं. 84. एच० नं० 1 से 4 एच० नं० 1 से 4 और 6 आफ विलेज मालवणी, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ सं० अई-3/37-ईई/6295/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी<u>।</u> सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्षण)** अर्जन रेंज*–3, बम्ब*ई

दिनांक: 13-11-1984

अख्य बाह . टी. एन. एस.-----

बायकर विधिनियम्, 196। (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के वधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 वम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निर्देश सं० अई-3/37ईई/6302/83-84 ---अत मुझे, ए० प्रसाद

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारुण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रूठ. से अधिक है

और जिसकी सं 101 ए० लाचपेल जो एवरशाईन नगर मालाड (पश्चिम) बम्बई 74 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूचों में और ुणं रूप सेविणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 के धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 1-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-श्रियम को अभीन कर दन के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उन्हें बचने में सुविधा के लिए; शीए/बा
- (क) एसी किसी आय या किसा धन या अन्य आस्तया की, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुनिधा किया

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, विकासितिहत व्यक्तिकों, अर्थात् हें 1. श्रीमती किताब्निसा एस० शेख।

The second secon

(अन्तरक)

2. डा० (श्रीमती) प्रज्ञा राम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

# उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (फ) रूप पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- यद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धांकरणः — इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमं, के अध्यायं 20 के में परिभाषित इ, वहीं अर्थहोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमृस्ची

101 ए० लाचदेल जो एवरणाईन नगर मानाड (पश्चिम), वम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-3/37-ईई-6302/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्णई द्वारा दिनांक 1-3-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसादः सक्षम प्राधिका**री** सहायक्ष आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 **बम्बई**

दिनांक :13-11-1984 मोहर: प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 वम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर, 1984

सं० म्रई-3/37ईई/6333/73-84:—-म्रतः मूझे ए०, प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिकं पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है के स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- हपये से अधिक ह

स्रीर जिसको सं पलैट नं ए० 404, जो, 4 थीं मजिल, शितल छाया बिल्डिंग, सो टो एस० नं एस० नं एस० नं 652, 77, एस० वो० रोड, मालाड (प०), वम्वई—64 में स्थित है। (और इससे उपावद्ध अनुसूचो में और पूर्ण रूप से बिणत है), और जिसका करारनामा स्रायकर स्रिधिनयम, 1961 को धारा 269 क, ख के स्रेधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय में रिजस्ट्रा है, तारोख 1—3—1984 को पूर्वाक्त सम्पात्त के जीवत बाजार मल्य से कम के हश्यमान गितफल के लिए अन्तरित को गई है और मक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवींकत सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह गितशत से आवक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितया) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित शस्तिक रूप से कीथत नहीं किया गया है .——

- (क) जन्तरण स हुई किसी आम को बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; आर/धा
- (ख) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तिमाँ, अधीत क्रिक्त 1. श्रीमती जमुना एलसे सोनी।

(ग्रन्तरक)

2. श्री ग्रजय ग्रम्तलाल ठक्कर।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# जनसची

पलैट नं० ए० 404, जो, 4 थीं मंजिल, शितल छाया बिल्डिंग, सी०टी० एस० नं० 652, 77, एस० वी० रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-3/37ईई/6333/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारों, वम्बई द्वारा दिनांक 1-3-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारो, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण), ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 13-11-1984

प्रकप आई.टी.एन.एस-----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजीन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर, 1984

ि निर्देश सं० म्रई-3/37ईई/6181/83-84:--म्रतः मुझे, ए०, प्रसाद,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुः. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० माला ग्राउण्ड श्रौर 1 ली मजिल पंर, जो, मालाड इण्डस्ट्रियल यूनिटस को-श्रापरेटिव सोसाईटी लिमिटेड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है। (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रीधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के स्वयमान प्रतिफल के सिए जन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आध की भागत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्सिनों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अबीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधित्:-- 1. श्री राजन, सतिषचन्द्र जवेरी।

(भन्तरक)

2 श्री अनिल कुमार डे।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राज्ञपत्र में प्रकाशन की सारी है से 45 दिन की अविध या सस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की सामील से 30 दिन की अविध आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृति में दित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमं प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

# अनुसूची

माला ग्राउण्ड ग्रीर 1 ली मंजिल पर, जो मालाड इण्डस्ट्रियल यूनिटस को ग्रापरेटिन सोसाईटी लिमिटेड, मालाड (पश्चिम), बभ्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ स० श्रई-3/37ईई/6181/83-84 में जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-3, बरबई

दिनांक: 13-11-1984

माहर:

प्ररूप नाई. टी. एन. एस. - - -

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन समना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निर्दाक्षण)

मर्जन रेंज-3. मम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर, 1984

निर्देश स॰ ग्रई--3/37ईई/6785/83-84:--ग्रतः मझे. ए. प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ह्मीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 305-ए० जो 3 री मंजिल, राजेन्त्र बिहार प्रपार्टमेंट प्लाट नं० 28 सर्वे० नं० 26, विलेज बालनाय, मालाड भावें रोड मालाड (प०), वम्बई 64 में स्थित है। ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीध-नियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-3-84 को पूर्वोंकत संपत्ति के उपात बाजार मूल्य से कम के ध्रममान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विक्थास करमें का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्मत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके ध्रममान प्रतिकल से एसे ध्रममान प्रतिकल के पन्तर में वस्पान प्रतिकल से एसे प्रयमान प्रतिकल के पन्तर में वस्पान प्रतिकल से एसे प्रयमान प्रतिकल के पन्तर प्रतिकल के पन्तर में वस्पान प्रतिकल से एसे प्रयमान प्रतिकल के पन्तर प्रतिकल के पन्तर में वस्पान प्रतिकल से प्रतिकल से वस्पान प्रतिकल के पन्तर में वस्ति के विषक्त से वस्पान के लिए तय पाना गया प्रतिकल, निम्निवित उप्योग से उपत अन्तरण कि लिए से वस्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिकल, निम्निवित उपविद्य से उपत अन्तरण जिल्ला में वास्तिवक रूप से काथित नहीं किया गया है:---

- िक) बन्तरण से हुई किसी काय की वाँबल, उभल अधिनियम के वधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के सिए; और/बा
- (ण) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय अग्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

् जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को की अधीन, निम्निलिखिल व्यक्तियों, अधीस्:-- 1. मसम महसा जिल्डर्स ।

(अन्तरक)

2. श्री श्रम्बोट मायकेल जासीश्रा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध; जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा:
- (क) इस मूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --- क्रममा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

#### ana al

प्लैट नं० 305 ए०, 3री मंजिल, राजेन्द्र बिहार प्रपार्ट मेंट, प्लाट नं० 28, सर्थे नं० 26, विलेज बालनाय, मालाड मार्चे० रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित र।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37ईई/6785/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण), स्रर्जन रेंज~3, बम्बई

दिसांक: 13-11-198<del>र</del>

मोह्रर:

प्ररूप बाह् ती गन एस .----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० ग्रई-3/37ईई/6786/83-83:--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25 000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 303 बी, जो, 3री मजिल,, राजेन्द्र बिहार ग्रपार्टमेंट, पक्टट नं० 28, सर्बें नं० 26, विलेज बालानाय, मालाड नार्वे रोड, मालाड (पश्चिम) बम्बई—64 में स्थित है। (ग्रौर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 को धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1—3—1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त आध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्शरा प्रकट नहां किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने कें स्विधा के लिए;

नतः अब, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग कं अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, न्मिनलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैसर्भ मेहता बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती जें एन० श्रत्मेड़ा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों •और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में बिदया गया है।

# ग्रनुमूची

पलैट नं 303 सी० जो, 3री मंजिल, राजेन्द्र बिहार ग्रपार्टमेंट, प्लाट नं 28, सर्वे नं 26, विलेज बालनाय, मालाड नार्वे रोड, मालाड (पिंचिस), वस्वई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ में० श्रई-3/37ईई/6786/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, नक्षम पाविकारा, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निराक्षण), ग्रर्जन रोज-3, वस्बई

दिनांक: 13-11-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत संस्कार्

## कार्यालय, सङ्घायक धायकर प्रायुक्त (निरीक्तण)

म्रर्जन रेंज -3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नघम्बर, 1984

निर्देश सं० झई-3/37ईई/6367/83-84:--- अत मुझे, ए०, प्रसाद,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के के अभीन सक्षम प्रतिषंकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 609, जी, मालाड शार्षिम सेंटर, एस० व्हि० रोड, मालाड (पं०), बम्बई-64 में स्थित है। श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है (श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 279 क, ख के श्रधीन बम्बई, स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के सिए तब पाया गया प्रतिक का निम्नतिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित्त के बाल्य-विक कप से कियत नहीं किया नवा है हिन्स

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-क्रियं से वधील कर दोने से अक्तरक से दादित्व के क्षती करूने वा अवसे वचने में बृष्धा के किए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, का धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

बतः जन, उक्त निधिनियम की भाष 269-ग के जन्दरक में, में., उक्त निधिनियम की भाष 269-थ की उपधास (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 10—386GI84

- 1. श्री बी० ग्रार० वर्मा।
- (ग्रन्तरक)
- 2. श्री एस० एन० साहा।

(भ्रन्तरिती)

का बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पंत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां सूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- क्या क्या किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

क्ष्मक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुभूषी

पलैट नं ० 609, जो मालाड गापिंग सेंटर, एस० व्हि० रोड, भालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि क्र सं० ग्रई-3/37ईई/6367/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा विनाक 1-3-84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 13-11-1984

मोहर 🖫

## प्रकृत कार्य हो , एन्, एक्, क्रान्ताना

नायकर निर्मायम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के स्थीन स्थता

#### भारत चरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

सं० श्रई-3/37-ईई/6156/83-84:--श्रत:, मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत निभनियम' नहा गया है), की धारा 269-च के नभीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से निभक्ष है

श्रीर जिसकी सं० दुकान मं० 10, जो घीरज विल्डिंग, सी०टी० एस० नं० 547, पोदार पार्क, मालांड (पूर्व.), वस्बई-64 में स्थित है। (श्रीर इससे उपाबढ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है। श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रो है. तारीख 1-3-1984

को पूर्वों करा सम्पत्ति के उचित् बाजार भूल्य से कम के क्रयमान् प्रतिफल के लिए बन्तरित की गृह है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों करा सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्षयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा भया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्छ अन्तरण निचित में वास्तविक कम से कथित नहीं किया ग्या है :---

- (क) जन्तरण से ष्ट्रं किसी जाय की बाबस आयकर विभिन्न के अधीन कर दोने को अन्तर्क औ शियरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; आहु/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भून या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा से लिए;

बतः स्व, उस्त निर्मित्यम का वाष्ट्र 269-व व बच्हरक् में, में, उस्त निर्मित्यम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीत, निर्मितिवत स्पीक्तयों, नर्थात् ध---- 1. राष्ट्रल देखिंग कारपोरेशन।

(प्रन्तरक)

2. श्रीमती प्राची प्रमोद पितले।

(अन्तरिती)

कार्य सम्बन्ध वारी करके पृथानित संपरित के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हुएं।

उक्त संपरित के वर्षन् के संबंध में कोई भी वाक्षेप् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्म 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बद्धि बाद में समाक्त होती हो, के भीतर पर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमबुध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सुकेंगे।

स्पष्टीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ण होगा, जो उस अध्याय में विया गढ़ा है।

#### वन्स्यंत

षुकान नं० 10, जो "धिरज", मी० टी० एस० नं० 347, पोदार पार्क, मालाङ (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ सं० श्रई → 3/37ईई/6156/83 — 84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 — 3 — 84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बयम्ध

विनांक: 13-11-1984

मोहर 🤃

प्ररूप बार्ड टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेजब-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेण सं० भई-3/37-ईई/6217/83-84---ग्रतः, मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा यया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० सी/63, जो 6वीं मंजिल बिल्डिंग नालंदा-1 प्लांट नं० 32 श्रीर 33 श्राफ मार्ने रोष मालाड (प०) बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबंब धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित संजम प्राजिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीख 1-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में नास्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दावित्य में केमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, मर्थात् ।——

1. कुमारी हरीता जी० बन्सी

(मन्तरक)

2. श्री शिव कुमार क्षेहान भीर भ्रन्य।

(भन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-यद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसम् प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### नग्स्यी

फ्लैंट नं० मी/63, जो 6वी मंजिल, नालंक्षा नं० 1, प्लाट नं० 32 श्रीर 33, श्राफ मार्ने रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-3/37–ईई/6217/83–84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3–1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांन: 13-11-1984

प्ररूप नार्द्, टी. एत् ु एत्, ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर नायुक्त (निर्दाक्त)

प्रर्जन रेंज 3, धम्बई बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं० मई-3/37-ईई/6275/83-84--- मतः, मुझे, ए० प्रसाद,

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हराके एक्साह् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका संजित बाजार मृत्य 25,000/-कः. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 18, जो 3री मंजिल, साई धाम को-श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 393, 396/8, बंदर रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 है में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिजत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यलिय में स्थित है तारीख 1-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पल्डूइ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निम्लित में यास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्दर्श से हुए किसी अाव की बादद्, उक्ट विधिनिवृत्र के वधीन कर दोने के बन्दर्क के दिल्ला में कनी करने या उससे ब्याने में सुविधा के लिए; बॉर/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य जासिकों को जिन्हें भारतीय आय-कर जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनयम, या भन-अर विभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिमाने में सविधा के लिए।

वतः अव, उक्त अभिनियम कौ भारा 269-व के ववसदान में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती साकीना श्रहमद मुन्शी ।

(ब्रन्तरक)

2. श्री श्राष्ट्रिश्हीन एम० मुस्लीम।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना वाडी करके चुनॉक्स सम्पत्ति के नर्जन के निय कार्यनाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीन से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के यूचपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो अक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या हैं।

### नन्त्र्यी

फ्लैट नं० 18, जो 3री मंजिल, साई धाम को-माप-रेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 393, 396/6, बंदर रोड मालाड (पश्चिम), बम्बई 64 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कि के सं० भई-3/37-ईई/6275/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-3-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रोज-3, बस्बई

दिनांक: 13-11-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

#### प्राप्त रहसाह

कार्यालय, सहायक जामकर आयक्त (निहाक्षण)

म्रर्जन रेंज 3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं० **ग्रई**~3/37~ईई/6304/83~84─**-ग**तः, मुझे; ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक ही

भीर जिसकी सं० वुकान नं० 11, जो ग्राउण्ड फ्लोर, प्लाट मं० 1, सर्वे नं० 84, एच० नं० 1 से 5, एस० नं० 85, एच० नं० 1 से 4 भीर 6, विलेज मालवणी, मालाड (प०), बम्बई में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत हैं), भीर जिसका करारनामा भ्रायकर भिर्मान माधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-3-1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उपाव के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-3-1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उपाव नाजार मूख्य से कम के अधान प्रतिकृत के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपात वाजार मूख उसके स्थ्यमान प्रतिकृत से स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपात वाजार मूख उसके स्थ्यमान प्रतिकृत से, एसे अध्यमान प्रतिकृत का पन्तह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपात वाजार मूख उसके स्थ्यमान प्रतिकृत से और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (जन्तरितयों) के बीच एखे बन्तरण के मिए तक पाया जवा प्रतिकृत , निम्निचित उष्टें किया जवा है है—

- (%) अन्तरण से हुई किसी जाग की बाबस, उथस अधिनियम के अधीन कर पूने के. अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अजने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंगे किसी जाय या किसी थन या कर्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, क्रियान में सुविधा के किए:

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के सभीम, निम्नलिकित व्यक्तियों, सर्थात् :-- 1. मेसर्स म्रोस्याल बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती कृष्णावती राजमान सिंग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सुम्पृत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुँ।

इस्त सम्पत्ति के नर्बन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं 45 विन की सर्वीध या तत्संबंधी व्यक्तियों कर स्थान की तानीस से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्ध किसी व्यक्ति व्यक्त

स्यध्दीकरणः :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा वका हूँ।

#### अनुसूची

दुकान नं 11 जो ग्राउंड फ्लोर, प्लॉट नं 1, सर्वे नं 84, एच वं 1 से 4 ग्रीर 6 ऑफ विलेज मालवणी, मालाड (प०), बम्बई में स्थित हैं।

प्रतुसूची जैसा कि क० सं० प्रई-3/37-ईई/6304/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा धिनांक 1-3-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 13-11-1984

भोहर 🖫

प्रारुप बाह्र, टी. एन. एस.,-----

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्गालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं० मई-3/37-ईई/6358/83-84--म्रतः, मझे. ए० प्रसाद,

आयकर ऑधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

25,000/- रह. स आधक है

और जिसकी संब दुकान नंब 118, जो मालांड शापिंग सेंटर,

ग्राउण्ड फ्लोग्नर, एसव बीव रोड मालांड (पव), बम्बई-64

में स्थित है (और इसमें उपावद्ध म्रानुस्वों में और पूर्ण रूप

से बाजत है), और जिसका करारनामा भ्रायकर अधिनियम,

1961 की धारा 269क, ख के म्राचीन बम्बई स्थित सक्षम

प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है, तारीख 1-3-1984
को पूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार

मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के

पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और

बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय

पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्योध्य से उक्त अन्तरण

निश्वत में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा खे लिए;

शतः अवः, उत्तत विधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अन्तत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखिक व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्रीमती ज्योत्सना इश्वरलाल राठोड ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री किशोर पोपटलाल शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यनाहियां सुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्चत स्थावर सपरित में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टोकरणः ----इसमें प्रयुक्त शन्यों आर पर्यों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नगृत्या

मालाड शापिंग मेंटर, दुकान नं० 118, ग्राउण्ड फ्लोर, एस० बी० रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कि सं प्रई-3/37-ईई/6358/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-3-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स**हायक भ्रायकर प्रायुक्त** (निरोक्षण) न रेंज-3, वस्**वर्**

विनांक: 13-11-1984

## इंक्ट्र आहोत् की तु एक तु एक तु------

नायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नधीन स्वना

#### नारव दरकार

कार्यां जय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण) झर्जन रेंज-3, बस्बर्ध

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं० मर्ड-3/37-ईई/6372/83-84---म्रतः, मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त जिथी।यम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० वुकान वियरिंग नं० 44-ए, जो, प्लाट वियरिंग सी० टी० एस० 348, एफ० पी० नं० 5-ए, लक्ष्मी-नारायण शापिंग सेंटर, पोदार रोड, मालाड (पूर्व) बम्बई-97 में स्थित हैं (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित हैं), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधि-नियम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-3-1984

की पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के अयमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है कि मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकल का पन्तर प्रतिकल का पन्तर प्रतिकल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय वाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोदय से उचत अन्तरण किखित में बाल्तविक क्य से कृषित महीं किया गया है ...

- (क) अन्तरण से हुई किसी गांग की वाबत, उक्त विभिन्निय के अधीन कर दोने के जन्तरक के वाबित्य में कमी कारने या उत्तसे अपने में सुविधा के विष्; बांड/वा
- (क) घ्रेसी किसी शाव वा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय नाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था वा कि वा चाना था, जिपाने में सुविधा की विकर:

संदर्भ कवा, उनत विधियनक की धारा 269-न के बनुसर मी, मी उनत विधिनयम की धारा 269-न की उपधारा रिश् में अर्थीत<sub>ों</sub> निम्मीनिचक व्यक्तियों, वर्धात् स्थान 1. श्रीमती लालता के० शहा।

(म्रन्तरक)

 श्रीमती इंदिरा झशोक कुमार जहेरी श्रीर अन्य । (झन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारोब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वर्ष्य

दुकान बेयरिंग नं० 44ए, जो प्लाट बेयरिंग सी० टी० एस० नं० 348, एफ० पी० नं० 5-ए, लक्ष्मीनारायण णापिंग सेंटर, पोदार रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्राई-3/37–ईई/6372/83–84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-3–1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

ाष्ट्रनाक: 13-11-1984

## प्रक्ष बाद .टी.एम.एस्.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के न्यीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यांक्य, सहायक कार्यकंर जायूक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं **अई-**3/37-ईई/6207/83-84--श्रतः, मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीप जिसकी सं० फ्लैट नं० 307-बी, जो 3री मंजिल, ग्राजिल पार्क, सोमवार बाजार रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, सारीख 1-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किश्यत नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण ते हुई किसी जाय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्ध नास्तिवों को चिन्हों भारतीय नास्कर निधित्यम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता निधित्यम, या धन-कट्ट निधित्यम, या धन-कट्ट निधित्यम, या धन-कट्ट निधित्यम, 1957 (1957 का 27) के बनोबनार्थ जन्तिरती हुनारा प्रकट नहीं किया नवा धा वा विका चाना चाहिए था, कियाने वें विवध के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ि— 1. मै० देशमुख बिल्डर्स प्राईवेट लिमिटेड ।

(मन्तरक)

2. श्री टी० श्रीनिवासन ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति की अर्थन के तिब् कार्यनाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तासील से 30 विन की जविभ, को भी वविभ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में ड्रिक-व्यूभ किसी बन्य व्यक्ति युवारा अभोड्रस्ताक्षरी क पास सिवित में किए वा सकींगे।

स्वाहीकरणः :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उकत विवित्तिकत्त को वध्याय 20-के में परिभाषितः हाँ, वहीं वर्ष होगा जो उस वध्याय में दिका गया हाँ।

#### and the

पलैट नं० 307-मी, जो 3री मंजिल, श्रजित पार्क, सोमवार बाजार रोड, मालाड (पण्चिम), बम्बई-84 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि ऋ० मं० भ्रई-3/37-ईई/6207/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 13-11-1984

भुक्ष बाह्र<sup>त</sup>. टी. एन्. एत . ------

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

#### हारव बहुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 नवस्थर 1984

निवेश सं० अई-3/37-ईई/6201/83-84--अतः, मुझे; ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 301—बी, जो उरी मंजिल, भिजित पार्क-बी, सोमवार बाजार रोड, मालाड (पं०), बम्बई-64 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), भीर जिसका करारनामा भायक प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के भ्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-3-1984

को वृजेंक्स संपरित के उचित बाजार मृस्य से कम के द्रम्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निसिक्त उच्चदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से अभित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों कों, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 260-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधौत् ;——
1—386GI|84

1. मैं ॰ देशमुख बिल्डर्स प्राई्देट लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती भारती धार० हिंगोरानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह, सूचना जारी कारके पूर्वोक्त कम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु<sup>\*</sup>।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मानना की तामीस से 30 दिन की अवधि, वो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विकित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्धों और पवा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### वन्सची

पलैट नं० 301-बी, जो 3री मंजिल, प्रजित पार्क-बी, सोमवार बाजार रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है। प्रनुसूची जैसा कि क० सं० प्रई-3/37-ईई/6201/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 1-3-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 13-11-1984

मोहर 🖫

त्ररूप गार्ड .टी.एम.एस.------

नायक रू अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) ने अधीन संजना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, वस्बर्ड

बम्बर्ड, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेण सं० **प्र**ई-3/37-ईई/6406/83-84<del>. प्र</del>नः, मुझे, ए० प्रसाव,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है.

गौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 409, जो 4थी मंजिल, प्रांजत पार्क-बी, सोमवार बाजार रोड, मालाड (प०), बस्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा भागकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारोख 1-3-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह बिश्वाय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्निविचत उच्चेष्य से उचत अंतरण लिखत में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक — दासित्य में कभी करने था उसमें बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्त्यों करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा का या किया जाता नाहिए था, छिपाने में स्विंग से के प्रयोजना से किया जाता नाहिए था, छिपाने में स्विंग से के प्रयोजना से के प्रयोजना से के प्रयोजना के प्रयोजना से से स्वं

कतः अब उक्त अधिनियम को भाग 269-ग के अनुसरण को, माँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-**ण को उप्भा**ता (1) को अभीन, निम्नसिक्ति स्वित्यों. अर्थात हु---- मै० देशमुख बिल्डर्स प्राईवेट लिमिटेड।

(म्रन्तरक)

2. श्री सुरेशकुमार श्रार० गटने।

(बन्तरिती)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तरमंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिप, को भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबस्य किसी बन्य व्यक्ति वृवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकी।

स्पच्छीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रयों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

#### अवसर्वी

प्लीट नं० 409, जो 4थी मंजिल, ग्रजित पार्केची, सोम-वार बाजार रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि नं श्रई-3/37-ईई/6406/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, बंस्बई

दिनोक: 13-11-1984

स्य बा**र्ड**् टीट एम., एस.ट + + + +++

नायकर निभित्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) के नभीत सूचना

#### भाइत सहकार

कार्यानम्, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984 निदेश सं० अई-3/37ईई/6379/83-84--अतः, मुझे; ए० प्रसाद,

नायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त निभनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से निभक्त है

और जिसकी सं० पा० एन० कोठारी इस्टेट, जो सर्वे नं० 32, 33 और 36 पार्ट), सी० टो० एस० नं० 70 से 75, 84/1, से 7, 95/1 से 4, कुरार, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारतामा आयक्तर अधिनियम, 1961 को धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1984 को पूर्वोक्त संपत्ति को उपावत बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उपाय बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्योग्य से जकत अन्तरण निमित्त में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है ध---

- (क) बन्तरण से हुइं किसी जाय की बानत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित में कभी करने या उससे बचने में सुन्धाः के निष्; और/या
- (स) एंती किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज- नार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, जिया दें स्ट्रैंक्श के लिए;

शतः श्रवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण के, के, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, छर्षीत् ः— 1' श्री पी० एन० कोठारी।

(अन्तरम)

2. श्री रबारी कें नलीभाई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करको पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🤄 🗝

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यवित्तयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सर्वोंगे।

स्पक्कीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

## जगुसुची

पी॰ एन॰ कोठारी इस्टेट, जो, एस॰ नं॰ 32, 33 और 36 (पार्ट), सी॰ टी॰ एस॰ नं॰ 70 से 75, 84/1 से 95/1 चे 4, कुरार, मालाड पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37ईई/6379/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिशारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1984 की रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाध सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बर्स

घिनांक: 13-11-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सचना

#### भारत सहकाड

कार्यालय, सहायक अायकर बावुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं० अई-3/37-ईई/6361/83-84---अत: मुझे, ए.० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् हैं), की धारा 269-स से अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक हैं.

और जिसकी सं० पलैट नं० ई-5/3, जो 1ली मंजिल, सुन्वर नगर, सुंदर मिनन को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), और जिसका करार-नामा आयशर अधिनियम, 1961 की धारा 269स, ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय 'में रजिस्ट्रो है, तारीख 1-3-1984

को पूर्वोक्स संपत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के ज्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से एसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्तरह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया चया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बावत, उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ेंसी िलकी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों करों, धिक्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कुरतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया नाना चाहिए था, डिपान में सुविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसारण भा, माँ, उक्त अभिनियम की भारा 269-**ण की उपभारा (1)** के अभीतः निस्तिनिष**त व्यक्तियोः वर्णात क्र**  1. श्री बी० सी० बी० नायर

(अन्तरक)

2. श्री एस० सी० जैन

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

जक्त सम्परित के क्रवीन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह——

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी मनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

पलैट नं० ई-5/3, जो 1ली मंजिल, सुंदर नगर, सुंदर मिनन को-अपरेटिव हाउसिंग सोसायटो लिमिटेड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37ईई/6361/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1984 को रजिस्टर्ड क्षिया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

विनास: 13-11-1984

मोहरः

प्रकार नार्. टी. एन. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेण सं० अई०-3/37 ई/6402/83-84--अतः, मुझे ए**॰** प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 603 जो 6 वीं मंजिल ''ए' विंग, मानसरोवर अपार्टमेंट, चिंचोली पाठक, मालाड (पिष्चिम), वस्थई—64 में स्थित है (श्रीण इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि—नियम, 1961 की धारा 269 कख के अश्रीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रों है तारीख 1 मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण किचित में बास्तिक रूप सं किथत नहीं किया गया है हिन्स

- (क्र) अतरण से ह्र्इं किसी आयुकी बाबत्, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिमाने में सुविभा से जिए:

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नरिखित व्यक्तियों, अधीत् ध—— (1) मैसर्स मारको ।

(अन्तरक)

(2) श्री सज्जन एन० सराफ ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सुन्यृहित् के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप रू-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की ब्रविभ, जो भी ब्रविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्वथ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा स्कोंगे।

न्यष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

प्लैट नं∘ 603 जो छठवीं मंजिल, 'ए' विग्रॄ मानसरोवर अपार्टमेट, चिंचोलो पाठक, मालाड (पश्चिम), अम्बई-64 मे स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० अई० 3/37-ईई/6402/ 83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मार्च 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहामक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 13-11-1984

मोहर ः

प्ररूप बाह्र , दी. एन. एस.: -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश मं० आई०-3/37 ईई०/6338/83-84--अत:, मुझें, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 404 जो चौथा मंजिल मालाड भारत को० आपरेटिय हाऊमिंग सोपाइटो लिमिटेड, मार्बे रोड, मालाड (पिश्चम), बम्बई-64 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिक्ति में शस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाग की बाबित, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, मिस्नीजिश्वत व्यक्तियों, अधीन, सिस्नीजिश्वत व्यक्तियों, अधीन, स्मिनीजिश्वत व्यक्तियों,

(1) श्रोमती पुष्पाबेन एन० नायडू।

(अन्तरक)

(2) श्री मुकुद आर० शाह ग्रीर अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी के 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीर से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्थ किसी जन्म व्यक्ति कुनारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किये जा सकने।

स्पष्टिकरणः — इसमें अयुक्त शब्दों और नवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका नवा है।

#### मन्स्यी

फ्लैंट नं० 404 जो चौथो मंजिल, मालाड भारत को-आपरेटिव हाऊर्सिंग सोसाइटो लिमिटेड, मार्वे रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि कम सं० अई०/3/37-ईई०/6338/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा विनांक 1 मार्च, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्रम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 13-11-1984

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) सम्बर्ष, दिनांक 13 नवम्बर 1984

मिदेश स॰ अई॰-3/37 ईई॰/6342/83-84--अतः मुझे, ए॰ प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 4 है तथा जो बिस्डिंग नं० 3, फनी हिल को० आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेंड, गोशाला लेन, मालाड (पूर्व), बम्बई--97 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कुछ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारोख 1 मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वदेय से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की शावत, उक्त जिस्तियम के अभीन कर दोने के अन्तरक कें दासित्य में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा दासित्व के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आबुया किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना थाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः वन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निस्तिविक्ति व्यक्तियों, अर्थात्:— (2) श्री एच० के० केमरीचन्द्र ।

(अन्तरक)

(2) श्रीवरुलभ भाई आर० पटेंल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हूं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे। गया है।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्वी

दुकान नं० 4 जो बिल्डिंग नं० 3, फनो हिल को० आपरेटिब हाऊसिंग सोसाइटो लिमिटेड गौशाला लेन, मालाङ (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-3/37 ईई०/6342/ 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारो, वस्त्रई द्वारा विनोक 1 मार्च, 1984 को रजिस्टर्ड किया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तार्√ख : 13−11−1984

## प्रकृत वार्षं दी पुर्व स्व - नामका प्रवटनाव

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### बारत बरकाउ

कार्यालयः, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षाः अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं ० अई०-3/37 ईई०/6384/83-84--अनः मुझे ए० प्रसाद

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्पात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269 का को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सम्प 25,000 /- रा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 28 है तथा जो आनन्द गार्पिम सेन्टर, गोशाला लेन, आफ दफ्तरी रोड, मालाड (पूर्व) बम्बई—97 में स्थित है (श्रीर इसेसे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि—नियम, 1961 की धारा 269 फख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल का पंदह प्रतिज्ञत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्ति। कि रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्िया
- (व) एसी किसी जाय वा किसी थन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरक वो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीतृ:—— (1) श्रीभती सकीला बान् अहमद हुसेन ।

(अन्तरक)

(2) श्रीगोविन्द बी० अग्रवाल ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पर्वोक्त सम्मिटित के अर्चन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्त में हितबक्ष सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकेंगें:

स्वविधिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में पिया स्वाहै।

### मन्सूची

दुकान नं० 28 जो आनन्द गापिंग सेन्टर, गौशाला लेन, आफ दफ्तरी रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है।.

अनुसूची जसा कि क्रम सं० अई०-3/37 ईई०/ई284/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मार्च, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रदाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज→3. बम्बई

तारी**ख**: 13-11-1984

प्ररूप आइं.टी.एन.एस. ------

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, विनांक 13 नवम्बर 1984 निदेश सं० अई०-3/37 ईई०/6374/83-84--अतः मुझे, प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित' बाज़ार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ूँ प्रबंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान श्रितिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिजल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी . जाव की वावत , सक्त अभिनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व मो कामी कारने या उत्तस्ये बचने मों मृषिधा के लिए; बॉर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ऑस्तिया को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नसिक्तिक व्यक्तियों, अर्थात् ≝—

- (1) श्रोः मंगल वास वुलभ दास वालिया । (अन्तर्क)
- (2) श्रोमतो रंजन अनोपचन्द शाह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की जनिधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनिधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन हे भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हितबद्ध किसी अन्य न्यक्ति इवारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पळीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पशीं का, जो उचत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### न सुची

दुकान बेंअरिंग नं० 20 जो ण्लाट मों० टों० एस० नं० 348, एफ० पों० नं० 5-ए, लक्ष्मोनारायण शापिंग सेन्टर, पोदार रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है।

अनुसूच। जैसाकि कम सं० अई०-3/37 ईई०/6374/ 83-84 ग्रौर जो प्रक्षम प्राधिकारा, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मार्च, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–3, बम्बई

तारीख : 13-11-1984

मोहर

(1) मैर्स फार्मर क्रम्म ।

(अस्तरक)

(2) श्राह्मार एस्० घट्टे।

(अम्तरिवी)

डायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अ**धीत समा**न

#### भारक सर्कार

भाषां स्वयं, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई अम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

मिदेश सं० अर्द०-3/37-ईई/6576/83-84--अतः, मुझे, ए० प्रसाद

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, भिषका उभित कामार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० गाला नं० 16 है तथा जो ग्राउन्ड पलोर, सुयोग इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, विक्रोली, बम्बई-83 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण च्या से वर्णित है). श्रीर जिसका करारनामा आयदार अधितियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है तारीखा 1 मार्च, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक्रों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्तलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की शाबत, उक्त जिभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण दायित्व में कमी करने या उम्मी जधने में स्पूधक के निष्: और/णा
- (क) एसी किमी आयं या किसी धन या नगर जास्तियों को, जिन्हों भारतीय वाय-कर अधिनियम, १९२२ (1922 का 11) या सक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्श कर्तिस्थी स्थारा प्रकट नहीं किया कवा था या किया जाना चाड़िए का प्रिकट में

ला: बन, उक्षत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भी. भी, उक्षत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) 3 अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत ::— को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त संपत्ति के वर्षन के विष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के कर्जन के संबंध में कोई भी जाकी \$--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थित्त द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरों के पार्च निवित्त में किए आ सकेंगे।

स्थल्डोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पदाें का, जो उपद अधिनियम, कं अध्याय 20-कं में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा इ<sup>6</sup>।

#### **मन्**त्रची

गाला नं 16 जो ग्राउन्ड फ्लोर, **मुयोग इण्डस्ट्रियल एरिया** इस्टेट, विलेज हरोयाली, विकोली, बम्बई-83 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-3/37-ईई/6576/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मार्च, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ण-3, **बम्बर्ड**

नारीख : 13--11--1984 मोहर : प्ररूप बाह्र .टी. एन. एस. ----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बर्ड

बम्बाई, दिनांकः 13 नवम्बर 1984

निवेश सं० आई०-3/37 ईई०/6762/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद

शायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० यूनिट नं० 27 है और 40, जो ही रानन्दानी इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, कांजूर मार्ग, बम्बई— में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, में रिजस्ट्र। है तारीख 1 मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाना ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण किलान में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त जिमिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के जनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीस् :— (1) सरदार मनजित सिह चरन सिंह चावला ।

(अन्तरक)

(2) मैंसर्स आणियन अनसिलरी कारपोरेशन ।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यताहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (छ) अस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीद सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अप्य व्यक्ति हवारा अशहस्ताक्षरी के पास विशेषात को लिए जा सकींने।

स्थापिकण्याः --- इसपी प्रशब्दा शब्दों तीर पदौं का, जो उतस् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया स्वाही।

### **भ**नुसूची

यूनिट नं० 27 श्रीर 40 जौ होरानन्दानी इण्डस्ट्रोयल इस्टेट, कांजूर मार्ग, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूचः ज़ैसा कि कम मं० आई०-3/37 ईई०/6762/ 83-84 श्रौर जो सक्षम गाभिकारा, बम्बई द्वारा दिनांक 1मार्च 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रताद सञ्जम प्राधिकारो सहायक आयक्तर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-3. जम्बई

वारीख: 13-11-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भा (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 13 नवम्बर 1984

निवेश सं० आई०-3/37 ईई०/6637-अ/83-84--अत: मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स्न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० गाला नं० 20 है तथा जो गुरु नानक उद्योग भवन, भांडूप (पश्चिम), बम्बई में स्थित हैं (ग्रीर इसेसे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण कप से विणित हैं), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारोख 1 मार्च, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रसिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित जबविष्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अज, उकत आभानयम की धारा 269-च के अनुसरण में, में, उच्यत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थातः :---- (1) मेसर्स आर० आई० टेक्नो वक्सं।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पद्मा अशोक मेहता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर्न् स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य विक्त द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास कि लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पट्टोंकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो जक्त अधिनियम, क्षेत्रध्याय 20 का में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

गाला नं० 20 जो गुरु नांनक उद्योग भवन, भांखप (पश्चिम), बम्बाई—78 में स्थित है।

अनुसूर्चः जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/6637-अ/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारीः, अम्बई द्वारा विनांक 1 मार्च, 1984 को रिजस्टडं किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक औयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−3, बर्मीई

तारी**ख** : 13-11-1984

प्रकृष बार्च, टी. एन. एस. - -- -

नायकर निधितियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-स (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

## कार्यासय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं० अई०-3/37 ईई०/6569/83-84---अतः मुझे, ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह बिश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी में० गाला नं० 15 है तथा जो ग्राउन्ड फ्लोर, सुयोग इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, मी० टी० एस० नं० 108/3, विलेज हरियाली, विकोली, बम्बई-83 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में ग्रीर पूर्ण हम से विजित है), ग्रीर जिसका करिएनामा आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269 कख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्रा है तारीख 1 मार्च, 1984

को पूर्वोधत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रियमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उपके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का क्लूड प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्तन, निम्नुलिक्ति उद्दोष्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में बास्त-

- (क) अन्तरण से शुर्ड किसी बाव की बावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कामी कारने या उससे बचने में सविधा के लिए; बाँउ/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धृतु-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्रशा प्रकट नहीं किया गया था दा किया द्रारा आहिए था, कियाने में सृत्य्था के निए,

बतः बन, अन्त बांधनियम की धारा 269-न के बन्धरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्निसिवित व्यक्तियों, वृधीत् :--- (1) मैसर्स माधव जो होरजो एण्ड कम्पनो ।

(अन्तरक)

(2) श्रो राजीव एस० थट्टे।

(अन्तरितो)

को यह सूचना थारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की जविध, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, खे भीतर प्रोंक्स व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति दुवारा;
- (का) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वस्थ किसी बन्य व्यक्ति इवारा, बभोहस्ताक्षरी के वास निस्ति में किए का सकारी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों अर्हर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, यही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया स्या है।

## मन्स् र

गाला नं ० 5 जो ग्राउन्ड फ्लोर, सुयोग इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, विलेज हरियाली, विकोली, बम्बई-83 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-3/37 ईई०/6569/ 83-84 फ्रौर जो सजन प्राधिक रो, बर्म्ड ब्राय दिनांक 1 भार्च, 1984 को एजिस्टर्ड किया गया है।

> ा,० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶3, **बस्बर्**

तारीख : 13-11-1984

अक्ट बार्ड .टी . एट् . एट . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-धं (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं० अर्ह०-3/37 ईई०/6740/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कौं धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु से अधिक हैं

धीर जिसक मं० प्लाट नं० 98 है तथा जो कांजूर को० आपरेटिय हाऊसिंग सोसाइटी, सर्वे नं० 949, कांजूर विलेज, भांडूप, वम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचः में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1969 कख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रा हैताराख 1 मार्च, 1984

को पूर्वोबंद संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के सिए जंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोबंद संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) श्रुक्त से हुई शिक्की काय की बायत, अक्ष्य ग्रिपिनियम् की जभीन कर दोने की अक्षरक को बायित्व मी कमी करने या उत्तर्ध ब्यूने भी सुविधा का लिए; करि/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में त्विभा के लिए;

कतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिविक्त व्यक्तियों, अर्थातः ;— (1) श्रीमती अया केलकर भीर अस्य।

(अग्तरफ)

(2) मै॰ आदित्य को॰ आपरेटिय हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड ।

(अम्तरिती)

को यह सूचना बारी करकें पूनांक्त स्म्यृतित के वर्षन के जिल्ला कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

जनत सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टिक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थविकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का वो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्त्र्वी

प्लाटन० 98, जो, कांजूर को० आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी सर्वे नं० 949, कांजूर विलेज, भांडूप, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/6740/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनाक 1 मार्च, 1984 को रजिस्टर्ज किया गया है।

> ए० महाद सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 अस्यह

तारी**ष** : 13-11-1984

प्रकृष बाहै े टी. शि. एसं -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सम्बना

#### भारत सरकारं

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बर्ड दिनांक 13 नवम्बर 1984

निवेश सं ० आर्४०-3/37 ईई०/6512/83-84--अत: मुझे: ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 107 है तथा जो मुलंड आरती को आपरेटिय हार्ऊसिंग सोसाइटो लिं सरोजनो नायडू रोड, मुलंड (पिष्चम), बम्बई-80 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद अनुसूर्च में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 1 मार्च, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नितिचित उव्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे धवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय का किसी धन मा अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः जवः, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रो एन० एस० कृष्णन भीर श्रीमनी प्रेमा कृष्णन ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० एस० नारायणन ।

(अन्तरितः)

को यह स्वना जारी करके पृवाकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर उंपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पाच्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उच्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

## **प्रनुसू**ची

107, जोधू मुलूंड आरती को० आपरेटिव हार्कींसँग सोसाइटी लिमिटेड सरोजनी नायडू रोड, मुलूंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-3/37 ईई०/6512/, 83-84 और जो मक्षम प्राधिकारों बम्बई द्वारा दिनाक 1 मार्थ 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (तिराक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 13-11-1984

प्ररूप आहै, टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर क्षायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 3 बम्बई बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं० अई--3/37--ईई/6615/83-84--अत: मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000∕- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सुनिट नं० 23, जो, ग्राउंड फ्लोर, शिव ज्पा इंडस्ट्रियल एस्टेट, एल० बी० एस० मार्ग, विकोली (प) बम्बई—84 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है। और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 धारा 269 से, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1 मार्च 1984 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्दर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखत मों वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (श) एतेरी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आमकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के बनसरक में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्ननिश्चित व्यक्तियों, अधीत् ाः— (1) मैसर्स सपना एक्पोर्ट।

(अन्तरक)

(2) मैससं वहीलराम एण्ड सन्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वकिंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### यनसर्वे

यूनिट नें० 23, जो ग्राउंड फ्लोर, शिव प्रा इंडस्ट्रीयल इसटेट, एल० बी० एस० मार्ग, विकोली (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ०मं० अई -3/37-ईई/6615/83--84 और जो सक्षम प्राधिनारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मार्च 1984 को रजिस्टर्ड जिया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्ब**र्ध**

दिनांक: 13-11-1984

## त्रकपः बाह्र<sup>\*</sup>्टीः एनः एसः -----

यायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर वाय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 3 बम्बई बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं० आई—3/37-ईई/6477/83-84---अतः म्झे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके प्रशात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० णांती इंडस्ट्रियल इस्टेट, एस० एन० रोड़, मुलूंड (पश्चिम), बम्बई-80 युनिट नं० 41, जो प्राउंड फ्लोर बी--विग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका अरारनामा आयक्तर अधिकार अधिनियम, 1961 की धारा 269 जं,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1 मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तुह प्रविद्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के नीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदिय से उक्त अंतरण लिकित में बास्तविक क्य से अधित नहीं किया गया है र—

- (क) बंतरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कार दीने के अन्तरक के दायित्स में कामी कारने है। उससे बन, मी सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धम ए रूप्य अस्तियों करें, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27/ के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहों किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपान में सिवधा के लिए:

वतः अता, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (†) के जभीन, निम्निलिक्त स्थाबितयों, अर्थात :----13---386GI[84

- (1) मैसर्स टिक्रा बिल्डर्स (बाम्बे) प्रायवेट लिमिटेड। (अन्तरक)
- (2) योरात इजितिअशींग कपनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जों भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूजना के राजपत में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्यवद्यं किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छोकंरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त बीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, बहा अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### AND DESCRIPTION OF THE PERSON NAMED IN

युनिट नं० 41. जो ग्राउंड फ्लोर, वी-विग्न, मानी इंडस्ट्रियल इस्टेट, एस० एन० रोड, मुलुंड (पश्चिम), बम्बई 80 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि० सं० आई—3/37—ईई/6477/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मार्च 1984 को रजिस्टई दिया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3,बम्बई

दिनोक 13-11-1984 मोहर प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निवेश सं० आई—3/37—ईई/6575/83--84→-अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लाट नं० 301, जो, अमलेण अपार्टमेंट सी० टी० एस० नं० 16 और 16/1 मुलुंड (पिष्पम), बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), और जिसका लगारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269 के,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं दिनांक 1 मार्च 1984

को पूर्वेक्त संपत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एोसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक्त रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधाके लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैसर्स विजय कंपनी

(अन्तरक)

(2) श्रीयू० बी० महा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः - इसमे प्रयुक्त घट्यों और पर्यों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

## वनुसूची

फ्लैंट नं० 301, जो कमलेश अपार्टमेंट सी० टी० एस० नं० 16 और 16/1, मूलुंड (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि० सं० आई-3/37-ईई/6575 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मार्च 1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षमं प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण. धर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख 13-11-1984 भोहर प्ररूपं आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश स० आई 3/37-ईई/6666/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 9, जो (इंद्रप्रस्थ), पी० नं० 1 एस नं० 94, एच नं० 1 (पी), सी० टी० एस० नं० 1071 (पी), मिठागर रोड़, मुलुंड (पूर्व), बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप विणत हैं और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कु,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्टी हैं दिनांक 1 मार्च 1984

को पूर्वो क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रुख्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रुख्यमान प्रतिफल से ऐसे रुख्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्रय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दनं के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धार्य 269-ग्य के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धार्य 269-्य की उपधार्य (1) के अधीन, निम्नलिम्बिल व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पटेल भानजी करमशी एण्ड कंपनी (अन्तरक)

(2) श्री सुदंर ए० वेसाई

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उसत संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टाकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस<del>ुची</del>

फ्लैंट नं० 9, जो, (इंद्रप्रस्थ), पी० नं० 1, एस० नं० 94, एच० नं० 1 (पी), सी० टी० एस० नं० 1071(पी), मिठागर रोड़, मुलुंड (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी करु मंद्र अई-3/37-ईई/6666/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनां त 1 मार्च 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसा**द** सक्षम प्राधारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, *बम्ब*ई

विनांक - 16-11-1984 मोहर<sub>्</sub> प्रकप बाहैं टी. एन. एस. ----

जायक **र अधिनियम**, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 **(य) (1) के अधीन स्**चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, शहायक जायकर जायक्स (निर्शीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 नवम्बर 1984

निदेश सं० प्रार्ह-3/37ईई/6562/83-84--प्रतः मुझे. ए० प्रसाद

शायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त समिनियम' कहा गया ह'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 302 जो, दूसरी मंजिल, मधुरा गवाणपाडा रोड़, एस नं० 16 (पार्ट) सी० टी० एस० नं० 12, मुलुंड (पूर्व) बम्बई—81 मे स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण एम से विणित हैं) ग्रीर जिसका करार नामा ग्रायकर प्रधिनियम 1961, की धारा 269 क,ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1 मार्च 1984

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल सं, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेब्ध से उक्त अंतरण लिखित में शास्त्रीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण सं हुई किसी जाय की वाबस, उक्त आधिनियम के अभीन कर दोने के असरक के दायित्व में कमो करने या उसमें बचन में ग्रिया के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी भन या अल्य आाम्सियों का जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना आहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण ∴ें, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) .हे अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, कर्णात्ः— (1) पटेल कार्पोरेशन ।

(मन्तरक)

(2) करमचंद मिरचंदानी ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जे भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति रा
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन का तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्वव्योकरण — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याप 20-क में परिशाधित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ!

## भन्स्की

फ्लैट नं० 201 जो दूसरी मंजिल, मथुरा गवाणपाडा रोड़, एस० नं० 16 एच० नं० 1, सी० (पार्ट) सी० टी एस नं० 12 मुलूंड (पूर्व) अम्बई-81 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसाकी, ऋ० सं० ग्राई-3/37-ईई/6562/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मार्च 1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-3, बम्बई

विनांक : 13-11-1984

मोहर

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 थ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायय आयाप ाथक (निर्राक्षण) श्रर्जन रेंज 3, बम्बई बम्बई, दिनोक 13 नवम्बर 1984

निर्वेश सं० ग्राई-3/37-ईई/6552/83-84--ग्रातः मुझे, ४ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा **269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का** अधरण है कि स्थावर गम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 25,000/- छ. में अधिक है

अगर जिसकी सं ० पलैंट न० 22, जो घूसरी मंजिल, "फाल्गुन लाबीवाला कालीनी बलराजेश्वर रोड़, मुलुंड (पश्चिम) बम्बई—80 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण कप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम 1961, की धारा 269 क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1 मार्च 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य में कम के दश्यमान अतिफल के लिए अल्लिश्त की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिश्तित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुइं किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्त्र में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए, और ना
- (स) एमी किसी आध न किभी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिक्था के लिए;

अतः अवः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग कै अनुसरण भो, मैं, उक्त अधिनिजम की धारा 269-च की उपधारा (1) रिक्ष अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् "—— (1) मैसर्स इला फन्स्ट्रक्शन कंपनी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमनोहर कुष्णा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि यो तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भातर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बव्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधिहस्ताक्षरा क पास लिखित में किए आ स्कॉर्ग।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 22, जो दूसरी मंजिल, "फाल्गुनी" लादीवाला कालीनी बलराजेश्वर रोड़, नुलुंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसाकी क्र॰सं० भ्रई-3/37-ईई/6552/83 84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनाक 1 मार्च 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सकम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज−3ॄ बस्बई

दिनांक : 13-11-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

बायकड स्थितियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के स्थीन स्वता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन-रेज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नथम्बर 1984

निदेश सं॰ अई-3/37ईई/6759/83-84-अतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० हुकान नं० 1, जो ग्राउंड फ्लोर श्रीताथ श्रापार्टमेंटस् 4, मुलूंड़ (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1 मार्च 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंन्तरित की गई है और मुभ्ने ग्रह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे ध्यमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिफल का अन्तर प्रतिफल के अन्तर प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्ज से हुई किसी, जाय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बामित्व में कमी करने या उससे बचने के सिक्धा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ब्योचनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया बवा था वा किया थाना जाहिए था किनाने में सुविधा के निए;

क्त: कथं, केक्त निभीपयम की भारा 269 म के अनुसरम् में, में, उक्त निभिम्म की भारा 269 म की उपभारा (1) के नभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नभात् :--- (1) मैसर्स श्री बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

(2) वी॰ सुकुमारन् नायर ।

(भन्तरिती)

स्त्री यह सूचना वारी करके पूर्वों नय सम्पर्दित से अर्थन के दिस्य कार्यनाहिमां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः---

- (क) इस स्वना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो और अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख : 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभीहस्ताक्षरी के ास लिखत में किए जा सकींगे।

स्थ्यक्षेत्ररणः——इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्ता अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्स्ची

बुकान नं० 1. जो प्राउंड पत्रोर, श्रीनाथ प्रपार्टमेंटस् 4 मुलूंड (पूर्व) अम्बई-81 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसाको ऋ०सं० श्रई-3/37-ईई/6759/83 84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनोक 1 मार्च 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्त प्रायक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-3, बम्बई

विनांक**ुः 13-11-1984** 

मोहर 🛊

प्रकप बाद . टी. एन. एस. 🐡

भासकर वाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्वर 1984

निदेश सं० श्र $\xi$ -3/37- $\xi \xi/6758/83$ -84--श्रतः मुझे ए०प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारी 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० दुकान नं० 2, जो ग्राउंड फ्लोर श्रीनाथ ग्राटेमेंटस 4, मुलूंड़ (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ श्रमुस्ची में और पूर्ण रुप से वर्णित है। और जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1 मार्च 1984

को पूर्वोक्ड सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई हैं और मूफ्ते यह विश्वास भरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एस दश्यमान प्रतिफल का उन्स्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उन्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में अम्सिवक रूप से किथत नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृदिशा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुनिधा की लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन मिम्निचिक्त क्योंक्तियो, अर्थात :--- (1) मैसर्स श्री बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमतो मुशिला एस० नायर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में काई भी बाक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में संकिसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एस लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण : ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **ग्र**नुसूची

दुकान नं० 2. जो ग्राउंड फ्लोर, श्रीनाथ भ्रपार्टमेंटस् 4 मूंलड (पूर्व); बम्बई-81 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी क्र॰ सं॰ ग्रई-3/37-ईई/6758 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 मार्च 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन-रेज, 3, बस्क्ष\$

विनांक: 13-11-1984

माहर :

## प्रक्य भाइ. टी. एन एस. -----

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के विभीत सुचना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण)
ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई
बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984
निवेश सं० ग्राई-3/37-ईई/6714/83-84---श्रत/ मुझे, ए० प्रसाद,

कानकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

मौर जिसकी सं० धुकान नं० 4. जो, निलकंठ कुटीर, ग्राऊंड फ्लोर, टी॰ नं० 28 भौर 29 सी॰ एस॰ नं० 629 मौर 629/1 से 10 भांडूप (पिष्चम), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कु,ख के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,दिनांक 1 मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाब की बाबत, उस्त अधिनियम के बधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सविधा के सिए; बौर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था लियाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ्र की उपधार (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्त :--- (1) मैससे भावेश्वर इंटरपायजेस।

(ग्रन्तरक)

(2) राजेश कुमार के० भ्रगरवाल ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए के कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कां**द भी वाक्षेप** 🗈 💬

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, औं भी% अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्व व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतन उक्त स्थातर सम्पत्ति में हिता दूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के प्रकासिक में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं पर्ध होगा, जो उस अध्याय में किया गया ही।

#### **अन्तर्यो**

दुकान नं० 4 जो, निलकंठ कुटीर, प्राउंड फ्लोर टी॰ नं० 28 और 29सी॰ एस॰ नं० 629 भीर 629/1 से 10, भाषुप (पश्चिम), में स्थित है ।

भ्रनुसूची जैसं। की ऋ०सं० भ्राई-3/37-ईई/6714/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, तम्बई द्वारा दिनांक 1 मार्च 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजंन रेंज-3, बस्बई

विमांक : 13-11-1984

## प्रकृत वार्षः, दीः एष्. एष्. अन्यक्रन-प्रकृत

# भागकर वीधीनमन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के वधीन स्वता

#### शास्त्र स्टब्स्

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

ंनिदेश सं० मई-3/37-ईई/6460/83-84---मतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-च के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुल्य 25 000/- रा. से बिधक है

ग्रीर जिसकी सं० ब्लाक नं० ए-203, जो निर्माणाधिन इसारत जमीन बेअरींग एस नं० 44/1-सी० टी० एस० नं० 667, श्राफ पी० के० रोड़, नाहर गांव मुलूंड (प०), बम्बई 80 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्राधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1 मार्च 1984 को

को प्रॉक्त संपर्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के अयमार वितक से सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्त्रोंक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य उसके स्वयमान प्रविकत से, ऐसे स्वयमान प्रतिकत का बन्दि प्रतिकत से, ऐसे स्वयमान प्रतिकत का बन्दि प्रतिकत से विभिन्न हों और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तब पाया गवा प्रतिकत , निम्निसित उद्योग्य से अन्तर अन्तरक किया विविक्त में बास्तिक कम से किया नहीं किया गवा है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाव काँ वावतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के जिए; बरि/वा
- (क) एसी किसी बाद या किसी धन या अन्य बास्तियों को, चिन्हें भारतीय जाय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिनी इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सर्विधा के लिए;

चतः अव, उक्त जीवीनयम की धारा 269-य की जन्मरण में, मैं, उक्त जिधिनयम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) मैसर्स एस० एस० बिल्डर्स।

(ग्रस्तरक)

(2) श्री टी॰ मे॰ भ्रयपपन्

(म्रन्तरिती)

को यह क्षाना चारी करके प्राप्तित संगणन के निष् कार्यनाहियां करता हु"।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीन से 4.5 दिन की जबिंध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामीन से 30 दिन की जबिंध, जो भी जबिंध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृश्वीं कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इब सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनव्य किसी जन्य ज्यक्ति इवारा व्योहस्ताकारी के पाड़ लिखित में किए जा सकोंने।

ज्यक्वीकरण:---इसमें प्रयुक्त कंक्वों मीर पर्यों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं क्षें होता, जो उस क्ष्याय में दिया गया है।

## अपृत्<del>यी</del>

ब्लाक नं॰ ए/203, जो निर्माणाधिन इमारत जमीन बेबरींग एस॰ नं॰ 44/1 सी॰ टी॰ एस॰ नं॰ 667, झाफ पी॰ के॰ रोड़, माहूर गांब, मुर्जुड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है।

भनुसूनी जैसाकी क०सं० भई-3/37-ईई/6460/83-84 और जो संजन प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1 मार्च 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-3, बस्बई

विनांक : 13-11-198**4** 

मोह्नर:

अक्ष्य आहें. हो, हन, दश, .....

नायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन सूचना

#### बारक शृहकार

कार्याजय, सहायक जायकर जायकः (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984 निवेश सं० ग्रई-3/37-ईई/6738/83-84--ग्रतः भुझे, ए० प्रसाद,

धारकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित इसके इसके परवात 'उबत अधिनियम' कहा गया हैं) की वाख 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति विस्का उचित् वाचार धृक्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० डलॉक नं० 21, जो चौथी मंजील. लक्ष्मी निवास एस० नं० 1000 प्लॉट नं० 63 मुलूंड (पश्चिम) बम्बई—80 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप ने विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा भायकर ग्राधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के ग्राधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1 मार्च 1984

को पृथिकत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान मृतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृबंकित सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके देश्यमान प्रतिफल को स्त्यूह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्नीनिक्ति उद्देश्य में उक्त कन्तरण विविच् में वास्य-जिस कर व वास्य मही कि कर से वास्य मही कर से वास्य मही कि कर से वास्य मही कि कर से वास्य मही कर से वास्य मही कि कर से वास्य मही कर से वास्य मही कि कर से वास्य मही कि कर से वास्य मही कि कर से वास्य मही कर से वास्य मही कर से वास्य मही कि कर से वास्य मही कर से वास्य मही कि कर से वास्य मही कि कर से वास्य मही कर से वास्य मही कि कर से वास्य मही कर से वास्य मही कि कर से वास्य मही कर से वास्य से वास्य मही कर से वास्य से वास से वास्य से वास्य से वास्य से वास्य से वास्य से वास्य से वास्य

- किं नियम पे हुई किसी नाय की नायत वक्त नीय-नियम के अधीन कार दोने के अन्तरफ की धाकित्व में केमी करने या उत्तर्ध क्यने में निवधा के क्रिये; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनतः अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्थारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ का उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास :-- (1) मैसर्स प्रजय बिरुडर्स ।

(मन्तरक)

(2) श्री रतीलाल पुरुषोत्तम शहा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वेक्स संपत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

धक्य सम्मिति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई जी भाषांच हूं---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अजोभ, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित पाँ किए बा सकार्य।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त भाषिनियम, क अध्याय 20-क र पोराभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया निया हैं।

#### मन्त्वी

क्लॉक नं० 21 जो 4थी मंजिल लक्ष्मी निवास एस० नं० 1000 प्लॉट नं० 63 मुल्ड (पश्चिम) बम्बई-80 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमाकी कि सं० प्रई-3/37-ईई/6738/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 भार्च 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक :- 13-11-1984

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन मुचना

## भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-3 अम्बर्द

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/6728/83-84--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्ता अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट गितांजली एक्टेन्शन में, जो, विलेज रोड़ भांडूप बम्बई-78 में स्थित है 'गौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है । और जिसकी करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है विनांक 1 मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वश्य से उसत अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वंने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के सिए; और/मा
- (ब) एसी किसी बाब वा किसी भन या बन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः वष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, शिम्नीलिखित आस्मितयों, अर्थात् :-- (1) श्री जॉन बाप्टीस्ट फास्टो ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रशेण कृष्णदास भाटिया

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति कं अर्वन के लिख् कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित दनार;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवकुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पच्चीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दाों और पदाें का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इ, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय। गया है।

## अनुसूचा

फ्लैट गितांजली एक्टेन्शन में, जो गांव रोड़ भांडूप, सम्बर्द-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कि सं प्रई-3/37ईई/6728/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-84 को राजस्टर्ड किया गया है।

> ए.० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, बस्बई

विनांक : 13-11-1984

मोहर 😫

## शक्य नाह<sup>र</sup>ू दी, एव<sub>ं,</sub> एक<sub>ं,</sub>:-:--:--

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्ष)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984 निदेश सं० आई-3/37-ईई/6890/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

नामकर निभिन्नमा, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निभिन्नमा' कहा गया है), की भारा 269-च के निभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 25,000/- रह. से निभक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 8, जो पाउंड फ्लोर, मयूर महल, एम० जी० रोड़ मुलूंड (पश्चिम), वम्बई—80 स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचीमें और पूर्ण रूपसे वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1981 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के जार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1 मार्च 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करणे का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का मन्त्र प्रतिफल का किए तम प्राप्त के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ६—

- (क) बन्तरण से हुए किसी बाय की बावत, उक्त जिस्तियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सृक्षिभा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए, था छिपाने में सुविधा के लिए;
- कतः अब उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरक में, में, रक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार :---

- (1) मसर्स पिकाक कन्स्ट्रक्शन कंपनी । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती शोभना अस्विन मोदी । "(अन्तरित)

काँ बहु सूचना कारी करके पृत्रोंक्त सम्पृत्ति के वृत्रांन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पद्य सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषिक्ष है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **मन्**त्रची

दुकान नं ० 8, जो ग्राउंड पलोर, मयूर महल,एम० जी० रोड़, मुलूंड (पश्चिम), अम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कर्नि अई-3/37-ईई/68 70/8 3-8 4 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनोक 1 मार्च 1984 को रजिस्ट्रई किया गया है।

> ए० पक्षाद, स**लम** प्राधिकारी स**हायक अ≀यकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन <sup>चें</sup>ज⊸3, **बम्बई**

दिनांक 13-11-1984 **मोहर** ▶ प्ररूप बाईं, टी, एन्, एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनाश 13 नवम्बर 1984

निदेश सं० अई--3/37--ईई/6593/83--84---अतः **गुझे,** ए० प्रसाद,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके रक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मृन्ध 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव युनिट नंव 17, जो रामगोपाल इंडस्टियल इस्टेट, डांव आरव पीव रोड़ मुलूंड (पिक्सिम), बम्बई-80 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारकामा आयक्तर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, खें के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के जार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांच 1 मार्च 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- [क) अन्तरण संहुइं किसी भाग की वाइत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दामित्व में कभी करने या उससे वचने मं सुविधा के लिए; और/मा
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा डै बिष्ह;

नतः नव, उन्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियन व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मससं कोडाको फायबेस ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नवसबेन भनजी शावला । (अन्तरिती)

को यह सूचना अगरी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

# उक्त संपत्ति को कर्पन को संबंध को कोई भी नाक्षेप ध---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तासील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्वित्यों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर संगत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरणः--इसमें अयुक्तं शब्दों और पर्दों का, जो उन्हर अभिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

युनिट नं 17 जो, रामगोपाल इंडस्ट्रियल इस्टेट डॉ॰ आर॰ पी॰ रोड़, मुलूंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि० सं० अई-3/37-ईई/6593/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मार्च 1984 को राजस्टर्ड नियागया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 बस्थई

विनांक 13-11-1984 मोहर प्ररूप कार्च. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के जभीन स्थना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--3, अम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1994

निदेश सं० अई--3/37-ईई/6468/83--84---अत: मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं ० पलट नं 1 11, जो तीसरी मंजिल निर्मान-धीन इमारत "अभिलाषा अपार्टमेंट", प्लाट नं व बेअरींग सी० टी० एस० नं 0 148 6 ग्रॉफ जवाहरलाल नेहरु रोड़ मुल्ड (प) बम्बई-80 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रुप से विणित हैं), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के आर्थालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1 मार्च 1984

को पूर्वो कर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिपात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्ताों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशों से उक्त अन्तरण लिखित मे अस्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (कां) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोन को अन्तरक को शायित्व में कभी करने या उलसे अचने में सृथिधा को लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जिस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

जतः जन्, उन्त विधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण ने, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1), के जधीग, क्विमिलिस्त व्यक्तियों, अधित् क्व---

- (1) मैं तसँ मंत्रों डेव्ह्लानेंट ार्पोरेगन। (अन्तरक)
- (2) श्री भगवानदास गं हरलाल भटट श्रीमती सविताबेन भगवानदास भटट (अन्तारता)

कौ यह सूचना जारी करके पूर्वीवस सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायनाहियां करतः हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी इस से 45 विन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-यद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी को पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पटिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **अनुसूची**

पलट नं० 11, जो तीयरो मंजिल, निर्माणाधीन इमारत अभिनाषो अनार्टनेंट" प्लाट बेअरींग सी० टी० एस० नं० 1466 आफ जवाहरलाल नेहरू रोष, मुलूंड (पश्चिम), बम्बई -90 में स्थित है।

अनुसूबो जैजाकी कि० सं० अई-3/37ईई-6468/83 84 और जो प्रक्षम प्राधि हारी बम्बई, द्वारा दिनांक 1 मार्च 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम पाक्षिकारी सहायक आयक्ष्य आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−3, वस्बर्ध

विनोक्षः 13-11-1984

प्ररूप आर्ड. टी, एन. एस.------

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सचनां

### भारत खरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं० आई -3/37 र्र्ड / 6568/83-84--अत: मुझे, ए०प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मिन, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जित्रकी सं० 19, रामगोपाल इंडस्ट्रियल इस्टेट, जो, छा० राजेंद्र प्रसादकोड़ जवाहर िनेमा के सामनेम् लूंड (पिष्यम) बम्बई 80 में स्थित है (ग्रीर इतसे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विजित है और जिल्हा करारनामा आयक्तर अधिनियम 1961 की धाला 269 ए,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के दार्यालयों में रिजिस्ट्री है दिनांक 1 मार्च

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के उपयमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) तोर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण विश्वित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है रू—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में बाकी करने थे। उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी जाग या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाच प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सविधा के लिए;

बत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) डे उधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों. अर्थाह ः—— (1) में वर्स को डाकों फायबर्स ।

(अस्तरक)

(2) मैसर्स नवरंग इंडस्ट्रिज ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हिनबद्धक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में वियागया है।

## अनुसूची

19, रामगोताल इंडस्ट्रियल इस्टेट जो डा राजेंद्र प्रसाद रोड़, जवाहर जिना के सामने गुलूंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि संव आई-3/37-ईई/6568 83-84 और जो सलम प्राविकारी, बम्बई द्वारा दिनां । मार्च 1984 की रिजिस्टर्न किया गता है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकार सहायक आयार आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

प्रस्य बाई. टी. एन. एवं क्रान्यकान

नायक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-3, वम्बई

धम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निवेश सं० अई ~3/37 ~ईई/6781/83—84 ~—अत: मुझो ए० प्रसाव,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25.000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० गाला नं० 20 जो, ग्राउंड फ्लोर नहार एड गेठ इंडस्ट्रियल इस्टेट, कष्णा सिनेमा के बाजू में एल० बी०एस० मार्ग, भाडूप बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख़, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1 मार्ज 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के खबमान प्रतिफ स के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह चित्रवास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके खबमान प्रतिफल से, एसे खबमान प्रतिफल का पत्कह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) जौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के सिए तम पाना चवा प्रतिफ स, निम्निलिखत उद्देश्य से उच्त अन्तरण जिल्लिक में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया यथा है:—~

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाब की बाबत, उपल जीभीनयम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वथने में सुविभा के लिए; जीर/या
- (क) ऐसी किसी नाय वा किसी धन या नन्य नारित्यों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ मन्तरिती द्वारं प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण की, की, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के प्रधीन, निम्निलिखित व्यक्तिता, अर्थिन, निम्निलिखित व्यक्तिता, अर्थिन, निम्निलिखित व्यक्तिता, अर्थिन, निम्निलिखित व्यक्तिता,

(1) मैसर्स गेठ एण्ड मेहता आसोथिएटस ।

(अन्तरक)

(2) श्री रगविर सिंह

(अन्तरिती)

का वह स्वना जारी करके प्रजेकत सम्पत्ति के वर्जन् के लिए कार्यवाहियां शरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी मृन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्ष्ट्री के पास निवित में किए जा स्कोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

गाला नं० 20 ग्राउड फ्लोर, नहार एण्ड गहा इंडस्ट्रियल इस्टेट कृष्णा सिनेमा के बाजू में एल० बी० एस० मार्ग, मालूप बम्बई-78 में स्थित है )

अनुसूची जैसाकी क० सं० आई-3/37-ईई/6781-83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 1 मार्च 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जैन रेंज-3, बस्बई

दिनांक - 13-11-1984 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत यरकात

कार्यात्तयः, सहायक्ष आयक्षर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, विनांक 13 नवम्बर 1984 निदेश सं० अई −3/37−ईई/6780/63−84——अत: मुझे, ए० प्रसाद,

श्रायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें अभक पञ्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जि कि कि मं ज माला नं 14, जो ग्राऊंड पनी अर नहार एण्ड शेठ इंडस्ट्रियल इस्टेट एलं बी एमं मार्ग, भांडूप बम्बई -78 में स्थित है (श्रीर इत्तसे उपाबड अनुमूची में श्रीर पूर्ण रुप से विणित है), और जिना एक्टरानामा आयार अधि- नियम 1961 की धारा 269 के, खे के अधीन बम्बई सक्षम श्राधि एकी के द्यार्थालय में रिजस्ट्री है दिनां । मार्च 1984 को प्रविक्त कव्यत्ति के उभित्त बाजार मृत्य में कम के स्थमान श्रीरफत के लिए कस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को न्द्र श्रीरशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया

गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित

में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्टियान में मिविधा के लिए:

जतः कथा, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, तकत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीरा निम्नलिजित व्यक्तिसों, अर्थात् ---- (1) गेठ मेहना आसोसिएटस ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स वृंदा एक्सपोर्ट लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति कें अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थ स्टोकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा थी उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

माला नं० 14, जो ग्राऊंड फ्लोर, नहार एण्ड फोठ इंडस्ट्रियल इस्टेट एल० बी० एस० मार्ग भांडूप बम्बई--78 में स्थित हैं।

अनुमूची जैमाकी कर संर अर्ध 3/37 ईई/6780/83-84 और जो सक्षम प्राधिारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मार्च 1984 को रजिस्टई िया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज - 3, बम्बई

दिनांक : 13-11-1984

मोहर:

15 --- 386GI 84

प्ररूप भाई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं अई-3/37-ईई/6532/83-84--अतः मुझे, ए॰ प्रशाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाहार मृत्य 25.000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 3, जो राम गोपाल इंडस्ट्रियल इस्टेट नं 1, प्रिमायसेन को आपरेटिन हाउसिंग सोनायटी मिमिटेड गाउंड फ्लोर डा० आर० पी० रोड़, मुलूंड (पिष्चम) बम्बई—80 में स्थित है (और (इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप स वणित है और जिन्नेण करारनामा आयादर अधि-नियम 1971 की धारा 269 कु,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के लायलिय में रिजस्ट्री है दिनांक 1 मार्च 1984 की

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरकों और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निष्ति में अध्यानिक है किया गया है:--

- (कां) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबता, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने श उसमें अचने में गरियक के लिए; और/या
- को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था दिल्पाने में सविभा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

- (1) मेसर्स वेलहरी ट्रेडिंग कंपनी प्रायवेट लिमिटेड । (अन्तरक)
- (2) मेसस निनल मेटल इंडस्ट्रिज । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर जकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहःताक्षरी के पास लिखिश में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण .— इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्वों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाशित हैं, बही अर्थ, होंगा, जो जन अध्याम में विया गया हैं 1

#### नगसची

3, जो राम गोपाल इंडस्ट्रियल इस्टेट न 1, प्रिमायसेम को-आपरेटीव हाउमिंग सोगायटी लिमिटेड ग्राऊंड फ्लोर, डा॰ आर॰ पी॰ रोड़ मुलूंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई3/73-ईई/6532/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 1 मार्च 1984 को रजिस्टर्ड किया गाया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर**ेक्षण)** अर्जन रेंज~3, *बस्ब*ई

दिनांक : 13-11-1984

प्रस्प बार्ड. टी. एन. एस. - - - - -

भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3 बम्बई

बम्बई, दिनां । 13 नवम्बर 1984 निदेश सं० अई -3/37-ईई/6340/83-84--अत: मुझे, ए० प्रसाद,

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आएए है कि स्थावर संपर्ति, िमसका उचित माजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसको सं० पलट नं० बी-403, जो 4थी मंजीस, श्रीपाम टावर्स टना नेन अलिंग चर्च के बाजू में मार्वे रोड़, मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसदा करारनामा आयक्य अधिनियम 1961 की धारा 269 बा, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि गरी के बायिलिय में रिजर्स्ट्री हैं दिनों े 1 मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल कर पंद्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरिक (अंतरोकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निनिचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण कि लिए त में आस्तिक है सिए तम से सिचत में आस्तिक है सिक्त में सिस्तिक हम से सिचत नहीं किया गया है:——

- (क) बतरण संहूद' किसी अगय की गमतः, उक्छ अधिनियमं के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा कास्त्र(; बार/या
- (स) एकी किसं अध्य या किसी अन या बन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिक्यिम, 1922 (1922 का 11) या उन्देत अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एया था या किया आना चाहिए चा, क्थिन में सुविभा के सिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (१) के वधीन, निम्मलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् ६——

- (1) श्री राम जन्स्ट्रकशन्स प्रायवेट लिमिटेख । (अन्तरक)
- (2) श्री रमेश कुमार सावलराम सरावगी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए का सकी।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आये उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नम्सूची

पलट नं बी—403, जो चोणी मंजील, श्रीराम टावर्सं टन्क लेन ओलेंम चर्च के बाजू में मार्बे रोड, मालाड (प) बम्बई 64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई; 3/37-ईई/6340/ 83-84 और जो सक्षम प्राधि ारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मार्च 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रताद. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज - 3 बम्बर्फ

विनोक 13-11-1984 मोहर : प्ररूप आर्च. टी. एन. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज – 3, बम्बर्द

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं० ग्रई-3/37–ईई/6373/83–84–--ग्रतः मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० दुकान नं० 3, जो प्लाट सी० टी॰ एस० नं० 348 एफ० पी० नं० 5/ए लक्ष्मीनारायण शापिंग सेंटर पोदार रोड़ मालाड (पूर्व) बम्बई-97 में स्थित है (श्रीर इससे उपावज श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1 मार्च 1984 गो

को पूर्वाक्ति सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है आर मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दास्य से उच्त अन्तरण सिचित के बास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाग की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बोर/या
- (का) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनिमम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

जत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण अं, गंं. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीर विस्तिसिक व्यक्तियों, अधीत् ह— (1) श्री मनीज एन० लहेरी

(मन्तरक)

(2) जगजित नथू पटेल ।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जुन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जां भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित प्रदूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थाक्कीकरण: --- इसमें प्रयाक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वप्तुची

पुकान बेग्रारींग नं० 3, जो प्लाट सी० टी० एस० न० 348 एफ० पी० नं० 5 ए, लक्ष्मीनारायण शापिंग सेंटर, पोदार रोड़, मालाड़ (पूर्व) बम्बई में स्थित है।

भनुसूची जैसाकी कि सं. = प्रर्ह-3/37- ६ई/637383-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 मार्च 1984 को रिजस्टडं किया गया है +

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज–3, बम्बई

दिनाक : 13-11-1984

प्रस्प बाइं. टी. एत. एस. ----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ /1) के अधीन स्थना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेज-3, अम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/6782/83-84---ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं इंटायर स्ट्रक्चर ग्राऊंड फ्लोर ग्रधिक 11 फ्लोर्स 11 दुकान ग्रीर 66 फ्लैटस् वासुकी, विद्माविहार बम्बई, 77 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम ग्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1 मार्च 1984

को पृथोंकत संपत्ति के लिखत पाकार सृत्य से कम के श्रयमान प्रतिफल के लिए अंति कि की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथोंकत संपत्ति का जिन्न बाजार मृत्य, उसाई दिश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्त्विक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सृविभा के लिए, और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी भन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया आना चाहिए था, छिपाने में स्विता के लिए;

अतः अवः, उक्त विधिनियम की भारा 269-य के अनुसरण ⊶ुमें, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) दि सोमयुवा ट्रस्ट

(भ्रन्तरक)

(2) प्रपिक लिमिटेड

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सयधी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्दध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकोंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

## अनुसूषी

इंटायर स्ट्रम्चर ग्राउंड ग्रधिक 11 श्रप्पर फ्लोर्स, 11 दूकान ग्रीर 66 फ्लैटस वासूकी विद्याविहार, बम्बई-77 में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसाकी क० सं० ग्राई 3/37-ईई/6782/83-84 ग्राँर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मार्च 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–3, बम्बई

बिनांक: 13-11-1984

मोहहः

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

जाबकः द जिपिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 263-घ (1) के अभीन सुचना

### भारत सरकार

क्ब्रयांक्य, सहायक कायकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं० म्रई-3/37—ईई/672/83+84—म्रतः मुसे ए० प्रसाव,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्टें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वासं कपने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार भूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 209, जो प्लाट नं० 45 राज निकेतन फ्लैट ओनर्स प्रसोसिएणन, एस० वि० रोड़ गोरेगांव (पश्चिम), बम्बई-62 में स्थित है (ग्रौर इससे उनाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है ), ग्रौर जिसका करारतामा ग्रायकर धिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रशीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1 मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य दसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाव की बावत, बक्क अभिनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दिएस्व यो कमी करने या जससे बचने में सविधा के जिए; बीर/या
- (च) ऐसी किसी आय का किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरणः में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीर, निम्नुलिखित व्युक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री प्रकाण एकनाथ ह्याल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जेम्स भ्रन्डयूज ।

(भ्रन्तरिती)

(3) प्रन्तरिती (बह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना आरी करके पूर्वित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्तिः के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन को अविधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना कि तामील से 30 दिन की अविधि, शो भी अविधि बाद में समाधा हाती हो, के भीतर पूर्वाक्त क्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किस् कर सके थे।

# अनुसूचो

पलैट नं० 209, जो प्लाट नं. 45 राज निकेतन एस वि० रोड गोरेगांव (पश्चिम), बम्बई-62 में स्थित है। अनुसूची जैसा की ऋ० सं० श्वई-3/37-ईई/672 83-84 ग्रीर जो सज्जन प्राविकारी, बम्बई द्वारा दिनांक मार्च 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव; सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक : 13-11-1984

# प्ररूप बार्च . ठी . एव . एस : -----

आयफर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

## भारत सरकार

कार्यानय, सहायक भायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं० अई-3/37-ईई/6149/83-84--अत मुझे, ए० प्रसाद,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्स 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसेकी सं० फ्लैट नं० 54, जो, 4थी मंजिल, धनवन्ती को०आपरेटिव हाउसिंग सोकायटी किमिटेड, पेरु बंग, आरे रोड,
गोरेगांव (पूर्व), बम्बई--63 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूचों में ओर पूर्णस्प से विणा है), और जिसहा दारारकमा आयगर अधिक्यिम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के दार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-3-1984,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान गितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार प्रथा, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का ग्ल्यह प्रतिशत से अधिव. है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-म्ल क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहृष्टं किसी माथ की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर योगे के अन्तरक के वायित्व में कभी जरतं या उससे कमने में स्वेषधा के सिए: और/मा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियाँ कार्य क

(1) श्री विश्राम जे० पवार ।

(अन्तरक)

(2) श्री तिलक्षराज राधाकिशन अरोरा ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्मिति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## उक्त सम्मित्त के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख खैं 45 दिन के भीतर उनंत स्थावर सम्पत्ति में हितबहुः किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्वाकरणः -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगेर जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मप्स्पी

फ्लैंट नं० 54, जो, 4थी मंजिल, धनवन्ती को०-आपरेटिव हाउसिंग सोप्तायटी लिमिटेड, पेरु बाग, आरे रोड, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित ।

अनूसूची जैसा कि कि के सं अई-3/37ईई/6149/83-84 और जो सक्ति प्राधित री, बम्बई द्वारा दिनांस 1-3-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भे, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) अं भीन, निवासिकत व्यक्तियों, अथात :--

दिनांक 13-11-1984 मोहर प्ररूप आहूँ. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धार 269-ध (1) के अधीन सचना

# (1) श्री नटबरलाल जी कोठारी ।

(अन्तरका)

(2) श्री आर० ए० गंगानी और अन्य ।

(अन्तरिती)

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अजीत रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांत 13 नवम्बर 1984

निदेग सं० अई-3/37ईई/6203,83-84--अत मुझे, ए० प्रसाद,

इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिलका उचित बाजार मूल्य 25.000/-र संअधिक हैं

और जिसकी संव फ्लैंट नंव 3, जो बिव्हिंग नंव आर -3, ग्राडण्ड फ्लार, पाट नंव 14-ए, एएव लंब 161 (पर्ट), बांगुर नगर, गोरेगांव (प), बस्वई-१९० में स्थित हैं (और इपसे उपस्व जनु-सूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिस्ता वर रनामा आप एर अधिनियम 1961 की धार. 269 ए, ख के अधीन बस्बई स्थित कक्षम प्राधिकारी के कार्यात्य में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-3-1984,

को प्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम कं दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गईं है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आयं की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्रायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या घिसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए?

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारः 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारः 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तितयों, अधीन: --- कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के, लिए

# उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंकड व्यक्तियों में भी किसी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र-में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध निकसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यायः में दिया गया है।

## अनूसू ी

फ्लैंट नं० 3, जो, विल्डिंग नं० आर-3, ग्राउण्ड फ्लोअर, फ्लाट नं० 14-ए, एस० नं० 161 (प.र्ट), बागुर नगर, गोरेगांव (पिचम), बम्बई-90 में स्थित हैं ।

अनुसूत्री जैसा कि ऋ० सं० अई-3,37-ईई,6203/83-84 और जो सक्तम प्राधि प्रसी, बम्बई द्वार दिनाए 1-3-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद पक्षत्र प्रशिकारो सहायक ग्रायकर प्रापुका (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 13--11--1984 मोहर प्ररूप बार्च. टी. एन. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मू (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निबेश सं० अई---3/37-- ईई/6176/83--84----अत भुझे. ए॰ प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचार, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख से अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाण करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं गाला नं 311, जो, तीसरी मंजिल, आशीर्वाद प्रिमायसेस की-आपरेटिव हाउमिंग सोसायटी लिमिटेड, राम मन्धिर रोड, गोरेगांघ (प), बम्बई-62 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-3-1984,

कां प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके एक्यमान प्रतिफाल से एसे इश्यमान प्रतिफाल का पम्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अम्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्वेक्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क्) जन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त झिंध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्निचित्त व्यक्तियों, अर्थात् :---16-386G1/84 (1) मेसर्स श्रीराम फामस्यिष्टिशल्म ।

(अस्तरकः)

(२) मेसर्म चिरंतन इण्टरप्रायजेस ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितनब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदों का, जो उच्च अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गमा है।

# **अ**नस्**र्जी**

गाला नं० 311, जो, तीसरी मिजल, आशीर्वाद प्रिमायसेस को-अगरिटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, राम मन्दिर रोड, गोरेगांव (पश्चिम), बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-3/37ईई/6176/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1984 को रिजम्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-3, बस्बई

विनांक 13--11-1984 मोहर प्रमाप आहाँ, टो. एन. एस्. .-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभा

### प्राह्म प्रह्मान

# कार्यासय, सहायक बायकर नामुक्त (निरुक्तिन)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश मं० अर्द-3 37र्दर्श 6169/83-84--अतः मुसे, ए० प्रक्षाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की 'धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और चिसको सं हुकान नं 7, जो ग्राउंड फ्लोर, श्रीराम टॉवर्स, टैन्क लेन आर्लेम चर्च के बाजू में मार्वे रोड सालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है (और इससे एफ बड़ क्ष्मूची के आर पूर्ण रूप से विणित है और जिल्लक जनस्याम आयाम अधिनियम, 1961 को धारा 269 का, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिन कारी के बार्यालय में रजिल्ही है, दिसांग 1-3-1984,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिषति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विय से उक्त अन्तरण मिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आयुक्त बावतु, क्यतः भित्रित्यम के भिर्मत कर देने के सन्तरक के दासित्य में कभी करने वा उससे ब्यन में सुविधा के सिए; सर्दि/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (॥) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्री राम कन्स्ट्रक्शन्स प्राइवेट लिमिटेड । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती पी० आर० दुवे । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

जनत संपरित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, यो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (य) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वपुष्यी

दुक्तान नं० 7, जो ग्राउण्ड फ्लोअर, श्रीराम टावर्स,टैन्क लेन, ओर्लेम चर्च के बाजू में, मार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कि अई-3/37ईई/6169/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-3-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी महायक आयवार आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, वस्बर्ड

धिनॉक 1 13--11-1984 मोहर 1 प्रकृष् बाइ . टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के मभीन स्वना

### भारत सूरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निवेश मं० ग्राई-3/37ईई/6383/83-84--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पर्वचात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहे. से अधिक ही

भीर जिसकी सं० पलैट नं० 106 जो पवनपुत्र को० श्राप० हाउसिंग सोसायटो लिमिटेड पवनवाग, चिनोली, पाठक रोड, मालाड (प) बम्बई-64में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपावड श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर भाधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं दिनांक 31-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए बन्ति एत की गई है और मृत्रे यह विस्तास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त्रितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्क्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसस बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या नन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्-प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिकत क्यंक्तियों, अर्थीत् हः—

(1) श्रो विष्णु गुरनाथ रामदुर्ग ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री फजल हुसैन भ्रन्सारी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृत्रीक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

इश्त संपति, को अजन को संबंध माँ कार्ष भी भाक्षेप :---

- (क) इस स्चेना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्योनितयों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्योक्तियों में से किसी क्योक्त बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ब्याहस्ताक्षरी के पास सिविदा में किए था सकेंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त कन्यों और पदों का, जो उक्त प्रिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुनि कर्ष होगा, जो उस मध्याय में दिया गया

## बगुल्बी

पलैट नं 0 106, जो बिल्डिंग नं 2, 1ली मंजिल, प्रवनपुत्र को अप्रपरेटिव हाउसिंग सोसायटो लिमिडेड प्रवनबाग चिंचोली, पाठक रोड मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है। ध्रनुसूचो जैसा कि का सं धर्म-3/37ईई/6383/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई ब्रारा दिनांक 1-3-1984 को रिजस्ट किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) प्रजैन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 13--11-1984

मोहर 🛭

प्ररूप जाई.टी. एन. एस------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क्त्रयांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजंन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निवेश सं० म्रई-3/37ईई/6408/83-84--मत: मुझे, ए० प्रसाध

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 12 जो दूसरी मंजिल प्लाट नं० 16-ए सी० टी० एस० नं० 432 विलेज वालनाय जे० बी० कालोनी ग्रोलेंम मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा भायकर श्राधिनयम 1961 को धारा 269 क ख भ्रष्टान बम्बई के स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्रों है विनाक 1-3-1984

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त अंतरण विचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसित्रयों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

जतः अव, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त निधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1), के अधीन, निध्नितिषत व्यक्तियों, जशत् (1) मेसर्स ग्लेण्डले इंटरप्राइजेस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री लुईश मादराव !

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्य-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में विया गया है।

## अनुस्ची

फ्लैट नं ० 12 जो दूसरी मंजिल प्लाटनं ० 16-ए सी०टी० एस० नं ० 432 विलेज बालनाय जें बी० कालोनी ध्रोलेंस मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है ।

प्रनुसूची जैसा कि क० सं० घर्ड-3/37ईई/6408/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है.।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 13-11-1984

प्रकप आर्ष. टी. एन. एस. -----

बाक्कर वरिशीयवर्ग, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के बभीत् सूचना

### भारत संरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-3, बम्ब**र्द** बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं० ग्रई-3/37ईई/6336/83-84-- प्रतः म्झे, ए० प्रसाद

भायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार 25,000 /- रः. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 10 दूसरी मंजिल प्लाट नं० 16-ए सी० टी॰ एस० नं० 432 विलेज वालनाय जे॰ बी॰ कालोनी म्रोलॅम मालाङ(प) बम्बई-64 में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा श्रायकर भ्रधिनियम को धारा 269 क ख के श्रधोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रोहें दिनांक 1-3-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उपित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मुल्य, उसके कायमान प्रतिफल से, एसे कायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित मुद्दी पुरुषा गया है 🦫

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निमम को अभीत कर दोने को अन्तरक को बाग्रिय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (वा) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय वायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम या भन कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा ने फिए;

अत: अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसारण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) 🚅 मधीन, निम्नुलिखित स्पृत्तित्यों, जथात् 🖫 —

(1) मेससँ ग्लेण्डले इंटरप्रायजेस ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रिचर्ड लोबो।

(भन्तरिती)

को यह सचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित को वर्णन को जिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सचना को राजयत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्द म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (था) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय 'से 45 विन को भीएर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वयुभ किसी वत्य व्यक्ति दुवारा अधोष्ठस्ताक्षरी 🛋 पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त वर्षिनियमं के कथाय 20-क में परिभावित हु, वही नर्थ होगा वो उस सभ्याय में विया गया है।

# अनुसूची

पैट नं ० 10 जो दूसरी मंजिल प्लाट नं ० 16ए सी ० टी ० एस० नं० 432, विह्लेज कालनाय, जै० बी० कॉलनी, ओर्लेम मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-3/37ईई/6336/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरोक्षण) मर्जन रेंज-3, बध्बई

दिनांक : 13-11-1984

प्रकृप बार्ड .टी . एन . एस . -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्भाग

#### भारत तरकार

कार्यासय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

म्रजॅन रेंज-3 बस्बई,

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं० **अ**ई-3/37ईई/6280/83-84---- प्रतः मुझे <sub>न</sub>

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

घौर जिसको सं० फ्लैटनं० 5 जो पहलो मंजिल प्लाट नं० 16-ए सी०टी० एस०नं० 432 विलेज वालनाय जे०बी० कालोती घोर्लेम मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है घौर जिसका करारनामा ग्राय कर ग्रीधिनयम 1961 का धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारा के कार्यालय में रिजस्ट्रो हैं दिनांक 1-3-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य स कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तर (अन्तरकों) और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जम्मरण कि लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जम्मरण कि लिए त्य

- (क) अन्तरण से क्रुइं किसी आय की आयत, उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्व भो कभी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; आर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था कियाने में सविधा के सिद्धाः

अतः अव उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भे, मे, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलुखित व्यक्तियों, अधितः— (1) मेससं ग्लेण्डले इंटरप्राइजेस ।

(भन्सरक )

(2) श्री बी० टी० गोन्सास्वीज ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रीक्त संपरित की अर्जन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वमा के राजपन में प्रकाशन की तारींच हैं 45 दिन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो और अनिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्यों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकरें।

स्यव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त खब्दों और पर्योका, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

# नग्तुची

फ्लैटनं ० 5 जो पहली मंजिल प्लाट नं ० 16-ए, सी०टी० एस०नं ० 432 विलेज वालकाय जे० बी० कालोनी धोर्लेम मालाइ (प) बम्बई-64 में स्थित हैं।

श्रनुसूचो जैसा कि क० सं० श्रई-3/37ईई/6280/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त(निरीक्षण) भजैन रेंज-3, बम्बई

विनाम : 13-11-1984

मोहर

प्र**रूप भार**्य टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यासय, बहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-3, वम्बई

्बम्बई, दिनांक 14 नवम्बर 1984

निवेश सं० म्रई-3/37ईई/6677/83-84--म्रतः मुझे, ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसको सं० 8, मणो भवन, डा मामलतदावाडी, माला (प) बम्बई-64 में स्थित है (भीर इससे उपाबड अनुसूची में और श्रीर पूर्ण क्य में वर्णित है)/श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 को धारा 269 के ख के श्रधोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्रों है दिनांक 1-3-1984 को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उधित बाजार मृन्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, असके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थयमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिक का पन्तर का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, असके स्थमान प्रतिक से, एसे स्थयमान प्रतिक का पन्तर प्रतिक का स्थाप पन्तर प्रतिक का पन्तर प्रतिक का स्थाप प्रतिक का पन्तर प्रतिक का स्थाप प्रतिक का स्थाप प्रतिक का स्थाप स्थित का स्थाप स्थित का स्थाप स्थित का स्थाप स्थ

- (क) जन्तरण ते हुई किसी आयु की वावत, उक्त अधिन्यम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके वचने में भृतिभा भी सिए; बृहि/या
- (क) इसी किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत् अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती ब्वारा प्रकंड नहीं किया नया या या किया जाना वाहिए जा कियाने में सुनिवा के दिल्या

बतः व्या, उपा विभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उपात अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्नित्वित व्यक्तित्वों, अधीत् क्ष— (1) श्री सुहास जो० राहरकर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो दिलियकुमार सी० व्होरा।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सभ्यत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्परित के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बालेयु १--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर अविकरा में से किसी अधिक व्यापाः
- (ख) इस तुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रन्सुची

8, मणीभवन, जो, मामलतवावाडी, मालाङ (प), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि से श्रई-3/37-ईई/6677/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनोक 1-3-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद **बक्ष्म प्राधि**कारी सहायक स्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नजैन रेंज~3, **बम्ब**ई

दिनांक : 14-11-1984

# इक्द बार्च ् टी , एन , एव . -----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन व्यवना

### हाइच् च्डमाड

# कार्यालय; सहायक आयश्वर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, विनांक 14 नवम्बर 1984

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परभर्द 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000/- रा. से अधिक हैं

भीर जियकी सं० फ्लैंट नं० 48, जो, बाफ हीरा नगर, मार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई में स्थित है भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणतं रे) । श्रीर जिसका करारनामा आयकर भाधिनयम 1961 को धारा 269 क ख के अशोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र्राजस्ट्री है दिनांक 1-3-1984

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुस्ते यह विध्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से, एसे इध्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक इप से किथित नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उक्त अधि-नेप्रयम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/वा
- (का) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27, के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः कथा, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण थीं, मीं तक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीर, निस्तिनिक्त व्यक्तियों, अर्थात ह—

- (1) बाफ होरा बिल्डर्स प्राथवेट लिमिटेड ।
  - (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एम० एन० देश पांडे श्रीर श्रन्थ । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृत्रोंक्त स्म्यतित् को वर्षन् को निक् कार्यवाहियां शुरु करता हो ।

# सन्द सम्पारत के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नंपीरत में हित-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया क्या है।

# वन्त्यी

फ्लैट नं० 48, फो, बाफ हीरा नगर, भावें रोड, मालाङ (प), बम्बई में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि ऋ० सं० म्बई-3/37-ईई/6411/843-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ग्रारा विनांक 1-3-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सद्दायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 14-11-1984

मोहर ः

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43). की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

धम्बर्छ, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निवेश सं० म्रई-3/37ईई/6793/83-84--म्रतः म्झे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वार करां का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार, मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्नौर जिसकी सं० दुकान नं० 9, जो ग्राउण्ड क्लोग्नर, सम निर्मल ग्रपार्टमेंटस्, प्लाट नं० 539, निस्म नेन, मालाड (प) बम्बई—64 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपावज्ञ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विज्ञात है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 11-3—1984

को पूर्विक्ष संपर्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती रिसी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिम्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

वत: बंब, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में मैं. उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अभात् :---

(1) श्री मनेण बी० णहा भ्रीर श्रीमती गिता एन० गहा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जयन्तीलाल दानमल णहा ।

(भ्रन्तरितो)

कां यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

क्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ए----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितमब्ध किसी अन्य ध्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत श्रीधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## ननस्पी

दुकान नं ० 9, जो ग्राउण्ड फ्लोग्नर, सम निर्मल ग्राथार्टमेंटस, प्लाट नं ०.539, निर्मंग लेन मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है।

श्रानुसूची जैसा कि कि सं श्राई-3/37ईई/6793/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1984 की रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 13-11-1984

मोहर ३

17-386GI/84

प्रकृषे बाहाँ . टी . एन , एस . ------

बायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

नि**≩**श सं० **ग्रई**−3/37ईई/6300/83~854**~~ग्र**तः मुझे, ए० प्रसाव

शासकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 9, जो, ग्राउण्ड फ्लोग्नर, श्रीराम टावर्स, टैन्क लेन. ग्रोर्नेम चर्च के बाजू में, ग्राफ मार्बे रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण स्प से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्राधियम 1961 की धारा 269 क ब के ग्रश्नोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं विनांक 1-3-1984;

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृबंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के द्यायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृत्रिधा के लिए; और/या
- (वा) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाए प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

जति । जनते जनते जिल्लाम की भारा 269-ग के अनुसरण में , में दे उसते अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (१) के अभीन , निस्तिजिसित व्यक्तियों , अभीत है —

- (1) श्री राम कन्स्ट्रवणन प्राइवेट लिमिटंड (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमता कृष्णादवो पो० तिवारी । (श्रन्तरितो)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य क्यक्ति ब्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिभीनयम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ कोगा, जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

### ara wh

दुकान नं० 9, जो ग्राउण्ड फ्लोग्नर, श्रोराम टावर्स, टैन्क लेन, ग्रोलेंग चर्च के बाज में, मार्वे रोड्मलाड (प), वस्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूनो जंसा कि क० स० श्रई-3/37ईई/6300/83-84 श्रीर जो मक्ष्म प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज∼3, बम्बई

विनांक: 13-11-1984

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के स्थीन सुचना

## भारत् सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 नवम्बर 1984

निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/6190/83-84--श्रनः मुझे, ए० प्रमाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पृतित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 16, जो, ई/4 बिल्डिंग 4थी मंजिल सुन्दर नगर मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप ने विणत हैं/भौर जिसका करार-नामा श्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के स्रधोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-3-1984

को प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्ते यह निर्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तम् पाया गया इतिफल, निस्निचित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निच्छ, में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की यावत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे व्यने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसे किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा वहीं लिए॥

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्री ए० एस० शिगदर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० एम० पांडव ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राष्प्त्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीक रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्त्र्यो

फ्लैट नं० 16 जो बिल्डिंग/ई.4 चौथी मंजिल, मुन्दर नगर, मालाड (प), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूत्री नैसा कि करु सं० ग्रई-3/37ईई/6190/83-84 शौर जो पक्षम प्राधिकारा त्रम्बई द्वारा दिनाक 1-3-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 14-11-1984

मोहर ः

प्ररूप आइ⁴.टी.एन.एस.\_-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3. बस्बर्ष

धम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं० अई-3/37ईई/6400/83-84--ग्रतः मुझे ए० प्रसाद

आयक शिविषम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० सी०-505 जो 5वीं संजिल श्रीराम टावर्स टैन्क लेनं श्रोलेंम चर्च के बाजू में मार्वे रोड मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के खे के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्ष्म प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है विनांकई 1-3-1984 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं कया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी जाग या किसी धन या जन्म बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अराः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के क्यीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री राम कन्स्ट्रक्शन्स प्राइवेटड लिमिटे। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री गौर हरीनाथ । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोचन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्स्ची

फ्लैट नं शिंड-505 जो 5शी मंजिल "श्रीराम टावर्स" टैन्क लेन श्रोलेंम चर्च के बाजू में मार्वेरोड मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-3/37गईई/6400/83→84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारों बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (तिरोक्षण) श्रजैन रेंज-3 बम्बई

दिनांक : 13-11-1984

प्ररूप बाड . टी. एव. एस. ------

प्ररूप बाइः टा.एन. एस. --

भायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

### गारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई  $_{-}$  बम्बई , विनांक 13 नवम्बर 1984 निदेश सठ० अई-3/37ईई/6578/83-84---अतः मूझे ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-छ. से अधिक हैं

और जिसकी सं ि निलामणि दुकान नं र 1, जो, घाटकोपर निलमणि को-आप हा उसिमं सोसायटी लिमिटेड, नवरोजी, सेन, एन० नं र 2, सर्वे नं र 7.6 करानी रोड, किरोल विलेज, घाटकोपर यम्बई-86 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्णस्य से वणित हैं) ओर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रजिस्टी है, दिनांक 1-3-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उम्बत बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विष्णास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृश्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (च) एसी किसी बाय वा किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय बाय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब उक्त विभिनियमं की भारा 269-ग के जनुसरक मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (१) को अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अधीतः :— (1) श्री हितेश हंसराज पटेल ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्म लक्ष्मी ट्रेडर्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपत्ति के वर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेत्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण : -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **म**न्स्**थी**

निलामणि दुकान नं० 1, जो, घाटकोपर निलमणि को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, नवरोजी लेन, एच० नं० 2, सर्वे नं० 67, करानी रोड, विलेज, घाटकोपर, (प), बम्बई--86 में स्थित हैं।

अनूसूची जैसा कि ५० स० अई-3/37-ईई/6578/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, **बम्बर्फ** 

दिनांक 13--11--1984

# प्रक्ष नार्द् टी प्रनः एसः -----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) करी भारा 269-व (1) को अभीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निवेश सं० अई- 3/37ईई/6678/83-84--अतः मुक्षे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० युनिट मं० 202, जो. दूसेरी मंजिल, महावीर दिप इंडस्ट्रियल इस्टेट, 167, विधानगरी मार्ग, सांताक्षेज (पूर्व), बम्बई-98 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं)/और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित राक्षम प्राधिकारी के कार्यानय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-3-1984

को पूर्वीक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उच्यमान प्रतिफल से एसे उच्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, कियाने में सविधा को लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेसर्स दुराडेक इंडस्ट्रियल कारपोरेशन ।
  - (अन्तरक)
- (2) श्री देसमोंड फनीडिस और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्वन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

, उक्त सम्पर्तिः के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्का के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पाका करणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

#### अतमची

युनिट स० 202 जो, दूसरा माजल, महाविर दिप दड-स्ट्रियल इस्टेट, 167, विद्यानगरी मार्ग, सांताकूज (पूर्व), बम्बई-98 मे स्थित है।

अनूसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/6678/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, क्षम्बई

दिनांक : 13--11--1984

प्ररूप जाई.टी.एन.एस. -----

नायकर निधिनयन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन स्चना

### शास्त् इडकाइ

# कार्यासम, सङ्घायक भागमर जागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—3, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 नवम्बर 1984 निदेण सं० अई—3/37—ईई/6633/83→84——अतः मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें व्हसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्व 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी म० फ्लैंट नं० 15, सत्यम, प्लाट 161, घाटकोपर जय मंगल को-आप० मोमायटी, गरोडियां नगर, घाटकोपर, (पूर्व), बम्बई मे स्थित हैं (और इसमे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण क्प मे बणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रिकस्ट्री है, दिना 1-3-1984,

को पूर्वे क्रित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिक क्रिन विश्वतियों विश्वया यथा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, खकत अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के शाबित्य में क्रमी करने या उच्छे वचने में सुनिया के लिए; आंटि∕या
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या नन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय नाय-कर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए;

बतः जब, उनत निधिनियम की धारा 269-ग के जन्तरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के. अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नुभौत् ६-- (1) श्री एम० श्रीनिवासन् ।

(अन्तरक)

(2) श्री अध्य एम० मेहना।

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
  - (च) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा सभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों में।

त्युक्तीकरणः - इसमें प्रयुक्त सन्धीं जार पदों का, चो, सक्स विधिनयम, के बध्याय 20-क में प्रिशाचित है, वहीं वर्ष होगा चो उस अध्याय में दिवा गया है।

# वन्स्यो

फ्लैंट नं० 15, जो, सत्यम प्लाट 161, घाटकोषर जय मंगल को---आपरेटिय सोसायटी, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई सें स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/6633/83-84 और जो सक्षम प्रीधिशारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, वस्बई

दिनांक : 14-11-1984

प्ररूप आई दी एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, वम्बई वम्बई, थिनांक 13 नवम्बर 1984 निदेश सं० अई-3/37ईई/6621/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने अभ कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 402, जो, 4 थी मंजिल, क्पाडिया नगर, सी० एम० टी० रोड, फुर्ली (प), बम्बई – 70 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण स्प में वर्णित है) और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख कें अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-3-1984.

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के अधिन्य में कमी करने या उक्क अभने में सविधा के लिए; और/या
- (था) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, चिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा जै किए;

नतः जब, उक्त निधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) मेसर्स दिपक श्रिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती बद्गुनिसा आय० खान । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

पर्लैट नं० 402, जो. 4थी मंजिल, बिल्डिंग नं० 7, कपाडिया नगर, सी० एस० टी० रोड, कूर्ला (प), बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० मं० अई-3/37ईई/6621/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1:3-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी महायय आयवार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-३, वस्बई

दिनांक : 13-11-1984 मोहर : प्रकर बार्ष: टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भादा 269-म (1) के अधीन सुचना

### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयंकर जायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं० अहै-3/37-ईई/6623/83-84-अन: मुझे, ए॰ प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की भारा 263-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव फ्लैट नंव 207, जो, दूसरी मंजिल, कपाडिया नगर सींव टींव एसव रोड, कुर्ला (प), बम्बई सें स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची सें ग्रीर पूण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय सें रिजस्ट्रें है, दिनांक 1-3-1984,

के पूर्वोक्त सम्परित के उणित बाजार मून्य से कम के श्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संशापूर्वोक्त सम्परित का उणित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एके श्रथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तर्भारितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तिक इस से किया गया है :---

- (भन) अन्तरण सं हुई किसी आय की बायस, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; श्रीर/था
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था जियाने में स्थिया के लिए;

जल: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिसिक्त म्युक्तियों, जर्मात् ६— 18—386GI 84 (1) विपक विस्डसं प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) भी अभ्युल करोम शेख एस० राजपूरकर । (अतरितो)

का यह स्थमा जारी करके प्यक्ति सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आजेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाधा होती हों, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया शया हैं।

# धनुसूची

पलट नं ० २०७७, जो, दूसरी मंजिल, बिस्डिंग नं ० ८ कपाडिया नगर, सी० टी० एस० रोड, कुर्मा (पश्चिम), बम्बई-70 मैं स्थित है।

अनुसूर्या जसा कि ऋ० स० अई-3/37-ईई/6623/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा विनांक 1-3-1984 को रजिस्टब किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम् प्राधिकारो सहायक आयकर प्रायुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-3, वम्बर्ष

विनांक : 13-11-1984

मोह्नर:

प्रकृप बाइंटी. एन. एस. ----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ल (1) के सभीन सुचना

### भारत सबकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज−3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं॰ अई-37-ईई/6639/83-84--अतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिमियत' कहा गया है), भी धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ष्मीर जिसकी सं० ए प्लाट आफ लैण्ड बेऑर्ग एस० नं० 303, एच० नं० 10(पी) श्रीर 11(पी) श्रीर वेऑर्ग सी० टी० एस० नं० 5683 वलेज आफ कोलेकल्याण वाकोला, सांताश्रुज (पूर्व), सें स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मैं श्रीर पूर्ण इस से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 19.61 की धारा 269 क, ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफन के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वोध्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की वायत, उक्त अभिनियम के अभीन कर इंने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने श उससे अचन मा स्विधा के शिनाए. बार्/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों के जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया भा या किया जाना चाहिए था, ख्रिपान यें स्विधा के आए;

कतः अब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) श्री डोरोधी मेंडेस ग्रीर अन्य ।

(अंतरक)

(2) मेससै गोल्डन कन्स्ट्रमशन कम्पनी ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्शि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया हैं।

# बनुस्ची

ए० प्लाट आफ लैंग्ड बेअरिंग नं० एस० नं० 303, एस० नं० 10(पी) और 11(पी) और बेअरिंग सी० टी० एस० नं० 5683, विलेज आफ कोले कल्याण वाकीला, साताकुज (पूर्व), अम्बई में स्थित है।

अनुसूचों जैसा कि कि कि अई-3/37-ईई/6639/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सञ्जम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनोंक : 13-11-1984

प्ररूप आइं.टी.एन.एस :-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं० अई-3/37-ईई/6150/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इंसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० दुकान नं 10, जो, प्राजण्ड फ्लोर श्रीराम टावर्स, टैंक लेन, श्रोलेंम चर्च के बाजू में, मार्थे रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच। में श्रीर पूर्ण- रूप से विण्त है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269 के, ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय में रिजस्ट्रा है, दिनांक 1-3-84, को पूर्वोक्त स्म्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इर्यमान प्रतिफल से एसे इर्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्यः आस्तियाँ का जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीय, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीः राम कन्स्ट्रम्मन प्राइवेट लिमिटेड ।
  - (अन्तरक)

(2) श्रां स्टैन्ले डिसाजा भीर अन्य ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की उविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की गबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधिरियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

दुकान नं ० 10, जो, ग्राउण्ड फ्लोर, श्रीरं राम टावर्स, टैन्क लेन, ग्रोलेंम चर्च के बाजू में, मार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि क्र॰ सं॰ अई-3/37ईई/615083-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद संक्षम प्राधिकारो संज्ञायक आयक्तर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेज-3, बम्बई

विनांक : 13-11-1984

# प्रकल बाइं.टी.एन.एस. -----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सुचना

### नारत तरकार

कार्याक्षय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

श्रम्बर्ध, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निषेश सं० वर्ष-37६६/6622/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकार निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया हैं), की धार 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एउ. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० पल ट नं० 4, जो, ग्राउण्ड पलोर, कपाडिया नगर, सं१० एस० टो० रोड, कुर्ला (प), बम्बई-70 में स्थित है। (श्रीर इसके उपाबक्ष अनुसूर्यों में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को घार. 269 क, ख केअधोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रों है, दिनांक 1-3-1984,

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाधार मृस्य से कम के दूर्यमान प्रिक्षिक के लिए अन्तरित की गईं हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्मित का उचित बाजार मृस्य उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकार) और बंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए द्रथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिक रूप से कांचर महीं किया गया है

- (क) अध्यरण वं हुई किसी बाय की नावत, उक्स अधिनियम के अधीन कार्योंने के अन्तरक को दामिला में कमी कारने ना उससे बचने में सुविधा के सिए; वरि/वा
- (क) एसी किसी जान या किसी धन या जल्य कारित्य का किसी आग सामित्र की धिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरियी इवारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, फियाने में सविधा के निय;

जतः सव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) वीपक बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) श्रंः अब्बुल कुदूर मोहम्भव हुसैन ।

(अन्तरितो)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्परित के अर्जन के लिए कार्य-नाष्ट्रियों करता हुं।

उनत संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षण:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी स्पक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवींक्त व्यक्तियों में से किसी स्थिक्त द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिबित में किए जा सकती।

स्पट्टीक रणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा हैं।

# नग्रुची

प्लैट नं ० 4 जो, ग्राउण्ड,्भनोर, बिल्डिंग. 19. कपाडिया नगर सी ० टी ० एस० रोड कुर्ली (प) बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-3/37-ईई/6622/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनोक 1-3-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ा० प्रतात सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)** अर्थन **रेंज**—3, **बम्बई** 

दिनांक : 13-11-1984

प्ररूप आहे.टी.एन.एस.-----मैसर्स श्रो राम कन्स्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड

(मन्तरक)

श्री चितामणी झुरुराम पांडे भौर भन्य।

(भग्तरिती)

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

## भाउत् स्रकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रजंन रेंज-3 बम्बर्ड

बम्बई, दिनाक 13 नवम्बर 1984

निर्देश सं ॰ श्रई-3/37-ईई/6299/83-84--यतः म्भू, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 ∕-रुत. से अधिक हैं

और जिसकी संबद्धान नंव 3, जो, ग्राउंड फ्लोर, श्रीराम टांवर्स, टैन्क लेन, ऑर्लिम चर्च के बाज में, मार्चे रोड, मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है (भीर इससे उपाबद: अनुसूर्च। में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनाम, आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्दे। है तारीख 1 मार्च 1984 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाें) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया

गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित

में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया 🐉 :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क्र) एेसी किसी अगय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्ह<sup>ें</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाष्ठिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की अवधि, ओं भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मंकिए जासकोंगे।

ल्पच्डीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

दुकान नं० 3, जो ग्राउंड क्लोग्रर, श्रीराम टौंबर्स, टैन्क लेन, ग्रोलेंग चर्च के बाजु में, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है। भनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भई-3/37-ईई/6299/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-3-1984 को र्राजस्टडं किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक गायकर भायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, धम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनसरण मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् 🖫--

तारीखा : 13-11-1984

# प्ररूप नाध्<sup>र</sup>. टी. एम्. एस्.,------

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

### भारत चरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायकत (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निर्देश सं॰ **मई-**3/37-ईई/6404/83-84---यतः भुक्षे, ए॰ प्रसाद

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

धौर जिसकी सं ० दुकान नं ० 14 है तथा जो ग्राउंड फ्लोअर, श्रीराम टॉवर्स टैन्क लेन, श्रोर्लेम चर्च के बाजू में, मार्बे रोड़, मालाड (११). बम्बई-64 में स्थित है (धौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारमामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1 मार्च 1984

कां पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रोतिफ स के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सांपर्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का सन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिश्चित में गास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी भाष की बाबत उक्क अधिनियम के अधीन कर दीने के अस्तरक, व दायित्व में कमी करने या उससे बचने थे सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छियाने में सिवधा के सिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अन्सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- 1. मैसर्ल श्री राम कन्स्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड । (भ्रन्तरक)
- 2. श्रोमतो कॉन्सेटशन एम० वी० कोरिया धौर धन्य। (धन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करला हुं।

उक्त संपत्ति के गर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की खबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत स्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिम्बिन में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दौं और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया **ह**ै।

### *श*न्**स्**वी

दुकान नं ० 14 जो आउंड फ्लोग्नर. श्रीराम टॉवर्स, टैन्क लेन, श्रोलेंग चर्च के बाजू में, मार्वे रोड़, मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूचो जैसाकि क० सं० अई-3/37-ईई/6404/83-84 और जो सज्ञम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1984 की राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक **पा**यकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रॅंज-3. **बस्बई**

दिनांक : 13-11-1984

मोहर 🖟

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्थना

### भारत सरकार

कार्यां लय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-3. बम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निर्देश सं० **ग्रई**-3/37-ईई/6311/83-84---यतः मुझे. ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० सी-304 है तथा जो 3रो मंजिल, श्रीराम टावर्स, टैन्क लेन, श्रीलेंम चर्च के बाजू में, मार्वे रोड़, मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ओर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रिविसम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1 मार्च 1984

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिबत में अस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण मं हुइ किसी आय की बाबस, खेक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-फर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण जों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—--

- मैसर्स श्री राम कन्स्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री केशरी तन्दन डी० अग्रवाल ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्म्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकैंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## मन्स्पी

फ्लैट नं० सी-304, जो 3री मंजिल, श्रीराम टावसं, टैन्क लेत, ध्रोर्लेम धर्च के वाजू में, मार्वे रोड, मालांड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

मनुसूची जैसाकि कि॰ सं॰ मई-3/37/ईई/6311/83-84 भौर जो सक्तम प्राधिकारों बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-3, बस्बई

तारीख: 13-11-1984

मोहर 🖫

**प्रकृ**ष भाष<sup>\*</sup>. टी. एन. एस. अल्लान

भाथकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीम स्वना

### भारत सरकार

भार्यासय, महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, बम्बर्ड

बम्बई, विनांक 13 नवम्बर 1984

निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/6359/83-84--यतः मुझे, ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उंकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित नाधार मृत्य 25,000/- उ. सं अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० सी-4 है तथा जो दूसरी मंजिल, श्री राम टावर्स, टैन्क लेन, श्रोलेंग चर्च के बाजू में, मार्बे रोड़, मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा आयकर मधिनियम 1901 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षन प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री ह, तारीख 1 मार्च 1984

को पूर्वेक्ति सम्परित के उणित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान शौतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपरित का उणित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्रम निम्नसिक्ति उन्वरेग से उक्त बन्तरण सिक्ति में शस्तिबक क्रम स कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आयत उक्त अधि नियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे स्थने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी जाब वा किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्य जन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा वे विद;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसियत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मैसर्स श्रो राम कन्स्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड । (भ्रन्तरक)
- 2. श्रो रंक्स एम० डोमेलो

(भन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके प्रयोकत सम्परित के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित को वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पर्योक्त लगित्तयों में से सिस्सी स्वित द्वागा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हित-वृष किसी अन्य व्यक्ति वृवार अधोहस्ताक्षरी के शास लिखिन भी किए जा सकती।

.स्थर्क्सीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह°, वही अर्थ द्वांगा जा उस अध्याय में दिया नया है।

### अनुसूची

फ्लैट नं बो-4 जो दूसरो मंजिल, श्री राम टावर्स, टैन्क लेन, श्रीलॅम चर्च के बाजू में, भावें रोड़, मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है।

धनुसूची जैसाकि क० सं० धर्ड-3/37-ईई/6359/83-84 धीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जनरेंज-3, बस्बई

सारीख: 13-11-1984

### त्रकम आहे. टी. एव. एस.: -------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निर्देश सं० भ्रई-3/37-ईई/6165/83-84--यतः मुझे, ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० बी-204 है तथा जो दूसरी मंजिल श्रीराधना, किसान रोड़, मालाड (प०) बम्बई-64 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबढ़ धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन 1 मार्च 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापृत्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाचार बृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकल से ऐसे व्यथमान प्रतिकल का बल्ग्ड् प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (बंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे बन्तरण के भिए तम बाबा बबा प्रतिक क्य निक्वितियाँ स्वयंदिक के बच्च वंतरण विविद्य में बास्त्रीयक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) कलरण वं हुई किवी भाव का बाबत व्यव विध-रित्यम के मधीन कर दोने के बंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए बीर/मा
- (व) ध्रेसी किसी नाव वा किसी थय वा अन्य आस्ति की, जिन्ही भारतीय शासकर निधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उचल निधिनियन, वा धन-कर विधिनियन, वा धन-कर विधिनियन, 1957 (1957 का 27) वे प्रधोचनार्थ ज्ञारिती स्वारा प्रकट नहीं किया प्या का वा किया नाम चाहिए था, कियाने में जीविधा वे किसी

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 1. श्री प्रशोक कुमार के० देवरा

(श्रन्तरक)

2. श्रीपवनकृमारबी० झुनझुनवाला

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लि.. कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ज्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हिन्छव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी हो पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय भें दिया गया है।

#### प्रनुसूची

फ्लैट मं० बी-204 जो तूसरी मंजिल श्राराधना, किसान रोड, मालाड (प०) बम्बई-64 में स्थित है।

धनुसूची जैसाकि क० सं० धर्ड-3/37-ईई/6165/83-84 धौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1984 को रजिस्टड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

सारीख : 13-11-1984

प्ररूप बाइं. टी. एन. धुस. ---- ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

#### भारत सर्कार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नधम्बर 1984

निर्देश सं० प्राई-3/37-ईई/6719/83-84---धनः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० यूनिट नं० 126 है तथा जो पहली मंजिल, हीरानन्दानी इंडस्ट्रियल इस्टेट, कांजूर मार्ग बम्बई में स्थित है (श्रीर इसमें उपायडट्र अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसकी करारनामा आयकर श्रिधनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, 1 मार्च 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह निक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेस्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की धायत, उक्त अधिनियम से अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमे अवने में सुविधा के जिए; और/गा
- (क) ऐसी किसी आभ या किसी धन या अन्य आस्त्या को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिल्ला जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा से सिए;

सतः जब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग को, सनुसरक मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभाष (1) हे अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, सर्थात् हु---- श्री हीरानन्दानी इंडस्ट्रियल इंटर प्रायजेस

(ब्रस्तरक)

2. श्रीमतो धीरजबेन ह्वी० गहा

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वासेप 🛶

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्रत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर जबत स्थावर सम्मत्ति मों द्वितवस्थ किसी. अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिवित्त मों किए जा सकोंगी।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

यूनिट तं ० 126, जो पहली मंजिल. हीरानन्दानी इंडस्ट्रियल इस्टेट, कांजूर मार्ग, बम्बई में स्थित है ।

भनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/6719/83--84 धीर जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1984 को र्राफस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग-3, यस्बई

वारीख: 13-11-1984

प्रस्त बाइ . टी. एवं, एस्. >----

जायकार श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

#### नारत बरकार

### कार्यासय, सहायक भायकर वायुक्त (निर्देशका) प्रजन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निर्वेश सं० ग्रई-3/37-ईई/6154/83-84---यतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत निधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269 व को नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रा. से निधक हैं

श्रीर जिसको सं उद्यान गं ० ८ है तथा जो ग्राउंड फ्लोर, "श्रीराम टॉवर्स" दैन्क लेन, श्रोलेंम चर्च के बाजू में, मार्वे रोड़, मालाड (प०) बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) (श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन बम्बई स्थिन मक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, 1 मार्च 1984

को पूर्विभित्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से अस के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बंदह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों), के बीच ऐसे अन्तर्ण के लिए तय पाया यया अतिफल, निम्नसिवित उद्देष्य से उक्त अन्तर्ण जिल्लित के बास्तरिक स्प से कथित नहीं किया गया है क्रि

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सविधा के लिए; बॉर/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

कतः सन, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, नर्भात् :---

- 1. श्री श्रीराम कन्स्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड
- (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमूणिलाल जी० ग्रग्रयाल

(मन्तरिती)

को यह सुचना चाड़ी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के ि कार्यवाहियां कड़ता हूं।

### उन्त संपर्तित के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की संबंधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी संबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए वा सकरि।

स्पच्छोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और भ्दों का, जो उक्त निधानमा, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

दुकान नं ० 8, जो, ग्राउंड फ्लोर, श्रीराम टॉवर्स, टैन्क लेन, श्रोलेंम चर्च के बाजू में है, मार्वे रोड़, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-3/37-ईई/6154/83~84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा विनांक 1-3-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जनरेंज-3, बम्बई

**लारीखाः 13-11-198**4

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निर्देण सं० ग्रई-3/37-ईई/6681/83-84--यतः मुझे, ए० प्रसाद,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ....) परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का .... ज है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 811 है तथा जो बिल्डिंग नं० "ए", उषा नगर, जिलेज रोड़, भौंडूप, बम्बई-78 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रमुसूची में भीर पूर्ण रूप से बणित है से बणित है, (भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 खब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम

प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, 1 मार्च 1984 जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के उश्यमन गितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास उन्ने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार न्व्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और गन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ ..! गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीतः निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

- 1. श्री खंडेलवाल इंजीनियरिंग कम्पनी लिमिटेड । (श्रन्तरक)
- 2. श्री ह्वी० थॉमस

(भन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विक्त द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास सिसिस में किए जा सकोंगे।

स्यष्ट्रीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **मनसूची**

फ्लैट नं० 811 जो बिल्डिंग नं० "ए", उषा नगर स्थिलेज रोड़ भांडूप, बम्बई-78 में स्थित है ।

धनुसूत्रो जैसा कि क्र० सं अई-3/37-ईई/6681/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक भायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-3' बम्बई

तारीख : 13-11-1984

मोहर 🖫

प्रस्प आइ. टी. एन्. एस.-----

जायकर जंभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

### कार्यांसय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--3. बम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निर्वेश सं अ ई०- 3/37—ई० ई०/6526/83-84--अत: मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,(100/-रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 707, जो ब्लाक "ए", उषा नगर, विहलेज रोड, भांडूप, बम्बई—78 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबस अनुपूर्वः सें श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), स्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 कः धारा 269 कः ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारः के कार्यालय में रजिस्ट्रें हैं दिनोंक 1 मार्च 1984।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उपित नाजार मूख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात मे अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्बेश्य से उक्त अन्तरण कि विष्तु में नास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, जक्त विधिन्यस के वधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृद्धिश के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिपाने में सुविधा को सिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसद्रण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः

- (1) मैसर्स खंडेलवाल इंजि:नियरिंग कंपनो लिमिटेड । (अन्तरक)
- (2) भारत वायर रोप मन्यफैंक्चरिंग कंपनो । (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके प्रवेक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

### नमृस्ची

फ्लैटनं० 707 ब्लाक "ए" उथा नगर व्हिलेज रोड भांडूप बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूचा जैसा कि कु सं अ ई०-3/37-ई० ई०/6526/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वस्त्रई द्वारा दिनांक 1-3-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 बम्बई

धिनांक: 13-11-1984

ं पारूप आर्थः टी. एन. एस. ------

आयकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, महायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-3 बम्बई वस्त्रई दिनांग 13 नवस्त्रर 1984 निर्देश सं० अई०-3/37-ई०ई०/6530/83-84--अत: मुझे ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. सं अधिक है

श्रीर जिसको सं व्यक्तित नं सी-26-ए, जो, आगरा रोड़, इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस की-अपरेटिक्ड सीसाईटी लिमिटेड, घाट-कोगर, बम्बई-86 में स्थित है), श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ये विर्णत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 के, ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1 मार्च 1984।

पूर्नोंक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुम्ने यह विश्वास कारने को कारण हो कि यथाप्वीकत संपत्ति को उपित बाजार मूल्य, उसक दृश्यकान प्रोतकल से, एसं दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पासा गया प्रतिकल, निम्निसित उद्योग्य से उक्त अन्तरण कि बित से वास्तिक रूप से किथा नहीं किया नया है कि

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कह दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सूबिधा क बिए; आर्/मा
- ्या) एसी किसी अध या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपान में सुविभा के लिए,

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखत व्योक्त्यों, अर्थात्ः—

- (1) हसमृख आर० गहा, एक्स्युक्यूटर ऑफ दि इस्टेट ग्रॉफ लेट श्रो रसिकलाल सी० गहा। (अन्तरक)
- (2) श्री महेन्द्र आर० गहा, एक्स्युक्यूटर ऑफ दि इस्टेट ऑफ लेट श्रीमती जिलावयी आर० शहा । एल० आर० सन्स केरिटेबल ट्रस्ट । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के निर्ण कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कीई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बं 45 दिन की अविभिया तत्सवंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी जन्य स्थावत द्वारा वभोहस्ताक्षरी के पाख सिचित में किए वा संकंगे।

स्यव्यक्तिहरू :---इसमें प्रमुक्त कव्यों जीह पृथों का, को अक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविक हैं, वहीं ज्ये होगा को उस अध्याय के विका

### वगृत्वी

ूर्यूनिट नं श्तो – 26ए, जो, आगरा रोड़, इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस को – आपरेटिव्ह मोताईटी लिमिटेड, घाटकोपर, बम्बई – 86 में स्थित है।

अनुसूचो जैसा कि ऋ० सं० अ ई०-3/37-ई० ई०/6530/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, वश्वई द्वारा दिनोक 1-3-1984 को रजोस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रयाद, सक्षम प्राधिकारो, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

विनांक: 13-11-1984

मोहरः

प्रकप नाइं.टी. एन. एस. ------

बाव्यार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीय चूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदश सं० अ ई०-3/37-ई० ई०/6151/83-84--जन: मुझे, ए० प्रसाद,

नावकर गिंभनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-श्र के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- हर से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4 जो, 2री मंजिल, श्रीराम भवन, मालवनी, म्युनिसिपल कालोनी के सामने, मालाइ (प०), अम्बई-64 में स्थित है, (ग्रीर इससे उपायद्ध अनुसूर्या में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित) है, श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनिमम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1 मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूक्य, उसके कवमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिचत से जिथक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया मृतिफल निम्न्तिचित उद्देशक है उच्त कुन्तरण मिनित् में बास्तिक क्ष्य से किया नहीं किया नवा है है—

- (क) नन्तरण से हुई किसी माथ का नावत, उनत विषय के वृतीय कह की के बन्दरक के दावित्य में करी कहने वा अववे वृत्यने में सुन्तिया के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी जान या किसी भनाभा अध्य जास्तिनी की, जिन्हीं जारतीन जानकर निभिन्यन, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या भन- केंद्र विधिन्यम, या भन- केंद्र विधिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ सन्दिरती हुनाय प्रकट नहीं किया गया का वा निवा जाना जाहिए जा, कियान में सुनिधा के किय2

शतः, अष, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण में, औ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, रिम्निलिखित स्पन्तियों, अधीत् ६—— (1) श्री राम बिल्डर्स प्राईवेट लिमिटेड ।

कार्यवाहियां करता 蹼 ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एस० ग्री० श्रीवराँय श्रीर अन्य। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके प्रतिकत संपत्ति के अर्थन के किए

दक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई' भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 जिन की अविधि ना में नी अविधि ना में समाप्त हार्त हों. हो भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी काफ्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बव्ध किसी बन्ध व्यक्तिः द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का अर्थने

स्वाव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्द और पदी का, को जवत किपनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### नन्स्ची

फ्लैट नं॰ 4. जो, 2 री मंजिल, श्रीराम भवन, मालवनो, म्यूनिसिपल कालोनो के सामने, मार्वे रोड़ मालाड़ (प॰), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि नं अ ई०-3/37-ई० ई०/6151/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सञ्जय प्राधिकारो सहायक आयकर आपुक्त (निरो**क्षण)** अर्जन रेंज-3, बम्ब**ई** 

दिनांक: 13-11-1984

### प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज--3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निर्देश सं० अ ई०-37-ई० ई०/6175/83-84--अत: मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विस्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रुट. से अधिक है

स्नीर जिसकी सं० आफिसर प्रिमायसेस एट दि लक्ष्मीनारायण शापिंग सेंटर, पादार रोड मालाड (पूर्व), बस्बई में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अन्सूच: में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, दिनांक 1 मार्च 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकॉ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निक्तिलात उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण ने हुई किती जान की वाबत , उक्क जिमिन्यम के जभीन कर दोने के जन्तरक के रावित्व में कभी करने या बढ़ने न्याने में बृधिया के निए; और/वा
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था खिपाने में हिका के सिए;

शत: जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अधीत :→ (1) डा० शाम सुन्दर सी० अग्रवाल ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स पंचाल एंड पंचाल ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राष्पत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इयारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पच्छीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

आफिस प्रिमायसेस नं० 10 एट दि लक्ष्मीनारायण। सेंटर, पोद्दार रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई में स्थित है। अनुसूचा जैसा कि कसं० अ० ई०-3/37-ई०/6175/दिनोक 83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई ब्रा 1-3-1984 को रजिस्टड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनोक: 13-11-1984

प्रकष आर्थ ही एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यातय, सहातक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बर्ड वम्बर्ड, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निद्या सं० अ ६०-3/37६० ६०/6160/83-84-अतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुट. से अधिक हैं

ग्रौर जिसके सं० दुकान नं० 11, जो, ग्राउंड पलोर, श्रीराम टावर्स टैंक लेन, आर्लेम धर्च के बाजू में, आफ मार्बे रोड़, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचो हू भ्रौर पूर्ण रूप से विजित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार के कार्यालय में रजिस्ट्रा है, दिनांक 1 मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरकों) के बीच एमं अन्तरण के लिए तथ प्रया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है :—

- (क्ष) अभ्यारण से हुन्दै किसी नाय की बावत उक्त नीध-जियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कामी कारने या उससे अचने में सृविधा के लिये; कीर/धा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी थन वस्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्राप्तियों अन्तिरिती (बारा प्रकट नहीं, किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मी स्विभा के निए:

अतः अस, उन्नत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उन्नत अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात :---20---386GI 84 (1) श्र.राम कन्स्ट्रक्शन प्राईवेट लिमिटेड ।

(अःस्ह)

(2) श्रं(एस० डिसोसा।

(अन्तरितो)

को यह मुख्ना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हितग्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गुरा है।

### मन्स्ची

दुकान नं 11, जो, ग्राउंड फ्लोर, श्रीराम टावर्स टैंक नेन, घोर्लेम नर्ज के बाजू में, आफ मार्वे रोड़, मालाड (प०), बम्बई-64 मैं स्थित है।

अनुसूचे जैसा कि क० सं० अ ई०-3/37-ई० ई०/6160/ 83-84 श्रीर जो प्रक्षम प्राधिकारों, वस्वई द्वारा विशांक 1-3-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रयाद सक्षम प्राधिकारो सहायक आयक्त आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 13-11-1984

प्रकप बाइ, दी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरोक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निर्देश सं० अ ६०-3/37-६० ६०/6207/83-84--अत:, मझे, ए० प्रसाद,

इसके पदचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं पलैट मं 202 जो 2री मंजिल "एफ' विंग, "अटलांटा", प्लाट नं 38, बालनाय व्हिलेज, मार्चे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच में ग्रीर पूर्ण रूप से विंगत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 के धारा 269 फ, ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रों है, दिनांक 1 मार्च 1984।

की पूर्वोक्ता सम्पत्ति के उचित भाषार मृत्य से कम के स्वयमान प्रात्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित भाषार मृत्या, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अंद्रेष्ट्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित के कास्तिक क्ष्य मे कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की गायत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी अरगे या उससे यचने में सविधा कंलिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्वीवधा के लिए।

जतः जब, उन्तं जिथिनियम की धारा 269-ग के अवसरण मों, मों, उसन अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, जर्थात् :—

- (1) मेसर्स आर० जो० बिल्डर्स प्राईवेट लिमिटेड । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती अमिना शेख अब्दुल अझिझ । (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेत्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया । स्या है।

### नन्स्ची

फ्लैट नं॰ 202, जो, 2री मंजिल, "एफ" विग, आफ "अटलीता", प्लाट नं॰ 38, वालनाय व्हिलेज, मार्वे रोड, मालाड (प॰), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूचः जैसा कि कि सं अई०-3/37-ई ई०/6207/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई हारा दिनां अ 1-3-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज-3, बम्बई

**दि**नोक: 13:11-84

माहर

-----

प्रका बार्ड .दी.एन.एवं.------

बायकार बधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~2, बम्बई

धम्बई, दिनांक 17 नवम्बर 1984 निर्देश सं० अ ई०-2/37 ई० ई०/4423/83-84--अतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्ते निर्धानयम्' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के निर्धान सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मृज्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं पलैट नं 3, जो, शिवकुंज, को-आपरेटिय हाउसिंग सोसाईटो लिमिटेड, 39, यूनियन पार्क, खार, बम्बई-52 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में भीर पूर्ण रूप से विणित है, भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रों है, दिनांक 14 मार्च 1984।

को पूर्वो स्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान्
प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ये यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोस्त संपत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकास से, एक दृश्यमान प्रतिकास का
पंत्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरम के लिए तय पाया गया
प्रतिकास, निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरम सिखित में
बास्तविक कप से किथा महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण के हुई फिकी बाव की बावत, उपस् अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कभी करने ये। उससे ब्यने में सुविधा के लिए; बरि/बा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी भग या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अभिनियम, या भन-कार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था, क्रियाने में सुविधा के निष्;

बतः कतः, उत्ततं किधिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरक कों, मीं, उत्ततं अधिनियमं की भारा 269-वं की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रो सुरेन्द्र कुमारं।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रोतिष किशोर, भौरश्रामतामृदुला किशोर।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितायों। वह व्यक्ति जिसके अधिभोद्ध में सम्पत्ति है।

का यह स्वना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बें 45 दिन की सबीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी सबीध बाद में समाप्त होती हो, के धीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से . 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिलबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए वा सकोंगे।

स्पक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कृष्टों और पदीका, जो उक्क विभिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं कुर्य होगा जो उस अध्याय में दिया वजा है।

### अनुसूची

फ्लैट नं० 3, जो, शिव कुंज को-आपरेटिय हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड, 39, यूनियन पार्क, खार, बम्बई-52 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अ ई०-2/37/ई० ई०/4423/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 14-3-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक: 17-11-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बार्ड. टी, एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 20 नवम्बर 1984

निर्वेश सं० 1616/एक्यू० आर-III/84-85--यतः मुझे∎ शंबार धनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित् बाजार मृल्य 25,000/~रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 20 है तथा जो बालागंज सकुंलर रोड में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विजित है) रजिस्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई ए० सो एक्यू०--III में रजिस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान, दिलांक 12 मार्च 1984।

को पूर्वाक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विद्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अर्तारितयों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्त-विक रूप से अधिक तहीं किया गया है :---

- (क) अन्तारण संहुइ किसी जाव की बाबत, उक्त जिमान के अधीन कर दोने के अम्लरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जार/या
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन कर अधिनियम या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सिवधा के लिए;

कतः वन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :---- (1) मठ्गुल उद्योग भौर अन्य

(अन्तरक)

(2) मेसर्स जैनोध ट्रेडर्स प्रा० लि०।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप ---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीक की 43 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (कां) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिट बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं

प्रनुसूची

क्षेत्र— 1337 वर्ग फुट फ्लैंट न० 5ईं० 20, बाल∵गंज सर्कुक्षर रोड,

आई० ए० सो० एक्यू० आर $-_{III}$  दफ्तर में रिजस्ट्रें हुआ 37-ई० ई० फर्म अनुसार ।

मंकर बनाजीं सक्षम प्राधिकारी स**हायक आय**कर आयुक्त (निर*ः*क्षण) अजन रेंज∼2. कलकत्ता

दिनांक: 20-11-1984

प्ररूप मार्ड.टी.एन.एस.----

(1) मेसर्व हेस्बिस मापर्दी ।

(अन्तरह)

(2) मेसर्सं आज्ञान एसोसियेटस ।

(भन्तरिती)

धारा २६०-व (1) के सभीन सचना

भारा 269-च (1) के सभीन सुचना भारत सरकार

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 को 43) की

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-कलकत्ता

कलकता, दिनांक 20 नवम्बर 1984

निर्देश सं० 1617/ए क्यू० आर—III/84—85——यत: मुझें, शंकर बनार्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के-अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिन्नको सं० 7 है सथा जो किर शंकरण राथ रोड़ स्थित है, श्रौर इससे उपाधक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है, रिजिस्ट्राकर्ता अधिकार के कार्यालय आई० ए० सः० एक्वी० अस्— में रिजिस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अवीन, दिनांच 15 मार्च 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उत्तरेष से उक्त अन्तरण तिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आग की बाबत', उच्छ अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचाने में स्विधा के लिए: और/या
- (ण) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अमुबरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :-- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वागः;
- (क) इस तुकान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याय अधोहस्ताक्षरी के पास शिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पाककरणः --- इसमें प्रयुक्त पाठ्यों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस वध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

क्षेत्र--355 व॰ फु॰
7 किरण मंकर राय रोड़,
आई॰ ए॰ सो ए स्वी॰ आर-III वस्तर द्वार रजिस्ट्री हुआ।

गंहर मार्जी, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकता

विनाब : 20-11-1984

प्रारुप बाइ. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 17 नवम्बर 1984

निर्देश सं० 1615/ए क्यू० आर—III/84—85—अतः मुझे, शंकर बनाजी,

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावरे संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

25,000/- रंग. स आधक हैं और जिसकी सं० 2/आई० ई० है तथा जो टाउन सेन्ड रोड़, कलकला में स्थित है, भीर इससे उपाबद्ध अनुसूधा में भीर पूर्ण रूप से विणित है, रिजस्ट्रीकली अधिकारों के कार्यालय आई० ए० सा० ए बवी० आर—III में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) कें अधान, दिनांक 26 मार्च 1984। को पूर्वोंक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मून्ने यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इरयमान प्रतिफल से एसे इरयमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिचत में वास्तरिक कर से कियत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की वाबत, अक्त अभिमियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वकने में सुविधा के सिए; और/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य बास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में तुविधा के सिए।

अतः अस, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उन्त अधिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलियित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) स्लाबी विल्डर्स ।

(अन्तरक

(2) प्रियबाला सरकार।

(भ्रन्तरिती)

को यह तुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्वान के राजपत्र में प्रकावन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्रयाहै।

### पणुष्पी

क्षेत्र—750 व ० फु० पता—2/आई० ई० टाउन सेम्ड रोड़, कलकत्ता । रिजस्ट्रो—आई० ए० सो० एक्यू० आर-III वस्तरद्वारा 37 ई० ई० फर्मे अनुसार (कार्मिक सं० 184, ता० 26-3-84)

> शंकर बनार्जी, सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर म्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, कलकला

विमाक: 17-11-1984

प्रक्ष भाष्: . टी. एम्. .प्यू.------

भाषकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सुमना

#### भारत ब्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलश्रता, दिनांक 17 नवम्बर 1984 -

निर्देश स० 1614/एक्यू० आर-III/84-85--यतः, मुझे , शंकर बनर्जी

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्व 25,000/- रा. से अभिक है

25,000/- रु. से अधिक हैं

प्रोर जिसको स० पी-17ड़े है तथा जो आगुतीय चौधरी
एवेन्यू कलकता में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्र कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय
आई० ए० सो०, एक्यू० आए-III में रिजस्ट्र करण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधोन, दिनांक 19 मार्च 1984।
का पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान
प्रतिक्व के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वाक
करने का कारण है कि यथाप्वाकत संपत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिक्व से एसे स्वयमान प्रतिक्व का
पत्यह प्रतिकृत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के मिए तय पाया गवा
प्रतिक्व, निम्निकिंग उद्देष्य से उन्तर अन्तरण निविद् में
वास्त्रिक रूप से किथत नहीं किया नवा है है—

- (क) जन्तरण वेहुई किसी नाय की नाथए, उपस जिथितियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दासित्य में कामी करने या उपसे स्थाने में सुविचा के जिए; अहु/स्त
- (च) एसी किसी नाव या किसी भन या नन्य शास्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत नौधनियम, या भनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना थाडिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

जतः अयं, उक्त जिथिनियमं की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित :--- (1) अ:मतः कृष्णा चऋवर्ती

(अन्तरक)

(2) श्री सुखेन्द्र नाथ चटर्जी।

(अन्तरिता)

को यह सुवना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्डोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्त्रची

पर्लंड न० 3क/710 व० फु०।
पता——पी० 17डो, आगुतोष चौधरो ऐवेन्यू कलकत्ता।
रिजस्ट्रो——आई० ए० सो० एक्यू० आर—III 37 ई० ई०
फर्म अनुसार (क्रमिक न०)।

शकर बनार्जी, सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2,कलकता

दिनांक: 17-11-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई<sup>4</sup>. टी. एत. एव.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर नायक्त (निरीक्तन) अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 नवम्बर 1984

निर्देश सं० 1613/एक्यू० आर-III/84-85--यतः मुझे शकर बनर्जी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की जारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्थास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिसके सं० 8, है तथा जो अभय सरकार लेन, कलकत्ता में स्थित है, (भीर इससे उपाबद अनुसूचा में भीर पूर्ण रूप से बणित है,) रजिस्ट्र कर्ता अधिकार के कार्यालय आई० ए० सा० एक्यू० आर-।।। में रजिस्ट्र करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनांक 27 मार्च 1984।

को प्वांक्त संपरित के उचित बाजार मृत्व से कम के ज्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जीर मृत्र यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधिक बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत सं अधिक है और मंतरक (अंतरका) जार वंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब वावा वया प्रतिफल, निम्तिलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण विश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरम् ते हुइ किसी साम की बावत, समस अधिनियमः के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) एसे किसी बाय या किसी भन का अन्य बास्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आयकर ऑधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा अक्त बिधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, द्विपान में मिर्गा के निए;

तैंड एंड कन्स्ट्रक्शन कम्पने।

(अन्तरक)

(2) भी जगवीश चन्द्र एस० पटेल

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सक्त संस्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की समिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की समिथ, जो भी समिथ भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाय;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्वक्रीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में वियागया है।

### वन्स्ची

क्लैट/मेव---675 वर्ग फुट । पता--- 8 अभय सरकार लेन कलकत्ता । रिजस्ट्री---नाई० ए० सो० एक्यू० आर-III दफतर द्वारा, कलकत्ता (कर्माठ मं० 189 ता० 27-3-84)

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ही अर्जन रेंज-2 कलकत्ता

जतः जव, उक्त मिथियम की भारा 269-म के क्यूसरक भे. में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नतिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

विनोक: 17-11-1984

प्ररूप भार्षः दी. एत. एस.------

थायक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 नवम्बर 1984

निर्देश सं० 1612/एक्यू० आर-III/84-85---यतः, मुझे शंकर बनर्जी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ंख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मुख्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसके। स० 6/1 है तथा जो गरत बोस रोड़, कलकत्ता में स्थित (है, ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है,) रिजम्द्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी० एक्यू० आर-III में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6 मार्च 1984।

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास कर्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निजिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिबित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; बॉर/बा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय अयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धव-कर अधिनियम, मा धव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, कीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अधी न निम्मनियित व्यक्तियों, अर्थात ः— (1) श्रोमती रामबैन, आ२० साहू ।

(अन्तर्हे)

(2) श्रीमती कांचन देवी आभानता

(अन्यरिर्ताः)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (व) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिश को अगीत. जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर भणित्र में हिन्दब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरूनाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिया गया है।

### प्रनुमुची

पलैट नं ० ६भी, आई० ए० सी० एक्यू० आर-III हारा 37 ई० ई० फर्म अनुसार (ऋमांक नं ० 169 गा० 6-3-84) में शिजस्ट्री हुआ। पता—6/1 शरत भीस रोड फलकता।

> णंकर वनर्जी सक्षम प्राप्ति जारा सहायक आयकर आयुक्⊺ (लिर क्षण) अर्जन रेंज−3, गलकत्ता

विमांक: 17-11-1984

प्रकृष कार्षे. टी. एस. एस. ------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकक्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 नवम्बर 1984

निर्देश स० 1611/एक्यू० आर-धा/84-85--यन,:सुझे. शंकर बनर्जी,

बायकर भिषितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधितियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 25 है तथा जो बालीगंज सर्कुलर रोड, कलकत्ता में स्थित है, (श्रीर इससे उपाइद्ध अनुसूच। में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है,) रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय आइ० ए० सी०एक्यू० आर-III में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16 मार्च 1984। को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूच्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पत्कह प्रतिमत्त से प्रिक्त है और अंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित स्वयूरिय से उक्त अन्तरण विकित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) कन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बाँह/बा
- (क) ऐसी किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सुविधा के सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) कालना इनवेस्टमैंटस प्रा० लि०।

(अन्तरक)

(2) विङ्ला इष्टार्ने लि०

(श्रन्सरिती)

को यह सुखना आरी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अविध मा तत्त्वस्थित व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में दित-बह्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्किरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हा अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिसा गया है।

#### नग्स्की

क्षेत्र--2100 वर्षे फु० ग्रौर अन्य। पता---25 वालीगंज सर्कुलर रोड, कलकत्ता।

र्राजस्ट्री--आई० ए० सी० एनयू० आर-III दफ्तर द्वारा 37 ई० ई० फार्म अनसार (क्रमांक नं ॰ 178 ता ॰ 16-3-84)

शंकर वनर्जी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रापुक्त निरोक्षक अर्जन रेंज, कलकक्ता

वनांक: 17-11-1984

प्रक्ष बार्ड. टी. रन. एस्ट्र-क्रेय-क्रिय

नामकर मर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नुधीन सुमना

#### भारत तरकार

### कार्याश्वय, सहायक आवकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज कलकत्ता

कलकता, दिनांक 17 नवम्बर 1984

निर्देश सं० 1610/ए यू० आर-III/84-85--यतः मुझे, शंकर, बनर्जी

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त निर्मामयम' कहा गया है), की भारा 296-च के निर्मान सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का नग्रत्य है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृस्य 25.000/- रू. से निषक है

नगरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य 25.,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं 34/2ए है तथा जो टालीगंज सकुंलर रोड़, कलकत्ता में स्थित है, श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूण रूप मे विणत है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी० ए यू० आर-III में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 11 मार्च 1984। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के जिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार बृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिशत से विधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (कन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीवक रूप से किया नहीं किया गया है :---

- (क) जंतरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त विश्वित्त के वधीन कर दोने के अंतरक के दायित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; ज़ौर/वा
- (थ) एसी किसी नाव या किसी भून या जन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का '27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा खें लिए;

कतः जव, उक्त विधिनियमं की भारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त विधिनियमं की भारा 269-च की उपभारा (1) कै बधीन, निम्मकिष्टित व्यक्तियों, वधीत् है—— (1) कालना इनवेस्प्टस प्रा० लि०

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इन्द्रमती गोयेकां

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास सिस्तित में दिये वा सकरें।

स्पक्कीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वांगा, जो उस अध्याय में दिवा म्या है।

#### arred.

भेत्र—1250 व० फ० पता—34/2ए टालीगंज सर्कुलर रोड़, ऋलकत्ता । रजिस्ट्री—आई० ए० सी० ए यू० आर—III/37 **१**० है० फर्म अनुसार कमांक नं० 171 ता० 11—3—84 ।

> शकर नजड, बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर-भायुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, कलकत्ता

विनांक: 17-11-1984%

प्रक्ष बाई ुटी ु एन ह एस अ

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकता, दिनांक 17 नवम्बर 1984

निर्देशै सं० 1609/एक्यू० आर-III/84-85-यतः मुझें,, शंक्र बनर्जी,

आयकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसका सं० 25 है तथा जो ालोग ज सर्कुलर रोड, कलकत्ता में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्राकर्ता अधिकारों के कार्यालय आई० ए० सा० एक्यू० आर—III कलकत्ता में रजिस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनांक 12 मार्च 1984।

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह शितशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा चया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिक रूप से कृषित नहीं किया पया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सुविधा के रिलए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र--- (1) कालना इनभेस्टस प्रा० लि०।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स फिलिपस कार्बन ब्लाक लिए।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकेंग।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### ग्रनुसूची

क्षेत्र--249901 ग्रौर अन्य पता--25, टालोगंज सर्कुलर रोड़ ।

रजिस्ट्री—आई० ए० सी० ए यू० आर—III दफ्तर 37 ई०ई० फार्म अनुसार कमांक नं० 172 ती० 12-3-1984।

> शंकर बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

दिनांक: 17-11-1984

प्रका बाइ . टी . एन् . एस . -----

कायकर किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-व (1) के कंपीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 नवम्बर 1984

निर्देश स० ए यू० 1608/आर०-III/84-85---यतः मुझे, शंकर बनर्जी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं 0 1/335 है तथा जो गडियाहाट रोड़, कलकत्ता में स्थित है, और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है, रिजस्ट्राकर्ती अधिकारी के कार्यान्य आई० ए० सी० एक्यू० आर.-- III, जी रिजस्ट्रेक्ट्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30 मार्च 1984।

का प्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम क रस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूबों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कन निम्नाली का उद्देश्य से अक्तरण निम्नाली का उद्देश्य से अक्तरण निम्नाली का उद्देश्य से अन्तरण निम्नाली का सम्तिक कुप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन वा अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अभिनियम, या अन्-कर अभिनियम, या अन्-कर अभिनियम, या अन्-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा आ या किया जाना आहिए था, जिनाने में स्विभा के लिए;

नतः नन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन निम्नसिवित व्यक्तियों अर्थात् क्र--- (1) श्री एन० के० सेन

(अन्तरक)

(2) श्री राजीव तिवारी ग्रीर अन्य

(अन्तरिती)

सहै वह सूचना बारी करके प्वाप्त सम्पात्त क वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

### प्रवस् बुम्पृतितः के बुर्ववः से बुम्बुन्द में कोई भी बासोप्य--

- (क) इस सूचना के दावपत में प्रकाशन की तारीब ते 45 विश् की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित ब्यारा;
- (क) इत् सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीच से 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सम्पत्ति में हितवबृच् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकोगं।

स्वाकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों कौर पद्यों का, वो उक्त स्विनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभावित हाँ, शही मर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

ग्राउन्ड फ्लोर/200 व० फु०।

आई० ए० सो० एक्यू० आर-III द्वारा 37 ई० ई० फर्म अनुसार (ऋमांक नं० 187 ता० 30-3-84) रजिस्ट्री हुआ।

> शंकर बनर्जी, सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−3, कलकत्ता

विनांक: 17-11-1984

म∂हर :

ंच्य प्रार्धं टी. **एन . एस . ------**

भावकार अभिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर **आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 नवम्बर 1984

निर्देश सं० 1607/एक्यू० आर-Ш/84-85--यतः मुझे, शंकर बनर्जी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उन्ज अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-श्व के अधीन नक्षम शिक्षकारी को यह विश्वास करने का जारण है कि रवाल सर्वाज, जिसका उचित याजार मृत्य 25,000/- रहा से अधिक है

भीर जिसकी संव 32/1 है तथा जो गडियाहाट रोड़ (साउथ) कलकता में स्थित है, लाग इसमें उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण कप से वर्णित है, लीग इसमें उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण कप से वर्णित है, लीग इसमें उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण कप से वर्णित है, लीग इसमें अधिकारा के कार्यालय आई० ए० संव एकपूठ जाल—III ई रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30 मार्च 1984। को पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्वयमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिकत से, एसे द्वयमान प्रतिकत का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उच्चेश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) बन्तरण से हुई किसी शाय की शायत, उक्त अधि। तथ्य के अधीन कर दोने के अन्तरक औ दायित्व भी कमी करने या उससे अधने में समिधा के लिन्द्, और/या
- (क) एंसी किसो आय था किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा औं निष्

कतः अब, उप्कत अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, भी, उलक अधिनियम की धारा 269-ज की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्थात् ह— (1) मेसर्म अमृत कार्मिशियल को श्रा० लि० (अन्तरक)

(2) श्री रवीन्द्र नाथ दास

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विष कार्यगिहियां सूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के तंबंध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अवधि या तत्स्वम्बर्गी व्यक्तियों दर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोच्छ व्यक्तियों में से किसी स्वक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के ऱाजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हिल्डव्थ किसी अन्य स्थावत व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्वक्योकरणः -----इसमें प्रयुक्त कव्यों और क्यों का, को कव्य अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका गया है।

#### वन्स्य

प्लाट कुल क्षेत्रकल 1010 वर्ण फुट पता---32/1 गडियाहाट रोड़, कलकत्ता ।

आई० ए० मो० एक्यू० आर—III दफ्तर; 37 ई० में ईफर्म (ऋमांक नं० 190 तारीख 30-3-84) अनुसार रिजस्ट्रो हुआ।

> शंकर मनर्जी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरोक्षक अर्जन रेंज, कलकत्ता

विनोक: 17-11-1984

TOTAL TOTAL

प्ररूप गाई. टी. एन. एस. - - - --

जाबकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व् (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्वालय, सहायक आंवकर आधुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 नवम्बर 1984

निर्देश सं॰ 1606/ए यू० आर०—III/84--85----यत: मुझे, शंकर बनर्जी,

नानकर अभिनित्रम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अभिनित्रक' कहा गया है कि भारा 269 व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर कम्पत्ति, विश्वका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अभिक है

भीर जिसकी सं॰ मकान है तथा जो पा-17वो आमुतोव चौधरा ऐवेन्यू में स्थित है, भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्टोकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए॰ सो॰ एक्यू॰ आर-III में रजिस्टीकरण अधिनियम 1908 (1908 मा 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1984

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित भाषार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के सिए अन्तरित की गई है और मुके, यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित आषार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल के पन्तक प्रतिकाल से क्षिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षत के विम्मतिविक उक्षदेश से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) नेतरण से हुई किसी नाम की नामत्, उक्त वीधिनियन के सुधीन कर दोने के जंतरक के दासित्व में कभी करने या उससे अथने में सुविधा के सिए; जोट/बा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिल्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूबिधा के लिए;

नतः सम, उन्त निभिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, शनत नीभीनयम की भारा 269-च की उपभारा (1) के नभीन, निम्नतिवित व्यक्तियों, अर्थात् .--- (1) श्री मुखेन्द्र नाथ चटर्जी प्रीर अन्य

(अन्तरक)

(2) श्रामुनील चक्रवर्ती

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तल स्वन्धी क्येक्तियों पर सूचना की तामील से 30 जिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाध्य हरती हों. के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी अविध दारार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्तर स्थायर सम्पत्ति में हित बस्थ किसी अन्य व्यायत कार्य अग्रहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसृष्

क्षेत्र 890 व० फुट श्रीर 2 शेयर जिसकी हर एक की मूल्य 100 रुपया आई० ए० सी० ए यू० आर-III दफ्तर में 37 ई० ई० फार्म अनुसार (क्रमांक नं० 185) रिजस्ट हुआ।

> शंकर बनर्जी, सक्षम प्राधिकारो, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

दिनांक: 17-11-1984

### प्रकृष् बार्च , दी . एम . एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकला कलकता, दिनांक 17 नवम्बर 1984

निर्देश मं० 1605/एक्यू० आए-III/84-85--यतः मुझे, शंकर धनर्जी.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 240ख है तथा जो आचार्य जगदीश चन्द्र बोस रोड़, फलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रोक्सी अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सं१०, एक्यू० आर-III, कलकत्ता भें रिजस्ट्रो-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4 मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के प्रथमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित करि गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिज्ञात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिवर्ध रूप से किथा नहीं किया न्या है डि—

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मिंध-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; मौर/या
- (अ) एंसी किसी नाय या किसी धन या अन्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना भाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए:

सतः सब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, भी, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के सभीतः, जिस्मिलिसित स्पेक्तियों, सर्वात है—क (1) मेसर्स श्रा वेंकटेश कन्स्ट्रक्णन (प्रा०) लि०

(अन्तरक)

(2) मेसर्स पायन कर्माशयल को० लि०

(अन्तरिया)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

बक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांद्र भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की लारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिता-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पव्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्त्रा

पुरा फर्म तल/क्षेत्र—-2000 व० फुट आई० ए० सो१०, एक्यू० आर-III दफ्तर में 37 ई० ई० फर्म अनुसार कमांक नं० 167 ता० 4-3-1984 रजिस्ट्रा हुआ।

> शंकर बनर्जी, सक्षम प्राधिकारो, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

दिनांक: 17-11-1984

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.--------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के नपीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक बायकर बायक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-111, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 17 नवम्बर 1984

निर्देश सं० 1604/एक्यू० आर०-III/84-85--यत: मुझे, शंकर बनर्जी,

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पब्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूरू ?5,000/- रा. में अधिक हैं

श्रीर जिसके सं० 7 है तथा जो किरण शंकर राय रोड़, कलकत्ता में स्थित है, और इसेसे उपाबद्ध अनुसूच में फ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्र कर्त्ता अधिकार: के कार्यालय आई० ए० सः०, एक्यू० आर-III को एजिस्ट्र करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधःन दिनांक 15 मार्च 1984

को पूर्वीयस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिकंस के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) मीर अंतरिती (अंतरितियाँ) के मीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलि**सिस उद्देश्य से उक्त मन्दरण मिसित में** बास्तविक रूप से कथित नहीं किया पत्रा 🗗 🖫

- (भा) जन्तरण से हुन्दै किसी आव की वावत्त, बक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की बायित्व में कभी करने या उत्तसे बचने भें सोबभा फे सिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारताय आय-कर आधानयम. 1922 (1922 का 11) या उक्त आधानयम. मा धन-कर आधानयम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया धः ए स्थयः जाना काहिए था, छिपाने में स्रीवधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमसरण मों, मौं उक्त अधिनियय की धारा 269-व को उपभारा (1) को अभीतः निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातः — 22 - 386GI 84

(1) मेसुर्स हेष्टिंस प्रापरी

(अन्तरक)

(2) मेसर्स जालान एसोसियेट

(अन्तरिती)

को यह तुमना भारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया वर सूचना की तामील से 30 दिन की जनधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (वा) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जासकोंगे।

स्पर्वेकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होना को उस अध्याय में विका गया है।

#### वन्स्व

कमडा/उत्तर ग्रंश/975 व० फुट। आई०ए०सो०एकपू० आर-III दफ्तर में 37ई०ई० फार्म अनुसार कमांक नं० 174 ता० 15-3-84 रजिस्ट्रा हुआ।

> संहर बनर्जी, सक्षम प्राधिकारो, सहायक आयक्त अाय्क्त (निरक्षण) अर्जन रेंज~III, फलफत्ता

दिनांक: 17-11-1984

### अक्य बाइ . टी., एन . एक ,-----

जावकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को अभीन सुचना

#### भारत सहकार

कार्यासव, सहायक अग्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 नवम्बर 1984

निर्देश सं० 1603/एक्यू० क्षार-III/84-85---यतः मुझे, इनंकर बनर्जी,

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाबार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० बासुधारा है तथा जो 2/7 शरत बोस रोड़, कलकत्ता में स्थित है (भीर इससे उपावज अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय आई० ए० सो० एक्यू० आर-III कलकत्ता में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनांक 4 मार्च 1984

को जुर्जोक्त सम्मिति के उचित बाजार मृत्य से कम के श्रवयमान प्रतिकास की निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का अपरण है कि यथापूर्जोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, एक श्रव्यमान प्रतिकल को पल्छ प्रतिकार से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) आर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकल, निम्निसिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के बिच में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में शुर्द किसी आयं की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे यचले में स्विधा के मिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था फिपाने में सुविधा के सिए;

बतः च व , उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में , में . इक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) दं वधीय . निस्मसिखित व्यक्तियों , वधीत ह—— (1) बसुन्धारा प्रापर्टीज प्रा० लि०

(अन्तरक)

(2) ज्ञानेश्वर प्रसाद अग्रवाल ग्रीर अन्य

(अन्तरितोः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उन्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की क्विधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी श्वित द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी व पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो जकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान धनता हुआ। । पता—2/7 शरत बोस रोड़, आई०ए०सा०एक्यू० आर—III दफ्तर श्रमांक नं० 175 सा० 4—3—84 ता० में रजिस्ट्रा हुआ 37ई०ई० फार्म अनसार।

> शंकर वनर्जी, सक्षम प्राधिकारो, महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंजााा-, कलकत्ता

दिनांक: 17-11-1984

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस.-----

कायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन समना

#### भारत सरकार

कार्धालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

भलकत्ता, दिनांक 17 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० ए० सी० रेंज/1602/एक्यू०रेंज-/384-85:--यतः मृझे, शंकर बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपय से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 18/2 है तथा जो गडियाहाट रोड, कलकत्ता में स्थित है, ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यौलय, ग्राई० ए० सी० एक्यू० रेंज-3, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 18-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके शश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उथस अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत , उक्त जिथिनियम के अभीन कर योगे के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे जचने में सुविधा के लिए; जीर्/या
- (श) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूनिभा के लिए;

बतः जब, उक्त मिथिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की प्रधारा (1) के अधीन, निस्निजितिक व्यक्तियों, अर्थात् रूक्त

- (1) मैंसर्स बी० के० प्रापटिस प्रा० लि० :।
- (अन्तरक)
- (2) श्रीमती लक्ष्मी मजुमदार।

(भन्तरिद्री)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित से अर्थन के कायवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी जविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सासे 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये वा सकी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, वो उचत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विरूप गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं०(ग), 18/2, गडियाहाट रोड़, कलकत्ता क्षेत्र-7750 व० फुट, 37 ईई फार्मके भनुसार भ्राई० ए० सी०, एक्यू० रेंज-3 वफ्तर में कमांक नं० 179 ता० 18-3-84 रजिस्ट्री हुआ।

> शंकर बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रॉज-3,कलकसा-16.

तारीख: 17-11-1984.

प्रकप् नाइं. टी. एन. एव्.------

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के न्यीन सूचना

#### ब्रार्व च्डकाड

कार्यात्म, सहायक नामकर नाम्क्त (निडीक्न) प्रजीन रोज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० ए० सी० रेंज/1601/एक्यू० रेंज-3/84-85:— यत: मुझे, शंकर बनर्जी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 च के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् वाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पंचशील है तथा जो 41/1 बी० जावतला रोड़, कलक ता में स्थित है, श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्राई० ए० ती० एक्यू० रेंज-3, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12-3-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान श्रीतफल के लिए कन्तरित की गई है और मृत्रे यह विक्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थयमान प्रतिफल का पंदह श्रीर कन्तरितयों) को बीच एसे अन्तरफ के लिए तय पाया पदा श्रीतफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त कृत्तरण निवित् में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी लाग की गावत अवब् अभिनियम के अभीग कर दोने के अन्तरक को यायित्व में कमी करने या उससे वचने में बृद्धिश के सिए; जोटु/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर बीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निस्तिबित स्यक्तिमी, अर्थाक्ः— (1) श्रीमती जयवन्ति गोववानी भीर भ्रन्य।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुशील कुमार दत्ता।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी क्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियाँ में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क्) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 फिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति इवाय अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का 0. इक्स अधिनियम के अध्याय 20-क ने परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो के किन्दाण में दिया गया है।

### धनुसूची

प्लाट नं । बी० जो 41/1 वी० जावतला रोड़, कलकसा पर म्रवस्थित 37 ईई फार्म मनुसार आई० ए० सी० एक्यू० रेंज-3 दफ्तर में रजिस्ट्री हुम्रा कर्मोंक नं ० 177 ता० 12-3-1984.

> णंकर बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख: 17-11-1984.

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार कार्जालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 नवम्बर, 1984

निर्देश मं० गृ० सी० रेंज / 1600 / एक्यू० रेंज - 3/84 - 85:---यत: मुझे, शंकर बनर्जी,

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उत्रत अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिस्को त० 7 हे तथा जो किरण शंकर राय रोड़, कलकत्ता में स्थित है, ग्रोर इससे उपात्रद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्जा प्रधि तारी के कार्यालय, ग्राई० ए० सी० एक्यू० रेंज-3, कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के अबीन, तारी इ. 8-3-1984

को पृथोंकत सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई हैं और मृफ्ते यह विश्वास करने का उपरण हैं कि यथापूर्वोंकत सम्मित का उचित बाजार मृत्य, असके इन्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वत में भारतीयक रूप में किथत नहीं किया गया हैं ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की शावत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिता में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, िष्ठपाने में सुविधा के लिए।

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियाँ, अर्थात :--- (1) हुंच्टीगंस प्रापर्टी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री स्वप्न कुमार मण्डल भौर भ्रन्य।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों में से किसी स्थिति द्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4 ट्रिंग के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताअरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्वाकिरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वम्स्ची

कमरा जिसका क्षेत्र 756व० फु० 37 ईई फार्म प्रनुसार भाई० ए० सी० एक्यू० रेंज-3 में रजिस्ट्री नं० 170 सा० 8-3-1984

> शंकर बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण,) ग्रर्जन रेंज, कलकक्ता

तारी**ख:** 17-11-1984.

प्ररूप बार् .टी .एन् .एस . -----

बाथकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 नवम्बर, 1984

निर्वेश सं० ए० सी० रेंज/1599/एक्यू० रेंज-3/84-85:--यत: मुझे, शंकर धनर्जी,

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-8 के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/-25. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 7 है तथा जो किरण शंकर राय रोड़, कलकसा में स्थित है (श्रीर इससे उपबद्धा श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्राई० ए० सी० एक्यू० रेज-3 में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 18-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इरयमान प्रतिफल से, ऐसे इरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किंगत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आप की वायत, उक्त अभिनियर के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सूविभा के सिद्ध; वार्/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्थल अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

भारत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक भों, तें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क्रुं अधीन, निष्मणिकित व्यक्तियों, अधित :---

(1) मैं ० हे ष्टिगंस प्रापर्टी ।

(प्रन्तरक)

(2) श्रीपंकज चौधुरी।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथाँक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मपरित में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### नन्स्ची

कमरा जिसका क्षेत्र 290 व० फुट है, रजिस्ट्री——ग्राई० ए० सी० एक्यू० रेंज-3, दफ्तर, 37ईई फार्म ग्रनुसार नं० 180 ता० 18-3-1984

> शंकर बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त, निरीक्षण, ग्रजैन रेंज⊶3, कलकक्ता

दिनांक: 17-11-1984.

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

लायकर जीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-में (1) के सधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 नवम्बर 1984

निर्देश सं० 1598/एन**नी**० रेंज-3/84-85—यतः मुझे. शंकर बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का आरण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रह. से अधिक है

मोर जिसकी सं० 7 है तथा जो किरण शंकर राय रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्राई० ए० सी० एक्वी० रेंज-III में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18-3-84

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रात्तफल के लिए अन्तरित को गई हैं और मूर्फ यह विक्वास करने का कारण है कि यथापनोक्त सम्पाल का उचित बाजार भूक्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एस व्ययमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए दव पाया चया प्राप्तिक , निम्निजित उद्विध्य से उक्त अंतरण निचित में बास्सिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) वंतरण ते हुई किसी बाब की बाबता, उपल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने वा उससे वचने में सृष्टिभा के सिए; संदर्भन
- (५) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए वा खिपाने असे साँवधा की लिए,

अतः शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) हेस्टिस प्रापर्टी ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुधा चिरपाल ।

(श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

सकत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप अनन

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 विन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियां पर उचना की तामील में 30 विन की बर्बाध, वो भी। अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त कालित्यां में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सुनना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी सन्य व्यक्ति द्वारा, सभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकोंने।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त काक्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनुस्ची

कमरा जिसका क्षेत्र 170 व० फु०। पता—7, किरण शंकर राय रोड, कलकत्ता रजिस्ट्री थ्राई० ए० सी० एक्व० रेंज-III दफ्तर में 37 ईई फार्म ब्रनुसार नं० 181 ता० 18-3-84।

> संकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर स्रायुक्त, निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-∏ा, कलकत्ता-16

तारी**ख**: 17-11-84

यक्ष वाह<sup>1</sup>. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 17 नवम्बर, 1984

निर्देण सं० ए० सी० रेंज/1597/एक्यू० रेंज-3/84-85:---यत: मुझे, शंकर बनर्जी,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 54क है तथा जो हरि घोष स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रिविकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण प्रिविनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 13-3-1984

को पृष्णेक्स संपित्त के उनित बाजार मृस्य से कम के रूपमान क्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विरुवास करने का अगरण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उनित बाजार मृस्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितामों) के बीम एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रशिक्त, अन्तरित उद्वेष से उसत अन्तरण लिखित में वास्तरिक स्था से कथित नहीं किया गया है है—

- (रा) अन्तरण से हुई किसी काय की बाबत, उक्त अधिनेयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: डीर/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दिसी व्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सुर्थात् :--- (1) भी गोपाल दक्ता भेदा तकत ।

(अन्तरक)

(2) मणिषा ग्रन्थालय प्रा० लि० 🕆

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अञ्चल के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तर्नों भी व्यक्तियों पर स्चना की तामील में 36 कि कि विकेश , जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दशरा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा मर्छ गे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूच:

जमीन—254, 182 वर्षे भी० । पता—54क हरि घोष स्ट्रीट, कलकत्ता । डीड नंर्य—तारु 13—3—84 श्रनुसार ।

> शंकर बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर त्रायुक्त, निरीक्षण), ध्रर्जन रंज–3, कलकत्ता

सारी**ख: 17--11-198**4.

### हरून् बार्यः दी. इम् . एव . ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### बाइद बुड्याड

कार्यालय, सक्षयक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजेन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 17 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० ए० सी० रेंज/ 1596/एक्यू० रेंज-3/84-85:---यतः मुझे, शंकर बनर्जी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु, से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 57 क है तथा जो णोभा बाजार स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख

14-3-1984

को पूर्वोक्त संपर्तित के उपित बाजार मूल्य से कम के दूस्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्तित का उजित बाजार मूल्य, उसके दूस्यमान प्रतिकल से, एसे दूस्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीज एसे अंतर्ज के लिए त्य पाया गया प्रतिकल, निम्नीसिवित उव्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) कन्तरण से हुई किसी काय की बानत, उक्त विधिन्न के स्थीय करा दोने के बन्तरण के शांवरण में कमी करने ना उदबे वचने में सुविधा में विधु; मुद्द/ना
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, विका आरतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विचा में किए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-त के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री राधेश्याम बसाक ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री तपन मोहन साहा श्रीर ग्रन्य।

(भ्रन्तरिनी)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोंक्य सम्पत्ति के वर्षन् के सिए कार्यवाहिमां करता हूं।

### उन्त सम्परित से वर्षन में सम्बन्ध में सोई' भी बाह्येप हन्त

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीय है
  45 दिन की अनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्मण्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त क्षम्यां श्रीर वयों का, वो वक्क अधिनियम के अध्याय 20 - अप में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होता को उस अध्याय में विचा गया है।

ana a

तिन तस्ला मकान भ्रौर उसमें जमीन 4 कट्टा 12 छटांक 44 व० फु० की भ्राधा भ्रंग पता-57 क गोभा बाजार स्ट्रीट, डीड नं० 3186 ता० 14-3-1984 श्रनुसार, कलकत्ता।

> शंकर बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख: 17-11-1984.

प्रकृष आहें, टी. प्रन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-षु (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कामा लग, सहायक जायकर जायकर (निरीक्षण

श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 नवम्बर 1984

निर्देश सं०ए० सी० रेंज/1595/एक्यू० रेंज-III/84-85--यत: मुझे, शंकर बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित आजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं ० 57 क है तथा जो शोभा बाजार स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है, श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 14-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिचात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिता (अंगरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिक में बास्त विक रूप से कथित नहीं किया गया है !——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री राधेश्याम बसाक ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शेखर मोहन साहा श्रीर ग्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

भा यह सूचना जारी करके पूर्वावित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप उ-

- (क) इस सूपना के राजपण में प्रकाशन की हारी है से 45 विन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त स्वन्तियों में से निज्यी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए वा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया गया है।

### नग्तुकी

4 कट्टा 12 छटांक 44 वर् फुर जमीन और उसकी पर 3 तल्ला मकान उसकी भाधा श्रंण पता—57 के राधा बाजार स्ट्रीट, कलकत्ता, डीड नंरु I-3185 तारीख 14-3-1984 अनुसार।

> शंकर बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, निरीक्षण, श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता 54,रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

अतः अय, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

तारी**ख** : 17—11—1984.

त्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

(1) श्री निलादी चटर्जी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गोपेन्द्र नाथ राय।

(ग्रन्तरिती)

आयवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के स्थीन स्थान

#### भारत सुरकार

### कार्याक्षय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

त्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 नवम्बर 1984

निर्वेश सं० ए० मी० रेंज/1594/एक्यू० रेंज-3/84-85--यतः मुझे, गंकर बनर्जी,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 38/2 ई है तथा जो गांड्याहाट रोड़, कलकत्ता में स्थित है. (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16)के ग्रिधीन, तारीख़ 14-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल को एन्से स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कंशित नहीं किया गया है -

- (क) अन्तरण के हुन्दं िकली जाय की कावल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बस्तरक की दासित्व में कमी करने या उत्तसे व्यूने से सुविधा के लिए: और/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— को यह सूचना जारी करके प्वांक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अजन के संबंध में काइ भी आक्षेप है---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है .5 हिन की अविधि या तत्सम्ब्लिश व्यक्तियों पर स्वाधः, की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिल वव्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधीहण्याकारी के पास लिखित में किए जा सकींग।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

### ग्रनुमूची

सम्पत्ति जो 38/2 ई गडियाहाट रोड़ पर श्रवस्थित रिजस्ट्री हुझा इीड सं० 1239 तारीख 14-3-84 अनुसार, कलकत्ता में।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रागुक्त निरीक्षण, 54, रफी अहमद किदवाई रोड, श्रर्जन रेंज कुकलकसा-16

सा**रीख:** 17-11-1984

### प्ररूप बाह्र हो. एव . एस .-----

भावकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुचना

### भारत तरकार

### कार्याजय, तहायक नायकरु नायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 नवम्धर 1984

निर्वेश सं० ए० सी० रेंज/1593/एक्यु० रेंज-3/84-85---मतः मुझे, शंकर बनर्जी,

नायकर मिश्रियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपति, जिसका उजित बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 68 ए च० है तथा जो ग्राहाम रोड़, कलकत्ता-40 में स्थित है (श्रौर इससे ज्याबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से अणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्री-करण श्रीधिनयम, 1908 ( 1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयभान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्निसित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त जिथानियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे यक्ते में बृविधा के सिष्ट; जॉर/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृविधा के सिए;

अतः अअ उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, और, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधील, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ३── (1) श्री भ्रवनी मोहन् गोस्त्रामी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री तन्मय चौधुरी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी क्रारक पर्योक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

#### बक्त सम्पत्ति में वर्षन के संबंध में कोई वाक्षेप ए----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य अथिकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात निवित में किए जा सकांगे।

स्यव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त मिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिवा गया है।

### नग्त्र्या

प्लाट नं ० ६, क्षेत्र 590 व० फु०, पद्मा— 68 एच०, ग्राहाम रोड़, कलकत्ता—40 डीड नं ०—-1345 तारीख 16—3—84 ग्रमुसार, कलकत्ता ।

शंकर बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), 54, रफी अहमद किववई रोड़, श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

तारीख: 17-11-1984.

## थक्य काह<sup>र</sup>् सी. एर. एव. ----

नायकड निर्मित्सम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सूचना

#### नारत परकार

## कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्दोक्षण)

भ्रजन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 नवस्वर 1984

निर्वेश सं० ए० सी० रेंज/1592/एक्यू० रेंज; 3/84-85:----यत: मुझे, शंकर बनर्जी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (थिसे इसमें इसके परकात् 'उकत विभिनियम' कहा गया है), की भार 269-ख के स्थीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 1/4 है तथा जो लाटु बाबु लेन, कलकत्ता-6 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 9-3-1984

कां पूर्विक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम गया गया प्रतिफल निम्निमिचत उद्विष्य से उक्त अन्तरण के लिए तम

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त विधितिस्म के वधीत, कर दोने के जन्तरक के दावित्य में क्यों करने वा उत्तरे वचने में सुविधा के सिए; बीट/बा
- (ब) एतेसी किसी बाय या किसी भन या अन्य वास्तियाँ क्रों विन्हें भारतीय वाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट पहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपान में सुविधा को लिए;

मतः न्य, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के बन्तरक में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थातु:—— (1) श्री कल्याण कुमार देव श्रीर अन्यान्य।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री छन्दा साउ श्रौर ग्रन्य।

(श्रन्तरिती)

का यह स्वाना बारी करके पूर्वीक्त सम्मिति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तिया भी भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिया इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए वा सकेंगे।

स्पच्छीकरण — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्ची

मकान सह 1 कट्टा 13 छटांक 13 व० फु० जमीन, पता— 1/4, लाटू बाबु लेन, कलकत्ता, डीड नं० I 2915 तारीख 9—3—84, कलकत्ता ।

गंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), 54, रको श्रहमद किववई रोड़, श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

ता**रीख** : 17-11-1984.

प्ररूप आहे.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुकर आयुक्त (निर्धिण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० ए० सी० रेंज/1591/एक्यू० रेंज-3/84~85:---यतः मुझे, शंकरं बनर्जी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 540/20 है तथा जो मुर एवेन्यु, कलकत्ता में स्थित है, श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 7-3-1984

को प्वोंकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कुर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी कुरने या उससे नचने में सुविधा की लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सविधा के लिए;

. पत: बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री प्रजीत कुमार बसु।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती माया मोदक श्रीर, श्रीमती स्वप्ना कर बौधुरी।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी कुरके प्वेक्ति सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शास्त्र करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुकाशः
- (ख) इस स्पना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति ह्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### नगर ची

प्लाट की क्षेत्र 937, व० फु०, पता—40/20, मुर एवेन्य, कलकत्ता, डीड नं० 1070, तारीख 7--3-84, कलकत्ता।

> शंकर बनजीं, सक्षम प्राधिकारी, (सहायक श्रायकर श्रायुक्त, निरीक्षण), श्रर्णन रेंज~3, कलकत्ता

तारीख: 17-11-1984. मोहर प्र**रूप बाह्र म द**ी. एन . एस . -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० ए० सी० रेंज/1590/एक्यू० रेंज-3/84-85:---यतः मुझे, शंकर बनर्जी,

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्ला उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 2 है तथा जो भेली पार्क, सीरामपुर रोड़, गडिया-24 परगना में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख 23-3-1984

को पूर्वोक्त संस्पतित को जीवत बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकास को सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, एसे दृश्यमान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप में किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा खें लिए;

कतः, अर, उक्त विधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियमं की भारा 269-ग की उपधारा (j) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्धारा :--- (1) थी सुशील चन्द्र योग ।

(भ्रन्तरक)

(2) भेली पार्क को० उप : हाउमिंग सोमाईटी लि०। (ग्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन् के सम्बन्ध में कोई भी बक्षेप उ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

अमीन—8 कट्टा, 4 छटांक श्रौर एक तल्ला मकान, पता—प्लाट सं० 2, भेली पार्क, सीरामपुर रोड़, गडिया, 24—परगना, डीड नं०—1-3532, तारीख 23-3-1984, कलकत्ता।

शंकर बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी, (सहायक श्रायकर श्रायुक्त, निरीक्षण), श्रर्जन रेंज–3, कलकत्ता

नारी**खा** : 17—11**—19**84.

मोहर 🗯

## भ्रम्य भार<sup>4</sup>. टॉ. एग्. एस . -----

ज़ायक<u>र</u> जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन सूचना

#### भारत चुडकान

## कार्यम्ब, सङ्घायक जायका आयुक्त (निर्देशका)

ग्रर्जन रेंज-3, कलकमा

कलकत्ता, दिनांकः 16 नवम्बर, 1984 निर्देश सं०ए० सी० रेंज, 1589/एक्यू० रेंज-3/84-85:— यतः मुझे, शंकर बनर्जी,

बायकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे व्हसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 20 है तथा जो वालीढ़ज, सकुर्लर रोड़, कलकत्ता में स्थित है,) श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय. कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 22-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे गह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार बूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त विधिनयुक्त के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे म्यने में सनिधा के निष्; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री मदगुल उद्योग एवं वालीगंज एस्टेट। (ग्रन्तरक)

(2) केराला स्टेट इलक्ट्रिनिषस डेबेलपमेंट कारपोरेशन लि०।

(ग्रन्तरिती)

का यह भूषमा बारी कर्के पृथींक्तृ सभ्यक्ति के अवीम के लिए कार्यवाहियां करता हो।

## उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिस से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हाउ;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किसी का धकीन।

स्वाकरण: --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पृश्वों का, को उक्क अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

ग्रन<u>ु</u>सची

प्लाट ए०, क्षेष्ठ 1126 व० फु० सह श्रानुपातिक जमीन पता—20, बालीगंज, सर्कुलर रोड़, डीड नं० I-3459 श्रीर I-3460 तारीख 22-3-84, कलकत्ता।

> शंकर बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी, (सहायक श्रायकर श्रायुक्स, निरीक्षण), श्रर्जन रेंज−3, कलकत्ता

उत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 16-11-1984.

मोहर 🖟

प्रकृष आई टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### बार्ड बरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० ए० सी० रेंज/1588/एक्यू० रेंज-3/84-85:---यतः मुझे, शंकर बनर्जी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर कम्पित, जिसका उचित वाचार मून्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 20 है, तथा जो बालीगंज सर्कुलर रोड़, कलकत्ता में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम में 1098 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख 28-3-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का वंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उचत अन्तरण लिखित में बाल्तिक रूप से किया गया है :~~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियत्र के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आँड/बा
- (वा) एसी किसी बाय या धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, क्रियाने के निअध के सिए;

कतः अव., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वत व्यक्तियों, अधीन, क्रिन्निश्वत व्यक्तियों, अधीन, क्रिन्निश्वत (1) मैं । मदगुल उद्योग ग्रीर आलीगंज इस्टेट।

(भन्तरक)

(2) मैं ० केरला स्टेट इलेक्ट्रिनिक्स खेबेलपर्मेट कारपोरेशन लिमिटेड ।

(भ्रम्तरिती)

क्टे यह तुषना कारी करके प्राप्तित तस्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में काहे भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 किन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 किन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाच अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकींगे।

स्वष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त वीधीनयम, के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मुदा हुं।

अमुसुची

कुल प्रथम तस्ला जिसका क्षेत्र 3649 व० फु० एवं जमीन पता—20, वालीगंज सर्कुलर रोड़, कलकत्ता, डीड नं०—I 3458 एवं I-3461 तारीख 22-3-1984

शंकर बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी. सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16.

तारीख: 16-11-1984

## प्रकृष बाइ . टी. एन. एत. -----

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

## ब्राइत सरकार

कार्यासयं, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेंज, कलकला

कलकत्ता, दिनोक 16 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० ए० सी० रेंज, 1587, एवयु०-- 3रेंज, 84-- 85:---यत:, मुझे, संकर बनर्जी,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह निश्चास करने का फारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक मैं

और जिसेकी स० 20 है तथा जो बालीगज सर्कुलर रोड़, कलकत्ता में स्थित है, और इससे उपाबद अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-3-1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उजित बाजार नृत्य, उसके दत्यमान प्रतिफल से, ऐसे दत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्रत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल निम्नसिवित उज्वेदय से उक्त बन्तरण सिवित में बास्तविक कप से किथित नहीं किया गया है हम्म

- (क) बन्तरण से हुइ किसी नाम की बाबत, क्षप्त वृष्टित्रम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दावित्व में कमी करने वा उससे स्थन में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी साथ या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया धाना चाहिए था. कियाने में सुविधा के लिए;

कतः नव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थाल् ः— (1) श्रीमती प्रतिमा मुखर्जी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गची राणी चक्रवर्ती।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

## बनद संबत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र :----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वर्वीध या तत्सवधी व्यक्तियों पर चुचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वर्वीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथा कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंदारा;
- (ख) इस सूचना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार सिखित में किए जा सकोंगे।

स्वविकरणः — इसमें प्रयुक्त सम्बं नीर पदों का, को उनक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विकर गया है।

## वन्सूची

जमीन--1 कहा 7 छटांक 5 व० फु० सह मकान, पता---10/1 ग श्री मोहन लेन, कलकत्ता-26, उडी० नं०--ा-3161 सारीख 14-3-84 कलकत्ता।

> णंकर बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेंज–3, कलकक्ता

तारीखा: 16-11-1984

त्राक्य नार्चं.दी. एवं.एसं.----

जायक र जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० ए० सी० रेंज, 1586, एक्यु० रेंज → 3,84 → 85: → यत: मूके, शकर बनर्जी,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसेकी सं० 20 है तथा जो बालीगज सर्कुलर रोड़, कलकत्ता में स्थित है, और इससे उपाबड अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजम्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) नन्तरून ये हुए किसी नाम की वावस, उथस निर्धानस्य के अधीन कर दोने के जन्दरक के वानित्व में कमी करने या उससे नचने में सुविधा में निमु; नहिर/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को चिन्हीं भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा वा मा किया जाना चाहिए था कियाने में सूरव्या भी सिक्ष;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ह (1) मै० बालीग ज इस्टेट।

(अन्तर्क)

(2) श्री दिग्वजय रसिक अयवा।

(अन्तरिर्ता)

न्त्री सह सूचना जारी करने पूना निष्य सम्मारिक में मूर्जन में निष्य कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की जविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की नविध, को भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

लक्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया ही।

वपृक्षी

प्लाट क्षेत्र 3136 वर फुटर, पता---20, बालीगंड सर्कुलर रोड़, डीड नंर I--3560 तारीख 24-3-84, कलमःसा ।

> **मं**कर बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी, स**हायक आयकर**ूआ**युक्त, निरीक्षण), अर्जन रेंज⊶3, कलकत्ता**

तारी**ख**: 16-11-1984.

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मुभीन सूचना

## नारव बहुकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

अलक्ता; दिनांक 16 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० ए० सी॰ रेंज/ 1585/एक्यु०/रेंज-3/84-85:---यतः सूझे, शक्र बनर्जी,

नायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) (निसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधितियम' कहा गया है, की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावद संपरित जिसका उचित बाबार मृख्य 25,000/- रु. से निधक है

और जिसकी सं 20 है, तथा जो बालीगंज, सर्कुलर रोड़, शलकसा में स्थित है और इससे ज्याबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप में वृणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-3-1984

को वृतेषित सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंसरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरफ के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उच्त अन्तरण लिखित वास्तीयक स्म वे कवित्र वहीं किया चंचा है के

- (क) बस्तरण से इद्वर किसी नाम की बाबत उक्त लिथ-नियम के लभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्य में केमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) इसे प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

भतः भवः, उन्त भौभिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् ्— (1) मैं सर्स बालीगंज एस्टेट।

(अन्तरक)

(2) श्री देवेन्द्र मोहन लाखांटिया और अन्यान्य । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्य्वाड़ियां शरक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वह्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

## अनुसूची

लाष्ट नं० 4 ए०, 4 बी०, 4 सी०, क्षेत्र---3577 व० कू०. डीड नं०----I--292, सा० 9--3-84, कलकसा । पता---20, बालीगंज, सर्कुलर रोड ।

> णंकर बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी, स**हायक** आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज- 3, कलक**रा**

लारीख : 16-11-1984.

प्रकप आई.टी.एन.एस..-----

(1) मैसर्स बाजींगज एस्टेट ।

(अन्तरक)

मायकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-न (1) के नधीन स्थाना

(2) श्री अतुल सिंहानिया और अन्य ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, बालकसा

कलकत्ता, दिनांक 16 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० ए० सी० रेंज 1584,एक्यु० रेंज→3,84-85:⊶-यसः मुझे, शंकर बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 20 है तथा जो बालीगंज सर्कुलर रोड़, कलकत्ता में स्थित है, और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिक री वे कार्यालय, बलवत्ता में, रिजर्ट्ट वरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-3-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुइ किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बार्टियम में कब्सी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य असिसयों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा की निए।

जतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-च के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विषया गया है।

धन्मूची

जमीन सह मकान, क्षेत्र 4 कट्टा, छटांक, 36 व० फुट, पता $\rightarrow$ 2ड, बालीगज, सर्कुलर रोड, कलकत्ता, ढीड न० $\rightarrow$ I $\rightarrow$ 3403 ता० 21-3-1984 के अनुसार, कलकत्ता।

शंकर बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी<u>।</u> (सहायक आयकर आयु**क्त**ं(निरीक्षण), अर्जन रेंज⊶3, कलकत्ता

तारीख: 16-11-1984.

मोहर 🖫

प्ररूप् भाइं.दी.एन.एस्. -----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के नभीन स्थना

#### धारत सहस्राप्

## कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० ए० सी० रेंज् $_11583_1$ एक्यु० $_1रेंज-3_184-85:$ — यतः मुझे, शकर बनर्जी,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के विधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 25,000/- रह. से विधिक हैं

और जिसेकी सं० 2ड है, तथा जो बालीगज सर्कुलर रोड़, कलकत्ता में स्थित है, और इसमें उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजम्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, तारीख 28-3-1984

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार मृस्य से कम के अध्यक्षान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे अध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के मिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की गायत उक्त अधिनियन के जभीन कर देने के जन्तरक के दामित्व में कमी करने या उक्को वचने में सुनिया के हिन्दु, बीट्र/या
- (क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में हिन्स के किए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में नै, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) मै॰ बालीगज एस्टेट।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स सदीप फिल्म्स (प्रा०) लि०।

(अन्तरिती)

को यह शूचना चारी करके पृथानित सुम्परित के वर्षन के जिए कार्यनाहियां करता हूं।

## उनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोध्ध--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविध बाद में समाप्त झेती हो, के बीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उनत स्थानर सम्मत्ति में हितबहुक किसी अन्य स्थानत इकार अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए था सकेंगे !

स्वकातकरणः — इसमें प्रयुक्त सम्बा और पदों का, को उक्त अधिनिवस को अध्याय 20-क में वृरिभाविद्य हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भवा है।

## वन्स्यी

जमीन सह मकान, क्षेत्र—4 कट्टा, छटांक; 36 व० फुट, पता—20, बालीगंज, सकुँल्र रोड़, कलकत्ता, डीड़ न०——1— 3719 ता० 28-3-84, कलकत्ता।

शेकर बनर्जी, सक्षम प्राधिका**री,** सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण,) अर्जंन रेंज-1, कलकला

ता**रीय**: 16-11-1984.

अरूप भाइं, टी. एन. एस. - - - ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के अभीन स्वना

#### প্রায়র বছকার

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, कलकत्ता

क्लक्ता, दिनांक 15 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० ए० सी० रेंज/1582/एक्यू० रेंज-3/84-85:--यतः मुझे, शंकर बनर्जी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. संअधिक है

और जिसकी सं० 55 है तथा जो इजरा स्ट्रीट, सलकत्ता में स्थित है, और इससे उपादि अनुसूर्वा में और पूणं रूप से विणत है), रजिस्द्री- सर्ती अधिकारी के कार्यालय, सलकत्ता में, रजिस्हीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-3-84

को प्रबंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्योंकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिखल से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरिण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- तैक) जन्तरम चंड्र्ड कि.बी जाव की बावता, उपक विधिनियम के जभीव कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उसते वचने में सविधा के लिए वीड/वा
- (क) ऐसी किसी नाम वा किसी भन वा नन्य नास्तिवों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृत्यिधा के किए;

जतः ज्ञवः, उत्तर विधिनियम की धारा 269-न को जन्तरूप में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-में की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियें वधाव ः── (1) मैससं नर्शसंग सहाय मदन गोपाल (इन्ज), प्राईवेट लि॰।

(अन्तरक)

(2) श्री द्वारकादास मुन्द्रा।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया घुरु करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीत,र उबत स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा,सकोंगे।

स्पष्टिकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं बर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

म्लाट/जिसका क्षेत्र 598.43 वं० कु०, पता—55 इजरा स्फ़ीट, क्वलकत्ता, डीड नं० I—3786 नारीख 28—3—84 के अनुसार, कलकसा ।

> श्वार बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयुकर आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16.

तारीख: 15-11-1984-

मोह्रर:

प्रक्रम काई. टी. एव. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीत सुभाग

## भारत बरकाड

## कार्यात्य, ब्रहायक जायकर वायुक्त (निर्दाक्ष्ण)

अजंन रेंज-3 कलकता

कलकत्ता विनांक 15 नवम्बर 1984

निदेश सं० 1581/ एक्यू अजंन रेंज-।।।/84-85- अतः मुझे शंकार अनर्जी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित बाजार मृक्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 55 है तथा जो एजरा स्ट्रीट कलकत्ता स्थित है में और इसमे उपाबद्ध अनुसूची हु और पूणं रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजिस्ट्री सरण अधिनियम 1908 (1908 ना 16) के अधीन दिनांक 28 मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार गूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) मन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-गियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसमं श्री नासिंग सहाय मदन गोपाल (इनज) प्रा० लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) श्री गोवरधन दास मन्दा

(अन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के तिथ कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उससे अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित वी, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया या है।

## and of

फ्लैट कुल क्षेत्र -1616 वर्ग फूट पता 55, इजरा स्ट्रीट कलकता डीड नं० [ 3742 दिनांक 28 मार्च 1984 अनुसार ब.लकत्ता

> शंकर घनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)ं अजंन रेंज−3 कलक्ता

दिनांक : 15-11-1984

मोह्र :-

प्ररूप आहं टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत बुरकाड

## कार्यालय, सहायक जायकार जायुक्त (निराक्षण)

अर्जन रेज-3 कलकत्ता

बालकत्ता, दिनांक 15 नवम्बर 1984

निदेश सं० ,1580/ अर्जन रेजा।।/84-85- अतः मुझे शंकर बनर्जी ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी मं० 57/बी हैं तथा जो बालीगजं सकुलर रोड़ स्थित हैं और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी कार्यालय बलकत्ता में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 जा 16) के अधीन दिनांक 29/मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्दृह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निलित उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया नया है कि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस, उक्त अधिनियम को अधीन कार दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसो किसी अय या किसी धन या बन्य वास्तिकों को किन्हों भारतीय आय-कर क्रीधीनयम . 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, िपाने से विश्वा के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की भारः ... 69-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के ब्रधीन निमनलिक्ति व्यक्तियों, अधीत :--- 25--3 86G1/84

(1) उइ लाई इंडिया लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) क्रमल कुमार मुराना और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस त्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय ते 45 विन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर त्यान की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्थित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्वध्योकरणः -- इसमें प्रमुक्त शक्यों और प्रदों का, जो उकत विभिन्नम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया मका हैं।

#### वगतकी

जमीन 5 महा 6 छटा 43 वर्ग फुट पता 157 बी वालीगंज सम्केलार रोड कलकसा डीड नं० 1 3082 दिनाक 29-3-84 अनुसार राजस्ट्रीकर्ता कार्यालय कलकसा

> णंदर वनर्जी मक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 कलकाना

दिनांक :- 15-11-1984

मोहर :-

प्ररूप आहु . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अजन रेज-3 कलकसा

भलकत्ता, दिनांम 15 नवम्बर 1984

निदेश सं० 1579 अर्जन रेंज~I[I/84-85--अत: मुझे शंकर बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 55 है तथा जो एजरा रजीस्द्री कलकता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दीवर्ता अधिनियम 1908 का (1908 का 16 )के अधीन दिनांक 19 मार्च 1984

का पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मझे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धुने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा दायित्व के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के मधीम, निम्नलिसित व्यक्तियों; अर्थात् :---

(1) मैसर्स श्री नासिंग सहाय मदन गे(पाल इन्ज प्रा० लिमिटेड

(अन्तर्क)

(2) बल देव दास मुन्दा

(अन्तरिसी)

को बह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां नट करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीच व 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बबुध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा, वभाहस्ताक्षरी अ पास लिखित में किए जा सकों गे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधितियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जन्मू दी

फ्लैट जिसका क्षेत्र 1319 वर्ग फ्रुट पता - 55 एजरा स्ट्रीट बालबासा डीड नं <sup>0</sup> 3785 दिनांक 29 मार्च 1984 अनुसार गलमसा

> णंबार धनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायस आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेज-3 मलकत्ता

दिनांक :- 15-11-1984

मोहर :-

प्रस्य बाइं.टी.एन.एस्.---

# नानकर निर्मियम, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-म (१) की नभीन स्वतः

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 17 नवम्बर 1984 निदेश मं० 1578/ अर्जन रेंज-॥/84-85--अतः मुझे शंकर वनर्जी ,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से बिधक है

और जिस्की मं० 20 है तथा जो मीतिलाल नहरु रोड कलकत्ता में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14 मार्च 1984 को

का पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य सं कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशाप से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा भी बिए; बार/का
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितौ व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए:

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसुरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिक्टित स्विक्तयों अर्थात् ॥—" (1) श्री काणण बाला नाय

(अन्तरकः)

(2) मविना आग्रवाल और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

वक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीत स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यें क्रियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की लारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशावित है, जुही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गया है।

#### सरसंची

जमीन 2 कडा 10 छटांक पता 20 मोतिलाल नेहरू रोड रजिस्ट्री कलकसा रजिस्ट्री कार्यालय में दिनांक 14-3-84 में तारीख

> शंकर वनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 54, रफी श्रष्टमद कियवई रोड़,कलकक्ता

दिनांक - 17-11-1985 मोहर - प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

क्लकत्ता, दिनांक 15 नवस्बर 1984 निर्देशसं० 1577/एमबी० रेंज—III/73-85—यतः मुझे, शंकरं अनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्मित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 1 है तथा जो मन्दिर स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इसमे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरणअधिनियम, 1908 (1908 जा 16) के अधीन दिनांक 5 मार्च, 1984

को पूर्वाक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास खरने का कारण है कि यभापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सिमों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा के लिए;

अतः जस, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण पें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) हे अधीन, निम्निजितित स्पिकतयों, अधीत् :---- (1) योगेन्द नाथ आँड्य ।

(अन्तरक)

(2) प्रियचाल साहा और अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्ता सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्स्ची

अंगत: 4 तल्ला और अंगत 5 तल्ला मकान सह जमीन—6 कठ्ठा 4 छटाक, 10 वर्ग फुट। पता—1, मन्दिर स्ट्रीट, कलकत्ता, डीड नं० I 2687 दिनांक 5 मार्च, 1984 अनुसार, कलकत्ता।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-[H, कलकत्ता-16

नारी**ख** 15--11--1984 मोहर :

## प्ररूप बार्च. टी. एन. एस. -----

# आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-घ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, **सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)** अर्जन रेंज-I]I बलकत्ता

कुलकुला, दिनांक 15 नवम्बर 1984

निदेश सं० 1576 अर्जन रेंज~।।।/84-85→-अत, मुझे, शंकर बनर्जी

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ब के नभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० 57 बी है तथा जो वालीगज सर्कुलर रोड कलकत्ता स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ये विणित हैर्गजिस्ट्रीकर्ता अधियारी केकार्यालय कलकत्ता रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29 मार्च 1985

कां पूर्विक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकें दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुर्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्ह भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मसर्स उई लार्ड इंडिया लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्री आनन्द चन्द भूग और अन्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के शर्जन के सबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा हैं।

## बन्स्ची

जमीन 4 सहु 5 छटाक 2 वर्गफूट पता  $57/\sqrt[4]{8}$  बालीगंज सर्कुलर रोड़ डीड नं० 1 3803 दिनांक 29 मार्च 1984 अनुसार, कलकंना ।

शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण अर्जन रेंज~3,कलकसा

अतः अतः अक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की भाग 269-भ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिश्वित स्पनित्यों, अभितः:---

दिनांक : 15··11-19**8**4

प्रकल, बाह्री, टी. एन. एस. -----

जानकर मिपिनंबम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-व (1) के नभीन स्वना

## भारत सरकार

कार्बालय, सहायक भायकर नामुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेज-3 कलकला कलकता दिनांक 15 नवस्वर 1984 निवेश सं 1575 भार्जन रेंजIII/84-85-85--अत: म्हो शंकर बनर्जी

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त कथिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सक्तम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण **है कि स्थावर** सम्पत्ति, विसका उषित थाबार मृत्य 25,000/- रतः से **वीभक है** 

और सिकी सं० 102 है तथा जो साउदान एमेन्यू, कलकत्ता स्थित है और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22 मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवस बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तिरित की गई हैं। और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मुभापूर्वोक्स संपत्ति का उचित् वाजार मुल्ब उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल् का पन्त्रह प्रतिसत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिकास निकाशिक्ति अञ्चर्यस्य से अवत अन्तर्ज निवित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है थु---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त निर्धानमा के नेपीन कर बोने के नन्तरक के दायित्व में कनी करने वा उससे वचने में सिवधा के लिए; गौर/या
- (व) ऐसी किसी जाय मा किसी भन या अन्य अस्तियों का, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास्य प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए:

नतः वन, उक्त नीधीनयम की भारा 269-ग के जन्हरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) लेक अपार्टमेंट को आप रेटिन हाउसिंग सीसायटी लिमिटीड

(अन्तरक)

(2) रमा मखर्जी।

(अन्तरिसी)

को वह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना को तामील से 30 दिन की अवधि, जां भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में सिए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

फ्लैंट जिसका क्षेत्र 1650 वर्ग फूट प्र**दा 102 सादने** एमन्यू कलकत्ता डीड नं० 1 4267 पी दिनांक 22 भावं 984 अनुसार कलकला ।

> शंकर बनर्जी मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज 3 54,ररफी अहमद किंचबई रोड़, कलकत्ता-16

दिनांक ~ 15~11-1984 मोहर 🖰

प्रस्य बार्ड . टॉ. एव. एत.-----

Communication of the property of the communication of the communication

नायकर नीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नधीन स्थान

#### भारत बरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, कलकला

कलगत्ता दिनांक 15 नवम्बर 1984

निवेश सं० 1574/ए सी वियू क्राप्-III/84~85—अतः मृझे शंकर अनर्जी

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'जनत अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- च के अभीन सक्षम अधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 102 है तथा जो सादाने एयून्म कलकत्ता स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विजिन है स्जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22 मार्च 1984

की पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत संपर्तित का उचित बाजार मूक्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नितियों उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्षित में वास्तविक का से अधिक नहीं किया क्या है है—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत उक्त बिध-रिवृद्ध के ब्रुपीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या सबसे बचने में सविधा के लिए; बार/या
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्सियों कारे, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनल अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधोजनार्थ अस्तीरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्मतिश्वित व्यक्तियों, अधीन :----

लंक एमपार्टमेंट की आप रेडिय इार्डीसग सोसामटी लिमिटिडें।

(अन्तरक)

(2) अर्राबन्द राय चौधुरी

की यह सूचना बारी करके पृश्वांकत सम्पत्ति के नर्धन के किए कार्यवाहियां करता हूं। उकत सम्पति के सर्धन के सम्बन्ध में कोई भी वासंप्र---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की बनींचे या तत्वम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वतः की तामील से 30 दिन की वदिए, जो भी वनिष वाद में स्वाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीवर प्रजा स्वावर सम्बद्ध में दियान वहुध किसी अन्य स्थानिस प्रवास मधाहिस्ताकारी के पात जिकित में निक् वा स्थानी।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त कार्यों और पदों का, को उनक जीपनिजय, के अज्ञाय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को क्ल अभ्याय में दिका गया है।

#### APPEND

क्लट कुलं ० क्षेत्र 1650 वर्ग फूट पता 102 सायने एमेन्यूकलकत्ता डीड नं • 1 4266 पी दिनांक 22 मार्च 84 अनुसार कलकत्ता

> शंकर बनर्जी सक्तम प्राधिकारी सहायक आयकर आमुक्त (निरी**ल**ण) अर्जन रेंज कलकत्ता

दिनांवः -- 15-11-1984 मोहरः :- प्रकल बाहै, टी. एन. एस. ------

जागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

## कार्थालय, सहायक जायकर कायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 15 नवम्बर 1984

निदेश मं० 1573/ए कवाँ० आप०-111/84-85--अतः मुझे, शंकर बनर्जी

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 0 102 है तथा जो ससाउदर्न एवन्यू, कलकत्ता में स्थित है ) श्रीप इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीप पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलककत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21 मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का क्लाइ प्रतिकत से अधिक है और जंतरक (जंतरकों) और जंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसं अन्तरण के लिए तक पाया गया प्रतिफल, निम्निलित उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिक्ति में बास्तिक रूप से कांधित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने से सृविधा के निष्: औह/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना जाहिए था, किया में लाकर के सिए;

अतः वृष, उक्त विधिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्निजिसित व्यक्तित्यों क्षेत्रीत् :--- (1) लेक अपार्टमेंट को० आपरेटिय हाऊसिंग सोमाइटा लिमिटेड।

(अन्तर्क)

(2) श्रामेखर राय चौधरी।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप 🗻

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन को अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा सभोहस्ताक्षरी के शक जिला में किए का सकेंगे।

स्यव्योकरण:---इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा यदा है।

## अनुसूची

प्लाट क्षेत्र 1650 वर्गफुट पता—102 साउदेनं ऐवन्यू डोड नं०—1; 4205 ता० 21 मार्च, 1984 अनुसार कलकत्ता ।

> णंकर नमजी मक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज∼3, कलकत्ता

तारीख : 15-11-1984

मोहर

प्रकप. बाई. टी. एन. एस. -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के अभीत स्चना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, कसकत्ता कलकत्ता, दिनांक 15 नवम्बर 1984

निवेश सं० एडवी० आ२०-3/84-85--अतः मुझे, शंकर बनर्जी

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ष्रीर जिसकी सं० 102 है तथा जो साउदर्न एक्न्यू, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 21 मार्च, 1984

फो प्योंक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्फे यह बिश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभि-नियम की अभीन फर दोनं को अन्तरक को दायित्व में किमी करने या उपसे बचने में सविधा को लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविभा के लिए;

बतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उनधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्यक्तियों. अर्थात् :---- 26--386GI|84

(1) लेक अपार्टमेंट को० आपरेटिव इाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्री समीर नाथ वागची ।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पृवांकित सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोड़ों भी आक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयंक्त धार्क्षों और पर्वों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

## अगुलुकी

प्लाट नं० 8 क्षेत्र—900 वर्ग फुट पता—102, साउदर्न एवन्थू, कलकत्ता । डं.ड नं०—1, 4203 तारीख 21 मार्च, 1984 अनुसार।

> शंकर वनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख: 15-11-1984

## भूकम नाइ<sup>1</sup>. टॉ. एन. एव. -----

लायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन स्चना

#### भारत तरकार

## कार्यात्तय, स**हायक बायकर वाय्वत (निरीक्षण)** अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 नत्रम्बर 1984

निदेण सं० 1571/एक्बी आर-3/84-85-अतः मृझे, शंकर बनर्जी,

जायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 269-स के नभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य (5.000/- रा. से विधिक है

श्रीर जिसकी स० 11 है तथा जो श्राइमशे में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप ने वर्णित है), रजिस्ट्री— कर्ता अधिकारों के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधि— नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 मार्च, 1984

को प्वॉक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एवयमान प्रसिफल के लिए अन्तरिस की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे एवयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिसियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

> ाण) अन्तरण सं हुए फिसी बाय की बाबत, उक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृचित्रा के लिए; और/या

ासी जिलों आय या किसी धन या अत्य जास्तिकों को जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ अन्तिरी इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के सिए;

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) मैं० साह प्रापर्टीज लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) भी गिरधारी लाल दामानी ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना वारी करके पृत्रोंक्त संपरित के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त सम्पत्ति के कर्बन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि ना तत्सम्बन्धी क्यानितमों पर स्वान की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर क्यानितमों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिसित में कियु जा सकोंगे:

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## भगुस्ची

कमरा नं० 2-ए जो 11 काईम रोडपर स्थित--रजिस्ट्री हुआ 30 मार्घ, 1984 में डीड नं० 3906 अनुसार।

> र्शकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—3, कलकत्ता

तारीख: 14-11-1984

## प्रकृत काह् . दी . एवं . एवं . ------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नथीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्याजय, सहायक नायकर नामुक्त (निरीक्न)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 नवम्बर 1984

निदेश सं० /एमवी० आर०-3/84-85--अतः, मुझें, शक्र बनर्जी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० 11 है तथा जो काइमरो में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूणं रूप से विणित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 मार्च, 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल हैं निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण मिचितु में बास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है है—

- (क) मन्तरण से हुइ किसी माय की वाबत, उक्त मिनियम के अधीन कर दोने के मन्तरक के दायित्व में कनी करने या उससे सचने में सुनिधा के सिद्द; वीर्ट√का
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी भून या जन्य जास्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आव-कर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त जीभीन्यम, या भन-कर विभिन्यम, या भन-कर विभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, जियाने से वृद्धिया में जिल्हें

(1) मै० साह प्रापर्टीज लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) इन्द्रवेभी खताश्रीर अन्य।

(अन्तरिती)

न्हें यह बुखना चाड़ी कड़के पूर्वों बत सम्मृतित के वर्षम् के जिस् कार्यनाहियां कड़ता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) प्रस्त स्वान के राज्यन में प्रकाशन की तारीज से
  45 दिन की नवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  स्वान की तामील से 30 दिन की नवधि, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्च किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास मिबित में किए वा सकोंगे।

स्पव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

## प्रनुसूची

कमरा नं  $^\circ$  12 एवं 12-ए जो 11, काइव रो पर स्थित है।

रजिस्ट्री हुआ 30 मार्च, 1984 में डीड नं० 3902 के अनुसार ।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

जतः जय, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ण के जनुसरण में, में,, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अभीन क्रिम्मिसिक्त व्यक्तियों,, जर्बात् क्र--

तारीख: 14-11-1984

प्ररूप आई. टी. एन, एत. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत तरकार

# कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निराक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

फलकत्ता, दिनांक 14 नवम्बर 1984

निदेश सं० 1569/एक्बी० आर०-3/84-85--अत:, मुझे शंकर बनर्जी,

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- का से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 11 है तथा जो काईम रोमें स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री— कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधि— नियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन तारीख 30 मार्च 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रीतफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक औं दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीक, जिल्लासित व्यक्तियों, संधात् :—— (1) मैं साह प्रापर्टीज लि ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० डी० साहू।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारित से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा,
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय भे दिया गया है।

## अनुसूची

कमरा नं० 3, जो 11 क्राईम रो पर स्थिति रिजस्ट्री हुआ तारीखा 30 मार्च, 1984 में डीड नं० 3901 के अनुसार।

> र्णकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकक्ता

तारीख: 14-11-1984

प्ररूप आहें, टी. एन. एस. ----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 नवम्बर 1984

निवेश सं० 1569/एक्बी० आर०-3/84-85--अतः मुझे, शंकर बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 11 है तथा जो क्लाइय रो में स्थित है (और इसमे उिविद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजिस्ट्रेकिरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निल्चित उद्दर्भों से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिक कर से किंग्त नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तारण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियुत्र के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे व्यन में सुविधा के लिए; जीर/था
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिमों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः कव उक्त विभिनियम की भार 269-म की अनुसरण भं, में उक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के विभीन, निम्निलिसित व्यक्तियमें, वर्भाव स्---- (1) साह प्रापर्टीज लि०।

(अन्तरक)

(2) शांता भण्डारे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 3.0 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्यक्टोकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## and the

कमरानं० 4, जो 11 क्लाइवरो पर स्थित । डीड नं० 3900 तारीख 30 मार्च, 1984 के अनुसार रजिस्ट्री हुआ ।

> णंकर बनर्जी मक्षेम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज∼3, कलकत्ता

तारीख: 14-11-1984

मोहर 🛭

## प्रक्ष वार्ष्, दी पुन, एस ,------

मायकर माधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मुधीम सूचना

## भारत् सूरकाषु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धजन रेंज-3, कलकता कलकता, दिनांक 14 नवम्बर 1984

निवेश सं० 1567/एक्बी ० म्रार०-3/84-85--म्रतः मुझे, शंकर बनर्जी

नायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके भश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं 11 है तथा जो क्लाइव रो में स्थित है (भौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, क्लकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 30 मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया अतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

र्[फ) नंतरण से हुई किसी नाम कर्न वाबस्त, उक्त अभिनियम् के जभीन कर दोने के अंतरक के दामित्व में कमी करने या उससे वभने में स्विभा के सिए; और्∕या

(क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कट अधिनियम, या धन-कट अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में स्विधा को निए;

वतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) वे अधीन के निम्नतिरिक्त व्यक्तियों क्रियां मान्य (1) साह प्रापर्टीज लि॰।

(भ्रन्तरक)

(2) स्वास्तिक मेटल इण्डस्ट्रीज ।

(ग्रन्तरिती)

को ग्रह स्चना जारी कारके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुने।

उक्त सम्पत्ति के मुर्चन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि थो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लि में किये वा तकीय।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाँका, जो उकत सधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

## मन्त्रची

कमरा नं० 2 । पता—11, क्लाइव रो । रजिस्ट्री-डीड नं० 3899 तारीख 30 मार्च, 1984 । के भनुसार ।

> गंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ५ श्रजेंग रेज-3, कलकत्ता

तारीख: 14-11-1984

प्रकप नाइं ु टी. एन. एस., =======

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 नवम्बर 1984 निर्देश सं० 1566/एक्बी॰ रेंज-III/84-85--यतः मुझे, शंकर बनर्जी,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25;000/- रु. से अभिक है

श्रौर जिसकी सं० 11 है तथा जो क्लाइव रो में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 30 मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विचित्त में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, अक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) साह प्रापर्टीज लि॰।

(ग्रन्सरक)

(2) पांडया कोल्ड स्टोरेज प्राइवेट लिमिटेड । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की सर्वीध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की सर्वीध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार्ड लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

## **प्रनुसूची**

कमरा नं० 1, पता—11, क्लाइव रो। रजिस्ट्री—डीड नं० 3897 तारीख 30 मार्च, 1984 के प्रमुसार।

> णंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--

तारीख: 14-11-1984

प्ररूप भार्व . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### THE TANK

# कार्यालयः, सहायक कार्यकर आयुक्त (निरीक्क) अर्जन रेंज--III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 नवम्बर 1984

निर्देश सं० 1564/एक्बी० रेंज-III/84-84--यतः, मुझे, शकर बनर्जी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी द्ये यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/रुक से अधिक हैं

और जिसकी सं० 11 है तथा जो क्लाइव रो में स्थित (श्रीर इससे उपाथड श्रनुभूची में और ण रूप से वर्णित है). रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 30 मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल से कम के दरयमान अतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिक्का का, निम्नलिखित उक्षेष्य से उक्त अन्तरण निश्चित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरम् से हुद जिली बाब की बाबर, उक्त विभिन्निय के अभीत कर्र दोने के जन्तरक के दारित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविभा के सिए; वॉर/बा
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियनम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियनम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया आना चाहिए था, खिपान में स्विधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) साहू प्रापर्टीज लि०।

(अन्तरक)

(2) गंगा प्रसाद बुधिया एण्ड मन्स ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्परित के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

## कक्त सम्पृतित के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी नासीप्र--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की मामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त म्बल्तियों यें से किसी स्यक्ति दुवारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाव निवित में किए था सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## जन्**त्र**ी

कमरा नं० 3,पता—11, क्लाइव रो । रजिस्ट्री<del>—डीड</del> नं० 3904 तारीख 30 मार्च, 1984 के घ्रनुसार ।

> णंकर वनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-III, कलकता-16

तारीख : 14-11-1984

प्रस्थय कार्स्, हरी, हम्, इस्, ------

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक सायकर सायक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-III, कसकत्ता

कलकत्ता, धिनांक 14 नवम्बर 1984

निर्देश सं॰ 1565/एक्वी॰ रेंज-III/84-85--यल, मुझे, शंकर बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित गंजार मृत्य 25,000/- राज्ये अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 11 है तथा जो क्लाइव रो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री— कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधि— नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 30 मार्च, 1984

को पृथिविस सम्पत्ति को उणित बाजार मूल्य से कम के क्ययमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा कित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे द्ययमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिदास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निस्नलिखित उद्वेष्य से जक्त अन्तरण लिनिला में गास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी नाम की नामते, उक्त बीधनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्स में कमी करने या उससे सचने में मृतिधा के किए.
- क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय अध्य कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, वा धन-कर ऑधिनियम, वा धन-कर ऑधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंधा वा या किया वाना वाहिए था, कियाने में मुनिधा वे लिए;

बक्षः अब, उक्क अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उक्क अधिनियम की धारा 269-थ की लगधारा (1) के आगित्र शिम्निलियित श्रायिसयों, अर्थात :---- (1) साह प्रापर्टीख लि॰।

(त्रसारक)

(2) भी जगदीश प्रसाद सिंधानिया एष्ट सन्स । (ग्रन्तरिती)

का यह स्वना आरो करके पूर्वोक्त संपत्ति के कर्जन के सिश् कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीक स 45 दिन की जविच या तत्सम्बन्धी क्यिन्सियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, जो त्री जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियों में से किसी क्यांक्त द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति दूबारा अभोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- हरामें प्रयुक्त जब्दो और पदों का जो उस्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा, को उस अध्याय में दिया गरा। हैं।

# वन्स्यी

. कमरा नं० 17; पता—11, भनाइव रो। रजिस्ट्री—डीड नं० 3896 तारीख 30 मार्च, 1984 के मनुसार।

> गंकर बनर्जी. सक्षय प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (मिरीक्षण) ग्रर्जन रेंज⊶III, कलकता-16

तारीख : 14--11-1984

नोहर:

प्ररूप आहूँ.टी.एन.एस.-----

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार्

कार्यांलय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)  $oldsymbol{y}$ र्जन रेंज $-\mathrm{IV}$ , कलकक्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निर्देश सं० ए० सी० 29/रेंज-IV/कलकता/84-85--यतः मुझे, शंकर के० बनर्जी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रन, से अधिक ह

भौर जिसकी सं० 62 है तथा जो कालिपोंग में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णस्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 मार्च, 1984

कर्र पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्यं से कम के स्थामन प्रतिफल के लिए जन्तरित को गई है और मृत्रे यह विस्तास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके स्थामान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त जन्तरण लिखित में वास्तविक नप में कथित नहीं किया गया है:—

- (46) अन्तरण सं हुई किसी आय की वायत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः जज उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण कों, भीं: उक्त जिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री रामेन्द्र नाथ दत्त ।
- (मन्तरक)
- (2) श्री इकराम मोहम्मद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सम्क करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

## अन्स्ची

जमीन—1.04 एकड़ जमीन का साथ मकान, पता—62, रि० किं0 पोंग० रोड, कालिपोंग, दार्जिलिंग। दलील सं0—1984 का 108।

शंकर के० अनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ऋायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-IV, कलकत्ता-16

तारीख: 12-11-1984

मोहर ः

प्रक्स मार्ड, टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269(घ) (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता

भलकत्ता, दिनांक 12 नवन्बर, 1984

निदेश सं० ए०सो० 30 रिंज-4/कलकत्ता/84-85---म्रतः मुझे, शंकर के० बनर्जी

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा %69- स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं। कि स्थायर मध्यति, जिसका उचित वाजार मून्य 25.000/- रू. से अधिक हैं

भौर जिसको सं० जमीन है तथा जो दार्जिलग में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में भौर पूर्ण रूप से विणित है), राजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय, कलकत्ता में राजिस्ट्रोकरण भिधितयम, 1908 (1908 का 16) के अधान, तारोख 9 मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण जिलित में बास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बाबत, उक्त कि बिलियम के जभीन कर दोने के बन्तरक की समित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; आर्ड/या
- (च) एसे किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्त्यों को जिन्हें भारतीय आयुक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तं अधिनियम, या भन्-कर् अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यार प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना जाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए

भतः अव, उनते अधिनियम की धारा 2'69-ग के अनुसरण भी, भी, उनता अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — (1) सुमन टो'० एण्ड प्लाईउड इण्डस्ट्रोज प्राइवेट लि०।

(भन्तरक)

(2) देवर टो को० प्रा० लि०।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना चारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृति में हितबद्ध , किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्यव्हीकरण : — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

जमीन—विद्याकस टी गार्डेन । पता; —सीनादा, थाना जोरा बालों वार्जिलिंग । दलील सं०——1984 का 3649।

> संकर के० बनर्जी यक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रीयकर ग्रीयुक्त (निराक्षण) गर्जन रेंज-4, कलकत्ता

तारीख: 12-11-1984

मोहर 😘

## प्रकार मार्चा दी प्रकार प्रकार

अध्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

## नारत बरकार

कार्यामय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निधेश सं० ए० सो० 31/रेज-4/कलकता/84-85--- म्रतः मुझे, शंकर केठ बनर्जी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार ्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं और जिसकी सं० हैं तथा जो हानड़ा में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूकी में और पूर्ण रूप से विणित है), राजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, हाबड़ा में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारोज

16 मार्थ, 1984

की पूर्वोक्त सम्मत्ति के उण्चित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ बृह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उण्चित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निश्वित उत्देश्य से उन्नत अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरेण सं हुन्दं किसी भाग की शावत, उक्तर विधितियम के भूषीन कुद दोने के जन्तरुक के शायरण भं कनी करने मा उसके वसने में शुक्रका के जिए; जीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अभिनियम, या अन- कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, किया में सुविधा को सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्न्लिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध— (1) प्रिसिसियान मेकौनकल वक्सं ।

(अन्तरक)

(2) श्री तुलसी मायार।

(ग्रन्तारतो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिध् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप हिल्ला

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्स
- (च) इस स्थान के राजपत्र मृत्यकाणन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रगुक्त सम्बां और पदां का वा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### -

जमोन--- 9 कट्टा 15 काचा 22 स्के फीट जमीन के साथ मकान।

पता-62, चाटापिजरा लेन, बंटरा, हावड़ा । वनीज सं ०--1984 का 1847।

> शंकर के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारो सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-4, कलकला

तारीख: 12-11-1984

मोक्षर:

प्रकप शाह<sup>र</sup>. टी. एत. एस. कारण्यास्तरम

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-य (1) के अधीन सचना

#### आरंत शरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 12 नवम्बर 1984

निवेश सं०ए० सी० 32/रेंज-4/कलकत्ता/84-85---म्रतः

मुझे, शंकर कै० बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-थ के उन्होंने सहार अधिनियम' का यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य 25,000/~ एउ. से अधिक है

भौर जिसको सं है है तथा जो कुमार पड़ा रोड, हावड़ा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रांकर्ता श्रधिकारा के कार्यालय, हावड़ा में रजिस्ट्रांकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन सारीख 12 मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्मिरित के उण्यत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विद्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्मिरित का उण्यत बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ने, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिका) के बोच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिस सबुद देय से उन्नत अंतरण जिल्हित में बास्तिक कर्ष से अभित नहां किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की शावत, उक्ट अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में किसी करने या उसते अचने में सुविधा अंशिए; और था
- (वं) ए सि किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, था भारा-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, खिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-न के बनुसरण भॅ, मॅ, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रो भ्रमल कांस दास ।

(भ्रन्तरक)

(2) एमारेस्ट इण्डस्ट्रोज ।

(ध्रन्तरितो)

को यह सूचना जाड़ी करके पूर्वोक्य सभ्यत्ति के अर्जन हो जिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप अ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है थे 45 दिन की अविध्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध्या औं भी वविध्याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्मक्टीकरण :--इसर्म प्रयुक्त शब्दों और पर्वां का, वा उक्त अभिनियम, के अध्याय 20 क में परिभावित हूँ, वही अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्त्र्यी

जमीन—2 बीषा 18 कट्ठा 3 छटाक 12 स्केट फीट का 7/8 भाग ।

पता----21, कामारपाड़ा रोड, थाना लिलुझा, जिला हावडा ।

वलील सं०---- 1984 का 579

यंकर के० बनजी सक्षम प्राधिकारा सहायक भायकर भायुक्त (निरोक्षण) भार्जन रेंज-4, कलकता

सारीख: 12-11-1984

श्रुक्य बार्च टी. एन. एस. - - - ----

नायकर विभिन्नियस, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म् (1) के अभीन सुद्धना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निवेश सं० ए० सी० 33/रेज-4/कलकत्ता/84-85--श्रतः

मुझे, शंकर बनर्जी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो कुमारपाड़ा रोड, हावड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रांकर्ता, धिकारी के कार्यालय, हावड़ा में रजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12 मार्च, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण संबुधं किसी बाय की बाबत, उक्त मधिनियम के जधीन कर बोने के अन्तरक के बाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के मिए; बॉर/बा
- (का) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-रं कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भविधा के विए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ज', ज', उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निस्नीलजुद व्यक्तियों है अधीन, दि—— (1) श्रीकमलाकांत दास ।

(भ्रन्तरक)

(2) एमारेस्ट इण्डस्ट्रीज ।

(मन्तरितो)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त संस्पृत्ति के वर्षन के दिलए कार्यवाहिया शरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों गर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धं किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्होकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जन्त्य

जमीन---2 बीघा, 18 कट्ठा 3 छटाक 12 स्के० फीट का 7/8 भाक।

पता—21, कुमारपाड़ा रोड, थाना लिलुमा, जिला हावहा ।

> णंकर के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) मर्जन रेंज-4, कक्षकला

तारीख : 12-11-1984

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजंन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निवेश सं० ए० सो० 35/रेंज-4/कलकत्ता/84-85---प्रतः मुझे, शंकर के० बनर्जी

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० है तथा जो हावड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्राकर्ता ग्रिधकारों के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्राकरण श्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, ताराख 28 मार्च, 1984

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दर्ध से उक्त अन्तरण किथित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुन्हें किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर बंग के अन्तरा दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कें⊶अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीलक्ष्मी चामारिया।

(भन्तरक)

(2) श्रोरिएन्ट कपार इन्स्बद्रोज लिमिटेड।

(भ्रन्तरिती)

का यह सचना जारो करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :---.

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त झोती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जनसंची

जमीन---19 कट्ठा 3 छटाक, 27 स्के॰ फीट जमीन के साथ मकान ।

 $4\pi - 13$ , हरदत्त रोड, चामारिया रोड, थाना तथां जिला हावड़ा ।

दलोल सं--- 1984 का 3756।

शंकर के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रॅंज-4, कलकत्ता

तारीख: 12-11-1984

प्रकथ बाई .टी .एन एस . ------

आयकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### बारत सरकार

## कार्यासय, सहायक वायकार नाव्यत (निरीक्षण)

ग्रजॅन रेंज-4 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निदेश सं० ए० सो० 36 रिंज-4/कलकता/84-85-प्रतः मुझे, शंनर के० बनर्जी

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन इसमें इसमें प्रवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

भौर जिसकी सं 160 है तथा जो टां टीं रोड, हावड़ा में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारों के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रिधीन, तारीख 27 मार्च, 1984

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वत करने का कारण है कि यथापृयोंकत सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, इसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देष्य में उपत अंतरण निम्निलिखित से महीं किया गया हैं:—

- (क) जंसरण से हुइ किसी मात्र की बानत, उत्तर विभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक वे शायित्व को कभी करने या समय्ये नचने में स्विधा क निगः जौर/बा
- (वा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अमझार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोकाः ई अंतरिती, द्वारा अकट नहीं किया नया की या किया जाना साहिए था जिल्लाने में स्विका के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के,अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अं अधीम, निम्निचित व्यक्तिमों, वर्षात्:— (1) उद्योगिक लिक्बोडेटर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीपविसाकुमार दत्ता।

(अस्तरिती)

को यह बूचना बारी करको पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की स्विधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की दारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-ब्रुथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळकिरण:---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जा उस अध्याय में दिया सका ही।

## वन्स्वी

जमीन--- 5 बीघा । पता---- 160, जी० टी० रोड, बाल्ली, हावड़ा । बलील सं०---- 1984 का 3665 ।

> यंकर के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज⊸4, कलकत्ता

तारीख : 12-11-1984

मोहर ः

प्ररूप आहरै.टी.एन.एस.-----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-4,कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निवेश सं० ए० सी०  $37/\sqrt[3]{3}-4/$ कलकत्ता/84-85—श्रतः मुझे, शंकर के0 बनर्जी

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुः से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 14 है तथा जो छा० छ० के० चटर्जी लेन, हावड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 23 मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) जन्तरण से हुई जिल्ली जाय की बाब्त, उन्तर विभिनियम के जभीन कार दोने के जन्तरक के दायित्य में कानी करने वा उत्तरे वचने में सुविधा के लिए;
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जस्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा औ सिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधी⊲, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 28 —386GI∣84 (1) मैं भारत लिनोलियम लि ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रमेश कुमार नंगालिया।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति को अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उत्तत संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी बाझेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क्षं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्मीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

## **प्र**नुसूची

जमीन—- 3 कट्टा 13 चट्टक 35 स्के० फीट साथ मकान ।

पता—14, डा० छ० के० चटर्जी लेन, भाना बाल्लो, हाबड़ा ।

दलील **सं** ०---- 1984 का 353**3 ।** 

णंकर के बनर्जी सक्षम प्राधिकारो सहायक श्राकर घामुक्त (निरोक्षण) धर्जन रेंज−4, कलकक्ता

तारीख: 12-11-1984

## प्रकृत काहरे , डी., एन., एवं ,------

भावकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारी 269-म (1) के नधीन सुमना

## नारच चहुन्तह

क्रायांतय, सहायक आधकर बागुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-4, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निवेश सं० ए०सी० 38/रॅज-4/कलकता/84-85---श्रतः मुझे, शंकर के० बनर्जी

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विकका उचित बाबार कृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है

मौर जिसकी सं 14 है तथा जो डा॰ एच॰ के॰ चटर्जी लेन, हावड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीर्चा ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकसा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 23 मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान इतिफल के जिए बंतरित की गई है और मुभे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार बूम्ब, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिकल का पंत्रक प्रतिकत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिकः (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम बाबा नमा प्रतिकत, जिम्मिबित ब्रुव्हेस से बन्तर बन्तरक किवित में वास्त्रिक कप से किया नहीं किया नवा है के

- (क) अन्तरण से तुइ किसीं आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के करिक्त में क्यी कर्ड़ वा स्वयं त्वयं में बृतिका के लिए; बॉट/वा
- (च) एसी किसी आप या किसी भन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिये था, क्याने जें स्विधा के लिए;

नतः नग, उपत निधिनियम की धारा 269-ए के नम्सरण वी., मी, क्षत्रत निधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को नधील, शिक्तिसिचत व्यक्तियों, नधीत ह— (1) मै० भारत लिनोि नियम लि०।

(अन्तरक)

(2) श्रीमतो मंजुदेबी श्रग्रवाल।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी कारके पूर्वोक्त सम्पर्टित के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन के भीतर प्वॉक्स उक्त स्थावर सम्मित के हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्यीकरणः ----इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदों का, वो उनत अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गया है।

## वनसूची

जमीन---1 कट्ठा, 13 छटाक, 34 स्के॰ फीट के साथ मकान।

पता—14, डा॰ एच॰ के॰ चटर्जी लेन, **धा**ना बाल्ली, **हाव**डा ।

दलील सं 0--- 1984 का 3534।

शंकर के॰ बनर्जी सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-4, कलकला

तारीख: 12-11-1984

प्ररूप भार्च .टी . एन . एत . ------

बायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुधना

## बाह्य खुप्ता

कार्यालय, सहायक आयकर वाय्कत (निरीक्षण) अर्जन रेज-4: कलकता

कलकत्ता, दिनांक 12 नवश्वर 1984

निवेश तं० ए० सी॰ 39रिंग 4/कलकत्ता/84-85--मतः मुझे, शंकर के० समर्जी

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उन्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ∰ के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारन हैं कि स्नावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मुख्य, 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं ातथा हैजो कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी क कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 23 मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान बितिक के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिय तय पाया ग्या प्रतिफल निम्निवित उद्देश्य से उक्त कन्तरण मिचित में शास्त्रिक इस से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण चेहुई किसी जाव की बाब्द, उक्त जिमीनयज के अभीन कर देने के अन्तरण को वीदरण में कनी करने वा उससे बचने में सुविधा औं जिस; जीहर/बा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या अन्य मास्तियों को, जिन्हों भारतीय माय-कर निभिनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त नीभिनियम, वा भन्-कर मिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ नन्तौद्धती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा था वा किया जाना चाहिए वा, जिनाने वें स्तिशा के निए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) हो अधीन, निम्नलिसित स्पिस्तयों, अधीत्:--- (1) इण्डिया लनो लवामस लि ०।

(ग्रस्तरक)

(2) मै० प्रामिन (इण्डिया) लि०।

(ग्रन्तरितीः)

का भह स्वमा बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के कर्वन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुएं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीच ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी क्यूक्ति इवारा;
- (क) इब श्रूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर इक्त स्थानुर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा नथाहस्ताकारी के पास विकास में किस वा सकते हैं।

क्षितियम के अध्याय 20-क में परिभावित हों., विश्व वर्ष होंगा वो उस अध्याय में दिवर गया हो।

## **बन्**त्रची

जमीन--- 6 कहा 6 छटाक 21-2 स्के० फीट जमीन के साथ मकान ।

पता—14, डा॰ एच॰ के॰ चटर्जी लेन, थाना बालि, जिला शबदा ।

दलील सठ०---1984 का 3535 ।

शंकर के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) धर्जम रेंज-4, कलक्षता

वारीख: 12-11-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आहें ्टी.एन.एस.-----

नायकर जाँधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4 कलकत्ता

कलक्सा, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निदेश सं० ए० सी० 40/रेंज-4/कलकत्ता/84-85--श्रतः मझे, शंकर के० बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसको सं० 14 है तथा जो डा० एव० के० चटर्जी लेन हावड़ा में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वीणत है) रिजिस्ट्रोनर्सा श्रधिकारों के कार्यालय कलकत्ता में रिजिस्ट्रोनरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 23 मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवत में वास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरण के बायित्व में कमी करने या उत्तसे अवने में सुविधा के क्षिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

अतः अवं, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ऑभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अपीय, निम्मसिखित व्यक्तियों, अभित्ः— (1) मैं भारत लिनोलियम लि ।

(अन्तरक)

(2) श्री महादेव सीट शादेव शीट।

(ग्रन्तिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पट्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

## यनुसू वो

जमीन--1 कट्टा, 9 छटाक, 9 स्के॰ फीट के साथ मकान।

पता—-14, डा॰ एच॰ के॰ चटर्जी लेन थाना बाल्ली जिला हाबड़ा।

धलोल सं 0--1984 का 3536 ।

शंकर के० बनर्जी ंगतन गात्रकारा सहायक श्रायकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंजे–4 कलकत्ता

तारोख : 12-11-1984

प्रकप बार्च . टी . एन . एस . ------

नायक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-IV कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निर्देश सं० ए० सी० 41/रंज-4/कल/1984-85:---यतः, मुझे, शंकर के० बनर्जी,

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), भी भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 14 है तथा जो डा० ए घ० के० चटर्जी लेन, हावड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाश्रद्ध ग्रानुसूची में ग्रीर, पूर्ण रूप से विणत है, र्जिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम. 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 23-3-84

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बलारण ते हुइ किलों बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के सिए: और/या
- (बा) ऐसी किसी जाय या किसी धन जन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना वाहिए था छिपाने में सृबिधा वौ लिए:

नतः अन, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्ति व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री भारत लिनोलियम लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती चन्द्रावती जहसवाल, श्री संजय कुमार जहसवाल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में काई भी आक्षोप :--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

## अनुसूची

जमीन--2 कोटा, 15 चिहक, 41 सक्वायर फिट साथ मकान पता:--14, डा० एच० के० चटर्जी लेन, याना-चाली हावड़ा, दलील सं०: 1984 का 3537।

> शंकर बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी, (सहायक श्रायकर ग्रायुक्त, निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता

तारीख: 12-11-1984.

प्ररूप बाइँ. टी. एक्: द्वाः ----

भागुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भागु 269-व (1) के स्पीन सूचना

## शारत् संडकार

कार्यातय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 12 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० ए० सी'० 42/रेंज-4/कल/1984-85:--मत:, मुझे, शंकर के० बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 14 है तथा जो डा० एच० के० चटर्जी लेन, हावड़ा में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध (अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में राजस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 23-3-1984

प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितयाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में बास्यविक रूप से कर्षित नहीं किया गवा है :—

- (क) बन्त्रुज् से शुर्भ किसी अाथ की बाब्द्, अक्ट, विश्वित्य के वधीन कर दोने के बन्त्रक के बाबित्य में कमी करने या उससे बचने में बुविधा के निष्ठ; बीर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

नतः जब उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के नन्सरण /-, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-व की उपभारा (1) अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अभात :--- (1) भारत लिनोलियम लि॰:

(ग्रन्सरक)

(2) श्री गोपाल चन्द्रा हे भौर भ्रादि।

(यन्तरिसी)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बास्पे :---

- (क) इस स्वान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अविकासी पर स्वान की तामील से 30 दिन की जबिध, को जी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के जीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूत्रमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थावत व्वारा अधाहरताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों शौर पक्षों का, वो उक्त जीवीनयम के अध्याय 20-क में परिभावित हूँ, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वया है।

#### यपुर्वा

जमीत: 4 कोटा, 1 चिट्टक, 43 स्म्बायर फीट साथ मकान, पता: 14, डा० एव० के० चटर्जी, लेन, याना, बाल्ली, हावड़ा, दलील सं०: 1984 का 3538।

शंकर के० वनर्जी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), मर्जन रेंज-4, कलकत्ता

तारीय: 12-11-1984.

मोहर 🛭

प्रक्ष. बाइ. टी. एन. एस. - - - -

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के बभीन सुचना

(1) मैं भारत लिनोलियम लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दसरथ कुमार अग्रवाल ।

(ग्रन्तरिती)

भारत सहस्राह

कार्यालय, सहायक भावकर भावकत (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 12 नवम्बर 1984

निर्देश सं० ए० सी० 43/रेंज-4/कल०/1984-85:---यत: मुझे, शंकर के० बनर्जी,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वे प्रति (उस्त विधिनियम कहा गया है), की भार 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से मिथक है

श्रीर जिसकी सं 14 है, तथा जो डा॰ एच॰ के॰ चटर्जी लेन, हावड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से जिलत है), रिजस्ट्रवेकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 23-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल का मंद्र प्रतिफल से, ए'से द्रश्यमान प्रतिफल का मंद्र प्रतिफल से अपिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच ए'से अन्तरण के सिए तथ पामा गया प्रतिफल, निम्नालिचित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिचित में द्रास्तिक रूप से कथित मृद्री किया गया है हि—

- (क) जन्तरण से हुन्दे किसी जाय की धरम्बा, स्वयः वीधित्त्व की वधीन कर दोने के ज्लाहरू की दायित्व में सभी करने वा उदाबे वचने में द्वीवना की श्रिष्ट; बीट्र/बा
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी भन वा अस्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्भ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविभा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं!।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :!---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थक्कीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बज़ी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अगसाची

जमीत: 3 कोटा, 2 बिट्टक, 22 स्क्वायर फिट साथ मकान, पता: 14, डा॰ एच॰ के॰ चटर्जी लेन, थाना बास्ली, हावड़ा, दलील सं॰: 1984 का 3539।

> शंकर के० बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता

बतः बद् उक्त विधिनियम की भारा 269-न के बनुसरन क्रें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्निजियित व्यक्तियों, अर्थात् हि—

तारीख: 12-11-1984.

मोहर 🗄

प्ररूप. बाइ. टी. एन. एस. -----

बायकर विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कलकला

कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० ए० सी॰ 44/7ज-4/कलकला/1984~85:—यतः मुझे, शकर के० बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क् के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 14 है तथा जो डा० एच० के० चटर्जी लेन, हावड़ा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 23-3-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संस्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके उस्प्रमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तस् पासा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की वाबत, उक्त जीभनियम के जभीन कर्द दोने के जन्तरक के वायित्व में कभी करने या उत्तसे वचने में सुविभा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय अग्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

(1) भारत लिनोलियम लि०।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उमा देवी जेजोडिया।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त स्म्पत्ति के अर्जन के शिए कार्यशाहियां करता हुएं त

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए का सकोंगे।

स्पट्टीक रण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्स्त्री

जमीन: 3 कोटा, 5 चिट्टक, 30 स्क्वायर फिट साथ मकान, पता: 14, 310 एच० के० चटर्जी लेन, थाना बाल्ली, हावड़ा, दलील सं०: 1984 का 8540।

शंकर के० बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता

जत: जन्, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण भों, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्थोत्:---

तारीख: 12-11-1984

मोहरः

प्ररूप आहें. टी. एस. एस.-----

was the state of the first of the state of t

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

फार्घालय, सहायक आयव्य आयव्य (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज, कलकत्ता
कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर, 1984

निवश सं० ए. सी॰ 45/रेंज-4/कलकत्ताः/1984-85:--यतः मुझे, शंकर के० बनर्जी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिसत बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० है तथा जो धुसुरी, हावड़ा में स्थित है (ग्रीर इसते उगावद्ध ग्रनुसुवी में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजा ग्रीकारी के कार्यालय कलकता में, रिजस्ट्रीकरण ग्रीधितयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन, नारीख 23-3-1984

को प्रोधन सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए कन्तरित की गर्ड है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत समास्ति का उचित बाजार मल्य अपने अक्तापन परिकाल में, एसे इच्च्यान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकारों) के लेख एसे संनरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्कत निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तिवक कप में किशार नहीं किया गया है :---

- (क) झलारण से इन्हें किसी काय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अलगरक के दायित्व में करी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उन्त अधिनियम, या धन-अन्द अधिनियम, 1057 (1957 की 27) जी प्रणाजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नढ़ीं किया गया था था किया जाना शाहिए था, छिए।ते में स्जिधा है लिए;

(1) इण्डिया लिनोलिकामण लिल्।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मन्जु देवी सिंघानिया।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारों से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि. जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्स्थी

जमीन—3 काठा 12 छटाक, 26 स्को० फि० जमीन का माथ मकान, पता : 14, डी० एच० के० चटर्जी लेन, थाना बालि जिला—हाबड़ा, दलील सं० : 1984 का 3542।

> शंकर के० बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्दक्षण), श्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता

तारीख : 12-11-1984

प्ररूप आईं० टी० एन० एस०

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अधीन सुम्ता

## भारत बहुकाह्र

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज कलकता

कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निर्देश सं० ए० सी॰ 46/रज-4/कलकत्ता/1984-85:— यतः मुझे, शंकर के० बनर्जी,

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने कर कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25.000/ रा. से अधिक है

ष्मीर जिल्लकी सं० है तथा जो घुमुरी हावड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उगाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्गा श्रधिकारी के कार्यालय कनकता में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 23-3-1984

को पूर्वोंक्त समपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान बितिफल के लिए अर्तारत को गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापवोंक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य सकके दृष्यमान प्रतिफल से एोसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अवट नहीं किया गरा था किया जाना शिहिए था, खिपाने में मृतियभ के निए;

कतः अत्र. उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ए कै जनसर्भ मैं, भैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेसिजित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) इण्डिया लिनोलियामस लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रामेण्वर दास बनसाल ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से '45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (सं) इस स्पन्न के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्रितबद्दभ किसी; अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लि। सत में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

्जभीत—3 काटा 11 छटीक 9 स्को० फि० जमीत साथ मकान। पता: 14 डी० एच० के० चटर्जी लेन थाना बालि हाषड़ा दलील सं०: 1984 का 3543।

> शंकर के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज−4, कलकत्ता

तारीख: 12-11-1984.

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निर्देश सं० ए० सी॰ 47/रेंज-IV/कलकत्ता/1984-85:---यतः मुझे, शंकर के० बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 14 है तथा जो डा० एच० के० घटर्जी लेन हावड़ा में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 23-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के इर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इर्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

सतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के शधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) डा॰ गौरंगा प्रसाद नियोगी ।

(धन्तरक)

(2) एन० बी० एई० इन्जि॰ का (प्रा०) लि॰ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी खाम्पेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक सैं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## मन्स्ची

जमीत : मकात सं० 204 जी०टी० रोड, बेगुच धाना नाली हाबड़ा पत:--पहीदलोत सं० 1984 का 3806।

> शंकर के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-<sup>IV</sup> कलकत्ता

तारीख: 12-11-1984.

प्रस्प आइ.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भा (1) के स्थीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

श्रर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 15 नवम्बर 1984

निर्देश सं० ए० पी० 83/रेंज-IV/ हल/1984-85 यतः, मुझे, एस० के० बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25.000/- रा. स आधिक हैं

भौर जिनकी सं० ए० धी०-243 है तया जो सल्ट लेक सिटि, कलकत्ता-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विगत है) रजिस्ट्रीकर्जा श्रधिकारी के कार्यालय श्रार० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16). के श्रधीन, तारी व 12-3-1984

का पृथानत सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थयमान प्रतिफान के लिए जतिरत की गई है जीर मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि स्थापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का अन्त्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिसी (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिच्ना निम्तालीका उद्देश से उदन अंतरण जिचित को बास्तिकृत स्थ से किथित नहीं किया गया है —

- (क) कस्तरण से हुए ..... ... । बाकत, उकत किंपिनियम के कधीन कर दोनें के अन्तरक के द्यित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ए) एसे फिसी बाय वा किसी भव वा बन्य बास्तकों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बधिनियम, या ध्वं कर बधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती इवाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के बिए;

इतः अवः उक्तं अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---- (1) श्री नन्द लाल कुण्डु।

(ग्रन्सरक)

(1) 1. श्री प्रवीर कुमार सेन, 2. श्रीमती चन्द्रवर्लि सेन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के बर्बन के लिए कार्यज्ञाहरा करता हु"।

उपल सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जां भी अवधि सद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तण्डीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्प्यत्ति में हितबंद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पाद्धीकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, ओ उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित धूँ, बही अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गुवा है।

## मन्स्यी

जमीन: 4.2692 कठा जमीन का साथ मकान, पता: एडि-243, कलकत्ता-64, थान!--साल्ट लेक सिटि, दलीन संख्या: श्रार० ए० कलकता का 1984 का श्राई-3041।

> एस० के० बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज–IV, कलकक्ता

तारीख: 15-11-1984.

मो}द:

प्ररूप बाइ'. टी. एनं. एस. - - - ---

बायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० ए० सी॰ 84/रेज-4/कल०/1984-85:--यत:, मझे, एस० के० बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जितकी सं० 14 ए, है तथा जो बर्धमान रोड़, कतकता में स्थित है (श्रीर इससे उनावड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिल्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० ए० कलकता में, रजिल्ट्रीकरण ग्रिश्चित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिशीन, तारीख 6-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पेंद्रह प्रतिशत से, अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिरियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचरे में शुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे जिसी जाय या किसा धन या जन्य आस्तवा को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती ईला दत्त।

(अन्तरक)

(2) बागरि इन्वेसटमेन्ट प्राईवेट लि॰।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चा के राजपत्र में प्रकशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्स्ची

जमीन: 1 विघा 6 कंठा 7 छटाक 24 वर्ग फुट जमीन का अविभक्त 3/10 भाग का साथ मंकान, पता: 14 ए, वर्धमान रोड़, कलकत्ता, दलील संख्याः एस० आर० ए० कलकत्ता का 1984 का अई 2779।

एस० के० बनर्खी सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख: 15-11-1984.

प्रकार भारते हो एम । एस ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत संस्कार

कार्थातय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता
कलकत्ता, दिनांक 15 नवम्बर, 1984

निर्देश सं०ए० सी'०-85/रेंज-JV/कल०/1984-85:---यतः मुझे, एस० के० बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात जिल्ल का धिनियम कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर अस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु से अधिक है

मौर जिसकी सं० 14 ए० है तथा जो बर्धमान रोड़, कलकता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रिश्वकारी के कार्यालय कलकता में, रजिस्ट्रीकरण श्रिश्वित्यम, 1908 (1908 का 16) के अश्रीन, तारीख को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के रक्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रक्ष्यमान प्रतिफल में, एत व्यथमान गरमान का प्रवित्त बाजार मृल्य, उसके रक्ष्यमान प्रतिफल में, एत व्यथमान गरमान का प्रवित्त बाजार मृल्य, उसके रक्ष्यमान प्रतिफल में, एत व्यथमान गरमान का प्रवित्त की श्रीष्ठ है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितं गर्म) के गर्थ एवं स्वत्यक अंतरण लिखित में बास्तिबक क्ष्य से किशत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण स हुई किसी अध्य की बाबत, उन्त बिधानयम के बधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लए; बोर/था
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के स्थीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती ईला दल।

(मन्तरक)

(2) बागरि सिन्थेटिन्स प्राईवेट लि०।

(ग्रन्तरिती)

का यह सुचना चारी करके पृत्रावित सम्पत्ति के अर्थन के बिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बन्स सम्पत्ति के जर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाहरेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिया में संकिमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितन्व्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के अस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः --- इसमो प्रयूपल स्व्यों आरे पर्यों का, जो उक्त अधिनियम का अध्यास 20-का में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्यास मी दिया गया हो।

## **मम्**स्ची

जमीत: 1 बीघा 6 कठा 7 छट क 27 वर्ग फुट जमीत का भ्रविभक्त 3/10 भाग का साथ मकान, पता: 14ए, धर्घमान रोड़, कलकत्ता, दलीत संख्या: एस० म्रार० ए० कलकत्ता का 1984 का माई-2778।

> एस० के० बनर्जी, सः म प्राधिकारी, सहायक अयकर श्रायुत, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज- , कलकत्ता

तारीख : 15—11—1984.

भोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० ए० सी॰ 86/रेंज-2/कलकता/1984-845:---यत:, मझे, एस० के० बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीय सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 14 ए, है तथा जो बर्धमान रोड, कलकत्ता में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय एस० स्रार० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 6-3-1984

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्या) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (वा) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा केलिए, और/बा
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथत अधिनियम, या धरा-अल अधिनियम, विश्वास, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

क्तः शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, टक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — (1) श्रीमती ईला दत्त।

ग्रन्तरक)

(2) बागरि इम्पेक्स प्राईवेट लि०।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त संपति के अर्जन के संवंध में कोई भी आक्षेप :--

- (स) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन: 1 बीवा 6 कठा 8 छटांक 27 वर्ग फुट जमीन का साथ मकान का अविभक्त 2/5 भाग, पता: 14 ए, वर्धमान रोड़, कलकत्ता, दलील संख्या: एस० आर० ए० कलकत्ता का 1984 का आई-2777 ।

एस० के० बनर्जी, सक्षम प्रांधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

तारीख: 15-11-1984.

प्रकृत काइ". टी. एन. एस. .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की <mark>भारा</mark> 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रोज, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 15 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० ए० सी०  $87/\overline{t}$ ज-2/कल०/1984-85:— यतः, मुझे, एस० के० बनर्जी,

आयकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चाल् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह शिश्वास करने का खारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रुपये से अधिक है

श्रौर जिनकी सं० 142 है नथा जो बागमारि रोड, कनकता— 54 में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजित है), रिजिन्द्रीकर्री अधिकारी के कार्यालय, श्रार० ए० कलकता में, रिजिन्द्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 31-3-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य से कम के छ्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल सा बन्द्र प्रिकार में अधि है हो और अंतरिक (अंतर्का) और अंतरिती (अन्तरिक्ति) के देश एमें अन्तरण के निए तय पाया गया बितिफल, निम्निलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (का) जन्तरण में क्षार्क किसी जाय की बाबता, उपक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के शाबिन भी कभी करने या सक्षमी उसने में मुक्किश
- ्स) एभी किसी जाग या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनस अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, दिल्लाने में सुविध्न के किए;

अतः असः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग **के अन्सरण** में , के , उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीनः, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) भी प्रजयन नगफ ।

(भ्रन्तरक)

(2) मास को०-भ्रापरेटिव हार्जसग पोनाइटी लि० । (भन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी कार्श्वप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तर्याम्बर्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की नारित से 45 दिन के भीतर जादन स्थापन स्थापन से हिन-बद्ध किसी अन्य स्थिति द्यार श्राहिशनाकरों के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमों प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो जिस्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो जस अध्याय में दिया रक्ता है।

#### अन्सची

जमीत: 3 कडा 10 वर्ष फुट जनीत का साण मकान । पता: 142, बागमारि रोड, क्राइता-54, भागा-मानिकतला । दलील संख्या: श्रार० ए० नान्यता का 1984 सा आई 3917

> ्ति के० बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर शरग्दत, (निरीक्षण), शर्जीन रेज-2, कलकता

ता**रीख**: 15-11-1984.

प्रथमः नाष्ट्रं . टी . एन् : एच . --------

माय्कार मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के म्थीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० ए० सी० 88/रेंज-2/कल०/1984-85:---यत:, मुक्के, एस० के० बनर्जी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 142 है तथा भो बागमारि रोड, कलकता-54 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण से विणित है), रजिस्ट्रीकर्जा श्रिधकारी के कार्यालय भार० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 31-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाम गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशों से उच्त अन्तरण शिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गमा है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा लेलिया, और या
- (स) ऐसी कियो जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्ही भारतीय जाय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या भन-कार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के जिए;

लतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनसरण में. में. तक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
30—38 6 GI 84

(1) श्री ममरनाथ दत्त।

(ग्रन्तरक)

(2) मास को-म्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि॰ । (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्स संपरित के अर्चन के लिए कार्यशाहियों करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अम्सूची

जमीन: 3 कठा 10 वर्ग फुट जमीन का साथ मकान। पता: 142, बागमारि रोड, कलकता-54, थाना-मानिकतला। दलील संख्या: भार० ए० कलकत्ता का 1984 का धाई-3916।

एस० के० बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

तारी**ज**: 15-11-1984.

मोहर -

## 

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाँडा 269-म (1) को अधीन सूचना

## नारत बरका

## कार्याचय , सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेज, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 15 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० ६० सी० 89/ रेंज-2/कल०/1984-85:----यत: मुझे, एस० के० बनर्जी,

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-सं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 167 है, तथा जो एस० एन० राय रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, एस० भार० ए० कलकता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 31-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मून्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफाल में एमें दृश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिस्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरच के लिए तय पांशा गया प्रतिफाल निम्नलिखित उच्चक्य से उक्त बतरण लिखित बे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जिथिनियम के जधीन कर देने के जंतरक के दावित्य में कभी करने वा इससे बचने में सुविधा के निए; और/वा
- (स) ऐसी किसी बाय मा किसी भन या बन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने से मुविधा के सिए;

बतः बन, उनत निधानियम की भारा 269-न के जनुसरन में, में, उपत निधानियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के अभीन, निधनतिस्थित न्यन्तियों, अभीत् :--- (1) श्री दीपक कुमार सिन्हा राय और अन्य।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भ्रजय कुमार रक्षित।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के वृर्धन के निष्टु कार्यवाहिया सन्दर्भ करता है।

## उक्त संपत्ति के वर्णन के संस्वेत्य में काई भी नाक्षेप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से
  45 विन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर
  सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचनां के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी के ते कि के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है

## भनुसूची

जमीन :- 11 कठा 20 वर्ग फुट जमीन का साथ मकान पता ,167 एस० एन० राय रोड थाना बेहाला, कलकत्ता दलील संख्या एस० श्रार० ए० कलकत्ता का 1984 का गाई 3935

> एस० के० बनर्जी संक्षम प्राधिकारो, सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

दिनांक : 15-11-1934

बरूप बाई.दी.एन.एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) प्रार्जन रेंज-2 कजकत्ता

कलकता दिनांक 15 नवम्बर 1984

निदेश सं० ए० सी०90/ रेंज-2/कलकत्ता/1984-85---यतः मुझे, एस० के० धनर्जी

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० 9 ए/1ए है तथा जो चेतला रोड, कलकता स्थित है (धौर इससे उपाबद धनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता घिधकारी के कार्यालय धार० ए० कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण घिधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24 मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण हैं कि यथामृतोंक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके बद्दयमान प्रतिफल से एसे बद्दयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिग्रत से अभिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाग गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उन्तर अन्तरण जिल्लाम पाग वा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उन्तर अन्तरण जिल्लाम पाग वा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उन्तर अन्तरण जिल्लाम के स्वर्थ से किया गया हैं दु—

- (क) अन्तरण वे हुई किसी बाय की बावब, उक्त निधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के बादित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के जिए; बीर/दा
- (क) ऐसी किसी वा किसी थन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) वा उक्त अधिनियम, या धक-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किवा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः भवं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (१) के अधीन, निस्तृतिचित व्यक्तियां, अधीत ह— (1) अधिकी चारपकृषक्ता वस ।

(मन्तरक)

(2) मैसर्स वा बैंक भाफ राजस्थान लि॰

(भन्तरिती)

को सह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के तिए कार्यवाहियों सूरु करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्च व्यक्ति व्वारा अधाहस्पाक्षरी के पास जिल्ला में किये वा सक्ये।

स्पथ्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, नहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिवा नवा हैं।

## STEP!

जमीम:- 990 1/2 वर्ग फुट प्लाट तीन तस्ला का विकाण में । पताः 9ए/1ए, जेतला रोड, कलकत्ता वलील संख्या-प्रार० ए० कलकत्ता का 1984 का पाई-35,45

> एस० के० बनर्जी सक्तम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2 कलकत्ता

विस्तंत :- 15-11-1984 मोहर: प्ररूप नाइ. टी. एन. एस. -----

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के बधीन स्मना

भारत सरकार

## कार्यातय, सहायक जायकर जायुक्त (विरोज्ज)

ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० ए० सी० 91/रेंज-।।/कल०/1984-85:--यतः, भुझे, एस० के० बनर्जी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- राज्यों से अधिक है

मौर जिसकी सं० 9 ए/1 बीहै तथाजो चेला रोड़ कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, श्रार० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन,तारीख 24~3-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के परयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एोसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्त्विक रूप सॅकथित नहीं किया गया हैं :---

- (क) ब-नरण सं हुडी किसी शाय की बाबत, खबस मिशिनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के जिए; बार/वा
- (स) ऐसी किसी अगय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का <u>2</u>7) कं प्रयोजनाथ जन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गयाथायाकिया जानाचाहिए जा, क्रियाने कें स्विभाके सिए:

वतः वय उपत विधिनियम की भाषा 269-त 🎳 वृत्सरक में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधाय (1) <table-of-contents> वधीन, निम्मलिक्ति व्यक्तियों, वर्धात् 🖫---

(1) श्रीमती रेनू वत्त ।

(भ्रन्तरक)

(2) दा० बैंक आफ राजस्थान लि० ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- **िया पुराना को राज**पत्र में प्रकाशन की तररीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ सूचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त **व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा**;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्रभ किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकता।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदौ का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होगा जो उस मध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

जमीन : 990 1 वर्ग फुट प्लाट तिन तल्ला का उत्तर दिक में । पता : 9ए०/1, चेतला रोड, कलकत्ता । दलील संख्या : भ्रार० ए० कलकत्ता का 1984 का आई 3544 ।

> एस० के० बनर्जी,-सक्षम प्राधिकारी, सहायक धायकर धायकत, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कलकता

तारीख 15-11-1984

प्ररूप आहें. टी. एन. एव. व्यास्थान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-घ (1) के अधीन स्**यना** 

#### भारत नरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) ग्रजनरज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० ए० सी'० 92/रेंज-4/कल०/1984-845:--यत: मुझे, एस० के० बञ्जी.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 9 ए/1 बी है तथा जो चेतला रोड़, कलकत्ता में स्थित है (भौर इससे उपायद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रार० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीककरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 24-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्केंक्त मंपित्त का उचित बाजार मूल्य. उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल सा पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल , निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की आवत, बज्जत अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भृविधा के निए; भौर/सा
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (१००० का 11) या उच्चत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः (1) श्रीमती रेनू दत्त ।

(ग्रन्धरक)

(2) दा० बैंक भ्राफ राजस्थान लि०।

(धन्तरिती)

को यह सूचना बादी करके पूर्वोक्त संपत्ति के कर्णन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के उपपात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपर्तित में हितबब्ध किसी कन्य क्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाउ लिखित में किए जा सकार्ग।

स्याक्षीकरकः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में खिवा गया है।

## वन्स्यी

जमीम: 990 र्रे वर्ग प्लाट चार तत्ला का उत्तर में।
9 ए/1 बी॰ चेतला रोड़, कलकत्ता। दलील संख्या: भार॰ ए॰
कलकत्ताका 1984 का भाई-3547।

एस० के० बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

तारीख: 15-11-1984. मोहर: प्रकप भाइं.टी. एन. एस्. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (रिरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, क्लकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० ए० सी० 93/रेंज-4/कल०/1984-85:--यत:, मुक्को, ए० के० बनर्जी,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित्त बाजार मृल्य 25,000/- स. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 9 ए/1 ए है तथा जो चेतला रोड़ कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध घनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रार० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 24-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्यास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्व्यमान प्रतिकल से एसे द्व्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से अविक है और अन्तरक (अन्तरकार्गे) और अन्तरिती (अन्तरित्तियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तो पाया गम्म प्रतिकल, निम्निलिक्त उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिकल रूप से किया नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-विवस के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में क्रमी करने वा उब्हें ब्यूने में बृद्धिया के क्रिया आहु/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उन्त अभिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्हिलिकत व्यक्तियों, अर्थात् ह—— (1) श्रीमती चम्पकलता दत्त ।

(प्रन्तरक)

(2) दा० बैंक भ्राफ राजस्थान लि०।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यजाहियां करता हूं ।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंदी-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकत्य।

स्यव्यक्तिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उसते अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हागा जा उस अध्याय में विया स्याही।

## भगुजुर्जी

जमीन : 990½ वर्ग फुट प्लाट चार सस्ला का दक्षिण दिशामें। पता: 9ए/1ए०, चेतलारोड़, कलकत्ता । दलील संख्या श्रार० ए० कलकत्ता का 1984 का झाई—3546।

> एस० के० बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-।।, कलकत्ता

ता**रिख:** 15-11-1984.

प्ररूप मार्च. टी. एन. एस. =----

# वायकर विधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सभीन स्वना

### धारत करकानु

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जनरेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० ए० सी 94/एक्यू० रेंज-4/कल०/84-85:---यस:, मुक्के, एस० के० बनर्जी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रु. से अधिक ह

ग्रौर जिसकी सं० 24 बी० है तथा जो न्यू रोड़, श्रलिपुर, कलकत्ता में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से - विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता श्रौर जिसकी सं० 24 इबी० है तथा जो न्यू रोड़, श्रोलपुर, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 28-3-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूप्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) भार अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के जिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्निजिवित स्ववित्य से उच्त बन्तरण विविद्ध में बाल्युविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से शुर्घ किसी बाब की बाबत, धक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए, और/वा
- (श) एती किसी जाय वा किसी भन वा अन्य शास्तियों को चिन्ही भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम, वा भनकार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिएँ था, छिपाने में सृविभा के तिए;

अतः वयः, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भूगें, में उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के वभीन, निम्निछिचित्र व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती सरला नभनीत भासा।

(भन्तरक)

(2) मैसर्भ पवन कुमार सेथिया।

(भ्रन्तरिती)

## को सङ् बुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के स्वीत के किस् कार्यनाहियों करता हूं।

उन्ह सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बास्रेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अयिक्तयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्थव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त कन्यों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया रया है।

## अनुसूची

जमीत: 1200 वर्ग फुट प्रत्येक श्रपार्टमेन्ट में । पता: 24 वि.०, न्यू रोड़, श्रलिपुर, कलकत्ता, श्रपार्टमेंट नं० 7 एवं 8, दलील संख्या: श्रार० ए० कलकत्ता का 1984 का श्राई—3743।

एस० के० वनर्जी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्अन रेंज-।।, कलकत्ता

तारीखा: 15-11-1984.

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) भी सरोज रंजन राय।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीप्रनय लाल मुखर्जी।

(प्रन्तरिती)

नाधकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाह्य 269-न (1) ने बधीन स्वमा

## बारव बरकाड

कार्यालय, सहायक जायकार आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-II, कलकसा

कलकत्ता, दिनांक 16 नवम्बर 1984

निर्देश सं० ए० सी० 95/रेंज-2/कल०/1984-85:--यतः मुझे, एस० के० बनर्जी,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिलका उचित काजार मस्य 25.000/-रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 239 है तथा जो ब्लाक-बी०, लेक टाउन, कलकत्ता-89 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एस० श्रार० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 26-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मृस्य से कंम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृस्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्दस प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकार) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कन निम्नीसिया उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्चत में बास्तिव्य कन ने काँचत नहीं किया गया है कन्त

- (क) जन्तरण सं शुर्व किसी जाय की वायस क्षमा जीव-नियम के जधीन कर योने के अन्तरक के स्वियल में कमी करने वा स्वयं अजने में सूविधा के नियः जीव/वा
- (क) ऐसी किसी नाम मा किसी भन मा कन्य कास्तिनी की, चिन्ही भारतीय नामकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिनियम मा भन-कर निभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था था था वाचा जाना चाहिए था, छिपाने में समिधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्तः— कायह सूचना चारी करको पृथापित सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप ---

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी खं 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकांगे।

## **न**म्स्**ची**

जमीत: 4 कटा 11 छटांक 37 वर्ग फुट जमीत के साथ मकात। पता: प्लाट नं० 239, ब्लाक बी०, कलकत्ता-89, थाना-लेक टाउन, वलील संख्या: एस० ग्रार० ए० कलकता का 1984 का ग्राई-4537।

> ाृग० के० बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज–॥, कलकत्ता ।

तारीख: 16-11-1984

प्रस्य आहु . शी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सृचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 नवम्बर, 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5711:—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा में अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में तिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में झीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (18098 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करले का कारण है कि प्रथापृत्रोंक्त नम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरण (अंतरितयाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप में किथा गया है:---

- (क) ब्रम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त वृधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के समिरक में कभी करने या उससे नज़ने में धृष्यिथा के निए; और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कह अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात :— 31—386 GI 84 (1) श्री बिनोद कुमार पुत श्री श्रमर नाथ, माफंत टेक चन्द, बी० के० श्रो० श्राफ णिव चरन दास, श्री चम्बा राम, ग्रेन मार्किट, भटिण्डा मृख्तायरे श्राम श्री लक्ष्मण सिंह पुत्र श्री केहर सिंह, कोठी कामके, सामने, एन० एफ० एल०, सिवान रोड, भटिण्डा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मण सिंह पुत्र श्री राजिन्द्र सिंह, मार्फन श्री टेक चन्द बी० के० ओ० श्राफ शिव घरन दास, श्री चम्बा राम, ग्रेन मार्किट, भटिण्या।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाशेष् :---

- (क) इस सूचवा के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीक कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित ह\*, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

## नम्स्यी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं ० 5232 दिनांक 26-3-84 को रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, भटिण्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

नारी**ख** : 21-11-1984.

प्ररूप बार्च , टी , एन , एस , ----==

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 नवम्बर 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5712 ग्रीर 5713:—यतः मुझे, जे० एस० गिरधर,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च और मई, 1984

की पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृष्टी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृस्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से जक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक हुए से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइं किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसके वजने में सुविधा के लिए; बार/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा यो किया जाना चाहिए था, स्त्रिपान में सिवधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निकासिकित व्यक्तियों, अर्थात् १--- (1) श्री प्रशोक कुमार, नार्टर एकाउन्टेन्ट, पुत्र श्री वृज लाल, मार्फत श्री बिशम्बर दास, रोशन लाल, धोबी बाजार, भटिण्डा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री तरसेम चन्द पुत्न, श्री गांधी राम श्रौर श्रविनाण सिंगला पत्नी, श्री विजय कुमार, द्वारा विजय क्लाथ हाउस, धोबी बाजार, भटिण्डा।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
  सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना चारी करको प्वॉक्त सम्पत्ति को अर्चन को लिए कार्यबाहियां शरू करता हु"।

उक्त राम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बादरेप :---

- (क) इस. सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (वं) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबबध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरों के पास सिचित में किए वा सकेंगे।

स्यक्कीकरण :--इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, और उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होया को उस अध्याय में दिया गया है।

### जन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 4975 965 दिनांक मार्च, मई, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी भटिण्डा ने लिखा।

जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर सायुक्त, (निरीक्षण), सर्जन रॅंज, जासम्बर

तारीच : 21-11-1984

प्रकृष बहुई . ही तु एक ु एक ु------

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन सूचना

#### भारत सुरक्ता

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 नवम्बर 1984

निवेश सं० ए० पी० नं० 5714:--यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चांत 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो तलवन्डी साबो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय तलवण्डी साबो में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उभित बाजार मृन्य से कम के स्थमान बितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृन्से यह विश्वास् करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मृन्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिस्त से स्थिक है और सन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तम् पामा ग्या प्रतिक फ निम्मिनिस्त उद्देश्य से उस्त अन्तरण निस्ति में वास्तिक कम ने किए तम पामा ग्या प्रतिक कम निम्मिनिस्त उद्देश्य से उस्त अन्तरण निस्ति में वास्तिक कम ने कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ करतीरती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिष्ट;

नतः नवः, उन्त् निधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के नधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधृत् :---

(1) श्री वेद प्रकाश पुन्न, श्री यूज लाल, जासी रामा मण्डी।

(श्रम्तरक)

- श्री बालक राम, लक्ष्मण वास ; रामां श्रौर श्री राम लाल पुत्र गंगा राम, रामा मण्डी ।
- 2. श्री राम लालं रमेण कुमार।
- श्री रसन चन्द, कस्तूर चन्द, रामा मण्डी द्वारा बनारसी दास रतन धन्द।
- 4. श्री रघुबीर चन्द्र पुत्र देस राज, रामा मण्डी।
- नन्द लाल गुप्ता, कंटरैक्टर, रामा मण्डी ।
- राम पाल ग्रशोक कुमार, रामा मण्डी ।
- हाकम चन्द कुन्दन लाल, रामा मण्डी ।

- धनी राम राजा राम, रामां मण्डी ।
- 9. सतपाल सतीश कुमार, रामां मण्डी ।
- 10. धर्म चन्द जवाहर लाल, रामां मण्डी ।
- 11. चनन राम राजेश कुमार, रामां मण्डी।
- 12. बबलू राम विजय कुमार, रामां मण्डी।
- 13. भ्रर्जुन सिंह तीर्थ सिंह, रामां मण्डी ।
- 14. मंजीत सिंह, ग्रमरजीत सिंह, रामां मण्डी ग्रीर राम लाल एण्ड कम्पनी, राय सिंह नगर ।
- 15 निक्कू राम वेद प्रकाश, रामां मण्डी ।
- 16 राजा राम सोम प्रकाश, रामां मण्डी ।
- 17. नरोत्ता राम नरिन्द्र कुमार, रामां मण्डी।
- 18 शिवजी राम गिन्द्र कुमार, रामां मण्डी ।
- 19. हरी राम ब्रिज लाल, रामां मण्डी ।
- 20. धर्मे पाल मदन लाल, रामा मण्डी ।
- 21. जोत राम सुरिन्द्र कुमार श्रीर राज कुमार बांसल, पवन कुमार पुत्र किंज लाल बांसल, रामा मण्डी।
- 22. केवल कृष्ण पवन कुमार, रामा मण्डी ।
- 23 मनोहर लाल सीता राम, रामां मण्डी ।
- 24. अर्जन दास चिरंजी लाल, रामां मण्डी ।
- 25. शारदा मल भगवान दास, बारेन्ता ।
- 26 नरेश कुमार पुत्र मोहन लाल, सिरसा।
- 27. सुरेश कुमार पुत्र सीता राम, सिरसा ।
- 28. वेद प्रकाण पुत्र महंगा राम, सिरसा, प्रेम कुमार पुत्र मांगे राम, सिरसा।
- 29. गनेशा मल हाकम चन्द, रामा मण्डी ।
- 30. राजा राम तेज राम, रामां मण्डी।
- 31. रोनकी राम पारस लाल, क्लाथ डीलर, रामां मण्डी ।
- 32. दर्णन सिंह, दीदार सिंह, रामां मण्डी ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखेता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उनत सम्पत्ति के वर्षम् के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावह सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किस था सकोंगे।

स्पट्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गबा है।

वन्त्वी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2815, दिनांक मार्च, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी तलवण्डी साबो ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर६ सक्षम प्राधिकारी, महायक प्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 21-11-1984

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजनरोंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 नवम्बर 1984 निदेश सं० ए० पी० नं० 5715:——यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोटकपुरा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजारं मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) श्री नत्थू राम, महेश कुमार पुत्न, कन्हैया लाल, श्री, मार्फन मैं० नत्थू राम, विजय कुमार, कोटकपुरा, जि० फरीदकोट ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती रोमेश कुमारी पत्नी, श्री श्रतिल कुमार पुत्न, श्री देश बन्धु श्राफ लुधियाना, मार्फत् मैं० सुन्दर मल जगन्नाथ, कोटकपुरा, जि० फरीदकोट ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
- (1) किशन सिंह सुनार, (2) मैं० गीता एक्पोरियम, (3) आवर मल पुत्र दौलत राम. (4) बाबू राम पुत्र करौड़ी मल, (5) राम सरन दास, क्लाथ मरचैन्ट, महेश्यरी गली, कोटकपुरा, जि० फरीदकोट । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में इचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5346 दिनांक मार्च, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, फरीदकोट ने लिखा। जे० एल**० गिरा**धर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालम्धर

तारीख: 22-11-198<sub>4</sub>.

भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक नायक र आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 नवम्बर 1984

निदेश मं० ए० पी० नं० 5716:----यतः मुझे, जे० एल० गिचधर,

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विस्वास करने का नारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाजार मूक्य 25,000/- रह. से नधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कोटकपुरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख़ मार्च, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल को लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बीजापूर में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मृख/के पास रिजस्ट्री-कृत किया गया है मुक्ते विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रति-फल सं, एमे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखत में आस्तिवक रूप से कथित नहीं पाया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुद्दे किसी साम की नावत सकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए धा खिणाने में सुविधा खें लिए:

बतः अप, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग की अनुसरण मं, मं, उत्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधित ध— (1) श्रीमती मोहनी देवी विधवा श्री कन्हैया लाल ग्रीर सुभाष चन्द पुत श्री कन्हैया लाल, मार्फत मैं० नत्यू राम विजय कुभार, कोटकपुरा, जिला—फरीदकोट ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सन्तोप कुमारी पत्नी श्री राजकुमार श्राफ फिरोजपुर, मार्मत मै० श्री सुन्दर मल जगन्नाथ, कोटकपुरा, जिला फरीदकोट , श्रीर श्रजमेर सिंह पुत्र चानन सिंह, वासी हीरा सिंह नगर, कोटकपुरा, ।

(अन्तरिती)

(3) (1) श्री किशन सिंह मुनार (2) मैं ॰ गीता एमपोरियम (3) झाथ मल पुत्र दोलत राम, (4) बाबू राम पुत्र श्री करौड़ी मल, (5) राम सरन दास कोटकपुरा, क्लाथ मर्चेन्ट, कोटकपुरा।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रद्धोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह स्थना जारी करके पर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किस्तीअन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के हैं।

## नगुस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5347 , दिनांक मार्च, 1984 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी फरीदकोट ने लिखा ।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारी**ख** : 22-11-1984.

मोह्रर:

## प्रकम **नार**ि होते, **एव**ं, **एव**ं, प्रकार

## आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

## कार्यालय, महायक <mark>जायकर जायुक्त (निरक्षिक)</mark>

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 नवम्बर, 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5717:---यतः मुझे, जे० एल० गरधर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित् बाजार मृख्य 25,000/- रु मं अधिक है

भौर जिसकी सं जैसा भ्रनुसूची में लिखा है तथा जो कोटकपुरा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के क्ष्यमान भ्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रवमान प्रतिफल से, एसे श्रवमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत अभिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरित्ती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाद की बाबतः, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरकः के वासित्व में कमी करने या उससे वक्तने में सुविधा के बिड्; और/या
- (वा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने बीं इतिभा के निए;

बतः जब, उक्त बीधनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिवित व्यक्तियों, अंगींद् ह—— (1) श्री विजय क्रुमार पूज श्री कन्हैया लाल पुज श्री चानन मल और राजकुमारी पुद्धी श्री कन्हैया लाल, मार्फत मैं सुन्दर मल जगन्नाय, कोटकपूरा, जिला फरीबकोट ।

(मन्तरक)

(2) श्री अजमेर सिंह पुत्र, श्री चनन सिंह पुत्र, श्री सवा सिंह, वासी हीरा सिंह नगर, कोटकपुरा, जिला फरीवकोट ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना थारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इत सूचना के ट्राज्यन में प्रकासन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बबधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्या,
- (क) इस सूचना के राजवत्र में श्रकाशन की तारील ले 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थावत ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दां और पवां का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं जर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## प्रनूस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5371, दिनांक नार्च, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रक्षिकारी फरीदकोट ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीच : 22-11-1984.

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.

काथकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालम्धर

जालन्धर, दिनांक 22 नवम्बर, 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5718---यतः मुझे, जे० एल० गिरखर,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० जैसा धनुसूची में लिखा है तथा जो कोटकपुरा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय, फरीवकोट में रजिस्ट्री-करण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख धप्रैल, 1984

को प्रेक्ति सम्परित के उचित बाजार मुख्य से काम के द्वायमानं प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्ठित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वायमान प्रतिफल से, एसे द्वायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिक उद्वयेष से उक्त अन्तरण निवित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के धायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या,
- (वा) एसी किसी आय या किसी भन या अन्या वास्तियों की चिन्ही भारतीय जायकर जीभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या भन-कर जीभिनियम, या भन-कर जीभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए।

जतः क्य उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) के अधीन, निम्मसिखित स्यक्तियों अर्थात् ≾—

> (1) श्रीमती शान्ति देवी पत्नी श्री भगवान दास, पुत्नी श्री कन्हैया लाल, पुत्र श्री चानन राम भौर विमला देवी पत्नी, श्री सोहन लाल ग्रौर पुत्नी श्री कन्हैया सास ग्राफ मैं० मत्यू राम विजय कुमार, कोटकपुरा, जिला फरीयकोट ।

(2) भी भ्रजमेर सिंह पुत्र श्री चानन सिंह पुत्र श्री सदा सिंह वासी हीरा सिंह नगर, कोटकपुरा।

(ग्रन्तरिती)

(3) (1) किशन सिंह सुनार, (2) मैं० गीता एम्पोरियम, (3) झावर मल पुत्र दौलत राम, (4) बाबू राम पुत्र करौड़ी मल, (5) रामसनदास, क्लाय मर्चेन्टस, महेश्वरी गली, कोटकपुरा।

> (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितकक्थ लिकित में किए पा सकोंगे।

स्वच्छीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जन्स्यी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 98, दिनांक ग्रप्रैल, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी फरीदकोट ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम ग्रिषकारी, सहायक ग्रायकर त्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 22-11-1984.

प्रस्थ जाहाँ, दी. एत. एस. -----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) के अभीन स्थानः

## भारत सुरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाशक)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 नवम्बर, 1984

निवेश सं० ए० पी० नं० 5719:—-यन: मुझे, जे० एस० गिरधर.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा श्रनुमूची में लिखा है तथा जो कोटकपुरा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, फरीवकोट में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित प्रतिकल हम से किथा गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधि-निवम की अधीन कर धेने के अन्तरफ के दायित्व में कभी करने या तससे बचने में सुविधा के सिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, जिज्ञाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधीन निम्नलिटिकत व्यक्तियों, सर्थात क्ष्मान

(1) श्रीमती पुष्पा देवी पुत्री लाल, पुत्र, श्री चानन मल, मार्फत मै० मुन्दर मल जगन्नाथ, कोटकपुरा, जिला—फरीदकोट । (2) श्री भ्रजमेर सिंह पुत्र, श्री चानन सिंह पुत्र, श्री सदा सिंह, वासी हीरा सिंह नगर, कोटकपुरा ।

(भ्रन्तरिती)

(3) 1 श्री किशन सिंह, मुनार 2 मैं० गीता एम्पोरियम, 3 झावर मल पुत्र दौलत राम, 4 बाबू राम पुत्र करौड़ी मल, 5 राम गरन दास, क्लाथ मर्चेन्ट, महेश्वरी गली, कोटकपुरा ।

> (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोगे में सम्पत्ति है) ।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।. (वह व्यक्ति, जिनके बारे में स्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीय से 45 यिन क्री अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की ताजीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में संवाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्मित में हित बद्ध किसी अन्य स्थावित द्वारा अधोहस्ताक्षरी व पास विविद्य में किए वा सकेंगे।

स्वकाकरण्ड—-६समें प्रयुक्त सब्दों और वदों का, जो उत्तर ऑस्ट्रॉनयम् के अभ्याय् 20-क में परिशासिक हैं, बही अर्थ छोना जो उस अध्याय् में विवा ववा हैं.।

## बन्त्जी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 105, दिनांक श्रप्रैल, 1984को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फरीदकोट ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम मधिकारी, महायक भ्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 22-11-1984.

मोहर:

(भन्तरक)

प्रकृषः वार्षः दी । युव । एस 👸 अन्यतन्त्रननन्त्रनन्

नायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### शारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर नायक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास. दिनांक 6 नवम्बर 1984

निदेश सं० 80/3/84---यतः मृक्षे, प्रेम मालिनि वासन. गायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उन्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मध्य 25,000/-प्ट. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० भूमि है, जो मोदमंगलम उग्रहारम गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसचि में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, एस० प्रार० संकरिट्रंग दस॰ 207/84, में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च, 1984

को पूर्वीकत संपरित को उचित बाजार मन्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गढ़ हैं और मफ्ते यह विद्वास करन का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण को सिए तब पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दर्षस्य से **उक्त अन्तरण लिखित** में बास्त*्* विक क्य से क्षित महीं किया च्या है छ-

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की भावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और∕या
- (क) ऐसी किसी जाथ वाकिसी भगवाजन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय भावकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत निधनियम, वाधन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ना वा किया चाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा में सिए:

अस: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की अमसरम में, में, उक्क अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियाँ, कर्णात् :---

(1) भावाई

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पलनिस्वामी ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपप्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उनत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की सबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियाँ में से 🐂 सी व्यक्ति बुवारा;
- (क्ष) इस स्चनाको राजपत्र में प्रकाशन की तारौक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरूण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वही कर्य होगा जो उस कथ्याय में विया गया है।

## 44620

भिन : मोत्रमंगलम अग्राहारम गांव दस : 207/84 ।

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भागुक्त (निरीक्षण) श्वर्णन रेंज-1, मद्रास

विनांक : 6-11-1984

बक्च बाहें. टी. एव. हेंचे. -----

बायकार जिमियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बचीन क्वना

#### भारत बरकार

कार्यक्रिय, सहायक भागकर नामुक्त (निराक्षक)

ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मदास, विनोक 10 नवस्वर 1984

सिवेस सं 8 3 3 8 4 यतः सुझे, जेन मालिनि नासन, सामकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् उनते विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 व के नधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से विधक हैं

स्रीर जिसकी सं मेट्ट वालयम गांव, नामक्कल है, जो मद्रास में क्षित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूं के में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० मोहनूर वस : 206/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1984,

को पूर्वोक्च सम्पत्ति के उचित बाबार मूज्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकत्त को स्पृप् बन्तरित की गई है और मूजे यह निकास करने का कारण है कि बथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकत से, एसे द्रश्यमान प्रतिकत का पंत्रह प्रतिकत से निधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निध तम पाया गया प्रतिक कन, निम्नुसिवित उद्देश्य से उन्त अन्तरण शिवित में बास्तिवक ज्यू से काथत नहीं किया नवा है है

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त विधिनवम के अनुदेश कर दोने के जन्तरक के समित्व में कनी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बीट्र/वा
- (अ) एंची जिली बाव या किसी धन ना बन्य बास्सियों को जिल्हों भारतीय बाव-कर विधिनवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनवस, या धनकर विधिनवस, या धनकर विधिनवस, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनीय बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया क्या था वा किया बावा ब्राह्मिया, क्या में त्विधा से विष्;

वर्षः वयः, स्वतः विधित्रयः की वारा 269-ग के ननुसरन वो, मी, उकत निधित्रयः की धारा 269-म की उपधारा (1) के वधीनः, निम्निसिवित व्यक्तियों, वधित् हु---- (1) श्री एम० के० महिलयम्न गीन्छर

(प्रन्तरक)

(2) श्री ग्रार० उदयवार

(ग्रन्तरिती)

को वह ब्यना बारी करके पूर्वोक्त स्व्यस्ति के अर्थन से लिए कार्यनाहियां कडता हूं।

बक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेड़ हन्न

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की नवीं ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों. पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांचित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवह्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का संकेंगे।

रचक्कीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी अर्थ द्वारेगा को उस अध्याय में विका जुवा हूं.

## अपूर्वी

भूमि ३ पेट्टाप्पालयम गांव वस : 206/84 1

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज∞1ः मद्वास

विनोक : 10-11-1984

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री पेरियस्वामी

(बन्सरक)

(2) भी एन० मनि भौर भन्य ।

(मृस्तुरिती)

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 नवस्वर 1984

निदेश सं० 90/3/84—यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, बायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 क के अधीन सक्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- एत. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० भूमि है, जो कलकागिरि गांव में स्थित है (मौर इससे उनाबद्ध अनुसूचि में घौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती मधिकारी के कार्यालय, एस०मार० मगुन्छन वार्वाड दस: 260/84 में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, दिनांक मार्च 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशाद से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निवित्तत उद्देश्य से उक्त अन्तरण किष्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुर्द्ध किसी आय की वाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अंब, उक्त जीभनियम की भाग 269-ग्व के अनुसरण में. में, उक्त जीभीनयम की भाग 269-ज की अपधारा (1) के सधीन, निस्तिविक्त व्यक्तियों, जमति उ— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां सूक्त करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बविष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, अमें भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध स्वना की तानील से 30 दिन की नवधि, जो भी सिक्ति में किये का सकीचे।

स्पक्किरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त जीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

भूमि : कालकागिरि गांव यस : 260/84 !

प्रेम मालिनि बासन समान प्राधिकारी सहासक प्रायकर भावुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-1, मद्रास

विवाक : 10-11-1984

प्रक्ष मार्च.टी.एन.एच.

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) **ज**ी भारा 269-व (1) के सभीन स्थना

#### शास्त्र सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर भागूक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास दिनांक 6 नवम्बर 1984

निवेश सं० 100/3/84—यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, बायकर विधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रा. से विधिक हैं

मीर जिसकी सं० भूमि भीर निर्माण है, जो बलप्पांड गांव सेलम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूचि में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० बलप्पांड दस: 1046/84 में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक मार्च 1984

को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्सूह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचाने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी धन या बन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त सीधीनयम की धारा 269-ग्य के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः :—— (1) श्री डी॰ ए॰ मृहम्मव सुस्तान ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्रम भौर ग्रास्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुई।

उक्त संपत्ति के नर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की संवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की संवीध, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति ब्वाय अधोहस्ताक्षरी को पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्वक्योकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनस मिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया पया है।

## मनुष्री

भूमि भौर मिर्माण: वलप्पाडि सेलम (वस: 1046/84)।

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

विनांक : 6-11-1984

ब्रक्प कार्ड . टी . एव . एस . -----

यायकर मिलियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 268-म(1) के घडीन सुमत्

## माउत् स्रकार

कार्यालय, सञ्चयक जायकर जायुक्त (निरीक्षक)

ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मब्रास, दिनांक 16 नवम्बर 1984

निदेश सं० 101/3/84—यतः मुझे, प्रेम मासिनि वासन, कावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया ही, के भारा 269-क के अभीन सक्षम प्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25.000/- रह. से बैधिक है

श्रीर जिसकी सं अपूमि है, जो बेस्सक्का पास्त्रम, नामक्कल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचि में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, एस० श्रार० कुमार पालयम वस : 767/84 में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रीम, दिनाक मार्च, 1984,

1908(1908 कर्र 16) के अधान, दिनाक माच, 1984, की पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके उपमान प्रतिफल से, ऐसे उपमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिकात से आंधक है और अंतरक (अंतरकार्ग) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त उन्तरण लिखित में अस्तिकक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसीं भाग की बाबत, अवस अधिनियम के अधीन कर दोने की जन्तरक वी बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के भिए; बीट/या
- (क) ए'सी किसी नाय था किसी थन वा अन्य आस्तिकी करें, जिन्हें भारतीय नाय-कर निभिन्नक, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा थन-कर अधिनियम, वा थन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना वाहिए वा, जिनाने में स्विका के निस्ति;

(1) भी काबेरि नाटार

(धन्सरक)

(2) डान॰ इण्डिया वाट्टील एक्स्ट्राक्टरी कं॰ लिमिटटेड (ध्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के जिए कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रेप :---

- (क) देव स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीत के 45 विन की वनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ वर स्वना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी कविभ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृक्षित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध क्यांकत ब्वारा अधाह अकरी के शाइ विविद्य में किए वा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्वा है।

## अनुभूषी

भूमि : बेल्लमका पालयम गांव दस : 767/841

प्रैम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−1. मद्रास

कर श्रम, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नतिसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् ः—

विनांक : 16-11-1984

प्रकृप काई टी. एन एस ------

सायकर सभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

## **बारत सरका**

भार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, मधास

मद्रास, दिनांक 29 ग्रक्तूबर 1984

निदेश सं० 19/मार्च/84/रेंज-II—यतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है फि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एस० एफ० नं० 492, वेलंकुरिच्ची गांव है, जो कोयम्बसूर तालुक में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचि में ग्रौर पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर लेख सं० 949/84 में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक मार्च 1984

का प्योक्त सपरित के उचित बाजार मृत्य स कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अतारितयाँ) के बीच एसे अंतरम के लिए तय पाया गया प्रतिक कन, निम्नसिवित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिवित में वास्त्विक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत, उन्तर विभिन्निय के अभीन कर दोने के बन्तरक की दावित्य में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; बरि/वा
- (था) एँसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय जाय-कार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में हुनिधा के किए;

कतः सम, तकत वीर्धीनयम की धारा 269-ग के अनुसरम मो, मी, उक्त वीर्धीनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) के नधीन, निम्निचित्रत व्यक्तियों, अर्थान् :---

- (1) श्री जी० वरदराज, एम० पी० मैनेजिंग ट्रस्टी ग्राफ मेससं पी० एस० जी० इण्डस्ट्रियल इन्स्टीट्यूट, कोयम्बतूर ।
- (ग्रन्तरक)
  (2) मेसर्स अक्ष्मी कोग्रापरेटिय बिल्डिंग सोसायटी
  लिमिटेड ।

(म्रन्तरिती)

स्त्रों यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्परित के वर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क), इस संघना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पार स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थावस ब्वारा;
- (क) इस स्यना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर अस्पत्ति में क्रितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास सिचित में किए जा सकोगें।

स्पष्टिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## वन्सूची

भूमि : धेलंकुरिच्ची गांव एस० एफ० नं० 492/ कोयम्बतूर तालुक/कोयम्बसुर/लेख सं० 949/84।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–II, मन्नास–6

विमांक ३ 29-10-1984

मोहर ३

प्रकृष आहु<sup>1</sup>, टी. एन्. **एस्**.-----

नामकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) को अधीन सूचना

## भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, विनांक 29 श्रक्तूबर 1984

निदेश सं० 31 भार्च 1984/रेंज-ूं--श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक ह

ग्रौर जिसकी सं० लेख सं० 266/84 की शहुल में दी हुई संपत्ति है, जो मबास में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, शीरकाली लेख सं० 266/84 में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनाक मार्च, 1984

कारे प्रशेषित सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के बम्बह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सितृ तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्वेष्य से उकत अन्तरण जिचित में बास्तरिक कप से कियत अन्तरण के सित् तम

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वावत उक्त निध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या अससे वजने में सर्विधा के लिए, बार/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन वा अप्य जास्तियों की, जिन्हों भारताय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सृविधा के शिष्ट;

सतः अस, उन्तत अधिनियम की धारा 269-ग कै अनुसरक के, में, शक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तिसों, अर्थात् ह—- (1) श्री नरसिम्ह्ल 'नायुबु ग्रौर उनके पुत्र (1) बक्तबरसलम् ग्रौर वैंकटेशन ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती हैयर्घन्निसा पत्नि नीक श्रब्दुल ग्रमीस।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्चन के सिए कार्यनाहियां करता हुं।

चनत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है 45 दिन का अवस्थिया तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर मचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त प्रविक्ता में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित विश्व किसी अन्य क्यूक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी वें पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः ----इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पवाँ का जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुंगा हैं।

# अनुसूची

भूमि भौर मकान: लेख सं० 266/84 की शेहुल में दी हुई सम्पत्ति/सीरकाली/लेख सं० 266/84।

> एम० सामुबेल संक्षम ग्राधि हारो सहायक आयक्तर आयुक्त (निर्राक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

विनाम : 29-10-1984

मोहर 🔅

अक्य बाह् . टी. एन. एस. -----

नायकर अधितियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यासव, सहायक मायकर नावुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 29 मक्तूबर 1984

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- फ से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० लेख सं० 251/84 की शहुल में वी हुई संपत्ति है, जो मबास में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पंडियेरी लेख सं० 251/84 में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रजीन, दिनांक मार्च, 1984,

का प्यांक्त सपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के व्यक्षण मितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निक्यास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, अपने व्ययमान प्रतिफल का पन्य प्रतिफल का पन्य प्रतिफल का पन्य प्रतिफल का पन्य प्रतिफल से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एमें बन्तरण के निए तय पाया पवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्च बन्तरण कि चित्र में बास्तिक के संस्थान कर से किया करा है ---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाव की बावस, डावड जिथिनियम के जभीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे व्यने में सुविधा के किए; जीए/वा
- (वा) एसी किसी नाय या किसी थन ना नाम वास्तिनों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः शव, उक्त अधिनियमः कौ भारा 269-ग को जनुसरण कौ, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ को उपभारा (1) को अभीन होन्स्निविद्या स्थानिस्यों अभीन होन्स्निविद्या

(1) 1. श्री एन० राजगोपाल नायुडू 2. श्री नरसिंहलु नायुडू

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स ले॰ ज्ञान्स रब्बर लैनिंग्स प्राइवेट लिमिटेड रिप्रेजेंट-श्री एम० तंडवानी, टैक्निकल डायरेक्टर (ग्रन्तरिती)

को बहु सृचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रिया करता हुः

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी स स 45 दिन की अविधिया तत्मवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि यो भी अविधि बाद में समाप्त कोती हो के भीतर पर्वोक्त
- (च) इस त्थान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीच व 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथांहस्ताक्षरी के पार लिचित में किन् जा सकेंगे।

स्वकारिकरण:---इसमं प्रयाकत शब्दों और पदों का, ६ उत्तर विधिनियम के वध्याय 20-क में परिभाषिट है, वहीं वर्ष होगा जा उस वध्याय में दिया वया हैं।

# अनुसूची

भूमि :--लेख सं० 251/84 की शबुल में वी हुई सम्पत्ति/ पांडिकेरी ।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर छायुक्त (निरक्षण) धर्जन रेंज-II, मद्रास

विमाक : 29-10-1984

प्ररूप गाइर. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के अभीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेजि-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 श्रक्तूबर 1984

निदेश सं० 58/मार्च 84/रेंज-II---ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कौ भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रीठकमण्ड-डोर नं० 33 से 35, सर्वे नं० 1672/1 वार्ड नं० 20 है, जो श्रीठकमण्ड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, उदगमण्डलम लेख सं० 274/84 में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के श्रयमान इसके पश्चात् 'उनक अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, ऐसे श्रयमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिकास से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वानत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दांने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे नचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को, जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम पा धनकर दौधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में मुविधा के लिए.

अत: बच, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग को वन्हरण वं, मैं. उक्त विभिनियम की भारा 269-ग की उपधारा '१) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- (1) नीलगिरी होठल्स भौर प्रापर्टीज प्राइवेट लिमिटेड । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सी० रामास्वामी श्रीर अन्यों। (श्रन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया श्रुष्ठ करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में सिक्सी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वास अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए आ सकांगे।

स्पथ्य गुँकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वाहीं,।

#### नगत्त्रपी

भूमि :— क० सं० 1672/1, श्रोठकमण्ड—होर नं० 33 से 35, बार्ड नं० 20, उदगमण्डलम् /लेख सं० 274/84।

एम० सामुबेल सक्षम प्राधि≄ारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज−2, मद्रास

दिनांक : 29-10-1984

प्रकृष काइं.टी.एन.एस. -----

श्रायकर स्थितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के सभीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 29 ग्रक्तुश्रर 1984

निदेश सं० 1/मार्च/84/रेंज-11--श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेस,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 209 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 35,000/- राज्ये अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 2, कलनिवासल गांव, कारैकुड़ी में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूकी में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय. कारैक्कुड़ी लेख सं० 559/84 में चिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन, दिनांक मार्च 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्नविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे अवने में स्विधा के लिए; और/या
- (त) शिरी किसी जाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 के 11) या उन्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं जिया भया था या किया जाना बाहिए था. छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखिए व्यक्षित्यों, अर्थात् ध--- (1) श्री चोक्कप्प चेट्टियार

(म्रन्तरक)

(2) डा० वी० मुत्तैया श्रौर ग्रन्य ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

अक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन को तारीब सैं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, ये भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपर्तित में हितसबूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिश्ला गमा है।

# अनुसूची

भूमि कलनियासल गोव, कारेक्<mark>कुडी कारे</mark>कुडी/लेख सं० 559/84

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज–II, मब्रास

विनांक : 29-10-1984

स**रुप् आइ**र्<sub>न</sub> टी., एन्., प्रस्.-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन सुचना

# माहत उड्डमाड

## कार्याल्य, सहायक नायकर नायक्त (निर्देशक)

भ्रजन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 29 श्रक्तूबर 1984

निदेश सं० 117/मार्च 84/रेंज-॥--श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख े अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० करूर जो कृष्णरायपुरम सब डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रधुमूकी में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कृष्णरायपुरम लेख सं० 233, 234, 235, 236, 237, 238/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1909 का 16) के श्रधीन, दिनांक अमार्च, 1984,

पूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकं दृश्यमान प्रतिफल से, एमें ख्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायिल्य में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए बॉर/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तिरती स्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा से लिए;

त्रतः वयः, उक्त अधिनियमं की भारा 269-गं के जनसरण को, तो, वक्त अभिनियमं की भारा 269-चं की उदभारा (1) की विभीन, निम्नसिवित्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री महादेवरायर भ्रार भ्रन्यों

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती तायम्माल श्रीर अन्यों।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना बाड़ी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करू करता हुं।

उनत सम्परित के वर्जन के संबंध में काई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कु से 45 विन की मुंबीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब लें 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पूर्वे का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

## नन्स्ची

भूमि : करूर, कृष्णरायपुरम सव डिस्ट्रिक्ट कृष्णरायपुरम/ लेख सं० 233; 234, 235, 2376, 237, 238/84 ।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर ग्रर्जन रेज-॥, मद्रास

दिनांक : 29-10-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस\_-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 श्रक्तूबर 1984

निदेश सं० 147/मार्च/84/रेंज-॥--श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं ं मेट्टुप्पालयम् तालुक, तोक्कम्पट्टी गांव में स्थित है(श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, उदगमण्डलम लेख सं ं 231/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाक मार्च, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ अयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए ना, कियाने में सुविभा के लिए;

जतः जवः उपत जिथिनियमः कौ भारा 269-ण कौ अनुसरण मों, मों, उक्त जिथिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) कौ को जधीन, निम्निविश्वत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री एम० बी० रामचन्द्र तयडू श्रौर ग्रन्थों । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री के० क्रुष्णप्पा भौर भ्रन्यों । (भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरेंगे।

स्थव्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्त्वी

भूमि :---भ्रार० एस० नं० 786, 787, मेट्टपालयम तालक तोक्कम्पट्टी गांव/उदगमण्डलम/लेख सं० 231/84 ।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–॥, मत्रास

विनांक : 29-10-1984

# प्रकृत वार्षं , ब्रौत व्यत वृद्ध व्यवकार

मायकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मेपीन सूचना

#### भारत सरकात

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 भ्रक्तूबर 1984

निदेश सं० 148/मार्च/84/रेंज-॥---ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेलं,

वायकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचादः 'उनत अधिनियम' नदा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृख्य 25,000/- रूपये से अधिक हैं

श्रीम जिसकी सं श्रार एस० नं 4172, 4173, 4174 लेख सं 249/84 की शैड्यूल में दी हुई है जो सम्पत्ति में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, उदगमण्डलम् लेख सं 249/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधित बाजार मृत्य में कम के रहयमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापृश्वित संपत्ति का उनित शजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया तिफल, निम्निलिखित उद्योख से उक्त अन्तरण किंखित में गास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) जन्तरण से हुइ किसी शाय की वाबत, उक्त विधिनियम के वधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी कहने या उससे वचने में स्विधा के लिए; शरि/का
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया बाया किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के किए।

जतः जब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ब्रधीग, निम्निसिवत व्यक्तियों, अवित् धः—

(1) श्री मरिडेश्वरराव ग्रौर ग्रन्यों

(अन्तरक)

(1) श्री बी० कृष्णप्पा के पुत्र के० थोतुकुलेश ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति को अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमं के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगां को उस अध्याय में विचा गया हैं।

## धनुसूची

भूमि :---- प्रार० एस० नं० 4172, 4173, 4174 लेख सं० 249/84 की गैंड्यूल में दी हुई सम्पत्ति उदगमंडलम ।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-॥, मन्नास-6

दिनांक : 29-10-1984

महिर :

प्ररूप बार्ष .दी . एन . एस . ------

श्रायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर नायुक्त (निर्दाक्षण)

श्चर्णन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 29 श्रक्तूबर 1984

निदेश सं० 152/मार्च/84/रेंज-॥—-ग्रतः मुझे, श्रीमती ुन० सामुवेल,

... उर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में ... प्रकात 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का .. ण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,000/-रु. से अधिक है

.ौर जिसकी सं० भूमि है, जो तेनपूर्तिनाथम गांव में स्थित है (ग्रौर ्उसे उपाबद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-जारी के कार्यालय, उडुमलपेठ लेख सं० 475/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, देनांक मार्च 1984,

पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान तफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्यास ने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित अधिक है अपर अन्तरक के लिए तम पाया गया तफल, निम्नानिक उद्देश्य से उसत अध्यारण लिखित में बास्तर क सम स स स्थान नहीं विका समा है ---

- (त). यन्तरच से हुई चिनी धाम की बावत धवत चिन्न चिन्न के समीन कर देने के प्रश्वरक के बावित्व में कर्ना करने या बचने मन्त्री मुनिया के बिन्। बीद/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुदिधा के सिए;

क्षिः वंद, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की जनसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) भीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ः— (1) श्री एस० बेलुयामि ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री वेंगडस्वामी नायडू श्रौर अन्यों ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्पत्ति से गर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हूं।

उनत् सम्पत्ति के मुर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सविधि बाद के समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में गरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नपुत्रस्

भूमि :---तेनतिपूनाथम गांव/उडुमलपेठ/लेख सं० 475/84 ।

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-॥, मब्रास-6

विनांक: 29-10-1984

माहर

प्रकृष बाइ . टी. एन्. एस . -------

(1) श्री एस० वैद्यनायन श्रीर श्रन्यों

(म्रन्तरक)

(श्रन्तरिती)

नायकर निर्मित्रम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सूचना

(2) श्री एन० ग्रनंथरामन ग्रौर ग्रन्यों।

## भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 नवम्बर 1984

निदेश सं० 157/मार्च/ ८४/रेंज-II---ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रुः से अधिक है

श्रौर जिसकी सं 11, पिजोल सुब्रमणियम रोड, टी० नगर है, जो मद्राम-17 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधकारी के कार्यालय, टी० नगर लेख सं 231/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक मार्च 1984,

को पूर्वोक्न सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अंतरण कि बिलित में नास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अभिनियम के नधीन कार दोने के अंतरक के दायित्व में कभी कारने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और√सा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें स्थिया के निष्;

अतः अघ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ अधीन, निम्तिलिचित व्यक्तियों. अर्थात्:---- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के ि कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों प सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक व्यक्तियों में से किसी स्पिक्त द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 4 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हिस्बा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पा सिचित में किये जा सकोंगे।

स्पाक्तीकरण :----इसमें प्रयुक्त सुक्ती और पर्यो का, वा ८. व्यक्तियम के अध्याय 20-क में परिभाषि है, बही अर्थ होगा वो उस अध्याय में रि. स्वा है (1)

अनुसूची

भूमि --11 पिंजाल सुत्रमणियम स्ट्रीट, टी० नगर, मद्रास-17 (टी० नगर/231/84)

> एम० सामुवेः सक्षम प्राधिकाः सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण श्रर्जन रेंज–।।, मद्रा

दिनांक: 14-11-1984

## शक्यः, नार्दः, टी.: एवः, एसः, -----

(1) श्री पी० बी० रामकृष्णराव

(भ्रन्सरक)

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भाग्र 269-भ (1) के अधीन सुभना (2) मेसर्स कनगवेल एण्टरप्राइजेस । मैनेजिंग पार्टनर बी०-कनकसवापति

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकाइ कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

> श्रर्जन रेंज+2, मद्रास मद्रास, दिनांक 29 श्रक्तुबर 1984

निदेश सं० 197/मार्च 84/रेंज-॥---- ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामेबेल,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० भूमि पोल्लाच्ची तालुक है, जो पोल्लाच्ची ठौन सर्वे वार्ड नं० 5, में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, पोल्लाच्ची लेख सं० 431/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, दिनांक मार्च, 1984

को प्रवेक्त संपर्ति के उचित बाजार म्ह्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय फड़्र में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्म्ख/के पास रिजस्ट्री-कृत किया गया है मूह विश्वास करने का कारण है कि यद्र प्रवेक्त सम्पत्ति का उचित

बाजार मृत्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, एसे इष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्निनितित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निसित्त में धास्तिक रूप से कथित नहीं पाया गया है:——

- (क) अंतरण संहुदं किसी जाय की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे तकने में मृतिधा के सिए; औद्व/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य कास्तियों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने हो स्विभा के सिष्

को यह स्थना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति को कर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हैं

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्जना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवहंभ किसी अन्य व्यक्ति इवार, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धाकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगरा भी

भूमि वार्ड नं० 5, पोल्लाच्ची तालुक पोल्लाच्ची/लेख सं० 431/84 ।

एम० सामृवेल सक्षम प्राधिकारी महयक ायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-॥, मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक : 29-10-1984

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

# बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-भ (1) के अधीन स्चना

## भारत नरकार

कार्यालय, सहायक अविकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्राम, दिनांकः 29 अक्तूबर 1984

निदेश सं० 243/मार्च/84/रोज-11---वनः मृझे, श्रीमती। एम० सामुबेल

क्षणकर अधिनिवस. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें पश्चात जमत अधिनियम कहा गया हैं) की भारा 269-च के मधीन सक्ष्म प्रधान प्रधान प्रधान करने का कारण हैं कि स्थान सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मत्य 25,000/- ल से स्थित हैं

भीर जिसको मं े लेख मं े 529/84 की शेडूल में दी हुई सम्पत्ति है जो कप्टतंडथैं/पिल्लेनल्लूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रें:कर्ता अधिकारों के कार्यालय महरनोबुच्चावडों लेख मं े 529/84 में रजिस्ट्रें:करण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की जावत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वाग प्रकट नहीं किया गय। धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः कवः, लक्षः विधीनयम् की धारा २६९-गः **के वन्तरण** मों, मों, अवत अधिनियम् की धारा २६९-घं की उपधारा (1) के विधीन, निम्मतिनियम् व्यक्तियों अर्थातः :—— 34--386 G1!84

- (1) श्री मीममृत्दरम का पत्ना
   श्रीमती कृष्यम्माल ग्रीर श्रीमती घतमी एयम
   (अन्तरक)
- (2) श्रो शांबशिवम का पत्नी श्रीमती मोहनमुन्दरी ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृशीक्त संपर्ति के अर्थन के निष् कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंग्रंभ में कोड़ भी बाक्सेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी अविध् बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया समा है।

## श्रन्सुची

भूमि :--कडकडमै --पिल्लेनल्लूर-लेख सं० 529/84 की शेड्यूल में दा हुई सम्पत्ति-महरनों मुच्यावर्डा/लिख मं० 529/841

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2 महास

दिनांक : 29-10-1984

## प्रकृप बाइ'. टी. एन. एख.- - - ----

वायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के वधीन स्वना

## भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2. मद्राम

मद्रास, दिनांक 29 अक्तूबर 1984

निदेश सं० 244/मार्च/84/रेंज-II--अतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

कायकर विधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति ,जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/-रा. से विधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि-कोल्लंकोइल गांव है, जो ईरोड (शिवगिरी) में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याध्य, शिवगिरी लेख सं० 228/84 में रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक मार्च 1984,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिष्क्रत के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिष्क्रत से, एसे दश्यमान प्रतिष्क्रत का बुन्बह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरका) और जन्तरिती (जन्तरितिया) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय बाबा गया प्रतिषक्षत, निम्नलिखित उद्घेष्म से उमत अन्तरक जिल्ला के तास्तविक इस से किंगत नहीं किंवा गया है:——

- (क) नन्तरंत्र के हुई निश्ती आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर येने के जन्तरंक के खबित्य में कमी करने या उससे स्थने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शा धनकर अधिनियम, शा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थितने में मुविधा से सिए;

बतः ज्ञान, उत्तर जीभीनयम की धारा 269-ग के जन्तरण भी, भी, उत्तर जीभीनयम की धारा 269-घ के उपधार (१) की जभीत, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीर ३--- (1) श्री लक्ष्मण मुदलियार के पुक्ष गुल० रामस्वामो मुदलियार,

(अन्तर्क)

(2) मैनर मोहनसुन्दरम, वेंगडाजलपती मदर श्रीर गाडियन वल्लियंमाल ।

(अन्तरिती)

का मह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## श्रन सुची

भूमि कोल्लंकोइल आंव, ईरोड डिस्ट्रिक्ट णिवगिरी/शिकगिरी/

एम० साम्वेल मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–Ⅱ, मद्रास

दिनांक : 29-10-1984

## प्रचल बाहै, दी, एवं, एत्,------

# नायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के स्थीन स्थान

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अस्तूबर 1984

निदेश सं० 254/मार्च/84/रंज-॥--अतः, मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्ने इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्भावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूस्य 25,000/- छ. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि मतुवरायपुरम गांव, कोयम्बत्तूर डिस्ट्रिक्ट है, जो कोयम्बत्तूर डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लॉडमुदूर तेख सं० 172/84 में भारतीय रिजस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार भूस्य से कम् के स्वयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूस्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिकल निम्नलिखित उव्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गमा है:---

- (क) अन्तर्भ से हुई किसी जाम की बाबत, उक्ध जिल्लाम के अधीन कर दोने के अन्तर्क की बायित्व में कभी करने या उत्तरे वचने में सुविधा के सिए; बार्ड/मा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

नंत: नंब, बन्त विभिनियम की भारा 269-ग को बनुबरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत है—

(1) श्री कृष्णस्वामी चेट्टियार की पत्नी श्रीमती कामार्थाः।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स केरल मार्च्चरीस प्राइवेट लिमिटेब, बांगलूर । रिपरेजेन्टेड बाई श्री डैविड जें लोबो ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किन कार्यप्राहियां शुरू करता हुई।

ंउनत सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रांड्र भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की नवींच या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो औं अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवर्ष किसी कम्म व्यक्ति इवाय अभोहस्ताकरी के पांच निचित में किए वा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमे प्रमुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## नग्त्यी

भूमि: -- लेख सं० 172/84 की शब्यूस में दी हुई संपत्ति/ तोंडमृदूर।

> एम० सामुबेल मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-॥, मद्रास

दिनांक : 29-10-1984

प्ररूप आइ", टी. एन. एस. -----

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अधीन संचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरौक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अक्तूबर 1984

निदेश मं० 268/मार्च84/रेज~U—अतः, मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

अगयवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्णात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रः. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० तेख सं० 1571/84 की खेडूल में दो हुई, सम्पत्ति है, जो ट्रिच्ची तमलबक्सयम गांव में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में बणित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के आर्थालय ट्रिच्चों लेख सं० 1571/84 में भारतीय रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्थान, दिनांक मार्च, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सण्डित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे पान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरका) और शन्तिरती (अन्तर्शित्या) के बीच एसे अन्तर के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी कारने या उससे अखने में सुविधा के लिए: और/या
- (क्क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाई अंतरिती दुवाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता शाहिए था छिपाने में मुनिका के लिए;

(1) श्री आर० एस० वैद्यताथन का पत्ना श्रीमती मीनाक्षी अम्माल ।

(अन्तरक)

(2) श्री नरेण पिल्ले की पत्नी श्रीमती राजेण्यी अम्माल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख री 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम तिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिव' गया ही।

## श्रन्सूची

भूमि:---द्रिच्चा-लेख मं० 1571/84 को शेड्ल में दो हुई सम्पत्ति द्रिच्चो/1571/84 ।

> श्रीमित एम०सामुबेल मक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रोज-॥, मद्रास

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की भाग 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात् "——

दिनांक : 29-10-1984

प्ररूप आह .टी.एन.एस. -----

बायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की <sup>2</sup> भारा 269-च (1) के मधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अवन्बर 1984

निदेश सं० 271/मार्च 84/रेजिन।।--अतः मुझै,, श्रंतमतो एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 75,000/- रु. से अधिक हैं:

श्रीर जिसको सं० सर्वे 2/10, वार्ड के ब्लाक 2, है, जो अभिषेकपुरस में स्थित है (श्रीर इसमें उपावड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारा के कार्यालय, ट्रिच्च, लेख सं० 1384/84 में भारताय रिजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधान, दिनांक मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल के मन्द्र प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण **सं हुई किसी बाय की बाबत**, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधिनियम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनाथ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भै, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत क्रिक्त (1) श्रा चिन्तबाबू का पत्नी श्रीमता मी० प्रभावनी ।

(अन्तरक)

(४) श्री आर० कृष्णस्वामा चेट्टियार के पुत्र श्री के० चिन्नवाबू ।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

्कत सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी बार्क्ष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितसक्ष किमी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिमित में किए जा सकेंगे।

स्परसंकिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, यो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमावित हैं वहीं अर्थ होंगा यो उस अध्याय में दिया गया

#### नग्त्या

भूमि श्रीर मकान :---सब नं ० 2/10 (हिन्सा), बाई के ० ब्लाक 2, अभिषेकपुरम गाव ट्रिक्नी/लेख सं ० 384/84 ।

.एम∴ साम्**वेल** सक्षम प्रा**धिकारी** [सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊸II, मन्नास

दिनांक : 29 10-1984

प्ररूप आह े. टी. एन. एस . ------

भायकर निभिन्नियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्थना

#### नारव वरकार

## कार्यास्य, बहायक भावक र नागुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मब्रास, दिनांक 29 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० 293/मार्च 84/रेंज-II--यतः मुझै, श्रोमती एम० साम्बेल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269 व से अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाबार मून्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० भूमि ग्रौर मकान वेलांकरनी गांव है, जो कोयम्त् बर तालुक में स्थित है (श्रौर इससे उपाश्रद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है). राजस्ट्रांकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीपुरम् लेख सं० 857/84 में राजस्ट्रांकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1984

को प्रवेशत संपत्ति के उचित वाचार मृत्य से कम के क्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि अभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाचार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का वंद्रह प्रतिकृत से विश्वक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय वाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) नम्परण वे हुई फिली बान की वाक्त, उनक नाँपनिवन के चुनीम कर बोने के मन्तरफ की वादित्व में कनी करने वा उक्के ब्यने में श्रीवधा के विष्; नार/वा
- (वा) ऐसी कियो नाव वा किसी धन वा अस्य शास्तियों को, विन्हें भारतीय नाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तत निधिनियम, या धन-कार निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधकार्थ जन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया वाना वाहिए था, क्रियाने में स्विधा वो निष्ह;

(1) श्री जोन्नार नारायणस्वामी के पुत्र श्री एन० दामोदरस्वामी ।

(अन्तरक)

(2) श्रो के० घोरैस्वामी ग्रीर अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त संपर्शित के वर्षन् के सिक् कार्यनाहियां करता हूं।

उन्त संपरित के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की जविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, को भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकारी:

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हरू अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

#### वगत ची

भूमि और मकान:--वेलांकन्तो गांब, कोयम्बलूर टाउन, गांधीपुरम/लेख सं० 857/84 ।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारो सहायक आयक्षर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-11 मद्रास

कतः सब, उक्त सींधीनयम की धारा 269-ग की सनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, जिस्तिलिण व्यक्तियों, सर्थात् :---

दिनांक : 29-10-1984

# प्रकल् बार्ड . टी. इन., इच., ----

# बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सुचना

## भारत तरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11 मद्राय

मुद्रास् दिनांक 12 नवस्त्रर 1984

निर्देश सं० 314/मार्च 84/रंज- /84-यत, मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सभाम प्राधिकारी को यह यिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूस्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 117, पिल्लटटु गांव, फोर्थ (चौथा मेन रोड), कस्तूरीबाई नगरहै, जो अडयार मद्रास-20 में स्थित है (ग्रीप इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीप पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अडरयार लेख सं० 629/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1984

को प्राचित संपत्ति को उचित बाकार मृत्य से कम के अस्पनान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाबार मृस्य, उतके उपयमान प्रतिफाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिकृत से विभक्त है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया विक्रक, निक्तिविक उप्योक्त से स्थत बन्तरण जिल्हित में स्वत्री कर एसे किया गया है है—

- (क) बन्तरूप चंद्वार पिन्नी बाव की बावत, उपस विधिनियुत्र के बनीन कर वोने के बन्तरक के दावित्य में कभी करने वा सत्तवे वचने में सुनिया के लिए; बरि/वा
- (थं) ऐसी किसी बाम ना किसी थण ना बन्न बास्तिओं की विन्धुं भारतीय भाग-कर निवित्यम, 1922 (1922 का 11) में उक्त निधित्यम, मा बन-कर निधितियम, मा बन-कर निधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किमा गया वा सा किसा बाना बाहिए था, खिपाने में सुविधा के निष्

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निक्निसिशित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) र्था टी० आर० नटराजन ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एस० वसंता।

(अन्तरितो)

को यह स्वना भारी करके वृत्रोंक्स कमित के वर्षन् के जिस् कार्यवाहियां गुरु करता हुं।

## उक्त सम्मत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कीई भी बाक्षेप रू--

- (क) इस सूचना के राजपूज में प्रकाशन की तारील वें 45 दिन की जनभिया तत्त्वस्वस्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति व्यक्ति
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 विन् के भीतर स्वक्त स्वाप्य सम्पत्ति में हितववृध किसी जन्य व्यक्ति व्यारा जधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में जिल्हा वा सकोंने ।

## नमृत्यी

मूमि --11 पल्लिपटटु गांब. न्यू फोर गांब, चौथ मेन रोड, कस्तूरीबाई नगर, अंडवार, मद्रास-20, अंडवार/लेख सं० 629/84 ।

गम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रंज-II, महास

तारीख : 12-11-1984

त्रक्षां आर्द्धः टी. एसः ३स: ·-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को अधीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यानय, सहायक भाषकर नामृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, महास

मद्रास, दिनांक 14 नवम्बर 1984

निर्देश सं० 322/मार्च 84/रेज-II---यतः, मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

मायकर मिंपनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-जिसे अधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/~ रु. में अधिक है

श्रीर जिसकी संर प्लाट नं 968 के व के व नगर, ए अगर है, जो सक्ष्मणस्थामी रोड, विरुगम्बाक्कम में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजर्स्ट कर्ता अधिकारी के कार्यालय, विरुगम्बाक्कम लेख सं 1064/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक इप से कथित नहीं किया गवा है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वासत, उपस जिस्तियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (ए) ऐसी किसी बाय या किसी धन या कर्य आस्तियों को, जिन्हें आरतीय आयकर बिधनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में युविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, भैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अबे ब्रिपीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथारी क्र—् (1) श्रीमवः केल जिमतंत्रिल्ल ।

(अन्तरक)

(2) श्रारणम् भोडन और श्रारणम् भोडनन । (अन्यरिका)

का यह सुचना जारी कारके प्योंबद संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप ु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्वो का, बी हब्ब अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय भें दिया गया है।

#### ननसर्वी

भूमि और मकान:-1 प्लाट नं० 968 कें० कें० तगर' ए० आर० लक्ष्मणस्त्रामः/ रोड, विख्यम्य क्रम तिख मं० 1064/84/ विष्यम्बाक्कम ।

एम० सामुबेत त्रज्ञम आधि हारो सङ्ग्यक आयक्तर आयुक्त (निराक्षण) वर्षीन र्रोजिसी, मद्रास

तारी**ख** : 14-11-1984

प्रकप कार्ड टी. एन एस

नायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 क (३) के बंधीन स्वना

## धारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर शायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास मद्राप्त, दिनांक 29 अक्तूबर 1984

निदेश सं० 328/मार्च 84/रेंज-II--यतः, मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000/ रु. से अधिक है

भीर जितको सं० 404 से 406, तडागम् रोड आर० एम० पुरम् ताडागम् एक रहेगा है जो मेटुट पालयम, कोयम्बलूर तालुक में स्थित है (और समये उनाबढ़ में और अनुसूची पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजम्द्र वर्ता अधिकार के वार्यालय, कोयम्बलूर लेख सं० 1612/84 में रिजिस्ट्रारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवान मार्च 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तैरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनक स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण किवित में बास्यविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक से हुए किसी आय की बाबत, उक्त भिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; शोद/शा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम 1922 भन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा को लिए;

णतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निमनलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 35—386 GI|84 (1) मेसर्स विजयदः प कन्स्ट्रक्शन्स पार्टनर श्रास्त्र वर्र कोगनाथन ।

(अन्यरक)

(2) श्रं मर्तः तंगम कृष्णनः

(अन्तरितः)

को यह स्वना बारों करफे पूर्वोक्स संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## अवत सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तः मत्राधी व्यक्तियों पर स्वान की तामीन से 30 दिन की अवधि को भी. सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वा कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, बधोहस्ताक्षरी के पास सिश्चित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के कध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **जन्**स्ची

भूमि:—डोर नं० 404 से 406 तक्त, तडागम रोड, आर० एम० पुरम, तडागम एकाडेंगा, मेडडुरालयम, कोयम्बत्र, कोयबस्त्र लेख सं० 1612/84 ।

> एम० लामुबेल सजन पाञ्चित्रारा सहायक आयकर आयुक्त (निर∴क्षण) अर्जन रेंज- , मद्रास

सारी**ख** : 29-10-1984

मोहर 🥫

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) की अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास मब्रास, दिनांक 29 अक्तूबर 1984

निदेश सं० 335/मार्च 84/रंज--II-अतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

मामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्ये 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसको सं० डोर तं० 34ए, कोटुपर्डो गांत्र, पोकलाच्ची है, जो तिरूप्पूर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है). रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय पोल्लाच्ची लेख सं० 69690/84 में रिजस्ट्रोकरण अधिनियस, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनोक मार्च 1984,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित साजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाण गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः भेष, उक्त अभिनिगम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिकिः व्यक्तियमें, अर्थात् :--- (1) श्रा पलिन्स्वामी गौडर के पुत महल स्वामा घींडर भीर अन्यों।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एन० लिंग नायकी श्रीर अन्यों। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूचा

भूमि---34ए, कोठ्ठम्बट्टी गांव, पोकलाख्वी तिरुष्पूर टाउन पोकलाख्वी--लेख सं० 690, 691 /84 ।

> एन० सं सक्षम प्राक्षिणारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-II, सक्षास

दिनोक : 29-10-84

प्ररूप बाह्र हो, एन, एस,-----

बाय्कर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत संदुष्टार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मब्रास, दिनांक 29 अक्तूबर 1984

निवेश सं० 337/मार्च 84/रेंज-II-अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 174सी मधुरै रोड द्रिच्ची टाउन है, जो द्रिच्ची बिस्ट्रिक्ट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से धणित है), रिजस्ट्राकर्ता अधिकारा के कार्यालय, द्रिच्ची लेख सं० 556/84 में रिजस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1984,

को पूर्विवर सम्पोत के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विवर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में नास्तिक कम से से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त आंध-रेनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; बरि/या
- (न्द्र) ऐसी किसी बाय या किसी धृत वा अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

नतः सव उक्त सीभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक्ष में, में, उबल सीभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के सभीन्, सिम्ब्सिसिस स्मान्त्रियों, अपित् रूप्प (1) श्री एम० सिराजुद्दान

(अन्तरक)

(2) श्री एम० के० ताजुद्दीन

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांड्र भी वार्क्ष :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहुस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयास्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि और मकान :-- 174 सी पुराना वार्ड 4, ब्लाक 2 मदुरै रोड, दिच्ची टांउन दिच्ची/लेख सं० 556/84।

> एमण सामुबेल सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास-6

दिनांक : 29-10-1984

मोहर .

प्ररूप बार्ष टी एन एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजैन रेंज-2, मदास

मद्रास, दिनांक 27 अक्तूबर 1984

निदेश सं० 53/मार्च 84/रेंज-II--अत: मुझे, श्रीमती एम । सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसका सं० 1, मूर रोड नुगम्बाक्कम है, जो मद्रास-6 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूवा में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजिस्ट्राक्कित अधिकारा के कार्यालय, श्रीसंडलैंट्स लेख सं० 135/84 में रिजिस्ट्राक्करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान दिनांक मार्च 1984

का प्रांधित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वाइत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतारित्या) क बीच एस अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा किट नहीं किया गया था या स्थित अन्त सोहए ता, स्थिपन में सुविधा को निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीर :---

(1) श्रा पा० गोपानाथ पिल्ले द्वारा लक्ष्मा काष्यू कारपोरेशन ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोतिराम न्यवनडूम् श्री भगवंति मोतिराम श्री रमेश मोतिराम प्रिवालया बिल्डिंग्स ।

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ए) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकेगे।

स्थव्होकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय १०-क मा परिभागित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमृत्यी

भूमि श्रौर मकान :-1 मूर रोड नुगम्बाक्करम मद्रास-34 लेख सं० 135/84/थौसन्डलैट्स ।

> एम० सामुबेलन सझम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरःक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 27-10-1984

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2 मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अक्तूबर 198

निदेश सं० 74/मार्च 84/रेंज-II---अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संव होर नंव 545 टीव एसव नंव 2156/II डिविजन है जो अडिमनपेठ्ठे गांधी रोड कांच पुरम टाउन में स्थित है (ग्रीर इससे उपादद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री कर्ता अधिकार के कार्यालय कांच पुरम लेख संव 333/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक

है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिष्क रूप से कथित नज़ीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाव्य, उच्छा अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (वा) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1921 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्तः :--- (1) श्रा सवापति के पुत्र श्रा एम० रगनाथन ।

(अन्तरक)

(2) श्री वेल्लस्वामीनाडार

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्कना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारो।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थहोगा जो उस अध्याय में विका गया है।

## वन्स्ची

भूमि श्रीर मकान डोर न० 545 टो० एस० नं० 215 6 II डिवीजन अडिसनपेठे गांधा रोड, कांचापुरम कांगोपुरम/लेख सं० 333/84 ।

एम० सामुवेस सञ्जन प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरःक्षण) अर्जन रेंज-II. मद्रास-6

दिनौक : 29-10-1984

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस्.-----

(1) श्रामता सुन्त्रालक्ष्मा ग्रीर अन्यों

(अन्तरक)

(2) श्रोमती एम० बल्लिकण्णु

(अन्तरितो)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2 मद्रास

मद्रास दिनांक 29 अक्तूबर 1984

निदेश सं० 79/मार्च 84/रेंज-॥--अतः मुझे श्र्यःमती एस० सामुबेल

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क है अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसका सं अधिम श्रीर मकान है जो पुदुक्कोटई टाउन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रा-कर्ता अधिकार के कार्यालय पुदुक्कोटई टाउन लेख सं अ 456/ 84 में भारत य रिजस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, हसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहु प्रतिश्वत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्धदेश्य से उक्त अंतरण लिसित में नास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (का) भ्रम्तरण सं हुई किसी वाय की बासत, उक्त मिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के समित्य में कमी कर्तने या उस्से वृश्ने में सुविधा के सिए; बीड/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों, कां, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहियेथा, छिपान में सविधा के लिए;

नतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :-- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

सकत सम्परित को कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप न

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की व्यक्ति पूर्वोक्त स्थानतयों में से किसी व्यक्ति द्यारत;
- (ज) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज जे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाइ लिखित में किए जा सकरि।

## मन्स्चीं

भूमि श्रौर मक्षान :---सौथ चौथा स्ट्रोट पुरुक्कोटई टाउन पुरुक्कोटई/लेख सं० 456/84 ।

> एम० सामुबेल सञ्जान प्राधिकारो संज्ञायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-11, मद्रास-6

दिनांक : 29-10-1984

प्ररूप आई. टी. पुन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मब्रास मब्रास, दिनांक 29 अक्सूबर 1984

निदेश सं० 86/मार्चे 84/रेंज-।।---अतः मुझे श्रीमती एम० साम्बेल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० भूमि श्रीर मकान एस० नं० 18ए/3 प्लाट नं० 6 है जो श्रीनिवासपुरम् पुदुक्कोटई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णि है) रिजिस्ट्र कर्ता अधिकार के कार्यालय पुदुक्कोटई लेख सं० 118/84 में भारत य रिजिस्ट्र -करण अधिनियम 1908 (1908 था 16) के अधान दिनांक मार्च 1984

कां पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत सम्पान्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में स्विधा के लिए: और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

बतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) 1. श्रा चो कृतिगम चेट्टियार के पुत्र अध्यास ।2. श्रा कुप्रवामा का परना

(अन्तरक)

(2) श्री के० कुारवेल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ड सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🛶

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्यष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि-भाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### वरपर्य

भूमि श्रर मकान प्लाट नं० 65 सर्वे नं० 18ए- 3 श्रांतिवास-पुरम् पुदुक्कोटई लेख सं० 118/84 ।

> एम० सामुवेल संक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरःक्षण) अर्जन रंज-।, महास-6

दिनोक : 29-10-1984

प्ररूप आई.टी.एन, एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 289-व(1) के उत्तीत समाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 29 अक्तूबर 1984

निदेश सं० 87/मार्च 84/रेंज-।।--अतः मुझे श्रीमतीः एम० सामवेल

आयाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प नात् 'एक्न अभिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्यास करने का धारण है कि स्थावर सम्बत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रुपए से अधिक है

ष्ठीर जिसको सं० लेख सं० 680/84को णड्यून में वो हुई सम्पत्ति है जो पेरिनायन पालरम में रिथत है (श्रीर इसमे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से विगत है) रजिस्त्र कर्ता अधिकारों के कार्यालय पेरियनाययन पालयम लेख सं० 680/84 में भारताय रजिस्त्र करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनांक मार्च, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिटिशन के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारग है कि यथाप्वीक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रश्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तर्भित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई िक सी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व के कमी करने या उससे व्चने में सुविधा के बिए; बीर/या
- (ण) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जतः अज, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग क अन्सरण भौं, मौ, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) चैं कधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) श्र.मतः राजम्माल ग्रीर अन्यों।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स जी अगर जी पालिटेकिनक फार विमेन

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हां, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 4'5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्थंग।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जमस्ची

भूमि :--नेज पं० 630/84 के गर्रात में दो हुई सम्मति। पेरियनायकनपालयम ।

> एन - सानुनेत सन्न नाजिहारो सहायक आयहर आपुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-11, महास-6

विनांक : 29-10-1984

प्ररूप मार्च. टी. एन एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के मधीन स्थान

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, मद्रास

मदास, विनांक 28 अक्तूबर 1984

निदेश सं० 89/मार्च 84/रेंज-II--अतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्कत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसके सं े लेख सं े 692/84 के शोड़ल में दे हुई सम्पत्ति है जो वस्तमडे गांव में स्थि। है (श्रौर इससे उपावद्ध में श्रौर पूर्ण-रूप से विणात है). रिजस्ट कर्ता अधिकार के कार्यालय, पेरिय-नायकन जालयम लेख सं े 692/84 में भारत य रिजस्ट रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनांक मार्च, 1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पश्यमान प्रतिफल से एसे पश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गमा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्थ मैं कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; करि/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम, की भारा 260-म के अनुसरण , मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) हो अधीन निम्यानियित स्पृतिस्मृतं, वर्षात् --- (1) श्राः रामस्वामा नायकूका पत्ना श्रामता लक्ष्मो अम्माल ग्रीर जयप्रकाम ।

(अन्सरकः)

(2) अरुणाचलम् ।

(अन्तरितो)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त संपर्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

## इक्ड सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप:---

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी स्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे

स्पर्वाकरण् हि—इसमें प्रयुक्त शब्दों बार पर्वो का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अपूर्वी

कृषि भूमि :--वेल्लमङ गांव∫परियनाय नपालयम लेख सं० 692/84 ।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेजें , मद्राप्त-6

विनांक : 29-10-1984

भ्रूक्ष , बाह्र , दी , यून , एसु , - - - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन स्थाना

## भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 मद्रास

मन्नास, दिनांक 29 नवस्थर 1984

निवेश स॰ 97/मार्च 1984/रंज-2-अतः मुझें एम० सामुवेल

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० भूमि है तथा जो श्रोठकमन्ड टाऊन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूचे में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्राकर्ता अधिकार: के कार्यालय, उदंगम मण्डलम लेख स० 299/84 में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का का 16) के अधान, तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफस के सिए बन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिस्त से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) क बीच एस अन्तरण क लिए तय पाया गया प्रतिफस, निम्निसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:----

- (क) जन्तरण से हुई किशी शाय की वावत, उक्त जिथिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भारतीया
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने मं सुविधा के लिए;

(1) मैसमं के० लाके गौडर ट्रस्ट।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सी० जकब, डा० एम० सी० जकब की परनी।

(अन्तरितो)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाह्यां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या ततस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में संविद्धी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शक्ष सिंगसत में किए जा सक्यो।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्स्वी

भूमि ग्रोठकमण्ड टाऊन (आर॰ एस॰ न॰ 3974/1 ग्रौर 3974/2) उदगम मण्डलम (लेख स॰ 299/84)।

> एम० सेम्बुअल सक्षम आधिकारो सहायक आयकर आपुक्त (तिरःक्षण) अर्जन रेंज−2, मद्रास

जतः अत्रः, शक्त मी. नियम, की भारा 269-ग के क्रानुसरण में. में. उक्त अधिनिद्य की भारा 269-व की इपभारा (!) को वभीन, निम्नलिकित स्वक्तियों, ह्यांत् म—

हारीय : '29-10-1984

मोहर ः

प्रकप आहु<sup>3</sup> टो एस. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीर स्वाग

भारत सर-धर

कायांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 29 अक्तूबर 1984 निवेश स० 99/मार्च, 1984/रेंज-2-अतः मुझे,

एम० सामुवेल

बायकर बांधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रः. से अधिक ह

स्रौर जिसका स० 335/84 का पोडुल में दी हुई है जो सम्पत्ति में स्थित है (श्रौर इसने उपाबद्ध अनुसूच: में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्र कर्ता अधिकार: के कार्यालय, उदमम मण्डलम लेख स० 335/84 में रजिस्ट्र:करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अप्रान,तार ख मार्च, 1984

कर पृत्रीकत संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई हैं और मूफ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपत्ति का उचिर बाजार मूल्य, उसक ध्रवयान शतिकल स एक उप्यान शितकल का पंद्रक्ष प्रतिभात से अधिक हैं कोर अतरक (अंतरकों) और अंतरिती का रितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का, विश्वान के विष् तय पाया गया प्रतिक का, विश्वान के विष् तय पाया गया प्रतिक का, विश्वान के विष् तय पाया गया प्रतिक का, विश्वान विश्वान विश्वान के विष् त्या पाया प्रतिक का के विष् तय पाया प्रतिक का विश्वान के विष् तय पाया प्रतिक का विश्वान का विश्

- (क) बन्तरण धे हुई किसी बाय की बाबत उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दासित्व मा कमी करने ६। उससे बभन में सृविधा क लिए; और/मा
- (ण) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के तें, उक्त अधिनियम की धारा 269-क का उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्र. जे० के० आर० ग्रमप्प चेट्टियार ग्रीर अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्रो एन० मोहन भौर अन्य।

(अन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पृत्रावित सञ्मृत्ति के अर्थन के हिंगुबु कार्यवाहियां करता हुई।

उन्त सम्पत्ति के नर्वन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के की 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर् स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (८) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बहुध किसी अन्य स्थावत द्वारा स्थाहस्ताक्षरी के पास लिखत मा किए जा सकागे।

स्यव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त जिथितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नेमा है।

# **पण्युची**

भूमि ग्रीर मकान-लेख सं० 335/84 की शेंडुल में दो हुई सम्पत्ति (उदगमण्डलम/335/84)।

> एम० सामुवेल सञ्जान प्राधि हारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, मब्रासे

तारीख: 29-10-1984

## प्रकप नाहर, टी. एन. एस.-----

# बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

## शारत सरकार

कार्यालम, बहायक जायकार मामुक्त (निरीक्ष)

अर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अक्तूबर 1984

् निदेश सं० 102/मार्३, 1984/रेंज-2--अतः मुर्झे,

एम० सेमुअल बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्तमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकें। सं० भूमि करूर गांव, मैलक्करूर बट्टम है तथा
जो करूर में स्थित है (श्रीर इसे उपाबद्ध अनुसूचः में श्रीर
पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्राकर्ता अधिकार। के कार्यालय
मेल करूर लेख सं० 746/84 में रिजस्ट्राकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधान, ताराख मार्च, 1984
को पूर्वोक्य संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान
प्रिण्डल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाब्
करने का कारण है कि यथाप्वोंधत संपरित का उचित बाजार
मृत्य, उभके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण मिलिय
बाँ बास्तियक रूप से स्थित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुद्दे भिन्नती जाम की अथक्त, उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें स्वने में सुविधा के लिए; जीरू/बा
- (व) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा खें सिए।

जतः जब, उसत अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण भी. मी उस्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1)

के अभीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् !--

(1) श्रापो० नटराज मुदलियार। श्रापन० सण्मुगम ।

(अन्तरक)

(2) श्री वेंगमेडु अण्णा बीविंग को० आपरेटिव सोसाइटा, रिप्रेजेंटेड: श्री पो० सुप्रमनियम ।

(अन्तरक)

को यह स्वामः आरी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी स्थानत द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्वथ किसी बन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं!

श्रनुसूची

भूमि---करूर गांव, मलकरूर बट्टम् करूर। मेलकरूरिलेख सं० 746/84 ।

> एम० साम्बेल सक्षम प्राधिकारो सहायक आकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-2, मद्रास

तारोख : 29-10-1984

प्ररूप आहर . टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

महास, दिनांक 29 अक्तूबर 1984.

निदेश सं० 110/मार्च, 1984/रेज-2--अत: युर्झे, एम० सामवेल

जारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रु. से अधिक ह

श्रीर जिसका संव अपि भूमि है तथा जो कुम्बक्तोणम में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपायब अनुभूजा में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं, रिजस्ट्रण्या अधिकार के कार्यालय, कुम्बकीणम् लेख संव 504/84 में रिजिस्ट्रण्य अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधाम, मार्च, 1984

भी पूर्वीक्त सम्पत्ति की जीकत बाजार मृत्य से कम के परयमान प्रतिफल के लिए रिपार्ट्रीज़ित विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और के यह विश्वास करने का कारण ही कि यह पूर्वीक्स सम्पत्ति हा एकिन वाजार हेल्या, उनके दरयमान प्रतिफल सं, ऐसे दरमधान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (जीतराती) जार अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए एस पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्देश्य से उक्त केतरण विश्वान में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे भवने में सूविधा के सिए; और/या
- (क) एसी फिसी आठ या किसी वन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें श्रुरतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा की लिए;

अतः अव, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण मं, मं, अकत अधिनियम की पारा 269-म की उपधारा (1) की अधीन, निमालिकित अधित अधीत अधीत :---

- (1) श्राहितः बालदण्डायूथपाणः मूपनार । दूस्टा---कं**य**स्यामी मूपनार प्राद्दवेट पार्ट । (अन्तरक)
- (2) श्री टी॰ बालदण्डायूथपाणी मूपनार। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

## उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 120-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## कन्स्यो

भूमि—कृषि भूमि कुम्बकोणम् तेजावूर डिस्ट्रिक्ट कुम्बकोणम । सेख सं० 504/84 ।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-2 मद्रास

तारीख : 29-10-1984

## प्ररूप वार्ष: टी. एन. एस . - ---

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2 मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अन्तूबर 1984

निदेश म० 120/मार्च 1994/रेंज-2--अतः मुझे एम० समुदेत

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० शिवगिरं, में भूमि है तथा जो जो शिवगिरो ईरोड में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूच: में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्र पत्ती अधिकार के सार्यालय शिवगिरें। लेख सं० 292/84 में रजिस्ट्र करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अपान नाराख मार्च 1984

को प्वींक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूक यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त रांपत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल हो एसे द्वरयमान प्रतिफल का पन्द्रह (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण-के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती में वास्त्रिक रूप से कोंपर नहीं निया गया है के न

- (क) अन्तरण संहुई किसी श्राय की शक्त, उक्त किमीनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क्ष) एनं किसी कार्य आस्तियों को जिन्हीं आरतीय आयकर किंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा २कट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्र: एस० ब.० सुज्ञमनियम अय्यर श्र: एस० शेषादि श्रीर अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० पलनियामि श्रापन० मुत्तूस्वामा गौंडर।

(अन्तिरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के स्थि कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षंप :---

- (क) इस सूचनाक राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्कूष्ट की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अव। बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियस, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि—ंअरचलूर गांव शिवगिरो शब-डिस्ट्रिक्ट **ईरोड** डिस्ट्रिक्ट/शिवगिरो । लेख सं० 292/84 ।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निर∴क्षण) अर्जन रेंज–2 मब्रोस

असः अबः, उक्तः अधिनियम का भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्तः अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) को अधीन, िम्निलिधितः व्यक्तियाँ, समिद्धिः धन्न

नाराख : 29-10-1984

मोहार 🗈

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. - - = =---

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास दिनांक, 29 अक्तूबर 1984

निदेश सं०121/मार्च, 1984/रेंज-2-अत मुझे, श्रीमती एम० सामुदेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

भार जिसके सं ० शिखयपालयम् गांव, चेट्टिपेल्डुरे तालुक है तथा जो अन्तुनु लि, ईरोड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच: मे ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट कर्ता अधिकार के कार्यालय, ऊत्तूक्कुफि लेख सं ० 97/84 में रिजस्ट करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम को द्रश्यमान शिवफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार शृल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरित (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में कास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने में समिधा के न्तिए: और/या
- (ख) एसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः नद, उक्त मिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निसित व्यक्तियों, कथित ह—

(1) श्रं के ला विदन्गर गीडर।

(अन्तरक)

(2) श्राकेश विवेकांनन्दन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

कृषि भूमि—-राखिपालम् गांव, चेट्टिपेरूंदुरै तालूक, ऊत्तवकूली ईरोड--ऊत्तूक्कुलि/लेख सं०. 97/84।

> श्रीमती एम० सामुवेल सझम प्राधि हारो सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-II, मदास

तारीख: 29-10-1984

प्रकृष अहर्<sup>त</sup>. टी. एन. ए**स**्-----

कायकर व्योधीनयम, 1961 (1961 का 43) की श्राप्त 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यासय, सहायक आयकर कायुक्त (निरुक्तिक)

श्रर्जन रेंज ११, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 श्रक्तूबर, 1984 निदेश सं० 122/मार्च, 84/रेंज- $\Pi$ -श्रतः मुझे श्रीमती म० शामुबेल.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधिन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० वरदम्पायलयम, गांव में भूमि है, जो सत्या-मंगलम् में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सत्यामंगलम् में लेख स० 630/84 में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियक्षं 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च, 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कमे के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का छिचत बाजार मृल्य, उसके रहयमान प्रतिफल सें, एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्वदेय से उक्त अन्तरण मिखित यों वारतिवक रूप से अधिक नहीं किया ग्या है :--

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की शबद, सक्त प्रशितिसम के प्रधीत सर देने के श्रम्सरक के दाधिस्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा जे जिल; क्षीर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ क्षेण जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, ं 1922 (क922 का 11) या उक्त अधिनियम, या श्रान-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अधिकारको अन्तियम, 1957 (त्रकट नहीं किया भया था या किया जाना शाहिए भा छिपाने में स्विधा की लिए।

जतः अब, जक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण कैं. मैं जकर श्रीधिनयमं की भारा 269-च की उपभारा (॥) के अभीन, निम्निलिखन व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. श्रीमती एस० वान० सुब्बूलक्ष्मी पन्ती श्री संतानम् (श्रन्तरक)
- श्री नर नंद कुमार, माता श्रीर मंरक्षक, श्रीमती ललिता

(अन्यरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृशारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर सम्पत्ति में हित- मृद्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्किरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पीरभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## الحدي

भूमि परप्रमुपालयम् सन्यामंगलमः लोख गं० 630/84 ।

एम० सामुदेल सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रायकर श्राय्**क्त (निरीक्षण) श्र**र्ज**न रेंज ∏, मद्रास-6

विनांक 29-10-1984 मोहर । प्ररूप बाई. टी. एन. एस. - - -

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष्ट्र भारा 269-म (1) के अधीत स्माना

#### नाउत सरकात

कार्यालयः,, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 29 अस्तुबर 1984

निदेश सं० 150/मार्च, 1984/रॅज-2--अत: मुझें, श्रीमती एम० सेम्बल

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,010/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० वार्ड नं० 8, डोर नं० 45, मणक्कदवु गांव है तथा जो दारापुरम् तालुक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दारापुरम् लेख सं० 505/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, ताराख मार्च, 1984

करे प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अन्तरितिमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में शास्त्रिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जनतरण से हुई किसी जाग की बावत, उन्त्य जीधनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्य में कमी करने या उसने दणने में शुविधा के सिए; बाँद/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धकः उत्तर अधिनियम को भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्तर अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ध्यित्यों, अधीत् :--- 37---386 GI/84

(1) श्राः करूपण गौंडर ।

(अन्तरक)

(2) श्री कुप्पुस्वामी ग्रीर अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप ह

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के णस लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नगृत्वी

भूमि भौर मकानं वार्ड नं० 8, डोर नं० 45। मणकत्त्वषु गांव, दारापुरम् तालुक, दारापुरम। लेख सं० 505/84।

> श्रीतती एम० सामुबेल सञ्जम प्राधि हारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 29-10-1984

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 29 अन्तूबर 1984

निदेश सं० 214/मार्च, 1984/रेंज-II-अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्नधावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

मीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो कुमारपालयम गांव कोयम्बतूर डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्र कर्ता अधिकार के कार्यालय, कोयम्बट्र लेख सं० 1139/84 में रजिस्ट्र करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तार ख मार्च, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना आहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अवः, जवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, जवत अधिनियम की घारा 269-श की जपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष-

(1) श्रीके० आर० मुरूगनाथ ।

(अन्तरक)

(2) श्री विश्वनाथन भौर अन्य।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भौर भूमि--कुमारपालयम गांव, कोयम्बद्र हिस्ट्रिक्ट कोयम्बट्र । लेख सं० 1139/84 ।

> श्रीमती एम॰ सामुवेल सक्षम प्राधिकारो संहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जेन रेंज-11, महास

तारीख : 29-10-1984

मोहर 🛭

प्रकष् आर्थे.टी.एन्.एस.,------

जायुकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्यां जय, सहायक जायकर जायक्त (निर्धिका)

अर्जन रेंज-2,नई दिल्लो नई दिल्लो,विनांक 17 नवम्बर 1984 निदेश सं० आई० ए० सो० /एक्यू०/2/एस० आर०-1/ 3-84/1131--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-च धे अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हु" कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हु"

भौर जिसको सं० 2925 है तथा जो बाजार सोताराम, दिल्ल:-6 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में भौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्र:कर्ता अधिकारा के कार्यालय, दिल्ल: में रजिस्ट्र:करण अधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अधीन, साराख मार्च, 1984

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कृश्य नहीं किया गया हैं :——

- (क) ब्लारण वं क्षुष्टं कि ती बाग की बाबत, उपल बिधिनयम के बधीन कर दोने के बन्तरक की वायरल में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; बीड/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनुकर अधिनियम, या धनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गयः भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीम, निम्निसिक्ति व्यक्तियों, वर्षात् क्ष्र-- (1) श्री राम कुमार मित्तल सुपुत श्री मनोराम, निवासी सी-4/313, सफदरजंग श्रेवलगेमेंट एरिया हौसखास, नई दिल्ली बह स्वयं तथा अटानी श्रीमती कमलंग गप्ता परनी श्री मदी सुमन लेता परनी श्री मदी सुमन लेता परनी श्री स्वयं ने सुमन लेता परनी श्री रमेणचन्द गप्ता निवासी 415-बी, मोहल्ला खरबारा, देहरादून (यू० पी०)।

(अन्तरक)

(2) श्री वेद प्रकाश शर्मा पुत पं०श्री अनन्त राम शर्मा, निवासी 3075, घरखेबालान, दिल्लां -- 6।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

## उक्त सम्मृति के गुर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, धाँ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिश में किए जा सकेंगे।

स्पृष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्ट अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिवा गया है।

#### वन्स्की

1/2 अविभाजित हिस्से प्रा० नं० 2925, गली टकसालियन खुर्द, वार्ड नं० 9, आजार सोताराम, दिल्लो-6 तादादी 56 वर्ग गज।

आरं० पो० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रंज→2ृनई दिस्ती

तारीख: 17-11-1984

## प्ररूप वाई.टी.एन.एस------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यां जय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-2 दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1984 सं० श्चाई० ए० सी०/एक्यू/2/एस० श्चार०-1/3-84/ 1133:----श्चत: मुझे, श्चार० पी० राजेग,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या 2925 है जो गली टक्सलियन खुर्द, बाजार सीता राम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रोकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन सारोख मार्च, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- '(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

श्रो राम कुमार मितल
सुपुत श्रो मारे राम,
निवासो सो०-4/313,
सकदरनंग डेवतातेंट एरिया हीत खाल, नई दिल्ली
ग्रटानी श्रोमती कमनेंश गुप्ता
पत्नी श्रो मदन मोहन गुप्ता,
श्रोमती सुमन लता
पत्नो श्रो रमेश चन्द गुप्ता,
निवासो 415, बोठ मोहला खुर्बरा,
देहरादून, यू० पो
श्रोमतो कृष्णा
पत्नो श्रो ग्रवतार सिंह,
निवासो जानको देइ कालेज, करोलबाग,

(भ्रन्तरक)

 श्री वेद प्रकाश शर्मा सुरुत पं० श्रानन्द राम शर्मा, निवासो-3075, चरधेतालान, विल्लो-6।

(प्रतिरंती)

का यह सूचना धारी करके पूर्वों कत् सम्मृतित के अर्थन के किए कार्यवाहियां शुक्त करता हूं।

## उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी कृत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः—इसमें प्रमुक्त सब्दों और नवों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

1/2 भाग भविमाजित प्रो० नं० 2925, तादादी 56 वर्गज गलो टक्सालियत खुई, वार्ड नं० 9 बाजार सोता राम, विल्लो-6।

> भारः पो० राजेसा, सक्षम प्राधिकारो, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रुजैन रज 2 दिल्लो।

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1)

के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :--

तारीख: 17-11-1984

मध्य बाई, टी. एन. एस. ----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्थीन सुभूना

#### भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1984 सठ० ग्राई० ए० सो०/एक्यू/2/ /एस० ग्रार--1/3-84/1139:—-ग्रतः मुझे, ग्रार० पो० राजेग,

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- से अधिक है

भीर जिसको संख्या 1748, है तथा जो चिराखन्ना, दिल्लों में स्थित है (और इससे उपाबद अनुमूचा में पूर्ण रूप से बणित है), रजिल्ट्राकर्ता अविकारा के कार्यावय विकास में भारताय रजिस्ट्राकरण अविनियम, 1908 (1908 का 16) के भक्षोन, मार्च 1984

का पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ध है और मुक्ते यह निष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसक द्रयमान प्रतिफल स, एस द्रयमान प्रतिफल का पंद्रष्ट प्रतिकात सं अधिक है और अंतरक (अत्तरकों) और अतीरती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्ष से किश्य नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरम् से हुई किसी बाय की बावत्, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अंतरण के वामित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सुविधा के लिए; अदि/वा
- (ण) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आसितयों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या भन-कर आधिनियम, या भन-कर आधिनियम, या भन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: मब, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्थ मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अपिकतयों, संभात क्ष्मान

- श्रो सुधोर विहारी, सुपुत स्व० श्रो जगदीश सहाय, एण्ड श्रदर्स, निवासी-24 स्कूल लेन, नई किस्ली। (श्रन्तरक)
- श्री राज नारायण सुपुत श्री बाबू राम, निवासो बो/38, राम गली पेन्डा शाहदरा, विल्लो।

(भन्तरितो)

करे यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सिष् कार्यवाहिया करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी स्पवित द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टाकरणः — इसमें प्रगुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्रो॰ नं॰ 1748, चिराखना, विल्ली, तादाबी 125 वर्गगज, 2-र्रेम जिला।

म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर (म्रायुक्त निरोज्जण) मर्जन रेंज-2, विल्ली

सारीख: 17-11-1984

मोहरः

प्रकृष. भार्ष. टी. एन. एत. -----

बाय्कर गिंधनियम्, 1961 (1961 का 43) की धाउत 269-व (1) के गंधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 17 नवस्त्रर, 1984 सं० धाई० ए० सो०/एक्पू/2/एस० घार 1/3-84/ 1140:—ग्रत: मुझे, घार० पो० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या 587, ब्लाक 'सी' है तथा जो ग्राम भाजादपुर दिल्ली में स्थित है (शौर इसरी उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्व रूप से बणित है), रजिस्ट्राकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय दिल्लो में भारताय राजिस्ट्रीकरण ग्रांधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रंथीन, मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि द्थापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया फल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक में वास्तिवक रूप से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत आंधिनयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिन्।न प्रो सिवधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निमनलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1 1 श्रा सुधार कुमार जैन सुपुत श्री ए० पो० जैन, निवासी 3028, गलो छोडो कल्यान सिंह मोरो गेट दिल्लो-6।
- एस० सवाया सिंह सुपुत्र एस० हरो सिंह, निवासो -571, मजलोस पार्क, दिल्लो-33।

(मन्तरितो)

(ब्रन्तरक),

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्घन के जिए कार्यवाहमां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाट लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो ज़क्त निभ-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं नर्भ होंगा, चो उस अध्याय में दिया गया है।

## बन्सूची

प्लाट नं० 587, ब्लाक 'सी' तादादी 216 वर्गगज एरिया ग्राम भ्राजाद पुर, दिल्लो, खसरा नं० 63। भ्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारो। सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) भ्रजैन रेंज-2, दिल्लो,

**सारीख: 17-11-1984** 

### प्रक्ष बाई .टी .एन .एस . ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2

नई दिल्लो, दिनांक 27 नवम्बर 1984 सं प्राई० ए० सो०/एक्यू०/2/एस ध्रार-1/84/1141— धतः मुझे, घ्रार० पो० राजेण,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रा. से अधिक है

भीर जिसको स० या सी०/147 बी० है, तथा जो मोतो नगर, नई दिल्लो में स्थित है और इसमे उपाबद्ध ानुसूबो में पूर्ण है रूप से विणत है), रिजस्ट्राकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय दिल्लो में भारतीय रिजस्ट्राकरण श्रीधितयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रयोन, ताराख मार्च, 1984

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रांतशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल भिग्गलिखित उद्देश्य से अक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, यो धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण काँ, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह-—  श्री मनोहर लाल, निवासी एफ-105, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(म्रन्सरक)

2 श्री राधे एयाम जोली श्रीर राज कुमार जोली, निवासी सी०-147 बी०, मोती नगर, नई दिल्ली।

(प्रन्तरितो)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अजन क संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इप सूचना र राजपण में प्रकाणन की तारीख से 48 दिन की सर्वाध ना तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील में 36 दिन की श्रवधि, जो भी अवधि बाद में प्रमाप्त होती हो, के जीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स िती व्यक्ति दाना;
- (ख) इस सूचना के राजप श में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर अस्पत्ति में हितबद किसी प्रभ्य शादित द्वारा, मशोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किये ना मशोह द

ुँक्वस्तीकरण :--इसर्वे प्रयुक्त सम्बंध श्रीर पर्धे का, जी उक्त सिन्ध-है। जीवाय १७-४ मे परिभाषित है सही सर्थे द्वीगा, जी उत्त श्रध्याय में दिया गया है।

### वन्त्यी

धनुसूची क्वाटर नं० सी०/147 बो०, मोतो नगर, नई दिल्ली ग्रार० पी० राजग, संसम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन जर-2, दिल्ली

तारीख: 17-11-1984

## प्रकृष जाइं. टी. एन. एस. -----

**थावकः लिभिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा** 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायज्ञ आयहार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2 दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांचा 17 नवम्बर, 1984

सं आई ए० सा०/एकपू/2/एव० आप०--1/3--84/ 1145:--आ: मुझे आप० पा० पाजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि रभावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. स अधिक है

और ित्रका संख्या वा/144 है स्था जो वेस्ट पटेल न्यार, भई दिल्ला में स्थित है (ओर इत्तते उपाबक अनुसूचा में पूर्ण रूप से विणित है), रिनस्ट्रात्रती अधितारों के द्यार्थीलय, दिल्ला में भारतान किस्ट्राहरण अधितानम, 1908 (1908 का 16) के अधित, मार्च, 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रितिफान के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनक दृश्यमान प्रतिफान स, एस रश्यमान प्रातफान का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफान, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित में सास्तिक क्य से कियत नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरक से हुई किसीं अप की वाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक औ द्यित्य में कमी करुने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

ब्तः, झ्व, उक्त विधिनियमं, की भारा 269-ग के अनुसरक् वा, मा, एक्त अधिनियमं की भारा 269-ज की उपधारा (1) व्याचीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ४ श्रा असिल कुमार हूजा सुपुत श्रा पा० एन० हुजा, निवासी बी-11/101-की०, सफदरजंग इनक्लेब, मई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती लक्ष्मी देवी परनी श्री निका राम, भिवासी—3120, लाल कुआ, दिल्लो।

(अम्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्थन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उन्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिए-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जन्सूची .

## अमुसूची

प्रो० नं० बो/144, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली सादादी

आए० पी० राजेण सक्षम अधिकारी (सहायक आयग्रर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेंज 2, दिस्ली।

तारीखा: 17─11─1984।

## प्ररूप आई. टी. एन. यस. ------

जायकार जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के जधीन सम्बना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर, 1984

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/2/एस० आर०-1/3-84/ 1152:—अतः मुझे आर० पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु, से अधिक है

और जिसकी संख्या 4589, है तथा जो कुचा बी० बी० गोचर, चर्खेवासन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची हू पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम। 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है एन्न

- (क) ब्रुग्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बीधीनयम के बधीन कर दोने के ब्रुग्तरक के दायित्व में कभी करने या तससे बचने में सुविधा के लिए; बीट/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सृविधा के सिए;

कतः अब, उन्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को. में, उन्त आंधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह---- 38---386 GI|84

 1. श्रीमती प्रेम लता द्वारा इश्वर नाथ निगम, निवासी 9/2080 गर्ला नं० 6, कैलाण नगर, गांधी नगर, दिल्ली।

(अन्तरका)

 श्रीमती कैलाश बती पत्नी श्री मुक्त लाल, निवासी 1467, दरीबा कलां, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा गया है।

#### जनसर्ची

2/3 अधिभाजी हिस्से प्रो०नं० 4589, कुचा बी० बी० गोहर, चर्खेवालन, दिल्ली, सादादी 104 वर्गगज,

> आर० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज-1 दिल्ली।

तारीख: 17-11-1984

प्ररूप आहुँ, ट. एन, एस. - - ---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रोंज 2 नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांस 17 नवम्बूर, 1984

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/2/एस० आर०-1/3-84/ 1153:--अत:, मुझे, आर० पी० राजेश,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 1/335 है तथा जो पंचा सरीफ कम्मीरी गेट, दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1984।

को प्रॉक्श सम्मति के उचित बाजार मृस्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्मत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, एसे द्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की शावत उक्त अधि-नियम के अधीन कार दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा को लिए; बीड़/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रदः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुबरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभात्ः---  शो बलदेव राँज कोहली सुपुत्र स्व० श्री अर्जुन देव कोहली, निवासी ए०/116, भाग-1, अशोक बिहार, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सुरजीत सिंह कोहली सुपुत्र स्व० श्री: सुजान सिंह कोहली, निवासी डी~11/15, माडल टाउन, दिल्ली-110009 (अन्तरिती)

की यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप ूर्ज्ज-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी थें पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्कांकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### न्त्र्या

प्रो० नं 1/335, पंचा शारिक कम्मीरी गेंट, दिल्ली, तादादी 120 वर्ग गज।

आर० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली

तारीख: 17-11-1984

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. -----

# नायकर निम्नियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के न्मीन त्यान

#### भारत सुरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 17 नवस्बर 1984

निर्देशिसं०आई० ए० सी०/एक्यू/2/एसआर~1/3—84/1157:—— अतः, मुझे, आर० पी० राजेश,

मायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त भिधनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या एच० -2 है, तथा जो ग्राम बसईदारापुर, आबाबी बाली नगर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्टीकर्त्ता आधेकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण कि सिकत में बास्तिक रूप से कथित महीं किया गया है है—

- (क) नन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत्, उनक् अभिनित्त से ज्यीन कर दोने के सम्बद्ध औ बार्टियल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्ट; नीड/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए।

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निस्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् ह—  श्री राम पीयार सुपुत्र स्व० श्री रूप चन्द, निवासी टी०-150, बलजीत नगर, निवर वेस्ट पटेल नगर, नई विस्ली।

(अन्तरक)

श्री सन्हैंया लाल बजाज सुपुत्र
स्व० श्री घानु राम बजाज,
निवासी ग्राम और पो० खेरी बाकी,
जिला हिंसार, (हरियाणा)।
श्रीमती सरला रानी
पत्नी श्री हर प्रसाद कालरा,
निवासी 138, मोहला काशयां हिंसार
हरियाणा।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

#### उक्त सुम्पृत्ति के अर्जन के सुम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के एजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ा किसी बन्य स्थिति द्वारा सभोहस्ताक्ष्टी के पार्थ लिखित में किए जा सकती।

स्पक्कीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क यें परिभाषित हीं, वहीं वृश्व होगा जो उस मुख्याय में दिया गया है।

#### जन जाती

प्रो० नं० एच०-2, तादादी 150 वर्ग गज, खसरा नं० 1598, ग्राम बसईदारापुर, आबादी वाली नगर, नई दिल्ली।

> आर०पी० रोजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर **शायुक्त** (निरीक्षण) अजंन रेंज 2, दिल्ली।

तारीख: 17-11-1984

मोहाउ

#### मुक्य बाइ . टी. एन्. एस . -----

# नायकर नृश्विन्यम, 1961 (1961 का 43) काँ भारा 269-म् (1) वे सभीन सुवना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 दिल्ली

नई दिस्ली, दिनांक 17 नयम्बर, 1984 सं**॰ आई**ए० सी०/एक्यू/2/एस आर-1/3-84/1158:----अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्णात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रू. से अधिक है

और जिसकी संख्या सोप नं० 46 है, तथा जो लहना सिंह मार्केट, दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबंध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास कर्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्चित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कांगन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुन्हें िकसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बज़ने में स्विधा के लिए; आर./या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय आयं-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लास प्रकट नहीं किया म्याध्या या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः ज्या, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् क्र- श्रीमती राम दिती
 पत्नी श्री नन्द लाल,
 निवासी 5593, गली नं० 2,
 न्यू चन्द्रावल, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री इक बाल सिंह खन्ना और श्री जग मोहन सिंह खन्ना, सुपुत्त गण श्री अवतार सिंह खन्ना, निवासी सी → 3/3, राणा प्रताप बाग, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

#### उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदौं का, को उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### ग्रनुसूची

प्रो० नं० सरकारी निर्मित सोप नं० 46, लेहना सिंह मार्केट, दिल्ली।

> आर०पी०राजश स**क्षम प्रा**धिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली

, तारीख: 17-11-1984

प्रकष् बाइं.टी.एन.एस. ------

भाष्णकु वृधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सधीन सचना

#### भारत चरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर, 1984 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/2/एस० आर०—1/3—84/ 1159——अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है). की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पृतित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 26/5 है तथा जो नजफगढ़ रोड इण्डस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तयू पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्विश्यों से उक्त अन्तरण किवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कटु देने के अन्तरक के दारियत में कमी करने या उससे बचने में सूबिभा के सिए; और/मा
- (ब) एसे किसी बाय या किसी भन या जन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया ग्या आ या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः जब्, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तित्यों, अधीत् ६—- मैं० नेशनल मेमिकल इण्डस्ट्रीज लिं०
 तिक नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली
द्वारा जीं० ए० श्री आर० सी० गोइंका,
सुपुत्र श्री चिरंजी लाल गोईंका,
निवासी 16 वालकेश्वर रोड, गोइंका हाउस,
बम्बई।

(अन्तरकः)

2 श्रीमती विमल कथूरिया पत्नी श्री वेद सथूरिया, निवासी ई86 कितीं नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्मब्दीक रण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो जक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वयस्त्री

प्रो० नं० 26/5, जो प्रो० नं० 26 का भाग है स्थि नजफगढ़ रोड इण्डस्ट्रियल एरिया स्कीम, नई दिस्ली, तादादी 97.89 वर्गगज।

> आर० पी० राजेश, सक्षम अधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें**ज-**2, **नई दि**ल्ली

विनांक: 17-11-1984

## प्रकप भार्यः, टर्डः, एमः, एसः, ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के सधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यासयः, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अजन रोंज -2, नई दिस्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० आई ए० सी०/एक्यू०/2/एस-आर-पं/3-84/ 1161,---अतः मुझे आर० पी० राजेश,

मायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 1599 है तथा जो अजिज गंज, आजाद मार्केट, दिल्ली—6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1984

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का मन्द्रह प्रतिकात सं अधिक है बौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय नाया गया प्रतिकल, निम्नुलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा खे लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों. अर्थात् :—  श्रीमती मोतिया देवी सुरी ्विधनी पत्पसश्री हीरा नन्द, निवासी 24/10, शक्ति नगर, दिल्ली।

(अन्सएक)

 श्री जय प्रकाश अग्रवास, |सुपुत श्री मनोहर सास, निवासी 1600 अजिज गंज, [बहादुर गढ़ रोड, आजाद मार्नेट, दिल्ली-6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त संपरित के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पाष लिखित में किए जा सकाये।

स्यक्तीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्रो० नं० 1599, तादादी 106 वर्गगज, स्थिस अजिज गंज, बहादुर गढ़ रोड, आजाद मार्केट, वार्ड नं. 8, दिस्ली-6।

> आर० डी॰ राजेश सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली

तारीखा: 17-11-1984

## धक्ष वार्'्य डी., एक्त पृत्र्यानश्चनवन्त्र

## आयकार ज्भितिसम्, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-म (1) के अभीत स्वतः

#### बार्ड सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2.नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर, 1984
निदेश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/
3-84/1162--अतः मुझे, आर० पी० राजेश
गयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा

269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 4963 है तथा जो सदर बाजार दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है (रिजिस्ट्रीजिती अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण अधिलयम 1908 (1908 क) 16)के अधीन तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उधित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित जाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिक्त से, एसे स्थमान प्रतिक्त का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक कप से कथित नहीं किया गया है दे—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आभ-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; बॉर/बा
- (अ) एसी किसी बाय या किसी भग या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वय-कर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किरा गया भा या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः त्रवः, उदत विधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, थैं, उदत विधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीज, निम्नविधित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) ईश्वरी प्रसाद (एच०-यू०-एफ०)
  डा०/87. डिफेंश कालोनी, नई दिस्ली
  द्वारा विरेन्द्र कुमार
  सुपुत श्री ईश्वरी प्रसाद, (एच० यू० एफ०),
  श्री संजीव कुमार, सुपुत श्री शेर सिह,
  निवासी⊶405, डिफेंस कालोनी, नई दिस्ली ।
  (अन्तरक)
- (2) श्री प्रदीप कुमार, प्रतीन कुमार, योगेन्द्र कुमार, सुपुत्रगण श्री भ्यामाचरण गुप्ता, नियासी-2-रामचन्द्र लैन, राम किणोर रोड़, सिविल लाईन, दिल्ली-6।

(अन्तरिती)

को बहु बुक्तना बाड़ी करके पुन्तित सम्मृतित के वर्षन के दिन्छ कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

## उन्त राज्यति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बार्सप्र-

- (क) इस स्वान के राजपन में प्रकारन की तारीं है के 45 बिन की जबश्चिया सरस्वत्यों स्वीतत्वों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रावित व्यक्तियों में से किसी स्वीवत स्वारा;
- (क) हुद भूजना के राज्यम के प्रकारन कर तारीय वे 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनप्भ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा भशोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए का सकेंगे।

स्पव्यक्षिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया हैं।]

## अनुसूची

1/2 अविभाजित हिस्से भोप्त नं० 4963, ताबादी 400 वर्गफीट, दुछती 320 वर्गफीट, चबूतरा 55 वर्गफीट सदर बाजार, दिस्सी ।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकरं आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई पिल्ली

विनांक : 17-11-1984

## त्रक्ष् नाइ, दी, एन. एस,-----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1984
निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/
384/1163—अतः मुझे, आर० पी० राजेश
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से बाधिक हैं

और जिसकी सं० 4963 हैं तथा जो सदर बाजार, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख मार्च, 1984

को पूर्वों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्भे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से एसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल के विश्वास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्कत, निम्नलिबित उद्वेषय से उक्त बन्तरण निम्नलिबत में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण वे शुर्व किसी भाग की नागत अपन्य वर्षिन निवक के क्षीम कर दोने के क्षानुक के दावित्व के सभी करने ना कसरी नज़ने के स्विता के सिने; नीर ना/
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय, की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया थाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बतः वय, उकत अधिनियम की भारा 269-ग के, बनुसरण में, मैं, उकत अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्थात् ः—ः (1) दिखरी प्रसाद (एच०-यू०-एफ०)
जी-67, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली
द्वारा श्री विरेन्द्र कुमार सुपुत श्री ईश्वरी
प्रसाद (एच०-यू०-एफ०) श्री संजीव कुमार,
सुपुत श्री शेर सिंह निवासी-405, डिफेंस, कालोनी
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रदीष कुमार, योगेन्द्र कुमार सुपुत्रगण श्री ध्यामा चरण गुप्ता, नियासी-2 राम चन्द्र लैन, राम किशोर रोड़, सिविल लाईन, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को वह बुचना चारी करके पूर्वोक्त संपर्टित के वर्धन वे हिन्द कायबाहियों करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वहभ किसी बन्य व्यक्ति द्वाड़ा, अभोहस्ताशरी के पास लिखित में किए का सकींगे।

स्वव्यक्तिर्गः — इसमें प्रयुक्त सन्यों नीह प्रश्ते का, हो उनत निधिमयम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह्री वहीं नर्थ होगा हो उस अध्याय में दिया भवा ह्रीं।

## जन्सूची

1/2 भाग अविभाजिल हिस्से घोप नं० 4963, तादादी 400 वर्गफीट, दुछती 320 वर्गफीट, और चबूतरा 55 वर्गफीट, सदर बाजुर, दिस्ली ।

आर० पी० राजेण मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई विल्ली

विनोक: 17-11-1984

मोहर ः

प्रकथ् बाइं.टी.एन.एस.-----

माथकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 च (1) के सभीन स्चना

#### भारत सरकाडु

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊷2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/3-84/1165--अतः मुझे, आर० पी० राजेश आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं:

और जिसकी सं० 50/8 है तथा जो इस्ट पटेल नगर, नई हिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है (रिजिस्ट्री एर्ता अधिकारी है कार्यालय दिल्ली में रिजिस्ट्री ६रण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख मार्च, 1984

को प्रवेक्ति संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मृष्य, उसके दरमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीत कह देने के अन्तरक के दाजित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बॉर/या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था विद्या जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा की लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निकित व्यक्तियों, अर्धातः 39---386 GI 84 (1) श्रीमती परदुमन कौर, परनी श्री जसवन्त सिंह, निवासी-30/8, इस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरका)

(2) श्री विजय कुमार सुपुत्र श्री राजिन्दर नाय और श्रीमती वीता टुटेजा पत्नी श्री विजय कुमार निवासी → 30/8, इस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

#### जनत संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निख्त में किए था सकी।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित, हैं, वहीं अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूचो

प्रा० नं० 30/8, इस्ट पटेल नगर, नई विल्ली, 2-1/2 मंजिला भकान, तादादी 200 वर्गगज ।

आर० पी० राजेण सक्षम प्राधिकार सह।यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 17--11-1994

मोहर ः

## 

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० मी०/एक्य्०/2/एस० आर०~1/ 3-84-/1166--अतः मुझे, आर० पी० पीजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बागर मुल्य 25,000/- रु. में अधिक हैं

और जिसकी गं० मी-118 है तथा जो मोती नगर, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इसरे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिक्यम 1908 (1908 का 16) अधीन मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित आजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए प्रंतरित की गई है और मुखे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके वृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकृत का पन्धत प्रतिशत से प्रधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितिंं) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नानिधित उद्देश्य से उच्त प्रन्तरण निध्ति में वास्तविक अप से क्थित महीं किया गया है .—

- (क) अन्तरण ते हुई सिसी आय की बाबता अवत अधिनियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; औड/वा
- (स) एमें जिसी आय या किया धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता आधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए; और/या

वत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, मर्थात क्--- (1) श्री शाम नाथ सुपुत्र श्री सन्त राम, निवासी—सी/118-श्री, मोती नगर, नई दिल्ली ।

(अन्**त**रक)

(2) श्रीमती जान्ती देवी पत्नी श्री जान नन्दं. निवासी-सी/118-वी, मोती नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ६--

- (क) इस सुभना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकेंगे।

स्प्छीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

प्रों० नं० सी--118-त्री, मोती नगर, नई दिल्ली, नादादी 100 वर्गगत ।

> आर० पी० राजेण मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 17-1.1-1984

प्ररूप आहु<sup>र</sup>. टी. एत. एस.-----

# बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को अभीन सुधना

भारत गुरुकार

## कार्यालय, सहायक वायुकर वायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेज-2 नई दिल्सी

नई दिल्ली दिनाक 17 नवम्बर 1984

निर्देश स० आई० ए० सा०/ए यृ०/2/एस० आर०—।/3—84/ 1174:--अत: मुझे आर० पे?० राजेश,

जायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी स० 26/11 है तथा जो नजकगढ़ रोड़. इन्डस्ट्रंश्यल एरीया, नई दिल्ली में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनूसूची में स्रीर पूर्व हम से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरअ अधिनियण 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्द है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तयम्पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि नियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किन्द्रों भारतीय नायकर मधिनियम, 1922 को जिन्द्रों भारतीय नायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या भनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अवत जिम्मिनयम की धारा 269-म के अनुसरण की, मी, उक्त जिम्मिनयम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीत, निम्मिलिकित व्यक्तियों के अधीत ह

(1) मैं० नेशनल कामफल इन्डस्ट्रीज लि०
26-नजफगढ़ रोड़
नई दिल्ली
द्वारा अटानी श्री आर० सी० गोइंका,
मुपुत्र श्री चिरंजी लाल गोइंका,
16-बालकेण्वर रोड़,
गाइंका हाउस,
वस्बे।

(अन्तरक)

(2) श्रो सीरी राम गुप्ता सुपुत्र श्री गोपाल दास जी,
श्रोमती कमलेग रानी गर्ग पत्नी श्री जै० एल० गर्ग;
श्रीमती कुण्या देवी पत्नी श्री राम लाल जी,
श्रीमती भगवती बाई पत्नी श्री रिव देन श्रीर
श्रीमती पुण्या देवी पत्नी श्री मुरारी लाल जी,
निवासी—शो—96, वजीरपुर
इन्डस्ट्रीयल एरीया

(अन्तरितो)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस सी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिसिय में किए आ सकेंगे।

स्पष्टिकिर्ण : इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनुसूची

प्रो०नं० 26/11 जो प्रो०नं० 26 का भाग,तांदादी 213.50 वर्गगज नजफगढ रोड़, इन्डस्ट्रोयल एरीया, स्कीम, दिल्ली ।

> आर० पी० राजेश, सक्षमं प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-2, नई दिल्ली।

दिनांक : 17-11-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1984

निद्या सं० आई० ए० सी०/ए यू०/2/एम० आर०—1/3—84/ 1177:——अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमं इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० डी-254 है तथाजो वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिथिक रूप से कथित नहीं कया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयन्त-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ना धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीत ः— (1) श्रोमिती स्वराज रानी कोहली पत्नी, श्री यश पाल कोहली निवासी—डी-252, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री भुषीन्दर सिंह सुपृत्न, श्री नाथा सिंद, निवासी—डी-252. वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तर्रारती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **जन्**स्ची

प्रो० नं० डी-254, वेस्ट पटेल नगर नई दिल्ली नादादी।

आर० गी० राजेंश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, न**र्ष** दिख्ली

दिनांक : 17~11-1984

मोहर ः

# प्रस्प नार्षः दी एन एस्.-----

जाधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ(1) के अभीन सुचना

#### भारत जरकार

## कार्यालय, सहायक नायकर नायक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1984

निर्देश म० आई० ए० सी०/ए यू०/2/एउ०सआर/1/3-84/ 1181:—अतः मुझे, आर० पी० राजिश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० 59, 60 है तथा जो केवल पार्क एक्सटेन्शन, आजादपुर दिल्ली हु स्थित में (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुर्ची में पूर्व रूप मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीच मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यशापूर्वोक्त संपत्ति का लिचत बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक हम् से कथित नहीं किया गया है ं--

- (क) बलारण से हुद्द किसी शाय की बाबत, उथन अभिनियम को बधीन कर दोने के अन्तरक को बाबित्य में कसी करने वा उससे वचने में सुनिधा को लिए? जीर/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, जियाने में सुदिधा औं जिए;

(1) श्री अगोक कुमार सुपुत श्री काम्मीरी लाल, निवासी——र्वे(-264 मजलीस पार्क दिल्ली-6.

(अन्तरक)

(2) श्री दर्जन सिंह मुपुत्न, श्री गुरसहाय नागपाल, निवासी---5/1, सिंह सभा रोड. शक्ति नगर दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षप ह----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की शविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्युक्तीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्यों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### असमधी

प्रो० नं० 59 60 नादादी 132.5 वर्गगज प्रत्येंक जमा तादादी 265 वर्गगज केवल पार्क एक्सटेन्ग्रन ग्राम—आजादपुर दिल्ली खसरा न० 64/1 न्यु अब-431/64/1 दिल्ली ।

आर०पी० राजण सक्षमं प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-2, नई दिल्ली

अतः अतः अवतः अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्तः अधिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (1)। के अधीन, निम्निजिवित व्यक्तिमों तो अर्थात् ह—-

तारीख: 17-11-1984

## प्रकृ वार्षं दी पुन पुर्व वर्षानानानानान

# बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के वभीन सुबना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 17 नवम्बर 1984

निर्देश स० आई० ए० सं10/एनयू<math>0/2/एस—आर1/3-84/1197/—अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की भारा 269-च के अधीन सक्म प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्का उचित् वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 12/6308-9 है तथा जो कमला नगर दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बिणत है) र जिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1984

को पृथांक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पास गार प्रतिफल निम्मितिक्ति उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरम सं हुए किसी आय की बाबल उक्त अधिनियम को अभीन कर दोने को अन्तरक को वायित्व मों अभी करने या उससे अचने में सूबिधा को लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनिक्न, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अकत अधिनियम की धारा 269ग कि उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् ः~- (1) श्री पी० डी० गुप्ता निवासी---▼-7 कमला नगर दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सुबोध कुमार गुप्ता निवासी—ए-7 कमला नगर दिल्ला—6.

(अन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपरा सम्पर्कित को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, वही अर्थ श्रोगा, जो उस अध्याय में दिशा वस इं।

## वन्स्वी

प्रो० नं० 12/6208 १ 6309 कमला नगर दिल्ली।

आर० पी० राजेशः सक्षम श्राधिकारी सहायक आयकर आ**मुन्त (निरीक्षण)** अर्जन रेजे~2 नई दिल्ली ।

तारीसः : 17--11-1984

मोड्र:

## प्रक्ष बार्ड . टी . एन . एस . -------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269=भ (1) के सधीत मुचना

#### भारत सरकार

कायलिय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1984

निदंश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० ग्रार-1/3-84/1198---ग्रतः मुझे ग्रार० पी० राजेश आयकर ग्रंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रंधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उच्चित बाजार मृष्य 25,000/- ६० में अधिक है

स्रोर जिसकी मं० बी-3 है तथा जो ग्राम वसईवारापुर गानसरोबर गार्डन, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्मूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वणित है) रिजस्ट्रीकर्भ ग्रिधकारी के कार्यालय दिल्लों में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख मार्च, 1984

को प्रॉक्त संपत्ति के उजित बाजार मूस्य से सम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) भीर मन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य में उन्त मन्तरण लिखिन में बाक्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में सभी क्षरने या जससे बचने में सुविधा के सिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हें भारतीय भागकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ज्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना बाडिए था, खिपाने में मृजिशा के लिए ;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :-- (1) श्री गिरवर प्रसाद श्रश्नवाल, मृतुत्र श्री धनीराम अग्नवाल, निवासी—!-बीठ एच० 12, जवात्र्र नगर, अग्रपुर ।

(স্থানাথক)

(2) श्री जवाहर सिंह सुपुत श्री शोभा सिंह, निवासी—एफ—217, मानसकोवर गार्डन, नर्ड दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सिष्ट्र कार्यवाहियां कारू करता हो।

अवत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेष :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारी हैं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी ज्येक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर ज्यितसमों में से फिसी क्यों कर द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाय, अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ति में किए का सकेंगे।

स्वक्रीकरणः — इसमें प्रमुक्त सन्दों और पथाँ का, जो उनक् अभिनियम, के अभ्याय 20-क में युधा परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया न्या है।

#### अनुसुधी

प्रोठ नं ० 83, बीठ तादादी 297 वर्गगज, मानसरोवर गाइन, ग्राम बमईदारापुर, दिल्ली, राज्य, दिल्ली।

> श्चारः पी० राजेण सक्षम प्राधिकारो सहायक श्राक्यर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-2, नई दिल्लो

दिनांक : 17-11-1984

मोहर 🔅

## प्ररूप मार्ड. टी. एन. एस. -----

## भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1984

निदेश सं० श्राई ए० सी०/एक्यू/2/एम आर 1/ -84/1200—श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जमकी सं० जी-23/3 है तथा जो राजोरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीरइसमें उपाबढ़ ग्रनुभूचों में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन नारीख मार्च, सें1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्सरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्र सी अत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तर्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अंतरण लिखित में बास्तिविक रूप से करियत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कह दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बौद/या
- (म) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ्—— (1) श्री हरीम चन्दर सुपृत्र श्री राम रंग सिका, निवासी-जी-23/3, राजोरी गार्डन; नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री इकबाल मलिक मुपुत्र श्री मी० डी० गालिक, निवामी – 617/121, पश्चिमपुरी, नई दिल्ली ।

(ब्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना कि तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सुभाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अभूस्ची

श्रविभाजित 1/4 भाग प्रो० नं० 8 जो -23/3, राजोरी गार्डन, नई विस्ती भवादो ग्राम बसईदारापुर, दिल्लो राज्य विस्ती, तावादी 140.4 वर्गगज ।

भ्रार० पो० राजेण सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 17-11-1984

**शक्य बाइ**क टॉ., एन., एवं. ० a a + a+

शायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 2640 च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

## कार्याभव , सहायक जायकर आमृक्त (निर्दाक्षण)

प्रर्जन रेंज-2, नई विस्ली

नई दिल्ली, विनांक 17 नवम्बर, 1994 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/2 एस० ग्रार०-1/ 3-84/1201--- ग्रतः, मुझे ग्रार० पी० राजेश

नायकर श्थितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के अधीव सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर प्जिसकी सं० जी-23/3 है तथा जो राजोरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यांसय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 1984 तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दशमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाम अध्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक स्प से कृषित महीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुइं कियो बाय की वाबता, 'उक्ते जीभनियम को अभीन कर दोने को जन्तरक को दायित्व में अभी करने या उससे वचने में सुविभा को जिए; जीऽ/वा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, शि धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए ॥

जतः जन, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, भी, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 40---386 GU84 (1) श्री मूर्या क्रमार, सुपुन्न श्री हरीण चन्दर , निवासो-जी-23/3, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री इकबाल मलिक, सुपुत्र श्री सी० डी० मलिक निवासी-617/121, पश्चिम पुरी, नई दिल्ली ।

(भ्रग्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के सिए कार्यविहर्या करता हुं [१]

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षर् के पास निवास में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्न के कथ्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं वर्ष श्रीगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जगुरू क

ग्रविभाजित 1/4 भाग प्रो० नं० जी-23/3, राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली, ग्रामवी ग्राम बसईवारापुर, दिल्ली राज्य दिल्ली, तादादी 140.4 वर्गगज।

> भ्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सह(यक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई विल्ली

दिनांक 17-11-1984 मोहर:

## प्रकष बाही ही एवं एवं न्यान

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-प (१) के उपीन सम्बन

#### ब्रार्ड संस्थार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/2/एस० ग्रार०-1/

3-84/1205--- प्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य

25,000/- रा से अधिक ह

श्रीर जिसको सं० 4423 है तथा जो गनेश बाजार, क्लाध मार्कीट, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 1984

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूस्य से कम के क्यमान
।तिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्
प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशय से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जान की वावत अवस अधिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के शायित्व में कभी करने या उसने वचने ने स्विधा के लिए; भीर/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन वा अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जो प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा धा या किया जाना धाहिए था, जिया वें ज्विया धं जिए;

क्षत्र अव, उक्त विभिनियम की पाछ 269-व की विवृत्तरक भें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधित् :--- (1) श्रीमती सरला सहगल पत्नी श्री पी० एन० सहगल निवासी—बी-16, चिराग इनक्लेब, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती शकुत्तला गुप्ता, पत्नी श्री प्यारे लाल गप्ता, निवासो-4423, क्लाथ मार्कीट, गंनेश बाजार, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्य :--

- (क) इस स्थान के राजपण के प्रकासन की ताड़ीय से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के ग्रस लिक्ति में किए था सक्ते ।

स्पक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त काव्यों और पर्यों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जन्सूची

प्रो० नं० 4423, गनेश बाजार, क्लाथ मार्कीट, दिल्लो, एम दुकान एक दरो, वभय बारडा व जीना मुशतरफा वमय बालखाना दो मंजिला, लगभग 50 वर्गगज है ।

> भ्रार० पी० राजेश सक्षम प्राघिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 17-11-1984

मोहर 🗆

#### भ्रम्पः भाषः दी . एत . एतः स्टन्स्य स्टन्स्य

## भायकर वॉभिनियम,, 1961 (1961 का 43) कॉ भारा 269-व (1) के जभीन सुचना

#### नारत दरकार

कार्यालय सहायक जायकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेंज-2, नई दिल्लो

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० मी०/एक्यु०/2/एस० ग्रार-1/ 3-84/1204--श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका जिन्त नाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1221 है तथा जो बाजार सोताराम, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बाणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रोकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 1981

को प्थेंक्स सम्परित के उनित याजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्स संपरित का उच्चित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकल का निम्निसिचत उद्येश्य से उन्त अन्तरण निचित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (का) बन्तरण, संहुर्भ किसी नाम की बाबत, उपस् विभिन्नियम के अभीत कर दोने के बन्तरक जी शासित्व में कभी करने या उससे स्थने में सुविधा के सिए; ब्रोर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दूवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए?

बतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण वा, बी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधील, जिल्लीजित व्यक्तियों, सर्धात् हिन्स (1) श्रीमती देवी कुमारी, पत्नी श्री चंगा मल, निवासी-807, दईवारा, मोहल्ला कुन्वेवालान, ग्रंजमेरी गेट, विल्लो ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बूज नाथ गर्मा,
सुपुत्र श्रो ग्रमर नाथ शर्मा,
निवासी-1221, गली काशमीरियन,
बाजार सीताराम, दिल्ली-6।

(अन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सञ्चित्त के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## बन्ध बन्दरिष् के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी गाओद :--

- (क) इस स्वना के राजपंत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाम की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबध्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वाधीकरण: — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पवां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अन्सूच।

प्रो॰ नं॰ 1221, गली काशमीरीयन बाजार, मीता राम, दिस्ली-6, ताबादी 70 वर्गगज।

> ग्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजेन रेंज-2, नई दिल्ला

दिनांक : 17-11-1984

मोहर 🛎

प्रकप बाह्"ु टी. एन. एस्. अ.स. स

नायकड विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीत स्थना

#### बाइत चुडकाड

कार्यांजन, सहायक जायकर नामुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1984 निवेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/2/एस० श्रार-1/ 3-84/1209--- श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 2'69- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 3500-3502 है तथा जो पीपल वाली ग्रायांपुरा, सक्जी मंडी, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वांगत है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारोख मार्च, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्च है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके द्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिग्रत से अधिक है और अंतरक (ग्रंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्नसिचित उद्वर्षिय से उक्त अन्तरण में निचित बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है है—

- [क्रुं ज़लाइन हो हुई किसी जान की नावत क्या वीधीनवन हो सभीन करा दोने के जलारक हो दायित्व में कभी क्राउने वा उत्तर्थ वजने में सुविधा के सिए; बीर्ड√या
- (क) ऐसी किसी नाव ना किसी भन् ना नन्य नास्तिन्। करे, जिन्हें भारतीय नाय-कर निभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिनयम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, कियाने में सुनिया की लिए।

जतः जन, उक्त जिम्मियम की भारा 269-ग के अनुसर्ग वो, वो, उक्त ज्भिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध— (1) श्रीमती राम प्यारी उप नाम श्रीमती राम कटोरी पत्नी स्व० श्री मदन लाल दीक्षित, निवासी--2926, भार्यपुरा, सब्जी मंडी, दिल्ली ।

(भन्तरक)

(1) श्री हरी राम गुप्ता सुपुत्र श्री फूल चन्द्र गुप्ता, निवासी-6282, गली बताशा खारी बावली, दिल्ली , श्रीमती धाशा सिंगल, 317, कूजा संजोगी रमा नया बांस दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारीं करके पूर्वोक्त सम्मित्स के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पिक्तयों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख), इद स्थान के राज्यक के प्रकासन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी जन्म व्यक्तित इवारा वधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए का सकींगे।

स्वच्छीकरण्:---इसमें प्रयुक्त धन्यों और पूर्वों का, भी उक्त विभिन्तियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस क्ष्याय में विशा नमा है।

## अनुसूची

एभ मकान दो मंजिला जिसकी ग्राउन्ड फ्लोर में 2 बुकानात बली हुई प्री० नं० 3500-3502, गली पीपल वाली ग्रायिपुरा, इलाका नं० 12, सब्जी मंडी, दिल्ली, तादादी 106 वर्ग गज ।

ग्नार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 17-11-1984

## प्रकृप कार्ड्, ट्री. एवं. एस ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन स्कृता

#### मारत परकाड

कार्यां नय . सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नर्ह दिल्लो, दिनांकः 17 नवम्बर 1984

निदेग सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/2/एस० ग्रार-1/ 3-84/1225--श्रतः मुझे श्रार० पी० राजेश

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ध्रामें इसके परवास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उवित बाजार मूस्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० 5854/42 है तथा जो बस्ती हरफूल सिंह, सबर बाजार, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रमुस्त्री में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख मार्च, 1984

को पृशास्त संप्रित के उचित बाजार मृस्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पर्ति का उचित बाजार अन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योषय से उसत अन्तरण लिखित को बास्तिकक रूप से कृषित नहीं किया गया है —

- (क) जन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उक्त बिशिनयुत्र, को क्षीन कर दोने की जन्तरक को बायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस या भन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में स्त्रिया के दिवस

वृतः वृद्धः वृद्धः विभिन्नम् की भारा 269-त की वृद्धारणः में , में उक्त अधिनियम को धारा 269-त की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिश्वित व्यक्तियों, सर्थात्:—

(1) श्री सुरेश कपूर सुपुत्र श्री द्वारका नाथ कपूर, नियासी-39/42, पंजाबी बाग, नई दिल्ली ।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री प्रवेश कुमार बन्ना,
सुदा श्री काशी राम बन्ना,
निवासी-5873, बस्ती हरफूल सिंह,
सदर थाना रोड, दिल्ली।

(भन्तरिती)

की बहु सुचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन् के निष् कार्यवाहियां सुक करता हुं ।

## जनत ब्रंपरित के बर्जन के सम्बन्ध में कोर्द भी बासेय --

- (क) इस स्थाना के प्राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की जबहिए वा तत्सम्बन्धी क्यत्सियों प्र सूचना की तानील से 30 दिन की बन्धि, वो भी जबिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनाराह
- (ज) इस त्यमा के प्राव्यम में प्रकारन की वार्यां से 45 दिन के भीतर क्या स्थादर सम्पत्ति में हितकहथ किया कम्म किया क्या हमारा म्याहरतास्त्री के पास सिवद में किए जा सकेंगे।

स्वक्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त वरिप्रियम, के बध्याय 20-क में परिभावित है, वही वर्ष होगा, को उस बध्याय में दिवा प्रवाह ।

## वन्स्यी

एक गैरेज ग्राउन्ड फ्लोर, प्रो० नं० 5854 बार्ड नं० 14, प्लाट नं० 42, तादादी बस्ती हरफूल सिंह; सदर बाजार, दिल्ली ।

> भार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

विनांक : 17-11-1984

मोहर 🔏

## प्ररूप भार्ष .टी.एन .एस. ------

आयकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 2**69-प (1) वे मुगीन सुप्**ता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रजीन रैंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1984

निदेण सं० प्राई० ए० सी०/एक्यु०/2/एस० घ्रार-1/3-84/1226—प्रत: मुझे घ्रार० पी० राजेग

कायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एउ. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० 454, वार्ड III है तथा जो मेन बाजार, विल्लो में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय विल्लो में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान्
प्रतिफल के लिए कस्तरित की गई है और मुक्ते मह विद्यास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) भीर अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथ पामा गया
कृतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्तित
को वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है ह——

- (क) अन्तरण ते हुई एकसी आम की बाबत उक्त बिध-नियम के अधीन कर देने के जंतरक के बामित्व में अभी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनु-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना आहिए था, जिल्लाने में इविधा नहें सिक्ष:

वतः वदः, उक्त विधितियमं की धारा 269-गृ के वनुसरण भाँ, माँ, उक्त विधितियमं की धारा 269-भ की उपधारा (1) को क्षीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, वधित ह—व

- (1) श्रा सुमाल कुमार, सुपुत्र श्रा दोवान चन्द , निवासी--सो--4/9, कुष्णा नगर, दिल्ली । (ग्रन्सरक)
- (2) श्री कुलदोप सलुजा ग्रौर श्री प्रमोद सलुजा सुपुन्न श्री जगदीश लाल निवासी-एफ-13, इस्ट ग्राफ कैलाश, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त स्म्मृत्ति के व्यन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध्, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर छक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी को गास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरुष: इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्वों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं। वृता हैं।

#### नन्स्यौ

प्रो० नं० 454, वार्ड नम्बर III, तादादी 70 वर्गगण मेन बाजार, दिल्ली ।

भार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 17-11-1984

प्रकल् बार्च, टी. एन. एव. - - - - --

नायक इ मिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाद्धा 269-च (1) के नभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्देशक)

अजंन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/ 3-84/1229--अतः मुझें, आर० पी० राजेंग

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (रिवृत्ते इस्त्रे इस्त्रे परवास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्सि, जिसका उचित वाजार मृज्य 25,000/- रु से अधिक हैं

गौर जिसकी सं० ए-60 है तथा जो वेस्ट पटेल नगर, नई विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख मार्च 1984

को पृथाँक्त सम्पत्ति को उचित बाबार मृत्य से कम् के क्यांबाध् प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, इसके स्थ्यमान प्रतिकल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिकल का पन्त्रह्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वयेषों से उच्त अन्तरण कि सिंदन में बाम्नविक रूप से किश्तर नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी अप की वावत, अवत वृधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; वरि/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वास प्रकट महीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिभा औं लिए।

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विभिन्यम की भारा 269-च की उपभारा (1) के च्यीन। निस्त्वीलिय व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री दलीप सिंह,

मुपुत्र श्री इशर सिंह,

निवासी-ई-14 ग्रेटर कैंकलाश इन कलेब,
नई दिल्लो ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पारवती देवी, विधवा पत्नी श्री टोला राम, निवासी-ए-60, बेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

अक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कांद्र भी काक्षेप ध---

- (क) इस स्वना के राजपत्रं में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्वाकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को अक्ल अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिशाबित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया मवा है।

अनुसूची

सरकारी निर्मित क्वाटर न० ए-60, आबादो वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्लो, तावादी 522 वर्गफोट ।

> आर० पो० रार्जेश मञ्जय प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

दिनांक : 17-11-1984

प्ररूप बाइ टी.एन.एस.-----

आयफर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वता

#### भारत सरकाड

# कार्यांसय, सहायक नायकर भायुक्त (निरासिक) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-आर-1/3-84/ 1230:--अतः मुझे, आर०पी० राजेश,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

घौर जिसकी सं० 26/4 है तथा जो पणाबी बाग, दिस्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिस्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरिल की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से विभिक्त है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के नीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया ज्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्यविक क्य से कियत नहीं किया गया है है—

- (ला) जंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, अक्त बिधिनियम के अधीम कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया जया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् हरू (1) श्री विनोद कुमार,
 निवासी—-18/19,
 णक्ति नगर,
 दिस्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विजय श्रोबराय, निवासी—मकान न० 8, रोड़ नं० 20 ईस्ट पंजाबी बाग नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना चारी करकें पृथाँक्त सम्मत्ति वाँ वर्षन् को विष् कार्यशाहियां करता हुई [1]

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए जा सकोंगे।

स्यक्टीकरण १--इसमें प्रयुक्त शंब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उसर अध्याय में दिया प्या हैं ॥

#### जन्स्यो

प्रो०नं० 26/4 पंजाबी बाग, दिल्ली।

आर० पो० राजेशः स्वसम प्राधिकारो सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारी**ख: 17-11-1984**.

प्ररूप आई. टी. एन. एस. :======

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिफली, विनांक 17 नवम्बर, 1984 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-आर-1/3-84/

1234:---यतः, मुझें आर०पी० राजेश

बायकर मिश्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 24-एफ० है तथा जो कोल्हापुर रोड़ कमला नगर दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाध्रद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विजत है) रिजर्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजर्ट्राकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख भार्च 1984

को प्वींवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से अक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तारण से हुई किसी बाय की बाबत, उनका बाँधिपिव्य के बंधीन कार को के बन्तरक के दायित्य के कभी करने या उनके बचने में सर्विधा के लिए: बीर/बा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः श्राबः, उकत अधिनियम की धारा 269न के अनुसरण में, मैं, उकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीनः, निम्मलिकित व्यक्तियों, सर्थात् ध—— 41—386 GI[84 (1) श्रीमती महारानी सेठपत्नी, श्री हर नरायण सेठ निवासी-15 सरपवती मेमौरीयल मार्ग, कमला नगर, दिल्ली,

(अन्तरक)

(.2) श्रीमती कमला सेठ पत्नी श्री अमर चन्द सेठ निवासी—24/4831 श्रंसारी रोड़ दरिया गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना भारी करके पृत्रों कर सम्पृतित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

### उन्त राज्यत्ति के भवीर के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जबिश या तत्सम्बन्धी ज्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त अधिकता में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्रश्र्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास स्विक्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

1/9 भाग अविभाजित हिस्से प्रो० नं० 24-एफ०, कोल्हापुर रोड कमला नगर दिल्ली तादादी 272 2 वर्गगज । आ ा० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारो, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), । अर्जन रेंज-2, दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख: 17-11-1984

प्ररूप बाई, टी., एन, एस. ------

कायकर को धीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-स (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आवृक्त (निर्दाक्तण), अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-आर-1/3-84/ 1235:--अत: मुझें, आर० पी० राजेंश,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेषात् 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० 24-ए० है तथा जो कोहलापुर, रोड़, कमला नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इच्यमान प्रतिफल से एसे इच्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सिविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध्र— (1) श्री सताम चन्द सेठ सुपुत्र, श्री हर नारायण सेठ, निवासी— 15, सत्यवती मेमोरियल मार्ग, कमला नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री तरेश चन्द सेठ सुपुत्र, श्री अमर चन्द सेठ. निवासी---24/4831, श्रंसारी रोइ, दरिया गंज, नई दिल्लो।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्घन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप ;---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 हिन्दू की जनभि या तत्स्यस्तरभी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध् याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
  किसी अन्य व्यक्ति ब्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

1/9 अविभाजित हिस्से प्रो० नं० 24-एफ०, कोहलापुर रोड़, कमला नगर. दिल्ली तादादी 272 2 वर्गगज।

> आर० पी० राजणः सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (तिरोक्षण) अर्जन रेंज-2 नई दिल्लो।

तारीखा: 17-11-1984

## प्ररूपः **बाइं**. टी. एन. एसः-----

भायकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) का भार 269-ण (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० मो०/एक्यू०/2/एस-श्रार-1/3-84/ 1237:--श्रत: मुझे, श्रार० पी० राजेश,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियन' कहा गया हु"), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1/1089 है तथा जो काश्मीरी गेट, बाड़ा बा दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीविकारा के कार्यालय दिल्ला, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीविनियम, 1908 (1908 कि। 16) | के श्रधीन, तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल क, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बितिस्ती (अंतरितियों) के बीच एस अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्धेश्य से उन्त अंतरण निविद्ध में बास्यविक रूप से किथित नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसस बचने में सविधा के लिए: और/मा
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

जतः अर्ब. उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री क्षीवेन्द्र कुमार सुपुत्त,
 श्री बोध राज,
 निवासी—111/3489 निकलशन रोड़,
 मोरी गेट,
 दिल्ली।

(म्रन्तरक)

(2) श्री सत नरायण गोयल सुपुत्र, स्व० श्री मुरारी लाल, निवासी—1091, गली घोसन, काश्मोरी गेट, दिल्ली ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के डर्जन के लिए कार्यवाहियां करक करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा ही।

#### अनुसूची

प्रो० नं ० 1/1089, गली घोसन, कश्मीरी गेट, बाड़ा बाजार, विल्ली, प्रो० 1/4 भाग स्रविभाजित हिस्पे, ताबादी 72~1/2 वर्गगज ।

अत्रः पाठ राजेश, सक्षम प्रविकारों, सहायक प्रायक्तर ग्रायुक्त (तिराक्षम), ग्रजेन रोज-2, नई दिल्ली

तारीख: 17-11-1984

मोहर 🖫

## हुक्द बार्ड.. टी.: एव.. एड. -----

भारा 269-च (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ,म्रर्जन रंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1984 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-श्रार/13-84/ 1244:—ग्रत: मुझे,, ग्रार०पी० राजेश,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 6/577-581 है तथा जो गांधी क्लाथ भाकट, गांधी चौक, दिल्लो में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में पूर्व रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, दिल्लो, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारोख मार्च, 1984

को पूर्वे कित सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रति- कुस निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इस से कृथित नहीं किया गुमा है हिन्स

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीधीनयम क बधीन कर दोने के बुक्तरक के बाबित्य में कभी कुड़ने या बत्त्य बुक्त में तृत्यिम के मिन्द्र और/या
- (ण) एसी किसी बाव, वा किसी धन या वृत्य वास्तिवाँ को जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत् अधिनियम, या धृत-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ कृतिहरी द्वाडा प्रकट नहीं किया बवा वा विकृत जाना चाहिए था, कियाने में जुविशा के शिए;

शतः। सम्बु उस्त विधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) े अधीन, निम्निसिख्त व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) मैं० खड़ग सिंह देस राज एण्ड सत्स, मार्पंत 22-मनोहर क्लाथ मार्केंट, कर्ता नील, चांदनी चौक, दिल्ली, हारा भागीदार श्री हरिकणन सिंह, श्री मनमोहन पाल सिंह, निर्मल मोहन सिंह, प्रीत मोहन सिंह, बुन्दर मोहन उप्पल, जितन्दर मोह उपल श्रीर सुभाष उपल।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राम किणन डावर, सुपुद्ध श्री प्रायरे साल डावर, निवासी-4/33, रूप नगर, दिल्ली-7.

(अप्तरिी)

को यह सुषना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उनत् सम्परित् के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंधी 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की दामील से 30 दिन की अविधि, जो और अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकारन की ताड़ीय है 45 बिन के श्रीदर उक्त स्थावड़ स्थावड़ में दितवहुंच किसी जन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षड़ी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्युष्कां कर्षाः - इसमें प्रयुक्त शब्दों बौर पदों का, को जक्त बीधनियम, के बृध्याय 20-क में प्रिभाषित है वही सर्थ होगा को उस मध्याय में दिया क्या हैं कि

#### अनुसूचो

3/4 भाग प्रो० नं० 6/577~581, गांधी क्लाथ मार्केट, चान्दनी चौक, दिल्लो, तादादी~128 वर्गगज ।

> ग्रार० पी० राजेस, सक्षम ग्रीधकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्ष ण), ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली।

तारोख: 17-11-1984.

### 

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1984 निर्देण सं० श्चाई० ए० सो०/एक्यू०/2/एस-श्चार-1/3-84/ 1249:—श्चर:, मुझे, श्चार०पी० राजेण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृक्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 5358/14 है तथा जो माडल बस्ती, विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है); रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, इसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती दिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाम बचा प्रतिफल निम्निसिवत उद्देश्य से उक्त अंतरण विविद्य व वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) कलाएण से हुई किसी नाम की नामता, उनका अधिनियम के अधीन कर दोने के बंदाइक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जीर/वा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

(1) श्री राज कुमार खेमका सुपुत्त, श्री बाबूलाल खेमका, निवासी—8358, माडल बस्ती, विल्ली श्रीर श्री पुरुषोत्तम दास सुपुत्र श्री बाबूलाल, निवासी—5358 माडल बस्ती,

(म्रन्सरक)

(2) श्रीमती सावित्री देवी पत्नी श्री श्रीकृष्ण गुप्ता, व महेन्द्र कुमार गुप्ता सुपुत्र श्रो लच्छो राम, निवासी---- 17-सी, न्यू कालोनी, माडल बस्ती, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उक्त इंपरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

#### नगत्त्री

एक मकान एक मंजिला, प्रो० नं० 5358 माङल बस्ती इलाका नं० 14, विल्ली, ताबादी 173/1/3 वर्ग गज।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त, निरीक्षण) घर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नतः अंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-मृ के अनुसरण , में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा 11

🖪 वर्षीन् $_{\mathcal{L}}$  निम्नचिवित व्यक्तियों 🔑 वर्षात् हः—

तारीख : 17-11-1984.

### इंक्य बार्यं दी । एत् प्रस्तु-----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### ज़ारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर, 1984 निदेश सं० आई० ए० सी० /एथयु०/2/एस० आर-1/ 3-84/1:250--अतः, मुझे, आर० पी० राजेश,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहच्च 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के नभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिस्की सं० 9/63 है तथा जो रमेश नगर, नई विल्लो में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूणं रूप से विल्ते हैं), रिलिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरता अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्षः सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के क्षयमान् प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तम पामा गमा प्रतिफल निम्निनिचित उद्वेष्य से उच्छ अंतरम् सिचित में बास्तिवृद्ध क्ष्य से क्षिय नृहीं किया गमा है है—

- (क) अभारण से हुई किसी नाय की वायर, उनस् अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के वायरम में कमी करने या उससे बचने में सर्विधा के निए; ब्रीडिं/बा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया भया था वा किया जाना आहिए था, जियाने में सुविधा के सिए;

(1) श्री एन० सी० कल्याण,निवासी-ए-226 डिफेंस कालोनी,नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद चौपडा, निवासी-9/63 रमेश नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरितो)

को बहु सूचना चारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

**उक्तु सम्पृतिः, के वृर्धनु के संबंधु में कोई भी आक्षोपु इ**----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- स्युप् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास किस्ति में किए जा स्केंगे।

स्थल्बीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगर जो उस कथ्याय में दिया भूषा है।

ग्रनुसूची

सरकारी निर्मित क्वाटर नं० 9/63, रमेश नगर, न $\xi$  दिल्ली ।

आर०पी० राजेंश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयु(क्त निरीक्षण)

बतः बयः, उक्त अधिनियमं कौ भारा 269-गं कौ अनुसरण् मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घं की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—-

दिनाँक मो**हर** ध प्रकृपः नार्डः दीः एनः एसः =====

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अभीन स्वना

### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक जायकर जायकर (निर्किश) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/2/एस० आर-1/ 3-84/1251--अत:, मुसे; आर० पी राजेश,

आयकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं 5149/1-11 है तथा जो वार्ड 13, घंटाघर, सक्जी मंडो, दिल्लो में स्थित है (श्रीर इससे उपायद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्लो में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारी खमार्च 1984 को पूर्वों के सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों केत संपत्ति का उचित बाजार मृन्य उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिधत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निसित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

शतः शव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण कें, कें, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की बपधारा (1) कें अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ३—- (1) श्रीः छत्तर सिंह सुपुत्र स्व० श्रीः फकीर चन्द, निवासी—4506, मोहला नतन पहाड धीरज दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गिनी देवी परनो श्री मूल चन्द गुप्ता, निवासी—1195, शोराकोठी, सब्जी मंडी, दिस्ली ।

(अन्तरितो)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

सकत संपत्ति के कर्जन के संबंध मा क इं भी बाक्षेप हु-

- (क) इस स्थान के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर प्रवान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क)) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### जन्सूची

प्रो० नं० 5149/1-11, खाडं नः० एस-X 111, (प्राइवेट नः० 15), बिंतडग हरफूल सिंह। हरी सिंह, चौक घंटाघर, सक्जो मंडो, दिल्ली, तादादी 187-33 वर्गगण ।

आर० पो० राजेग सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

<del>ी गांक</del> : 17-11-1984

ोहर :

### ब्रह्म बाइ. ही. एन. एवं.-----

नायकाउ निधिनियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-म (1) को नभीन सूचना

#### भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/2/एस० आर०-1/ 3-84/1252--अत:, मुझे, आर० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रहे से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० 28/93 है तथा जो बेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूणं रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, दिल्लों में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल, से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ग) और अंतरिती (अंतरितियार्ग) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) बंदप्ण से हुइं किसी बाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वार्षित्य में कमी करने या उससे वचने में महीवधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी अन वा अन्य आस्तिवाँ को जिन्हों भारतीय जायकर जिम्मियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा को निए।

वर्त वंब, उक्त विभिनियम की भारा 269-न की, वनुसरण मी, मी, उक्त विभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, वर्थात् ः—→

- (1) श्रीमती लाजवन्ती,
   पत्नी स्व० श्री राम जी दास,
   निवासी-28/93, वेस्ट पटेल नगर,
   नई दिल्ली।
   मैं (अन्तरक)
- (2) श्रीमती निर्मल चायला निवासी-28/93, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्लो ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी अस्किप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं)। इस सूचना के शजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वनसूची

प्रो० न० 28/93; वेस्ट पर्टेन नगर, नई दिल्ली, तादावी 100 89 वर्ग गज।

> आर० पी० राजेंश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्थन रेंज-2 नई दिल्लो

दिनांक : 17-11-1984

### प्रकृष कार्ष्<u> . टी. पुन. पुस. ----</u>

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्थीन व्यना

#### HIST TOTAL

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर, 1984

निदेश म० आई० ए० सो०/एक्यु०/2/एस० आर०/-1/ 3-84/1255--अत:, मुझे आर० पी० राजेश,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त कृथिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृच्य 25,000/- क. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० 24एफ० है तथा जो कमला नगर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबस अनुमूर्ण में और पूर्ण रूप से बर्णित है ) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रसिक्त के लिए अन्तरित की गृद्ध हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से एसे अध्यमान प्रतिकृत का अन्तर्क का अन्तर्क का अन्तर्क प्रतिकृत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) इस त्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की शावित्य में कनी करने या उश्वसे ब्वने में सुविधा श्री सिए; बीर/वा
- (क) ऐसी किसी बाग या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धव-का विधिवयम, या धव-का विधिवयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में विधिश के निए;

अतः अव उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभान, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थातः——
42—386 GH84

 (1) श्री कबर चन्द सेठ, सुपुत्र श्री हर नारायण सेठ, निवासी-26एफ , कोहलापुर रोड, सक्जी मडी, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेण सेठ सुपुत्र श्री अमर चन्द सेठ, निवासी-24/4831, श्रमारी रोड़, दरिया गंज, दिल्लों।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निष्
कार्यवाहियां करता हुं

रक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इस सूचना के राज्यम में प्रकारत की वारीय स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी बन्य स्थानत द्वारा, वधोहस्ताकारी के पास निवित्त में किए या सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषितं हैं, वहीं अधै होंगा. वो उस अध्याय में दिया गया है।

#### W Glass

1/9 भाग अविभाजित हिस्से प्रो० न० 24-एफ०, कोहलापुर रोड. कमला नगर, दिल्लो, तादादी 272.2 वर्ग गज ।

> अमर० पा० राजेण मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज• 2, नई हिल्लो

दिनांक : 17-11-1984

### **दक्ष्य बार्यः, सी. यम्. ५६** .. २००२५० - २०००

आयकार अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) से अधीन स्वना

### शास्त्र ब्ह्रकाड

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2,नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1984

निदेश स०, आई० ए० सो०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/
3-84/1264---अतः मुझे आर० पो० राजेण
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 2331 है तथा जो कुचा ताराचन्द. दिस्या गण दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाश्रद्ध अनुसूची में श्रीर पूण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1984

का पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से एसे ध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अप्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुइं किसी आव की वावता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उद्धरी वचने में सुविधा वे जिए; कीर/दा
- (वा) ऐसी किसी भाव का किसी धन का बन्य जास्तियों करें, जिन्हों भारतीय जाय-के जिपिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ किसारिती द्वारा प्रकट महीं किसा का बा का किया जाना का हिए था छिपाने के सुविधा के सिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— (1) श्री गिरधारी लाल सुपुन्न श्री मिठनलाल निवासी-3231 कुचा ताराचस्द दरिया गज् नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुभाष अरोडा पत्नी श्री राजिन्दर कुमार अरोडा निवासी-1451, गलो मुरली वाली, चितली काबर, दिक्ली ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्टित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उन्त रम्पतितु के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासेषु :--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जबीध या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्थाव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

भो० त० 3231, तादादी 67 वर्गगज, कुचा माराचन्द, दरिया गज, नई दिल्ली भाग ग्राउन्ड फ्लोर।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक् आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 17-11-1984

प्ररूप मार्ड. टी. एवं एस. -----

बाधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के ब्रंभीत सुमना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अजंन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांस 17 नवम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० 6 सी०/ए न्यू०/2/एस० आर०-1/3-84/1265--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 6/ए, है तथा जो अतर रेहमान लेन अन्छर हिल रोड़, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रिजस्ट्रीकारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्वयमान प्रतिफल से, एसे ध्वयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से विधिक है और वंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नीविधित उच्चेष्म से उक्त जंतरण निधित में वास्तियक कप से कांचत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियन के स्थीन कर दोने के अंतर्क के वादित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/वा
- (क) इंबी किसी बाव वा किसी भूग या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आवकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के बिद्ध;

जतः अत्र, उत्तर अधिनियम कौ भारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन,निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्∷— (1) श्री सुरेद्र कुमार गण्ता. सुपुत्र श्री देवी चरन, निवासी- 6-भागं 'ए' अन्डर हिल रोड़, लिली--54।

(अन्तरमा)

(2) श्रीमती कृष्णा कुमारी शर्मा, पत्नी श्री आर० एल० गर्मा, निवासी-6 भाग-ए; अन्डर हिल रोड़, सिविल लाइन, दिल्ली।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वार्क्ष :---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ज्विध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वान के एवप्त्र में प्रकाशन की तारीब से 45 हित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वावर सम्पत्ति में हित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वास, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त गुरूरों और पदों का, वो जक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया हैं.⊌

### नन्स्भी

प्रो०नं० 6-पार्ट 'ए' अतर रेहमान लेन अन्डर हिल रोड़, दिल्ली--54, तादाधी 428 वर्गगज, प्रो० 1/8 भाग,

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

विनांक: 17-11-1984

### प्ररूप बाइ टी.एन.एस. -----

# कांग्रेकष्ट्र वंश्विनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के वधीन सूचना भारत सरकार

कांगिलय, सहायंक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अजंन रेंज-2, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/3-84/1266-अतः, मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार यून्य 25,000/- रह. से अभिक है

और जिसकी सं० 4428 है तथा जो पहाड़ी घीरज, दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1984।

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूलय से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपर्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निसित उस्वेष्य से उक्त क्ष्य का निस्त में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया पड़ा है द

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बावस, उपस बीधिनियम के बचीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/बा
- (क) एसी किसी जाम या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्थ प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा भा या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सूबिधा के जिए।

शतः वच, उक्त श्रीपॉनयम की भारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व को उपभारा (1) के अधीन, निम्नशिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् हु—-- (1) श्री मुलतान सिंह मुपुत्र श्री चन्दु लाल, निवासी-3710, गली मामन जमादार पहाड़ी धीरज, दिल्ली।

(अन्सरक)

(2) श्री अशोक कुमार सुपुत्र श्री वेद प्रकाश, निवासी-4428, गली चौधरी नाहर सिंह, पहाड़ी धीरज, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (का) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी अयिक्तयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थावितयों में से किसी व्यक्ति इंबाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य स्थिकत द्वारा अधाहस्ताकारी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दों जीर पर्दों का, को उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित रि ह<sup>5</sup>, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### गनस्थी

भाग प्रो० नं० 4428, गली चौधरी नाहर सिंह पहाड़ी धीरज, विल्ली-6, तादाबी 46 वर्गगज,

> आर० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई विल्ली

दिनांक: 17-11-1984

1

प्ररूप बाइ ंटी. एत. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्भाना

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक कायकर कायक्त (निरीक्षण)

अजंन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ए क्यू०/2/एस० आर०—1/3— 84/1267——अतः, मुझे, आर० गी० राजेश,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परकात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूस्य 25,000/-ए. से अधिक है

और जिसको सं 0 10028/10029 है तथा जो 11, नवाब गंज, विरुला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रोकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, विरुली में भारतीय रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, विनाक मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अम्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) यो उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) रूप्रमोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा के लिए;

जतः अवः, उक्त जिभिनियमः, कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) -को अधीन, निम्नीलेखित व्यक्तियाँ, अर्थोत्।

- (1) 1. श्रीरमेश कुमार,
  - 2. श्री संतोश कुमार,
  - 3. श्रीमती पुष्पा एलीयस (पार्वती देवी, पत्नी श्री प्रदीप कुमार,
  - 4. श्रीमती प्रेमलक्षा पत्नी श्री जुगल किशोर.
  - श्रीमती वीना एलीयस हरशा पत्नी श्री विजय कुमार और
  - 6. श्रीमती लीना एलीयस माया देवी पतनी श्री वासदेव, सुपुत्र/सुपुती श्री नारूमल, सभी निवासी-ए-ई/178, शालीमार बाग, दिल्ली-33!

(अन्सरक)

 (2) श्री मनोहर लाल सुपुत स्व० श्री साध मल, निवासी 12/10025, नवाब गंज, विख्ली-6।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशीक्त सम्परित के वर्जन के कार्यनाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (च) इस स्वान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकारी।

स्वव्यक्तिरण ह--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

#### नगसर्ची

प्रो॰ नं॰ 12/10028, नवाब गंज, दिल्ली-6, तादादी 212 वर्गफीट ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, नई विस्ती

विनांफ: 17-11-1984

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-च (1) के अभीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अखंन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/3-84/1268--अतः, मुझे, आर० पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं०एम-3, है तथा जो वेस्ट पटेल नगर नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाधक अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीक्सर्ग अधिकारी के कार्यालय, दिल्ला में भारतीय रजिस्ट्रीक्सरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1984 ।

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वाँक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जत: जबश, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों,, अर्थात् ६~— (1) श्रो लाजपत राय चुष मुपुत्त श्री पुन्नु राम चुध, निवासी के-जी-11-154 एल-आइ-जी-फ्लैट, विकासपुरी, नई दिल्लो।

(अन्तरक)

(2) श्रो अतिल कुमार गुप्ता सुपुत्र श्रो कृष्णा चन्द्र गुप्ता, निवासी-एम-3, डबल स्टोरी, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पर्वोक्त सम्परित के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काइ भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्स 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिकित में किए जा सकती।

स्पच्छीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का जो उक्त अधिनियम, के अध्याप 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्रो० नं० एम-3, डवल स्टोरी, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली, तादावी 250 वर्गफीट,

> आर० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण,) अजंन रेंज-2, नई दिस्सी

दिनांक: 17-11-1984

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को अधीन सुचना

#### भारत तरकार

### कार्यालय, सङ्घायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्तण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहनक, दिनांक 14 नवम्बर 1984

निवण सं० बल्लबभगढ़/232/83-84---श्रतः, मुझे, श्रार० के० मयाना,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्तित, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 849 क्षे० 500 व० ग० है तथा जो सेक्टर-17, श्ररबन इस्टेट, फरीयाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 18) के श्रधीन दिनांक मार्च 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्तों केत संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्त्रितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-क्या निम्निसित उद्देश्य से अवत अन्तरण विश्वित में बाल्य-विक क्या वे कथित नहीं किया क्या है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उन्त अधि-दिवस से ब्योक कड़ को के बन्धरक के दावित्य के कती कड़ने वा उक्को क्यने में बृह्मिया के किए; आंड/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त अभिनियम, या भन कर अभिनियम, या भन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः श्व, उक्त अभिनियम की भाग 269-न के जन्दरन कें, कें,, उक्त जीभिनियम की भाग 269-व की क्रमांच (१) के अभीन, निम्नि∫लिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) श्री वी० पी० खन्ना पुत्र श्री शिवशरन बाम खन्ना, नि० ग्रार-715, स्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली । मृक्तयार श्राम श्री ग्रांश्यनी खन्ना पुत्र श्री शिवणरन दास खन्ना, नि० ग्रार-715, त्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री रेनवत मल भनसाली पृत्न श्री नवरत्न मल भनसाली द्वारा इंडिया ऐजेन्सी, 223 गुरू नानक ग्रोटो मार्कीट, दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी ज़बिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (थ) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास निवास में किए वा सकोंगे।

लपक्किरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसची

सम्पत्ति प्लाट नं० 849 क्षे० 500 व० ग० सेक्टर नं० 17, फरीदाबाद में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रोकर्ता के कार्याक्षय, बल्लभगढ़ में, रजिस्ट्री संख्या 13737 दिनांक 5~3—84 पर दिया है।

भार० के० भयाना, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरोक्षण), स्रजैन रेंज, रोहतक

दिनांक: 14-11-1984

### प्रकृताहै.दी.धन.धस.------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के अभीतृ सवजा

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निर्देश सं० सोनीपत/93/83-84—न्प्रतः मुझे, प्रार० के० भयानाः

जानकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं ० भूमि 7 बीघे 7 बिस्वे हैं तथा जो पट्टी मुसलमानन सोनीपत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ स्रनुसूर्वा में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता स्रधिकारों के कार्यालय सोनीपत में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक मार्च, 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपर्तित का उचित बाजार बृक्ष, असकी दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल निम्नलिखित छद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त विधीनस्थ के अधीन कर देने के जन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के सिए; वरि/या
- (ब) एसी किसी जाय या किसी भने या जन्म जास्तियों को जिन्हें भारतीय भागकर जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनयम, या धन- अद् अधिनियम, या धन- अद् अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया जना वा का किया जाना वा किया जाना के सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध—- (1) श्री देवराज पुत्र श्री सुमेर पुरी, नि० सिक्का कालोनी, सोनीपत।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री माम चन्द पुत्र श्री भोला नि० राज मौहल्ला, सोनीपत ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के तिकृ कार्यवाहिमा करता हूं:

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की नविभ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तात्रीस से 30 विन की व्यक्ति में भी व्यक्ति वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन को भीतर अनत स्थावर संपत्ति में द्वित-वृद्ध किसी जन्म व्यक्ति इवारा नभोहरताक्षरी के शास जिल्ला में किए का सकींगे।

स्त्रक्षीकरण :—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को सबस अधिनिक्ष के अध्यान 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस स्थ्यान में द्विका गया है।

### नन्त्री

सम्पत्ति भूमि 7 बोधे 7 बिस्त्रे पट्टा मुसलमानान, सोनोपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय सोनीपत में, रजिस्ट्रो संख्या 5480 दिनांक 6-3-84 पर दिया है।

> स्रार० के० भयाना, सञ्जम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर श्रापुक्त (निरोक्षण), सर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 13-11-1984

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

न्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्माना

### बारत बरकार

### कार्यालय , सहायक आयकर आगन्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहनक

रोहतक, दिनांक 12 नवम्बर 1984 निर्देश सं० सोनीपत/98/83-84--ग्रनः, मुझे, श्रार० के० भयाना,

नायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पंत्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 10 क 8म मूरथल है तथा जो मूरथल में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुभूको में श्रीर पूर्ण रूप से वणित हैं) रिजस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारो के कार्यालय सोनीपत में रिजस्ट्रोकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 18 मार्च, 1981।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूस्य से कम् के क्यामान् प्रतिश्वल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यामान प्रतिफल का पन्त्रह भितात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तब पाया नवा प्रतिफल, निम्नसिवित उद्वेष्यों से उन्त अन्तरण सिवित में वास्तिक क्य से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण संहुई किसी जाय का बाबत, उन्स जिभीनयम् के जभीन करू पंते के जन्तरफ के बाबित्व में कमी करने या उससे अचने में सविधा के सिए; जरि/बा
- (क) ऐसे किसी बाय या फिसी धन या बन्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय बायक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा व सिद्धा;

(1) श्री दयानन्द पुत श्री राम सिंह ग्रसालतन व मुखत्यार ग्राम राम ऋंबार—रषबीर सिंह पुत्र व तुलसा विध्वा व श्रीमपित संतोग, पुत्री राम सिंह नि० मुरथल ।

(ऋन्तरक)

(2) मैं० इन्हो एशियन क्यूज गेयरस प्रा० लि०,
 207 हेम कुन्ट टावर,
 98 नेहरू प्लेस,
 नई दिल्लो-110019 ।

(ग्रन्तरितो)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व ले 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों कर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बच्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पद्धीक रण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गवा हैं।

### अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 10 क 8 म० प्रयत्ने में स्थित है जिपका प्रधिक विवरण रजिल्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय सोतोपत में, रजिल्ट्रा-संख्या 5657 विनोक 22-3-1984 पर दिया है।

> श्चार्य केट वयाता, सनम बाबिकारो, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (तिराज्ञण), श्राजैत रेंज, रोह्तक

दिनांक: 12-11-1984

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरणं में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :----43---386 GI|84 प्ररूप आहुँ. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्म्मलय. महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहनक, यिनांक 12 नवस्वर 1984 निर्देश सं० सोनोपन/99/83—84—-श्रनः मुझे:, श्रार०के० यानाः

गायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उपन प्रतिनियम' कहा गरा है), की भारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रनः से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 22क 14 मरले हैं तथा जो मूरथल में स्थित है (श्रीर इन्से उपानद्व श्रनुसूर्वा में श्रीर पूर्ण रूप से बांगत है) श्रीन्द्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय मोनोपत में राजस्ट्रोकरण श्राधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च, 1984 ।

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में जास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आव की वाबत, उसत अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उसके वचने में सुविधा के लिए: और/वा
- (ण) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा था किया जाना नाहिए था, छिपाने में राजिधा के लिए।

कतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री राम किशन पुत्र श्री दीप चन्द, नि० मूरथल श्रमालतन व मुख्रयारे श्राम श्री बलवान सिंह—जयपाल रोहनाम पुत्र व मेसर प्रेम पुत्री व स्कमनी विधवा दीप चन्द उर्फ देवन मुख्यल ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० इन्डो ऐशियन पियूज गेयरस, प्रा० लि०, 207 हैम कुन्ट टावर, 98 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-110019।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 3() दिन की अवधि, ओं भी अवधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वनं के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वास अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्थध्यीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनत अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### भगभनी

सम्पत्ति भूमि 22 क० 15 म० मूर्यल में स्थित ह जिसका प्रधिक विवरण रजिस्ट्रोकर्त्ती के कार्याजय सोना त में, रजिस्ट्रा-संख्या 5658 दिनांक 22-3-84 पर दिया है।

> श्रार्० के० भयाना, कासभाप्रधिकारों, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण), श्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 12--11-1984

मोहरः

प्रकृष नाइ. टी. एम. एस. -----

बायकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयब्ब (निरीक्षण)

श्चर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 नवम्बर 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृख्य 25,000∕-रुत. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं भूमि 10 कनाल है तथा जो मूरथल में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के वार्यालय सोनीपत में रिजस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के जार्यालक में रिजस्ट्री- करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन दिनांक मार्च 1984

को पूर्वे कह सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रिक्ति के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके रूथ्यमान प्रिक्तिक से, एसे रूथ्यमान प्रिक्तिल का प्रक्ति का अचित का प्रक्ति प्रतिक्र से, एसे रूथ्यमान प्रिक्तिल का प्रक्ति प्रतिक्र से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रल, निम्नलिखित उद्योध्य से उच्च अन्तरण निखित में वास्तिक रूप से किथा गया हैं :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बौद्ध/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपान में सविधा की लिए:

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निजित्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीकली राम पुत्र श्री नोनिन्द, नि० मुरथल ।

(अन्तरक)

(2) मैं० इन्हों ऐशियन पिएन गेयर्स प्रा० लि०,
 207 हेम कुन्ट टाबर,
 98 नेहरू प्लेस,
 न्यु वेहली-110019।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी वाक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### श्रनुसूची

सम्पत्ति भूमि 10 जनाल 8 मरले मुरथल में स्थित हैं जिसका अधिक विवर रजिस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय. संनीपत में, रजिस्ट्री संख्या 5659 दिनांक 22-3-84 पर दिया है।

> आर० के० भयान , पक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षसें), अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 12-11-1984

प्ररूप आर्ह.टी.एन.एस. -----

## नायकड न्रिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के श्रीन नृपना

### भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं० बल्लबगढ/25/83--84---अतः मुझे,

श्रार० के० भयाना

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी मं० प्लाट नं० 952 क्षे० 532,58 व० ग० है तथा जो सेक्टर 15-ए, फरीदाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबड़ अनूमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिक री के कार्यालय बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांव मार्च, 1984।

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार भृत्य उसके उत्यमान प्रतिफल से एसे अन्यमान प्रतिफल का अन्य अतिहर का प्रतिफल का अन्य उसके उत्यमान प्रतिफल से एसे अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरम से हुद्दं कियी बाय की बाबत, उसत जिथिनियम के अभीत कर दोने के जन्तरक के बाह्यरम में कमी करने वा उससे अचने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी भून या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ब्रवांच्याचे बन्तरियी क्यांच्या प्रकट महर्ति किया, बंबा था वा किया वाला वाहिए वा कियाने में स्विभा के निए;

नतः सन, सनत निमित्रियंत की भारा 269-न के मनुसारन माँ, माँ, उनत मिनियम की भारा 269-च की उपभारा (१) में अभीन, निम्निलिश्वत व्यक्तियों, सभीत् ह—-

(1)श्री सुखबीर सिंह पुत्र श्री मुला सिंह, इार मैं० एस्कोर्टेस लि० ट्रैक्टरस्, सेक्टर-13, फरीदाबाद।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री सोमनाथ, सुभाष चन्द्र, पुत्रमण श्री भगवान दास नि०-509 ब्सेक्टर-15ए, फरीदाबाद ।

(अन्तरिती)

### न्हीं सह क्ष्मण वाहीं करके पृथानिक वश्मीत्त के नर्वन के तिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 विम की अविधि, जो धी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सद्भ किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए का सकोंगे।

स्पक्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### न्त्र्यो

सम्पत्ति प्लाट नं० 952 सेक्टर 15ए (क्षेत्र 532.58 व० ग०) फरीदाबाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्त्ता के कायलिय बल्लभगढ़ में, राजिस्ट्री संख्या 15058 दिनांक 30-3-1984 पर दिया है।

> आर० के० भयाना, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनोंक : 13-11-1984

मोहर 🛭

प्ररूप बार्ड . टी. एन . एस : = - - ---

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के वधीन संजना

#### भारत सरकार

कार्यालय्, सहायक आयकर आयुक्त् (निरुक्षिण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रीहतक, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निर्देश सं० बल्लभगढ/ 257/83-84--अतः मुझे आर०, क० भयानाः

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 793 सेक्टर-15, फरीदाबाद है तथा जो सेक्टर-15, फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण निम्लिस में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अप्रकी बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाई पं सृविधा के लिए।

बत्र बाब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, औ. उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, क्र€ैत् ८—— (1) श्री बी० बी० सिंह पुत्र स्व० श्री हरनाम सिंह, म० नं० 793 सेक्टर-15, फरीदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आनन्द मोहिनी दारा, विधवा जय विश्वन दारा, पंने जे—13, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई विल्ली—110014 । अब मकान नं 793, सेक्टर 15, फरीदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा:
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं रें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### नन्त्रकी

सम्पत्ति प्लाट नं० 793 सेक्टर-15, फरीदाबाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय बल्लभगढ़ में, रजिस्ट्री संख्या 13850 दिनांक 8-3-1984 पर दिया है।

> आए० के० भयाना, सक्षम प्राधिकारी, स**हायक** आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, रो**ह**तक

दिनांक: 13-11-1984

मोहर

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, रोह्रतक रोह्रतक, दिनांक 13 नवम्बर 1984 निर्देण सं० बल्लभगढ़/258/83-84--अतं मुझे आ२० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात्रों उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मूल्य 25,000/~ रु. से अधिक है

और जिसकी सं क फैक्ट्री बिल्डींग 'लाट नं 68-ई है तथा जो डी एल एफ इण्डस्ट्रीयल एस्टेट नं 1, मेवला महाराजपुर, फरीदाबदा में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनूभूची में और पूर्ण रूप से विणित ह ( रिजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय बल्ल भगढ़ में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1984।

को पूर्वोक्त संपृत्ति को उचित बाजार मृस्य से कम के व्ययमान प्रतिकाल को निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपृत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिश्चत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नतिश्चत उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाम की वावत, उक्त नीधनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक की बायित्व में कमी करने या उससे वचने में -सृविधा के लिए; बार/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों करें, चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध करतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया आना जाहिए था, स्थिनने में स्विधा के लिए;

अतः नव, उक्त निधीनयम की भारा 269-ग के नम्सरण में, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के नभीनः निम्ननिविचत व्यक्तियों. जव्यति ≝— (1) मैं ० माइको मशीन टुल्ज,
3541, निकलसन रोड़, देहुली द्वारा
श्रीमती कान्ता चन्धोक,
पत्नी श्री आ२० बी० चन्धोक,
श्री पुलीन भुषण चन्धोक,
पुत्र श्री आर० बी० चन्धोक,
पुत्र श्री आर० बी० चन्धोक,
एव 6, महारानी बाग,
न्यु देहुली।

(अन्तरक)

(2) मैं बागड़ी उद्योग प्रा० लि०, बी-14/1, ओखला इंडस्ट्रियल एस्टेट, फ़ेज-II, नई दिल्ली द्वारा डायरेक्टर, श्री आर० आर० बागड़ी।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिन भावित हैं , वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पश्ति फैक्ट्री बिल्डींग प्लाट नं० 68ई, डी० एल० एफ० इंडस्ट्रीयल एस्टेट नं० 1, मेबला महाराजपुर, फरीदाबाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय, बल्लभगढ़ में, रजिस्ट्री संख्या 13890 दिनांक 9~3~1984 पर दिया है। भ

आर० कें० भयाना, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांवा: 13-11-1984

### प्रकल्प बाह्र . ही. एन. एवं.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुवना

### भारत् शुरकार

कार्यां तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० वरूनभगक् | 259 | 83-84—म्प्रतः मुझे, ग्रार० के० भयाना,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकों सं० फैक्ट्री बिहिंडग, 68ई है, तथा जो डी० एल० एफ०, इन्डस्ट्रीयल एरिया, एन० श्राई० टी०, फरीदाबाद, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्णरूप से विणित है ) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रिजस्ट्रीकण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रश्रीन दिनांक मार्च, 1984

का पूर्वीयत सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के अयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उपित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एमें रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तब पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उपकत अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उत्तसे बचने में सुविधा के शिष्ट, आहु/बा
- (क) एरेसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती इनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, खिपाने में सुविधा के निय;

अतः जब, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में,, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (/) के अभीन, निम्तिसिक्त व्यक्तियों, वर्षात् हिन्स

 मैम माइको मणीन, टूल्स, 3541, निकसलन रोड़ दिल्ली द्वारा श्रीमती कान्ता चन्धोक, पत्नी श्री ग्रारं० बी० चन्धोक, श्री पुलिन भूषण चन्धोक, नेत्र श्री ग्रारं० बी० चन्धोक, म० नं० एच-6, महारानी वाग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. मैं० क्लीयर बाटर ल० बी 14/1, श्रोखला इन्डस्ट्रीयल एस्टेट, फेज-II, नई विल्ली द्वारा श्री श्रार० श्रार० बागड़ी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के शिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सं कंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख 'सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गुमा है।

### नगुसूची

सम्पत्ति फैक्ट्री बिल्डिंग, 68 ई, डीं० एल० एफ० इन्डस्ट्रियल एरिया, एंन० श्राई०टी०, फरीदाबाद, में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बल्लभगढ़ में रिजस्ट्री पंख्या 13889, दिनांक 9-3-1984 पर दिया गया है।

> भार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राकिर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, रोहतक

दिन|क 12-11-1984 मोहर : प्रारुप बाई. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

स्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि 4 बीघे है, तथा जो नाथुपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय गुडगांवा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक मार्च, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति का उषित बाजार मृत्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय। भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा खे लिए;

अतः जवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री दौलत राम नेक्षश्री नन्द राम निवासी नाथपुर, तह० व जिला० गुडगांवा
  - (भ्रन्तरक)
- मे० श्राधुनिक प्रापर्टीज, प्रा० वि० 219, चितरंजन एवेन्य सैन्टर, कलकत्ता ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) ६स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 4 बीवे 3 विस्वा, नायूपुर में स्थित है। जिसका प्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुण्णावां में रिजस्ट्रीकरण संख्या, 4781, दिनांक 1-3-1984 पर दिया है।

> श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकार सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण ) श्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक 13-11-1984 मोहर: प्ररूप बार्ड .टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 नवम्बर, 1984

निदेश सं० गुडगांवा/187/83-84:--- ग्रतः मुझे ग्रार० के० भयानाः

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 / - रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 1 बीवा, हैं, तथा जो नाथूपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गुडगांवा, में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च, 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मुल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्युदेश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने स्था उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) एरेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभाके लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन . निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--44--386 GI|84

 सर्वे श्री दौलतराम, पृत्न नन्द राम, वीन दयाल राम मेहर, पूज्र गण रूप राम, खूबा पुत्र बेगा, प्रेमा नेत्र उमराव, निवासी नाथपूर ।

(भ्रन्तरक)

2. मै० भ्राधुनिक प्रापर्टीज, प्रा० लि० 219, चितरंजन, एवेन्य, कलकसा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ते अधि-नियमं के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है ।

### जन्**स्**चा

सम्पत्ति भूमि 11 बीधा 9 जिस्के, नाथूपुर में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यक्रिय गुडगावों में रजिस्टी संख्या 4782, दिनांक 1-3-1984 पर दिया है।

> राजेन्द्र भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक 13-11-1984

### प्रकृष बाह् हो. युग. युग. :-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निहासण) ग्रर्जन रेंज, रोहसक

रोहतक, दिनांक 13 नवम्बर, 1984

निदेश सं० हिसार/155/83-84—-ग्रतः मुझे ग्रार० के० भयाना

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अभिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट 1150 व० ग०, है, तथा जो दुर्गा पैट्रोल पम्प के पीछे, डाबडा श्रीक, के निकट, हिसार, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है); रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय हिसार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्ज, 1984

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मृत्य से कम के ख्रयमान् प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके ख्रयमान प्रतिकल से एसे द्रयमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाम स्था प्रतिकल, निम्नतिचित् उद्योच्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप स्केकिथत महीं किया ग्या है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत आयकर बिधीनयुम के अधीन कर बेने के अन्तरक बी बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीट/बा
- (य) एसी किसी आय सक किसी धन वा अस्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

चतः व्या, उक्त निर्मितयम की भाग 269-भ के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीतः निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध----

- श्री केर राज पुत्र मय सुख
   श्री कन्हिया, सिंह पुत्र भगवाना,
   डाव व डा० ग्राहपुर, तह० जिला हिसार।
   (श्रन्तरक)
- श्रीमती विजय लक्ष्मी कौणिक, पत्नी श्री विजय कौणिक निवासी निकट रेलवे डबल फाटक, ठन्डी सड़क, हिसार।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके प्वाँक्त संपर्तित के अर्थन के सिव कार्यवाहियां करता हुं।

### उन्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की सारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाच्या होती हो, के भीतर पृत्र क्या कित्यों में से किसी क्या दिन द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षद्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शन्यों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुरी वर्ष होगा, क्यों उस कृष्याय में दियां गढा

### नन्स्ची

सम्पत्ति प्लाट 1150 व० ग० दुर्गा पैट्रोल पम्प के पीछे डाबडा चौक, के निकट, हिसार, में स्थित है जिसका श्रधिक, विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हिसार में, रजिस्ट्री संख्या 5442, दिनोक 27-3-1984 पर दिया है

> भ्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनाँक 13-11-1984 मोहर 🕃

### प्रकर आहुँ ≈ दी, पुन्: एक्. = -- •

## भाषकर भौधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निर्दीक्षण), श्रर्जन रेंज, रोहतक

राहतक, विनांक 13 नवम्बर, 1984

निदेश सं० हिसार/156/84-84—श्रतः मुझे श्रा**र**० के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 100 है, तथा जो एम० सी० कालोनी, हिसार में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हिसार में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मार्च, 1984

को पूर्वोगत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास के रने का कारण है कि मथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उपके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्त्रह प्रदिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल, निन्निवित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण निवित में बास्त-

- (क) कलाइण हो हुइ किसी बाद की बावत उनत सिंध-नियम की अधीन कर बोने के बन्तरक को दायित्य में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; बाइ/बा
- (व) ऐसी किसी आग या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या मृत्- कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दूर रा प्रकट नहीं किया गया था वा किया असा आहिए था, कियाने में सृतिभा के आए;

बतः भ्य, उन्त विधिन्यमं की पादा 269-व की वन्तरम् भी, भी, उन्त अधिनियम् की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निक्षित व्यक्तियों, भूधीत्:—

- श्रीमती भगवती देवी शर्मा,
  सहायक, एच० एस० ई० बी०, चर्मागढ़
  पत्नी श्री वी० के० शर्मा,
  सहायक, एच० एस० ई० बी० चन्डीगढ़,
  निवासी 962, सेक्टर 10, पंचकुला, चन्डीगढ़।
  (श्रन्सरक)
- श्रीमती सरोज कुमारी पत्नी श्री भीष्म सेठी, गांव व डाकखाना, लोहारी, राधी, तह० हांसी, जिला हिसार

(प्रन्तरक)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ब्र्जंक के तिए कार्यवाहिया करता हा।

उन्तु सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गक्षेप: --

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की जनिथ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती ही, को भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वाराः
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-ब्राथ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास् सिसित में किए जा सकती।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### **अग्**त्र्युः

सम्पत्ति प्लाट नं० 100, पर बना हुम्रा मकान एम० सी० कालोनी, हिसार में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हिसार में, रिजस्ट्री संख्या 5450, दिनांक 28-3-1984 पर दिया है।

श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

विमान 13-11-1984 मोहर:

### प्रकथ भाइं.टी.एन.एस.

नायकर व्यिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के नभीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयक्त (निर्दाक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक

राहतक, विनांक 12 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० सोनीपत/101/83-84---श्रतः मुझे श्रार० के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्क्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि 4 कनाल है, तथा जो कुन्डली में स्थित है (श्रीर इससे ज्याबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोनीपत में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक मार्च, 1984

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिस में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त विध-नियम के अधीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्व में क्रमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; अर्रें, वा
- (ब) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य आस्तियीं को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिन में सुविभा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्त्निखित व्यक्तियों, अ्थितः—

 मैं० फलकन, इन्जीनियर्स प्रा० लि० 66-ए/1, न्यू रोहतक, रोड, दिल्ली ग्रारा श्री मोहन सिंह नेव श्री वरयाम सिंह

(ग्रन्तरक)

2. मैं० गरेशम, इन्टरनेशनल, प्रा० लि० 4 बी, वन्दना, बिल्डिंग-11, टालस्टाय मार्ग, न्यू बेह्सी ढारा श्री मोहन सिंह, डायरेक्टर, निवासी 1/1, रूप नगर, तेपहली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो और अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीदार पूर्वोक्ट स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त सम्बं और पदों का, श्री उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस क्ष्माय में दिवा गया है।

### वग्राची

सम्पत्ति भूमि 9 कनाल, कुन्डली, में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय सोनीपत में रजिस्ट्री संख्या, 5668, दिनांक 22-3-1984 पर दिया है।

> स्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

विनांक 12 नवम्बर, 1984 मोहर 3

### प्रकार बाह्रो. शी. एड. एड......

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मंधीन सूचना

### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनौक 12 नवम्बर, 1984

निदेश सं० सोनीपत/105/83-84--श्रतः मुझे, श्रार० के० भयाना,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं भूमि 12 कनाल है, तथा जो कुन्डली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय सोनीपत में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिपत्त को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिपत्त से, एसे स्वयमान प्रतिपत्त का पंद्र ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिपत्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विचित्त में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है हु---

- (%) मंतरण से हुई किसी नायुकी बावलू, उक्त वीधीन्यम् के न्धीन कर दोने के मंद्रक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के सिए; व्रीट/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयुकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिशी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा भी सिद्धा;

अतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभादा (1) के अधीन, निम्निल्चित व्यक्तिसमों, अधीत् हि——

- श्री महान सिंह पुत्र श्री वरयाम सिंह,
   म० नं० 66ए/1, न्यू रोहतक, रोड, घेहली।
   (ग्रन्तरक)
- 2. मैं० गरेशम इन्टरनेशनल प्रा० लि० 4 बी, वन्दना, बिल्डिंग,-11, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली द्वारा डायरेक्टर श्री मोहन सिंह, पुत्र श्री मानसिंह, निवासी 1/1, रूप नर, देहली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचमा आही करके पूर्वोक्त सुन्यृत्तिः के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों। पर सूचना की तामीन से 30 दिन की श्विध, थो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोच्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (व) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तार्योख से 45 विन् के भौत्र उनक स्थानर सम्पृत्ति में हितकपुष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित् में किए वा स्केंगे।

न्यष्टीकरण :----६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### रनुषु प्र

सम्पत्ति भूमि 12 कनाल कुन्डली, में स्थित है जिसका श्रिधक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्याक्षय, सोनीपत में रजिस्ट्री संख्या, 5763, दिनांक 30-3-1984 पर दिया है।

> ग्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

विनांक 12-11-1984 मोहर ह

### प्रकप बाह् टी.एव एस :-----

### जायक द्र जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के बधीन स्थान

### भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षिण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहसक, विनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं० डववाली/9/83-84—म्प्रतः **मुझे** ग्रार० के भयाना

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुट से अधिक ह

श्रीर जिसकी सं व दुकान नं ० 62 का है भाग है, तथा जो नई श्रनाज मंडी, डबवाली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय डबवाली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनाक मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पाना गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उचत अंतरण लिखित में बास्तीकक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) नंतरण सं हुई किसी नाव की नावत्, बक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृजिधा के सिए: जौड/बा
- (क) एसी किसी नाय या किसी भृत या नन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या जक्त अधिनियम, याधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुर्दिया अभिनेदाः

जता जब उक्त जिथितियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मीं, उक्त अधितियम की धारा 269-श की उपभाद्वा (1) व अधीम, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् ह—  श्री ओमप्रकाश पुत श्री बलवन्त राम पुत्र श्री कांशी राम निवासी मन्डी, डबवाली मुख्तवार श्राम श्रीमती हुकमा देवी पत्नी श्री पूर्ण चन्च निवासी मन्डी, गौविन्दगढ़, हाल मन्डी, डबवाली।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती सुमिता देवी पत्नी श्री ग्रोमप्रकाश पुत दरबारी लाल, दुकान नं० 62, नई श्रनाज मन्डी, डबबाली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जा<u>री करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए</u> कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकींगे।

स्थाकीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उन्त भौभनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया म्या हैं।

### जन्तुन्

सम्पत्ति दुकान नं० 62 का आधा भाग, नई भ्रनाज मन्डी, डाववाली में स्थित हैं जिसका श्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, डबवाली में, रिजस्ट्री संख्या 3200, दिनांक 23-3-1984 पर दिया है।

> मार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 13-11-1984

### प्रकप बाह्र .टी .एन .एस . ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### धारत सहकाड

कार्याजय, सहायक आयकर नायुक्त (निर्दिशन)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 नन्म्बर, 1983

निदेश सं० बल्लभगक्/261/83-84---अतः मुझें, आर० के० भयाना

नायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० इन्डस्ट्रियल प्लाट नं० 65, मेक्टर 27ए, फरोदाबाद, है, था जो सेक्टर 27ए, फरोदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबंद अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप मे वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रिजस्ट्रीकर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त बरिशनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के बारित्य में कमी कर्म या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के निए।

1. मैं भगवान दास टाईम इन्डस्ट्रीज, प्रा० लिं० 46 बी, फ़ैन्ड्म कालोगी, न्यू देहली।

(अन्तरक)

 मै० सांक्यो त्रिकास (इन्डिया) लि०, 12ए, नजफगढ़, रोड, न्यू देहली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकें पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह—

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध, जो मी अविध, जो मी अविध, जो मी अविध, जो मी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के त्राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **जन्**स्ची

सम्पत्ति फ्लाट नं० 65, सेक्टर, 27 ए, फरीदाबाद में स्थित है, जिसका अधिक विषरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रजिस्ट्री संख्या 14179, दिनांक 13-3-1984 पर दिया है।

आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण), अर्जन रेंज, रोहसक

श्रदः श्रव, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-ग कै अनुसरण की, मी उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अभीत् की

दिनांक 12-11-1984 मोहर: प्ररूप. बर्ह्ः. टी. एन. एस्. = = - - -

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वं (1) के विधीप सुवाना

#### भारत सरकार

### कार्याक्षय, सहायक सायकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 नवम्बर, 1984

निदेश सं० पामीपत /149/83-84---अतः मुझें, आर०के० भयामाः,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट क्षेत्र फल 194 4/9 वर्ग गज है, तथा जो माडल टाउन, पानीपत में स्थित है (श्रीर इससे उपाग्रब अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप मे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय पानीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 5562 दिनांक 30/3/84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के द्वसमान
ब्रिटिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का
गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिष्क
रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाब की बाबत , अक्त किपनियम के अभीन केर दोने के अंन्सरक के शायित्व को काली करने या छससे वर्षने में सृदिशा के निहर; और√या
- (च) एसी किसी जाम या किसी भन या जन्य आस्तियों नवे, जिन्हों भारतीय लाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती प्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की जिस्हा

जतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-भ की उपधास (1) के अधीन, निस्तिवित व्यक्तियों, अर्थात् क्रिक्न

- 1. श्रोमती श्रजराती, शर्मा धर्मपत्ती, श्रीराम पाल शर्मा निवामी 30-आर, मंडिल टाउन, पानीपत। (अन्तर्क)
- श्रीमती तुलसी देंबो, अरोरा, पत्नी णाम सुन्दर अरोरा, निवासी ग्वालियर ।

(अन्दरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

### उस्त सम्पत्ति के वर्षन् के संबंध में केंद्रि मी बासेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी स्पृक्ति युवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीव से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, वधोहस्ताक्षरी के पास जिचित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नेनंतंची

सम्पत्ति प्लाट नं० 499 आर क्षेत्र फल 194 4/9 वर्ग गज, है <mark>जिसका अधिक विवरण र</mark>जिस्ट्रोकर्न के कार्यालय पानोपत में रजिस्ट्री संख्या 5562, दिनांक 30-3-1984 पर दिया है।

> आर० के० भयाना मक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनोक: 12-11-1984

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोक्तक

रोहतक, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निदेण सं० पाने पत/150/83-84—अतः मुझे, आरल्के० भयाना

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 या 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातः 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्ब 25,000/- रह. में अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 499 आर का दक्षिणी भाग है. तथा जो माडल टाउन पानीपत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याल्य पानीपत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन संख्या 5563, दिनांक 30/3/84

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रात्तिक का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) जौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

 श्री रामपाल गर्मा पुत्रक्षा हंत्तराज निवासी-30-आर माइल, टाउन, पानोपता

(अन्तरक)

 श्री मदनलाल पुत्र श्री गाम मुन्दर द्वारा पंजाब नेणनल बैंक, मुरार (ग्वालियर)

(अन्यरितो)

कौ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर-पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इ्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गवा है।

#### नगुसुधी

सम्पत्ति प्लाटनं ० 499 आर क्षेत्र फल 194 4/9 वर्ग गण है जोकि माङल टाउन, पानीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रोकर्ता के कार्यालय पानीपत में रजिस्ट्रो संख्या 5563, दिनांक 30-3-1984 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारो महायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज,रोडनक

दिनांक: 12-11-1984

प्ररूप बाह् . टी. एन. एस. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 नवम्बर, 1984

निदेश सं० पानीपत /154/83-84—-अतः मुझे, आर्०के० भयानाः

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'ज़क्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 75,000/- रह. से अधिक हैं

धीर जिसकी सं० भूमि 6 कनाल है, तथा जो पटी मखदूजामदगान पानी पत में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पानीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन संख्या 5554 दिनाँक 30-3-1984,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण कि बित में बास्तविक कर से अजिस नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाय की बावत, उक्त जीभिनियम को जभीन कर दोने के अन्तरक खे दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सविभा को निष्; जीर/वा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सर्विधा के लिए;

अतः अकः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात :----  श्री कालूराम पुत्र श्रो परसराम पुत्र श्री लालाराम, निकासी-पानीपत ।

(अन्तरक)

 मैं० शिवशंकर, फर्नीचर्स, वर्क्स, द्वारा श्रो राजेन्द्र प्रसाद पुत्र श्री शामलाल, पानीपत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पन्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाशोप ३---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्य स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

### नगर्भा

सम्पत्ति 6 कनाल जो कि पत्ती मखदूस जादगान, वानीपक्ष में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री संख्या 5554, दिनांक 30-3-1984 पर दिया है।

आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्जेज, रोहतक

दिनांक: 12-11-1984

प्ररूप आईं.टी.एन.एस. -----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्धिका)

अर्जन रीज. रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 नवम्बर, 1984 निदेश सं० रोहतक/116/83-84---अत: मुझें, आर०

के० भयाना,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 1050 वर्ग गज, प्लाट नं० 574 है, तथा जो वार्ड नं० 13, रोहतक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रोहतक में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान दिनांक मार्थ, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) कौर बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की शवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अभने में सविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बृज्य ब्रास्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तस अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

जतः जवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण भो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) भी अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ध---  श्रीमती सुधा मलिक धर्मपत्नि, श्री बलजीत सिंह मलिक निवासी-1790, सैक्टर 23 बी, बन्डीगढ ।

(अन्तरक \

2. इन्डिस्ट्रियल, कैबलस इंडिया लि० इन्डस्ट्रोयल एरिया, राजपुरा, पंजाब, बजरिये श्री इन्दर जोत सिंह भंडारी,

कन्स्ट्रक्शन, फर्म मजकूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्थळीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्स्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गया हाँ।

#### जनस्था

सम्पत्ति प्लाट नं० 574 वार्ड नं०-13, रोहतक में स्थित है जिसका माप 1050 वर्ग गज है। जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रोकर्ती के कार्यालय रोहनक में रजिस्ट्रो संख्या 5846, दिनांक 19-3-84 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्षण)** अर्जनरेंज, रोहनक

दिनांस: 13-11-1984

### प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निदेश सं० अम्बाला/123/83-84——अतः मुझे, आर ०के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० क्षेत्र फल 6038.5 वर्ग गज का 1/3 भाग है तथा जो सिरक्यूलर रोड, अम्बाला में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूर्वा में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अम्बाला में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7790, 22-3-84 को पूर्वोक्त संपर्तित को उच्चित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथामुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) अने बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर् अधिनियम, या धन-कर् अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) डे क्रधीन, निम्नीलिक्स व्यक्तियों, अधारि ∴---  श्री जगदीण लाल पुत्र श्री मनोहरलाल पुत्र श्री गोभाराम निवासी 10482-83 वार्ड नं० 6, टाकी रोड, अम्बाला णहर ।

(अन्तरक)

 श्री विनोद कुमार पुत्र श्री वैदिप्तकाश पुत्र श्री नौराता राम निवासी 10710 वार्ड नं० 6, अम्बाला शहर । (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में त्रकामन की तारीच ये 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्षित में हितबव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकौंथे।

स्पब्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### शनुसुची

सम्पिभ 6038.5 वर्ग गज, का 1/3 हिस्सा जोिक सिक्यूरल रोड, अम्बाला शहर में स्थित है जिपका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय अम्बाला शहर में रजिस्ट्री मंख्या 7790 दिनांक 22-3-1984 पर दिया है।

> अरि० के० भयाना सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज , रोहतक

दिनांक: 12-11-1984

प्ररूप भाइं.टी.एन.एस.-----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 नबस्बर, 1984

निदेश सं० करनाल/99/83-84---अतः मृझे आर० के० भयाना,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

स्प्रीर जिसका संबद्धकान 115 वर्ग गण है, तथा जो पंजाब नेशमल बैंक , जीव्टाव गोड, करनाल में स्थित है (स्प्रीर इसमे उपाबक्ष अनुभूचा में स्प्रीर जो पूर्ण रूप से विभिन्न है)

रजिस्ट्रंकिता अधिकारं के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांव मार्च,

- (क) जनसरण से हुई जिल्ली बाव की बाबत अवस विभिनियम के बधीन कर देने के जनसङ्क को ब्रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा क लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भून या ब्रन्य कास्तिवों का, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अस, उक्त सिंधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) में अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधीत ः——

- भी राजेन्द्र सिंह रिहाल पुत्र श्री हरी सिंह, म० नं आर० बी० /168, सदर बाजार, करनाल, वजरिये, श्रीमती करतार कौर सुपुत्री श्री गुरबख्शसिंह ।
  - (अन्तरक)
- श्री फक्रीर चन्द अरारा. पुत्र श्री सुन्दर दास निवासी एच० यू० एफ० 170/1, सिविल लोइन्स, लुधियाना (पंजाब)। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिल्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

### नगत्त्री

सम्पत्ति दुकान माप 115 वर्ग गज जोिक जी० टी० रोड, बार्नाल पर स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता। के कार्यालय करनाल में रिजस्ट्री संख्या 6197, दिनांक 1/3/1984 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 12-11-1984

प्रकथ आहे. टी. एन. एस.----

### वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वृथीन स्वना

नारत तरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतम, दिनांक 13 नवस्वर 1984

निदेश सं० नारनौल/5/83-84--अनः मुझ आर० के० भयाना

न्युयकर निर्मित्यमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें इसमें उपनात् 'उक्त अधिनियम' अन्ता गया हैं), की धारा 269-च के अधीन स्क्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूच्य 25,000/- रु. से निषक हैं

क्षीर जिसकी सं॰ दुकान व सकान है, तथा जो नई मन्डी, नारनील में स्थित है (क्षीर इससे उपाबद्ध अनुसूकी में क्षीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय नारनील में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनाक मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्मृति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमत् पृतिकत के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्मृति का उचित धाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकल से, एसे स्वयमान प्रतिकल का प्रतिकल का प्रतिकल का प्रतिकल के बातरित से वृधिक है और बंतरक (बंतरका) और वंतरित (बंतरितिया) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षण कि निम्मृतिबित उच्चेष्य से उक्त बंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (२०) बंगुरण वं बुद्ध किकी बाद की बावतं, ज्यस वीपनित्वतं के संधीत कर दोने के बंगुरक के शावित्य में कनी करने या उद्देश बच्ने में सुविधा के निए; मीर/या
- (अ) एंती किसी बाव वा किसी धन या अन्य वास्तियों का, विन्तुं भारतीय वायकर वृधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया वाना वाहिए था, छिपाने में सविधा है स्थि:

शत:, शव, उत्तत श्रीभिनवत की भारा 269-ग के अनुसरण मों, गों उत्तत कीभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) ऐ सभी: निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्षात्:—

- अं प्रभातो लाल पुत्र श्रो गंगादीन पुत्र गुरदयाल मल अग्रवाल, निवासो नांगल, बौधरी, खुद व मुख्तयार खास, भागीरथ प्रसाद, पुत्र गंगादीन , अनिल कुमार पुत्र गजानन्द बौधरी, निवासी नांगल, बौधरी, तह० नारनौल, हाल आबाद, कलकत्ता । (अन्तरक)
- श्री गिरशर प्रसाद पुत्र दुर्गा प्रसाद अग्रवाल, निवासी नई मन्डो, नारनील।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाधीय ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व वे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-वस्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्चीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क जिथिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं जर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति मकान व बुकान नई मन्डी, नारनील में स्थित है जिसका अधिक विचरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय नारनील में, रिजस्ट्री सं० 2724, दिनांक 23-3-1984 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोइसक

दिनांक: 13-11-1984

#### SUPREME COURT OF INDIA

#### New Delhi, the 3rd December 1984

No. F. 6[84-SCA(1).—The Ho'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed S[Shri Vinod Kumar I and M. C. Kashyap, Assistants to officiate as Section Officers

in the Registry of the Supreme Court of India with effect from November 1, 1984 and Novmeber 15, 1984 respectively, until further orders.

H. S. MUNJRAL Deputy Registrar (Admn. J.)

### Union Public Service Commission New Delhi, the 20th November 1984

No. A. 23014/1/84-Adm. III:—The President is pleased to appoint the following Assistants of the Office of the Union Public Service Commission to officiate as Section officers on ad hoc basis for the period indicated against each or until further orders, whichever is earlier:

SI, No.	. Name	-,									··	Period of promotion			
1	2												<del></del>	3	— ieren linge iarra grav-iir gr
1. 2.	Shri K. L. Sud Shri Manjit Kumar		•										J5-10-84 11-11-84	to to	28-11-84 15-12-84

M. P. JAIN
Under Secy. (Admn),
Union Public Service Commission

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

#### CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 5th December 1984

No. 2|3|84-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri Mange Lal an officiating Section Officer, in a substantive capacity in that Grade in the Central Vigilance Commission with effect from the forenoon of 31-8-1984.

K. L. MALHOTRA
Under Secv.
for Central Vigilance Commissioner

## CENTRAL FORENSIC SCIENCE LABORATORY CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-110003, the 6th December 1984

No. 1-15/84-CFSL/9997.—The President is pleased to appoint Shri M. K. Jain. Senior Scientific Officer Gr. II (Documents Divn.) to officiate as Senior Scientific Officer. Gr. I (Documents Divn.) on ad-hoc basis in Central Forensic Science Laboratory, C.B.I., with effect from 25-10-1984 (FN) for a further period of 6 months or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

No. 1-15|84-CFSL|9998.—The President is pleased to appoint Shri V. S. Bisaria, Senior Scientific Officer Gr. II (Chemistry Divn.) to Officiate as Senior Scientific Officer Gr. I (Chemistry Divn.) on ad-hoc basis in Central Forensic Science Laboratory, C.B.I., with effect from 25-10-1984 (FN) for a further period of 6 months or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

No. A-19014 14 84-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri B. N. Sinha, Deputy Superintendent of Policel Central Bureau of Investigation. Special Police Establishment, on repatriation from Coal India Limited Calcutta, to officiate as Superintendent of Police in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment in temporary capacity with effect from the forenoon of Ist December, 1984, until further orders.

### The 7th December 1984

No. R-78|65-AD.V.—Shri Rohit Kumar, relinquished the charge of the post of Office Superintendent|Special Unit, Central Bureau of Investigation, New Delhi with effect from the afternoon of 30th November, 1984, on superannuation.

No. A-19012|1|84-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Banerjee, IPS (UP: 1955) as Joint Director, Central Bureau of Investigation and Special Inspector General of Police, Special Police Establishment with effect from the afternoon of 3rd December, 1984 and until further orders.

No. A-19017[6]84-AD.V.—Shri N. V. Ramdas, Crime Assistant, Central Bureau of Investigation is appointed to officiate as Office Superintendent in C.B.I. with effect from the forenoon of 5th December, 1984 and until further orders.

R. S. NAGPAI.
Administrative Officer (E)
CBI

### New Delhi-11, the 28th November 1984

No. A|35016|17|84-AD-V.—The services of S|Shri D. P. Singh and S. R. Gupta, Dy. Supdts. of Police on deputation to Central Bureau of Investigation from Uttar Pradesh| Maharastra Police were placed at the disposal of Delhi Administration with effect from 15-11-1984 (FN) and 21-11-1984 (AN) respectively.

No. A|35016|17|8-AD-V.—The services of S|Shri V. M. Pandit and K. P. Singh, Dy. Supdts, of Police|CBI are placed at the disposal of Delhi Administration with effect from 20th November, 1984 afternoon and 21st November, 1984 afternoon respectively on deputation.

K. CHARAVARTHI Deputy Director (ADM.)|CBI

### DIRECTORATE OF COORDINATION (POLICE WIRELESS)

New Delhi-3, the 3rd December 1984

No. A. 12012|1|84-Admn. II.—Consequent upon his appointment to the post of Extra Assisstant Director vide this Directorate's Office Order Part II (No. 387|84) dated 3rd December, 1984 Shri Raj Paul Sirpaul assumed the charge of the post of Extra Assistant Director (Group 'B' Gazetted) in the Forenoon of 3rd December, 1984 at New Delhi, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200|- until further orders.

B. K. DUBE Director Police Telecommunications

#### DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi, the 6th December 1984

No. P. VII.10|84-Adm.3.—Shri V. P. Manocha, Scetion officer is promoted to officiate as joint Assistant Director (Accts) purely on ad-hoc basis in the Dte Genl (P|AO) CRPF with effect from the forenoon 28th November 84.

KISHAN I.AL, Dy. Dir., (Adm)

New Delhi-110003, the 6th December 1984

No. O.II-243|69-Estt(CRPF).—Consequent on his retirement from service on superannuation Shri Satyapul Singh Asstt. Comdt GC-II, (Ajmar) CRPF, relinquished the charge of the post wef. 31-8-1984 (AN).

M. P. JAKHMOLA Assistant Director (Estt)

## DIRECTORATE GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 6th November 1984

No. E-32015(3)|9|84-Pers L.—President is pleased to appoint Shri Z. S. Sagar on promoiton as Commandant CISF Unit Oil India Ltd. Assam & Arunachal Pradesh with HQrs at Duliajan (Assam) with effect from the forencon of 13th October 1984 on purely ad-hoc basis and temporary for a period upto 26-3-1985 or till such time regular appointments are made whichever is earlier.

The 23rd November 1984

No. E-32015(4)|180|84-Pers.—The President is pleased to appoint Shri S. N. Duggal, promotion

as Assistant Commandant in CISF Unit SAIL (SY) Paharpur, Calcutta with effect from the forenoon of 15th October, 1984 on purely ad-hoc basis and temporary up to 24th March, 1985 or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

#### The 27th November 1984

No. E-32015(4)|184|84-Pers L.—President is pleased to appoint Shri R. C. Prasad, on promotion as Assistant Commandant in CISF Unit BCCL Jharia with effect form the forenoon of 1st November 1984 on purely ad-hoc basis and temporary upto 24th March 1985 or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

#### The 30th November 1984

No. F-32015(4)|177|84-Pers I.—President is pleased to appoint Shri Manohar Chhetri on promotion as assistant Commandant in CISF Unit CCWO Dhanbad with effect from the forenoon of 22nd October 1984 on purely ad-hoc basis and temporary upto 24th March, 1985 or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

#### The 1st December 1984

No. E-32015(4)|13|84-Pers I.—President is pleased to revert Shri D. S. Badwal, Deputy Commandant (Ad-hoc) CISF Unit GPT Cochin to his substantive rank of Assistant Commandant with effect from the afternoon of 26th September 1984. On reversion as Assistant Commandant he has been posted to CISF Unit ECL Sanetoria.

(Sd.) ILLEGIBLE Director General, CISF

### MINISTRY OF FINANCE DEPTT. OF ECO. AFFAIRS INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 7th December 1984

No. 476 A.—The undersigned hereby appoints Shri B. C. Lodh. Accountant to officiate as Accounts Officer in India Security Press, Nasik-Road on adhoc basis for a period of six months w.c.f. 1-12-1984.

Sd.]- ILLEGIBLE General Manager India Security Press.

### INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)-1 Gwalior, the 4th December 1984

No. O.E. XI/Gr.J-A/AAO/SO 1984-85 Proforma/1/303/4558——The Accountant General (Audit) I Madhya Pradesh Gwalior has been pleased to accord proforma promotion under next below Rule to the under mentioned Section officers as Assit. Audit Officers in an officiating capacity in the scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040, with effect from the dates noted against each:

Sl. No.		Name							Perma- nent No	Date o. from w promote A.A.O.	
1				2					3	4	
<ol> <li>K. C. Gupta</li> <li>R. R. Shinde</li> <li>B. D. Agrawal</li> </ol>				:		:	:	:	428	1-3-847 1-3-84 } 1-3-84	Proforma promotion on deputation on F. S. terms to M.P. Raja Setu Nirman Nigam Ltd.
4. Mohd, Siddiqui	•	•	•	•	•	•	•	•	2096	3-9-84	Proforma promotion on Deputation to the Office of the Comptroller & Auditor General of India, New Delhi
d											(63) # ***

DY.ACCOUNTANT GENERAL ADMN

#### MINISTRY OF DEFENCE

(substantive and permanent UDC), retired from service with effect from 31-10-1984 (AN.).

### DGOF HEADQUARTERS CIVIL SERVICE ORDINANCE FACTORY BOARD

Calcutta-700 069, the 13th November 1984

No. 23/84/A/E-1(NG).—On attaining the age of superannuation, Shri Tulsi Das Dutta, Offg. Assistant Staff Officer

#### The 26th November 1984

No. 24/84/A/E-1(NG)—The DGOF is pleased to promote the following individuals against existing vacancies, without effect on seniority, in grades and on dates shown against each:

1.	Shri Kartic Chandra Biswas, offg. Asstt.				Asstt. Staff officer (Ad-hoc)	From 31-8-84 (F. N).)
					Offg. Asstt. Staff Officer	until further orders.
2.	Shri Arabinda Biswas,				Offg. Asstt. Staff Officers.	From 13-9-84 (F.N.)
	ASO (Ad-hoc)					Until furtder order.
3.	Shri Saibal Chandra .				Do.	From 13-9-84 (F.N.)
	Das, ASO (Ad-hoc)					Until further orders.
4.	Shri Mrinal Kanti Ghosh,			,	Do.	From 17-11-84 (F.N.)
	ASO(Ad-hoc)					Until further orders.
5.	Shri Nani Gopal Das, .				Asstt. Staff Officer (Ad-hoc)	From 24-10-84 (F.N.)
	offg. Assit.					until further orders.
						From 17-11-84 (F.N.)
		-			Offg. Asstt. Staff officer	Until further orders.
6.	Shri Gosailal				Asstt. Staff Officer (Ad-hoc)	From 17-11-84 (F.N.)
	Ghosh Dastidar, offg Asstt.				•	until further orders.
7.	Shri Amiya Bhusan .				Asstt. Staff Officer (Adhoc)	From 17-11-84 (F.N.)
	Mondal, offg. Asstt.					until further orders.
8.	Shri Amalendu Sarkar				Do.	Do.
	offg. Asstt.	•		٠		- <del></del>

- 2. The above promotions shall abide by the result of the appeal filed in the Hon'ble High Court at Calcutta.
- 3. The Officer mentioned at SI, No. 1 assumed the higher duties as ASO w. e. f. 31-8-84. The Officer mentioned at SI, no 5, assumed the higher duties as ASO w.e.f. 24-10-84. The Officers mentiod at SI, No. 6 to 8 assumned the higher duties as A.S.O. w.e.f. 17-4-84
  - 4. The Officers mentioned at Sl. No. 1. to 5 will be on probation for two years from the dates of their promotion.

(D. R. Iyer)
DDG/PER For Director General ordnance Factories

#### The 27th November 1984

No. 25/84/A/E-1(NG)——The DGOF is pleased to promote the following individuals against existing vacancies on an adhoc basis without any effect on seniority in grades and on dates shown against each:-

1.	Shri Ajoy Kumar Dutta. PA (SO)	•	•	•	•	•	•	Offg. Senior Personal Assistant.		(F.N.) orders.
2.	Shri Nand Kumar Awasthi,		,		-			Do.	Do.	

- 2. The promotions of the above individuals shall abide by the results of the Court Case in the Calcutta high Court and the promotions will not confer any right for continuance/further promotions. The individuals concerned will be liable for reversion without assigning any reason whatsover.
  - 3. The above officers assumed the higher duties as Sr. PA w. c. f. (9-11-84 (F. N.)

#### DGOF HQRS. Stenographers, Service.

No. 26/84/A/E-1 (NG)——The DGOF is pleased to promote the folloing individuals against existing vancancies on an ad loc basis without any effect on seniority in grades and on dates shown against each:-

- 1. Shri Jagadish Chandra . . . . Offig. Senior personal Assistant Form 9-11-84 (F.N.) Until Bysack, PA (SG)

  C. Cl. Particle of North
- 2. Shri Rathindra Nath . . . . . . Do. Do. Roy, PA (SG).
- 2. The promotions of the above individuals shall abide by the results of the Court Case in the Calcutta High Court and the promotions will not confer any right for continuance/further promotions. The individuals concerned will be liable for reversion without assigning any reason whatsover.
- 3. The above officers assumed the higher duties as Sr. PA w.c.f. 9-11-84 (F.N.) 46-386GI[84

No. 27[84]A[E-1(NG).—The DGOF is pleased to promote Shri Ranajit Kumar Sarkar as Senior Personal Assistant w.e.f. 9-11-1984 (FN) against an existing vacancy on an adhoc basis without any effect on seniority until further orders.

- 2. The promotion of the above individual shall abide by the results of the Court case in the Calcutta High Court and the promotion will not confer any right for continuance further promotion. The individual concerned will be hable for reversion without assigning any reason whatsoever.
- 3. The above officer assumed the higher duties as Sr. P.A. with effect from 09-11-1984 (F. N.).

D. R. JYER DDGOF|PER

for Director General, Ordnance Factories

#### MINISTRY OF COMMERCE OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

New Delhi, the 30th November 1984

### IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 1 16 83-Admn (G).9054.—The President is pleased to appoint Shri L. Prasad. (CSS SG SL 1983) to officiate in the Selection Grade on of the CSS and as It. Chief Controller of Imports & Exports in the office of the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi on ad-hoc basis for a further period of 3 months w.e.f 1st October, 1984 (FN).

P. C. JAIN Chief Controller of Imports & Exports

### DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 30th November 1984

No. A-1|16658).—Shri Puran Chand, permanent Junior Progress Officer and officiating Assistant Director of Supplies (Grade II) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 30th November, 1984, on attaining the age of superannuation.

RAJBIR SINGH Dy. Director (Administration)

#### ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 4th December 1984

No. 8131 B|A-19012(JSA)|82|19A.—Shri J. S. Ahuja is appointed by the Director General, Geological Survey of India as Administrative Officer in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200|- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 15-10-84 until further orders.

A. KUSHARI Director (Personnel)

### NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-110001, the 3rd December 1984

No. F. 8-9|83-Estt.—Shri A. K. Sharma, Administrative Officer on ad-hoc basis, is appointed as Administrative Officer in the National Archives of India, New Delhl, on regular temporary basis with effect from 20th November 1984 (F.N.) until further Orders.

DR. R. K. PERTI Director of Archives,

#### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 6th Becember 1984

No. 4(76) | 75.—Consequent on his appointment as Music Teacher (Vocal) to work at the Indian Cultural Centre, Georgetown, Guyana, on deputation on foreign service terms, Shri H. C. Verma, Programme Executive relinquished charge of his post in the T&PES, AIR, New Delhi on 18th August, 1984.

H. C. JAYAL Dy. Director of Administration for Director General

### MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-400 026, the 4th December 1984

No. A-24013|4|83-Est.J.—Shri A. Somasundram, Permanent Assistant Maintenance Engineer was appointed to officiate as Maintenance Engineer on ad-hoc basis on pay of Rs. 650-p.m, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 21-9-1983 to 30-12-1983 vice Shri H. Nagabhushan Rao, Officiating Maintenance Engineer granted leave-

N. N. SHARMA
Administrative Officer
for Director of Administration

### DIRECTORATE GENEIAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 6th December 1984

No. A. 19019/7/7-AIIH&PH/Admn.I/PH(CDL).—On attaining the age of superannuation, Dr. J. S. Chauhan, Assistant Professor of Health Education (Non-Medical) in the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta, under this Directorate retired from Government service on the afternoon of 31st October, 1984.

NARAIN SINGH Dy. Director Administration (PH)

## MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION Facilities of the 4th December 1984

Faridabad, the 4th December 1984

No. A. 19023/10/81-A-III.—S|Shri E. S. Paulose and N. J. Pillai. ad-hoc Marketing Officers (Group I) have been reverted to the post of Assistant Marketing Officer (Group I) with effect from 30-11-84 (AN).

J. KRISHNA
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

#### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 4th November 1984

No. D|918|HP|Est.I|3762.—Shri Vasant Ramchandra Deo relinquished charge of the post of Scientific Officer|Engineer-Grade SB on 7-11-1984 AN consequent on resignation.

K. VENKATAKRISHNAN Dy. Establishment Officer

#### NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Bulandshahr, U. P., the 10th December 1984

No. NAPP|Adm|26(1)|84|S|16449.—Project Director, Narora Atomic Power Project, Narora, appoints Shri M. S. Saxena, a permanent Scientific Assistant 'B' and officiating as Scientific Officer Engineer grade 'SB' in Tarapur Atomic Power Station to officiate as Scientific Officer Engineer grade 'SB' in Narora Atomic Power Project in the scale of pay of

Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of May 10, 1984 until further order.

R. K. BALI Chief Administrative Officer

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES Bombay-400 001, the 4th December 1984

No. DPS|2|1(26)|83-Adm.|1973.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Kanchan Vittala, a permanent Purchase Assistant to officiate as an Asstt. Purchase Officer on a regular basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 6-11-84 (FN) until further orders in the same Directorate.

#### The 5th December 1984

No. DPS|2|1(11)|83-Adm.|1981.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated August 24, 1984 the Director, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri K. I., Nagori, a permanent Storekeeper to officiate as an Asstt. Stores Officer on an ad-hoc basis upto 26-10-84 (FN) and on a regular basis with effect from 26-10-84 (FN) until further orders in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate.

P. GOPALAN Administrative Officer

### DEPARTMENT OF SPACE ISRO SATELLITE CENTER

#### Bangalore-17th December 3rd 1984-

No. 20/1(3)84-Estt.—Director ISRO Satellite Centre is pleased to accept the resignations from the services of the following persons, in the ISRO Satellite Centre, Bangalore, of the Department of Space with effect from the dates indicated against each.

Sl. No.		N	ame	_		Designation	Date 4		
1	^	2		 - <b>-</b>	 	3			
1. Shri U.T. Ananthagam							12-11-84 (A/N)		
2. Shrl S. Mathia Zhagan	•	•	٠	 •		Sci/Engineer -'SB'	14-11-84 (A/N)		

No. 020/1/(3)/84-Estt.——Director ISRO Satellite Centre is pleased to appoint the undermentioned persons to posts with effect from the forenoon of the dates indicated against each, in the ISRO SATELLITE CENTRE, Bangalore of the Department of Spece, on a temporary basis and until further orders:

SI. No.	Na	me	 			Designation	Date		
1		2	 	 		3	4		
S/Shri 1. P. Kod 2. D. Ven 3. V. Mw	kataramanamurthy				٠.	Sci/Engineer-'SB' Sci/Engineer-'SB' Sci/Engineer-'S B'	20-07-1884 20-08-1984 21-09-1984		

H.S. RAMADAS
Administrative Officer-II

#### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION New Delhi, the 24th November 1984

No. A. 32013/6/82-EC.—In continuation of this Department's Gazette Notification No. A. 32013/6/82-EC dated the 5th Jan. 1984, A. 32013/9/82-EC, dated the 11th Jan, 1984, and No. A. 32013/6/82-EC dated the 4th June, 1984, the President is pleased to continue the ad-hoc appointment of the following officials as Communication Officer in the Civil Aviation Deptt, up to the period shown against each or till the posts are filled on a regular basis whichever is earlier.

		Period												
Sl. <b>N</b> o.		From	to											
1	<del> </del>			2	2								3	4
	S/Shri	,											1 7 1004	20.0.100
1.	T. S. Prakasam			•	•	•	•	•	•	•	•	-	1-7-1984	30-9-198-
2.	S. Krishnamurthy				•		•	•	•	•	•	•	Do.	31-12-84
3.	K. Gopalakrishnan									•	•	•	Do.	Do.
	D. P. Chohan					-							Do.	Do.
4.	K. V. Vasudevan									٠.			· Do.	· Do.
5.	R. V. Vasudovan	•	•	-	_		_				-		Do.	Do.
6.	V. R. Srlnivasan	•	•	•	•	•	•						Do.	31 8-1984
7.	K. D. Tuli.	· _	_ '							<u> </u>			<del></del>	- 0-1904

1	2				_	_							3	4
	S/Shri													
8.	C. L. Khera .	•	•	•	•	•	•	•	•		•	•	1-7-1984	31-12-1984
9.	S. S. Chowdhury						•						Do.	Do,
10.	G. S. Vedi		4	•						•			Do.	Ďо.
11.	K. C. Biswas	•	٠	•	•	٠	•	•	•	•	•	•	Do.	Do.
12.	P. R. Nair .	*			٠	٠							Do.	Do.
13.	P. K. Dutta .		,										Do.	Do.
14.	J. Bhattacharjee												Do.	Do.
15.	N. S. Paul		•				•						Do.	Do.
16.	P. Ramadoss 🦯				-								Do.	<b>D</b> o .
17.	M. S. Sachdev .									•			Do.	Do.
18	V. Rangapathan												Do.	Do,
19.	S. K. Sen ,				٠.								Do.	Do.
20.	K. C. Sengupta	-					•						Do	Do.
21.	S. Basu .									,			Do.	Do.
22.	R. V. Khare .											-	Do.	Do.
23.	P. N. Malick .									*			Do.	Do.
24.	S. N. Sen		,							٠		4.	Do.	31-7-1984
25.	C. R. Narayan				•			•					Do.	31-12-1984
26.	Saibal Gupta.						,						Do.	Do.
27.	A. K. Mukherjee												Do.	Do,
28.	K. S. Gopalan												Do.	Do.
29.	B. N. Karanjai				, ·								Do.	Do.
30.	K. Rajagopalan				,								Do.	Do.
31.	G. K. Rao.												Do.	$\mathbf{p}_{\mathbf{o}_{i}}$
32.	M. Sub amaniam												Do,	Do.
33.	S. N. Dutta .												Do.	Do.
34.	M. P. Kulkarni		-										Do.	31-8-1984
35.	R. N. Mukherjeo										,		Do.	31-12-1984

G. B. LAL Assistant Director of Administration

#### CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Vadodara, the 1st December 1984

No. 17|1984.—Shri V. O. Desai, Assistant Collector of Central Excise and Customs, (Group-'A') Division, Bulsar, has voluntarily retired from Government Service, with effect from 1-12-1984 F.N.

No. 18|1984.—Shri R. V. Pathak, Superintendent of Central Excise and Customs, (Group-B') Vadodara Din. II<sub>1</sub> has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 30-11-1984.

N. B. SONAVANE
Collector
Central Excise And Customs
Vadodara

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE KALATHI PARAMBU ROAD COCHIN-662 016

Cochin, the 7th November 1984

REF. L. C. 699 84-85.—Whereas, I, B. RAVIBALAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per schedule situated at Ernakulam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Ernakulam on 24-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri M. Abdul Khader Mattakampanal Erattupettah-Kott-ayam District.

(Transferor)

(2) Shri N. J. Chacko, Neroth Gardens, Alleppey-2 Director-Jai Hind Travels (P) Ltd., M. G. Road, Ernakulam. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

per cent of land with a part of building No. XXXVI 2088 in Sy. No. 883|8 of Eranakulam Village, registered in SRO, Ernakulam as per document No. 952 Dt. 24-3-1984.

> B. RAVIBALAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-11-1984

#### FORM ITN3-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### Shri M. A. George General Manager Malabar Gramin Bank Malappuram.

(Transferor)

(2) Shri V. E. Basheer Vailyaveettil, M/s. Shukur & Co., Market Road, Ernakulam.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

KALATHI PARAMBU ROAD COCHIN-662 016

Cochin, the 7th November 1984

Ref. No. 698|84-85.—Whereas, J. B. RAVIBALAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. as per schedule

situated at Ernakulam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Frnakulam on 5-3-1984

for an apparent consideration which is less than the feir market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apaprent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-inx Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazatta or a period of 30 days from the service of actice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

7 cents of land with a building No. CC-47|654 in Sy. No. 56|I of Ernakulam Village, registered in SRO, Ernakulam, as per document No. 707 dt. 5-3-1984.

B. RAVIBALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely :--

Date: 7-11-1984

Scal:

FORM ITNS

(1) M/s. B. R. Interprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Johu Fernandes

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY** 

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. AR-IV|37-EE|824|83-84,---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No.
Flat No. 8 3rd floor, Silverne, Village Eksar, S. No. 110
(Part C.T.S. 1128, Plot No. 14, Off I: C: Colohy Borivii
(W) Bombay-103 situated at Borivii (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 23-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the serice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 9, 3rd floor, Silverine Village Eksar Officer I Colony Borivli (West), Bombay-103.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. AR-IV 37-EE 824 83-84 dated 23-3-1984.

A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 12-11-1984

(1) Liberty Investments Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Salesh Feedally Mr. Fakrudin S. Feedaaly

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. 327 March 84 R.ll.-Whereas, I.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Flat No. 205, Nadia Apartments Plot No. 3|30 of TPS III S. No. 383(Part Sentacruz (E), Bombay 400 054 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in office of the Competent Authority at Bombay 26-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the aforesaid persons within a period of able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

#### THE SCHEDULE

Flat No. 205, Nadia Apartments, Plot No. 9|30 of A.P.S. III, S. No. 282(Part) Santacruz (East) Bombay 400 054:

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|4921|83-84 on 26-3-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant ommissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 12-11-1984

#### FORM ITNS----

(1) Smt. Prema Bangan

(Transferor)

( ) Mis. Allied Furnances

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. AR. III|37EE|6614|84-85,---Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Office premises No. A-5 & 6 on first floor at Amul Shopping & Commercial Centre 1st Rd. Chembur Bombay-74 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at

Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and L have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-47-386GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazefte.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office Premises No. A-5& 6 on the 1st Fl. at Amul Shopping & Commercial Centre, 1st Rd. Chember Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III 37EE 6614 83-84 dated 1-3-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 12-11-1984

(1) Mis Rajashri Builders Pvt Ltd

(2) Shri Hurji Premji Shab.

(Transferor)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME.

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. AR. III|37EE|6741|84-85.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Shop No. 1 on the Gr. Fl. of M/s Express View Co-op Hag. Sct. Ltd. Plot No. 7, S. No. 14-A (P) Swastik Park Chembur,

Bombay-71.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at

Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the aid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 1, Ground fl. of M/s. Express View Co-op. Hsg. Soct. Ltd. plot No. 7, S. No. 14-A(P) Swastik Park, Chembur, Bombay-71.

Authority, Bombay vide serial No. AR. III | 37EE | 6141 | 83 The agreement has been registered with the Competent 83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 12-11-1984

(1) M/s Rajashri Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Surendra Kumar Upadhyay

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. AR. III|37EE|6142|84-85.-Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Shop No. 2, Gr. Fl. of M|s. Express View Co-op Hag. Cct. plot No. 7, S. No. 14-A (P) Swastik Park, Chembur, Bombay-400 071.

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Autho-

Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressons used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 2, Gr. Fl. of M|s. Express View Co-op. Hsg. Ltd. Plot No. 7 S. No. 14-A (P) Swastik Park, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III 37EE 6142 83-84 dated 1-3-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant ommissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 12-11-1984

(1) Shri V. S. Vaidaysnathan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Prabhashanker K. Joshi & Ore.

#### GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

## SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. AR.III 37EE 6421 84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 6 Plot No. 20 Sarvodaya Hsptl Estate, Ghutkopar Mahul d.o Chembur Bombay-71.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Autho-

rity, Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 6, Plot No. 20 Sarvodaya Hospital Estate Ghatkopar Road, Chembur Bombay 400 071.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III 37EE 6421 83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. \*\* 'ollowing persons, namely ---

Date: 12-11-1984

(1) Shri Gopal Kishinchand Bhatia

(Transferor)

(2) Shri Arjandev Gangaram Arora

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-JII, BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. AR.III|37EE|6473|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing

Flut No. 108A Collector's Colony Chembur Bombay 400 074 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority.

Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than often per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income wrising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Plot No. 109-A Collector's colony Chembur Bombay 400 074.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR,III]6473]83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 12-11-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

#### FORM ITNS----

 Shri J. M. Thakur partner M|s. Akshaya Builders.

(Transferor)

(2) Shri Dattatraya Sakharam Dhole.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITIO NRANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III|37EE|6482|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 64-D, Ganga Vihar Apartments V.N. Purav Marg, Chunabhatti Sion Bombay-22

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority.

Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 46 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

64-D. Ganga Vihar Apartments, V. N. Purav Marg, Chunabhatti Sion, Bombay-22.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. AR.III 37EE 6482 83-84 on 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 13-11-1984 Seal:

#### FORM PINS

(1) Shri J. M. Thakur, partner

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M|s. Akshaya Builders. (2) Shri Dattatraya Sakharam Dhole.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref .No. AR-III|37EE|6483|83-84.--Whereas. 1, PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

64-D, Ganga Vihar Apartment, V. N. Purav Marg

Chunabhatti. Sion, Bombay-22

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, pt Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent sensideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers i) te
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

64-D, Ganga Vihar Apartments, V. N. Purav Marg CTS No. 442(1), 442(2) Chunabhatti, V sion, Bombay-22.

The agreement has been registered with the Competent Bombay vide serial No. AR-III|37-EE|6483|83-84 dated

> A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-11-1984

#### FORM TIMS-

(1) Mis. Parekh Bros.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri S. Venkatachalam.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR|III|37-EE|6612|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD.

Incoe-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 4, 1st fl. CTS No. 642, V. N. Purav Marg a Ghatla Village In. Chembur, Bombay-71 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Autho-

Bombay on 1-3-1984

rity, at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetté.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4, 1st fl. CTS No. 642, V. N. Furav Marg, A, Gatla Village Jn. Chembure, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III|37-EE|6612|83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Date: 13-11-1984

- (1) Shri Hari Tarachand Narsinghani.
- (Transferor)
- (2) Smt. Lakham Terachand Narsinghani.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR.III|37.EE|6679|83-84.—Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B Income-tax Act, 1961 (4 3of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing
No. Flat No. 10-A, 4th fl. Chambur, Fair Lawn Soct. Sion
Trombay Road, Chembur, Rombay 400,071

Trombay Road, Chembur, Bombay-400 071 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than t15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

48—386GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 10-A, 4th fl. Chembur Fair Lawn Society, Sion Trombay Road, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III 37.EE 6679 83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-11-1984

(1) Smt. Ruki M. Vaswani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Anand B. Advani.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR.III. 37.EE 6516 83-84 .-- Whereas- I. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred) to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No. 6, Borla Co-op. Hsg. Sct. Ltd.

Dr. Choithram Gidwani Rd. Opp. Basant Cinema, Chembur,

Bombay-74

81806

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transerred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1951, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 9, Bldg. No. 6, Boda Co-operative Hag. Soct. Ltd. Dr. Cholthram Gidwani Road, Opp. Basant Cinema, Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III 37.EE 6516 83-84 dated 1-3-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 13-11-1984

#### (1) Mls. Shath Enterprises.

(Transferor)

31807

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Mr. Michael Fernandes,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III|37-EE|6648|83-84.-Whereas 1. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000[-

and bearing No. Flat No. 415, Bldg. Poornima, 4th fl. Plot G. Amrut-nagar, L. B. S. Marg, Ghatkopar, Bombay-86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not ocen or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) o rthe said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition o the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immos able property, within 45 days from the dete of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given. in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Flat No. 415, Bldg. 'Poornima', 4th fl. Plot C, Amrutnagar L. B. S. Marg, Ghatkopar, Bombay-86.

The agreement, has been registered, with the Competent Authority, beautiny vide serial No., AR-III-37-EE-6648 83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax A equisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely ;---

Date: 13-11-1984

Scal:

#### FORM I.T.N.S.

#### (1) Mis. Kim Corporation.

#### (Transferor)

(2) Mr .Davaram V. Khatri.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

#### COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR.III 37.EE 6688 84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. Flat No. 16, 4th fl., Kim Cottage, Kaju Tekdi, Parsiwadi, Ghatkopar (W), Bombay-84 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 1-3-84

for an apparent consideration which is less than the reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

Flat No. 164th fl. Kim Cottage, Kaju Tekdi, Parsiwadi, Ghatkopar (West), Bombay-400 084.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III]37.EE 6688 83-84, dated 1-3-1984.

> A. PRASAD Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-11-1984.

(1) Shrl V. J. Kothari & Ors.

(Transferor)

31809

(2) Mis. Das Bros. Engg. Co.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF UNDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III 37-EE 6637 83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,060|- and bearing

No. Block No. 1. Ground Fl. Vidyanagar Marg, Kalina.

Bombay-98

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to nay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Block No. 1, Ground fl. 167, Vidyanagri Marg, Kalina, Santacruz, Bombay-98. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III|37-EE|6637|83-84,

dated 1-3-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIJ Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : --

Date: 13-11-1984.

(1) Ms. Parul Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Khatib Liyaqat Mohammed.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III|37-EE|6697|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

No. Shop No. 6, Gr. Fl. A Wing Bldg., No. 6 at Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (West), Bombay-86.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the rair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such trunsfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the ludian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovemble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as green in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Shop No. 6, ground fl. A' Wurg, Bldg. No. 6, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar West, Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III|37-EE|6647|83-84, dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 13-11-1984.

#### (1) Mis. Sheth-Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. P. Vishwanath Shetty.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFIGE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III|37-EE|6519|83-84.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing No.

No. Flat No. 104, Bldg. Naren, 1st fl. plot, C. Amrutnagar, Ghetkoper J. R.S. Marg. Rombow 86

Ghatkopar, L.B.S. Marg, Bombay-86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 104, Bldg. Naren, 1st fl. Plot No. C. Amrutnagar, Ghatkopar, L.B.S. Marg, Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Anthority Portagon and Section 100, AP 111127 EFIG. 2012, 244

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III|37-EE|6579|83-84, dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of 'he said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-11-1984.

(1) Mr. B. V. Shetty.

(Transferor)

(2) Mr. Sudhir Kumar Agarwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### ()FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III|37-EE|6553|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-

bearing Unit No. 215-A, 2nd fl. D-Block, Ghatkopar Indl. Estate, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at

Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 215-A, 2nd fl., D-Block, Ghatkopar Indl. Estate, L.B.S. Marg. Ghatkopar (W), Bombay-86. (
The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III 37-HE 6553 83-84, dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitian of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-11-1984.

Scal :

#### (1) Ms. Sheth Enterprises

(2) Shri C. J. Sheth.

(Transferor) (Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY** 

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No.AR.III 37.HE 6417 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 102, Bldg. Bhanuvilla, 1st fl. plot F-2, Amrut nagar, L.B.S. Marg. Ghatkopar (W), Bombay-86.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the imbility of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely :-49-386GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 102, Bhanuvilla, 1st fl. plot F-2, Amrut nagar, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide Serial No. AR.III 37.EE 6417 83-84 dated 1-3-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Date: 13-11-1984

(1) M's. Sheth Foterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Edwin D'Mello

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No.AR.III 37.EE 6461 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing No. Flat in Chhotalal Villa, 1st fl. No. 104, plot G, Amrutnagar,

Ghatkopar, Bombay-86.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1st March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 104, plot No. G, Chhotalal Villa, 1st fl. Amrutnagar, Ghatkopar, Bombay-86, The agreement has been registered with the Authority Bombay vide serial No. AR.III 37.EE 6461 83-84

dated 1-3-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-11-1984

#### FORM ITNS-

(1) M|s. Sheth Enterprises

(Transferor)

(2) Smt, Sharada K. Kulal,

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No.AR.III|37.EE|6463|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat in Chhotalal Villa, Flat No. 304, 3rd fl. Plot G Amrutnagar, L.B.S. Marg, Ghatkopar, Bombay-86. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), 'has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority.

at Bombay on 1st March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lightlity of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 304, 'Chhotalal Villa, 3rd fl. Plot G, Amrutnagar, L.B.S. Marg, Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide Serial No. AR.III|37EE|6463|83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date: 13-11-1984

(1) Mrs. Chhaya Gajanan Chawan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Shanti Ramesh Agarwal.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFI-ICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No.AR-III|37.EE[6437|83-84,—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Flat No. 21-A, Kanta Apartment, Plot No. 308, Pantnagar, Chatkonan (E), Bombay 75

Ghatkopar (E), Bombay-75. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1st March 1984

31816

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he said Act, to respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 21-A, Kanta Apartment, Plot No. 308, Pantnagar, Ghatkopar (E), Bombay-400 075.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III|37-EE|6437|83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Itapecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date: 13-11-1984

(1) Smt. Kamlaben J. Dave

(Transferor)

(2) Shri Rohit Kumar V, Mody. & Ors.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No.AR.III|37.EE|6756|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
Flat No. 4, Ground Fl. Millap Co-op. Society, 90 Feet Road,

Flat No. 4, Ground Fl. Millap Co-op. Society, 90 Feet Road, Garodia Nagar, Ghatkopar, (East) Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1st March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4, Ground Fl. Milap Co-op Society, 90 Feet Road. Garodia Nagar, Ghatkopar (East).

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III 37.EE 6756 83-84 dated 1-3-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of ection 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of ection 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-11-1984

(1) M/s. Mantri Enterprises

(Transferor)

(2) Mr. Oswald Baptist Percira

(Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No.AR-ΠΙ|37-ΕΕ|6179A|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000|- and bearing No.

Rs 25,000|- and bearing No. Flat No. 5, 2nd fl. Shamiana B, CTS No. 461, 461|1 to 5, 558 561 & 563 Village Kurla, Bombay-70.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1st March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5, 2nd fl. Shamiana 'B', CTS No. 461, 461|1 to 5, 558, 561 & 563 of village Kurla, Bombay-70.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III|37-EE|6179-A|83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date: 13-11-1984

(1) Dr. Himat A. Rathod

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Narottam Mohanlal Sanura & Ors.

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISTTION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No.AR-III 37-EE 6727 83-84.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

3-A, Ghatkopar Vaishakhi Coo-p. Hsg. Sct. Ltd. Cama Lane, Ghatkopar West, Bombay-86

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1st March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.

(b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property. may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

3-A Ghatkopar Vaishaki Co-op. Hsg. Ect. Ltd. Lane, Ghatkopar West, Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III 37-EE 6727 83-84 dated 1-3-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-11-1984

#### FORM TINS-

(1) M/s. Sheth Enterprises.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri N. Padanabhan

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref., No.AR.III|37.EE|6732|84-85.-Whereas, I. A. PRASAD.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 or 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property ha Rs. 25,000|- and bearing having a fuir market value exceeding

Flat No. 331, 3rd fl. Plot C Amrutnagar, L.B.S. Marg, Ghat-

kopar, Bombay-86.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at

Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 331, 3rd Fl. Plot C. Amrutnagar, L.B.S. Marg, Bldg, Shalini, Ghatkopar, Bombay-86, The agreement has been registered with the Competent

Authority Bombay vide serial No. AR.III|37.EE|6752|83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-11-1984

Scal:

(1) Mls. Golden Construction Co.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Arjantina Furtado,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III|37-EE|6582|83-84.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. G|13, 4th fl. at CTS No. 5657, 5789 (P) 5782 to 5785 (all part) 5789, 5790 and 5793 village Kole Kalyan,

Kalina, Bombay, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-3-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Flat No. G|13, 'Golden Paiable 4th fl. CTS. No. 5657, 5753, 5789 (part) 5782 to 5785 (all part) 5789, 5790 and 5793 at village Kole Kalyan, Kalina, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III|37-EF|6582|83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

50-386 GI 84

Date: 13-11-1984

Seal .

#### FORM I.T.N.S.—

#### (1) M/s. Vivek Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Maneshlal F. Mehta & Others.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III|37-EE|6693|83-84.--Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 303, 3rd fl. Prabhu Apartment, Village Kirol Raja-

wadi, Ghatkopar, Bombay-77,
(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-3-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd fl. "Prabhu Apartment" CTS No. 4556 to 4580, Village Kirol Ghatkopar (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III|37-EE|6693|83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-11-1984

(1) M/s. Vivek Enterprises.

(Transferor)

(2) Shamjibhai M. Chheda & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISTTION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984 Ref. No. AR.HI[37EE]6694[83-84.—Whereus, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing
Flat No. 203, "G. Wing", 2nd fl. "Prabhu Apartment"
CTS No. 4556 to 4580, Village Kirol Ghatkopar (E),

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-3-1984.

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 203 "B" Wing 2nd II. Prabhu Apartment, CTS No. 4556 to 4580 Village Kirol, Ghatkopar, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III[37EE]6694[83-84 dt. 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 1-3-1984

#### FORM TINS-

(1) Ms. Vivek Enterprises.

(Transferor)

(2) Shreekant Mavji Kothari.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GQVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|6695|83-84.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Flat No. 1, Ground fl. "B" Wing, Prabhu Apartment, CTS No. 4556 to 4580 Village Kiro, Ghatkopar (East) Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evident of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1 Ground fl. 'B' Wing, "Prabhu Apartment, CTS No. 4556 to 4580 Village Kirol, Ghatkopar (É), Bombay,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III|37EE|6695|83-84 dt. 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Rombay

Date: 13-11-1984

- (1) Mis. Vivek Enterprises.
- (Transferor)
- (2) Dhirajlal D. Shah & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III]37EE[6697[83-84.--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 403, B' Wing, on the fourth fl. Bldg. Prabhu Aparttment CTS No. 4556 to 4560 Village Kirol Ghatkopar (E) Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any iscome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
72—376GI[84.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any ether person interested in the said inservable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Garante.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 403, B. Wing, 4th fl. Bldg. Prabhu Apartment, CTS No. 4556 to 4560 of Village Korol, Ghatkopar, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III|37EE|6696|83-84 dt. 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 13-11-1984

#### FORM No. I.T.N.S.-

(1) M/s. Vivek Enterprises.

(Transferor)

(2) Sh. Somnath G. Dave.

(Transferce)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III]37EE[6697]83-84.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing
Flat No. 302 "B" Wing 3rd fl. "Prabhu Apartment" CTS
No. 4556 to 4580 Village Hirol Ghatkopar (East) Bombay
(and more fully described in the Sheedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office
of the Competent Authority, Bombay on 1-3-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said. Act
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 302, "B" Wing, 3rd fl. "Prabhu Apartment" CTS No. 4556 to 4580 Village Kirol, Ghatkopur (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III|37EE|6697|83-84 dt. 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-11-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III HOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-111/37EE/6702/83-84.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Flat No. 302, 2nd fl. B Wing Prabhu Apartment, Mahendra Village, CTS No. 4556 to 4580 village Kirol, Rajawadi.

Ghatkopar (E) Bombay.
(and more fully described in the Sheedule annexed hereto). has been trunsferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) M|s, Vivok Enterprises.
- (2) Mr. Bhavanji Lalji Chheda.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd fl. B. Wing "Prabhu Apartment" Mahendra Village, CTS No. 4556 to 4580 village. Kirol, Rajawadi, Gbatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay side serial No. AR-III/37EE/6702/83-84 dated 1-3-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 13-11-1984

(1) M/s. Vivek Enterprises.

(2) Mrs. Urmila M. Gandhi & Ors.

- (Transferor)
- (Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : -

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III|37FF|6703|83-84.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 402, 4th fl. 'B' Wing, Prubhu Apartment Mahendra Village, Ghatkopar, Bombay-77

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afterentid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days
  from the service of notice on the respective person, whichever period expires lates;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th fl. 'B' Wing 'Prabhu Apartment' Mahendra Villa, CTS No. 4556 to 4580, Village Kirol Rajawadi, Ghatkopar, Bombay-77,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III|37EE|6703|83-84 dated 1-3-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:~

Date: 13-11-1984

- (1) M/s. Vivek Enterprises.
- (Transferor)

31829

(2) Mr. Shantila) Bhiji Desai.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Rombay, the 13th November

Ref. No. AR-III|37-EE|6704.83-84,--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herelnafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|z and bearing

Flat No. 603, 6th floor, 'B' Wing Prabhu Apartment, Mahendra Villa, CTS No. 4556. Village Kirol, Rajawadi, Ghatkopar, Bombay-77

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
51-386 G5[84]

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 603, 6th floor, 'B' Wing, "Prabhu Apartment" Mahendra Villa CTS No. 4556 to 4580 village Kirol, Rajawadi, Ghatkopar, Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III[37-EE]6704[83-84, dt. 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 13-11-1984

(1) M/s. Vivek Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Shashikant D. Bayishi & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984 Ref. No. AR-III|37-EE\6705\83-84.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

Flat No. 102, 1st floor, 'B' Wing, Prabhu Apartment, Mahendra Villa, Rajawadi, Ghatkopar (F), Bombay-77

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Encompeter Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor, 'B' Wing, 'Prabhu Apartment, Mahendra Villa, CTS No. 4556 to 3480, Village Kirol Rajawadi (E), Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III[37-EE]6705]83-84, dt. 1-3-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 13-11-1984

(1) Mr. Gerald Thomas Sampey & Ors.,

(Transferor)

(2) Mr. Joseph Francis D'Sa.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III[37UE]6628[83-84.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No.
Shop No. 2, Gr. F. Marionelle, 81, Vabole Estate, Santa-

cruz(E), Bombay-55,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ....

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) acilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—68—376 GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 2, Gr. Fl. Marioneile, 81, Vakola, Santacruz(E), Bombay-55.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III|37EE|6628|83-84, dt. 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 13-11-1984

(1) Mrs. Bina Biyani.

('lransferor)

(2) Mr. S. M. Bind.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ÅCT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November

Ref. No. AR-III/37-EE/6619/83-84.---Whereas, I,

A. PRASAD. A. PRASAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000l- and bearing Flat No. 215, 2nd floor, Purnama Bldg. Amout Nagar, Ghatkopar, West, Bombay (and more fully described in the Schedule appears) hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the reservice.

pective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 215, 2nd floor, Purnima Bldg. Amrut Nagar, Ghatkopar(W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent

Authority, Bombay vide serial No. ARIII 37-EE 6619 83-84, dt. 1-3-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-11-1984

#### (1) M<sub>18</sub>. Nilo Electrical Indl.

(Transferor)

### (2) M|s. Anil Brs.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No.  $\Delta R.III|37-EE|6745|83-84$ .—Whereas, I, A, PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Unit No. 20-T. C-Block Gr. Fl. Ghatkopar Indl. Estate, Bombay-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and they are interesting to the same of th

sideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the gard immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 20-A, C-Block Gr. H. Ghatkopar Indl. Estate, Bumbay-86. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III[37-EE] 6745[83-84] dt. 1-3-J984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in mirsuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-tection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 13-11-1984

(1) Mis. Parul Enterprise

(Transferor)

(2) Shri Uday Nagesh Asnodkar.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR.III|37-EE|6510|84-85.-Whereas, 1, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000[- and bearing No. Flat No. 1, Gr. Fl. 'A' Wing, Damodar Park', L. B. S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-400 086

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act. in respect of any income arising from the transfera andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1, gr. Fl. Bldg. 'A' Wing, "Damodar Park", L.B.S. Marg, Ghatkopar (West), Bombay-400 076.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARJII[37-EE|5610|83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-11-1984

(1) M/s. Hemal Enterprises

(Transferor)

(2) Mrs. Fernandes.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III|37-EE|6389|83-84.—Wherens, 1, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.0001- and hearing

Rs. 25,000]- and bearing No. Flat No. 28, Hemal Apartments, plot No. 19, 41, S. No. 85[591]1, Mauje Malwani, Dt. Borivali, Malad, Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasen to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee ter the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Flat No. 28, Hemal Apartments, Plot No. 19, 41 S. No. 85 | 591 | 1 Mauje Malwani, Dt., Borivali, Malad, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III|37-EE|6389|83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-11-1984

(1) Shree Ram Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Shri Virendra Daooji Mehrotra

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQISITION RANGE-III, BOMBAY Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR.III|37-FE|6184|83-84.-Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. Shop No. 9, Ground fl. Shriram Bhawan, Malwani, Opp. Municipal Colony, Marve Rd. Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 9, Gr. Fl. Shriram Bhawan, Malwani, Opp. Municipal Colony, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37-EE/6184/83-84 dt. 1-3-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Hombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-11-1984

- (1) Shree Ram Builders Pvt. Ltd.
- (Transferor)
- (2) Shri Virendra Deoji Mehrotra

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR.III|37-EE|6187|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. Shop No. 6, Ground Fl. Shriram Bhawan, Malwan Opp. Municipal Colony, Marve Rd. Malad (W), Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of at Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen persent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 '11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 6, GR Fl. Shriram Bhawan, Malwani, Opp. Municipal Colony, Marve Rd. Malad (W), Bombay-64.
The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37-EE|6187|83-84 dt. 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombav

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

52-386 GI|84

Date: 13-11-1984

(1) Mls. Lubin Enterprises.

(Transferor)

(2) Mrs. Margaret Pinto

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III|37-EE|6292|83-84.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing

Shop No. 3, Gr. Fl. CTS No. 397, 397/1 to 6 Village Valnai, J. B. Colony, Orlem, Malad (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-3-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 3, Gr. Fl. part of CTS No. 397, 397|1 to 6 Village, Valnai, J. B. Colony, Orlem, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. AR [III] 37-EE [6292] 83-84, dt. 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-11-1984

NS ---- (1) Shree Ram Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri V. D. Mehrotra.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR|III|37-EE|6185|83-84.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing

Shop No. 10, Gr. Fl. Shriram Bhawan, Malwani Opp. Municipal Colony, Marve Road, Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Habilitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 10, Gr. Fl. Shriram Bhawan, Malwani, Opp. Mun. Colony, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. A-III|37-EE|6185|83-84. dt 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 13-11-1984

(1) Shri C. Muthupandi.

(Transferor)

(2) Shri A. A. Neelakantan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III/37-EE/6849/83-84,—Whereas, J. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property being a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Flat in Malad Ma-Bhagavati C-H.S.L. 4[3,, Bhagwati Apartments, Chincholi, Malad (W), Bombay-64,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

Flat in Malad Ma Bhagavati Co-op. Hsg. Sct. Ltd. 4|3 Bhagawati Apartments, Chincholi, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide senal No. AR-III|37-EE|6849|83-84, dt. 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 13-11-1984

(1) Ms. Manali Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Narender Singh Bakshî.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III|37-EE|6341|83-84.-Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Shop No. 3, Gr. Fl. Manali Bldg. No. I, Plot Nos., 48, 49 and 50, Valuci Village, Malad (W), Bombay-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at

Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 3, Gr. Fl. Manali Bldg. No. I, plot Nos. 48, 49 and 50 at Valnai Village, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombav vide serial No. AR-III 37-EE 6341 83-84, dt. 1-3-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 13-11-1984

(1) M|s, Manali Corporation.

(Transferor)

(2) Siddaratha Mahesheka.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III|37-EE|6861|33-84.---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Shop No. 7, Gr. Fl. Manuli Bldg. No. 1, plot Nos. 48, 49 and 50, Valnai Village, Malad (W), Bombay-64

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the ijability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a). by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 7, Gr. Fl. Manali Bldg. No. 1, Plot Nos. 48, 49 and 50, Valnai Village, Malad (West), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III|37-EE|6861|83-84, dt. 1-3-1984.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 13-11-1984

(1) Mis. Parekh Brs.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Mrs. Chandrika H. Bharkhada

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III|37EE|6405|83-84.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 16, 2nd floor, CTS No. 569, 569 1 & 2, S. V. Rd. Vrindavan, Malad (W), Bombay.

(and more fully described in schedule annexed hereto), has been transerred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more thut fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 16, 2nd floor, CTS No. 569, 569 1 & 2, S. V. Rd. Vrindavan, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide script No. AR-III 37EE 6405 83-84 Date: 1-3-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated : 13-11-1984.

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR.III|37EE|6199|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Plot No. 19, Part No. 30, Hava Hira Park, Kurar Village, Malad(E), Bombay-97

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice; under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Jayalaxmi Kantilal Shukla

(Transferor)

(2) M|s. Juleco Enterprises.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 19, Part No. 30, Hava Hira Park, Kurar Village, Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37EE|6199|83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay.

Dato: 13-11-1984

(1) Smt. Mayawanti Batra & Pritam Singh (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vinod C. Kamra.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR.III|37EE|6167|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having No. 2500 and heaving No.

as the said Act), have reason to believe that the informovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Flat No. 3, first floor, Deep Sadan Co-op. Hsg. Socy. Ltd. Plot No. 19|20, S. V. Road, Malad (W), Bombay-54. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proprty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 3, first floor, Deep Sadan Co-op. Hsg. Socy. Ltd. Plot No. 19|20, S. V. Road, Malad (W), Bombay-54.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|6167|83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

53-386 GI|84

Date: 13-11-1984

#### (1) M|s. Oswal Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Varma Dinesh Kumar Kanaiyalal

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR.III/37EE/6305/84-85,---Wheeras, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shop No. 14, Ground floor, Plot No. 1 Bearing S. No. 84, Hissa No. 1 to 5 S. No. 85 Hissa No. 1 to 4 & 6 village Malvani Malad (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 14, Ground floor, Plot No. 1, Bearing S. No. 84, Hissa No. 1 to 5 S. No. 85 Hissa No. 1 to 4 & 6 village Malvani Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Authority, Bombay vide serial No. AR-III|37EE|6305|83-84 dated 1-3-1984.

PRAS. Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-11-1984

# (1) M|s. Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shrikant L. Ghatge & Ors.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISTION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR.III 37.EE 6204 84-85.--Whereas I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

No. Flat No. 308-B, 3rd fl. Ajit Park, Somwar Bazar Rd.

Malad(W), Bombay-400 064 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andor

# (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Flat No. 308-B, 3rd fl. Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad(W), Bombay 400 064,

The agreement has been registered with the Authority Bombay vide serial No. AR.HI[37.EE]6204[83-84] dated 1-3-1984.

> Λ. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sait Act, to the following persons namely:—

Date: 13-11-1984

(1) Mis. Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nalavde Deepak Narayan.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISTION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty

Ref. No. AR.III[37.EE]6407[84-85.—Whereas 1.

A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

flat ... o. 10, Ground Fl. Ajit Park B, Somwar Bazar Malad (West), Bombay-400 064

(and more fully described in the Schedule annexxed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income unising from the transfer; and/or

(b) lacilitating the concealment of any lincome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): THE SCHEDULE

Flat No. 10, Ground Fl. Ajlt Park, B. Somwar Bazar Rd. Malad (West), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37.EE|6407|83-84 dated 1-3-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:-

Date: 13-11-1984

(1) Smt. Meenakshi Sh. Piple.

(Transferor)

(2) Shri Kapoor Family Trust.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISTION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR|III|37-EE|6210|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income—tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. E|403, 4th fl. E Wing Bldg. Veena Nagar, Malad(W). Bombay, Chincholi, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in Respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. E|403, 4th fl. E Wing Veena Nagar, Chincholi, Malad(W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III|37-EE|6210|83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax
Acquisition Renge-III
Bombay

Date: 13-11-1984

(1) Ms. Oswal Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Soni O. Bhawarlalji.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

#### ACQUISTION RANGE-III BOMBAY

OF INCOME-TAX

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III 37-EE 6365 83-84. - Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000- and bearing No. No. Shop No. 12, Gr. Fl. Plot No. 1 Survey No. 84, Hissa No. 1 to 5 S. No. 85 Hissa No. 1 to 4 & 6 Village Malvani Malad(W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) faciliatting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any other person interested in the said immov-45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 day from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 12, Gr. Fl. Plot No. 1 Survey No. 84, Hissa No. 1 to 4 & 6 of Village Malvani Malad(W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37-EE/6365/83-84 dated 1-3-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Income-tax Acquisition Range-JII Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Scal:

Date: 13-11-1984

persons, namely :-

### FORM I.T.N.S.---

(1) M s. Oswal Builders,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Barde Alka Suresh.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISTION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III|37-EE|6295|83-84,---Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Shop No. 5, Gr. Fl. Plot No. 1 Survey No. 84, Hissa No. 1, to 5 S, No. 85 Village Malvani Malad West, Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transerred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922 ) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereix as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 5, Gr. Fl. Plot No. 1, Survey No. 84, Hissa No. 1, to 5, S. No. 85 Hissa No. 1 to 4 & 6 of village Malvani Maiad (West), Bombay,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III 37-EE 6295 83-84 dated 1-3-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Income-tax Acquisition Runge-III Bombay

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

ing persons, namely:-

Date: 13-11-1984

Sea.

(1) M|s. Kitabunissa S. Shaikh.

(Transferor)

(2) Dr. (Mrs.) Pragnya Ram.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISTION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR.III|37EE|6302|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 101, A Lachapelle, Evershine Nagar, Malad (West),

Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

the Competent Authority at Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested n the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used hereing as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

101, A Lachapelle, Evershine Nagar, Malad (West), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37.EE|6302|83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax
Acquisition Runge-III
Bombay

Date: 13-11-1984

(1) Smt. Jamuna L. Soni

(Transferor)

(2) Shri Ajay Amrutlal Thakkar

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR.III|IV|37EE|6333|84-85.—Whereas, I, A. PASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. Flat No. A 404, 4th fl., Sheetal Chhaya Bldg, CTS No. 652, 77 S. V. Road, Malad (West), Bombay-400 064

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transcreed and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

54---386 GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. A 404, 4th fl. Sheetal Chhaya Bldg, CTS No. 652, 77, S. V. Road, Malad(W), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide script No. AR.III IV 37EE 6333 83-84 Dt. 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date: 13-11-1984

(1) Shri Rajan Satishchandra Javeri

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Anilkumar De

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR.III|37EE|6181|84-85.—Whereas, J. A. PASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred o as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and

No. Gala on Ground and First fl. Malad Indl. Units Cooperative Soct, Ltd. Malad (W), Bombay-400 064 (and more fully described in the Schedule annexed herto) has been transerred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-3-1984 for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Gala on Ground & First fl. of Malad Indl. Units Cooperative Soct. Ltd. Malad(W), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR,III|37EE|6181|83-84 Dt. 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date: 13-11-1984

(1) M|s Mehta Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Abbot Michael D'Souza

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR.III|37EE|6785|84-85.--Whereas, I, A. PASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 25,000|- and bearing No. exceeding

No. Flut No. 305-A. 3rd fl. Rajendra Vihar Apartment, Plot No. 38, Survey No. 26, Village Valnai, Malad, Marve Rd.

Malad(W), Bombay-64
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transerred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever pariod arrives letter. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein 18 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Flat No. 305-A, 3rd fl. Rajendra Vihar Apartment, Plot No. 38, Survey No. 26, Village Valnai, Malad, Marve Road, Malad(W), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III 37EE 6785 83-84 Dt. 1-3-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-11-1981

(1) M|s. Mehta Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Judy Nevie Almeida

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR.III|37EE|6786|84-85.—Whereas, I, A. PASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. Flat No. 303-C 3rd fl. Rajendra Vihar Apartment Malad Plot No. 28, Survey No. 26, Village, Valnai, Malad Marve Malad (W), Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto)

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transerred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 Act; 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, chall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 303, C. 3rd fl. ajendra Vihar Apartment, Plot No. 28, Survey No. 26, Village, Valnai, Malad Marve Road, Malad(W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III]37EE]6786|83-84 Dt. 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-11-1984

FORM LT.N.S.---

(1) Shri B. R. Varma

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri L. N. Shah

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME TAX.

# ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR.III|37EE|6367|84-85.—Whereas, I, A. PASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No. Flat No. 609, Malad Shopping Centre, S.V. Rd. Malad (W), Bombay-74

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transerred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumen of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 609, Malad Shopping Centre, S. V. Rd. Malad (West), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III|37EE|6367|83-84 Dt. 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspectnig Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Dute: 13-11-1984

(1) Rahul Trading Corporation

(Transferor)

(2) Mrs. Prachi Pramod Pitale

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR.III|37EE|6156|84-85.-Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. No. Shop No. 10, Dhiraj Bldg, CTS No. 347, Podar Park, Maldel E. Remplay 400 064

Malad(E), Bombay-400 064

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Scc. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair Market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-taxxx Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 10, in "Dhiraj" CTS No. 347, Podar Park, Malad(E), Bombay400 064.

The agreement has been registered with the Authority Bombay vide serial No. AR.III 37EE 6156 83-84 dated 1-3-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant ommissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-11-1984

#### (1) Miss Harita G. Bansi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Shiv Kumar Trehan & Ors.

(Transferec)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-JII, **BOMBAY**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR.III|37EE|6217|84-85.-Whereas, L A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. C|63, 6th fl. Bldg., Nalanda No. 1, Plot No.

32 & 38, Off Marve Rd. Malad(W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sce. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority.

Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Explanation:—The terms and Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Act. 1957 (27 of 1957);

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax

Flat No. C|63, 6th fl. Nalanda No. 1 Plot No. 32 & 33, Off Marve Road, Malad(W), Bombay-64,

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III 37EE 6217 83-84 dated 1-3-1984.

THE SCHEDULE

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-11-1984

(1) Smt. Sakina Ahmed Munshi

(Transferor)

(2) Mr. Zahiruddin M. Muslim

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR.III|37EE|6275|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

and bearing No. Flat No. 18, 3rd fl. Sai Dham Co-op. Hsg. Scy. Plot Nos. 393, 396|6, Bunder Rd. Malad(W), Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sce. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any liabete arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 ed 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning asgiven in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 18, 3rd Il. Sai Dham Co-op, Hsg. Sct. Ltd. Plot No. 393, 396[6, Bunder Rd. Malad(W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III|37EE|6275|83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 13-11-1984

(1) Mls. Oswal Builders

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Krishanawati Rajman Singh

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III|37EE|6304|83-84.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Shop No. 11, Ground Fl. Plot No. 4, Survey No. 84. Hissa No. 1 to 5 S. No. 85 Hissa No. 1 to 4 & 6, Village Malvani Malad (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sce. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if say, to the acculation of the said property may do made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 11, Gr. Fl. Plot No. 1, Survey No. 84 Hissa No. 1 to 4 & 6 of Village Malvani Malad(W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III[37EE]6304[83-84] dated 1-3-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-11-1984

Seal:

Now therefore in pursuance of Section 2690 of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of ectionS 269D of the said Act, to the following persons, namely :---55-386 GI|84

## FORM ITNS----

(1) Smt. Joshna Ishwarlal Rathod

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kishor Popatlal Shah

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III[37EE]6358[84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. Shop No. 118, Malad Shopping Centre, Ground Fl. S. V. Road, Malad(W), Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under

See. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Malad shapping Centre, Shop No. 118, Ground Fl. S.V. Road, Malad (West), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III|37EF|6358|83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 13-11-1984 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

FORM HINS-

(1) Smt. Lalita K. Shah

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Indira Ashok, Kumar Javeri and others. (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR.III|37EE|6372|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to delieve that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Shop bearing No. 44-A, Plot bearing No. CTS 348, FP No. 5-A, Laxminarayan shopping Centre, Podar Rd. Malad (E), Bombay-97,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :~

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as the defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop bearing No. 44A plot bearing CTS No. 348, F. P. No. 5-A, Laxminarayan shopping Centre, Podar Rd. (Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III[37EE[6381]83-84] dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date . 13-11-1984

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri T. Sreenivasan.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR.III|37EE|6207|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Flat No. 307-B, 3rd fl. Ajit Park, Somwar Bazar Rd. Malad

(West), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 307-B, 3rd fl. Ajit Park, Somwar Bazar Rd. Mulad (West), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III 37EE 6207 83-84 dated 1-3-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date . 13-11-1984

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Bharati R. Hingorani.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR.III|37EE|6201|84-85.--Wherens, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reson to believe that

the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000]- and bearing Flat No. 301-B, 3rd fl. Ajit Park-B, Somwar Bazar Rd. Malad

(West), Bombay-400 064.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transerred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and, or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1422 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

## THE SCHEDULE

blat No. 301-B, 3rd fl. Ajit Park-B, Somwar Bazar, Malad (West), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III 37EE 6201 83-84 dated 1-3-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date . 13-11-1984 Seal:

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sureshkumar R. Gaine,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR.III 37EE 6106 84-85 .-- Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and

Flat No. 409, Fourth Fl. Ajit Park B, Somwar Bazar Road, Malad (West), Bombay-400 064.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transerred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the soid Act, to the following persons, namely :----

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nouce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used beloin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 409 on 4th floor Ajit Park-B, Somwar Bazar Road, Malad (West), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. III|37EE|6406|83-84 dated 1-3-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date : 13-11-1984

are also than 1 for the first of the contract of the contract

FORM ITNS----

(1) P. N. Kothari,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rabari K. Nalibhai.

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR.III 37EE 6379 84-85.--Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

P. N. Kothuri Estate, Survey No. 32 and 33 and 36, Part CTS No. 70 to 75, 84 1 to 7 95 1 to 4 Kurar Malad (E), Bombay-97.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (b) facilitating the concealment of any income of the transferor to pay tax under the said respect of any income arising from the and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcsaid persons within a perido of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date or the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

P. N. Kothari Estate, Sruvey No. 32, 33 and 36 part, CTS No. 70 to 75 84 1 to 7 95 1 to 4 Kurar, Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III 37EE 6379 83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acqueithon of the aforesaid property by the indee of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

Date 13-11-1984

## FORM ITNS

(1) Shri V. C. V. Nair

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. C. Jain.

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR, III | 37EE | 6361 | 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,00]- and bearing No. Flat in Sunder Million Co-op. Hsg. Soc. Ltd., E-5|3 Sunder Nagar, Malad West, Bombay-64.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said A.t. in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) faculitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been do which ought to be disclosed by the transferree for the murposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-and property by the issue of this notice under sub-section 110 of section 269D of the said Act, to the following personal namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person in erested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat in Sunder Million Co-op. Hsg. Sect. Ltd. E-5|3 Sunder Nagar, Malad (West), Bombay-74.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|6361|83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date , 13-11-1984 Seal ;

(1) M|s. Marco.

(Transferor)

Mr. Sajjan N. Saraf.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR.III|37EE|6402|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing
Flat No. 603, 6th fl. "A" Wing, Mansarovar Apartment,
Chincholi Pathak, Malad (W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent

Authority at Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 603, 6th fl. "A" Wing, Manserover Apartment, Chincholi Pathak, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|6402|83-84 dated 1-3-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-56-386 GI 84

Date : 13-11-1984

FORM LT.N.S.-

(1) Pushpaben N. Naidu.

(Transferor)

(2) Mukund R. Shah and Ors.

(Transferce)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR.III]37EE|6338|84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable trorecty, having a fair market value exceeding
Rs. 25,00|- and bearing
Flat No. 404, 4th fl. Malad Bharat Co-op. Hsg. Soct. Ltd.
Marve Rd. Malad (W) Bombay-64.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
and the agreement is registered under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent
Authority at Bombay on 1-3-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/er
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, 1 hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 404, 4th fl. Malad Bharat Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Marve Rd. Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|6338|83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date . 13-11-1984

(1) Shri H. K. Kesharichand.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vallab Bhai R. Patel.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. **BOMBAY** 

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR.III 37EE 6342 84-85.--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the interpretation of the interpretation in the said Act) in the interpretation of the interpretation in the interpretation of the interpretation in the interpretation of the interpretation in the interpretation movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Shop No. 4, Bldg. No. 3, Fanny Hill Co-op. Hsg. Soct. Ltd. Gaushala Lane, Malad (E). Bombay-97 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 4, Bldg. No. 3, Fanny Hill Co-op. Heg. Soct. Ltd. Gaushala Lane, Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide Serial No. AR.III 37EE 6342 83-84 dated 1-3-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-11-1984

(1) Smt. Sakila Banu Ahmed Hussain.

(Transferor)

(2) Shri Govind B. Agarwal.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR.III|37EE|6284|84-85.--Whereas. I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovproperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Shop No. 28, Anand Shopping Centre, Goshala Lane, Off. Daftary Rd. Malad (East) ,Bombay-97. (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 28, Anand Shopping Centre, Goshala Lane, Off. Daftary Rd. Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|6284|83-84 dated 1-3-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dato : 13-11-1984 ; Lao2

(1) Sh. Mangaldas Dulabhdas Valia

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ranjan Anopchand Shah.

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR.III 37.EE 6374 84-85.—Whereas, I, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000 - and

bearing No. shop No. 20, plot CTS No. 548, F.P. No. 5A, Laxminarayan shopping Centre, Podar Rd.

Malad (E), Bombay-97 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more that fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Shop bearing No. 20, plot CTS No. 348, F.P. No. 5-A. Laxminarayan Shopping Centre, Podar Rd. Malad (E). Bombay-97.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III 37EE 6374 83-84 dated 1-3-1984.

> A. PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-11-1984

(1) M|s. Farmer Brothers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. R. S. Thatte,

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. ARIV-III|37EE|6576|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing No. Galt Ni. 16 Gr. F. Suyog Indl. Estate, Vikhroli, Bombay-83

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, an pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned to

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Gala No. 16, Gr. Fl. Suyog Indl. Estate, Village Hariali, Vikhroli, Bombay-83.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIII|37EE|6576|83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 13-11-1984

(1) Sardar Manjit Singh Charasingh Chawla. (Transferor)

(2) M/s. Asian Ancillary Corpn.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. ARIII 37EE 6762 83-84.—Whereas, I, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,900/-and bearing No. Unit No. 27 and 40, Hiranandani Indl.

Estate, Kanjur Marg, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Anthority

at Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 27 and 40, Hiranandani Indl. Estate, Kanjur Marg, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIII 37-EE 6762 83-84 dated 1-3-1984.

> A PRASAD. Competent Authority Inspecting Assio ant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the coresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the mid Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-11-1984

(1) M|s. R. I. Techno Works.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt, Padma Ashok Mehta.

(Transferée)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the

Bombay, the 13th November 1984

able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. ARIV-III|37EE|6637A|83-84.--Whereas, I, A. PRASAD.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Gala No. 20. Guru Nanak Udyog Bhavan, Bhandup (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1984 for an apparent consideration which is less than the

ar Bombay on 1-3-1984
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-mx Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Gala No. 20, Guru Nanak Udyog Bhavan, Bhandup (W), Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIII 6637A 83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 296D of the said Act, to the following persons, namely !—

Date: 13-11-1984

- (1) M|s Madhavji Hirji & Co.
- (Transferor)

31877

(2) Shri Rajeev S. Thatte

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. ARIV-III|37-EE|6569|83-84.--Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Gala No. 15, Gr. Fl. Suyog Indl. Estate, CTS No. 108|3,

Village Hariali, Vikhroli, Bombay-83

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .—

57-386 GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Gala No. 15, Gr. Fl. Suyog Indl. Estate, Village Hariali, Vikhroli, Bombay-83.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV|37-EE|6569|83-84 dt. 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date : 13-11-1984 Seal : FORM ITNS ----

(1) Smt. Usha B. Kelkar & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (2) Aditya Co-op. Hsg. Sct. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

Transferec)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III|37-EE|6740.|84-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

No. Plot No. 98, Kunjur Co-op, Hsg. Sct. Survey No. 949 Kanjur Village, Bhandup, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1984

the Competent Authority at Bombay on 1-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay-tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sestion 269D of the said Act. to the following sersons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as gre defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 98, Kanjur Co-op. Heg. Sct Survey No. 949, Kanjur Village, Bhandup, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III]37-EE|6740.[84-84 dt. 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date : 13-11-1984 Seal :

## (1) Shri N. S. Krishnan & Smt. Prema Krishnan (Transferor)

## (2) Shri M. S. Narayanan

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III[37-EE]6512[83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incorrectax Act, 1961 (43 or 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the mmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 107, Mulund Arati Co-op. Hsg., Society Ltd., Sarojini Naidu-Rd. Mulund (W) Bombay-80 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/οτ
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 107, Mulund Arati Co-op. Housing Society Ltd., Sarojini Naidu Rd., Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide scrial No. AR-III|37-EE|6512|83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-11-1984

## FORM I.T.N.S.-

(1) Ms Sapna Exports

(2) M's Tahilram & Sons.

(Transferor)

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bornbay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III|37EE|6615|83-84.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

Unit No. 23, Gr. Fl. Shivkrupa Indl. Estate, L. B. S. Marg, Vikhroli, West, Bombay-83 (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transferred with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 23, Gr. Fl. Shivkrupa Indl. Estate, L.B.S. Marg. Vikhroli (W) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III 37-EE 6615 83-84 dt. 1-3-1984.

> A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Rombay

Now, therefore, in pursunace of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

Date: 13-11-1984

#### FORM ITNS ---

(1) Tibra Builders (Bombay) P. Ltd.

(Transferor)

(2) Thorat Engineering Co.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III|37-EE|6477|83-84.-Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Shanti Indl. Estate, S. N. Road, Mulund (W), Bombay-80 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-Tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); 1922

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shanti Indl. Estate, S. N. Rd. Mulund (W), Bombay-80. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bonday vide serial serial No. AR-III|37-EE|6477| 83-84 dt. 1-3-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-11-1984

## men attaches age , affileum m FORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACOUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III 37-EE 6575 83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as

the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. Flat No. 301, Kamlesh Apartment, CTS No. 16 and 16 1, Mulund (E), Bombay,

situated at Bombny (and more fully described in the Schedule annexed hereta), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the followag persons, namely :---

(1) M|s Vljay Company

(Transferor)

(2) Shri U.B. Shah.

(Transferee)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 301, Kamlesh Apartment, CTS No. 16 and 6|1, Mulund (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III 37 6575 83-84 dt. 1-3-1984.

> A. PARSAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 13-11-1984

## FORM ITNS----

(1) Shri Patel Bhanji Karamshi Co.

(Transferor)

(2) Shri Sunder A. Desai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III|37-EE|6666|84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat No. 9 (Indraprastha) P. No. 1, S. No. 94, H. No. 1(p) CTS No. 1071(p), Mithanagar, Rd. Mulund(E),

Bombay situated at

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 9, (Indraprashtha) P. N. 1 S. No. 94 H. No. 1(p) Mithanagar Rd. Mulund(E), Bombay. The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. AR.III 37.EE 6426 83-84 dated 1-3-1984.

A. PARSAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Rombay

Date: 13-11-1984

(1) M/s. Patel Corporation.

(Transferor)

(2) Shri Karamchand Mirchandani.

(Transferes)

NCTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR|III|37-EE|6562|83-84.—Wherens I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immosable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Mathura Flat No. 201, 2nd fl. Gavanpada Road, S. No. 16, Hissa No. 1(P), CTS No. 12, Mulmid(E), Rombay-81 (and more fully described in the Schedule annexed hereta), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of said Act to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Mathura flat No. 201, 2nd fl. Gavanpada Road, S. No. 16, Hissa No. 1(P), CTS No. 12, Mulund (East), Bombay-81.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III<sub>3</sub>37-EE<sub>6562</sub>83-84 dated 1-3-1984.

A. PARSAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 13-11-1984 Seal:

2cai

- (1) M|s. Ella Construction Company.
- (Transferor)
- (2) M/s. Manohar Krishna.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III/37-EE/6552/83-84.—Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 22, Falguni, 2nd fl. Ladiwalla Colony Mulund (West).

Bombay-80

ituated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 1-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 22, Falguni, Und fl. Ladiwala Colony, Mulund (West), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide scrial No. AR-III|37-EE|6552|83-84 dated 1-3-1984.

A. PARSAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Apersons, namely:——
58—386 GI[84]

Date: 13-11-1984

## FORM I.T.N.S.-

(1) Mis. Shree Builders.

(Transferor)

2) Shri V. Sukumaran Nair.

('Transferec')

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPETING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III|37-)TE|6759|83-84.—Whereas I, A. PRASAD,

being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act. (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair value exceeding Rs. 25,000- and bearing

Mulund(E), Bombay-81

No. Shop No. I Ground II. Shreenath Apartments IV, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 1-3-1984

formally on 1-3-1-9-4 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration nand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given, in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 1 Ground fl. Shreenath Apartments IV, Mulund (East), Bombay-400 081.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-JII|37-EE|6759|83-84 dated 1-3-1984.

A. PARSAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely:—

Date: 13-11-1984

Seal ;

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Shace Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Sushcela S. Nair.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III|37EE|6758|83-84.—Whereas, 1, PRASAD.

PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
mmovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing Shop No. 2, Gr. Fl. Shreenath Apartment, IV, Mulund (E), Bombay-81.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1984

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe, that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Enpranation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 2, Ground Fl. Shreemath Apartments, IV, Mulund (E), Bombay-81.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III|37EE|6758|83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date : 13-11-1984 Seal :

#### FORM TINS-

(1) Mis. Bhaveshwar Enterprises.

(Transferor)

. \_\_ (2

(2) Shri Rajeshkumar K. Agarwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JV, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III|37EE|6714|83-84.—Wheras, ,I A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000 and bearing

Rs. 25,000 - and bearing Neelkanth Kutir, Shop No. 4, G. B. Floor, Tika No. 28 & 29 C. S. No. 629 and 629 1 to 10 at Bhandup, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

the consideration for such transfer as agreed to between the

Bombay on 1-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property; may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notige in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov<sub>2</sub> able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 4, Neelkanth Kutir, Gr. Fl. Tika No. 28 and 29, CTS No. 629 & 629 1 to 10 Bhandup (West), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III 37EE 6714 83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III. Bombay

Date: 13-11-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

## FORM I.T.N.S.-

(1) M|s. S. N. Builders.

(Transferor)

(2) Mr. T. K. Ayyappan.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III|37EE|6460|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the theome Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have teason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000 and bearing

Block A 203 Bldg, under const. S. No. 44 1, CTS No. 667, Off P. K. Rd. Nahur Village, Mulund West, Bombay-80. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of unsifer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely:—

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Block No. A|203, S. No. 44|1, CTS No. 667, off P. K. Rd. Nahur Village, Mulund West, Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III[37EE]6460[83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-11-1984

(1) Ajay Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Ratilal Purshottam Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III|37EE|6738|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Block No. 21, 4th fl. Laxmi Niwas, S. No. 1000 Plot No. 63, Mulund West, Bombay-80.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than freen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Block No. 21, 4th fl. Laxmi Niwas, S. No. 1000, Plot No. 63, Muland West, Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III|37EE|6738|83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-11-1984

(1) Mr. John Baptist Crasto.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Praveen Krishandas Bhatia.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

SIONER OF INCOME-TAX,

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III 37EE 6728 83-84.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaftre referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Geetanjali Extension Village Road Bhandup, Bombay-78. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds thea pparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to betewen the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Geetanjali Extension, Village Road, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37EE|6728|83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date : 13-11-1984 Seal :

(1) M/s. Peackok Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Shobhana Ashwin Mody,

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III|37EE|6870|84-85,---Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shop No. 8, Gr. Fl. Mayur Mahal M. G. Road, Mulund (W)

Bombay-80.

has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Shop No. 8, Gr. H. Mayur Mahal, M. G. Road, Mulund (West), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide Serial No. AR.HI 37EE 6870 83-84 dated 1-3-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 13-11-1984

(1) M|s. Kodako Fibres.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Navalben D. Shavla,

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III]37EE|6593|83-84.-Whereas, 1,

PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Unit No. 17, Ramgopal Indl. listate, Dr. R. P. Road, Mulund Weet, Rombows 80

West, Bombay-80.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

Bombay on 1-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

Unit No. 17, Ramgopal Indl. Estate, Dr. R. P. Road Mulund West, Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide scrial No. AR-III|37EE|6593|83-84 dated 1-3-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

59-386 GI 84

Date: 13-11-1984

#### FORM ITNS----

(1) M|s. Mantri Development Corpn.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Bhagwandas S. Bhatt & Mrs. S. B. Bhatt. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III|37EF|6468|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. Flat No. 11 3rd fl. Plot No. CTS No. 1466 of Jawaharlal Nehru Road, Mulund (W), Bombay-80

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 260AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 11, 3rd fl. Abilasha Apartment, CTS No. 1466, Off Jawaharlal Nehru Rd. Mulund(W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III|37EE|6468|83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Dat

Date: 13-11-1984

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

#### FORM ITNS----

(1) M/s Kodak Fibres

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s Naviang Industries

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III|37EE|6568|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Anthority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Unit No. 19, Cr. F. Bldg., Ramgopal Indl. Estate, Dr. Rajendra Prasad Road, Mulund (W), Bombay-80 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Sec. 260AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objectitons, if any, to thte acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 19, Ramgopal Indl. Estate, Dr. R. P. Rd., Opp. Jawahir Talkies, Mulund(W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III 37EE 6568 83.84 dated 1-3-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-11-1984

(1) Mis Seth & Mehta Associates

(Transferor)

(2) Mr. Raghbir Singh

(Transferce)

NOTIC! UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-JII, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III|37EE|6781|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Gala No. 20, Gr. Fl. Nahar & Seth Indl. Estate, Near Krishna Cinema & Shangrilla Biscuit Factory, L. B. S. Marg, Bhandup, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 260AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period or 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Gala No. 20, Gr. Fl. Nahar & Seth Indl. Estate, Near Krishna Cinema, L.B.S. Marg, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III|37EE|6781|83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date: 13-11-1984

Seul:

(1) Seth Mehta Associates

(2) M|s Vrinda Exports Ltd.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR.III|37EE|6780|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Gala No. 14, Gr. Fl. Nahar & Seht Indl. Estate, 1.B.S. Marg Bhandup, Bombay-78

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days, from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

ala No. 14, Gr. F1. Nahar & Seth Indl. Estate, L.B.S. Marg, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III]37EE]6780[83-84 dated [-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date: 13-11-1984

- (1) M|s Velhari Trdg. Co. Pvt. Ltd.
- (Transferor)
- (2) M<sub>|S</sub> Ninal Metal Industries

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-111]37EE[6532|83-84.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 3. Ramgopal, Indl. Estate, No. 1, Premises C.H.S. Ltd. GR. Itl. Dr. R. P. Road, Mulund, Bombay-80 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3. Ramgopal Indi. Esate No. 1, Premises C.H.S. Ltd. Gr. Fl. Dr. R. P. Road, Mulund(W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent

Authority Bombay vide serial No. AR-III 37EE 6532 83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date: 13-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

#### COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, ROMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III|37EE|6340|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. Flat No. B-403, 4th fl. Shriram Towers, Tank Lane, Near Orlem Church, Marve Rd. Malad(W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 260AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority.

at Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preservy by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shree Ram Construction P. Ltd.

(Transferor)

(2) Shii Ramesh Kumar Sawalram Saraogi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Flat No. B.403, 4th fl. Shriram Towers Tank Lane Nera Orlem Church Marve Rd. Malad West, Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III|37EE|6340|83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date: 13-11-1984

Scal:

(1) Shri Manoj M. Laheri

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jagjit Nathu Patel

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III|37EE|6373|83-84.--Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Res 25 0001 and bearing No.

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. No. Shop No. 3, Plot CTS No. 348, F.P. No. 5-A, Laxminarayan Shopping Centre, Podar Rd., Malad (E), Bombay-97 has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1984 has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Sec. 200AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop bearing No. 3 plot CTS No. 348, F.P. No. 5A Laxminaraan Shopping Centre, Podar Rd. Malad(E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III|37EE|6373|83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date: 13-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III|37EE|6782|84-85.—Wheras, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. Entire structure ground fl. Plus 11 upper floors 11 shops & 66 flats, Vasukhi Vidyavihar, Bombay-77

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered U/S 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the the Competent Authority, Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—60—386G1|84

(1) The Somaiya Trust

(Transferor)

(2) Arpit Limited

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Entire structure consisting of ground plus 11 upper floors comprising of 11 shops and 66 flats on plot of land admeasuring 5356 sq. meters. Vasukhi Vidyayihar, Rombay-77.

ing 5356 sq. meters, Vasukhi, Vidyavihar, Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III|37EE|6782|83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date: 13-11-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III|37EE|672|83-84.—Whereas, I,

being the Commetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 209. Plot No. 45, Raj Niketan Flat Owners Association, S. V. Road, Goregaon (West), Bombay-62 situa-

tod at Goregeon (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been true breed and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office th. Or meetent Authority, Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) ficulating the concealment of any income or any maneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I have in the proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely see-

(1) Shri Prakash Eknath Haval

(Transferor)

(2) Shri James Andrews

(Transferee)

(3) Transeree

(Person in occupation of property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazstte.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the amse meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 209, Plot No. 45, Raj Niketan Flat Owners Association, S. V. Road, Goregaon (West), Bombay-62.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide social No. AR-HI[37EE]672[83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Seal:

Date: 13-11-1984

- (1) Shri Vishram J. Pawar
- (Transferor)
- (2) Shri Tilkraj Radha Kishan Arora

(Transferec).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX: ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE-III,

Hombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-JII|37EE|6149|83-84.—Whereus, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property shaving an fair, market value exceeding Rs. 25,000 and hereinage to the said services and the said services are said to the said services and the said services are said to the said services and the said services are said to the said services and the said services are said to the said services are said services and the said services are said services and the said services are said services as the said services are said services are said services are said services are said services as the said services are said services are said services are said services as the said services are said se

and bearing.

Flat Nov. 34, 44th A. Dhanwanti Co-op. Hsg. Soct. Ltd.
Perul Baug. Agrey Road. Goregaon (E), Bombay-63
(and morefully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under

Sec. 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afcresaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ?—

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the tundersigned (171)

- 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice, in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used therein and are defined in Chapter XXA of that selection Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 54. 4th fl. Dhanwant Co op. Hsg. Sct. Lid. I Baug : Agrey Road, Goregach 129, gomeograph. The agreement has been registered with 1240 . Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III 37EE 16129183-R4 dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date -00f3-14-1984 Scal an

#### FORM LT.N.S.-

(1) Mr. Natwarlal G. Kothari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. R. A. Gangwani & Others.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III|37-EE|6203|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 3 in Bldg. No. R-3 on Ground floor at Plot No. 14-A Goregaon (West),

of S. No. 161 (Part), Bangur Nagar, Goregaon (West). Bombay-90 situated at Goregaon (W), (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-3-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1 in Bild. No. R-3 on Ground floor at Plot No. 14-A of S. No. 161 Part Bangur Nagar, Goregaon (West), Bombay-400 090.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III 37-EE 6203 83-84 dated 1-3-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

Date: 13-11-1984

(1) M|s. Citom Pharmaceuticals.

(Transferor)

(2) M/s. Chirantan Enterprises.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III|37-EE|6176|83-84.-Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ps. 2500L and hearing No.

exceeding Rs, 25,00]- and bearing No. Gala No. 311, 3rd fl. Ashirwad Premises Co-op. Hsg. Soct. Ltd. Rammandir Road, Goregaon (W), Bombay-62.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

mombay on 1-3-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

THE SCHEDULE
Gala No. 311, 3rd fl. Ashirwad Premises Co-op. Hsg. Soct.
Ltd. Rammandir Road, Goregaon (W), Bombay-400 062.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III|37-EE|6176|83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-11-1984

(1) Shri Ram Constructions P. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Smt. P. R. Dube.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III'37-EE;6169;83-84.—Whereas, 1,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Acta, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

ond bearing No.

Shop No. 7, Ground floor Shriram Towers Tank Lane, Near Orlem Church. Marve Road, Malad (W). Bombay-64, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1 3-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than faireen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immorphise property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 7, GR. H. Shriram Towers, Tank Lane, Near Orlem Church Marve Road, Malad (W), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III|37-EE|6169|83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date + 13:11-1984

(1) Shri Vishnu Gurnath Ramdurg.

(Transferor)

(2) Shri Fazalhussein Ansari.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III|37-EE|6383|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Hot No. 106, Pawamputri C.H.S. Ltd., Pawambang, Chincholi Pathal, Road Malad (W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the account is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 13-1954,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act; shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 106, 1st floor Building No. 2, Pawanputra C.H.S. Ltd. Pawanbaug, Chincholi Pa'hak Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement fit with the Competent Authority, Bomboy vide solid to NR-UI[37-FE]6383]83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-11-1984

(1) Ms. Glendale Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Louis Shadrach,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III|37-EE|6408|83-84.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Flat No. 12, second floor Plot No. 16-A, CTS No. 432 Village Valnai, J. B. Colony, Orlem, Malad (W), Bombay-64, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-3-1984, for an apparent consideration, which is less than the fair.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 12, 2nd floor Plot No. 16-A, CTS No. 432 Village Valnai, J. B. Colony, Orlem, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III|37-EE|6408|83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-11-1984

(1) Mis. Glendale Enterprises,

(Transferor)

(2) Mr. Richard Lobo.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-111/37-EE/6336/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Flat No. 10, Second Floor Plot No. 16-A, CTS No. 432 Village Valnai, J. B. Colony, Orlem, Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2692D of the said Act, to the following persons namely:—
61—386 GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 10, Second Floor Plot No. 16-A, CTS No. 432 Village Valnai, J. B. Colony, Orlem, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. AR-III|37EF|6336|83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-11-1984

FORM ITNS \_\_\_\_\_ (I) M

(1) Mis. Glendale Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. B. T. Gonsalves.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III]37-EF[6280]83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing No.

Flat No. 5 first floor Plot No. 16-A, CTS No. 432 of village Valani, J. B. Colony, Orlem, Malad (W), Bombay-64, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incometax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1984

Bombay on 1-3-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property ay be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 5, first floor Plot No. 16-A, CTS No. 432 Village Valnai, J. B. Colony, Orlem, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III|37-EE|6280|83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-11-1984

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Suhas G. Rahurkar.

(Transferor

31911

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dilipkumar C. Vora,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 14th November 1984

Ref. No. AR-III<sub>1</sub>37-EE 6677 83-84.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000|- and bearing

No. 8, Manibhavan Malaltdarwadi Malad (W), Bombay-64, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

8 Manibhavan, Mamlatdarwadi, Malad (W), Bombay. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bimbay vide serial No. AR-III 37-EE 6677 83-84 dated 1-3-1984,

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14-11-1984

# FORM No. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Baf Hira Builders Pvt. Ltd.

(Tranferor)

(2) Mr. M. N. Deshapande and others,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACOUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 14th November 1984

Ref. No. AR.III 37EE 6411 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat No. 48, Bag Hira Nagar Marvo Road, Malad (W)

Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 1-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds he apparent consideration therefor by more than fifteen per cout of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agretd to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

may be made in writing to the undersigned ;--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as givein that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 48, Baf Hira Nagar Marve Road, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|6411|83-84, dated 1-3-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 14-11-84.

#### FORM ITNS----

(1) Mr. Manesh B. Shah and others.

(Transferor)

(2) Mr. Javantilal D. Shah.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR.HI[37EE]6793[84-85,-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 25,000|- and bearing No. Shop 9, ground floor, Sam Nirmal Appartment Narsingh

Lane Malad (W), Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority. Bombay on 1-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds ethe apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evenion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer; and or
- (b) facilitating the conocalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 9, Ground floor, Sam Nirmal Apartment arsingh Lane, Malad (W), Bombay,

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|6793|83-84, dated 1-3-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 13-11-1984

Sonl:

(1) Shree Ram Const. Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Krishnudevi P. Tiwari.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,

BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III|37EE|6300|83-84.--Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Shop No. 9, Gr. Fl., Shriram Towers, Tank Lane, Near Orlem Church, Off: Marve Road, Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3,1984

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1984 for an apparent considering which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reoson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 9, Gr. Fl., Shriram Towers, Tank Lane, Near Orlem Church, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37EE|6300|83-84, dated 1-3-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Aequisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 13-11-84.

Scal:

(1) Shri A. S. Shigdar.

(Transferor)

(2) Shri M. M. Pandav.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR.III|37EE|6190|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000l- and bearing

No. Flat No. 16, bldg. E|4, Sunder Nagar, Malad (W)

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely '--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 16 bldg. E[4, 4th floor, Sunder Nagar, Malad (W).

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|6190|83-84, dated 1-3-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 13-11-84.

Senl:

- (1) Shre Ram Constructions P. Ltd.
- (Tranferor)
- (2) Shri Gour Harinath.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR.III|37EE|6400|83-84.--Whereas, I,

A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sai' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Flat No. C505, 5th fl., Shriram Towers, Tank Lane, New

No. Flat No. C505, 5th fl., Shriram Towers, Tank Lane, Near Orlem Church, Marve Road, Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. C-505, 5th fl. "Shriram Towers, Tank Lane, Near Orlem Church, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37EE|6400'83-84, dated 1-3-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely):-

Date: 13-11-84.

Scal:

e minus chestantante <del>acceptante della c</del>

#### FORM ITNS-

(1) Hitesh Hansraj Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mis Laxmi Tradeis

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANE-III BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III|37-EE|6578|83-84.—Whereas, T. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Neelamani Shop No. 1. Ghatkopar Nilmani Co-op, Hsg. Soct. Ltd. Navroji lane, H. No. Survey No. 67, Karani Rd. Kirol Village, Ghatkopar situated at Bombay-86.

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Neelamani Shop No. 1, Ghatkopar Nilmani Co-op Hsg. Soct. Ltd. Navroji Lane, H. No. 2, Survey No. 67, Karani Road, Kirol Village, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III|83-84|6578 dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-11-1984

Seal;

62-386 GI[84

(1) M/s. Duradec Indl. Corpn

(Transferor)

(2) Mr. Desmond Fernades & Ors.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANE-III BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III 37-EE 6678 83-84.--Whereas, J. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Unit No. 202, 2nd fl. Mahavir Deep Indl. Estate, 167, Vidya Nagri Marz, Santacruz (E). Bombay-98. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908; in the office of the Registering Officer

at Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 202, 2nd fl. Mahavir Deep Indl. Estate, 167, Vidyanagari Marg, Santacruz (E), Bombay-98.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III/37-EE/6678/83-84 dt. 1-3-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesni i property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--

Date: 13-11-1984

Scal ;

(1) Mr. S. Srinivasan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Arun M. Mehta

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANE-III **BOMBAY**

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-JII|37-EE|6633|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing
Flat No. 15 Satyam plot 161 Ghatkopar Jai Mangal co-op
Garodia Nagar, Ghatkopar (E) Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than through the cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

'h, facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 15 Satyam 161 Ghatkopar Jai Mangal co-op Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay,

The agreement has been registered with the Competeus Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37.EE|6633|83-84 dated 1-3-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hexeby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followine persons, namely :-

Date: 13-11-1984

FORM No. I.T.N.S .--

(1) Mis Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Badrunnisa I. Khan.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANE-III ROMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III 37-EE 6621 84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Iucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 402, 4th floor, Kapadia Nagar, CST Rd. Kurla (W)

Bombay-70

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under-Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor, Bldg. No. 7, Kapadia Nagar CST Rd. Kurla (W) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III 37 FE 6621 83. 83-84 dated 1-3-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-11-1984

- (1) Deepak Builders Pvt. Ltd.
- (Transferor)
- (2) Abdul Karim Shaikh S. Raipurkar

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANE-III ROMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III 37-EE 6623 84-85.—Whereas, 1.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

Flat No. 207, 2nd floor, Kapadia Nagar, CST. Road, Kurla

(W) Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

nas been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeaaid property and I have reason to believe that the fair market alue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 207, 2nd floor, Bldg. No. 8 Kapadia Nagar, CST Rd\_Kurla (W) Bombay 70. The agreement has been registered with the Competent

Authority Bombay vide serial No. AR-III 37-EE 6623 83, 83-84, dt. 1-3-1984,

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 13-11-1984 Seal :

(1) Dorothy Mendes and Others.

(Transferor)

(2) M s Golden Const. Co.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

\_\_\_\_\_

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANE-III BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III|37EE|6639|84-85.-Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

Plot of land bearing S. No. 303, H. No. 10(P) and 11(P) CIS No. 5683 Revenue Village of Kole Kalyan

Santacruz (E), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tox Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any inoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the mid Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of nouce on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Plot of land bearing S. No. 303, H. No. 10(p) and 11(p) C.T.S. No. 5683, Revenue Village of Kole-Kalyan, Vakola, Santacruz (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III|37EE|66|9|83-84 dated 1-3-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 13-11-1984

(1) Shree Ram Const. Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Stanley's D'Souza & Ors.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

# ACQUISITION RANE-III BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 13th November 1984

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

in that Chanter.

Act, shall have the same meaning as given

Ref. No. G.J.R. No. N-86|Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing
Shop No. 10, GR Fl. Shriram Towers, Tank Lane, Near Orlem Church, Marve Road, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 10, Gr. Fl. Shree Ram Towrs Tank Lane, Near Orlem Church, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. AR-III|37EE|6150|83-84 dt. 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-11-1984

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Abdul Qadeer Mohd Hussian.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANE-III BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR. No. III|37EE|6622|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 4, Ground floor, Kapadia Nagar, CST Rd. Kurla (W) Bombay-70.

land more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 [11 of 1922] or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following nersons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any othr person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4, ground floor, Bldg. 19. Kapadia Nagar, CST. Road, Kurla (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide Serial No. AR.III 37EE 6622 83 83-84, dt. 1-3-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 13-11-1984

(1) Shri Ram Const, Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chintamani Zururam Pandey & Ors. (Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. G.I.R. No. P-132|Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Shop No. 3, Gr. Fl. Shriram Towers Tank Lane, Near Orlem Church, Murve Rd. Maled (W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has ben transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trasfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely:—63—386 GI|84

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 3, Gr. Fl. Shriram Towers Tank Lane, Near Orlem Church Marve Road, Malad (West) Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37EE|6299|83-84 dt. 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 13-11-1984

#### FORM I.T.N.S.

(1) Shree Ram Consts. Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Conception M. V. Correa & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR.III|37EE|6404|83-84.--Wheres, I.  $\Lambda$ . PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

Rs. 25,000|- and bearing No. Shop No. 14, Gr. Fl. Shriram Towers Near Orlem Church, Marve Rd. Mulad(W), Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair mur'al value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Officen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the axid Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 14, Gr. Fl. Shriram Towers Tank Lane, Orlem Church Marve Road, Malad (West) Bombay-64.
The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR, III | 37EE | 6404 | 83-84 dt. 1-3-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 13-11-1984

Senl:

- (1) Shree Ram Const. Pvt. Ltd.
- (Transferor)
- (2) Shri Keshrinandan D. Agarwal

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY** 

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III[37EE]6311]83-84.—Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Flat No. C-304, 3rd floor Shri Ram Towers, Tank Lane, Near Orlem Church Marve Road, Malad (W), Bombay-64,

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-3-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

70-376GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plat No. C-304, 3rd floor Shri Rum Towers Tank Lane, Near Orlem Church Marve Road, Malad (W), Bombay-64.
The agreement has been registered with the Compentent Authority, Bombay vide serial No. AR.III 37EE 6311 83-84 dated 1-3-1984.

> A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-11-1984

(1) Shree Ram Const. Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Rex M. D. Mello

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III]37EE[83-84.—Whereas, I. A, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing Flat No. C-4, 2nd floor Shriram Towers Tank Lane, Near

Orlem Church Marve Road, Malad (W), Bombay-64, has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-3-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the sad property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. C-4, 2nd floor Shriram Towers Tank Lane, Near Orlem Church Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Compentent Authority, Bombay vide serial No. AR-III 37EE 6359 83-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 13-11-1984

PART HIT-SEC. 11

FORM ITNS-

(1) Mr. Ashokkumar D. Deora.(2) Mr. P. B. Jhunjhunwala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Bombay, the 13th November 1984 BOMBAY

ACQUISITION RANGE-IV

- Ref. No. AR-III|37EE|6165|84-85,—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. B-204 Aradhama, Kisan Rd. Malad(W), Bombay-64, has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-3-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. B|204, Aradhana, Kisan Rd. Malad (W), Bombay. The agreement has been registered with the Compentent Authority, Bombay vide serial No. AR-III|37-EE|6165|83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:—

Date: 14-11-1984

(1) Hiranandani Indl. Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Dhirajben V. Shah.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III|37EE|6719|84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

Unit No. 126, 1st floor Hiranandani Indl. Estate, Kanjur

Marg, Bombay.

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-3-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exeeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said intrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein and are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 126, 1st fl. Hiranandani Indl. Estate Kanjur Marg. Bombay.

The agreement has been registered with the Compensent Authority, Bombay vide serial No. AR-III|37-EE|6719|83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 13-11-1984

Scal:

- (1) Shree Ram Const. Pvt. Ltd.
- (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Munilal G. Agarwal.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Rcf. No. AR-III]37EE[6154]84-85.—Whereas, I, A, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Shop No. 8, Gr. Fl. "Shriram Towers, Tank Lane, Near Orlem Church, Marve Rd. Malad (W), Bombay-64, has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax. 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-3-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 8, Gr. Fl. Shriram Towers Tank Lane, Orlem Church, Marve Road, Malad (W), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay Vide serial No. AR-III|37-EE|6154|83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-11-1984

(1) Khandelwal Engg. Co. Ltd.

(Transferor)

(Transferee)

(2) Mr. V. Thomas.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1II BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III]37-EE|6681|83-84.---Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 811, Bdlg. No. 'A', Usha Nagar, Village Road, Bhandup, Bombay-78,

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-3-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 811, Bldg. No. 'A' Usha Nagar, Village Road, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Compentent Authority, Bombay vide serial No. AR-III|37-EE|6681|83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax

Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-11-1984

Seel:

(1) Mls. Khandelwal Engg. Co. Ltd.

(Transferor)

(2) Bharat Wire Rope Mfg. Co.

(Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III 37EE 6526 83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Flat No. 707, Block 'A' Usha Nagar, Village Read, Bhandup, Bombay-78,

and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-3-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than yer cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; MEG /OT
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 707, Block 'A' Usha Nagar, Village Road, Bhandup

The agreement has been registered with the Compentent Authority, Bombay vide serial No. AR-III|37-EE|6526|83-84 dated 1-3-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Yow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons camely :-64-386 GI 84

Date: 13-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Hasmuk R. Shah, Executor of late Shri R. C. Shah, Mahendra R. Shah Executor of estate of Late Smt. L. R. Shah. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) L. R. Sons Charitable Trust

may be made in writing to the undersigned:-

whichever period expires later;

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III[37EE]6530[84-85.--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Unit No. C-26-A, Agra Road, Indl. Premises Co-op. Society

Ltd. Ghatkopar, Bombay-86,

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-3-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market valu cof the aforesaid proptrty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. C-26-A, Agra Road, Indl. Premises Co-op. Ltd. Ghatkopar, Bombay-86.

The agreement has been registered with the Compentent Authority, Bombay yide serial No. AR-III|37-EE|5630|83-84 dated 1-3-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-11-1984

(1) Shri Ram Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Satya Omprakash Oberoi & Others (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III|37-EE|6151|83-84.-Whereas, I, PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to use the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 4, 2nd floor Shriram Bhawan Malwani, Opp. Municipal Colony, Marve Road, Malad (W), Bombay-64, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax, 1961, in the office of the Competent Authority. the Competent Authority, Bombay on 1-3-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as according to be transfer. the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

Flat No. 4, 2nd floor in Shriram Bhawan Malwani, Opp. Municipal Colony, Marve Road Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Compentent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37-EE/6151/83-84 dated 1-3-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-11-1984

(1) Dr. Shyamsunder C. Agarwal,

(Transferor)

(2) Ms. Panchal & Panchal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III 37-EE 6175 83-84.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. Office premises at the Laxminarayan Shopping Centre, Podar Road, Malad (W), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-3-1984, and the agreement is registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Bombay on 2-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sasets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 40 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Office Premises No. 10 at the Laxminarayan Shopping Centre, Podar Road Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Compensent Authority, Bombay vide serial No. AR-III|37-EE|6175|83-84 dated 1-3-1984.

A, PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-to.
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-11-1984

PART III-Sec. 1]

#### FORM ITNS---

(1) Shree Ram Const. Pvt. Ltd.

(Transferor)

31937

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Salvador D'Souza.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III

#### BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III|37-EE|6160|83-84.—Whergas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing

Shop No. 11, Gr. Fl. Sh'iram Towers Tank Lane, Near Orlem Church, Off Marve Rd. Malad (W), Bombay-64,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-3-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 11, Gr. Fl. Shriram Towers Tank Lane, Near Orlem Church, Off. Marve Rd. Malad (W), Bombay-64. The agreement has been registered with the Compentent Authority, Bombay vide serial No. AR-III|37-EE|6160|83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-11-1984

- (1) M/s. R. G. Builders Pvt. Ltd.
- (Transferor)
- (2) Smt. Amina Shikh Abdul Aziz.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-III|37-EE|6207|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to ar the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 202, 2nd Fl. 'F' Wing of "Atlanta", Plot No. 38, of Valnia Village, Marve Road, Malad (W), Bombay-64, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-3-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such opparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd Fl. 'F' Wing of "Atlanta" Plot No. 38, of Valnai Village, Marve Road, Malad (W), Bombay-64. The agreement has been registered with the Compentent Authority, Bombay vide serial No. AR-III|37-EE|6207|83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by he issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### **ACQUISITION RANGE-II** BOMBAY

Bombay, the 17th November 1984

Ref. No. AR.II|37EE|4423|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 3 of Shiv Kuni Co-operative Housing Society at 39

Union Park, Khar, Bombay-400 052.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-3-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Surender Kumar.

(Transferor)

(2) Shri Nand Kishore, Smt. Mridula Kishore.

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person on occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immov-able property, within 45 days from the day of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3 of Shiv Kuni Co-operative Housing Society Ltd. at 39 Union Park, Khar, Bombay-400 052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|4423|83-84 on 14-3-84,

LAXMAN DAS Competent Author'ty Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 17-11-1984.

(1) Ms. Modgul Hdayal Das.

(Transferor)

(2) M|s. Zenith Traders (P) Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

#### SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 17th November 1984

Ref. No. 1616|Acq-R-III|84-85.—Whereas, I, SARKAR BANNERJEE,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing

No. 20 situated at Ballygiunge Gricular Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereta), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registe ing Officer at IAC Acqn. R-III, on 12 3-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons samely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that property measuring 1337 sq ft at 20 Ballygarge Circular Road, as regd, with IAC Acqn. R-III Gale vide Sl. 176 dt. 12-3-84.

SARKAR BANERJEF

Compecting Assistant Commissioner of Income-uax
Acquisition Range-III, Calcutta

Date: 17-11-1984.

#### (1) M[s. Hastings Property.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mis. Jalan Associates.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 20th November 1984

Ref. No. 1617|Acq R-III|84-85,—Whereas, I, SARKAR BANNERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing

No.-7 situated at Karan Sankar Roy Road.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

Calcutta on 15-3-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely:—65—386 GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 355 sq. ft. area at 7 Kiran Sankar Roy Road, Calcutta registered before IAC Acqn. R-III vide Sl. 173.

SANKAR BANERIFE
Compeent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta

Date: 20-11-1984

(1) M/s. Slab Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Priyabala Sarkar,

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III; CALCUTTA

Calcutta, the 17th November 1984

Ref. No. 1615 Acq. R-III 84-85.—Whereas, I,

SARKAR BANNERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and hearing.

No. 2 IE situated at Town Shend Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule anuexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC Acqn. R-III on 26-3-84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of reansfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that area measuring 750 sq. ft. at 2|1E Town Shend Road, Calcutta registered before IAC Acqn. R-III Calcutta by form No. 37EE dt. 26-3-84.

SANKAR BANERIFF
Compeet Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta

Date: 17-11-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 17th November 1984

Ref. No. 1614|Acq. R-III|84-85.—Whereas, I, SARKAR BANNERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. P-17D situated at Ashutosh Choudhury Anenue, Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acqn. R-III on 19-3-84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferessid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the real late, to the following persons, namely:—

(1) Krishna Chakrabesty.

(Transferor)

(2) Sukhendra Nath Chatterjee.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that Flat measuring 710 sq. ft. at P-17D Ashutosh Choudhury Anenue, Calcutta registered before IAC Acq. R-III, Calcutta by form No. 37EE vide Sl. 183 dt. 19-3-84.

SANKAR BANERJEE
Compeent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta

Date: 17-11-1984.

(1) Lamd and Canstruction Company.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Jagdish Chander S. Patel,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 17th November 1984

Ref. No. 1613 Acq.R-III 84-85.--Whereas, I, SARKAR BANNERIEE,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. 8 situated at Abhay Sarkar Lane.

and/or

and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC., Acqn. R-III, Calcutta vide SI, 189 on 27-3-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that 'flat measuring 6.75 sq. ft. on 1st floor at 8, Abhay Sarkar Lane, Calcutta regd. with 1AC Acqu. R-III, Calcutta vide Sl. 189 dt. 27-3-84 by form No. 37EE.

SARKAR BANNERJEL Compeent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta

Date: 17-11-1984.

(1) Smt. Ramben R. Shah.

(Trafferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Kunchan D. Abhanl.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 17th November 1984

Ref. No. 1612 Acq. R-111 84-85.—Whereas, I, SARKAR BANNERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 6 | 1 | situated at Sarat Bose Road, Calcutta, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC Acqn. R-III, Calcutta vide Sl. 169 on 6-3-84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreel to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evaluation of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under exhection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that flat No. 6B situated at 6|1 Sarat Bose Road, Cal. regd. before IAC Acq.R-III vide Sl. 169 dt. 6-3-84 by form No. 37EE.

SANKAR BANFRJEE
Compeent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta

Date: 17-11-1984.

FORM I.T.N.S.

(1) Ms. Kalna Investors P. Ltd.

(Transferor)

(2) Ms. Birla Rastern Ltd.

(Transferce)

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Calcutta, the 17th November 1984

Ref. No. 1611|Acq. R-III|84-85.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

No. 25 situated at Ballygeurge Circular Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed bereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acqn R-III vide Sl. 178 on 16-3-84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that area of 2100 sq ft. and others situated at 25 B.C. Road, Cal. regd. with IAC. Acq.R-III, Cal. vide Sl. 178 dt. 16-3-84 by Form No. 37EE.

SANKAR BANERJEE
Compeent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta

Date: 17-11-1984.

#### (1) M|s. Kalna Investors (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Indramati Goenka.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 17th November 1984

Ref. No. 1610 Acq. R-III 84-85,—Whereas, I. SANKAR BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 34|2 A situated at Ballygunge Circular Rd, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at IAC Acq. R-III Sl. 171 37EF on 11-3-84 for an apparent consideration which is less than market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay an under the said Act in respect at any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been, or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

All that area of 1250 Sq ft subject to change of 34|2A Ballygunge Circular Road, Calcatta regd, with the IAC., Acq. R-III, Calcutta vide Sl 171 dt, 11-3-84 by form No. 37EE.

SANKAR BANFRJFT
Compecting Assistant Commissioner of Income-tal
Acquisition Range-III, Calcutti

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date: 17-11-1984.

(1) Kalna Investors (P) Ltd.

(Transferoi)

(2) Ms. Phillips Carbon Black Ltd.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACOUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 17th November 1984

Ref. No. 1609 Acq. R-IJI 84-85 .-- Whereas, I, SANKAR BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 25, situated at Ballygunge Circular Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. R-III Sl. 172|37EE on 12-3-1984, tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any mioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, samely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that area of 2499.1 mts phis others at 25 B. C. Road, regd with IAC Acq. R-III Calcutta vide SI 172 dt. 12-3-84 by Form No. 37EE.

SANKAR BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kadwai Road, Calcutta-16

Date: 17-11-1984.

#### PORM ITNS

(1) N. K. Son

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Rajeev Tiwari

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 17th November 1984

Ref. No. 1608|Acq. R-III|84-85.—Whereas, I. SARKAR BANNERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 1|335 situated at Gariahat Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. R-III vide Sl. 187|37EE on 30-3-84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evenion of the Mahility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

All that ground floor measuring 2200 sq ft at 1|335 Gariahat Road regd. with the IAC Acq. R-III, Calcutta vide Sl 187 dt. 30-3-84 by Form No. 37EE.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Date : 17-11-1984. Seel :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby implate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this motion under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
66—386 GI[84]

(1) Mis. Amrit Commercial Co., Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Rabindra Nath Das

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 17th November 1984

Ref. No. 1607 Acq. R-III 84-85.—Whereas, I, SANKAR BANERIEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing

No. 32 1 situated at Gariahat Road, (South), Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Officer of the Registering Officer and the at IAC., Acq. R-III St. 190/37EE on 30/3/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aformald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that flat of Eastern portion where gross floor area 1010 Sq. ft. (approx.) at 32|1 Gariahat Road (South), Calcutta, regd. with the IAC., Acqn. R-III, Cal. Vide Sl. 190|37EE dt. 30-3-84.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta

Date: 17-11-1984.

(1) Sukhendra Nath Chatterjee & Other

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sunil Chakreborty

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III. CALCUTTA

Calcutta, the 17th November 1984

Ref. No. 1606 Acq R-III 84-85.—Whereas, I. SANKAR BANNERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-

and bearing No. P-17B situated at Ashutosh Chowdhury Avenue, alcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acqn. R-III Sl. 185]37EE on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers andjor

(b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other ausets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazet.e or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that area of 890 Sq. ft. and 2 Shares of Rs. 100 - each. The property situated at P-17B, Ashutosh Chowdhury Avenue, Calcutta, regd. with the IAC Acqn. R-III, Calcutta vide Sl. 185 by Form No. 37EE in March 1984.

> SANKAR BANNERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta 54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcut.a-16

Dato: 17-11-1984 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :--

(1) Mis. Shree Venkatesh Coustrn (P.) Ltd.

(Transferor)

(2) Mis. Payal Commercial Ltd.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 17th November 1984

Ref. No. 1605 Acq R-III 84-85.—Whereas, I, SANKAR BANNERIEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 240-B situated at Acharyya J. C. Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC Acqn. R-III, Salcutta Sl. 167|37EE on 4-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afficient exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating hie reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that extra fourth floor area 2000 Sq. ft. Registered with the IAC. Acqun. R-III, Calcutta vide Sl. 167 by Form No. 37EE on 4-3-84. The Property situated at 240B, Acharyya J. C. Bose Road.

SANKAR BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 17-11-1984

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 17th November 1984

Ref. No. 1604 Acq. R-III 84-85.—Whereas, I, SANKAR BANNERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7, situated at Kiran Shankar Roy Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC., Acqn. R-III Sl. 274|37EE on 15-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

#### (1) Hastings Property

(Transferor)

(2) M|s, Jalan Associates

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any office aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the services of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that northern portion of 5th floor measuring 975 Sq. ft, at 7X5 Roy Road regd. with the IAC Acqn. R-III, Calcutta vide Sl. 174|37RE dt. 15-3-84.

SANKAR BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 17-11-1984

(1) Ms. Vasundhara Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Gyaneswar Prosad Agarwal & others

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 17th November 1984

Ref. No. 1603 Acq R-III 84-85.—Whereas, I, SANKAR BANNERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

2|7 situated at Sarat Gose Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

IAC., Acqun. R-III SI. 175|37EE on 4-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that multistoried building under construction situated at 2|7 Sarat Bose Road, Calcu ta regd, with the IAC., Acqun. R-III, Calcutta vide Sl. 175|37EE on 4-3-84.

SANKAR BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-11-1984

(1) Veekay Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Luxmi Majumdar

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 17th November 1984

Ref. No. 1602|Acq R-III|84-85.—Whereas, I, SANKAR BANNERJEE,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. 18|2 situated at Gariahat Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC., Acqn. R-III Sl. 179|37EE on 18-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that Flat No. 8C measuring 7750 Sq. ft. at 18|2 Gariaha' Road regd. with the IAC., Acqn. R-III, Calcutta by Form No. 37EE vide Sl. 179 dt. 18-3-84.

SANKAR BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcut a-16

Date: 17-11-1984

(1) Ms. Jaywanti Gidwani & other

(Transferor)

1\_

(2) Shri Sushil Kr. Dutta

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 17th November 1984

Ref. No. 1601 Acq. R-III 84-85.—Whereas, I, SANKAR BANNERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 41|1B situated at "Panchsheel", Jhantolla Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Officer at IAC., Acqn. R-III Sl. 177|37EE on 12-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (x) facilitating the reduction or evasion of the limitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therfore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-acction (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter...

#### THE SCHEDULE

All that flat No. 1B at 41/1B Jhantolla Road regd. with the IAC., Acqn. R-III, Calcutta vide Sl. 177/37EE dt. 12-3-84.

SANKAR BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcut'a-16

Date: 17-11-1984.

#### NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Hastings Property

(Transferor)

(2) Swapan Kr. Mondal & other

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 17th November 1984

Ref., No. 1600 Acq. R-III 84-85.-- Whereas, I, SANKAR BANNERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to able property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000l- and bearing No.

7 situated at Kiran Sankar Roy Road Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC., Acqu. R-III St. 170/37EE on 8-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> SANKAR BANNERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcuttn 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

67--386 GI\84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that area of Southern portion measuring 756 Sq. ft. at 7, K. S. Roy Road, Calcutta regd. with the IAC., Acq. R-IIII, Calcuta vide Sl. 170/37EF on 8-3-84.

Date: 17-11-1984

(1) Hastings Property

(Transferor)

(2) Pankaj Chowdhury

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 17th November 1984

Ref. No. 1599 Acq. R-III 84-85.—Whereas, I, SANKAR BANNERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the said Act), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. 7, situated at Kiran Sankar Roy Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC., Acqn. R-III Sl. 180|37EE on 18-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that area in 4th floor of Southern portion measuring 290 Sq. ft. at 7, Kiran Sankar Roy Road regd. with the IAC., Acqn. R-III, Calcutta vide Sl. 180|37FE on 18-3-84.

SANKAR BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 17-11-1984

#### (1) Hastings Property

(Transferor)

(2) Sudha Chiripal

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 17th November 1984

Ref. No. 1598 Acq. R-III 84-85.—Whereas, I. SANKAR BANERIFE. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. 7, situated at Kiran Sankar Roy Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC., Acqn. R-III SI. 181 37EE on 18-3-84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that space measuring 170 Sq. ft. in Southern portion of 5th floor at 7, Kiran Sankar Roy Road regd. with the IAC., Acqn. R-III, Calcutta vide St. 181/37EE on 18-3-84.

SANKAR BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 17-11-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Sh. Gopal Dutt Seva Sadan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Manisha Granthalaya Pvt. Ltd.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, CALCUITA

Calcutta, the 17th November 1984

Rei. No. 1597|Acg. R-III|84-85.—Whereas, 1, SANKAR BANNERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 54A situated at Hari Ghosh St., Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Cal SRA, Calcutta on 13-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of suck apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that area of land measuring 254.182 Sq. metre at 54A Harr Ghosh street regd, with SRA, Calcutta vide Deed No. dt 13-3-84.

SANKAR BANNERJFE.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 17-11-1984

(1) Sh. Radheyshyam Basak

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh Tapan Mohan Saha & ois.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 17th November 1984

Ref. No. 1596/Acq. R-III/84-85.—Whereas, I, SANKAR BANNERJEF,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 57A situated at Soya Bazar Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

of the Registering officer at Calcutta on 14-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been tully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

All that undivided 1 Share of property comprising of 4K—12 Ch—44 Sq. ft. of land together with three storied building at 57A Sobbha Bazar St., Calcutta registered vide Deed No. 1 3186 dt. 14-3-84 at Calcutta.

SANKAR BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmad Kirwai Road, Calcutta-16

Date: 17-11-1984

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Radheyshyam Basak

(Transferor)

(2) Sh. Sekhar Mohan Saha & ors.

(Transferce)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-HI, CALCUTTA

Calcutta, the 17th November 1984

Ref. No. 1595 Acq. R-III 84-85.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

No. 57A situated at Sora Bazar Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 14-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that 4 cottahs, 12 ch. 44 sft. of land together with a three storied building thereon at 57A Sora Bazar Street, Calcutta, registered vide Deed No. 1, 3185 Dt. 14-3-84 at Calcutta.

SANKAR BANERIEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-11-1984

(1)Sh. Niladri Chatterjee

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sh. Gopendra Nath Roy

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. CALCUTTA

Calcutta, the 17th November 1984

Ref. No. 1594 Acq. R-III 84-85.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 38 2E situated at Garinhat Road, Calcutta-29, and proper fully described in the schedule annexed hereto).

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferreed under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Calcutta on 14-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the apriles has not been truly stated in the said between the apriles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the eald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;

respect of any income arising from the transfer; and or

.

#### et, in 19fer;

All that Premiers No. 382E, Gariahat Road Calcutta-29, registered vide Dated No. I, 1239 Dt. 14-3-84 at Calcutta.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

Date: 17-11-1984

(1) Sh. Abani Mohan Goswami

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sh. Toamay Chaudhury.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-III, CAI CUTTA

Calcutta, the 17th November 1984

Ref. No. 1593|Acq. R-III|84-85.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing No. 68A situated at Graham Road, Calcutta-40 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Calcutta on 16-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) -tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.

#### THE SCHEDULE

All that flat No. 6 measuring about 590 sft. at the 2nd floor (North) of 68A Graham Road (8|R Alipore 24 Prgs.) Calcutta-40.

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957))

SANKAR BANFRIEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcuttn
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 17-11-1984

(1) Sh. Kalyan Kumar Deb

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Chanda Shaw & others.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 17th November 1984

Ref. No. 1592|Acq. R-III|84-85.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing
No. 1|4 situated at Latu Babu Lane, Calcutta-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 9-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

68--386GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same maening as given in that Chapter.

#### THE SCHEDOLL

All that 1 Cottah, 13 ch., 13 sft. of land together with a one storied building thereon at 1/4, Latubabu Lane. RS. Bhartala, Calcutta-6, registered vide Deed No. I, 2915 Dt. 9-3-84.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta
Acquisition Range-III, Calcutte
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 17-11-1984

#### FORM ITNS----

(1) Sh. Ajit Kumar Basu

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Maya Modak & Swapnakar Chowdhury (Trunsferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 17th November 1984

Ref. No. 1591 Acq. R-III 84-85. - Whereas, I, SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the 'immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing
No. 40|20 situated at Moore Avenue, Calcutta-40 (and proper fully described in the Schedule grazad bare's)

(and more fully described in the Schedule anexed here;o) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

Calcutta on 7-3-84

for an apparent consideration which is less than the full market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferand for

#### THE SCHEDULE

All that 937 sft. flat situated on the 1st floor of Premiscs No. 40|20, Moore Avenue, Calcutta-40, registered vide Decd No. 1, 1070 Dt. 7-3-84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act. 1957 (27 of 1957);

SANKAR BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcut'a-16

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 17-11-1984

Sen1:

#### (1) Sh. Sushil Chandra Bose

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Valley Park Co-op. Housing Society Ltd.

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 17th November 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 1590 Acq. R-III 84-85.--Whereas, I, SANKAR BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. 114|2 situated at Raja S. C. Mullick Road, 24 Prgs. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 23-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ...

## (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

All that 8 Cottah 4 ch. of land together with a one storted building thereon situated and lying at Scheme Plot No. 2, Valley Park, Shreerampur Road, Exarca, 24 Prgs. registered vide No. I 3532 Dated 23-3-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III. Calcutta
54, Rali Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 17-11-1984

Calcutta on 22-3-84

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Madgul Udyog and Bally Ganj Estate

(Transferor)

(2) Kerala State Electronics Development Corporation Ltd.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 16th November 1984

Ref. No. 1589 Acq. R-III 84-85.—Whereas, 1, SANKAR BANERJEE, teing the Competent Authority under Section 269B of the No. 20 situated at Bally Ganj Circular Road, Calcutta (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 20 situated at Ballygunge Circular Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentrant of any income or sky moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that Basement floor flat 'A' covered area—1126 sq. ft. along with undivided proportionate share on land at 20, Ballygunge Circular Road, Calcutta regd. with SRA, Calcutta vide Deed Nos. I, 3460 and I, 3459 dt. 22-3-84.

SANKAR BANERIEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmad Kirwai Road, Calcutta-16

Date: 16-11-1984

#### FORM I.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, **CALCUTTA**

Calcutta, the 16th November 1984

Ref. No. 1588 Acq. R-III 84-85.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing

No. 20

situated atBallygunge Circular Road, Calcatta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the Officer of the Registering Officer at Calcutta on 22-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evalen of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of -1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persona, namely:---

(1) Madgal Udyog and Ballyguage Estate

(Transferor)

(2) Kerala State Electronics Development Corpn. Ltd. (Transferee)

Lo, i

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that entire 1st floor (unit No. 7) Covered area 3649 sq ft along with individed proportionate share on land at 20 Ballygunge Circular Road regd with SRA vide Deed No. I 3458 and I 3461 dt. 22-3-84 at Calcutta.

> SANKAR BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 16-11-1984

#### FORM I.T.N.S.— -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 16th November 1984

Ref. No. Acq.R-III|84-85.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 20

situated atBallygunge Circular Road, Calcatta

(and more fully described in the schedule annexed hercto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 14-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitaling the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Pratima Mukhrjee

(Transferor)

(2) Sachi Rani Chakrborty

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a personof 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that three storyed building land area 1 cottah 7 Chittakes a 5 sq ft at 10|1C Sree Mohan Lane, cal regd. with SRA, Calcutta vide Deed No. I 3161 dt. 14-3-84,

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 16-11-1984

(1) Ballygunge Estate

(Transferor)

(2) Dignijoy Rasik Juida

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

Calcutta, the 16th November 1984

Ref. No. 1586|Acq. R-III|84-85.—Whereas, I, 5ANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-ind bearing No. 20

ituated at Ballygunge Sircular Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 24-3-1984

or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to dieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shill have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that undivided proportionate share on land measuring 9 cottahs, 3 Chittacks and 41 sq. ft. at 20, Balygunge Circular Road, Calcutta regd with SRA vide deed No. I 3560 dt. 24-3-84.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-11-1984

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Ballygunge Estate

(Transferor)

(2) Devendra Mohan Lekhita & others

may be made in writing to the undersigned :---

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

#### ACQUISITION RANGE-JII, CALCUTTA

SIONER OF INCOME-TAX

Calcutta, the 16th November 1984

Ref. No. 1585|Acq. R-III|84-85.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. 20

situated at Ballygunge Circular Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 9-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than freen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferee; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticed in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Accase shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that an undivided proportionate share of land measuring 4 cottahs 9 Chittacks and 36 sq. ft at 20 Balygunge Chrcular Road regd with SRA vide deed No. I 2929 dt. 9-3-84 at calcutta.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Abmed Kidwal Road, Calcutta-16.

Date: 16-11-1984

Scal:

(1) Ballygunge Estate

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Atul Singhania and other

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTΛ

Calcutta, the 16th November 1984

Ref. No. 1584 Acq. R-III 84-85.—Whereas, I, SANKAR BANNERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 20 situated at Ballygunge Circular Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 21-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusance or Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons namely:—69—386GI84

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 38 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in that Chapte

#### THE SCHEDULE

All that an undivided proportionate share on the land measuring 4 cottahs, 9 chittacks and 36 Sq ft at the premises No. 20 Balleygunge Circuear Road, Cal. regd. with SRA vide deed No. 1 3403 dt. 21-3-84.

SANKAR BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta

Date: 16-11-1984

#### FORM ITNS.---

(1) Ballygunge Estate

(Transferor)

(2) Sandip Filont Pvt. Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 16th November 1984

Ref. No. 1583|Acq. R-III|84-85.—Whereas, I, SANKAR BANNERIEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000l-and bearing

No. 20

situated at Ballygunge Circular Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

at Calcutta on 28-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties, has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that undivided proportionate share on land measurin 4 cottahs, 9 chittacks and 36 Sq ft registered vide deed No. 1 3719 dt. 28-3-84 at Calcutta.

SANKAR BANNERIEE
Competent Authorit
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta
Acquisition Range-III, Calcutta

uo-Dute : 16-11-1984 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

FORM I.T.N.S.-

#### Laborate at a second of the state - - l- -)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

(2) Dwarkadas Nurdhra

(1) Mis. Nursing Sahay Madan Gopal

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III. CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1984

Ref. No. 1582(Acq. R-III|84-85.--Whereas, I, Ref. No. 1582(Acq. R-III/84-85.--Whereas, I, SANKAR BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 55

situated at Ezra Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at SRA, Calcutta on 28-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that flat measuring 598.43 Sq. ft at 55, Ezra Street registered with SRA, Calcutta vide deed No. I 3786 dt. 28-3-84.

> SANKAR BANNERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JII, Calcutta

Date: 15-11-1984 Scal .

(1) M|s. Shree Nursing Sahany Madan Gopal (Eng)
Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Govardhandas undhra

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1984

Ref. No. 1581 Acq. R-III 84-85.—Whereas, I, SANKAR BANNERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 55 situated at Ezra Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 28-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than illteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that flat measuring 1616 Sq fr at 55 Ezra st registered with SRA vide deed No. 1 3742 dt. 28-3-84.

SANKAR BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta

Date: 15-11-1984

(1) Willand India Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kanal Kumar Surana and other

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1984

Ref. No. 1580|Acq. R-III|84-85.—Whereas, I, SANKAR BANNERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding No. 57|B

situated at Ballegunge Circular Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 29-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that revenue free land being pur No. 5, Comprised within the premises No. 57|B Ballegygunge Circular Road measuring 5 cottahs 8 ch, 43 Sq ft (approx) registered with SRA vide Deed No. I 3802 dt. 29-3-84 at calcutta.

SANKAR BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-11-1984

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

(2) Baldeodas Mendrah

(Eng.) P. Ltd.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1984

Ref. No. 1579 Acq. R-III 84-85.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 55

and the agreement is registered under Section 269AB of has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

at Calcutta on 29-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(1) M|s. Shree Nursing Sahay Madan Copal

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

All that lilat measuring 1319 sq. ft, at 55 Ezra Street registered vide deed No. I 3785 dt. 29-3-84 at Calcutta.

SANKAR BANNERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeasid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 15-11-1984

(1) Shrimati Kanan Bala Nath.

(Transferee)

(2) Savita Agarwalla & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 17th November 1984

Ref. No. 1578 Acq.R-III 84-85.—Wheeras, I,

SANKAR BANNERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable in the sald Act') have reason to believe that the immovable actions to be second in the sald Act. property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing No.

20 situated at Motilal Nehru Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 14-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that land measuring 2K-10Ch at 20, Motilal Nehru Road, Calcutta regd. with SRA, Calcutta, on 14-3-84 vide Dced No.

> SANKAR BANNERJEE . Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,

Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 17-11-1984

Seal:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

#### FORM I.T.N.S.

(1) Sri Jogendra Nath Anddy

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Priyalal Saha & Others

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1984

Ref. No. 1577/Acq. R-III/84-85.—Whereas. I, SANKAR BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. 1, situated at Mandir Steet, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

Calcutta on 5-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which nave not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that 6 cottah, 4 Ch., 10 Sq. ft. of land together with partly four and partly five storied building thereon at 1, Mandir St., Calcutta vide Deed No. I, 2687 dt. 5-3-84.

THE SCHEDULE

SANKAR BANERIEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafl Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-11-1984

Scal;

#### 31981

#### FORM ITNS-

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Willard India Limited.

(Transferor)

(2) Anand Chand Bhura & Others.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 1576 Acq R-III 84-85.---Whereas I, SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property basing a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

57|B s tunted at Ballygunge Circular Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 29-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the aprties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

All that plot No. 10, within the premises 57|B, Ballygunge Circular Road, measuring 4 Cottahs, 5 Chittacks two Sq. ft.

> SANKAR BANERJEE Competent Authority · Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the Acquisition of the aforesaid proper y by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of said Act, to the following persons, namely:—70—386GI|84

Date: 15-11-1984

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1984

Ref. No. 1575|Acq R-III|84-85.—Whereas I SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

102 s'tuated at Southern Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 22-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Laxe Apartment Co-op. Housing Socy. Ltd.
(Transferor)

(2) Shri Rama Mukherjee.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

All that South-East flat measuring 1650 sq. ft. at 102 southern Avenue, Calcutta, registered vide Deed No. I 4267P dt 22-3-1984 at Calcutta.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road.
Calcutta-16

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afteresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 15-11-1984

(1) Laxe Apartment Co-op. Housing Socy. Ltd., (Transferor)

(2) Mr. Aurovinda Ray Choudhury.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1984

Ref. No. 1574|Acq R-III|84-85.—Whereas I, SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imuovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

102 situated at Southern Avenue, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-aforesaid property by the issue of this notice under subing, persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actahall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

All that South West flat measuring 1650 Sq. ft. at 102, Southern Avenue, Calcutta registered vide Deed No. I 4266P dt. 22-3-84 at Calcutta.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Calcut'a-16
54, Rafi Ahmed Kadwai Road, Calcutta-16

Date: 15-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1984

Ref. No. 1573 Acq R-III 84-85.—Whereas I, SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.
102 situated at Southern Avenue, Calcutta
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of Registering Officer at
Calcutta on 21-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

- (1) Laxe Apartments Co-op, Housing Socy. Ltd.
  (Transferor)
- (2) Mr. Sekhar Roy Chowdhury.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that South-east flat measuring 1650 Sq.ft. at 102, Southern Avenue, registered vide I 4205 dt. 21-3-84.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafl Ahmed Kidwai Road,
Calcutts-16

Date : 15-11-1984 Seal : FORM ITN'S

(1) Laxe Apartments Co op. Housing Socy. Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Samir Nath Bagchi.

(Transferee)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA Calcutta, the 15th November 1984

Ref. No. 1572 Acq R-HI 84-85.—Whereas I, SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

102 situated at Southern Avenue, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcuita on 21-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, waicheve persons of a period of the persons.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

All that flat area 900 Sq.ft. at 102, Southern Avenue, registered with SRA, Calcutta vide I 4203P dt 21-3-84, Calcutta.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition, Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 15-11-1984

FORM I.T.N.S.--

(1) Mls. Sahu Properties Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Girdharilal Damani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th November 1984

Ref. No. 1571/Acq. R-III/84-85.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 11, situated at Clive Row, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 30-3-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land-Office room No. 2-A|211 Sq. ft. Address--11, Clive Row, Deed No. I 3906 dt, 30-3-1984 at Calcutta.

SANKAR BANERJEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafl Ahmed Kadwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:

Date : 14-11-1984

(1) M/s. Sahu Properties Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Indra Devi Nakhat & Others.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th November 1984

Ref. No. 1570 Acq. R-III 84-85.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing
No. 11, situated at Clive Row, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer, at Calcutta on 30-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter - XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: Office room No. 12 & 12A 340 Sq. ft. Address: II, Clive Row Calcutta, deed No. I 3902 dt. 30-3-84 at Calcutta.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kadwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-11-1984 Seal: FORM ITNS----

(1) M/s. Sahu Properties Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrl S. D. Shah.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III, CALCUITA 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD

Calcutta, the 14th November 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

whichever period expires later:

may be made in writing to the undersigned :-

Ref. No. 1569|Acq. R-III|84-85.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE,

Point the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable prosecue, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. 11, situated at Clive Row, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Calcutta on 30-3-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Land: Office space No. 3|346 Sq. ft. Address: 11, Clive Row, Calcutta. Deed No. I 3901, dt. 30-3-1984.

> SANKAR BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-11-1984

FORM I.T.N.S ----

(1) Mls. Sahu Properties Ltd.

may be made in writing to the undersigned :--

Cleansferor)

(2) Smt. Shanta Bhandari.

('Fransferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th November 1984

Ref. No. 1568 ACq. R-III 84-85.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing

No. 11, situated at Clive Row, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 30-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: ot transfer

- (4) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; nad/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: Office space No. 4|240 Sq. ft. Address: 11, Clive Row, Calcutta. Deed No. 1 3900, dt. 30-3-1984.

SANKAR BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-111. 54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-71-386GI|84

Date: 14-11-1984

(1) Mls. Sahu Properties Ltd.

(Transferor)

(2) Swastika Metal Industries.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th November 1984

Ref. No. 1567/Acq.R-HI/84-85.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. 11, situated at Clive Row, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

at Calcutta on 30-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: Office room No. 2|Area 240 Sq. ft. Address : 11, Clive Row, Deed No. 1 3899 dt. 30-3-1984 at Calcutta.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 14-11-1984 Seal:

(1) Mis. Sahu Properties Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Pandua Cold Storage Pvt. Ltd.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th November 1984

Ref. No. 1566|Acq. R-III|84-85.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 11, situated at Clive Row, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registrering Officer at Calcutta on 30-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act or the Wealth-Inc. Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the paid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: Office space No. I and 525 Sqq. ft. at covered area. Address: 11, Clive Row, Calcutta. Deed No. I 3897, dt. 30-3-1984.

SANKAR BANERIEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-11-1984

Scal:

(1) Mls. Sahu Properties Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ganga Prasad Budhiya & Sons.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III. CALCUTTA 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD

Calcutta, the 14th November 1984

Ref. No. 1564|Acq. R-II||84-85.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ps. 25,000; and bearing

No. 11, situated at Clive Road, Celcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registrering Officer

at Calcutta on 30-3-1984

for an apparent consideration which is less than the farmarket value of the aforesaid property and I have reason to the line that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I horeby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that office room No. 3, on the 3rd floor at the premises No. 11, Clive Road, Calcutta-I. Covered area—719 Sq. ft. registered vide deed No. 1-3904, dt. 30-3-1984 at S.R.A. Calcutta.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income to
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 14-11-1984

Seal : /

#### FORM ITNS----

#### (1) Sahu Properties Ltd.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Shri Jagdish Prasad Singhania & Sons.

#### GOVERNMENT OF INDIA

(Transferce)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACOUISITION RANGE-II. CALCUTTA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Calcutta, the 14th November 1984

(b) by any other person interested in the said immeov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 1565|Acq.R-III|84-85.—Whereas, 1, SANKAR

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in

that Chapter.

BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bering

No. 11 situated at Clive Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registrering Officer at Calcutta on 30-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Land: Office space No. 17/275 sq. ft. Address: 11, Clive Road, Deed No. 1 3896, dt. 30-3-1984.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—-

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 14-11-1984

Sea!

(1) Sri Ramendra Nath Dutta-4, Paul Mansion, Bishop Lefroy Road, Calcutta-20.

(Transferor)

(2) Sri Ikram Ahmed---1 B. Ekbalpur Road, Calcutta-700 023.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-IV. CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1984

Ref. No. AC-29|ACQ. R-IV|CAL|84-85.—Whereas, 1, SANKAR K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Rs.

No. 62 situated at Ring King Pong Road, Kalimong, Darjeeling

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at R.A. (Cal) on 14-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Land: 1.04 acres with building.

Address; 62, Ring King Pong Road, Kalimpong, Darjeeling. Deed No.: 108 of 1984.

> SANKAR K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 12-11-1984

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1984

Ref. No. AC-30|R-JV|CAY|84-85.—Whereas, 1, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. ... situated at Mouza-Oaks, Pargana-Senda Darjeeling (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A. (Cal) on 9-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair marketh value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Am. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act. to the following persons, namely.—

- (1) Mis. Suman Tea Plywood Industries Pvt. Ltd., —161[1, M.G. Road, Calcutta-7.
- (2) M|s.Deors Tea Company (P.) Ltd.

  —83, Charu Chandra Sinha Jane, Calcutta.

  (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any o fthe aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice o othe respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: all that Tea Estate known as 'Oaks' Tea Estate alongwith all structures thereon in Mouza-Oaks, Pargana Sonada.

Address: P.S. Jora Bunglow, Dist. Darjeeling, Deed No.: 3649 of 1984.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 12-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Tulshi Ayars

58/2, Chatterjeepara Lane Bantra, Howrah.

Bantia, Howrah.

(Transferee)

(Trunsferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 12 h November 1984

Ref. No. AC-31 ACQ R-IV Cal 84-85.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 62 situated at Chatterjeepara Lone, Bantra, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at D.R. Howrah on 16-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tox Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(1) Mls. Precision Mechanical Works 172/20 Madhusudan Pal Chowdhury Lane,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: 9 cottahs, 15, chittaks 22 sft. with asbestos shed and structures.

Address: 62, Chatterjeepara Lane, Bantra, Howrah.

Deed No.: 1347 of 1984

SANKAR K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 12-!1-1984

Scal:

the second control of the second control of

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri Amal Kanta Das, 9, Kumarpara Road, Bally, Howiah,

Presently: B!4/5, Karunamoyee, Salt Lake-

City, Calcutta.

(Transferor)

(2) M/s. Everest Industries, 4A, Jackson Lane, Calcutta-1.

(Transferec)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, CALCUITA

Calcutta, the 12th November 1984

Ref. No. AC-32|R-IV|CAL|84-85.—Whereas, I. SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing

No. 21 situated at Kumarpara Road, Liluah, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S. Jt. S.R. Howrah on 12-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per coast of analysis consideration therefore. than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: Undivided 7/18 shale of land measuring 2 Bighas, 18 cottabs 3 chittaks, 12 Sft.

Address: Being a part of premises No. 21, Kumarpara Road, P.S. Luluah, Dist. Howrah.

Deed No.: 579 of 1984.

SANKAR K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 12-11-1984 Seal:

person- namely:--

72-386GI[84

#### FORM ITNS----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1984

Ref. No. AC-33|ACQ, R-IV|CAL|84-85.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEF, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have teason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[and bearing

No. 21 situated at Kumarpara Road, Lilyah, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at S. JT. S.R. Howrah on 12-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the suid instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the guid

(1) Sri Kamala Kanta Das Kumurpara Road, Liluah, Howrah.

(2) M/s. Everest Industries, 4A, Jackson Lane, Calcutta-700 001.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said unmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: Undivided 7/18th share of land measuring 2 Bighas, 18 cottahs 3 chittaks 12 sft.
Address: 21, Kumarapara Road, P.S. Liluah, Dist. Howrah. Deed No. 580 of 1984.

> SANKAR K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwni Road, Calcutta-16

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:-

Date: 12-11-1984

(1) Smt. Laxmi Chamria of 2, Alipur Park Place, Calcutta-27.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Orient Copper Industries Ltd., 42|1 Strand Road, Calcutta-7.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-IV, CALCUITA

Calcutta, the 12th November 1984

Ref. No. AC-35;ACQ, R-IV|CAL|84-85.--Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 2691; of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to helieve that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 13 situated at Hurdult Rai Chammra Road Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.A. (Cal) on 28-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;--

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Exp: AMATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Land: 29 cottains, 3 chittaks 27 aft, of land with building, Address: 13, Hurduft Rai Chamaria Road, within Howrah Municipality, Howrah, Deed No.: 3756 of 1984.

> SANKAR K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-11-1984

Scal :

#### FORM ITNS

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1984

Ref. No. AC-36|ACQ.R-IV|CAL|84-85.—Whereas, I. SANKAR K. BANERJEE being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 160 situated at G. T. Road, Bally, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S.R.A. (Cal) on 27-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) The Official Liquidator—9, Old Post Office Street, Calcutta.

(Transferor)

(2) Sri Pabitra Kr. Dutta—7, Ram Mohan Lane, Calcutta. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: 160, G. T. Road, Bally, Howrah. (5 Bigha).

Address:

Deed No.: 3665 of 1984,

Date: 12-11-1984.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Calcutta-16

Date: 12-11-1984,

#### FURM ITNS----

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1984

Ref. No. AC-37|Acq. R-IV|Cal|84-85.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE being the Competent Authority under Section 260B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 14, situated at Dr. H. K. Chatterjee Lane, Ghusury, Howrah

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S.R.A. (Cal) on 27-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Ms. India Linoleums Limited, 91, R. N. Mukherjee Road, Calcutta-700 001.

(Transferor)

(2) Sri Ramesh Kumar Nangalia, 106, Girish Ghosh Road, Belurmath, Howrah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: 3 cottahs 13 chittaks & 35 sft. of land with building.
Address: 14. Dr. H. K. Chatterjee Lane, Ghusury, P. S. Bally, Howrah.
Deed No.: 3533 of 1984.

SANKAR K. BANFRJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Calcutta-16

Date: 12-11-1984.

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1984

Ref. No. AC-38/Acq. R-IV/Cal/84-85.—Whereas, f. SANKAR K. BANERJEE being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value avecaging Re. 25,000/a property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 14. situated at Dr. H. K. Chatterjee Lane, Ghusury. Howrah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Office; at S.R.A. (Cal) on 27-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :---

(1) M/s. India Linoleums Limited, 911, R. N. Mukherjee Road, Calcutta-700 001.

(Transferor)

(2) Smt. Manju Devi Agarwal Wjo. Sawarmal Agarwal 161, Muktaram Babu Street, Calcutta-7.

(Transferec)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: 1 cottah, 13 chittaks & 34 sft. of land with building. Address: Being portion of premises No. 14, Dr. H. K. Chatterjee Lane, P. S. Bally, Ghusury, Howrah, Deed No.: 3534 of 1984.

SANKAR K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Calcutta-16

Date: 12-11-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1984

Ref. No. AC-39|Acq. R-IV|Cal|84-85.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. 14, situated at Dr. H. K. Chatterjee Lane, Howrah (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S.R.A. (Cal) on 27-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than liften percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) M/s. India Linoleums Limited, 9/1, R. N. Mukherjee Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) M/s. Praveen (India) Limited, 32A, Chittaranjan Avenuc, Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: 6c cottahs, 6 chittaks 21 sft. with building. 14, Dr. H. K. Chatterjee Lane, P.S. Bally Ghusury, Howrah. Deed No.: 3535 of 1984.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Calcutta-16

Date: 12-11-1984,

Scal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV,

CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1984

Ref. No. AC-40|Acq. R-IV|Cal|84-85.--Whereas, I.

SANKAR K. BANERJEF being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

No. 14, situated at Dr. H. K. Chatterjee Lone. Ghusury, Howrah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 268AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at S.R.A. (Calcutta on 23-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Ms. India Linoleums Limited, 911, R. N. Mukherjee Road, Calcutta.

(Transferor)

 Sri Mahadev Seet Sri Shahdeo Seet, Vill. Khanpur, P.O. Chanditalla, Dist. Hooghly.

(Transferce)

Objection, if any, to be the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: 1 cottah 9 chittaks and 9 sft. of land with building.

Address: 14, Dr. H. K. Chatterjee Lane, Ghusury, P. S. Bally, Howrah.

Deed No.: 3536 of 1984.

SANKAR K. BANERJEF
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Calcutta-16

Date: 12-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUITA

Calcutta, the 12th November 1984

Ref. No. AC-41 Acq.R-IV Cal 84-85.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. 14 situated at Dr. H. K. Chatterjee Lane, Ghusury, Howrah.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.A. (Cal) on 23-3-84.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been rtuly stated in the said instrument o transfer with the object of:---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

73-386GI|84

(1) M|s. India Linoleums Limited, 9|1 R. N. Mukherlee Road, Calcutta-1.

(Transferor)

(2) Smt. Chandrawati Jaiswal, Sri Sanjay Kumar Jaiswal, 142, Acharya Prafulla Chandra Road, Calcutta-700 006.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

Land: 2 cottans 15 chittaks 41 stf & 2 cottans 07 chittaks 19 sft, of land with building.

Address: 14, Dr. H. K. Chatterjee Lane, P. S. Bally,

Ghusury, Howrah.
Deed No.: 3537 of 1984.

SANKAR K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 12-11-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUITA

Calcutta, the 12th November 1984

Ref. No. AC-42|Acq.R-IV|Cal|84-85.—Whereas, 1, SANKAR K. BANERJEE.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

No. 14 situated at Dr. H. K. Chatterjee Lane, Ghusury.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1998) in the office of the Registerating Officer at

of 1908) in the office of the Registerating Officer at S.R.A. (Cal.) on 23-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) M[s. India Linoleums Limited, 9|1 R. N. Mukherjee Road, Calcutta-1.

(Transferor)

(2) Shri Gopal Chandra Dey, Shri Susanta Kumar Dey, Shri Subir Kumar Dey, I, Sadar Baxi Lane, Howrah.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land: 4 cottahs 1 chittak 43 sft of land with building. Address: 14, Dr. H. K. Chatterjee Lane, P. S. Bally, Ghusury, Howrah.
Deed No.: 3538 of 1984.

> SANKAR K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 12-11-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA
Calcutta, the 12th November 1984

Ref. No. AC-43|Acq.R-IV|Cal|84-85.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. 14 situated at Dr. H. K. Chatterjee Lane, Ghusury,

Howrah, (and more fully, described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the ollice of Registering Officer at S.R.A. (Cal) on 23-3-84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this metice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. India Linoleums Limited, 9|1 R. N. Mukherjee Road, Calcutta-1,

(Transferor)

(2) Sri Dasrath Kumar Agarwal, 147A|2, Girish Ghosh Road, Ghusury, Howrah.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: 3 cottahs 2 chittaks 22 sft of land with building. Address: 14, Dr. H. K. Chatterjee Lane, Ghusury. P. S. Bally, Howrah, Deed No.: 3539 of 1984.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
54, Rafi Ahmed Kidwai Road

Calcutta-16

Date: 12-11-1984.

(1) Mis. India Linoleums Limited, 9|1 R. N. Mukherjee Road, Calcutta-1.

(Transferor)

(2) Smt. Uma Devi Jajodia, Wlo. Shashi Kant Jajodia, 5, Bentick Street, Calcutta-1,

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1984

Ref. No. AC-44|Acq.R-IV|Cal|84-85.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 14 situated at Dr. H. K. Chatterjee Lane, Ghusury, Howrah,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S.R.A. (Cal) on 23-3-84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcasid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land: 3 cottahs 5 chittaks 30 sft of land with building. Address: 14, Dr. H. K. Chatterjee Lane, P. S. Bally, Ghusury, Howrah.

Deed No. 3540 of 1984.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date: 12-11-1984

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mls. India Linoleums Limited. 91 R. N. Mukherjee Road, Calcutta-1.

(Transferor)

(2) Smt. Manju Devi Singhania, Wlo. Sri Santosh Kumar Singhania, , Southern Avenue, Calcutta-29.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1984

Ref. No. AC-45|Acq.R-1V|Cal|84-85,---Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing

No. 14 situated at Dr. H. K. Chatterjee Lane, Ghusury, Howrah.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A. (Cal) on 23-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

# THE SCHEDULE

Land: 3 cottahs 12 chittaks 26 sft of land with building. Address: 14, Dr. H. K. Chatterjee Lane, Ghusury, P. S. Bally, Howrah.

Deed No.: 3542 of 1984.

SANKAR K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 12-11-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1984

Ref. No. AC-46|Acq.R-IV|Cal|84-85.—Wherens, I, SANKAR K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 14 situated at Dr. H. K. Chatterjee Lane, Ghusury, Howrah, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S.R.A. (Cal) on 23-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property

as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and

that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. India Linoleums Limited, 9|1 R. N. Mukherjee Road, Calcutta-1.

(2) Sri Rameshwar Das Bansal, 48|D, Muktaram Babu Street, Calcutta-7. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land: 3 cottabs 11 chittaks sft of land with building. Address: 14, Dr. H. K. Chaterjee Lane, P. S. Bally, Ghusury, Howrah. Deed No.: 3543 of 1984.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
54. Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date: 12-11-1984.

Rs. 25,000|- and bearing

Howrah.

FORLI ITNS ---

(1) Dr. Gouranga Prasad Neogy, 204, G. T. Road, Howrah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. N. V. I. Engg. Co, Pvt. Ltd., 15, Dharamtolla Road, Howrah.

#### GOVERNMENT OF INDIA

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-IV, CALCUTTA Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Calcutta, the 12th November 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AC-47|Acq.R-IV|Cal|84-85,---Whereas, I,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

SANKAR K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S.R.A. (Cal) on 23-3-84.

No. 14 situated at Dr. H. K. Chatteriee I anc. Ghusury,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-fax Act 1957 (27 of 1957); Land Premises No. 204, G. T. Road, Belur, P. S. Bally, Howrah,
Address: Premises No. 204, G. T. Road, Belur, P.S. Bally, Howrah,
Deed No.: 3806 of 1984,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely (——

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
54, Rafi Alfmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date: 12-11-1984.

#### FORM ITNS----

(1) Sri Nanda Lai Kundu of 7/2, Beadon Row, Calcutta.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  Sri Prabir Kumar Sen; 2, Smt. Chandrabali Sen both of Premises No. 9, Block-BC, Sector-I, Salt Lake City, Calcutta-64.

('fransferce')

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1984

Ref. No. AR-83|Acq.R-II]Cal|84-85.—Whereas, J, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

AD-243 situated at Salt Lake City, Calcutta-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at R. A. Cal. on 12-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any facome arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

4.2692 Cottahs of land with two storied building situated at AD-243, P.S. Salt Lake City, Calcutta-64. More particularly described in Deed No. I 3041 of R.A. Cal of 1984.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date: 15-11-1984.

Soal:

#### FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Smt. Illa Dutta of 13A, New Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1984

Ref. No. AC-84|Acq.R-II|Cal|84-85,—Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs: 25,000|- and bearing

No. 14A situated at Burdwan Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of registering officer at S. R. A. Cal on 6-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) factifitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:——74—386GI84

(2) Bagrees Investments Pvt. Ltd. of 207, Maharshi Debendra Road, Calcutta. (Transferee)

(3) Tenants.

(Persons in Occupation)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Undivided 3/10th share of land measuring area 1 Bighas 6 cottabs 7 Chittacks 24 sft. with building situated at 14A, Burdwan Road, Calcutta, More particularly described in Deed No. I 2779 of S. R. A. Cal of 1984,

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54. Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date : 15-11-1984. Seal :

# NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1984

Ref. No. AC-85|Acq.R-II|Cal|84-85.—Whereas, I, S. K. BANERJEE,

theing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing

No. 14A situated at Burdwan Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S. R. A. Cal on 6-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, is
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 26SC of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Ila Dutta of 13A, New Road, Calcutta.
  (Transferor)
- (2) M|s. Bagri Synthetics Pvt. Ltd. of 33A, Chowringhee Road, Calcutta.

  (Transferee)
- (3) Tenants.

(Persons in occupation)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other \_\_\_\_\_n interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided 3|10th share of land measuring 1 Bigha 6 cottahs 7 chittacks 27 sft. with building situated at 14A, Burdwan Road, Calcutta, More particularly described in Deed No. I 2778 of S.R.A. Cal. of 1984.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date: 15-11-1984.

(1) Smt. Ila Dutta of 13A, New Road, Calcutta.
(Transferor)

(2) Bagri Impex Pvt. Ltd. of 13, Kyd Street, Calcutta. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE 'NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, CALCUITA

Calcutta, the 15th November 1984

Ref. No. AC-86|Acq.R-II|Cal|84-85,—Whereas, I, S. K. BANERJEE

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

No. 14A situated at Burdwan Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S.R.A. Cal on 6-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Undivided 2/5th share of land measuring 1 Bigha 6 Cox tahs 7 Chittacks 27 sft. with building situated at 14A. Burdwan Road, Calcutta. More part.cularly described in Deed No. I 2777 of S.R.A. Cal of 1984.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafl Ahmed Kidwal Road, Calcutta-16

Date: 15-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1984

Ref. No. 9C-87|Acq.R-II|Cal|84-85.—Whereas, I, S. K. BANERIEE

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

No. 142 situated at Bagmari Road, Calcutta-54

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Cul on 31-3-1984

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any facome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Guru Churan Basak of 142, Bagmari Road, Calcutta-54.

(Transferor)

(2) Mass Co-operative Housing Society Ltd. of 16, Bagmari Lane. Flat No. 7, Block-9, Calcutta-54.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 4.5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

3 Cottabs 10 sft. land with structure situated at 142, Bagmari Road, Calcutta-54, P. S. Manicktala. More Particularly described in Deed No. I 3917 of R.A. Cal of 1984.

S. K. BANERJEE.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafl Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 15-11-1984

(1) Sri Amarnath Dutta of 142, Bagmari Road, Calcutta-54.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mass Co-operative Housing Society Ltd. of 16, Bagmari Lane, Flat No. 7, Block-9, Calcutta-54. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1984

Ref. No. AC-88|Acq.R-II|Cal|84-85.—Whereas, I, S. KBANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. 142 situated at Bagmari Road, Calcutta-54

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

R. A. Cal. on 31-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said unmovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

Explanation:—The tel... and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any thoneys or other assets which have not been or which hught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

3 Cottahs 10 sft. land with structure situated at 142, Bagmarl Road, P. S. Manicktala, Calcutta-54. More particularly described in Deed No. I 3916 of R.A. Cal. of 1984.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-11-1984

#### FORM LINS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUITA

Calcutta, the 15th November 1984

Ref. No. AC-89|Acq.R-II|Cal|84-85.—Whereas, 1, S. K. BANERJEE,

teing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. 167 situated at S. N. Roy Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1098) in the office of Registering Officer at S.R.A., Cal. on 31-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1921 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-t Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Dipak Kumar Sinha Roy & Ors. all of 9. Dr. T. N. Mukherjee Street, Calcutta-33, P. S. Tollygunge.

(Transferor)

(2) Sri Ajay Kumar Rakshit of N-34, Panapukur Road, Calcutta-24, P.S. Garden Reach,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

11 Cottahs 20 Sft. land with building situated at 167 S. N. Roy Road, Calcutta, P. S. Behala. More particularly described in Deed No. I 3935 of S.R.A. Cal. of 1984.

S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 15-11-1984

(1) Smt. Champaklata Dutta of 14-B, Sabji Bagan Lane, Chetla, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 196! (43 OF 1961)

(2) The Bank of Rajasthan Ltd., of 31, Road, Calcutta-16.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Rof. No. AC-90 Acq.R-II, Cal 84-85.—Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. 9A 1A, situoted at Chetla Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at R.A. Cal. on 24-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair maket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) he and other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the rublication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

2nd Floor of southern side Flat containing an area of 9901 sft. situated at 9A/1A, Chetla Road, Calcutta. More particularly described in Deed No. I 3545 of R. A. Cal of 1984.

THE SCHEDULE

S. K. BANERJEE Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Il 54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 15-11-1984

# FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1984
Ref. No. AC-91|Acq.R-II|Cal|84-85.—Whereas, I, S. K. BANERJEE.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing

No. 9A|1B, situated at Chetla Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed 'hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1098) in the office of Registering Officer at R. A. Cal. on 24-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :----

- (a) facilitating the reduction or sventon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes or the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

(1) Smt. Renu Dutte of 14-B, Sabli Bagan Lane, Chetla, Calcutta.

(Transferor)

(2) The Bank of Rajasthan Ltd. of 31. Chowringhee Road, Calcutta-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning us given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

2nd Floor of Norther side Flat containing area of 990½ sft. situated at 9A/1B, Chetla Road, Calcutta. More particularly described in Deed No. 1 3544 of R.A. Cal of 1984.

S. K. BANERIEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
54, Rafi Abmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 15-11-1984

## FORM ITNS----

- (1) Smt. Renu Dutta of 14-B, Sabji Bagan Lane, Chetla Calcutta.
- (2) The Bank of Rajusthan Ltd. of 31. Chowringhee Road, Calcutta-16.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcuttus, the 15th November 1984

Ref. No. AC-92|Acq.R-II|Cal|84-85.—Whereas, I, S. K. BANERJFE.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and beating

No. 9A/1B, situated at Chetla Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at R.A. Cal. on 24-3-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by why other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

3rd floor of northern side flat containing an area of 9901 sft, situated at 9A 1B, Chetla Road, Calcutta. More particularly described in Deed No. I 3547 of R.A, Cal of 1984.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

75-386GI/84

Date: 15-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1984

Ref. No. AC-93|Acq.R-II|Cal|84-85.—Whereas, J. S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. 9A/1A situated at Chetla Road, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

1098) in the office of Registering Officer at R. A. Cal. on 24-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said costrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—75—386G184

(1) Smt. Champaklata Dutta of 14-B, Sabji Bagan Lane, Chetla Calcutta.

(Transferor)

(2) The Bank of Rajasthan Limited of 31 Chowringhee Road, Calcutta-16.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

3rd Floor of Southern Side Flat containing area 990 sft. situated at 9A/1A, Chetla Road, Calcutta. More particularly described in Deed No. I—3546 of R.A. Cal. of 1984.

S. K. BANERIFE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 15-11-1984

#### FORM I.T.N.S.—--

- (1) Smt. Sarla Navnit Vasc of 24B, New Road, Alipote. Calcutta.
- (Transferor)
  (2) M/s. Fawan Kumar Sethia of 161/1, Mahatma
  Gandhi Road, Calcutta-7.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1984

Ref. No. AC-94.|Acq.R-II|Cal|84-85.--Whereas, I, S. K. BANERJEE.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

No. 24B, situated at New Road, Aliporc, Calcutta (and more fully described in the schedule anunexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1098) in the office of Registering Officer at R.A., Cal on 28-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

1200 St. in respect of the said agaitments situated at 24B New Road, Alipore, Calcutta Apartment No. 7 & 8. More particularly described in Deed No. I-3743 of R.A.Cal., of

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissoner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Ra Ahmed Kidwai Road, Culcutta-16

Date: 15-11-1984

#### FORM I.T.N.S .---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-II, CALCUITA

Calcutta, the 15th November 1984

Ref. No. AC-95/Acq.R-II/Cal/84-85.—Whereas, I, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000)-

and bearing
No. Plot No. 239 situated at Block-B, Cal-89, Lake Town
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S.R.A, Cal on 26-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sri Saroj Ranjan Roy of 404, Forth Avenue, P. S. Kharagpur, Dist. Midnapore. (Transferor)
- (2) Sri Pranab Lal Mukherjee, 246|B, Block-B, Lake Town, Cal.-89.

  (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

4 Cottahs 11 Chittacks 37 Sft. land with structures situated at Plot No. 239, Block-B, P.S. Lake Town, Calcutta-89. More particularly described in Deed No. I-4537 of S.R.A. Cal of 1984.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
54, Ra Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 15-11-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 21st November 1984

Ref. No. A.P. No. 5711.—Whereas, I J L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1901) in the Office of the Registering Officer at Duthinda on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Vinod Kumar Slo Amar Nath Clo Tek Chand BKO of Shiv Charan Dass, Chamba Ram, Grain Market, Bathinda, Mukhtiarc-am of Lachman Singh Slo Kehar Singh, Kothi Kamake, Opposite NFL, Sivian Road, Bathinda.

(Transferor)

(2) Shri Luchman Singh Sjo Rajinder Singh Clo Tek Chand of Shivehatan Duss, Chamba Ram, Grain Market, Bathinda.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 nobve.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property
  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 107 on 1st floor 'A' building in Sunder Park at Off Veera Desai Road, Ambivii, Varsova Road, Andheri (West). Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARJI|37EF|11147|83-84 on 1-3-1984.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 21-11-1984

#### FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 21st Novemer 1984

Ref. No. A.P. No. 5712 & 5713.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000[and bearing No.

as per schedule situated at Bathinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the registernig officer

Bathinda on March & May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Ashok Kumar, Chartered Accountant Slo Brij Lal, Clo Bishambar Dass Roshan Lal, Dhobi Bazar, Bathinda.

(Transique) (2) Shri Tarsom Chand So Gandhi Ram & Avinash Singla Wo Vijay Kumar, Clo Vijay Cloth House, Dhobi Bz. Bathinda. (Transferce)

(3) As per sr. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the salu Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed No. 4975 of March 1984 and 965 of May 1984 of the Registering Authority, Bathinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 21-11-1984

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 21st Novemer 1984

Ref. No. A.P. No. 5714.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable of the contraction of the contra property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-

No, as per schedule sixuated at Talwandi Sabco

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) the Office of the

Registering Officer at Talwandi Saboo on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair mraket value of the aforesaid property and I have reason to oclieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of : --

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursons, namely :--

(1) Shri Ved Patkash Slo Bru (al, R'o Raman Mandi.

(Transferor)

1. Balak Ram So Jachhman Dass, Raman & Ram Lal So Ganga Ram, Raman Mandi.
 2. Ram Lal, Ramesh Kumar
 3. Rattan Chand So Kastoor Chand Co Banaesi Dass Rattan Chand, Raman Mandi.
 4. Raghbir Chand So Des Raj Co Des Raj Ragbbir Chand. Raman Mandi.
 5. Nand Lal Gupta, Contractor, Raman Mandi.
 6. Ram Pal Ashok Kumar Raman Mandi.
 7. Hakam Chand Kundun Lal. —do —
 8. Dhani Ram Raia Ram. —do—

7. Hakam Chand Kund'in Tal. —do—
8. Dhani Ram Raja Ram, —do—
9. Sat Pal Sati'h Kunar, —do—
10. Dharam Chand Jawabar Lal, —do—
11. Chanan Ram Rajesh Kumar, —do—
12. Baboo Ram Vijay Kumar, —do—
13. Arjan Singh Tirath Singh, —do—
14. Mariit Singh Amariit Singh —do—

14. Maniit Singh, Amarjit Singh, -doand

Ram Lal and Company, Rai Singh Nagar. 15. Nikkoo Ram Ved Parkash, Raman Mandi

16. Raja Ram Som Parkash. —do— 17. Norata Ram Natinder Kumar, —do—

Norata Ram Naunder Kumur, —do—
 Shivji Ram Ginder Kumar, —do—
 Hari Ram Brij Lal, —do—
 Dharam Pat Madan Lal, —do—
 Jot Ram, Surinder Kumar, Raj Kumar Bansal, Pawan Kumar Bansal Slo Brij Lal, Raman Mandi.
 Kewal Krishan Pawan Kumar, Raman Mandi.

23. Manohar Lal Sita Ram, --do--24. Sharda Mal Bhagwan Dass, Barretta, 25. Arjan Dass Chirani Lal, Raman Mandi, 26. Naresh Kumar Slo Mohan Lal, Sirsa

27 Suresh Kumar Slo Sita Ram, —do —
28 Ved Parkash Slo Manga Ram, —do —
Prem Kumar Slo Manga Ram, —do—
Prem Kumar Slo Manga Ram, —do—
29. Ganesha Mal Hakam Chand, Raman Mandi.

30. Raja Ram Tei Ram. --do--31. Ponagi Ram Paras Lal, Cloth dealer

32. Darshan Singh Didar Singh, -- do--

(Transferce)

\*(3) As per sr. 2 above.

(Person in occupation of the property)

\*(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed no. 2815 of March, 1984 of the Registering Authority. Bathinda.

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 21-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE **JALANDHAR**

Jajandhar, the 22nd November 1984

Ref. No. A.P. No. 5715 .- Whereas, I, J. L. GIRDHAR. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000. and bearing

No. as per schedule situated at Kot Kapura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot on March 1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforosaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ; -

- (a' facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any maneys or other assets which have not which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) S|Shii Nathu Ram, Mahesh Kumar Sslo Shri Kanhya Lal Clo Mis. Nathu Ram Vijay Eumar. Kot Kapura Distt. Faridkot.

(Transferor)

(2) Smt. Romesh Kumari Wo Shi Anil Kumar So Shri Desn Bandu of Ludhiana Clo M/s, Sunder Mal Jagan Nath Kot Kapura Disti, Faridkot,

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above and
1. Shri Rishan Singh, Goldsmith
2. M[s. Geeta Emporium
3. Shri Jhebar Mal S[o Shri Daulat Ram.
4. Shri Babu Ram S[o Shri Karori Mal

5. Shri Ram Saran Dass, Cloth Merchant Rlo Mehcshwari Street, Kot Kapura, Distt: Fariolot.

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property situated in Maheshwari Street, Kot Kapura and persons as mentioned in the registered sale deed No. 5346 of March, 1984 of the Registering Authority, Faridkot.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 22-11-1984

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACOUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 22nd November 1984

Ref. No. A.P. No. 5716.—Whereas, , J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immorable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Kot Kapura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Faridkot in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (a) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely; --

been transferred under registration Act, 1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officer at (1) Smt. Mohini Devi Wd of Shri Kanluaya Lal and has

Wolor Shri Kannaya Lai and Shri Subhash Chander Slo Shri Kanhya Lai Clo Mis. Nathu Ram Vijay Kumar, Kot Kapura Distt. Faridkot. and Ajmei Singh Slo Chanan Sigh, Rlo Hira Singh Nagar,

Kot Kapura

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Kumari

Wo Shri Raj Kumar of Ferozpur. Clo Mis Sunder Mal Jagan Nath,

Kot Kapura Distt. Faridkot.

and Ajmer Singh So Sh. Charan Singh, Ro Hira Singh Nagar, Kotkapura.

(Transferee)

(3) As S. No. 72 above and
1. Shri Kishan Singh, Goldsmith
2. M|s. Geeta Emporium
3. Shri Jhabar Mal S|o Shri Daulat Ram.
4. Shri Babu Ram S|o Shri Karori Mal 5. Shri Ram Saran Dass, Cloth Merchant.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property situated in Maheshwari Street, Kot Kapura and ersons as mentioned in the registered sale deed No. 5347 of March, 1984 of the Registering Authority, Faridkot.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 22-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE **JALANDHAR**

Jalandhar, the 22nd November 1984

Ref. No. A.P. No. 5717.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. as per schedule situated at Kot Kapura

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1901) in the Office of the Registering Officer at

Faridkot in March, 1984

far narrow for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as apparent to be transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :-

(1) Shri Vijay Kumar Sjo Shri Kanhya Lal Sjo Shri Chaman Mal and Rai Kumari Dio Shri Kanhya Lal Clo Mis. Sunder Mal Jagan Nath

Kot Kapura

(2) Shri Ajmer Singh Slo Shri Chanan Singh Slo Shri Sada Singh Rio Hira Singh Nagar, Kot Kapura, Distt. Faridkot.

(Transferee)

(Transferor)

(3) As S. No. 2 above and 1. Shri Kishan Singh, Goldsmith

2. M/s. Geeta Emporium
3. Shri Jhabar Mal S/o Shri Daulat Ram.
4. Shri Babu Ram S/o Shri Karori Mal Shri Ram Saran Dass, Cloth Merchant Rlo Meheswari Street, Kot Kapura

Distt: Faridkot.

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property situated in Maheshwari Street, Kot Kapura and persons as mentioned in the registered sale deed No. 5371 of March, 84 of the Registering Authority, Faridkot.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 22-11-1984

#### FORM LT.N.S.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 22nd November 1984

Ref. No. A.P. No. 5718.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competers Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing No. as per schedule situated at Ket Kapma

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Shanti Devi Wlo Shri Bhagwan Dass and So Shri Kanhya Lal Sio Shri Chanan Ram and Smt. Bimla Devi Woo Shri Sohan Lal Do Kanhaya Lal of Ms Nathu Ram Vijay Kumar Kot Kapura, Distt. Faridkot

(2) Shri Ajmer Singh So Shri Chanan Singh So Shri Sada Singh Rlo Hira Singh Nagar, Kot Kapura, Distt. Faridkot.

(Transferee)

(Transferor)

(3) As S. No. 2 above and 1. Shri Kishan Singh, Goldsmith

 Ms. Geeta Emporium
 Shri Jhabar Mal So Shri Daulat Ram.
 Shri Babu Ram So Shri Karori Mal 5. Shri Ram Saran Dass, Cloth Merchant Ro Meheshwari Street, Kot Kapura, Distt : Faridkot.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property situated in Maheshwari Street, Kot Kapura and person a asmentioned in the registered sale deed Ni. 92 of dated April 29, 1984 of the Registering Authority, Faridkot

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 22-11-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 22nd November 1984

Ref. No. A.P. No. 5719,—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. as per schedule situated at Kot Kapura

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:--

- (1) Smt. Pushpa Devi Do Shri Kanhya Lal Slo Shri Chanan Mal Clo Mis. Sunder Mal Jagan Nath
  - Kot Kapura, Distt. Faridkot

(Transferor)

(2) Shii Ajmer Singh So Shri Chanan Singh So Shri Sada Singh Rlo Hira Singh Nagar, Kot Kapura, Distt. Faridkot.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above and

1. Shri Kishan Singh, Goldsmith

1. Shiri Risian Shigh, Sondahan 2. Mls. Geeta Emporium 3. Shri Jhabar Mal Slo Shri Daulat Ram. 4. Shri Babu Ram Slo Shri Karori Mal 5. Shri Ram Saran Dass, Cloth Merchant Rlo Maheshwari Street, Kot Kapura,

Distt: Faridkot.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressings used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property situated in Maheshwari Street, Kot Kapura and ersons as mentioned in the registered sale deed No. dated April, 84 of the Registering Authority, Faridkot.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 22-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600006 the 6th November 1984

Ref. No. 80 March 84, Whereas, I, PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Lands at Molamangalam Agraharam Village situated at Molamangalam Agraharam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), under registration Act, 1908 (16 of 1901) in the Office of the Registering Officer at

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Sankaridurg (Dec. No. 207/84 on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Bhabayi, Wo Perumal;— Poongadu, Uppdi palayam.

Transferor

(2) Palaniswamy,
Asampalayam,
Molamangalam Agraharam,
Salem Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective personwhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at Modamangalam Agraharam Village (Dec. No. 207/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1 Madras-600006

Date: 6-11-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 10th November 1984

Ref. No. 83|March|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.

Lands at Mettu Palayam Village situated at Namakkal (and more fully described in the Scedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Mohanur (Doc. No. 206[84) on March, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri M. K. Nalliyanna Gounder, Maniyankali patti, Pettappalayam village, Namakkal Taluk, Salem District.

Transferor

 R. Udayavar, Rasi Komari Palayam St., Mohanur, Salem District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanatical:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given at that Chapter.

# THE SCHEDULE

Lands at Pettappalayam village (Doc. No. 206/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1 Madras-600006

Date: 10-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Periyaswamy, S[o Chengoda Gounder, Pallagudi village, Tiruchengodu taluk.

Transferor

(2) N. Mani and others, Kalli Goundampalayam, Tiruchengodu Taluk.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-60000, the 10th November 1984

Rof. No. 90|March|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|and bearing
Lands at Kalakagiri village situated at Kalakagiri
(and more fully described in the Schedula annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer
at S.R. Magundanchavadi (Doc. No. 260|84) on March, '84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have resson to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferorto pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said et, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Kalakagiri village (Doc. No. 260|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Madras-600006

Date: 10-11-1984

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 6th November 1984

Ref. No. 100 March 84, Whereas, I, PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Land and building at Valappadi Village situated at Salem (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Valappadi (Salem) (Doc. No. 1046|84 on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 T. A., Mohamed Sultan, S|o Abdul Aziz, Valappadi, Salem Taluk.

(Transferor)

(2) Shi Rajendran and others. Valappadi, Salem Tajuk,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Bullding at Valappadi (Salem) (Dec. No. 1046|84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1 Madras-600006

Date: 6-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 16th November 1984

Ref. No. 101|March|84.-Whereas, I, PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Lands at Bellakka Palayam situated at Namakkal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of

the Office of the Registering Officer at S.R. Kumarapalayam (Doc. No. 767|84) on March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

77---386GI|84

(1) Shri Kaveri Nadar, slo Nachi Nadar, Navakinathu Kadu, Maliakka Palayam village, Salem District.

Transferor

(2) Tan India Wattle Extracts Co. Ltd. Gandhipuram Centre St., Komarapalayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Bellakka Palayam village (Doc. No. 767|84)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta Acquisition Range-I, Madras-600006

Date: 16-11-1984

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006 29th October 1984

Ref. No. 19 March 84 R.II Whereas, I. MRS. M. SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing
No. S.F. No. 492, Velankurishi Village situated at

CoimbatoreTuluk.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Coimbatore (Doc. No. 949|84) on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in sespect of any income arising from the transfers and /or
- (1) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Sri G. Varadaraj, M. P. Managing Trustee of Mis. P. S. G. Industrial Institute, Colmbatore, as Court Receiver appointed by an order dt. 7-3-83 in E. A. No. 46 of 1983 E., P. No. 618 of 79 in D.S. No. 232 of 1961 on the file of the Subordinate Judge Court, order. (Transferor)

(2) M|s, Lakshmi Co-operative Building Society Ltd., No. K.2177, P.N. Palayam, Coimbatore-37. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land :- Velankirichi Village S.F. No. 492, Coimbatore Taluk. Coimbatore Doc. No 949 84.

> M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 29-10-1984

Segl :

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006 29th October 1984

Ref. No. 34[March 84]R.H.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Property as specified in schedule to Doc No. 266/84

situated at as schedule

fund more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirkali Doc. No. 266 84 on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the anofresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respectof of any meotic arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Sri Narasimhalu Naidu, Sarvashri 2. Bhakthavat-Salam and Venkatesan, sons of Sri Narasimhalu Naidu, Kila Nallur Pudu Theru, Kila Nallur. (Transferors)

(2) Smt. Hizrunnisa, wo Necru Abdul Azcez, Pudu Theru, Kila Nallur,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building: Property as specified in schedule to Doc. No. 266/84 Sirkali/Doc. No. 266/84.

M. SAMUFL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Mudras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date: 29-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006 29th October 1984

Ref. No. 32 March 84 R.H.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Property as specified in schedule situated at to Doc. No. 251184

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondichery Doc. No. 251 84 on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(0) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri N. Rajagopal Naidu, s|o Narasimbalu Naidu and 2, Narasimbalu Naidu, s|o Gopal Naidu, Pondicherry.

(Transferor)

(2) Mls. Brass Rubber Linings Pvt. Ltd., Defence Colony, Nandambakkam, Madras-600 097, Represented by its Technical Director, Sri M. Thandapani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning is given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land: Property as specified in Schedule to Doc. No. 251/84, Pondichery/Doc. No. 251/84.

M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1 Madras-600006

Date: 29-10-1984

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras, the 29th October 1984

Ref. No. 58|March 84|R.H Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and

bearing No.

Land in Ootacamund-Door Nos. 33 to 35 S. No. 1672 1, Ward No. 20

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

situated at Ootacamund
has been transferred under the Registration Act 1908,
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Uthagamandalam Doc. No. 274 84

on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Nilgiri Hotels & Properties Pvt. Ltd., 40, Gandhi Mandap Road, Madras.600 005. (Transferor)

(1) Sri C. Ramaswamy C. Srinivasan C. Thirumals
Minor R. Padmanabhan, Minor R. Krishnamurthy,
Minor R. Anand, Minor R. Purushothaman, Minor
S. Shankar by S. Vijayalakshmi Minor
T. Govindaraj by T. Rukmani, New Agraharam,
OOTACAMUND.

(Tsansferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the aid Act, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at S. No. 1672|1 of Ootacamund-Door Nos. 33 to 35 Ward No. 20 Asst. Nos. 5870 and 5871. Uthagamandalam|Doc. No. 274|84.

M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 29-10-84

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras, the 29th October 1984

Ref. No. 81 March 84 R.H.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value acceeding Rs. 25,000 and bearing No. 2, Kalanivasal Village, situated at Karaikudi (Agricultural land) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Karaikudi (Doc, No. 559/84 on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the matter has not been therefore the such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri Chakkappa Chettiar,
 s|o. A. S. K. Krishnappa Chettiar,
 Saminathan Chettiar St.,
 Ka. Muthupattipam, Karaikudi.

(Transferor)

 Dr. V. Muthiah s|o A. Veerappan, 135, Barathidasan St., Kalanivassal, Karaikudi
 Mariammal, Sri Ranganathan, 80, Kalanivasal Micenathipuram, Puduthlru Karaikudi
 Arumugam Ammal, w|o Sangunathan Alampatu Kallal Post, Karaikudi Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at Kalanivasal village, Karaikudi. Karaikudi]Doc. No. 559|84.

M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 29-10-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras, the 29th October 1984

Ref. No. 117 March 84 R.H.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing

Land at Karur

situated at Krishnarayapuram Sub district

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Krishnarayapuram. Doc. No. 233, 234, 235, 236, 237, 238|84

on March 1984

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Sti Mahadeva Iyer, slo Dorairaja Iyer, 1A Kalyanaranam, Trichy Town.

1A Kalyanapuram, Trichy Town,
2. Sri Venkatarama Iyer, so Dorairaja Iyer,
Trichy Town.

 Sri Ramakrishna Iyer, Slo Dorairaja Iyer, Trichy Town.

 Sri Dotairuja Iyer, s|o Pichukuppiar, Trichy Town.

Sri Gopulakrishna Iyer, so Dorairaja Iyer, Trichy Town.

(Transferor)

(2) Smt. Thayammal, wo Palanisamy, Paekiripalayam.
Smt. Samapoornam, wo Subbian, Ovalasu, Sri Ramalingam, so Muthusamy Gounder, Chongodampalayam.
Smt. Palaniammal, wo Chinnasamy Gounder, Molmahadanapuram.
Sri Nagarajan, so Chinnasamy Gounder, Molmahadanapuram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Karur, Krishnarayapuram sub district, Krishnarayapuram Doc. No. 233, 234, 235, 236, 237, 238

M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-10-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras, the 29th October 1984

Ref. No. 147 March 84 R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing Land at Mottupalayam, Taluk situated at Thokkampatti Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Udagamondalam Doc. No. 231 84

on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ed 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Date: 12-11-1984

 Sri M. V. Ramachandra Nnidu, so Venkataswamy Naidu, (2) Sri R. Venkataramani,
 R. Radhakrishan Cooperative Colony, Cooperative Colony, Mottupalayam.

(Transferor)

 1. Sri K. Krishnappa, s]o. Late Mudhappa Gowder
 2. Sri K. Satish Kumar, s]o M. Krishnappa, Kulkkali House, OOTY.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at R.S. No. 786, 787, Mottupalayam Taluk, Thokkampatty Village. Udhagamandalam|Doc. No. 231|84|

M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-Il
Madras-600 006

Date: 29-10-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras, the 29th October 1984

Ref. No. 148 March 84 R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,0000 and bearing No.

Rs.S. No. 4172, 4173, 4174 Property as specified in schedule to Doc. No. 249|84.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Nthagamandalam, Doc. No. 249 84

on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reaseon to celieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
78—386G184

 Sri Maridoswara Rao, s|o. Venkatarathinam, Smt. Dharamani wire of M. S. Ramanujam, Smt. R. Chandramani w|o Ram Mahan Rao, 1141|1, Rashtrapathi Road, Secundarabad.

Transferor)

 Sri K, Yathukulesh, son of Sri B, Krishnappa, Chandra Vilas, Ootacamund.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from time service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at R.S. No. 4172, 4173 4174-As specified in schedule to Doc. No. 249|84|Uthagamandalam|Doc. No. 249|84|

M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Madras-600 006

Date: 29-10-84

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras the 29th October 1984:

Ref. No. 152 March 84 R.H .- Whereas, I. MRS. M. SAMUFL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000|- and bearing

No. Land at

situated at Themporthinathan Village

at Udumalpet Doc. No. 475[84]

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at

on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tar (Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I beerby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the wid Act, to the following persons, namely :--

(1) Sri S. Voluchamy, A.26, Va. Vu. Si. Voodhi, Udumalaipottay. (Transferor)

(2) 1. Sri Vongadasamy Naidu-Sons,

 Sri Narayana Samy Naidu,
 Sri N. Mani, (2) Solvaraj, slo. Sri Vangadasamy Naidu, Vidyasagar St., UDUMALAI JETTAI.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at THENBOOTHI NATHAM VILLAGE. Udumnlpet|Doc No. 4751841

> M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 29-10-84

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras, the 14th November 1984

Ref. No. 157 March 84 R.H.-Whereas, I, MRS. M. SAMULL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and

bearing No. 136, Mambalam Village, Saidapet Taluk, situated at

Chingleput District 18, (New No. 11)

Pinjalasubramaniam Road T. Nagar, Madras-17

(and more fully described in the Schedule mexed hereto), hase been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at T. Nagar 231 84

on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partners has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Sri S. Vaidyanathan, So Late V. Sundaresa Iyer, 2. Sri V. Ramasubramanian, Slo Sri S. Vaidyanathan 3. Sri Balasubramaniam, Old No. 18, New No. 11, Pinjala Subramaniam Road, T. Nagar, Madras-17. (Transferor)
- (2) Sri N. Anantharaman, Soo Sri N. Narayanasamy, Sri K. Perumal Reddy, Soo Sri Dasu Reddy, Sri K. Munuswamy Reddy, Soo K. Rangappa Reddy, Sri A. Narasimba Reddy, So Subramania Reddy, 25, Rangier St., T. Nagar, Madras-17.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Old No. 18, New No. 11, Pinjala Subramaniam Road, T. Nagar, Madras-17. T. Nogar 231 84.

> M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 29-10-84

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

MADRAS-600 006

Madras, the 29th October 1984

Ref. No. 197|March 84|R.11.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Rs. 25,000|- and bearing Rs. 25,000|- and bearing Rs. 25,000|- and at Pollachi Taluk situated at Pollachi Town, Survey ward No. 5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pollachi|Doc. No. 481|84 on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri P. V. Ramakrishna Rao, So Venkatachelam, 63A, Coimbatore Road Pollachi.
- (2) M/s. Kanakavol Enterprises, Manageing Partner, B. Kanakasabapathy, 14, Vivekananda St., Mahalingapuram, Pollachi.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovsble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Ward No. 5 Pollachi TALUK. Pollachi Doc. No. 431|84.

M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 29-10-84

Sen1:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Smt. Kuppammal and Smt. Danabagyam; Wlo Sri Somasundaram, 134, Vaikalkarai Theru, Karunthatankudi.

(Transferor)

\_\_\_\_\_

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Mohanasundari, Wo Sambasiyam, 145, Vandikara Theru, No. 1 Road, Thanjavur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras, the 29th October 1984

Ker. No. 243 March 84 R.II.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Property as seepified in Doc. No. 529|84 situated at Kadathadappai|Pillainallur (and more fully described in the Schedule approved hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration  $\Lambda$ ct, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Maharanambuchavadi|Doc. No. 529|84

on March 1984

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the refraction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Land at Kadakadappai-Pillainellur. Property as specified in schedule to Doc. No. 529|84. Maharanombuchavadi Doc. No. 529|84.

> M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 29-10-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras, the 29th October 1984

Ref. No. 244 March 84 R.H.-Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1964) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing bearing No. Land at Kollankoil Village,

situatideSHRDL CMFW SHRD SHRD SHR SHR SHRSHD

situated at Erode (Sivagiri)

(and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Officer at Sivagiri (Doc. No. 228|84)

on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tranfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subaforesaid property by section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sri L, Ramasamy Mudaliar, Slo Lakshmana Mudaliar, Thandamapalayam, Kollankoii Village, Erode.

(Transferor)

(2) Minors: - Mohanasundaram, 2. Vengadajala pathy, sons of Late K. V. Palaniappan, By mother and natural guardian, Valliammal, Kamarajar Nagar, Kobbankoil Village, Erode. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property\* may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Kollankoil Village, Erode District, Sivagiri. SivagirilDoc. No. 228|84.

> M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 29-10-84

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras, the 29th October 1984

Ref. No. 254 March 84 R.H.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasn to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

bearing No. Land at Mathuvarayapuram Village,

situated at Coimbatore district

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Thondamudur, Doc No. 172|84

on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--.

(1) Smt. Kamakshi Wo Krishnaswamy Chettiar, 65|4, Siruvani Road, Mathuvarayapuram, Alandurai, Coimbatore.

(Transferor)

(2) M/3 Kerala Matcheries Private Ltd., Bangalore Mis Kerata Matcheries Private Ltd., Bangatore represented by Mr. David J. Lobee Slo Late Francis Xavier Lobe, Manuging Director of Kerala Matcheries P. Ltd. Saint Patrie's Complex III Floor, Brigade Road, Banagalore-25

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Property as specified in schedule to Doc. No. 172/84. Thondamudur.

> M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 Madras-600 006

Date: 29-10-84

Seal ·

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONLING OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 29th October 1984

Ref. No. 268|March 84|R.II.—Whereas, J. MRS, M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing

No. Property as specified in schedule to

Doc. No. 1571 84 situated at

Trichy-Thamalavarubayam Village,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Trichy Doc. No. 1571 84

on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesuid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Meenakshi Ammal, Wo Sri R. S. Vaidyanathan 47C, West Extension, Thillainagar, Trichy-18.

(Transferor)

(2) Smt. Rajeswari Ammal, Wo Sri Natesa Pillai No. 71, Andavor Veedhi, Shillainagar, Trichy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land:—Trichy—Property as specified in Doc. No. 1571|84. Trichy|1571|84 (Doc. No.).

M. SAMUEL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras.

Date: 29-10-84

#### FORM ITNS ---

(1) Smt. C. Prabhavathi, Wo K. Chinnababu, 6, Salai Road, Thillai Nagar, Trichy.

(Transferor)

Shri K. Chinnabahu, so R. Krishnasamy Chettiar.
 Salai Road, Thillai Nagar, Trichy.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 29th October 1984

Ref. No. 271|March 84|R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25.000L and bearing No.

Rs. 25,000 - and bearing No.
Survey 2 10 Ward K. Block 2, situated at Abishekapuram (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

of the Registering Officer at Trichy Doc. No. 1384 84 on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building: Survey No. 2|10 (Part), Ward K. Block 2, Abishekapuram, Village. TrichylDoc. No. 1384|84.

M. SAMUEI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow the persons, namely:—
79-386GII84

Date: 29-10-1984

(1) Sri N. Damodaraswamy, s/o Jennar Narayanasamy Naidu, V. K. Road, Peelamedu.

(Transferor)

- (2) 1. Sri K. Doraisamy,
  2. Sri D. Sundararajan slo K. Doraisamy,
  3. Smt. K. Sarojini wlo K. K. Kondaswamy,
  - 4. Ranjithamani wlo Kasthurisamy, Smt. D. Meera wlo Dhandapani,

6. R. Santhamani wo D. Ramadurai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 29th October 1984

Ref. No. 293 March 84 R.H. - Whereas, I. MRS. M. SAMUAI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Land and building at Velankanni Village situated at Coimbatote Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the aprties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer. and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1422) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-Seal :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein rare defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULF

Land and building: At Vailankanni Village, Coimbatore Town. Gandhipuram Doc. No. 857 84.

M. SAMUFL

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 29-10-1984

#### FORM ITNS ...

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 12th November 1984

Ref. No. 314 March 84 R.H.-Whereas, I,

MRS. M. SAMUAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. T.S. No. 78. Block No. 29. Field No. 16|1 No. 117, Pallipattu

Village 4th Main Road, Kasthuribai Nagar situated at Adyar, Madras-28

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Adyar Doe. No. 629 84 on March, 1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any racintating the concentration of the not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the and Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

(1) Sri T. R. Matarajan sjo T. N. Ramalingam. 31, 3rd Main Road, Kasthuribai Nagar. Adyar, Madras-20.

(Transferor)

(2) Mrs. S. Vasantha, wo A. Sundaramurthy, 12, Rakkiappa Mudali St., 1st Lane, Myapore, Madras-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at: T. S. No. 78, Block No. 29, Field No. 61, 117, Pallipattu Village, now Kottur Village, 4th Main Road. Kasthuribai Nagar, Adyar, Madras-28, Advar Doc. 629 84.

> M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta-Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 12-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006 MADRAS-600 006, the 14th November 1984

Ref. No. 322 March 84 R.II.--Whereas, I, MRS. M. SAMUAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

S. No. 248 (Part) Plot No. 968, K. K. Nagar situated at A. R. Lakshmanaswamy Road, Virugambakkam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Virugambakkam Doc. No. 1064 84 on March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- ta, facilitating the reduction or evasion of the nability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tar Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Smt. K. Amirthavalli, No. 193, M. V. N. Lay Out, Coimbatore 12. (Transferor)
- (2) I. Sri M. Mohan,2. Sri M. Mohanan,No. 12, Raja St., T. Nagar, Madras-17. (Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Land and building: S. No. 248 (Part) Plot No. 968, K. K. Nagar, A. R. Lukshmanasamy Road, Virugambakkam. Doc. No. 1064[84]Virugambakkam.

> M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600006

Onte: 29-10-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 29th October 1984

Ref. No. 328 March 1984 R.U.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUAI, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No.
D. Nos. 404 to 406, Thadagam Road, situated at R. S. Puram, Thadagam Extension, Mettupalayam, Coimbatore Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore Doc. No. 1612 84 on March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :---

- (1) M/s Vijayadeepa Constructions. a partnership firm rep. by Sri V. Loganathan, Partner, So K. T. Venkatarama Reddy, branch office at 405, Thadagam Road, Coimbatore-40. (Transferor)
- (2) Mrs. Thangam Krishnan, wo V. Krishnan, Desabandhu St., Ramnagar, Coimbatore-9. (Transferee)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at L. Nos. 404 to 406, Thadagam Road, R. S. Puram. Thadagam Extension, Mettupalayam, Coimbatore. Coimbatore. Doc. No. 1612/84.

M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006

Oate: 29-10-1984 Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 29th October 1984

Ref. No. 335 March 84 R.H.—Whereas, I, MRS. M. SAMUAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable constant value exceeding Rs. 25,000/property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Door No. 34A, Kottampatti Village situated at Pollachi,

Thiruppur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Pollachi Doc. No. 690 84, 691 84 on March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; emog /ox
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

(1) Sri Maiyil Samy Gounder slo Palanisamy Gounder. Rajakkapalayam. Suit. Alli Ammal wo Mail Samy Gounder, Rajakkalayam, Pollachi Vattam.

(Transferor)

(2) Snit. N. Linganayaki, wlo S. Natarajan, T. Kottampatti, Pollachi. Sri S. Natarajan s o Subbay Gounder, T. Kottampatti, Pollachi Towo, Pollachi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at 34A, Kottampatti Village, Pollachi Municipality, Thiruppur Town. Pollachi Doc. No. 690 691 84.

> M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 29-10-1984

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 29th October 1984

Ref. No. 337 March 84 R.H.—Whereas, 1,

MRS. M. SAMUAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 174-C, Madurai Road, Trichy Town, situated at Trichy

District

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office, at Trichy(Doc. No. 556/84 on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the pair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the shellity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269I) of the said Act to the following persons, namely:—-

(1) Sri M. Siyajuddin, slo M. M. Mohd. Gani, clo "Star Cinema Theatro". 174, Madurai Road, Trichy Town.

(Transferor)

(2) Sri M. M. Tajuddin slo M. M. Mohd, Rowthor, Varagaueri Mettutheru, Trichy Town.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the axid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building: 174C, Old ward 4. Block 2, Madurai Road, Trichy Town. TrichylDoc. No. 556/84.

M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madra -600006

Date : 29-10-1984

### FORM I.T.N.S.—-

(1) Sri P. Gopinatha Pillai, Lakshimi Čashew Corporation, P.B. No. 48, Quilon, Kerala.

('Fransferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006 the 27th October 1984

Ref. No. 53|March 84|R.II.-Whereas, I, MRS, M. SAMUAI,

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing

No. 1, Moore Road, Nungambakkam situated at Madras-600006

and/or

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights (Doc. No. 135/84) in March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the purities has not been truly estated in as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumen tof transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(2) Sri Motiram Newandrum, Sri Bagwanti Motiram. Sri Ramesh Motiram. Shivalaya Buildings, A Block, 8th fiftoor, 211-212-Commander in Chief Road, Madras-600 105.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at No. 1, Moors Road, Nungambakkam, Madras-34. Doc. No. 135/84/Thousandlights,

> M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 27-10-1984

(1) Sri S. Ranganathan, so. Sabapathi, 545, Gandhiroad, Kancheepuram.

(2) Sri Vellasamyndar, slo. Palavelam

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Pullonoickenpatti, Aruppukettai Taluk. GOVERNMENT OF INDIA Tirunelveli Dist.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 29th October 1984

Ref. No. 74|March 84|R.H. Whereas. MRS. M. SAMUAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|and bearing

Door No. 545, T. S. No. 2156, 2nd Division situated at Audisonpettai, Gandhiroad, Kancheepuram Town. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Kancheepuram Doc. No. 333|84 in March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovof the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amots which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

80-386 GI 84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at: Door No. 545, T. S. No. 2156, 2nd division, Audisonpettai, Gandhi Road, Kancheepuram. Kancheepuram Doc. No. 333|84.

> M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006

Date 29-10-1984 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 29th October 1984

Ref. No. 79 March 84 A. R.II, Whereas, I, MRS. M. SAMUAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,005 and bearing

No. Land and building at situated at Pudukkottai Town. - As

specified in Doc. No. 456 84 (and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudukkottai|Doc. No. 456|84 in March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid avacade the constant consideration, therefore her more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Subbulakshmi, wo Chellappa Chettiar,

and their sons: (1) Sri S. Rajagopalan (2) Sri S. Palaniappan (3) Sri S. Arumugham, South - 4 T. S. 4050, Pudukkottai Town.

(Transferor)

(2) Smt. M. Vallikkannu, wo Sri Muthuppalanjappan, Kulipirai, Kulipirai Vattam, Thirumayam Talug, Pudukkottai District,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building: South 4th Street, Pudukkottai Town, Pudukkottai Doc. No. 456/84,

M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006

Date 29-10-1984 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 29th October 1984

Ref. No. 86 March 84 A. R. II Whereas, I, MRS. M. SAMUAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. Land and building at S. No. 18A]3, situated at Plot No. 6, Srinivasapuram. Pattukotlid

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pattukottai - Dec. No. 118/84 on March, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) factivating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Ayyaru, slo Chockalingam Chettiar, Srinivasapuram, Pattukottai,

(Transferor)

(2) Sti K. Kumatavel, slo Kuppusamy, Clo Sri Ayyaru, Srinivasapuram, Pattukkottai.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building: Plot No. 6 Survey No. 18A|3, Srinivasapuram, Pattkottai. Pattukottai|Dec. No. 118|84

M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 29-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 29th October 1984

Ref. No. 87 March 84 R.II Whereas, I. MRS. M. SAMUAI,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing No. Land and specified in schedule to situated at Dec. No.

630|84 at (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Perianaickeppalayam, Doc. No. 680|84 in March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely:—

(1) Smt. Rajammal, wo Sri Ramakrishnan Naidu, (2) Smt. Hamsaveni, wo Narayanaswamy Naidu, Smt. Andal, wo Palanisamy Naidu, Sri Palanisamy Naidu, so Sri Rangasamy Naidu, and Srl P. Ramanathan, so Palanisamy Naidu co Ms. G. R. G. Polytechnic for Women, Jothipuram.

(Transferor)

(2) Mls, G. R. G. Polytechnic for Women, By correspondent, Sri K. Rangaswamy, Jothipuram,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land: Property as specified in Schedule to Doc. No. 680/84 Perianaickenpalayam/Dec. No. 680/84

M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 29-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

MADRAS-600 006, the 28th October 1984

Ref. N.o.89|Match|84|A,R.H.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

Land as specified in Schedule to Doc. No. 692/84 situated at Vellamadai Village

fund more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Perianaickenpalayam (Doc. No. 692|84) on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Lakshmi Ammal,
wlo. Ramasamy Naidu,
Thottipalayam.
(2) Jayaprakash, slo. Ramasaminaidu,
Thottipalayam.
(Transferor)

 Sti Atunachalam, slo C. Marappa Gounder, Onnipalayam, Pilichi Village.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl Land: at Vellamadai Village. Perianaickenpalayam] Doc. No. 692 84.

M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-11-1984

(1) M|s. K. Lakkay Gowder Trust, Machurst, Ootacamund.

(2) Mrs. Sara C. Jacob,

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006,

Madras-600 006, the 29th October 1984

Ref. No.97|March|84|A.R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing Land at

situated at Ootacamund Town,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Uthagamandalam (Doc. No. 299|84) on March 1984

at Uthagamandalam (Doc. No. 299|84) on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any naoneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Wo Dr. M. C. Jacob, Mattothra Thazhvara, Muttampalam, Kottayam, Kerala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Ootacamund Town. (R.S. No. 3974|1 and 3974|2) Uthagamandalam|Doc. No. 299|84).

. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 29-10-1984

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006,

Madras-600 006, the 29th October 1984

Ref. No.99|March|84|A.R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

Property as specified in schedule

situated at to document No. 335 of 1984 (Agricultural land) at Uthagamandalam (Doc. No. 335 of 1984)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Uthagamandalam (Doc. No. 335 of 1984 in March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respective of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sii J. K. R. Angappa Chettiar, so J. K. Kandaswamy Chettiar,
   Smt. A. Kannammal,
   Wo J. K. K. Angappa Chettiar,
   Master J. K. Kumarajiah, Jamtril Illam,
   Salem Main Road, Kumarapalayam.

  (Transferor)
- (2) Shri N. Mohan, So Navalrauttam Chand, 2. Sri N. Narcsh, so Mohan, 3. Sri N. Pradeep, so Mohan, Smithe Buildings, Commissioners Road, Ooty.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this ntice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building: As specified in schedule to Doc. No. 335|84, Uthagamandalam|Doc. No. 335|84.

M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 29-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 29th October 1984

Ref. No.102|March|84|A.R.II.-Whereas, J.

MIS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing

Land at Karur Village, Melakkarur Vattam,

situated at Karur

at Melakarur (Doc. No. 746|84) on March 1984

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Melakarur (Doc. No. 746 84) on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri N. Shanmugham, slo P. Nataraja Mudaliar, Kasim Sayub St., Karur Town. Trichy.

(Transferor)

(2) Sri Vengamedu Anna Weaving Cooperative Society, Represented by Sri P. Subramaniam Karur, Trichy

('Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service ot notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Karur Village, Melakarur Vattam, Karur. Melakarur Doc. No. 746 84.

> M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-Il Mad(as-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date Seal 29-10-1984 

#### FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Sri T. Baladandayuthapani Mooppanar. Trustee, Kandasamymooppanar, Private Chart, Kumbakonam.

(Transferor)

(2) Sri T. Baladandayuthapani Mooppaner, slo R. Kandasamy Mooppanar, Vadakkuveedhi, Kumbakonam.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 29th October 1984

Ref. No.110 March 84 AR II.—Whereas, I.

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing Agricultural land at

situated at Kumbakonam.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Kumbakonam (Doc. No. 504|84)

on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the publication of this notice in the Official

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural land at Kumbakonam, Tanjore District | Kumbakonam/Doc. No. 504/84.

THE SCHEDULE

M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Madras 600 006

Date: 29-10-1984 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:—

226CC184 81-386GU84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006,

Madras-600 006, the 29th October 1984

Ref. No.120|March|84|A.R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Land at Sivagiri, situated at Erode.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Sivagiri (Doc. No. 292|84) on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Sri S. Seshadri, s|o S. V. Subramania Iyer Sri S. Viswanathan, S. Siyasubramanian, Minor S. Ramasubramanian, Seethalakshmi, Bagyalakshmi, Kandappagounder Valusu, Murungatholuvu Village.

(Transferor)

(2) Sri M. Palanichami, s|o N. Muthusamy Gounder, Thambiran Valasu Vadugapatti.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at Arachaloor Village, Sivagiri Sub district, Erode District, Sivagiri Doc. No. 292/84.

M. SAMUEI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 29-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006,

Madras 600 006, the 29th October 1984

Ref. No.121|March|84|A.R.II.-Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing No. Land at Rakiapalayam Village, Perundurai Taluk, situated at Uthukuli, Frode.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the

Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Uthukuli (Doc. No. 97'84) on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to be-lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sri K. C. Chidambara Gounder, slo Sri Chinnaranga Gounder, Chengattuthottam, Rachkiapalayam Village.

(Transferor)

(2) Sri K. Vivekanandan, S|o Sri K. Chaithamalai Gounder, Vadakkuthottam, Uthukolli.

(Transferee)

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land at Rachiapalayam Village, Chattiperundurai Taluk, Uthukuli, Erode, Uthukuli Doc. No. 97 84.

> M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 29-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRA5-600 006,

Madras 600 006, the 29th October 1984

Ref. No. 122[March[84]A.R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinalter referred to as the said Act.) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No. Land at Varadampalayam

situated at Varadampalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer

at Sathyamangalam Doc. No. 630/84 on March 1984 which is less than the fair market value of the aforcsaid proparty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facultating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :--

(1) Smt. Subbulakshmi, wo S. R. Santhanam, Old Post office street, Kottuvcerampalayam, Sathyamangalam.

(Transferor)

(2) Shri Minor Nandakumar, Slo Subramanlan, Guardian, and Mother Snu. Lalitha, Soundappur, Gopichettipalayam,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Varadampalayam. Sathyamangalam Doc. Land at No. 630 84.

> M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range-107 Madras-600 006

Date: 29-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006,

Madras-600 006, the 29th October 1984

Ref. No.150 March 84 A.R. II. -- Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No. Ward 8, Door No. 45, Manakkadavu Village, situated at Darapuram Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Dharapuram (Doc. No. 505|84) on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Sri Karuppanagounder, soo Sri Kumarappa Gounder, Therpatti, Manakkadavu, Village, Dharapulam Taluk.

(Transferor)

(2) Sri Kuppusamy, Sjo Sri Kuppusamy Gounder,

Sri Duraisamy,
 Thangavelu, s o Kuppanagounder,

Thulukkanoor, Kolathupalayam, Darapuram.

4. Sri Subramaniam, Slo Thangavelu, —do— Darapuram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the late of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at Ward No. 8, Door No. 45, Manakkadavu Village, Darapuram Taluk. Darapuram Doc, No. 505 84.

> M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Inconc-tax, Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 29-10-1984

(1) Sri K. R. Murugananth, West Vengadasamy, Road, R. S. Puram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri Viswanathan, (2) Saraswathi,

(3) Shanmugham Achari, (4) Guruvammal, (5) Jayaramachandran, (6) Kanchanamala,

R. S Puram, Coimbatore.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006,

Madras-600 006, the 29th October 1984

Ref. No.214|March|84|A.R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Agricultural land

situated at Kumarapalayam Village, Coimbatore District. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 1139|84) on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-The terms and expressions used herein •• are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land at Kumarapolayam Village Coimbatore District. Coimbatore Doc. No. 1139 84.

> M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 29-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14 ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984

Ref. No. 1AC|Acq|H|8R-1|3-84|1133.--Whereas, I, Sh. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re. 25,000/and bearing

No. 2925, Gali Taksalian Khurd Ward situated No. IX, Bazar

Siteram, Delhi

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at new Delhi on March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Ram Kumar Mittal s|o Sh. Mani Ram,
C-4|313, S.D.A. Hauz Khas,
New Delhi
for self and as attorney of
Smt. Kamlesh Gupta
W|o Sh. Madan Mohan Gupta,
Smt. Suman Lata,
W|o Sh. Ramesh Chand Gupta
415-B. Mohalla Khurbara,
Dehradun (U.P.)

(Transferor)

(2) Shri Ved Parkash Sharma s|o Pt. Anantram Sharma, 3075, Charkbewalan, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 share of Property No. 1925, Gali Taksalian Khurd, Ward No. IX, Bazar Sitaram, Delhi. Mg. 56 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Aggarwal House,
4 | 14A Asaf Ali Road,
Delhi|New Delhi

Date: 17-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACUISITION RANGE-II, A'GGARWAL HOUSE, 4|14 ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-I|3-84|1133,--Whereas, I, Sh. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

No. 2925, Gali Taksalian Khurdfi, situated at Ward No. IX, No. 2925, Gali Haksalian Khurd, situated at Ward No. IX, Bazar Sitaram, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Ram Kumar Mittal so Sh. Mani Ram C-4|313, S.D.A. Hauz Khas, New Delhi for self and as attorney of Smt. Kamlesh Gupta wo Madan Mohan Gupta Smt. Suman Lata wo Sh. Ramesh Chahd Gupta, 415-B, Mohalla Khurbara, Dehrawun (U.P.)

(Transferor)

(2) Sh. Ved Prakash Sharma so Pt. Anantram Sharma, 3075, Charkhewalan, Delhi-6.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/2 share of property No. 2925, Gali Taksalian Khurd, Ward No. IX, Bazar Sitaram, Delhi Mg. 56 Sq. Yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JI, Aggarwal House, 4 14A Asaf Ali Road, Delhi New Delhi

Date: 17-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4|14 ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984 -

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|3-84|1139.—Whereas I, Sh. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Licome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing
No. 1747, situated at Chirakhana, Delhi

No. 1747, situated at Chirakhana, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at new Delhi on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Sh. Sudhir Behari slo Late Sh. Jagdish Sanai & Others, 24 School Lane, Lew Delhi.

(Transferor)

,2( Sh. Kaj Narain so Sh. Babu Ram B-136, Ram Gali, Ghonda Shahdara, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the a equisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 1748, Chirakhana, Delhi, Mg. 125 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road,
Delhi|Ncw Delhi

Date: 17-11-1984

Shri Sudhir Kumar Jain so Sh. A. P. Jain, 3028 Gali Chotti Kalyan Singh Morl Gate, Dedhi-6.

(Transferor)

(2) Shri S. Sawaya Singh so S. Hai Singh so Hari Singh, C-571, Mailis Park, Dedhi-33.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4|14 ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|3-84|1140,-Whereas I.

Sh. R. P. RAJESH, treing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable and the said Act') have reason to believe that the immovable and the said Act'. property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 587 Block C, situater at Village Azad pur, Delhi and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at new Delhi on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 587 Block C Village Azadpur, Khasra No. 63, Mg. 216 Sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Aggarwal House, 4 14A Asaf Ali Road, Delhi New Delhi

Date: 17-11-1984

#### FORM No. I.T.N.S .-

(1) Sh. Manohar Lal, F-105, Rajouri Garden, New Dedhi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S|Sh. Radhey Shyam Jolly & Raj Kumar Jolly, C|147-B, Moti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14 ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|3-84|SR-1|1141.—Whereas I, Sh. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

No. C|147-B, situated at Moti Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Aot, 1908 (16 of 1908) in teh Offime of the registering Officer at new Delhi on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publiction of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein has are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Qr. No. C/147-B, Moti Nagar, New Delhi. M g.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Aggarwal House,
"14A Asaf Ali Road,
Delhi[New Delhi

Date: 17-11-1984

## NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984

Ref. No. IAC[Acq.II]SR-1|3-84|1145,—Whereas Sh. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. B 144 situated at West Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trady stated in the suid instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the numposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Anil Kumar Huja slo Sh. R. N. Huja B-11/101-D, Safdarjung Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Laxami Devi wo Sh. Nibha Ram, 3120 Lal Kuan, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period-of 30 days; om the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Bi144 West Putel Nagar, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Aggarwal House,
4 | 14 \( \) Assi Ali Road,
Delhi | New Delhi

Date : 17-11-1984 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION PANGE-II NEW DELHI 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|3-84|1152.—Whereas, I, SH. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of he Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. 4589 Kucha B. B. Gohar, situated at Charkhewalan, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Office of the Registering Officer at

on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Prem Lata through, Sh. Ishwar Nath Nigam r|o IX|2080, Gali No. 6, Kailash Nagar Gandhi Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kailash Wati w|o Sh.
Mukat Lal 1467, Dariba Kalan, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2 3rd undivided share Property No. 4589, Kucha B.B. Gohar, Charkhewalan, Delhi Mg. 104 Sq. Lds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Date: 17-11-1984

Seal 🔞

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II NEW DFLHI 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|3-84|1153.—Whereas, 1, SH. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Ac., 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D. S. Property No. 1|335, situated at Punja Sharif Kashmere Gate Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) Baldev Raj Kohli slo Late, Sh. Arjun Dev Dohli Al116, Phase I. Ashok Vihar Delhi

(Tranferor)

(2) Surjit Singh Kohli s|o Late Sh. Sujan Singh Kohli D-11|15, Model Town, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. 1|335, Punja Sherif Kashmere Gate, Oelhi, Mg. 120 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi New Delhi

Date: 17-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 4 14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|3-84|1157,—Whereas, J. Sh. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. No. H-2, Khasha No. 1598,

situoted at Billage Bassai Darapur, Abadi Bali Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in teh Offime of the registering Officer

on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mad/ox
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Ram Piara son of late Sh. Roop Chand, T-150, Baljit Nagar, Near West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Kanahiya Lal Bajaj son of Late Sh. Ghannu Ram Bajaj rjo Village and Post Office, Kheri Karik, Distt. Hissar, (Harvana) and Smt. Sarla Aani Wo Sh. Her Parshad Kalva, 138 Mohalla Kassayian Hissar (Haryana),

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. H.2 Khasra No. 1598, Darapur, Abadi Bali Nagar, New Delhi. Mk. 150 Sq. Yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Date: 17-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. CUMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|3-84|1158.—Whereas I.

Sh. R. P. RAJESH, being the Competent Authority under sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immes the property of angla fair market value exceeding Rs. 25.000[- and bearing

No. 46

situat d at I ohna Singh Market, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at in March, 1984

fc an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the turr market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more thar fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor

(5) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1922 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Smt. Ram Ditil who Sh. Nand Lal 5593, Gali No. 2, New Chandrawal, Delhi (Transferor)

(2) 1. Sh. Igbal Singh Khanna 2. Sh. Jag Mohan Singh Khanna soo Sh. Aytar Singh Khanna C-3/3, Rana Pratap Bagh, Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetie or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter

## THE SCHEDULE

Govt. Built Shop No. 46 Lehna Singh Market Delhi M.g.

R. P. RAIFSH Competent Auditory Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Date: 17-11-1984

## FORM UINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-11 AGGARWAL HOUSE, 4 14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984

Rf. No.\_IAC|Acq.II|SR-1|3-84|1159.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable as the said Act) have reason to believe that the limitovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 26/5, Portion of property No. 26 situated at Najafgarh Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16, 1908) in the COMPact of the Registeration Act, 1908 (16, 1908) in the COMPact of the Registeration Act, 1908 (16, 1908) in the COMPact of the Registeration Act, 1908 (16, 1908) in the COMPact of the Registeration Act, 1908 (16, 1908) in the COMPact of the Registeration Act, 1908 (16, 1908) in the COMPact of the Registeration Act, 1908 (16, 1908) in the COMPact of the Registeration Act, 1908 (16, 1908) in the COMPact of the Registeration Act, 1908 (16, 1908) in the COMPact of the Registeration Act, 1908 (16, 1908) in the COMPact of the Registeration Act, 1908 (16, 1908) in the COMPact of the Registeration Act, 1908 (16, 1908) in the COMPact of the Registeration Act, 1908 (16, 1908) in the COMPact of the Registeration Act, 1908 (16, 1908) in the Registeration Act, 1908 (16, 1908) in the COMPact of the Registeration Act, 1908 (16, 1908) in the Registeration Act, 1908 (16

of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

83--386GI|84

(1) M/s. National Chemical Industries Ltd. at 26 Najafgarh Road, New Delhi through its general attorney Sh. R. C. Goenka slo Sh. Chiranji 1 al Goenka, 16 Walkeshwar Road, Goenka House, Bombay,

(Transferor)

(2) Smt. Vimal Kathuria wo Sh. Ved Kathuria, El86, Kirti Nagar, Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 26|5, portion of property No. 26 Najafgarh Road, New Delhi Industrial Area Scheme, New Delhi, Mg. 97.89.

> R. P. RAIESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Date: 17-11-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JI AGGARWAL HOUSE, 4/14A ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|3-84|1161.—Whereas I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,600/-and bearing

No. 1599 situated at Aziz Ganj, Bahadurgarh Road, Azad Market Ward No. VIII, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and J have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (n) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Motia Devi Suri Wdlo Sh. Hira Nand Rlo 24/10, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Jai Prakash Aggarwal slo Sh. Manohar Lal Rlo 1600 Aziz Gani, Bahadurgarh Road, Azad Market, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inimovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 1599 Aziz Ganí, Bahadurgarh Road, Azad Market, Ward No. VIII, Delhi. Mg. 106 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Date: 17-11-1984

Σવ્હા :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING

ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984

Ref. No. LAC|Acq.H|SR-1|3-84|1162.--Whereas I, Sh. R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 4963 situated at Duchhatti Chabutra, Sadar Bazar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in teh Offime of the registering Officer on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Ishwari Parsad H.U. F. D187, Defence Colony, N. Delhi through Sh. Virendra Kumar slo Sh. Inshwari Parshad, H. U. F. Sanjeev Kumar slo Sh. Sher Singh, 405, Defence Colony, N. Delhi.
- (2) Shri Pradeed Kumar Parveen Kumar Yogendia Kumar sons of Sh. Shyam Charan Gupta Rlo 2, Ram Chandra Lane, Ram Kishore Road, Civil Line, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 undivided share in Shop No. 4963, Duchhatti Chabutra, Sudar Bazar, Delhi. Mg. 56 Sq. Ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Date: 17-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-11 AGGARWAL HOUSE, 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.tt|SR-1|3-84|1163.---Whereas, 1, R. F. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000)—and bearing No. 4963, No. 4963,

situated at Duchhatti, Sadar Bazar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March. 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

- (a) facilitating the reduction of evasion of the limbility of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assess which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Ishwari Parasad H.U.F. situated at D|87, Defence Colony, N. Delhi through Sh. Virendra Kumar S|0 Sh. Ishwari Parhed H.U.F. Sanjeev Kumar s|0 Sh. Sher Singh, 405, Defence Colony, N. Delhi

(Transferor)

(2) Shri Pradeep Kumar, Parveen Kumar, Yogendra Kumar sons of Sh. Shyam Charan Gupta, 2, Ram Chandra Lane, Ram Kishore Road, Civil Line, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

1/2 undivided share in shop No. 4963, Duchhatti Chabura, Sadar Bazar, Delhi Mg. 55 Sq. Ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Date: 17-11-1981

----

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984

Ref. No. 1AC|Acq-II|SR-1|3-84|1165.—Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing No. 30|8

situated at East Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at New Delhi on March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fan

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Snt. Parduman Kaur wo Sh. Jaswant Singh, 30/8. East Putel Nagar. New Delhi.

(2) Sh. Vijay Kumar slo Sh. Rajinder Nath and Smt. Veena Tuteja Wlo Sh. Vijay Kumar, 30/8, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferes)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 30|8, East Patel Nagar, New Delhi, Mg. 200 Sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Date: 17-11-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984

Ref. No. IAC|Acq-II|SB-1|3-84|1166, ---Whereas, I, R P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. C|118-B

32090

siruated at Moti Nagar, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1922 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Sham Nath s|o Sh. Sant Ram, C|118-B, Moti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shanti Devi wo Sh. Gian Chand, C. 118-B, Moti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. C|118-B, Moti Nagar, New Delhi. Mg. 100 Sq. yds.

R. P. RAIESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Date: 17-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II

4 14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984

Ref. No .IAC|Acq-II|SR-1|3-84|1174,—Whereas, I, P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. No. 25,000- and bearing

No. 26111, portion of property No. 26 situated at Najafgarh Road Industrial Area Scheme, New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :--

(1). M/s National Chemical Industries Limited at 26 Najafgarh Road, New Delhi thorough its attorney
Sh. R. C. Goenka
slo Sh. Chrianji Lal Goenka
16 Walkeshwar Road, Goenka House. Bombay.

(Transferor)

(2) Sh. Siri Ram Gupta s o Sh. Gopal Dasji, Smt. Kamlesh Rani Garg wo Sh. J. L. Garg. Smt. Krishan Devi wo Sh. Ram Lalii, Smt. Bhagwati Bai wo Sh. Ravi Dutt and Smt. Pushpa Devi wo Sh. Murari Lalji B-96, Wazirpur Industrial Area Scheme, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the mid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 26 11, portion of property No. 26, Nejafgarh Road, Industrial Area Scheme, New Delhi Mg. 213.50 Sq.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Date: 17-11-1984

## FORM I.T.N.S. -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 4[14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984

Ref. No. IAC|Acq-II|SR-1|83-84|1177.—Whereas, 1, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. D-254 situated at West Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), had been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at in March, 1984 for, an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act on respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other, assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomp. tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Swaraj Rain Kohli who Sh. Yash Pal Kohli, D.252 West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Bhupinder Singh slo Sh. Natha Singh, D-252 West Putel Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of:30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovesble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used neroin are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Govt. Built Property No. D-254, West Patel Nagar, New Delhi Mg, 254 Sq. Ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II DelhijNew Delhi

Date: 17-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II 4 14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984

Ref. No. IAC|Acq-II|3-84|SR-1|1181.--Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 59 and 60 Kewal Park Ext.

situated ut Village Azadpur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partics has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (87 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Sh. Ashok Kumar Slo Kashmiri Lal, B-264 Mailis Park, Delhi.

(Transferor)

(2) Darshan Singh sjo Sh. Gursahai Nagpal 51, Singh Sabha Road, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Two plots bearing No. 59 and 60 Kewal Park Ext. bearing, No. 64|1 new called as 431|64|1 of Village Azadpur, Delhi Mg, 132.5 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Date: 17-11-1984

84---386GI 84

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Subodh Kumar Gupta, A-7, Kamla Nagar, Delhi.

(1) Sh. P. D. Gupta, A-7, Kamla Nagar,

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984

Ref. No. IAC|Acq-II|SR-1|3-84|1197.---Whereas, I. ... R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the encome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. XII 6308-6309

situated at Kamla Nagar, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on March, 1984

for an apparen consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor Ъу than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House Nos. XII 6308-6309, Kamla Nagar, Delhi, Mg.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Il Delhi New De'h:

Date: 17-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984

Ref. No. IAC|Acq-II|SR-1|3-84|1198.—Whereas, I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. Plot No. 83 Blook-B

situated at Mansrover Garden, Vill. Bassai Darapur, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Girwar Prasad Agrwal s|o Sh. Dhani Ram Agarwal, BH-12. Jawahar Nagar, Jaipur.

(Transferor)

(2) Sh. Jawahar Singh slo Sh. Sobha Singh F-217, Mansrover Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 83, in blook B Mg. 297 sq. yds. situated in Mansrover Garden, Village Bassai Darapur Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delbi|New Delbi

Date: 17-11-1984

 Sh. Harish Chander slo Sh. Ram Rang Sikka, G-23|3, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Sh. Iqbal Malik s|o Sh. C. D. Malik, 617|121, Paschimpuri, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 4]14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984

Ref. No. IAC|Acq-II|SR-1|3-84|1200.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. G-23[3]

situated at Vill. Bassai Darapur, Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share in Properth No. G-23/3, Rajouri Garden, Village Bassai Darapur, Delhi Mg. 140 Sq. yds. (140.4 Sq. yds.)

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delht[New Delh

Date : 17-11-1984 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269O of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
NEW DELHI
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984

Ref. No. IAC|Acq II|SR-1|3-84 1201.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing No. 6-2313.

situated at Rajouti Garden, New Delhi Vill. Bassai Darapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesand exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the aquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Surya Kumar s|o Sh. Harish Chand R|o G-23|3, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Iqbal Malik s|o Sh. C. D. Malik 617|121, Paschimpuri, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

dxplanation — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share in property No. G-23/3, Rajouri Garden New Delhi Village Bassai Darapur, Delhi Mg. 140 Sq. yds. (140.4 Sq. yds.)

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Dolhi|New Delhi

Date: 17-11-1984

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4 14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|3-84|1205.--Whereas, I,

R. P. RAJESH, being the Competent being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 4423,

situated at Ganesh Bazar, Cloth Market, Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1984

New Deini on March 1984
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objetc of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); 1922

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namey;—

- (1) Smt. Sarla Sehgal woo Sh. P. N. Sehgal, B-16, Chirag Enclave, New Delhi.
- (2) Smt. Shankuntala Gupta woo Sh. Pyara Lal Gupta, 4423 Cloth Market, Ganesh Bazar, Delhi

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. 4423, Ganesh Bazar, Cloth Market, Delhi Mg. 50 Sq. yds,

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Date: 17-11-1984

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-I|3-84|1204.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 1221, Gali Kashmeerian, situated at Sitaram Bazar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Devo Kumari Wo Sh. Changa Mal 807 Dai Wara Mohalla Kundewalan, Ajmerigate, Debai.

(Transferee)

(2) Sh. Brij Nath Sharma So Sh. Amer Nath Sharma, 1221 Gali Kashmeerian, Bazar. Sitaram, Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 1221, Gali Kashmeerian, Bazar, Sitaram, Delbi, Mg. 70 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
New Delhi.

Date: 17-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II 4<sub>1</sub>14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984 Ref. No. JAC|Acq,II|SR-1|83-84|1209,—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No.
2500 and 3502 Ward No. 12, situated at Gali Peepal Wali
Aryapura, Subzi Mandi, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in March 1984 for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property, I have reason to believe that the fair market is less than and of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as

agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Smt. Ram Pyari Upnam Smt. Ram Katori, Wo Sh. Madan Lal, 2926, Aryapura, Subzi, Mandi, Delhi

(Transferor)

(2) Sh. Hari Ram Gupta, S|o Sh. Phool Chand Gupta, 6282 Gali Batashan, Khari Baoli, Delhi and Smt. Asha Singhal, Wo Sh. Kailash Chand 317 Kucha Sanjogi Ram, Naya Bans, Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. 3500 and 3502, Ward No. 12, Gali Peepal Wali, Aryapura, Subzi Mandi, Delhi Mg. 106 Sq. Yds. Date: 17-11-1984

> R. P. RAJESH Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II New Delhi

Date: 14-11-1984

## FORM TINS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

## INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|3-84|1226.-Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No.

454, Ward No. III, situated at Main Bazar, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-85-386GT 84

(1) Sh. Sushil Kumar Soo Sh. Diwan Chand, C-4]9, Krishna Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Kuldeep Saluja and Sh. Pramod Saluja Ss o Sh. Jagdish Lal, F-13, East of Kailash, Delhi.

(Truncferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires leter:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are Jeffred in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given a that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 454, Ward No. III, Main Bazar, Delhi Mg. 70 Sq. Yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 New Delhi.

Date: 17-11-1984

#### FORM I'INS-

(1) Sh. Suresh Kapoor So Sh. Dwarka Nath, Kapoor, 39|42, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor) (2) Sh. Parveesh Kumar Batra Slo Sh. Kanshi Ram Batra, 5873, Basti Harphool Singh, Sadar Thana Road, Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-I|3-84|1225.-Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000]and bearing No.

5854 Ward No. XIV, Plot No. 42 situated at Basti Harphool Singh, Sadar Bazar, Delhi

(and morefully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immore able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 5854, Ward No. XIV, Plot No. 42. Basti Harphool Singh, Sadar Bazar, Delhi, Mg. 10'-3"×16'-3".

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 17-11-1984

Seal 1

## FORM I.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
4[14A ASAF At UROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984

Ref. No. IAC| $\Lambda$ cq.II|SR-1|3-84|1229.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

Qr. No. A-60, situated at Abadi West Patel Nagar, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the farties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian income-tax Acr. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Dalip Singh S|o Sh. Ishar Singh E-14, Greater Kailash Enclave-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Parvati Devi Wdo Sh. Tola Ram, A-60, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Govt. Built Qr. No. A-60, in the Abadi of West Patel Nagar, New Delhi. Mg. 522 Sq. 11.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-H Aggarwal House 4 14A Asaf Ali Rond. New Delhi.

Date: 17-11-1984

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

## TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|3-84|1230.-Whereas, I, SH. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

26 4 Punjabi Bagh, Delhi situated at Punjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

(1) Sh. Vinod Kumar, 18/19, Shakti Nagar, Delhi.

(2) Smt. Vijay Obrie, H. N. 8, Road, No. 20, East Punjabi Bagh; Delhi.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sold Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. 26|4, Punjabi Bagh, Delhi Mg.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House 4 14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 17-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|3-84|1234.—Whereas 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

No. 24-F, situated at Kolhapur Road, Kamla Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Nability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Maharani Seth wo Sh. Har Narain Seth. 17 Satyawati Memorial Marg, Kamala Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kamla Eeth wo Sh. Amar Chand Seth, 24|4831, Ansari Road, Daryagani, Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

1|9th undivided share in property No. 24:F Kohlapur Road, Kamla Nagar, Delhi Mg. 272.2 Sq. Yds.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 4 14A Asaf Ali Road, New Delhi Aggarwal House,

Date: 17-11-84

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Oelhi, the 17th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|3-84|1235.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 24-F situated at Kolhapur Road, Kamla Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Satish Chand Seth so Sh. Har Narain Seth, 17 Satyawati Memorial Road, Kamla Nagar, Delhi.
  - (Transferor)
- (2) Sh. Naresh Chand Seth s|o Sh. Amar Chand Seth, 24|4831, Ansari Road, Daryagani, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1|9th undivided share in property No. 24-F, Kolhapur Road, Kamla Nagar, Delhi. Mg. 272 2 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-11-84

Scal:

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|3-84|1237.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. 1/1089, Gali Ghosian, situated at Kashmere Gate, Bara Bazar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annaexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

 Sh. Trivinder Kumar slo Sh. Bodh Raj, 111/3489, Nichelson Road, Mori Gate, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Sat Narain Goel slo Late Sh. Murari Lal, 1091, Gali Ghosian, Kashmere Gate, Delhi.

(Transleree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1|4th undivided share of property No. 1|1089 in Gali Ghosian, Kashmere Gate, Bara Bazar, Delhi, Mg. 721 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 17-11-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II 4 14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|3-84|1244.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the in property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. VI 577-581, situated at Gandhi Cloth Mkt., Ch. Chowk, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, (11 of 1922) or the said Act, or the Wea Act, 1957 (27 of 1957); 1922 Wealth-tax

(1) Mls. Kharag Singh Desraj & Sons clo. 22 Manohar Cloth Market, Katra Neel, Ch. Chowk, Delh through its partners (1) Harkishan Singh (2) Manmohan Pal Singh (3) Nirmal Mohan Singh

(4) Preet Mohan Singh (5) Brinder Mohan Uppal(6) Jatinder Mohan Uppal & (7) Subhash Uppal

- (2) Sh. Ram Kishan Dawar slo Shri Pyare Lai Dawar. 4|33, Roop Nagar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this section in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

### THE SCHEDULE

3|4th share of property No. VI|577-58, Gandhi Cloth Market, Chandni Chowk, Delhi. Mg. 126 Sq. Yds.

R. P RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said 3 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Date: 17-11-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.H|SR--1|3-84|1249.---Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing.

No. 5358, Ward No. 14, situated at Model Basti, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

86--386GI|84

- (1) Raj Kumar Kemka sjo Sh. Babo Lal Khemka, 4358, Model Basti, New Delhi and Sh. Purshottam Dass sjo Sh. Babo Lal, 5358 Model Basti, New Delhi.
- (Transferor)
  (2) Smt. Savitri Devi wo Sh. Krishan Gupta and Mohinder Kumar Gupta so Sh. Lachhiram, 17-C. New Colony, Model Basti, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 5358. Ward No. XIV, Model Basti, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 17-11-84

Scal:

#### FORM ITNS ---

(1) Sh. N. C. Katyal, A-226, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Vinod Chopra 9|63, Ramesh Nagar, New Delhi.

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4[14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984

Ref. No. 1AC|Acq.H|SR-1|3-84|1250,--Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incomee-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

No. Qr. No. 963 situated at Ramesh Nagar, New Delhi (and more fully descirbed in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi in March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) hy any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the scame meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Govt. Built Qr. No. 9 63, Ramesh Nagar, New Delhi, Mg.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 17-11-84

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AĞGARWAL HOUSE, 4,14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984

Ref. No. IAC Acq.-II | SR-1 | 3-84 | 1251.--Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. 5149 [1-11, Ward No. XIII situated at Building Harphool Singh, Chowk Ghanta Ghar, Subzi Mandi, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in March, 1984

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:---

(1) Shri Chhattar Singh Slo Late Shri Faqir Chand, Ro 4506, Mohalla Jatan Pahari Dhiraj, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Ginny Devi Wlo Shri Mool Chand Gupta, Rlo Shorakothi, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Qr. No. 5149[1-11, Ward No. XIII, (Private No. Buiding Harphool Singh, Hari Singh Chowk Ghanta Ghar, Subzi Mandi, Delhi, mg. 187.33 Sq. Yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Aggarwal House, 4|14, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 17-11-1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Lajwanti Wlo Late Shri Ramjidass, Rlo 28/93, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shrimati Nirmal Chawla, R[o 28]93, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4|14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.-II|SR-1|3-84|1252.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

28|93, situated at West Patel Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

New Delhi in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1967 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 28|93, West Patel Nagar, New Delhi. 100 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Aggarwal House,
4/14, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 17-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Kanwar Chand Seth Slo Shri Har Narain Seth, Ro 26-F, Kohlapur Road. Subzi Mandi, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Suresh Seth So Shri Amai Chand Seth, Rlo 24|4831, Ansari Road, Darya Ganj, Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER. OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4114A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984

Ref. No. 1AC|Acq.-II|SR-1|3-84|1255.— Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000[and bearing No.

Property No. 24-F situated at Kohlapur Road, Kamla Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than htteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections if any, to the acquisition of the said property may made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely, -

# THE SCHEDULE

1|9th Undivided share in property No. 24-F, Kohlaput Road, Kamla Nagar, Delhi. Mg. 272.2 Sq. Yds.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Aggarwal House, 4|14, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 17-11-1984

Seal 1

#### FORM ITNS ...

ROTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4]14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984

Rt. No. IAC|Acq.-II|SR-1|3-84|1264.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

3231, Kucha Tara Chand situated at Darya Ganj, Deihi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at New Delhi in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monoys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Girdhari Lal S|o Shri Mitthan Lal, R|o 3231, Kucha Tara Chand, Darya Ganj, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Subhash Arora W|o Shri Rajinder Kumar Arora, R|o 1451, Gali Murli Wali, Chitli Qabar, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genetic-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

G. F. Portion of H. No. 3231, Kucha Tara Chand, Darya Gani, Delhi. Mg. 67 Sq. Yds.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Aggarwal House, 4/14, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 17-11-1984

Seal 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4|14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.-H|SR-1|3-84|1265,—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

At 6 part A Attur Rehman Lane situated at Under Hill Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the asid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Surinder Kumar Gupta S|o
 Shri Devi Charan, R|o
 Part A, Under Hill Road,
 Civil Lines, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Krishna Kumuri Sharma Wlo Shri R. L. Sharma, Rlo 6 Part A, Under Hill Road, Civil Lines, Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1|8th share at 6 part A Attur Rehman Lane, Under Hill Road, Delhi-54. (Mg. 428 sq. yds.)

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Aggarwal House,
4 14, Asaf Ali Road, New Delhi
DFI HINEW DELHI

Date: 17-11-1984

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.-II|SR-1|3-84|1266,---Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

4428, Gali Chaudhary Nahar Singh situated at Pahari

Dhiraj, Delhi-6 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties his not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any unnecys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Sultan Singh So Shri Chandu Lal, Rjo 3710, Gali Maman Jamadar, Pahari Dhiraj, Delhi-6.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar Slo Shri Ved Parkash, Ro 4428, Gali Choudhary, Nahar Singh, Pahari Dhiraj, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of Property No. 4428, Gali Chaudhary Nahar Singh, Pahari Dhiraj, Delhi-6. Mg. 46 Sq. Yds.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Aggarwal House, 4|14, Asaf Ali Road, New Delhi DELHI|NEW DELHI

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subexception (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 17-11-1984

Soal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI New Delhi, the 17th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.-II|SR-1|3-84|1267.--Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000l- and bearing No. and bearing No.

XII 10028 10029 situated at Nawab Ganj, Delhi-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the

Office of the registering Officer New Delhi in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating th concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

1. Shri Ramesh Kumar, Shri Santosh Kumar,

Smt. Pushpa Alias Parbati Devi Wo 3.

- Shri Pradip Kumar,
  Smt. Prem Lata Wlo
  Shri Jugal Kishore,
  Smt. Veena alias Harsha Wlo
  Shri Vijay Kumar and
- 6. Smt. Leena alias Maya Devi Wlo Shri Vasdev So Shri Naru Mal, Rlo 178, Shalimar Bagh,

New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Manohar Lal Slo Late Shri Sadhu Mal, Ro XII|10025, Nawabguni, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Ground Floor of property No. XII|10028|10029, Nawab Ganj, Delhi-6. Mg. 212 Sq. Ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Aggarwal House, 4|14, Asaf Ali Road, New Delhi DELHI|NEW DELHI

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesold property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-87—386 GI|84

Date: 17-11-1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.-II|SR-1|3-84|1268.— Whereas I. R. P. RAJESH,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax. Act 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable, property having a tair market value exceeding

Rs. 25,000- and bearing No. M-3 situated at Abadi of West Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer at New Delhi in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Lajpat Rai Chugh (L. R. Chug) Slo Shri Punnu Ram Chugh, Rlo KG-II, 154, LIG Flats, Vikaspuri, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Anil Kumar Gupta Slo Shri Krishan Chander Gupta, Rlo M-3, Double Storey, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Govt. Built Qr. No. M-3, on ground floor at abadi of West Patel Nagar, New Delhi. Mg. 250 Sq. Ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Aggarwal House,
4|14, Asaf Ali Road, New Delhi
DELHI|NEW DELHI

Date: 17-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE D. L. F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 14th November 1984

Ref. No. BGR[232]83-84,--Whoteas I,

R. K. BHAYANA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable around the believe that the believe the believe the believe that the believe that the believe the believe that the believe the believe that the believe that the believe that the believe the believe the believe that the believe that the believe the b property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

Plot No. 849 measuring 500 s. yds. situated at Sector-17, Urban Estate, Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the registering Officer at Ballabhgarh in March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri V. P. Khanna Slo Shri Shiv Sharan Dass Khanna, Ro R-715, New Rajender Nagar, New Delhi, Power of Attorney Shri Ashwini Khanna Slo Shri Shiv Shatan Dass Khanna, Rjo R-715, New Rajender Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Renwat Mal Bhansali Slo Slo Shri Nav Rattan Mal Bhansali, Co India Auto Agency, 223, Guru Nanak Auto Market, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 8210 Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being Plot No. 849 measuring 500 S. Yds. situated in sector-17, Faridabad and as more is mentioned in the Sale Deed registered at S. No. 13737 dated 5-3-1984 with the Sub-Registrar, Ballabhgarh.

> $\mathbf{R}$ ,  $\mathbf{K}$ .  $\mathbf{BHAYANA}$ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Robtak

Date: 14-11-1984.

# 32120

#### FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# Shri Sumer Puri, Rjo Sikku Colony, Sonepat.

(1) Shri Dev Raj Slo

(2) Shri Man Chand S|o Shri Bhola, R|o Raj Mohalla, Sopenat. (Transferor)

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTITION RANGE, D. L. F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 13th November 1984

Ref. No. SPT|93|83-84.—Whereas I, R. K. BHAYANA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43, of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-und hearing No.

and bearing No. Land 7 Bighas, 7 Biswas situated at Patti Musalmanan,

Sonepat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Sonepat in March, 1984

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

Objections, if any, to the acquisition of the said property

ever period expires later;

may be made in writing to the undersigned :--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

the service of notice on the respective persons, which-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being Land 7 Bighas, 7 Biswas situated at Pattl Musalmanan, Sonepat and as more mentioned in the Sale Deed registered at S. No. 5480 dated 6-3-1984 with the Sub-Registrar, Sonepat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sait Act, to the following persons, namely:—

Dale: 13-11-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 12th November 1984

Ref. No. SPT|98|83-84.—Whereas I, R. K. BHAYANA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 10 Kanal, 8 Marlas (Land) situated at Murthal

and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at Sonepat in March, 1984

tor an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agraed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/⊶
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shii Dayanand Slo Shii Ram Singh Self and Power of Attorney, Shri Ram Kanwar Shri Raghbir Singh So and Shrimati Tulsa Wo and Shri Om Ho Shrimati Santosh Do Shri Ram Singh, R]o Murthal .

(Transferor)

(2) M|s. Indo Asian Fusc Gears Pvt. Ltd., 207, Hem Kunt Tower, 98-Nehru Place, New Delhi-110 019.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

# THE SCHEDULE

Property being Land 10 Kanal, 8 Marlas situated at Murthal (Sonepat) and as more mentioned in the Sale Deed registered at No. 5657 dated 22-3-1984 with the Sub-Registrar, Sonepat.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 12-11-1984.

#### FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 12th November 1984

Ref. No. SPΓ[99]83-84.—Whereas I,

R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Land 22 Kanal, 14 Marlas situated at Murthal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1901) in the Office of the Registering Officer at Souepat in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Kishan Slo
Shri Deep Chand, Rlo
Murthal,
Self and Power of Attorney,
Shri Balwan Singh-Jaipal-Rohtash Slo and
Mls Prem Dlo and
Shrimati Rukmani Wlo
Shri Deep Chand Urf Devan,
Murthal.

(Transferor)

(2) M|s. Indo Asian Fuse Gears Pvt. Ltd., 207, Hem Kunt Tower, 98-Nehru Place, New Delhi-110 019.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being Land 22 Kanal, 14 Marlas situated at Murthal (Sonepat) and as more mentioned in the Sale Deed registered at S. No. 5658 dated 22-3-1984 with the Sub-Registrar, Sonepat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 12-11-1984.

# FORM ITNS----

(1) Shri Kali Ram Slo Shri Nonind Ro Murthal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mls. Indo Asian Fuse Gears Pvt. Ltd. 207 Hem Kunt Tower, 98 Nehru Place. N'ew Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 12th November 1984

Ref. No. SPT | 100 | 83-84. - Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Land 10 Kanul 8 Marlas situated at Murthal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat in March, 1984

for an apparent consideration which is Jess than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arming from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-laz Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being Land 10 Kanal 8 Marlas situated at Murthal (Sonepat) and as more mentioned in the sale deed registered at S. No. 5659 Dated 22 3 1984 with the Sub Registrar Sonepat.

> R. K. BHAYANA. IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforegaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
ROHTAK
D. L. F. COLONY

Rohtak, the 13th November 1984

Ref. No. BGR|251|83-84,---Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 952 Area 532,58 S. Yds. Situated at Sector 15-A, Faridabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabhgarh in Match, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sold Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Sukhbir Singh
 Sho Shri Moola Singh,
 Through Mis. Escorts Ltd. Tractors,
 Sector-13, Faridabad.

(Transferor)

 Shri Som Nath Subhash Nath Ss o Bhagwan Dass,
 R o 509 Sector 15-A, Faridabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

HEPEANATION: .....The terms and expressions used herein we are defined in Chapter XXA of the sub-Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being Plot No. 952 Area 532.58 S. Yds. situated at Sector 15-A, Faridabad and as more mentioned in the Sale Deed registered at S. No. 15058 dated 30|3|1984 with the Sub Registrar, Ballabhgarh,

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-11-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
ROHTAK
D. I., F. COLONY

Rohtak, the 13th November 1984

Rof. No. BGR|257|83-84.—Whereas, f, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing Plot No. 793

Situated at Sector 15, Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ballabhgarh in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferrand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now unerefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following mercons namely:

88—386 GI|84

Shri B. B. Singh
 Late Harnam Singh,
 H. No. 793 Sector 15,
 Faridabad.

(Transferor)

(2) Smt. Anand Mohini Dara Wd|o Dr. Jai Kishan Dara, R|o J-13, Jangpura Extension ,New Delhi-14. Now House No. 793 Sector 15, Faridabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaster.

## THE SCHEDULE

Property being plot No. 793 situated at Sector 15, Faridabad and as more mentioned in the Sale Deed registered at S. No. 13850 dated 8|3|1984 with the Sub Registrar, Ballabhgarh.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 13-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 13th November 1984

Ref. No. BGR 258 83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing Factory Building at Plot No. 68-E. Situated at D. L. F. Industrial Estate No. 1, Mewla Maha-

rajpur, Faridabad.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ballabhgarh in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M|s. Micro Machine Tools, 3541. Nicalson Road, Delhi Through Smt. Kanta Chandhok Wo Shri R. B. Chandhok, Shri Pulin Bhushan Chandhok So Shri R. B. Chandhok, H-6, Maharani Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) M|s. Bagri Udyog Pvt. Ltd., B-14|1, Okhla Industrial Estate, Phase-II, New Delhi Through Director, Shri R. R. Bagri.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period springs are least to the persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette. within 45 days from the date of

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being factory building Plot No. 68-E, situated at DLF Industrial Estate No. 1, Mewla Maharajpur, Faridabad and as more mentioned in the Sale Deed registered at S. No. 13890 dated 9|3|1984 with the Sub Registrar, Ballabhgarh.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 13-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 12th November 1984

Ref. No. BGR|259|83-84,---Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Factory Building 68-E, Situated at DLF, Industrial Area, N.I.T., Faridabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballaghgarh in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mis. Micro Machine Tools, 3541, Nicson Road, Delhi. Clo Smt. Kanta Chandhok Wlo Shri R. B. Chandhok, Shri Pulin Bushan Chandhok So Shri R. B. Chandhok, H. No. 6 Maharani Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) M.s. Clear Water Ltd., B-14|1, Okhla Industrial Estate, Phase-II, New Delhi-110020.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being Factory Building 68-E, D.L.F., Industrial area, situated at Faridabad and as more mentioned in the Sale Deed registered at S. No. 13889 dated 9 3 1984 with the Sub-Registrar, Bellabhgarh (Faridabad).

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 12-11-1984

# FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

OF INCOME-TAX.

Rohtak, the 13th November 1984

Ref. No. GRG|186|83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Land 4 Bighas 3 Bishwas Situated at Nathupur, Gurgoan (and more fully described in the Schedule annexed here(0), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgoan in March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as

instrument of transfer with the object of :--

aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Daulat Ram
 Sho Shri Nand Ram,
 Rho Nathupur,
 Teh, and Distt. Gurgoan.

AND THE RESERVE TO THE PARTY OF THE PARTY OF

(Transferor)

(2) M|s. Adhunik Properties Pvt. Ltd. 219-Chitranjan Avenue Centre, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being Land 4 Bighas 3 Bishwas situated at Nathupur, Distt. Gurgoan and as more mentioned in the Sale Deed registered at S. No. 4781 dated 1|3|1984 with the Sub Registrar, Gurgoan.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 13-11-1984

Seal ;

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.I..F., COLONY.

Rohtak, the 13th November 1984

Ref. No. GRG|187|83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 2690 of a concentrate Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the time Solid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing 1 Bigha 9 Biswas situated at Nathuper, Gurgaen (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in March, 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with me object of:—

- (a) faciliting the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-mx Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Svs Daulat Ram S|o Shri Nand Ram, Dindyal Ram Mehar Ss|o Roop Ram, Khuba S|o Bega, Prema S|o Umrao, R|o Nathupur, Distt. Gurgoan.

(Transferor)

 M's, Adhunik Properties Pvt. Ltd. 219-Chitranjan Avenue Centre, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being Land 1 Bigha 9 Biswas situated at Nathupur, Distt. Gurgoan and as more mentioned in the Sale Decd registered at S. No. 4782 dated 1/3/1984 with the Sub Registrar, Gurgoan.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sussection (1) or Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

Date: 13-11-1984.

#### FORM ITNS----

 Shri Beg Raj S|o Mai Sukh Sh.i Kanhia Singh S|o Sh. Bhagwana V. & P.O. Shahpur, Teh. & Distt. Hissar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Vijay Laxmi Kaushik W|o Shri Vijay Kaushik, R|o Railway Double Gate, Thandi Sarak, Hissar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY.

Rohtak, the 13th November 1984

Ref. No. HSR[155]83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing Plot 1150 S. Yds, situated at Durga Petrol Pump (Behind),

Dabda Chowk (Near), Hissar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hissar in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expures later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being Plot measuring 115 S. yds, situated behind the Durga Petrol Pump, Near Dabda Chowk, Hissar and as more mentioned in Sale Deed registered at S. No. 5442 dated 27-3-1984 with the Sub Registrar, Hissar.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-11-1984.

# FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISION RANGE ROHTAK

Rothak, the 13th November 1984

Ref. No. HSR 156 83-84.—Whereas, I. R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing

House Building at Plot No. 100 situated at M.C. Colony,

Hissar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in March, 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Smt. Bhagwati Devi Sharma, Assistant, H. S. E. B. Chandigarh Wo Shri V. K. Sharma, Assistant, H. S. E. B., Chandigarh, R.o. 962, Sector-10, Panchkula, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Smt. Saroj Kumari Wlo Shri Bhism Dev Sethi, Vill. & P. O. Lohari Raghee, Teh. Hansi, Distt. Hissar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being House on Plot No. 100 situated at M.C. Colony, Hissar and as more mentioned in the Sale Deed registered at S. No. 5450 dated 28-3-1984 with the Sub-Registrar, Hissar.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Robtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the keid Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-11-1984

Scal:

#### NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISION RANGE ROHTAK

Rothak, the 12th November 1984

Ref. No. SPT 101 83-84.—Whereas, I. R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding movable property having Rs. 25.000 and bearing No. Land 4 Kanal

situated at Kundli

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patters has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

be theilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M|s Falkan Engineers Pvt. Ltd. 66-A|1 New Rohtak Road, Delhi Through Shri Mohan Singh Sio Shri Waryam Singh.

(Transferor)

(2) M/s Greysham International Pvt. Ltd. 4-B, Vandana Building-11, Tolstoy Marg, New Delhi Through Sh. Mohan Singh, Director Rlo 1/1 Roop Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being Land 4 Kanal situated at Vill Kundli, Distt. Sonepat and as more mentioned in Sale Deed regstered at S. No. 5668 dated 22-3-1984 with the Sub Registrar, Sonepat.

> R. K. BHAYANA Competent Auhtority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:--

Date: 12-11-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISION RANGE ROHTAK

Rothak, the 12th November 1984

Ref. No. SPT|105|83-84.--Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Land 12 Kanal situated at Kundli

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sonepat in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or an moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, asmely ;---

89-386 GI 84

- (1) Shri Mahan Singh So Shri Waryam Singh,
  - H. No. 66-A 1 New Rohtak Road. Delhi.

(Transferor) (2) M/s Greysham International Pvt. Ltd. 4-B, Vandana Building-11, Tolstoy Maig, New Delhi Through Director Shri Mohan Singh So Shri Man Singh, Ro 1 1 Roop Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION; -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land 12 Kanal situated at Kundli, Distt. Sonepat and as more mentioned in the Sale Deed registered at S. No. 5763 dated 30-3-1984 with the Sub Registrar, Sonepat.

> R. K. BHAYANA Competent Auhtority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 12-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISION RANGE ROHTAK

Rothak, the 13th November 1984

Ref. No. DBW|9|83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (4.3 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. Half portion of Shop No. 62 situated at Nai Anaj Mandi, Dabwali

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dabwali in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Om Parkash
  S|o Shri Balwant Rai
  S|o Shri Kanshi Ram,
  R|o Mandi Dabwali
  on behalf of Smt. Hukma Devi
  W|o Sh. Puran Chand,
  R|o Mandi Gabindgarh Now Mandi Dabwali.
  (Transferor)
- (2) Smt. Sumitra Devi Wlo Shri Om Parkash Slo Shri Darbari Lal, Shop No. 62 Nai Anaj Mandi Dabwali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being half portion of Shop No. 62 situated at Nai Anaj Mandi, Dabwali and as more mentioned in the Sale Deed registered at S. No. 3200 dated 23-3-1984 with the Sub Registrar, Dabwali.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range
Rohtak

Date: 13-11-1984

Scal:

(1) Mis Bhagwan Dass Time Industries Pvt. Ltd., 47-B, Friends Colony. New Delhi.

(Transferor)

(2) M|s Sankyo Vikas (India) Ltd. 12-A Najafgarh Road, New Delhi,

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## **GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISION RANGE ROHTAK

Rothak, the 12th November 1984

Ref. No. BGR[261]83-84.—Whereas, I,

R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Industrial Plot No. 65, Sector-27-A, Faridabad situated at Sector 27-A, Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at Ballabhgarh in March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publiction of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property Industrial Plot No. 65, Sector-27A, Faridabad situated at Faridabad & as more mentioned in the sale Deed registered at S. No. 14179 dated 13|3|1984 with the Sub Register, Ballabhgarh (Faridabad).

R. K. BHAYANA Competent Auhtority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rohtak

Now, therefore, in pursuance of ection 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of ection 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-11-1984

Sen1:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-ROHTAK

Rohfak, the 12th November 1984

Ref No. PNP|149|83-84.--Whereas, J.

R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a Rs. 25,000|- and bearing No. fair market value exceeding

No. Plot 194 4 9 Sq. Yds. situated at Madel Town, Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

Plot 194 4 9 Sq. Yds. situated at Model Town, Panipat under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in 5562, 30-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Brij Rani Sharma Wo Shri Ram Pal Sharma, R o 30-R Model Town, Panipat.

(Transferor)

(2) Smt, Tulsi Devi Arora Wo Shri Sham Sunder Arora, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the aforesaid persons within a period of able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being Plot No. 499-R measuring 194 4|9 Sq. Yds. situated at Model Town, Panipat and more mentioned in Sale Deed registered at S. No. 5562 dated 30-3-1984 with the Sub Registrar, Panipat.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant ommissioner of Income-tax Acquisition Range

Date: 12-11-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Madan Lal Slo Shri Sham Sunder

(1) Shri Ram Pal Sharma

Panipat

(Transferor)

Through Punjab National Bank, Muran (Gwalior)

S|o Shri Hans Raj Sharma, Rlo 30-R Model Town,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 12th November 1984

Ref. No. PNP 150 83-84—Wheras, I. R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Plot No. 499-R (194 4 9 S. Yds.) southern portion situated at

Model Town, Panipat

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at Panipat in 5563, 30-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(12" facilitating the concealment of any income or any snoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property muy be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being Plot No. 499-R measuring 194 4 9 Sq. Yds. situated at Model Town, Panipat and as more mentioned in Sale Deed registered at S. No. 5563 dated 30-3-1984 with the Sub Registrar, Panipat.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 12-11-1984.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shri Kalu Ram So Paras Ram So Shri Lala Ram, Ro Panipat.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M|s Shivshanker Furniture Works Through Shri Rajender Prasad S|o Shri Sham Lal, Panipat.

Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 12th November 1984

Ref. No. PNP|154|83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Land 6 Kanal situated at Patti Makhdum Jadgan, Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in 30-3-1984, 5554 for an apparent consideration which is less than the fair

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in 30-3-1984, 5554 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being Land 6 Kanal situated at Patti Makhdum Jadgan, Distt. Panipat and more mentioned in Sale Deed registered with the Sub Registrar, Panipat at S. No. 5554 dated 30-3-1984.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-11-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 13th November 1984

Ref. No. RTK|116|83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 1050 S. Yds. Plot No. 574 situated at Ward No. 13,

Rohtak.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Rohtak in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, at the Whith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Sudha Malik W|o Baljit Singh Malik, R|o 1790 Sector-23-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Industrial Cables India Ltd. Industrial Area Punjab, Through Shri Inderjit Singh Bhandari, Manager Construction of Firm, Industrial Area, Rajpura (Punjab).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDUE

Property being Plot No. 570 is situated at Ward No. 13 Rohtak and as more mention. in Sale Deed registered at S. No. 5846 dated 19-3-1984 with the Sub Registrar, Rohtak.

R. K. BHAYANA Competent Authority Inspr.ng Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date : 12<sup>-1984</sup>.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 12th November 1984

Ref. No. AMB|123|83-84.--Whereas, I,

R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. One-third part of the area 6038.5. S. Yds. situated at Circular Road, Ambala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in Reg. No. 7790 dated 22|3|1984. for an apparent considering which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reoson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the co-cealment of any income or any moneys or other tests which have not been or which ought to be aclosed by the transferree for the purposes of the adian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the aid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 69C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the audition of the atoresaid property by the issue of this audition of the section (1) of Section 269D of the said Act the following perssons namely:-

(1) Shri Jagdish Lal So Manohar Lal So Shri Shobha Ram, Ro 10482-83, Ward No. 6, Talkie Road, Ambala City.

(Transferor)

(2) Shri Vinod Kumar Slo Ved Parkash So Shri Noruta Ram, R|o 10710, Ward No. 6, Ambala City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being One-third of land 6038.5 Sq. Yds. situated at Circular Road, Ambala City and as more mentioned in Sale Deed registered at S. No. 7790 dated 22-3-1984 with the Sub- Registrar, Ambala,

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 12-11-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 12th November 1984

Ref. No. KNL|99|83-84,---Whereas, Ι, R. K. ΒΗΛΥΑΝΑ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the inmovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. Shop 115 Sq. Yds. situated at Punjab National Bank, G.T. Road, Karnal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at

Karnal in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evanon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Rajender Singh Rehal
 S|o Sh. Hari Singh,
 H. No. RB|168 Sadar Bazar,
 Karnal Through Shrimati Kartar Kaur
 D|o Shri Gur-bux Singh.

(Transferor)

(2) Shri Faqir Chand Arora S|o Shri Sunder Dass, R|o HUF 170|1, Civil Lines. Ludhiana (Punjab).

(Transferée)

Objections, if any, to the acquisition of the said propertymay be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being Shop measuring 115 S. Yds. situated at G.T. Road, Karnal and as more mentioned in Sale Deed registered at S. No. 6197 dated 1-3-1984 with the Sub Registrar, Karnal.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 12-11-1984.

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 13th November 1984

Ref. No. NNL|5|83-84.—Whereas, 1, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 - and bearing No.

Shop and House situated at Nai Mandi, Narnaul (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Narnaul in March, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under he said Act, to respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Parbhati
Lal S|o Shri Ganga Din S|o
Shri Gurdyal Mal Aggarwal R|o Nangal Chaudhry
Self and Power of Attorney Shri Bhagirath Prasad
S|o Ganga Din, Anil Kumar S|o Shri Gaja Nand
Chaudhry R|o Nangal Chaudhry, Teh. Narnaul at
present Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Girwar Parsad S|o Durga Parsad Aggarwal R|o Nai Mandi Narnaul.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesam persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said able property within 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property Shop and House situated at Nai Mandi, Narnaul and as more mentioned in the Sale Deed registered at S. No. 2724 dated 23-3-1984 with the Sub Registrar, Narnaul.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 13-11-1984.